संस्कृत सम्बद्ध सभी प्रति

प्रतियोगि

भाग

वैदिकव
संस्कृतव
भाषावि

5500 प्रश्नों का

सम्पादक
सर्वज्ञभूषण

संस्कृतगङ्गा की पुस्तकें अब ऑनलाइन भी उपलब्ध
Sanskritganga.org
Flipkart.com

प्रकाशक
संस्कृतगङ्गा
दारागञ्ज, प्रयाग

तियोगी परीक्षाओं के लिए

गितागङ्गा

ग- 1

वाङ्मय
व्याकरण
ाविज्ञान

का स्रोत सहित हल

सह-सम्पादिका
अनीता वर्मा
सुमन सिंह

अधिकृत विक्रेता
युनिवर्सल बुक्स
1519 अल्लापुर
इलाहाबाद

पुस्तक प्राप्ति के स्थान

1. **मुख्य वितरक**
   राजू पुस्तक भण्डार, अल्लापुर, इलाहाबाद
   सम्पर्क सूत्र : 0532-2503638, 9453460552
2. संस्कृतगङ्गा, दारागञ्ज, इलाहाबाद
   सम्पर्क सूत्र : 7800138404, 9839852033
3. गौरव बुक एजेन्सी, कैण्ट, वाराणसी
4. विजय मैग्जीन सेन्टर, बलरामपुर
5. जायसवाल बुक सेन्टर, हरदोई – 9415414569
6. शिवशंकर बुक स्टाल, जौनपुर
7. न्यू पूर्वांचल बुक स्टाल, जौनपुर – 9235743254
8. कृष्णा बुक डिपो बस्ती – 8182854095
9. मनीष बुक स्टोर, गोरखपुर – 9415848788
10. द्विवेदी ब्रदर्स, गोरखपुर – 0551-344862
11. विद्यार्थी पुस्तक मन्दिर, गोरखपुर – 9838172713
12. आशीर्वाद बुक डिपो, अमीनाबाद, लखनऊ
13. मालवीय पुस्तक केन्द्र, अमीनाबाद, लखनऊ – 9918681824
14. मॉडर्न मैग्जीन बुक शॉप, कपूरशाला, लखनऊ
15. साहू बुक स्टॉल, अलीगंज, लखनऊ – 9838640164
16. भूमि मार्केटिंग, लखनऊ – 9450520503
17. दुर्गा स्टोर, राजा की मण्डी, आगरा – 9927092063
18. महामाया पुस्तक केन्द्र, बिलासपुर – 09907418171
19. डायमण्ड बुक स्टाल, ज्वालापुर, हरिद्वार
20. कम्पटीशन बुक हाउस, सब्जी मण्डी रोड, बरेली
    सम्पर्क सूत्र : 9897529906
21. अजय गुप्ता बुक स्टोर, लखीमपुर – 809062054
22. शिवशंकर बुक स्टाल, रीवा – 9616355944
23. कृष्णा बुक एजेन्सी, वाराणसी – 9415820103
24. गर्ग बुक डिपो, जयपुर
25. अग्रवाल बुक सेन्टर, मुखर्जी नगर, नयी दिल्ली

संस्कृतग

प्रिय संस्कृतमित्राणि! नमः संस्कृताय।

- संस्कृतगङ्गा दारागञ्ज प्रयाग द्वारा ''**प्रतियोगितागङ्गा**'' (भाग
वैदिक वाङ्मय, संस्कृतव्याकरण एवं भाषाविज्ञान से सम्बद्ध वि
सप्रमाण हल प्रस्तुत है।
- इसके बाद प्रतियोगितागङ्गा (भाग-2) जिसमें भारतीयदर्शन एवं स
कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है, शीघ्र ही आपकी सेवा में उ
- मित्रों! इस पुस्तक का लेखनकार्य जुलाई 2014 से प्रारम्भ किय
से अधिक अनवरत परिश्रम के बाद पुस्तक का यह स्वरूप आ
को तैयार करने में काफी समय लगा, परन्तु कोई भी जिज्ञासु
''**जानाति हि पुनः सम्यक् कविरेव कवेः श्रमम्**'' (नलचम
में प्रश्नों का ही तो संग्रह है और क्या मौलिक सर्जना है, परन्तु
2 वर्षों तक लगभग 25 संस्कृतमित्रों के सहयोग से क्या विशेष
गुणी पाठक ही बता सकता है, कि पुस्तक का कार्य कितना
''**जानन्ति हि गुणान् वक्तुं तद्विधा एव तादृशाम्**''
- प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय में हम सभी लोगों की यह आम
परीक्षा की तैयारी करने के पूर्व प्रत्येक छात्र उस परीक्षा की मूल
गये प्रश्नों को देखना समझना चाहता है, ताकि उसी के अनुसार
पुस्तक संस्कृत प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी
प्रथम एवं अनिवार्य पुस्तक होगी। क्योंकि इसमें भारत में सम्पन्न
स्रोत एवं उत्तर के साथ संकलित है। इस पुस्तक की यही विशि
ही संग्रह किया गया है न कि स्वनिर्मित प्रश्नों का। प्रश्नों की
प्रत्येक प्रश्न के आगे उस परीक्षा का नाम और वर्ष भी अङ्कित
- मित्रों! इस पुस्तक का यह स्वरूप बनाने में कुछ बड़ी चुनौतिय
(i) प्रश्नपत्रों की उपलब्धता
(ii) प्रश्नों का सही उत्तर खोजना
(iii) उत्तरों का प्रामाणिक ग्रन्थों से सही स्रोत लिखना
(iv) प्रश्नों की पुनरावृत्ति रोकना
(v) सभी प्रश्नों का सही सन्दर्भ लिखना
(vi) किसी भी तरह के मुद्रणदोष से पुस्तक को बचाना
(vii) प्रश्नों को सही क्रम में व्यवस्थित करते हुए उचित स्थान
इन सभी चुनौतियों को संस्कृतगंगा की सम्पादक टीम ने अथ

तगङ्गा उवाच

(भाग-1) आप सभी संस्कृतमित्रों की सेवा में समर्पित है, इस पुस्तक में
द्ध विगत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गये बहुविकल्पीय प्रश्नों का

एवं संस्कृतसाहित्य से सम्बद्ध सभी बहुविकल्पीय प्रश्नों का संग्रह है, यह
में उसे भी प्रस्तुत करने का प्रयास होगा।
किया गया था, तब से लेकर आज सितम्बर 2016 तक लगभग दो वर्ष
आपके सामने आ सका है, तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि इस पुस्तक
ज्ञासु प्रतियोगी छात्र इसे पढ़कर इसके श्रम का अनुभव कर सकता है–
लचम्पू 1/23) कहने को तो यह भी कहा जा सकता है कि इस पुस्तक
परन्तु मित्रों यह तो इसके स्वाध्याय से ही पता चलेगा कि इसमें लगातार
शेष कार्य किया गया है। इस कार्य को तो कोई जिज्ञासु, स्वाध्यायी तथा
तना गुरुतर, श्रमसाध्य एवं भगीरथप्रयास से ही सम्भव था, क्योंकि–

आम धारणा रही है कि TGT, PGT, UGC आदि किसी भी प्रतियोगी
मूल प्रकृति को जानने समझने के लिए उस परीक्षा के विगतवर्षों में पूछे
नुसार वह योजनाबद्ध तरीके से अपनी तैयारी कर सके। इस दृष्टि से यह
गी सिद्ध होगी, तथा संस्कृत से जुड़ी सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
म्पन्न संस्कृत-सम्बद्ध किसी भी परीक्षा का प्रश्न यथासम्भव सही सन्दर्भ,
विशिष्टता रही है कि इसमें केवल विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का
की प्रकृति के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गयी है, और
ङ्कित किया गया है।
तियाँ संस्कृतगङ्गा के सामने थीं, जैसे–

स्थान पर संकलित करना
अथक परिश्रम करके आसान बना दिया।

आइये इस पुस्तक की कुछ खास विशेष

1. विगत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के संस्कृतसम्बद्ध प्रश्न

- मित्रों! इस पुस्तक में भारतवर्ष में सम्पन्न किसी भी प्रतियोगी परी
पूछा गया है, तो उसका संकलन किया गया है; वह परीक्षा चाहे
JNU या DU आदि की प्रवेश परीक्षा से ही सम्बद्ध क्यों न हो।
हजार) से अधिक प्रश्न प्रतियोगितागङ्गा के दोनों भागों में संगृह
- इस पुस्तक में वैदिकवाङ्मय से लगभग 2000 (दो हजार) प्रश
हजार पाँच सौ) प्रश्नों का संग्रह है। इसप्रकार प्रतियोगितागङ्गा
5500 बहुविकल्पीय प्रश्नों का संग्रह है।
- विगत वर्षों में सन् 1990 से अब तक की किसी भी प्रतियोगी
'प्रतियोगितागङ्गा' में करने का पूरा प्रयास किया गया है; वह परी
प्रश्न IAS, PCS, RPSC, MPPSC के प्रथम प्रश्नपत्र (सामा
सबसे पुराना वेद कौन-सा है? (ii) ऋग्वेद की मूल लि

इसीप्रकार प्राचीन इतिहास, सामाजिक विज्ञान और हिन्दी साहित्
प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी प्रश्नों को यथासम्भव संकलित करने का
थे उनके प्रश्न इस संस्करण में संकलित नहीं हैं। आगामी संस्करण मे

2. प्रश्नों का विषयवार विभाजन–

इस पुस्तक में सर्वप्रथम सभी प्रश्नों को पाँच भागों में विभाजित
1. वैदिकवाङ्मय, 2. संस्कृतव्याकरण, 3. भाषाविज्ञान, 4. भा
अब यदि प्रश्न वेद से सम्बद्ध है तो उसे वैदिकवाङ्मय में और य
सही स्थान पर संकलित किया गया।

पुनः वैदिकवाङ्मय को **ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद,**
ग्रन्थकार आदि **17 अध्यायों** में विभाजित किया गया। अब जो प्र
संकलित किया गया, अर्थात् ऋग्वेद से सम्बद्ध सभी प्रश्न ऋग्वेद में,
गये। इसप्रकार वैदिकवाङ्मय से सम्बद्ध सभी प्रश्न तत्तत् अध्यायों में
हो गये। साथ ही इसका भी ध्यान रखा गया है कि कौन-सा प्रश्न पह

इसीप्रकार व्याकरण सम्बद्ध प्रश्नों को **संज्ञा, सन्धि, समास**
विभाजित करके संकलित किया गया। अतः इस पुस्तक में सभी प्र
एकस्थान पर आपको एक साथ मिलेंगे।

3. प्रश्नों का सही सन्दर्भ–

इस पुस्तक में प्रत्येक प्रश्न के आगे परीक्षा का नाम और परीक्षा
TGT–2010, PGT–2011, UGC J–2000 आदि। इससे पाठको
कहाँ पूछा गया था।

4. प्रश्नों की पुनरावृत्ति का अभाव–

विभिन्न प्रश्नपत्रों से प्रश्नों को संकलित करते समय देखा गया वि
एक ही बार लिखकर उसका सन्दर्भ उस प्रश्न के आगे लिख दिया ग
से पूछा गया है, भाव साम्य है, और उत्तर भी समान है तो ऐसे भी प्रश
अध्याय के प्रश्न क्र-39 को देखें–

ोषताओं से हम आपको परिचित करायें–

प्रश्नों का संग्रह–

ी परीक्षा में यदि कोई भी संस्कृतवाङ्मय से सम्बद्ध बहुविकल्पीय प्रश्न
चाहे IAS, PCS, UGC, TGT, PGT या किसी विश्वविद्यालय BHU,
न हो। इस प्रकार से 400 से अधिक प्रश्नपत्रों से लगभग 12000 (बारह
संगृहीत किये गये हैं।

) प्रश्न तथा संस्कृतव्याकरण एवं भाषाविज्ञान से लगभग 3500 (तीन
ागङ्गा (भाग-1) में वेद, व्याकरण और भाषाविज्ञान से सम्बद्ध लगभग

योगी परीक्षा में यदि एक भी प्रश्न संस्कृतसम्बद्ध था तो उसका संकलन
ह परीक्षा संस्कृतविषय से ही पूर्णतया सम्बद्ध हो, ऐसा नहीं है, बहुत सारे
सामान्यज्ञान) से भी संकलित हैं, विशेषकर वैदिकवाङ्मय में। जैसे– (i)
ा लिपि थी, (iii) गायत्रीमन्त्र किस पुस्तक में मिलता है आदि।
ाहित्य की TGT, PGT, UGC आदि परीक्षाओं में संस्कृत से जुड़े बहुत
े का पूरा प्रयास किया गया है। हाँ, जो प्रश्नपत्र उपलब्ध नहीं हो पाये
रण में उनको भी संगृहीत करने का प्रयास होगा।

ाजित किया गया है–
. भारतीयदर्शन, 5. संस्कृतसाहित्य
और यदि व्याकरण, दर्शन, साहित्य और भाषाविज्ञान से हैं तो उन्हें उनके

वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वैदिकसूक्तियाँ, वैदिकग्रन्थ-
जो प्रश्न जिस अध्याय से सम्बद्ध था उस प्रश्न को उसी अध्याय में
द में, यजुर्वेद से सम्बद्ध प्रश्न यजुर्वेद नामक अध्याय में संकलित किये
ों में विभाजित करने से एक विषय के प्रश्न एक ही स्थान पर एकत्रित
न पहले होगा, कौन बाद में।
मास, कारक, प्रत्यय, शब्दरूप, धातुरूप आदि 16 अध्यायों में
ी प्रतियोगी परीक्षाओं के संज्ञा, सन्धि, समास आदि से सम्बद्ध प्रश्न

रीक्षा वर्ष का सन्दर्भ मोटे-मोटे (Bold) अक्षरों में लिखा गया है; जैसे–
ाठकों को यह पता चलेगा कि यह प्रश्न किस परीक्षा में किस वर्ष और

ाया कि एक ही प्रश्न कई परीक्षाओं में बार-बार पूछा जा रहा है, तो उसे
या गया। कई बार ऐसा भी देखा गया कि वही प्रश्न किसी दूसरी शैली
ी प्रश्नों को एक ही जगह संकलित किया गया है। जैसे– ऋग्वेद नामक

(i) सर्वप्राचीनवेदः कः? **BHU AET–2011**

(ii) सबसे पुराना वेद कौन सा है? **BHU MET–2012, UK**

(iii) संसारस्य प्राचीनतमः ग्रन्थः कः? **UK TET–2014, CC**

(iv) पाश्चात्त्य विद्वानों के अनुसार प्राचीनतम वेद कौन है? **U**

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद (C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्पष्ट है कि यह प्रश्न 6 अगल-अलग परीक्षाओं में पूछा गया
6 बार न लिखकर एक ही जगह संकलित किया गया। इससे एक ही

5. स्रोत सहित प्रामाणिक उत्तर–

इस पुस्तक में संकलित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर स्रोत के साथ
पुस्तकों, इण्टरनेट या आप्तपुरुष गुरुजनों की सलाह को वरीयता दी
जिन पुस्तकों से उत्तरों की जाँच पड़ताल की जा रही है, वे प्रामाणिक
लेखक का नाम नहीं है उसे विद्वज्जनों की सलाह के आधार पर सही
के लिए **प्रो0 गिरिजाशंकर शास्त्री** तथा व्याकरण के उत्तरों की
मार्गदर्शन मिलता रहा है। साथ ही बहुत सारे प्रश्नों का उत्तर ठीक वैसे
या सूत्र से वह उत्तर सही माना गया है। खासकर वाच्यपरिवर्तन, शब

6. मुद्रणदोष और गलत उत्तरों की सम्भावना नगण्य–

मित्रों! इस पुस्तक को पाँच बार प्रूफ किया गया है, सामान्यतया
पुस्तक को अलग-अलग व्युत्पन्न प्रतियोगी छात्रों एवं योग्य शिक्षकों द्वा
या उत्तरों के गलत होने की सम्भावना न के बराबर है, फिर भी "**पु**
ही कहना वाचालता होगी।

7. स्रोत ग्रन्थसूची–

इस पुस्तक के अन्त में उन सभी प्रामाणिक पुस्तकों की सूची (
उपयोग उत्तरों का सही स्रोत खोजने में किया गया है।

कृतज्ञता-

अन्त में उन सभी संस्कृतगंगा के भगीरथों को नमन, जिन्होंने प्र
साधना की। विशेषकर जिन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गयी थी; अपनी सम्प
नेगमदेवी को। इनके साथ जो छाया की तरह इनका साथ देती रहीं उ
नीलमगुप्ता, पूजागुप्ता, कुसुम, पूजा तिवारी एवं **रागिनी शुक्**

जिन्होंने तीर्थराज प्रयाग के गङ्गातट पर स्थित संस्कृतगङ्गा से प्रा
समर्पण कर दिया, जिनमें से सभी को नाम्ना स्मरण करने में तो शाय
मेरा परम कर्त्तव्य हैं जिनमें **अम्बिकेशप्रताप सिंह, राघवकुमार**
रामबिहारी दुबे, सत्यप्रकाश साहू, अमितसिंह 'कोरॉव', ज्ञान
'निर्मोही', श्रीकान्त, दिनेश दुबे, शेषमणि उपाध्याय, सित
दीपचन्द्रयादव, सुनीलचौरसिया, दीपचन्द्र चौरसिया, महेन्द्र मि
मनमोहन मिश्र, प्रभाकर पाण्डेय, उपमन्यु मिश्र, अशोक सिंह
उमापति वर्मा, केदारनाथ तिवारी, डॉ0 सुनीलसिंह, राजी
रामकृष्ण पाल, दीपकशास्त्री, नितिन शुक्ला, दिवाकर चतुर्वे

UKPCS–2009
CCSUM Ph.D–2016
? UPPCS–1995

गया है, यहाँ प्रश्न की प्रकृति समान थी, उत्तर भी समान था, अतः इसे
क ही प्रश्न की पुनरावृत्ति नहीं हुई।

साथ दिया गया है; उत्तरों की प्रामाणिकता के लिए विद्वान् लेखकों की
दी गयी है। पुस्तकों का चयन करते समय यह ध्यान रखा गया है कि
णिक हों। साथ ही जिन प्रश्नों के नीचे स्रोत के रूप में किसी पुस्तक या
सही उत्तर माना गया है; जैसे ज्योतिषवेदाङ्ग की उत्तरों की प्रामाणिकता
की शुचिता के लिए **प्रो0 ललितकुमार त्रिपाठी** गुरुजी का सतत
क वैसे ही नहीं मिल पा रहा था, जैसा प्रश्न में पूछा है, पर उसी नियम
शब्दरूप या धातुरूप आदि में।

यतया किसी भी पुस्तक की तीन बार प्रूफ रीडिंग की जाती है, किन्तु इस
कों द्वारा पाँच बार प्रूफ किया गया है; अतः इस पुस्तक में मुद्रणगत दोष
''**पुस्तक 100% शुद्ध, सत्य एवं सरल है**'' ऐसा प्रथमसंस्करण में

ची (लेखक, प्रकाशक एवं प्रकाशनवर्ष के साथ) दी जा रही है, जिनका

ता-ज्ञापनम्

होंने प्रतियोगिता रूपी गङ्गा को इस पृथ्वी में लाने में 2 वर्षों की अखण्ड
सम्पादकीय टीम से जुड़ी **अनीतावर्मा, सुमनसिंह, अमितासिंह** एवं
हीं उनमें **कविता सिंह, प्रियंका उमराव, रचनासिंह, शफीनाबेगम,**
शुक्ला को हार्दिक धन्यवाद।

से प्रादुर्भूत इस प्रतियोगिता रूपी गङ्गा को निर्मल बनाने में अपना सर्वस्व
शायद कागज कम पड़ जाय किन्तु कुछ मित्रों को नाम से स्मरण करना
कुमार झा, सुशीलसिंह (चञ्चल), रमाकान्तमौर्य, मनीषशर्मा,
ज्ञानसिंह, राजीवशुक्ल, अरुणपाण्डेय 'बजरंगी', अरुणपाण्डेय
सितर्जनपाल, चन्द्रकान्तमिश्र, अमितयादव, सुभाषचन्द्र पाल,
द्र मिश्र, वीरेन्द्र यादव, श्रीकृष्ण मिश्र, अमित सिंह (बाराबंकी),
सिंह, विमलेश कुमार, रंजीत कुमार वर्मा, करुणाशंकर भार्गव,
राजीवसिंह, प्रवीण शास्त्री, रवीन्द्रमिश्र, सच्चिदानन्द शुक्ल,
चतुर्वेदी, अनिल सिंह को हार्दिक धन्यवाद।

प्रतियोगितागङ्गा में संकलि

परीक्षा	वर्ष
AWES TGT	200
BHUAET	201
BHU B.ed	201
BHU MET	200
BHU RET	200
BHU Sh.ET	200
CCSUM (H) Ph.D	201
CCSUM Ph.D	201
BPSC	199
Chh. PSC	200
CLP (चकबन्दी लेखपाल परीक्षा)	201
C-TET	201
CVVET	201
DL (डायट प्रवक्ता संस्कृत)	201
DL (H) (डायट प्रवक्ता हिन्दी)	201
DSSSB PGT	201
DSSSB TGT	201
G-GIC	201
HE (हायर एजुकेशन)	201
H-TET	201
IAS	199
Jh. PSC	200
JNU MET (M.A. प्रवेश परीक्षा)	201
JNU M.Phil/Ph.D	201
MP वर्ग-I PGT	201
MP-PSC	199
MP-TET	201
REET (राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा)	201
RLP (राजस्व लेखपाल परीक्षा)	201
RPSC	199
RPSC ग्रेड-I, II, III	201
UGC कोड-25 (संस्कृत)	199
UGC कोड-73 (संस्कृत परम्परागत विषय)	199
UGC कोड-20 (हिन्दी)	200
UGC कोड-06 (इतिहास)	201
UGC कोड-09 (शिक्षाशास्त्र)	200
UK-TET	201
UK SLET	201
UK PCS	200
UP GDC	200
UP GDC (हिन्दी)	201

कलित प्रश्नपत्रों की सूची

वर्ष	प्रश्नपत्रों की संख्या
2008–2013	06
2010–2013	34
2011–2015	05
2008–2016	09
2008–2012	02
2008–2013	03
2016	01
2016	01
1992–2011	12
2003–2012	06
2015	01
2012–15	11
2015	01
2015	01
2015	01
2014	01
2014	01
2015	01
2015	01
2013–2015	04
1994–2013	24
2003–2013	06
2014–2015	02
2014–015	02
2012	01
1990-2012	19
2011	01
2016	01
2015	01
1992–2013	13
2010-2014	04
1994–2015	50
1991-2015	41
2007-2015	26
2012-2015	20
2005-2013	09
2011	03
2012–2015	04
2002–2011	05
2008–2014	03
2012	01

परीक्षा	वर्ष
UP GIC	200
UP PGT (संस्कृत)	200
UP PGT (समाजशास्त्र)	201
UP PGT (हिन्दी)	200
UP PCS	199
UP TET	201
UP TGT (संस्कृत)	199
UP TGT (हिन्दी)	200
UP TGT (सामाजिक विज्ञान)	200

सङ्केताक्ष

AWES TGT– Army Welfare Educational Society (अ

BHU AET– Banaras Hindu University Aachary En

BHU B.Ed– Banaras Hindu University Bachelor of

BHU MET– Banaras Hindu University Master of Art

BHU RET– Banaras Hindu University Research En

BHU Sh.ET– Banaras Hindu University Shastri Entr

BPSC– Bihar Public Sarvice Commisson (बिहा

CCSUM Ph.D– Chaudhari Charan Singh University M
(चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ शोध

CCSUM (H) Ph.D– Chaudhari Charan Singh University
(चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ हिन्दी

Chh. PSC– Chhattisgarh Public Sarvice Commiss

C-TET– Central Teacher Eligibility Test (केन्द्रीय

CVVET– Combind Vidya Varidhi Entrance Test

DL– Diet Lecturer डायट प्रवक्ता (संस्कृत)

DL(H)– Diet Lecturer (Hindi) डायट प्रवक्ता (हिन्द

DSSSB PGT– Delhi Subordinate Services Selection
(दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड) प्रवक्ता प

DSSSB TGT– Delhi Subordinate Services Selection
(दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड) प्रशिक्षित

G-GIC– Goverment Girls Inter College (राजकीय

HE– Higher Education (असिस्टेन्ट प्रोफेसर परी

H-TET– Hariyana Teacher Eligibility Test (हरि

IAS– Indian Administrative Service (भारतीय

Jh.-PSC – Jharakhand Public Service Commissio

JNU MET– Jawahar Lal Nehru University Master
(जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर

JNU M.Phil-Ph.D– Jawaher Lal Nehru University Master

MP वर्ग-I PGT– Madhya Pradesh Prawakta Pareeksha

MP PSC– Madhya Pradesh Public Service Comm

MP TET– Madhya Pradesh Teacher Eligibility T

वर्ष	प्रश्नपत्रों की संख्या
2009–2015	02
2000–2013	08
2010–2013	02
2000-2013	08
1999–2013	20
2013–2016	07
1999–2013	09
2001-2013	09
2001–2013	07
	कुल योग = 409

ाक्षर सूची

y (आर्मी स्कूल संस्कृत शिक्षक परीक्षा)
y Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय आचार्य प्रवेश परीक्षा)
r of Education (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा)
f Art Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा)
n Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अनुसन्धान प्रवेश परीक्षा)
Entrance Test (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शास्त्री प्रवेश परीक्षा)
(बिहार लोक सेवा आयोग)
ty Merath Doctor of Philosophy
ोध प्रवेश परीक्षा)
ity Merath Hindi Doctor of Philosophy
हन्दी शोध प्रवेश परीक्षा)
misson (छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग)
न्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
Test (संयुक्त विद्या वारिधि प्रवेश परीक्षा)

(हिन्दी)
ion Board Post Graduate Teacher
ता परीक्षा
ion Board Trained Graduate Teacher
क्षित स्नातक
जकीय बालिका इण्टर कालेज)
र परीक्षा, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग)
(हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा)
रतीय प्रशासनिक सेवा)
ission (झारखण्ड लोक सेवा आयोग)
ster of Art Entrance Test.
कोत्तर प्रवेश परीक्षा)
ster of Philosophy. Doctor of philosophy
sha (मध्य प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा)
ommission (मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग)
ty Test (मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा)

REET– Rajsthan Eligibility Examination for Te

RLP – Rajasva Lekhapal Pareeksha (राजस्व ले

RPSC– Rajasthan Public service Commission

RPSC ग्रेड-I PGT– Rajasthan Public service Commission
(राजस्थान लोक सेवा आयोग वरिष्ठ अध्यापक

RPSC ग्रेड-II TGT– Rajasthan Public Service Commissio
(राजस्थान लोक सेवा आयोग वरिष्ठ अध्यापक

RPSC ग्रेड-III– Rajasthan Public Service Commision (

UGC 25 J– University Grant Commission Code-25
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 25 D– University Grant Commission Code-25
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 25 S– University Grant Commission Code-25
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 73 J– University Grant Commission Code-73
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 73 D– University Grant Commission Code-73
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 73-S– University grant Commission Code-73
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC (H) J– University Grant Commission (Hindi) J
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC (H) D– University Grant Commission (Hindi) D
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 06 J– University Grant Commission Code-06
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 06 D– University Grant Commission Code-06
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 09 J– University Grant Commission code - 0
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UGC 09 D– University Grant Commission Code - 0
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित

UK TET– Uttarakhand Teacher Eligibility Test (

UK SLET– Uttarakhand State Lecturer Eligibility

UK PCS– Uttarakhand Provincial Civil Service-

UP GDC– Uttar Pradesh Government Degree Col

UP GDC (H)– Uttar Pradesh Government Degree Col

UP GIC– Uttar Pradesh Government Inter Colle

UP PGT– Uttar Pradesh Post Graduate Teacher

UP PGT (S.S.)– Uttar Pradesh Post Graduate Teacher (

UP PGT (H)– Uttar Pradesh Post Graduate Teacher (

UP PCS– Uttar Pradesh Provincial Civil Service

UP TET– Uttar Pradesh Teacher Eligibility Test

UP TGT– Uttar Pradesh Trained Graduate Teacher

UP TGT (H)– Uttar Pradesh Trained Graduate Teacher

UP TGT (S.S.)– Uttar Pradesh Trained Graduate Teach
(उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन प

or Teacher (राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा)
त्व लेखपाल परीक्षा)
sion (राजस्थान लोक सेवा आयोग)
sion Post Graduate Teacher
यापक परीक्षा)
ission Trained Graduate Teacher
यापक परीक्षा)
ion (राजस्थान लोक सेवा आयोग कनिष्ठ अध्यापक परीक्षा)
e-25 Sanskrit June
योजित कोड-25 संस्कृत जून)
e-25 Sanskrit December
योजित कोड-25 संस्कृत दिसम्बर)
e-25 Sanskrit September
योजित कोड-25 संस्कृत सितम्बर)
e-73 Sanskrit June
योजित कोड-73 संस्कृत परम्परागत विषय जून)
e-73 Sanskrit December
योजित कोड-73 संस्कृत परम्परागत विषय दिसम्बर)
e-73 Sanskrit September
योजित कोड-73 संस्कृत सितम्बर)
di) June
योजित कोड 20 हिन्दी जून)
di) December
योजित कोड 20 हिन्दी दिसम्बर)
e-06 June
योजित कोड 06 (इतिहास) जून)
e-06 December.
योजित कोड 06 (इतिहास) दिसम्बर)
e - 09 June
योजित कोड 09 (शिक्षाशास्त्र) जून)
e - 09 December
योजित कोड-09 (शिक्षाशास्त्र) दिसम्बर)
est (उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा)
lity Test (उत्तराखण्ड राज्यस्तरीय प्रवक्ता अर्हता परीक्षा)
ice-es. (उत्तराखण्ड प्रान्तीय लोक सेवा)
e College (उत्तर प्रदेश राजकीय महा-विद्यालय (स्क्रीनिंग परीक्षा)
e College (उत्तर प्रदेश राजकीय महाविद्यालय स्क्रीनिंग परीक्षा (हिन्दी)
ollege (उत्तर प्रदेश राजकीय इण्टर कालेज प्रवक्ता)
her (उत्तर प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा संस्कृत)
her (Sociology) (समाजशास्त्र (उत्तर प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा)
her (Hindi) (उत्तर प्रदेश प्रवक्ता परीक्षा, (हिन्दी)
vice-es (उत्तर प्रदेश प्रान्तीय लोक सेवा)
Test (उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा)
cher (Sanskrit) (उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा (संस्कृत)
cher (Hindi) (उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा (हिन्दी)
eacher Social Science
न परीक्षा (सामाजिक विज्ञान)

अनुक्रम

भाग-1
वैदिकवाङ्मय

क्रमणिका

भाग-2
संस्कृत व्याकरण

भाग

वैदिक

ग-1

वाङ्मय

1. ऋ

1. वेदः अस्ति– UGC-73 D–2004

(A) श्रुतिः (B) स्मृतिः
(C) सदाचारः (D) धर्मः

स्रोत–*मनुस्मृति (2/10)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–119*

2. (i) 'श्रुति' किसे कहते हैं– BHU MET–2010
(ii) 'श्रुति' का दूसरा नाम– BHU AET–2011

(A) स्मृति (B) वेद
(C) सूक्ति (D) ब्रह्मसूत्र

स्रोत–*मनुस्मृति (2/10)–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–119*

3. वेदः कः– UGC 25 J–2015, BHU-AET–2011

(A) अपौरुषेयं वाक्यम्
(B) अङ्ग-प्रधान-सम्बन्ध-बोधकं वाक्यम्
(C) कर्मबोधकं वाक्यम्
(D) समभिव्यवहारः वाक्यम्

स्रोत–अर्थसंग्रह – राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–58

4. (i) वेदों की संख्या है?
(ii) कति वेदाः सन्ति–
BHU B.ed–2014, 2015, UK TET–2011

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत– *वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–03*

5. (i) वेदों को किसने विभाजित किया है?
(ii) वेदानां विभाजनं कः कृतवान्?
(iii) वेदस्य चतुर्धा विभागः केन कृतः?
BHU-AET-2010, 2012, MP PSC–2005

(A) यास्कः (B) विश्वामित्रः
(C) महीधरः (D) कृष्णद्वैपायनः (व्यासः)

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–04*

1. (A) 2. (B) 3. (A) 4. (B) 5. (D) 6.

ऋग्वेद

6. (i) 'वेद' शब्द का अर्थ है?
(ii) 'वेद' शब्द से अभिप्रेत है?
UGC 25 J–1994, MP PSC–1991

(A) दर्शन (B) ऋषिमत
(C) ज्ञान (D) सिद्धान्त

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–02*

7. (i) 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया?
(ii) वर्ण व्यवस्था का प्रथम उल्लेख होता है?
UP PGT (S.S.)–2010, 2013

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (10.90.12)*
(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–401

8. 'श्रुति' शब्दः कस्यार्थस्य बोधकोऽस्ति–
BHU AET–2010

(A) वेदस्य (B) स्मृतिग्रन्थस्य
(C) निरुक्तस्य (D) व्याकरणस्य

स्रोत–*मनुस्मृति (2/10)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–119*

9. 'वेदा अपौरुषेयाः' इति स्वीकुर्वन्ति– UK SLET–2015

(A) बौद्धाः (B) जैनाः
(C) चार्वाकाः (D) मीमांसकाः

स्रोत– *अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–58*

10. मीमांसा की दृष्टि से वेद के प्रकार हैं–BHU MET–2015

(A) विधि-मन्त्र-नामधेय-निषेध-अर्थवाद
(B) मन्त्र एवं ब्राह्मण
(C) द्रव्य एवं देवता
(D) चारों वेद एवं वेदाङ्ग

स्रोत– *अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–20*

6. (C) 7. (A) 8. (A) 9. (D) 10. (A)

11. 'श्रुतिः' पद का व्युत्पत्तिलभ्य अर्थ है? H TET–2014

(A) शृणोति धर्मं यः (B) श्रूयते धर्मोऽनया इति
(C) श्रूयते धर्ममनेन इति (D) इनमें से कोई नहीं

12. श्रुति है– UGC 73D–2013

(A) द्विविधा (B) त्रिविधा
(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा

***स्रोत**–अर्थसंग्रह - दयाशंकर शास्त्री, पेज–43*

13. वेदाः कस्याः प्रतीकभूतज्ञानराशयः सन्ति? AWES TGT–2013

(A) प्रतीकस्य (B) सभ्यतायाः
(C) दिशायाः (D) मानवसंस्कृतेः

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–01

14. इतिहासपुराणाभ्यां ..... समुपबृंहयेत्– UGC 73D–2012

(A) संस्कृतम् (B) धर्मम्
(C) वेदम् (D) स्मृतिम्

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–41*

15. अपौरुषेयाः वेदाः भवन्ति? UGC73 D–2012

(A) अनित्याः (B) ईश्वरकर्तृकाः
(C) नित्याः (D) व्यासनिर्मिताः

***स्रोत**– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17*

16. (i) वेदशब्देन किमभिप्रेतम्
(ii) वेद इन्हें कहते हैं?
UGC 25 D-1997, 2001, BHU AET–2012

(A) धर्मसूत्र-उपनिषद् (B) शिक्षा-प्रातिशाख्य
(C) श्रौत-गृह्यसूत्र (D) मन्त्र-ब्राह्मण

***स्रोत**– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–02*

17. मन्त्राणां समुदायस्य किं नाम अस्ति? BHU AET–2010

(A) संहिता (B) ब्राह्मण
(C) आरण्यक (D) उपनिषद्

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–33*

18. वेदों के काव्यात्मक हिस्से को कहा जाता है? UP TGT (S.S.)–2014

(A) ब्राह्मण (B) आरण्यक
(C) संहिता (D) उपनिषद्

***स्रोत**– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77*

11. (A) 12. (B) 13. (D) 14. (C) 15. (C) 16.
21. (D) 22. (A) 23. (A)

19. संहितापाठानन्तरं क्रियते? UGC 25 D–2010, 2014

(A) सन्धिपाठः (B) समासपाठः

(C) पदपाठः (D) क्रमपाठः

स्रोत– वैदिकसूक्तसंग्रह – विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–13

20. सुमेलित कीजिए? MP PSC–1999

(अ) अथर्ववेद 1. ईश्वर महिमा

(ब) ऋग्वेद 2. बलिदान विधि

(स) यजुर्वेद 3. औषधियों से सम्बन्धित

(द) सामवेद 4. संगीत

	अ	ब	स	द
(A)	3	1	2	4
(B)	2	3	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–06

21. (i) 'वेदत्रयी' पदस्य अभिप्रायोऽस्ति

(ii) 'वेदत्रयी' समूह क्या है?

BHU MET–2012, MP PGT–2012

(A) ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद

(B) ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद

(C) अथर्ववेद, सामवेद, यजुर्वेद

(D) ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, पेज–03

22. 'त्रयी' इति संज्ञा– BHU AET–2010

(A) वेदस्य (B) वर्णस्य

(C) गुणस्य (D) मन्त्रस्य

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–03

23. अपौरुषेयग्रन्थः को विद्यते? BHU AET–2010

(A) वेदः (B) पुराणम्

(C) रामायणम् (D) महाभारतम्

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–77

16. (D) 17. (A) 18. (C) 19. (C) 20. (A)

24. (i) वेदारम्भः कुतः प्रारभ्यते? UGC 25 S–2013
(ii) वेदारम्भो विधीयते? UK SLET–2012
(A) संहितातः (B) पदपाठतः
(C) जटापाठतः (D) घनपाठतः
स्रोत– *वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08*

25. सायणमते वेदस्य स्वरूपं किम्– BHU AET–2011
(A) दिव्यज्ञानम्
(B) लोकोत्तरपदम्
(C) अलौकिकप्रतिष्ठा
(D) 'इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारस्यालौकिकोपायभूतं ज्ञानम्'
स्रोत– *वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

26. (i) आर्षेयपरम्परा के अनुसार वेद हैं–
(ii) वेदः कोऽस्ति– BHU AET–2011, UGC 25 D–2003
(A) रचितः (B) पौरुषेयः
(C) लिखितः (D) अपौरुषेयः
स्रोत– *अर्थसंग्रह - कामेश्वरनाथ मिश्र, पेज–47*

27. वेदस्य स्वतः प्रामाण्यत्वे किं मानम्– BHU AET–2011
(A) ईश्वरप्रोक्तम् (B) प्रमाणाभावः
(C) अग्निवर्णनम् (D) दुःखनिवृत्तिसाधनम्
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-13*

28. 'वेदत्रयी' में किसकी गणना नहीं होती है–
UGC 25 D–1999
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद
स्रोत– *वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–03*

29. वेदशब्दस्य निष्पत्तौ का निष्पत्तिः समीचीना नास्ति–
BHU AET–2012
(A) विद्ज्ञाने (B) विद्सत्तायाम्
(C) विद्निवारणे (D) विद्विचारणे
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–02*

30. कः कथ्यते वेदनिन्दकः– BHU AET–2010
(A) वेदवित् (B) नास्तिकः
(C) आस्तिकः (D) नैयायिकः
स्रोत–*मनुस्मृति (2/11) - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–120*

24. (A) 25. (D) 26. (D) 27. (A) 28. (D) 29.
34. (B) 35. (C) 36. (D) 37. (A)

31. (i) धर्म का मूल प्रमाण है–
(ii) धर्म का मूल स्रोत है–UGC 73J–1991, 2007
(A) वेद (श्रुति) (B) चार्वाकदर्शन
(C) लोकाचार (D) याज्ञवल्क्य

स्रोत–*मनुस्मृति (2/6) - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–118*

32. 'वेदेन प्रयोजनमुद्दिश्यविधीयमानोऽर्थः धर्मः' एतल्लक्षणं केन कृतम्? BHU-AET–2011
(A) भास्करेण (B) खण्डदेवेन
(C) कृष्णयज्वना (D) आपदेवेन

33. आद्युदात्तः वेदशब्दः कस्य वाचकः? BHU-AET–2012
(A) सूर्यवाचकः (B) संख्यावाचकः
(C) ग्रन्थवाचकः (D) 'ख'-वाचकः

स्रोत– *संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ब्रजबिहारी चौबे, भू. पेज–49*

34. अन्त्योदात्तः वेदशब्दः कस्य वाचकः? BHU AET-2012
(A) ग्रन्थवाचकः (B) कुशमुष्टिवाचकः
(C) जलवाचकः (D) हस्तवाचकः

स्रोत– *संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ब्रजबिहारी चौबे, भू. पेज– 49*

35. 'ऋक्-प्रातिशाख्य' सम्बन्धित है– UGC 25 J–2001
(A) सामवेद से (B) अथर्ववेद से
(C) ऋग्वेद से (D) यजुर्वेद से

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–197*

36. ऋग्वेदीयः ऋत्विक्– BHU AET–2010
(A) ब्रह्मा (B) उद्‌गाता
(C) अध्वर्युः (D) होता

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

37. 'होता' कस्य वेदस्य मन्त्रैः देवानामाह्वानं करोति? BHU AET–2010
(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

29. (C) 30. (B) 31. (A) 32. (D) 33. (C)

38. छन्दोबद्धः वेदोऽस्ति? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) यजुर्वेदः (B) ऋग्वेदः
(C) सामवेदः (D) धनुर्वेदः

स्रोत– *वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज– 48*

39. (i) सर्वप्राचीनवेदः कः?
(ii) सबसे पुराना वेद कौन सा है?
(iii) संसारस्य प्राचीनतमः ग्रन्थः कः?
(iv) पाश्चात्त्य विद्वानों के अनुसार प्राचीनतम वेद कौन है? BHU AET-2011, BHU MET-2012
UP PCS–1995, UK PCS–2009, UP TET–2014
CCSUM-Ph. D–2016

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–04*

40. (i) ऋग्वेद का दूसरा नाम है– UGC 25 D–1997,
(ii) ऋग्वेदस्य नामान्तरम्– J–2007

(A) दशाध्यायी (B) दशतयी
(C) दशमण्डली (D) गानवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - कर्णसिंह, पेज–36*

41. (i) 'दशतयी' पदेन कस्य बोधो जायते –
(ii) 'दशतयी' से किस वेद को जाना जाता है?
(iii) कः वेदः 'दशतयी' इति नाम्नापि ज्ञायते–
(iv) 'दशतयी' शब्देन उच्यते– BHU MET–2011
BHU AET-2012 HE-2015
UGC 25 J–2005, 2009, 2010

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) आयुर्वेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - कर्णसिंह, पेज–36*

42. आयुर्वेदः कस्य वेदस्योपवेदः– BHU AET-2011

(A) ऋक् (B) साम
(C) यजुः (D) अथर्व

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

43. होतुः सम्बद्धः वेदः कः– BHU-AET–2011

(A) सामवेदः (B) यजुर्वेदः
(C) ऋग्वेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

38. (B) 39. (A) 40. (B) 41. (A) 42. (A) 43.
48. (C)

44. **मण्डलक्रमः केन वेदेन सम्बद्धः – UGC 25 J–2015**
(A) अथर्ववेदेन (B) ऋग्वेदेन
(C) यजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - कर्णसिंह, पेज–36*

45. **(i) ऋग्वेद की सृष्टि किससे हुयी है? BHU AET–2010**
(ii) ऋग्वेदः सम्प्राप्तः– UGC 25 S–2013
(A) वायु से (B) अग्नि से
(C) जल से (D) आकाश से

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

46. **(i) ऋग्वेद का प्रथमसूक्त है–**
(ii) ऋग्वेदे प्रथममण्डलस्य प्रथमसूक्तं किम्?
BHU MET-2015, RPSC ग्रेड-I PGT–2014
(A) अग्निसूक्त (B) रुद्रसूक्त
(C) पर्जन्यसूक्त (D) सवितृसूक्त

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55*

47. **(i) ऋग्वेद में सूक्तों की संख्या– MP PSC–1992**
(ii) ऋग्वेदे सूक्तसंख्या वर्तते–RPSC ग्रेड-I PGT–2011
(iii) ऋग्वेद में .... सूक्त हैं? Chh. PSC–2010
(A) 1008 (B) 1018
(C) 1028 (D) 1038

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–06*

48. **(i) महाभाष्ये ऋग्वेदस्य कति शाखाः स्वीकृताः सन्ति?**
(ii) ऋग्वेदस्य कियत्यः शाखाः सन्ति–
(iii) पतञ्जलि के अनुसार ऋग्वेद की शाखाओं की संख्या है–
(iv) पातञ्जलमहाभाष्यानुसार ऋग्वेद की शाखा संख्या है? BHU AET–2011, 2012
BHU MET–2008, 2009, 2012, UGC 73 J–2015
(A) सहस्रम् (1000) (B) शतम् (100)
(C) एकविंशतिः (21) (D) नव (9)

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

43. (C) 44. (B) 45. (B) 46. (A) 47. (C)

49. प्रसिद्ध ऋग्वेद सम्बद्ध है– BHU MET–2011

(A) शाकलशाखा से (B) वाष्कलशाखा से

(C) आश्वलायनशाखा से (D) शांखायनशाखा से

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

50. 'शाकलसंहिता' किस वेद की है– BHU MET–2008

(A) अथर्ववेद (B) ऋग्वेद

(C) सामवेद (D) शुक्लयजुर्वेद

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

51. 'वाष्कलसंहिता' वर्तते– UGC 25 D – 2010

(A) शुक्लयजुर्वेदस्य (B) सामवेदस्य

(C) ऋग्वेदस्य (D) कृष्णयजुर्वेदस्य

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

52. माण्डूकायनशाखा से सम्बन्धित है– BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद

(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–29*

53. ऋग्वेद के दशम मण्डल में कितने सूक्त हैं? UGC 73 D–2015

(A) 43 (B) 191

(C) 62 (D) 58

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–30*

54. ऋग्वेद की मूल लिपि थी– UP PCS–2004

(A) देवनागरी (B) खरोष्ठी

(C) पाली (D) ब्राह्मी

स्रोत*– भाषाविज्ञान-डॉ0 कर्णसिंह, पेज– 314*

55. स्कन्दस्वामी का भाष्य किससे सम्बद्ध है– BHU MET–2011

(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से

(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–10*

56. ऋग्वेदस्य शाखाः– CVVET–2015

(A) 5 (B) 6

(C) 8 (D) 7

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–29*

49. (A) 50. (B) 51. (C) 52. (A) 53. (B) 54.
59. (C) 60. (C) 61. (C) 62. (B) 63. (D)

57. (i) ऋग्वेद के पदपाठकार हैं–
(ii) ऋग्वेदस्य पदपाठस्य कर्ता कः आसीत्–
UGC 25 D–2007, BHU MET–2014
(A) सायणाचार्यः (B) स्कन्दस्वामी
(C) यास्कः (D) शाकल्यः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22*

58. (i) वंशीयमण्डल विभक्त हैं– UGC 25 D–2002,
(ii) वंशीयमण्डलानि उपलभ्यन्ते– 2007
(A) यजुर्वेदे (B) ऋग्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–30*

59. दानस्तुतिसूक्तानि संहितायां सन्ति–
UGC 73 J–2012, UGC 25 D–2015
(A) माध्यन्दिन-संहिता (B) तैत्तिरीय-संहिता
(C) ऋग्वेद-संहिता (D) काण्व-संहिता
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–55*

60. (i) पुरुषसूक्त आता है– UGC 25 J–1994, 2001
(ii) पुरुषसूक्त का सम्बन्ध है–
(A) शतपथ-ब्राह्मण से (B) सामवेद से
(C) ऋग्वेद से (D) अथर्ववेद से
ऋक्सूक्तसंग्रह ऋग्वेद (10/90) - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–392

61. पुरुषसूक्त ऋग्वेद के .... मण्डल में है–
MP PSC–2003
(A) प्रथममण्डल (B) नवममण्डल
(C) दशममण्डल (D) सप्तममण्डल
वैदिकसूक्तसंग्रह ऋग्वेद (10/90) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–18

62. ऋग्वेदे स्वरितस्वरः प्रदर्श्यते– UGC 25 J–2014
(A) अधः (B) उपरिष्यत्
(C) तिर्यक् (D) परितः
स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, भू. पेज–36*

63. (i) शाकलशाखा कस्य वेदस्य– UGC 25 J–1995
(ii) शाकलशाखा से सम्बद्ध वेद है– 1999
(iii) शाकलशाखा केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति–
UK SLET–2015, BHU AET–2011, 2012
(A) अथर्ववेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

54. (D) 55. (A) 56. (A) 57. (D) 58. (B)

64. (i) ऋग्वेद में मन्त्रों की संज्ञा है– AWES TGT–2010
(ii) ऋग्वेदस्य मन्त्रः कथ्यते? 2013, UK SLET–2015
UGC 25 D–1996

(A) साम　(B) ऋचा
(C) यजुः　(D) इनमें से कोई नहीं

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–28*

65. (i) आयुर्वेद किस वेद का उपवेद है– UGC 25 D–
(ii) आयुर्वेद इस वेद का विषय है– 1996, J–2003

(A) ऋग्वेद　(B) यजुर्वेद
(C) सामवेद　(D) अथर्ववेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

66. पुरूरवा-उर्वशी संवाद किस वेद में है–
UGC 25 D–1996, 1999, 2001, J–2009
UP GDC–2008, BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद में　(B) यजुर्वेद में
(C) सामवेद में　(D) अथर्ववेद में

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–55*

67. ऋग्वेद में 'पारिवारिक-मण्डल' कहे गये हैं–
UGC 25 D–1997

(A) एक　(B) दस
(C) आठ-नौ　(D) दो से सात

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–30*

68. 'समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः' किस वेद का अन्तिम मन्त्र है? UGC 25 J–2004

(A) यजुर्वेद　(B) सामवेद
(C) कृष्णयजुर्वेद　(D) ऋग्वेद

***स्रोत**–ऋग्वेद (10.191.04) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–577*

69. 'ऋक्'-शब्दस्यार्थः भवति– BHU AET–2011

(A) अभिमर्शनम्　(B) स्तुतिः
(C) शंसनम्　(D) यज्ञः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–44*

64. (B)　65. (A)　66. (A)　67. (D)　68. (D)　69.
74. (D)

70. ''पावका नः सरस्वती'' इति मन्त्रः वर्तते– **BHU AET–2011**

(A) प्रथमसूक्तस्य (B) द्वितीयसूक्तस्य
(C) तृतीयसूक्तस्य (D) चतुर्थसूक्तस्य

स्रोत–*ऋग्वेद (1.3.10) भाग-1 - वेदान्ततीर्थ, पेज–25*

71. (i) गायत्रीमन्त्र किस पुस्तक में मिलता है–
(ii) प्रसिद्ध गायत्रीमन्त्र किस धर्म-ग्रन्थ में हैं–
(iii) गायत्रीमन्त्र के नाम से प्रसिद्ध मन्त्र सर्वप्रथम किस ग्रन्थ में मिलता है–
(iv) गायत्रीमन्त्रः वर्णितः– **UP PCS–2013, MP PSC–1997, 1999, BPSC–1994, JNU MET–2015**

(A) भगवद्गीता (B) अथर्ववेद
(C) ऋग्वेद (D) मनुस्मृति

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–37*

72. निम्नलिखित में से किसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है? **UP PCS–1997**

(A) यजुर्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88*

73. ऋग्वैदिककाल के प्रारम्भ में निम्न में से किसे महत्त्वपूर्ण मूल्यवान् सम्पत्ति समझा जाता था– UP PCS–2015

(A) भूमि को (B) गाय को
(C) स्त्रियों को (D) जल को

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

74. ऋग्वेद संहिता का नवम मण्डल पूर्णतः किसको समर्पित है? **BPSC–1995**

(A) इन्द्र और उनका हाथी
(B) उर्वशी का स्वर्ग
(C) पौधों और जड़ी-बूटियों से सम्बन्धित देवतागण
(D) सोम और इस पेय पर नामांकित देवता

स्रोत–*ऋग्वेद (भाग-4) - वेदान्ततीर्थ, पेज–07*

69. (B) 70. (C) 71. (C) 72. (B) 73. (B)

75. ऋग्वेद का कौन सा मण्डल पूर्णतः 'सोम' को समर्पित है–
BPSC–1997

(A) 7वाँ मण्डल (B) 8वाँ मण्डल
(C) 9वाँ मण्डल (D) 10वाँ मण्डल

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49*

76. (i) 'बालखिल्यसूक्त' ऋग्वेद के किस मण्डल में है–
(ii) ऋग्वेद के ...... मण्डल में 'बालखिल्य सूक्त' है–
BHU MET–2011

(A) अष्टम (B) प्रथम
(C) तृतीय (D) दशम

स्रोत–*ऋग्वेद (8/49) भाग-3 - वेदान्ततीर्थ, पेज–177, 350*

77. बालखिल्यसूक्तानि विद्यन्ते– UGC 25 J–2007

(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे
(C) अथर्ववेदे (D) यजुर्वेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47*

78. (i) ऋग्वेद में 'बालखिल्य सूक्त' कितने हैं–
(ii) ऋग्वेद में बालखिल्य सूक्त कितने हैं?
BHU MET–2009, 2013

(A) चार (B) ग्यारह
(C) बारह (D) तेरह

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–29*

79. ऋग्वेद का कौन-सा मण्डल सबसे अर्वाचीन है–
BHU MET–2010

(A) दशम (B) अष्टम
(C) द्वितीय (D) सप्तम

स्रोत–*ऋग्वेद (भाग-4) - वेदान्ततीर्थ, पेज–08*

80. अवेस्ता की तुलना किस वेद से की जाती है–
BHU MET–2012, 2013

(A) ऋग्वेद (B) अथर्ववेद
(C) आयुर्वेद (D) धनुर्वेद

स्रोत–*वैदिक माइथोलाजी - रामकुमार राय, पेज–12*

75. (C) 76. (A) 77. (A) 78. (B) 79. (A) 80.
85. (D) 86. (A) 87. (A)

81. सामगान का जिस वेद पर गायन किया जाता है, वह वेद है– BHU MET–2014

(A) यजुर्वेद (B) ऋग्वेद
(C) अथर्ववेद (D) शुक्लयजुर्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88*

82. प्रसिद्ध 'शुनःशेपाख्यान' जिसमें मिलता है, वह वेद है– BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–264*

83. सामवेद के मन्त्र सबसे अधिक किस वेद से लिये गये है– UP GDC–2008

(A) शुक्लयजुर्वेद से (B) कृष्णयजुर्वेद से
(C) ऋग्वेद से (D) अथर्ववेद से

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88*

84. ऋग्वेदेऽग्निसूक्तेऽग्निरुच्यते– UP GDC–2014

(A) सुतपा (B) पुरोहितः
(C) यज्ञः (D) सर्वकल्याणः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–55*

85. 'ऋक्'–शब्दस्य दार्शनिकः अर्थः कः– BHU AET–2011

(A) अध्वर्युः (B) यज्ञः
(C) दानम् (D) ब्रह्म

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45*

86. यागे शस्त्रं केन पठ्यते– BHU AET–2012

(A) होत्रा (B) ब्रह्मणा
(C) आग्नीध्रेण (D) उद्गात्रा

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45*

87. कः ऋग्वेदस्य मन्त्रैः देवानामाह्वानं करोति– BHU AET–2012

(A) होता (B) अध्वर्युः
(C) उद्गाता (D) ब्रह्मा

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–04*

80. (A) 81. (B) 82. (A) 83. (C) 84. (B)

88. ऋग्वेद की रचना कहाँ हुयी थी– MP PSC–1990

(A) दक्षिणभारत (B) पंजाब
(C) मध्यभारत (D) सप्तसैन्धव प्रदेश

स्रोत–*संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–10*

89. ऋग्वेदस्य कस्य मण्डलस्य नाम पवमानमण्डलम् अस्ति– BHU AET–2012

(A) प्रथमस्य (B) द्वितीयस्य
(C) पञ्चमस्य (D) नवमस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–112*

90. कः वेदः अभ्यर्हितः– BHU AET–2011

(A) ऋक् (B) यजुः
(C) साम (D) अथर्व

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–52

91. 'अस्यवामीयसूक्त' मिलता है– UGC 73-J–1999

(A) कृष्णयजुर्वेद में (B) ऋग्वेद में
(C) सामवेद में (D) अथर्ववेद में

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि' पेज–42*

92. ऋग्वेदस्य मुख्यविषयः अस्ति– AWES TGT–2010, 2012

(A) उपासना (B) कर्म
(C) ज्ञानम् (D) विज्ञानम्

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–38*

93. (i) वर्णव्यवस्था का सर्वप्रथम विवरण कहाँ प्राप्त होता है–
(ii) चारों वर्णों का प्रथमबार उल्लेख किस वेद में किया गया है–
MP PSC–1990, 1997, 1999, 2005, 2010

(A) ऋग्वेद के अन्तिम मण्डल में (पुरुषसूक्त में)
(B) महाभारत में
(C) छठीं शताब्दी ई० पू० के ग्रन्थों में
(D) तृतीय शताब्दी ई० पू० के ग्रन्थों में

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–401*

88. (D) 89. (D) 90. (A) 91. (B) 92. (A) 93.
98. (A) 99. (A) 100. (C)

94. ऋग्वेदकाल में जनता निम्न में से मुख्यतया किसमें विश्वास करती थी– **UP PCS–1993**

(A) मूर्तिपूजा (B) एकेश्वरवाद
(C) देवीपूजा (D) बलि एवं कर्मकाण्ड

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–38*

95. ऋग्वेद में वर्णित धर्म का आधार था– **MP PSC–1996**

(A) शिव-पूजा (B) मूर्ति-पूजा
(C) प्रकृति-पूजा (D) नाग-पूजा

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–40*

96. वेद में वर्णित सबसे सामान्य अपराध निम्नलिखित में से क्या था– **MP PSC–1999**

(A) अपहरण (B) पशुओं की चोरी
(C) डकैती (D) हत्या

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–44

97. 'होतृगणे' कति ऋत्विजः भवन्ति– **BHU AET–2012**

(A) षट् (B) सप्त
(C) अष्ट (D) चत्वारः

स्रोत–*वैदिक शब्द-मीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–238*

98. आर्य-अनार्य युद्ध का वर्णन मिलता है– **MP PSC–1991**

(A) ऋग्वेद में (B) उपनिषद् में
(C) स्मृति में (D) ब्राह्मणग्रन्थ में

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–413*

99. स्तुतिप्रधान वेद है– **BHU MET–2008**

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) अथर्ववेद (D) सामवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–31*

100. ऋग्वेद के किस मण्डल में सोमयज्ञ के मन्त्र उपलब्ध होते हैं– **BHU MET–2010**

(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) नवम (D) सप्तम

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–35

93. (A) 94. (D) 95. (C) 96. (B) 97. (D)

101. 'आश्वलायन श्रौतसूत्र' से सम्बन्धित वेद है–
BHU MET–2015

(A) ऋग्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–194*

102. 'Langlois' ने ऋग्वेद का जिस भाषा में अनुवाद किया है वह है– **BHU MET–2015**

(A) English (अंग्रेजी) (B) French (फ्रेंच)
(C) Germon (जर्मन) (D) Italian (इटली)

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–16

103. 'अग्निमीळे पुरोहितम्' इति मन्त्रांशं कस्य वेदस्यास्ति?
UP GIC–2015

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55*

104. (i) यम-यमी-संवादः कुत्र वर्तते? CCSUM Ph. D–2016
(ii) यम-यमी-संवादसूक्त किस वेद में है–
(iii) यम-यमी-संवादस्य प्रस्तोता वेदः–
UGC 25 J–1995, 1999, 2002, D–2003, 2004

(A) सामवेदे (B) ऋग्वेदे
(C) यजुर्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–56*

105. यम-यमी–संवादे 'यमी' आसीत् यमस्य–
UGC 25 J–2007

(A) कन्या (B) माता
(C) भगिनी (D) जाया

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–56*

106. ''किं भ्रातासद्यनाथम्'' इति कस्मिन् सूक्ते पठ्यते–
UGC 25 J–2014

(A) नासदीयसूक्ते
(B) पृथ्वीसूक्ते
(C) विश्वामित्र-नदी-संवादसूक्ते
(D) यम-यमी-संवादसूक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद (10.10.11) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–226*

101. (A) 102. (B) 103. (A) 104. (B) 105. (C) 106.
111. (A) 112. (A)

107. विश्वामित्र-नदी-संवाद किसमें मिलता है–

UGC 25 J–1998

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में

(C) अथर्ववेद में (D) कृष्णयजुर्वेद में

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (3/33) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

108. 'विश्वामित्रनदीसंवादः' कुत्र वर्तते–

(A) ऋग्वेदस्य दशममण्डले (B) ऋग्वेदस्य तृतीयमण्डले

(C) यजुर्वेदस्य पञ्चमाध्याये (D) अथर्ववेदस्य द्वितीयकाण्डे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57*

109. (i) 'सरमा-पणि-संवाद' किस वेद में मिलता है–

(ii) सरमा-पणिसंवादः वर्णितः अस्ति–

UP GIC–2015, UGC 25 D–1998

(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे

(C) अथर्ववेदे (D) कृष्णयजुर्वेदे

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (10.108) भाग–4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–463*

(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

110. 'पुरूरवा-उर्वशी' संवादसूक्त ऋग्वेद के किस मण्डल में है– **UGC 25 J–2000, 2010**

(A) दशम (B) प्रथम

(C) तृतीय (D) पञ्चम

स्रोत–*ऋग्वेद (10/95) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–428*

111. 'नासदीयसूक्त' है– **UGC 25 J–2003**

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में

(C) अथर्ववेद में (D) कृष्णयजुर्वेद में

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430*

112. (i) 'यम-यमी-संवाद' ऋग्वेद के किस मण्डल में है–

(ii) ऋग्वेदे यमयमीसंवादः उपलभ्यते–

UGC 25 D–2003, J– 2008, UK SLET–2015

(A) दशम (B) अष्टम

(C) नवम (D) सप्तम

स्रोत–*ऋग्वेद (10/10) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–224*

06. (D) 107. (A) 108. (B) 109. (A) 110. (A)

113. ''न वै स्त्रैणानि सख्यानि सन्ति'' इति वर्तते **UGC 25 J–2006**

(A) सरमा-पणिसंवादे (B) यम-यमी-संवादे
(C) पुरूरवा-उर्वशी-संवादे (D) विश्वामित्र-नदी-संवादे

स्रोत–*ऋग्वेद (10.95.15) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–431*

114. ''मा नो नि कः पुरुषत्रा नमस्ते'' वर्तते– **UGC 25 D–2006**

(A) सरमा-पणि-संवादे (B) यम-यमी-संवादे
(C) पुरूरवा-उर्वशी-संवादे (D) विश्वामित्र-नदी-संवादे

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.8) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–83*

115. ''नाहं वेद भ्रातृत्वं नो स्वसृत्वम्'' इति मन्त्रपादः कुत्र विराजते– **UGC 25 D–2008**

(A) यम-यमी-संवादे (B) सरमा-पणि-संवादे
(C) विश्वामित्र-नदी-संवादे (D) पुरूरवा-उर्वशी-संवादे

स्रोत–*ऋग्वेद (10.108.10) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–465*

116. 'यमी' प्रतीक है– **UGC 25 J–2004**

(A) दिन की (B) रात्रि की
(C) सूर्य की (D) ऊषा की

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–44

117. 'विपाशा शुतुद्री' इति नाम्नोः नद्योः वर्णनं कस्मिन् संवादसूक्ते विद्यते– **UGC 25 D–2000**

(A) यम-यमी-सूक्ते (B) सरमा-पणि-सूक्ते
(C) विश्वामित्र-नदी-सूक्ते (D) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.01) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

118. विश्वामित्र नदी संवाद सूक्त में ऋषिका नदियाँ कौन है? **UGC 73 D–2015**

(A) गङ्गायमुने (B) विपाट्छुतुद्री
(C) सरस्वतीनर्मदे (D) गोदावरी

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.01) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

119. ''एना वयं पयसा पिन्वमाना अनुयोनिं देवकृतं चरन्तीः'' इति ऋचायाः केन संवाद-सूक्तेन सम्बन्धः– **UGC 25 D–2000**

(A) यम-यमी-संवादसूक्तेन (B) विश्वामित्र-नदी-सूक्तेन
(C) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्तेन (D) सरमा-पणि-संवादसूक्तेन

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.04) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–83*

113. (C) 114. (D) 115. (B) 116. (B) 117. (C) 118.
123. (A) 124. (D) 125. (C) 126. (D)

120. ''आ घा ता गच्छा'' इति पठ्यते– UGC 25 D–2012

(A) इन्द्रसूक्ते (B) वरुणसूक्ते
(C) विश्वामित्र-नदी-संवादे (D) यम-यमी-संवादे

स्रोत–*ऋग्वेद (10.10.10) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–226*

121. ''तस्य वयं प्रसवे याम् उर्वीः'' मन्त्रांशोऽयं कस्य सूक्तस्य वर्तते– UGC 25 J–2013

(A) रुद्रसूक्तस्य (B) यम-यमी-सूक्तस्य
(C) विश्वामित्र-नदी-सूक्तस्य (D) सरमा-पणि-सूक्तस्य

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.6) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–83*

122. ऋग्वेद के किस मण्डल में विश्वामित्र-नदी-संवाद सूक्त है–UGC 25 D–2010, BHU MET–2008, 2009, 2013

(A) प्रथम मण्डल (B) तृतीय मण्डल
(C) अष्टम मण्डल (D) नवम मण्डल

स्रोत–*ऋग्वेद (3/33) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

123. 'इन्द्रेषिते प्रसवं भिक्षमाणे अच्छा समुद्रं रथ्येव याथः' से सम्बन्धित सूक्त है– BHU MET–2014

(A) विश्वामित्र-नदी-संवाद (B) रुद्रसूक्त
(C) वरुणसूक्त (D) सवितासूक्त

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.2) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

124. 'सरमा-पणि' संवादसूक्तस्य मण्डलक्रमः कः– BHU AET–2011

(A) 10/10 (B) 10/121
(C) 10/95 (D) 10/108

स्रोत–*ऋग्वेद (10/108) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–463*

125. ''कदा सूनुः पितरं जात इच्छात्'' मन्त्रांशोऽयं वर्तते– UGC 25 D–2013

(A) विश्वामित्र-नदी-सूक्ते (B) यम-यमी-सूक्ते
(C) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्ते (D) सरमा-पणि-सूक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद (10.95.12) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–430*

126. 'आ वो वृणे सुमतिं यज्ञियानाम्'' मन्त्रांशोऽयं कस्य सूक्तस्य वर्तते– UGC 25 D–2013

(A) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्तस्य (B) यम-यमी-सूक्तस्य
(C) सरमा-पणि-सूक्तस्य (D) विश्वामित्र-नदी-सूक्तस्य

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.11) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–84*

118. (B) 119. (B) 120. (D) 121. (C) 122. (B)

127. 'न वै स्त्रैणानि सख्यानि सन्ति' इयमुक्तिर्भवति–
UGC 25 D–2007

(A) विश्वामित्रस्य   (B) सरमायाः
(C) उर्वश्याः   (D) यम्याः

स्रोत–*ऋग्वेद (10.95.15) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–431*

128. सृष्ट्युत्पत्तिविषयकं विवेचनं वर्तते– UGC 25 D–2013

(A) अग्निसूक्ते   (B) इन्द्रसूक्ते
(C) नासदीयसूक्ते   (D) पृथिवीसूक्ते

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430*

129. ऋग्वेद के किन दो मण्डलों में सूक्तों की संख्या समान है–
BHU MET–2011

(A) प्रथम और दशम   (B) प्रथम और द्वितीय
(C) प्रथम और चतुर्थ   (D) प्रथम और नवम

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–54

130. ''पयसा जवेते'' से सम्बन्धित सूक्त है–
BHU MET–2015

(A) इन्द्रसूक्त   (B) वरुणसूक्त
(C) विश्वामित्र-नदी-संवादसूक्त   (D) पृथिवीसूक्त

स्रोत–*ऋग्वेद (3.33.1) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

131. ''स्वसारं त्वा कृणवै मा पुनर्गा, अप ते गवां सुभगे भजाम'' इति मन्त्रांशः कुतः उद्धृतः?
UGC 25 J–2015

(A) पुरूरवा-उर्वशी-संवादात्
(B) यम-यमी-संवादात्
(C) सरमा-पणि-संवादात्
(D) विश्वामित्र-नदी-संवादात्

स्रोत–*ऋग्वेद (10.108.9) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–465*

132. वेदानुसारेण ''चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत'' इयं पंक्तिः अस्ति–
RPSC ग्रेड-II TGT–2010

(A) अग्निसूक्तस्य   (B) विष्णुसूक्तस्य
(C) पुरुषसूक्तस्य   (D) इन्द्रसूक्तस्य

स्रोत–*ऋग्वेद (10.90.13) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–415*

127. (C) 128. (C) 129. (A) 130. (C) 131. (C) 132.
137. (C) 138. (i) (A) 138. (ii) (A)

133. 'नासदीयसूक्त' का सम्बन्ध है– UGC 73 D–1992

(A) अथर्ववेद से (B) यजुर्वेद से
(C) ऋग्वेद से (D) गान्धर्ववेद से

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430*

134. 'स देवाँ एह वक्षति' इति कस्मिन् सूक्ते उपलभ्यते– UK SLET–2015

(A) वरुणसूक्ते (B)अग्निसूक्ते
(C) उषस्सूक्ते (D) रुद्रसूक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद (1.1.2) भाग-1 - वेदान्ततीर्थ, पेज–21*

135. कस्मिन् सूक्ते चतुर्ण्णां वर्णानामुल्लेखोऽस्ति– UK SLET–2015

(A) हिरण्यगर्भसूक्ते (B) पुरुषसूक्ते
(C) नासदीयसूक्ते (D) श्रीसूक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद (10.90.12) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–414*

136. 'आ कृष्णेन रजसा' इति कस्मिन् सूक्ते पठ्यते– UGC 25 S–2013

(A) नवग्रहसूक्ते (B) सवितृसूक्ते
(C) उषस्सूक्ते (D) रात्रिसूक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद (1.35.2) भाग-1 - वेदान्ततीर्थ, पेज–88*

137. 'तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु' से सम्बन्धित सूक्त है– UP PGT–2003, BHU MET–2014

(A) विष्णुसूक्त (B) अग्निसूक्त
(C) शिवसङ्कल्पसूक्त (D) पवमानसूक्त

स्रोत–*वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–239*

138. (i) ऋक्सामच्छन्दोयजूंषि कस्मात् समुत्पन्नानि– UGC 25 D–2014

(A) पुरुषविशेषात् (B) यज्ञ-विशेषात्
(C) वाचः (D) पृथिव्याः

स्रोत– *ऋग्वेद (10.90.9) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–414*

138. (ii) 'सृष्टि-स्थिति-प्रलय' विषयकं विवेचनम् उपलभ्यते– UGC 25 D–2014

(A) नासदीयसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) पृथिवीसूक्ते (D) कालसूक्ते

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430*

32. (C) 133. (C) 134. (B) 135. (B) 136. (B)

139. ''संविदाना दिवा कवे श्रियां मा धेहि भूत्याम्'' मन्त्रांशोऽयं वर्तते– UGC 25 D–2013

(A) वाक्सूक्ते (B) हिरण्यगर्भसूक्ते
(C) पृथिवीसूक्ते (D) पुरुषसूक्ते

स्रोत–*अथर्ववेद (12.1.63) भाग-2 - वेदान्ततीर्थ, पेज–101*

140. राजन्तमध्वः .... निति पठ्यते– UGC 25 J–2012

(A) पृथिवीसूक्ते (B) अग्निसूक्ते
(C) विष्णुसूक्ते (D) वाक्सूक्ते

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.8)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–60

141. 'अग्निमीळे पुरोहितम्' इत्यस्मिन् मन्त्रे 'ईळे' पदस्य अर्थः अस्ति– UP GDC–2012

(A) गच्छामि (B) स्तौमि
(C) करोमि (D) प्रज्वालयामि

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55*

142. विराट्पुरुषस्य कस्मादङ्गात् वैश्यो जातः– BHU AET–2010

(A) मुखतः (B) ऊरुतः
(C) पादतः (D) बाहुतः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.90.12)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–401

143. ब्राह्मण की उत्पत्ति ब्रह्मा के किस अङ्ग से हुयी है– BHU AET–2011

(A) उदर (B) मुख
(C) जानु (D) बाहु

स्रोत–*ऋग्वेद (10.90.12) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–414*

144. ब्रह्मा के ऊरु से किसकी उत्पत्ति हुयी है– BHU AET–2011

(A) ब्राह्मण (B) क्षत्रिय
(C) वैश्य (D) चाण्डाल

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.90.12)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–401

145. सबसे पहले किसकी सृष्टि हुयी– BHU AET–2010

(A) अग्नि (B) वायु
(C) पृथिवी (D) जल

स्रोत–*(i) ऋग्वेद-नासदीय सूक्त (10.90.12)*
(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–434

139. (C) 140. (B) 141. (B) 142. (B) 143. (B) 144.
149. (D) 150. (A) 151. (D)

146. पुरुषसूक्त में हमें मिलता है– MP PSC–2003

(A) नारी मुक्ति का सिद्धान्त

(B) सम्पत्ति के उत्तराधिकार का सिद्धान्त

(C) चातुर्वर्ण्य का सिद्धान्त

(D) नियोग का सिद्धान्त

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.10.12)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–401

147. ''नि षसाद धृतव्रत'' इति कस्मिन् सूक्ते पठ्यते– UGC 25 J–2015

(A) वाक्सूक्ते (B) वरुणसूक्ते

(C) सूर्यसूक्ते (D) नदीसूक्ते

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.25.10)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–74

148. (i) जलेन उत्पत्तेः सिद्धान्तं कस्मिन् सूक्तेऽस्ति–

(ii) जल से उत्पत्ति का सिद्धान्त किस सूक्त में है– UGC 25 D–1997, 2000

(A) शिवसङ्कल्पसूक्त में (B) पुरुषसूक्त में

(C) नासदीयसूक्त में (D) विश्वकर्मासूक्त में

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.129.3)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–433-434

149. 'नासत्या वृक्तबर्हिषा'–यह किस सूक्त में है– UGC 25 J–1998

(A) अग्निसूक्त (B) विष्णुसूक्त

(C) इन्द्रसूक्त (D) अश्विनौसूक्त

150. 'रोहितसूक्त' किस वेद में उपलब्ध होता है– UGC 25 J–1998

(A) अथर्ववेद (B) ऋग्वेद

(C) सामवेद (D) यजुर्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास -कर्ण सिंह, पेज–79*

151. 'यो जात एव प्रथमो मनस्वान्' यह मन्त्रांश किस सूक्त का है– UGC 25 D–1998

(A) अग्निसूक्त (B) रुद्रसूक्त

(C) वरुणसूक्त (D) इन्द्रसूक्त

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.1) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–65

44. (C) 145. (D) 146. (C) 147. (B) 148. (C)

152. (i) 'स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव' इति मन्त्रांशः कस्मिन् सूक्ते लभ्यते– UGC 25 J–2000
(ii) 'स नः पितेव सूनवे... सूपायनो भव' यह सूक्त है– BHU MET–2009, 2012, UP GDC–2014

(A) उषःसूक्त (B) वरुणसूक्त
(C) बृहस्पतिसूक्त (D) अग्निसूक्त

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.9) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–37

153. संज्ञानसूक्तं कस्मिन् मण्डले प्राप्यते– BHU AET–2011

(A) 3 (B) 8
(C) 9 (D) 10

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.191)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–27

154. ''देवानां चक्षुः सु भगा वहन्ती'' इति मन्त्रांशः कस्य सूक्तस्य– UGC 25 D–2008

(A) इन्द्रसूक्तस्य (B) उषस्-सूक्तस्य
(C) अश्विन-सूक्तस्य (D) अग्नि-सूक्तस्य

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 7.77.3) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–82

155. नासदीयसूक्तस्य प्रतिपाद्यं किम्– BHU AET–2011

(A) दानम् (B) स्तुतिः
(C) सृष्टिः (D) संहारः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430*

156. 'अहेडमानः' इति वर्तते– UGC 25 J–2010

(A) वरुणसूक्ते (B) रुद्रसूक्ते
(C) विष्णुसूक्ते (D) बृहस्पतिसूक्ते

157. ''मध्या कर्तोर्विततं सञ्जभार'' इति पठ्यते– UGC 25 J–2012

(A) अग्निसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) सूर्यसूक्ते (D) उषस्सूक्ते

***स्रोत**–वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.115.4) - गीताप्रेस, पेज–91*

158. ''पर्जन्यः पिता'' इति कस्मिन् सूक्ते प्रतिपाद्यते– UGC 25 D–2012

(A) पृथिवीसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) हिरण्यगर्भसूक्ते (D) पुरुषसूक्ते

वेदचयनम् (अथर्ववेद 12.1.12)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–264

152. (D) 153. (D) 154. (B) 155. (C) 156. (A) 157.
162. (D) 163. (D) 164. (D)

159. ''श्रिये गावो न धेनवोऽनवन्त'' मन्त्रांशोऽयं वर्तते–
UGC 25 J–2013
(A) विश्वामित्र-नदी-सूक्ते (B) यम-यमी-सूक्ते
(C) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्ते (D) सरमा-पणि-सूक्ते
स्रोत–*ऋग्वेद (10.95.6) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–429*

160. सृष्ट्युत्पत्तिविषयं विवेचनं वर्तते– UGC 25 J–2013
(A) पुरुष-सूक्ते (B) अग्नि-सूक्ते
(C) इन्द्र-सूक्ते (D) पृथिवी-सूक्ते
ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.90)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–24

161. ''अहमस्मि सहमान उत्तरो नाम भूम्याम्'' मन्त्रांशोऽयं वर्तते–
UGC 25 J–2013
(A) पृथिवीसूक्ते (B) वाक्सूक्ते
(C) पुरुषसूक्ते (D) हिरण्यगर्भसूक्ते
अथर्ववेद भाग-2 (12.1.1.54) - वेदान्ततीर्थ, पेज–99

162. (i) 'वाक्सूक्तम्' ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले विद्यते?
(ii) 'वाक्सूक्तम्' ऋग्वेद के किस मण्डल में आता है–
BHU MET–2008, 2011, 2012, UGC 25 D–2015
(A) द्वितीय (B) चतुर्थ
(C) षष्ठ (D) दशम
ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.125) - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–416

163. किस सूक्त में प्राप्त होता है– 'मया सो अन्नमत्ति यो विपश्यति'– BHU MET–2011, 2012, UGC 73 D–2015
(A) उषा (B) अग्नि
(C) पृथ्वी (D) वाक्
स्रोत–*ऋग्वेद (10.125.4) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–496*

164. 'कृषिमित्कृषस्व' किस सूक्त का है–
BHU MET–2008, 2011
(A) प्रथम (B) नवम
(C) तृतीय (D) दशम
स्रोत–*(i) वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–301*
(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.34.13)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–390

57. (C) 158. (A) 159. (C) 160. (A) 161. (A)

165. ऋग्वेद में कौन दार्शनिक सूक्त है– BHU MET-2011

(A) पुरुष　　(B) अग्नि
(C) सूर्य　　(D) पर्जन्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - कर्णसिंह, पेज–53*

166. 'ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद्' यह किस सूक्त में उपनिबद्ध है– BHU MET–2010

(A) पूषासूक्त　　(B) पुरुषसूक्त
(C) हिरण्यगर्भसूक्त　　(D) इन्द्रसूक्त

वेदचयनम् (ऋग्वेद 10.90.12)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–216

167. रिक्तस्थान की पूर्ति के लिए सर्वाधिक उपयुक्त अंश क्या है– 'स्वस्ति नो........' BHU MET–2013

(A) पूषा विश्ववेदाः　　(B) तार्क्ष्यो अरिष्टनोमिः
(C) इन्द्रो वृद्धश्रवाः　　(D) बृहस्पतिर्दधातु

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.89.6)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–45

168. 'स जातो अत्यरिच्यत' में 'सः' पद का अर्थ– BHU MET–2013

(A) पुरुष　　(B) प्रजापति
(C) अग्नि　　(D) विष्णु

वेदचयनम् (ऋग्वेद 10.90.5) - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–202

169. किस सूक्त को सर्वेश्वरवाद का मूल माना जाता है– BHU MET–2009, 2013

(A) हिरण्यगर्भ　　(B) पुरुष
(C) वाक्　　(D) नासदीय

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–118*

170. (i) नासदीयसूक्तम् अस्ति? BHU MET–2014
(ii) नासदीयसूक्त है, एक– UP GDC–2008
CCSUM Ph. D–2016

(A) विवाह-सूक्त　　(B) श्रद्धा-सूक्त
(C) सौमनस्य-सूक्त　　(D) दार्शनिक-सूक्त

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - कर्णसिंह, पेज–43*

171. ''वृषायमाणोऽवृणीत सोमम्'' से सम्बन्धित सूक्त है– BHU MET–2014

(A) रुद्र　　(B) पर्जन्य
(C) अग्नि　　(D) इन्द्र

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.32.3)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–86

165. (A) 166. (B) 167. (D) 168. (A) 169. (B) 170.
175. (B) 176. (D) 177. (C) 178. (A)

172. 'को अद्धा वेद क इह प्र वोचत' इत्यादयः प्रश्नाः कस्मिन् सूक्ते लभ्यते– **UP GDC–2014**

(A) अग्निसूक्ते (B) हिरण्यगर्भसूक्ते
(C) वरुणसूक्ते (D) नासदीयसूक्ते

स्रोत*–ऋग्वेद (10.129.62) भाग-4 - वेदान्ततीर्थ, पेज–504*

173. नासदीयसूक्तं बोधयति– **BHU AET–2010**

(A) सामवेदः (B) ऋग्वेदः
(C) यजुर्वेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत*–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430*

174. कस्मिन् सूक्ते सृष्टिप्रक्रिया वर्णितास्ति– **BHU AET–2011**

(A) शिवसङ्कल्पे (B) पुरुषसूक्ते
(C) रुद्रसूक्ते (D) इन्द्रसूक्ते

स्रोत*–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

175. मन्त्राः कस्मात्– **BHU AET–2012**

(A) विवेचनात् (B) मननात्
(C) श्रवणात् (D) बोधनात्

स्रोत*–निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–172*

176. अक्षसूक्तं कस्मिन् मण्डले प्राप्यते– BHU AET–2011

(A) तृतीयमण्डले (B) अष्टममण्डले
(C) नवममण्डले (D) दशममण्डले

स्रोत*–वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–284*

177. ''हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्'' अस्मिन् मन्त्रे 'हिरण्यगर्भः' इति पदस्य कः अर्थः– **UGC 25 D–2000**

(A) हिरण्यस्य गर्भः (B) हिरण्यः इव
(C) हिरण्यगर्भः प्रजापतिः (D) गर्भ हिरण्यः

वेदचयनम् (ऋग्वेद 10.121.1)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–141

178. 'कृषिमित्कृषस्व' किस सूक्त का है? **BHU MET–2011, 2012**

(A) अक्षसूक्त (B) पुरुषसूक्त
(C) भूमिसूक्त (D) श्रीसूक्त

वेदचयनम् (ऋग्वेद 10.34.13)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–301

170. (D) 171. (D) 172. (D) 173. (B) 174. (B)

179. 'भूमिसूक्त' (पृथिवीसूक्त) किस वेद में है?
UP GDC–2008

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में

***स्रोत**–अथर्ववेद (12.1) - वेदान्ततीर्थ भाग-2, पेज–89*

180. ''सह वामेन'' से सम्बद्ध सूक्त है– BHU MET–2015

(A) उषासूक्त (B) पुरुषसूक्त
(C) शिवसङ्कल्पसूक्त (D) नासदीयसूक्त

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–115*

181. 'एतावानस्य महिमा' से सम्बन्धित सूक्त है–
BHU MET–2015

(A) पुरुषसूक्त (B) उषासूक्त
(C) वरुणसूक्त (D) इन्द्रसूक्त

***स्रोत**–वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–196*

182. ऋग्वेदस्य (1.154) सूक्ते विष्णुदेवाय मन्त्राणां संख्या अस्ति– **UP GIC–2015**

(A) 5 (B) 7
(C) 8 (D) 6

वेदचयनम् (ऋग्वेद 1.154)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–90-106

183. '..... समवर्तताग्रे' मन्त्रस्य रिक्तांशे प्रयोज्यमस्ति–
UP GIC–2015

(A) हिरण्यगर्भः (B) ब्रह्मा
(C) विराड् (D) इन्द्रः

वेदचयनम् (ऋग्वेद 10.121.1)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–141

184. 'यस्यामापः परिचराः समानीरहोरात्रे अप्रमादं क्षरन्ति।' मन्त्रांशोऽयं केन सूक्तेन सम्बद्धः? UGC 25 J–2015

(A) अग्निसूक्तेन (B) नासदीयसूक्तेन
(C) पृथिवीसूक्तेन (D) हिरण्यगर्भसूक्तेन

वेदचयनम् (अथर्ववेद 12.1) - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–259

185. अग्नि की कितने सूक्तों में स्तुति की गयी है?
UGC 25 J–2003

(A) 200 (B) 250
(C) 400 (D) 100

***स्रोत**–वैदिकसूक्तसंग्रह- विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–22*

179. (D) 180. (A) 181. (A) 182. (D) 183. (A) 184.
189. (A) 190. (B) 191. (C)

186. ऋग्वेद के कितने सूक्तों में बृहस्पति देवता की स्वतन्त्र रूप में उपासना की गयी है? UGC 25 J–2004
(A) 11 सूक्तों में (B) 15 सूक्तों में
(C) 13 सूक्तों में (D) 10 सूक्तों में
स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–26*

187. 'विश्वामित्र-नदी संवादः' ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले उपलभ्यते– UGC 25 J–2005
(A) प्रथममण्डले (B) तृतीयमण्डले
(C) दशममण्डले (D) अष्टममण्डले
स्रोत–*ऋग्वेद (3.33) (भाग-2) - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

188. 'विश्वामित्र-नदी-संवादो' वर्तते–
UGC 25 D–2009, 2010, J–2012
(A) ऋग्वेदस्य दशममण्डले
(B) ऋग्वेदस्य तृतीयमण्डले
(C) यजुर्वेदस्य पञ्चमाध्याये
(D) अथर्ववेदस्य द्वितीयकाण्डे
स्रोत–*ऋग्वेद (3.33) (भाग-2) - वेदान्ततीर्थ, पेज–82*

189. शाकलशाखा अस्ति– UGC 25 J–2006
(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–29*

190. शांखायनशाखा कस्य वेदस्य–
UGC 25 J–2011, 2012
(A) कृष्णयजुर्वेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) शुक्लयजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–29*

191. शांखायन-गृह्यसूत्रस्य सम्बन्धः अस्ति?
JNU M. Phil/Ph. D–2015
(A) ऋग्वेदीयशाकलशाखातः
(B) ऋग्वेदीयाश्वलायनशाखातः
(C) ऋग्वेदीयवाष्कलशाखातः
(D) यजुर्वेदीय-वाजसनेयिशाखातः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227*

184. (C) 185. (A) 186. (A) 187. (B) 188. (B)

192. (i) ऋग्वेद में मण्डलों की संख्या है–
(ii) ऋग्वेदे कति मण्डलानि सन्ति–
RPSC ग्रेड-II TGT–2010, MP PSC–2005
BHU AET–2010, 2011, AWES TGT–2010
UGC 73 J–1999, 2006, UK SLET–2015
UGC 25 J–1994, 1999 D-2005, 2012
G GIC–2015, UP GDC–2008

(A) नव (9)　　(B) विंशतिः (20)
(C) दश (10)　　(D) द्वादश (12)

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास- कर्णसिंह, पेज–36*

193. किस वेद का अष्टक और मण्डल दो प्रकार का विभाजन है?　BHU MET–2009, 2013

(A) ऋग्वेद　　(B) शुक्लयजुर्वेद
(C) कृष्णयजुर्वेद　　(D) सामवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

194. 'पुरुषसूक्त' ऋग्वेद के किस मण्डल में आता है?
BHU MET–2009, 2012

(A) प्रथम　　(B) तृतीय
(C) नवम　　(D) दशम

वेदचयनम् (ऋग्वेद 10.90) - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–187

195. (i) ऋग्वेद में कितने अष्टक हैं?
(ii) ऋग्वेदे कति अष्टकाः सन्तिः?
BHU MET–2008, 2011, 2012, BHU AET–2010
UGC 73 D–2004, UGC 25 D–2009, J–2008

(A) दश (10)　　(B) नव (9)
(C) पाँच (5)　　(D) आठ (8)

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास- पारसनाथ द्विवेदी, पेज–29*

196. ऋग्वेदे कति मन्त्राः सन्ति?　DSSSB TGT–2014

(A) 1552　　(B) 8552
(C) 10552　　(D) 11552

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47*

197. खिलसूक्तैः सह ऋग्वेदे कति सूक्तानि सन्ति?
BHU–AET–2010

(A) 1000　　(B) 1028
(C) 1100　　(D) 1300

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास- पारसनाथ द्विवेदी, पेज–30*

192. (C)　193. (A)　194. (D)　195. (D)　196. (C)　197.
202. (D)　203. (B)　204. (C)

198. (i) कति विकृतयः– **UGC 73 D–2014**

(ii) वेद विकृतियाँ हैं– **UGC 25 D–2013, J-2010**

(A) 8 (आठ) (B) 9 (नौ)

(C) 6 (छः) (D) 5 (पाँच)

स्रोत–*वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज– 32 (परिशेष)*

199. ऋग्वेद का विभाजन क्रम है? **UGC 25 D–2003**

(A) वर्ग (B) काण्ड

(C) मण्डल (D) अध्याय

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

200. ऋग्वेदस्य प्रत्येकम् अष्टकेषु कति अध्यायाः भवन्ति? **BHU AET–2010**

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) सप्त (D) अष्ट

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

201. ऋग्वेद के अक्षसूक्त में कितने मन्त्र हैं? **BHU MET–2011, 2012**

(A) एकादश (B) द्वादश

(C) त्रयोदश (D) चतुर्दश

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (10.34) (भाग-4) - वेदान्ततीर्थ, पेज–277*

(ii) वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–284

202. वेदाध्ययने प्रकृतिपाठः कतिविधो भवति? **BHU AET–2010**

(A) पञ्चविधः (B) सप्तविधः

(C) नवविधः (D) त्रिविधः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एव संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

203. (i) वेदाध्ययने विकृतिपाठः कतिविधो विद्यते?

(ii) विकृतिपाठः कतिधा– **BHU AET–2010**

(A) पञ्चविधः (B) अष्टविधः

(C) नवविधः (D) दशविधः

स्रोत–*वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी , पेज–32 (परिशेष)*

204. (i) अष्टकक्रमे ऋग्वेदे कति अध्यायाः सन्ति?

(ii) ऋग्वेदे अध्यायाः सन्ति– **BHU AET–2012** **CCSUM Ph. D–2016**

(A) 20 (B) 40

(C) 64 (D) 100

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47*

197. (B) 198. (A) 199. (C) 200. (D) 201. (D)

205. 'ऋग्वेदीयपुरुषसूक्ते' कति मन्त्राः सन्ति? UGC 25 J–2014

(A) सप्तदश (B) षोडश
(C) द्वाविंशतिः (D) विंशतिः

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (10.90) (भाग-4)-वेदान्ततीर्थ, पेज–413-415*
(ii) वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ द्विवेदी, पेज–187

206. 'नासदीयसूक्ते' कति मन्त्राः सन्ति? UGC 25 S–2013

(A) सप्त (B) दश
(C) सप्तदश (D) विंशतिः

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (10.129) (भाग-4) - वेदान्ततीर्थ, पेज–504*
(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्तशास्त्री, पेज–430-438

207. 'अष्टकक्रम' में विभक्त ग्रन्थ है? BHU MET–2015

(A) कृष्णयजुर्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) ऋग्वेद (D) सामवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

208. ऋग्वेद के प्रथमसूक्त में मन्त्रों की संख्या है? BHU MET–2015

(A) 9 (B) 14
(C) 11 (D) 15

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (1.1) (भाग-1) - वेदान्ततीर्थ, पेज–21*
(ii) वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–22

209. ऋग्वेद की सूक्तव्यवस्था निम्न में से किसके अनुसार है? UGC 25 J–1995

(A) मण्डल (B) प्रपाठक
(C) अष्टक (D) सर्ग

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47*

210. किस वेद का विभाजन अष्टकों में किया गया है– UGC 25 J–2000

(A) अथर्ववेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

211. 'दाशुषे' का अर्थ है– BHU MET–2009, 2013

(A) दक्षिणा के लिए (B) हविर्दाता यजमान के लिए
(C) आहुति के लिए (D) पुरोहित के लिए

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह* (*ऋ0* 1.1.6) - *हरिदत्तशास्त्री, पेज–58*

205. (B) 206. (A) 207. (C) 208. (A) 209. (A) 210.
215. (D) 216. (A) 217. (C) 218. (B)

212. (i) 'रोदसी' का क्या अर्थ है? BHU MET–2009,
(ii) 'रोदसी' पदस्य कोऽर्थः? 2011, 2013
UGC 25–2015, BHU AET–2012

(A) द्यावापृथिवी (B) रात-दिन
(C) रुद्र (D) अन्तरिक्ष

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (2.12.1) - हरिदत्तशास्त्री, पेज–177*

213. 'मृगो न भीमः' मे 'न' पद का क्या अर्थ है?
BHU MET–2009, 2011, 2013

(A) न वर्णः (B) निषेध
(C) इव (D) एव

स्रोत– *वेदचयनम् (1.15.42) - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–96*

214. 'कर्मण्यपसो मनीषिणः' में 'अपसः' का क्या अर्थ है?
BHU MET–2009, 2013

(A) जलयुक्त (B) पापयुक्त
(C) कर्मनिष्ठ (D) निष्पाप

स्रोत–*वेदचयनम् (शिवसङ्कल्पसूक्त 1.6.2)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–241*

215. (i) 'रायः' शब्दस्य कोऽर्थः– BHU MET–2009, 2013
(ii) 'रयिम्' पद का अर्थ है– BHU AET–2012

(A) रात्रि (B) दान
(C) दक्षिणा (D) धन

स्रोत–*वेदचयनम् (ऋग्वेद 1.1.1) - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–12*

216. 'चन्द्रा' इस वैदिक पद का क्या अर्थ है?
BHU MET–2011, 2012, UGC 73 D–2015

(A) आह्लादिनी (B) चन्द्रा
(C) पृथिवी (D) सोम

ऋक्सूक्तसंग्रह (10.121.9) - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–414

217. 'मेदिनी' किसे कहते हैं? BHU MET–2009, 2013

(A) सिंह (B) आकाश
(C) पृथ्वी (D) नदी

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-कोश - वामनशिवराम आप्टे, पेज–817*

218. ऋग्वैदिकसूक्तविशेषे 'दोषावस्तर्' इति पदस्य कोऽर्थः–
UGC 25D–2014

(A) प्रतिदिनम् (B) रात्रिन्दिवा
(C) अन्धकारः (D) अन्धकारनाशकः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.7)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–59

10. (D) 211. (B) 212. (A) 213. (C) 214. (C)

नोट– 'दोषावस्तः' पद का सायणभाष्य के अनुसार अर्थ है– रात्रिन्दिवम् किन्तु मैक्डॉनल ने इसका अर्थ किया है– Illuminer of gllom (अन्धकारनाशकः)

219. वृत्रस्य 'मेघ' इत्यर्थः केषां पक्षतः कृतः? **UP GDC–2014**

(A) मीमांसकानाम् (B) वैयाकरणानाम्

(C) नैरुक्तानाम् (D) बौद्धानाम्

***स्रोत**–वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–41*

220. यास्कमते 'वृत्रम्' कस्य प्रतीकः अस्ति– **BHU AET–2011**

(A) मेघः (B) शब्दः

(C) अन्धकारः (D) अज्ञानम्

***स्रोत**–वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–41*

221. 'क्रतुः' इत्यस्य कोऽर्थः? **BHU AET–2010**

(A) यज्ञः (B) कृत्या

(C) क्रमः (D) कण्डनम्

***स्रोत**–वेदचयनम्- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–16*

222. शुल्बशब्दस्य कोऽर्थः– **BHU AET–2012**

(A) रज्जुः (B) निरञ्छन्

(C) वंशः (D) सर्पणम्

संस्कृत–हिन्दी शब्दकोश- वामन शिवरामआप्टे, पेज–1026

223. कौन-सा मात्र वैदिक पद है? **BHU MET–2011**

(A) उग्रस्य (B) अहस्तासः

(C) वर्तन्ते (D) सविता

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.34.9) - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–388

224. 'देवासः' इति प्रयोगः?

UGC 25 D–2012, J–2014, UK SLET–2015

(A) तान्त्रिकः (B) वार्तिकः

(C) छान्दसः (D) ऐतिहासिकः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 8.30.4)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–343

225. 'सान्नाय्य' शब्द का अर्थ है– **UGC 73 D–2014**

(A) पयः (B) दधि

(C) घृतम् (D) दधिपयसी

***स्रोत**–भारतीय संस्कृति- दीपक कुमार, पेज–430*

219. (C) 220. (A) 221. (A) 222. (A) 223. (B) 224.
229. (A) 230. (B) 231. (A) 232. (A)

226. 'संहिता' शब्दस्य निष्पत्तिः भवति– BHU AET–2011
(A) √पठ्   (B) √गम्
(C) √अस्   (D) √धा
स्रोत–संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश-वामन शिवरामआप्टे, पेज–1053

227. 'मृड्याकुः' का सायण सम्मत अर्थ है–
BHU MET–2015
(A) सुखयिता   (B) मर्दयिता
(C) उपहास   (D) पालयिता
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 2.33.7)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–199

228. 'वश्मि' का सायण सम्मत अर्थ है– BHU MET–2015
(A) वशीकरणम्   (B) कामये
(C) निवासः   (D) दीप्तिः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 2.33.13)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–204

229. 'इष्टापूर्तेन' का सायण ने अर्थ किया है–
BHU MET–2015
(A) श्रौतस्मार्तदानफलेन   (B) कर्मफलेन
(C) अध्यात्मफलेन   (D) त्यागफलेन
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 10.14.8)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–362

230. 'मधुवाता ऋतायते' यहाँ 'ऋतु' शब्द का अर्थ होता है?
UGC 73 S–2013
(A) कल्पितम्   (B) यज्ञः
(C) स्वर्गः   (D) लौकिकम्
स्रोत–शुक्लयजुर्वेद (13/27) - रामकृष्ण शास्त्री, पेज–316

231. सायण सम्मत 'स्वधा' का अर्थ है–
BHU MET–2015
(A) अन्न   (B) वायु
(C) जल   (D) आकाश
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 10.129.5) - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–436

232. 'पृषदाज्यम्' नाम वाला पदार्थ है?
BHU MET–2015
(A) दधिमिश्रित आज्य   (B) मधु-लाजा-मिश्रण
(C) सोम-दुग्धमिश्रण   (D) जल-घी मिश्रण
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 10.90.8) - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–398

24. (C)   225. (D)   226. (D)   227. (A)   228. (B)

233. प्रकरणानुसार 'सूपायनः' का अर्थ है–

BHU MET–2015

(A) शोभनरूप से प्राप्ति (B) सुपान
(C) सुयान (D) सुन्दरप्राण

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 1.1.9)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–60

234. 'ग्मा' जिसका पर्यायवाची शब्द है, वह है–

BHU MET–2015

(A) पृथ्वी (B) आकाश
(C) वाणी (D) सामगान

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.25.20)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–82

233. (A) **234.** (A) **235.** (B) **236.** (A)

235. 'भर्म' का अर्थ है– **BHU MET–2015**

(A) मृत्तिका (B) हिरण्य

(C) अयस् (D) रजत

स्रोत–संस्कृत हिन्दी शब्दकोश- वामनशिवराम आप्टे, पेज–732

236. 'अश्वमघा' का अर्थ है? **BHU MET–2015**

(A) अश्वधन वाला (B) अश्व का अभिषेक

(C) अश्व का मूल्य (D) अश्वपालक

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 7.71.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–310

2. यज्

1. **गद्यात्मक वेद है?** **BHU MET–2014**
 (A) सामवेद　　(B) अथर्ववेद
 (C) यजुर्वेद　　(D) ऋग्वेद

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–93

2. **जिस वेद की रचना गद्य और पद्य दोनों में की गयी है उसका नाम है?** **UP TGT (S.S.)–2005**
 (A) ऋग्वेद　　(B) सामवेद
 (C) यजुर्वेद　　(D) अथर्ववेद

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–93

3. **(i) यजुर्वेद का प्रतिपाद्य विषय है?**
 (ii) यजुर्वेद का प्रमुख विषय है?
 (iii) यजुर्वेदस्य प्रतिपाद्यविषयः कः?
 UGC 73, J–1991, D–1994, BHU AET–2011
 MP PSC–1999, CCSUM-Ph. D–2016
 (A) ज्ञान　　(B) कर्मकाण्ड
 (C) भक्ति　　(D) उपासना

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–06

4. **(i) कः वेदः 'अध्वर्युवेद' नाम्नाऽपि ज्ञायते?**
 (ii) 'अध्वर्युवेदः' कस्य वेदस्यापरं नाम अस्ति?
 BHU AET–2010, 2012
 (A) ऋग्वेदस्य　　(B) सामवेदस्य
 (C) यजुर्वेदस्य　　(D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63

5. **वेदव्यासः यजुर्वेदस्य ज्ञानं कस्मै दत्तवान्?**
 BHU AET–2010
 (A) श्रीकृष्णाय　　(B) वैशम्पायनाय
 (C) याज्ञवल्क्याय　　(D) सुमन्तवे

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)–बलदेव उपाध्याय, पेज–223

1. (C)　2. (C)　3. (B)　4. (C)　5. (B)
11. (B)

यजुर्वेद

6. 'यजुर्वेदः' सम्प्राप्तः– UGC 25 D–2012

(A) अग्नेः (B) वायोः

(C) इन्द्रात् (D) वरुणात्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

7. 'धनुर्वेदः' कस्य वेदस्योपवेदः– BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य

(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

8. पतञ्जलि के अनुसार यजुर्वेद की कितनी शाखायें हैं– BHU MET–2011

(A) इक्कीस (21) (B) नौ (9)

(C) एक सौ (100) (D) एक हजार (1000)

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–93*

9. कः यजुषां वमनं कृतवानासीत्– BHU AET–2010

(A) याज्ञवल्क्यः (B) महीधरः

(C) कुमारिलभट्टः (D) सायणः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

(ii) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–95

10. कः यज्ञस्य नेता– BHU AET–2012

(A) होता (B) अध्वर्युः

(C) ब्रह्मा (D) उद्गाता

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

11. यजुर्वेदः केषां योनिः? BHU AET–2012

(A) वैश्यानाम् (B) क्षत्रियाणाम्

(C) ब्राह्मणानाम् (D) श्रमिकाणाम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

6. (B) 7. (B) 8. (C) 9. (A) 10. (B)

12. ब्रह्मा वायोः सकाशात् किं प्रकाशितवान्–

BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदम् (B) यजुर्वेदम्
(C) सामवेदम् (D) अथर्ववेदम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

13. (i) अध्वर्युः कस्य वेदस्य ऋत्विक्?

(ii) अध्वर्यु किस वेद का पुरोहित है?

(iii) अध्वर्युनामकस्य ऋत्विजः सम्बन्धः केन वेदेन वर्तते–

BHU RET–2008, BHU MET–2008 BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

14. 'अध्वर'-शब्दस्यार्थो भवति– BHU AET–2010

(A) ऋत्विक् (B) यज्ञः
(C) अग्निः (D) यमः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

15. (i) यजुर्वेदाध्यायी भवति BHU AET–2010, 2012

(ii) यजुर्वेदीयः ऋत्विक्–

(A) यजमानः (B) उद्गाता
(C) अध्वर्युः (D) होता

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

16. आध्वर्यकर्मणः कृते कः वेदः भवति?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदः (B) सामवेदः
(C) यजुर्वेदः (D) अथर्ववेदः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

17. अध्वर्युः कस्य वेदस्य प्रातिनिध्यं करोति?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

12. (B) 13. (B) 14. (B) 15. (C) 16. (C)
22. (C) 23. (B)

18. (i) अध्वर्युना युक्तः वेदः कः– BHU AET–2011

(ii) अध्वर्यु से युक्त वेद है? UP PGT–2003

(A) ऋग्वेदः (B) सामवेदः

(C) यजुर्वेदः (D) अथर्ववेदः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

19. श्रौतयागेषु भित्तिस्थानीयो वेदः को विद्यते?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदः (B) यजुर्वेदः

(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

20. यजुर्मन्त्रः कीदृशो भवति– BHU AET–2010

(A) गद्यात्मकः (B) पद्यात्मकः

(C) गानात्मकः (D) वादनात्मकः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

21. शुक्लत्वकृष्णत्वभेदः कस्य वेदस्य विद्यते?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य

(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

22. यजुर्वेदे यजुषां संग्रहः किमर्थम् अस्ति?

BHU AET–2011

(A) उदातृत्वम् (B) गानत्वम्

(C) अध्वर्युत्वम् (D) युद्धत्वम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–128*

23. ''देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम्'' इति मन्त्रः कस्मिन् वेदे अस्ति–

BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे

(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे

***स्रोत**–यजुर्वेद (1/10) - वेदान्ततीर्थ, पेज–20*

17. (B) 18. (C) 19. (B) 20. (A) 21. (B)

24. कः वेदः अनियताक्षरावसानात्मको भवति– BHU AET–2012

(A) ऋग्वेदः (B) यजुर्वेदः
(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

25. सायणाचार्यः प्रथमतया कस्य वेदस्य व्याख्यां कृतवान्? BHU AET–2012

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

26. 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' शुक्लयजुर्वेदस्य कस्मिन् अध्याये प्राप्यते? BHU AET–2012

(A) दशमे (B) एकादशे
(C) त्रिंशे (D) चत्वारिंशे

***स्रोत**–यजुर्वेद (20/14) - वेदान्ततीर्थ, पेज–487*

27. माध्यन्दिनसंहितायाः अपरं नाम किमस्ति? BHU AET–2012

(A) वाजसनेयिसंहिता (B) गर्गसंहिता
(C) काण्वसंहिता (D) कर्कसंहिता

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

28. शुक्लयजुर्वेद से सम्बन्धित है– UGC 73 J–1998

(A) ताण्ड्यमहाब्राह्मण (B) ऐतरेयब्राह्मण
(C) शतपथब्राह्मण (D) कौषीतकिब्राह्मण

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–130*

29. 'वाजसनेयी-संहिता' नाम है– UGC 73 J–1998

(A) ऋग्वेदस्य (B) कृष्णयजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) शुक्लयजुर्वेदस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

30. 'परमावटिक' शाखीय वेद है? BHU AET–2015

(A) कृष्णयजुर्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

वैदिक साहित्य का इतिहास - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–78

24. (B) 25. (B) 26. (D) 27. (A) 28. (C)
34. (B) 35. (C) 36. (B)

31. माध्यन्दिनसंहितायाम् अनुदात्तस्वरचिह्नं कुत्र दीयते?
UGC 25 S–2013
(A) उपरिष्टात् (B) तिर्यक्
(C) अधः (D) सर्वतः
संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (प्रथम खण्ड)– बलदेव उपाध्याय, पेज–269

32. 'माध्यन्दिनम्' शाखा कस्य वेदस्य? UGC 25 D–2013
(A) यजुर्वेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) कस्यापि न
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

33. ईशावास्योपनिषद् किस संहिता से सम्बद्ध है?
BHU AET–2011
(A) गर्गसंहिता से (B) काण्वसंहिता से
(C) पराशरसंहिता से (D) ऋग्वेदसंहिता से
स्रोत–ईशावास्योपनिषद् - दीपक कुमार, भूमिका पेज-11

34. याज्ञवल्क्य का सम्बन्ध किस वेद से है–
BHU AET–2011
(A) ऋग्वेद से (B) शुक्लयजुर्वेद से
(C) कृष्णयजुर्वेद से (D) सामवेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64

35. (i) शुक्लयजुर्वेदस्य शाखा अस्ति
(ii) शुक्लयजुर्वेदेन सम्बद्धा अस्ति–
(iii) शुक्लयजुषः शाखा वर्तते–
UGC 73 J–2006, 2010, D–2011, 2012
(A) शांखायन (B) शौनक
(C) माध्यन्दिन (D) राणायनीय
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64-65

36. (i) माध्यन्दिनशाखा से सम्बद्ध वेद है–
(ii) 'माध्यन्दिन-संहिता' किस वेद से सम्बद्ध है?
(iii) माध्यन्दिनवाजसनेयिशाखया सम्बद्धः अस्ति–
UGC 25 D–1998, BHU AET–2010, BHU MET–2015
(A) कृष्णयजुर्वेदः (B) शुक्लयजुर्वेदः
(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

29. (D) 30. (B) 31. (C) 32. (A) 33. (B)

37. 'ईशोपनिषद्' कस्य वेदस्यान्तिमोऽध्यायः?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य

(C) अथर्ववेदस्य (D) यजुर्वेदस्य

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–174*

(ii) ईशावास्योपनिषद् - दीपक कुमार, भूमिका पेज-11

38. शुक्लयजुर्वेद की शाखा है– UGC 73 D–2006

(A) वाष्कलीया (B) काण्वी

(C) राणायनीया (D) शौनकीया

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

39. कस्मिन् वेदे मन्त्रैः सह विनियोगवाक्यानां संग्रहो नास्ति?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदे (B) शुक्लयजुर्वेदे

(C) कृष्णयजुर्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

40. वाजसनेयिसंहिता कस्य वेदस्य संहिताऽस्ति?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य

(C) कृष्णयजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

41. माध्यन्दिनशाखा मुख्यतः कुत्र उपलभ्यते?

BHU AET–2010

(A) महाराष्ट्रे (B) केरले

(C) उत्तरभारते (D) आन्ध्रप्रदेशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

42. महीधरभाष्य से सम्बन्धित वेद है?

BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद

(C) अथर्ववेद (D) सामवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24*

37. (D) 38. (B) 39. (B) 40. (B) 41. (C)
47. (A) 48. (B)

43. कात्यायनश्रौतसूत्र किस वेद से सम्बद्ध है– **BHU MET–2008, 2015**

(A) शुक्लयजुर्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) ऋग्वेद

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

44. (i) 'शिवसङ्कल्पसूक्त' किस वेद से सम्बन्धित है?
(ii) 'शिवसङ्कल्प'-सूक्तस्य आकरः वेदोऽस्ति– **UP GDC–2014, UGC 73D–1996, J–1998 G GIC–2015**

(A) शुक्लयजुर्वेदः (B) सामवेदः
(C) ऋग्वेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67

45. वाजसनेयिसंहितायाः चत्वारिंशे अध्याये किमस्ति– **BHU AET–2010**

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) गीता (D) शिवसङ्कल्पोपनिषद्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67

46. यज्ञानां रक्षार्थं प्रार्थना वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये अस्ति? **BHU AET–2010**

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) सप्तमे

स्रोत–यजुर्वेद (द्वितीय अध्याय) - वेदान्ततीर्थ, पेज–31

47. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिनध्याये हविष्यान्नविभागस्य वर्णनमस्ति– **BHU AET–2010**

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) सप्तमे

स्रोत–यजुर्वेद (प्रथम अध्याय) - वेदान्ततीर्थ, पेज–20, 21

48. पितृयज्ञस्य वर्णनं वाजसनेयि-संहितायाः कस्मिन् अध्याये प्राप्यते? **BHU AET–2010**

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) सप्तमे

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–267, 268

42. (B) 43. (A) 44. (A) 45. (A) 46. (B)

49. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये अग्निहोत्रस्य वर्णनमस्ति– BHU AET–2010

(A) प्रथमे (B) द्वितीये

(C) तृतीये (D) सप्तमे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

50. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये सोमस्तुतिः कृतास्ति? BHU AET–2010

(A) प्रथमे (B) द्वितीये

(C) चतुर्थे (D) पञ्चमे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

51. हस्तेन त्रैस्वर्यं प्रदर्श्यते– UGC 25 J–2014

(A) पैप्पलादसंहितायाम् (B) अथर्ववेदे

(C) कृष्णयजुर्वेदे (D) माध्यन्दिनसंहितायाम्

स्रोत–*संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–270*

52. हस्तस्वर होता है– UGC 73 D–2014

(A) शुक्लयजुर्वेदे (B) गोपथब्राह्मणे

(C) धनुर्वेदे (D) सामवेदे

स्रोत–*संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–328*

53. (i) शुक्लयजुर्वेदस्य नामान्तरमस्ति?

(ii) शुक्लयजुर्वेद इस नाम से भी जाना जाता है–

(iii) शुक्लयजुर्वेद संहिता का नामान्तर होता है–

UGC 73 D–2008, 2010, J–2006, BHU MET–2010

(A) कठसंहिता (B) शाकलसंहिता

(C) वाजसनेयिसंहिता (D) मैत्रायणीसंहिता

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

54. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये सोमकुण्डस्य वर्णनमस्ति? BHU AET–2010

(A) प्रथमे (B) तृतीये

(C) पञ्चमे (D) नवमे

वैदिक साहित्य का इतिहास - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–82-83

49. (C) 50. (C) 51. (D) 52. (A) 53. (C)
59. (D) 60. (A)

55. दक्षिणहोमस्य वर्णनं वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये? **BHU AET–2010**
(A) प्रथमे (B) सप्तमे
(C) नवमे (D) द्वादशे

स्रोत–*यजुर्वेद (7/45, 46, 47, 48) - वेदान्ततीर्थ, पेज–98, 99*

56. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये प्रायश्चित्त-मन्त्राणामुल्लेखोऽस्ति? **BHU AET–2010**
(A) अष्टमे (B) दशमे
(C) सप्तदशे (D) अष्टादशे

स्रोत–*यजुर्वेद (8/13) - वेदान्ततीर्थ, पेज–103*

57. वाजपेययज्ञस्य वर्णनं वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये प्राप्यते? **BHU AET–2010**
(A) अष्टमे (B) नवमे
(C) सप्तदशे (D) अष्टादशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

58. (i) माध्यन्दिनसंहिता में 'शतरुद्रीयहोममन्त्र' किस अध्याय में कहे गये हैं?
(ii) वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये शतरुद्रीयमन्त्राः सन्ति? **UGC 73 J–2015, BHU AET–2010**
(A) अष्टमे (B) दशमे
(C) षोडशे (D) नवदशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74*

59. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये अग्न्याधानस्य वर्णनमस्ति? **BHU AET–2010**
(A) अष्टमे (B) दशमे
(C) षोडशे (D) अष्टादशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

60. अश्विनीकुमारयोः स्तवनं वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये विद्यते? **BHU AET–2010**
(A) विंशे (B) द्वाविंशे
(C) त्रिंशे (D) एकत्रिंशे

स्रोत–*यजुर्वेद (अध्याय-20) - वेदान्ततीर्थ, पेज–300*

54. (C) 55. (B) 56. (A) 57. (B) 58. (C)

61. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये सौत्रामणे उपसंहारोऽस्ति? **BHU AET–2010**

(A) विंशे (B) एकविंशे

(C) त्रिंशे (D) एकत्रिंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

62. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये अश्वमेध-स्योल्लेखोऽस्ति? **BHU AET–2010**

(A) विंशे (B) एकविंशे

(C) द्वाविंशे (D) त्रिंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

63. वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये शिवसङ्कल्पोपनिषद् अस्ति? **BHU AET–2010**

(A) त्रिंशे (B) एकत्रिंशे

(C) द्वात्रिंशे (D) चतुस्त्रिंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

64. अन्त्येष्टिसंस्कारस्य वर्णनं वाजसनेयिसंहितायाः कस्मिन् अध्याये विद्यते? **BHU AET–2010**

(A) त्रिंशे (B) द्वात्रिंशे

(C) पञ्चत्रिंशे (D) नवत्रिंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

65. आदित्यसम्प्रदायस्य प्रातिनिध्यं कः करोति?

BHU AET–2010, 2011

(A) ऋग्वेदः (B) शुक्लयजुर्वेदः

(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

66. 'वाजसनेयि' इति पदे 'वाज' इति पदस्य कोऽर्थः?

BHU AET–2010

(A) अन्नम् (B) जलम्

(C) वायुः (D) आकाशः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–130*

61. (B) 62. (C) 63. (D) 64. (D) 65. (B)
71. (B) 72. (A)

67. 'वाजसनेयि' इति पदे 'सनि' इति पदस्य कोऽर्थः?
BHU AET–2010
(A) यजनम् (B) दानम्
(C) कथनम् (D) पठनम्
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–130*

68. (i) 'काण्वशाखा' कस्य वेदस्य?
(ii) काण्वसंहिता किस वेद से सम्बन्धित है?
(iii) काण्वसंहिता कस्य वेदस्य शाखा अस्ति?
(iv) काण्वसंहिता वर्तते?
BHU AET–2011, UGC 73 D–1997
BHU MET–2014, UGC 25 J–1998, 2009, 2013
(A) ऋग्वेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य
(C) कृष्णयजुर्वेदस्य (D) सामवेदस्य
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

69. माध्यन्दिनशाखायाः कः अध्यायः रुद्राध्यायः कथ्यते?
BHU AET–2012
(A) षोडशः (B) अष्टादशः
(C) विंशः (D) एकत्रिंशः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74*

70. माध्यन्दिनशाखायाः कस्मिन् अध्याये पुरुषसूक्तमस्ति?
BHU AET–2012, UGC 73 J–2005
(A) विंशे (B) पञ्चविंशे
(C) एकत्रिंशे (D) चत्वारिंशे
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

71. माध्यन्दिनशाखायाः कस्मिन् अध्याये शिवसङ्कल्प–सूक्तमस्ति? **BHU AET–2012**
(A) त्रिंशे (B) चतुस्त्रिंशे
(C) पञ्चत्रिंशे (D) चत्वारिंशे
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

72. माध्यन्दिनशाखायाः कस्मिन् अध्याये 'पितृमेधस्य' वर्णनमस्ति? **BHU AET–2012**
(A) पञ्चत्रिंशे (B) षट्त्रिंशे
(C) सप्तत्रिंशे (D) चत्वारिंशे
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

66. (A) 67. (B) 68. (B) 69. (A) 70. (C)

73. माध्यन्दिनशाखायाः कस्मिन् अध्याये 'नरमेधस्य' वर्णनमस्ति? BHU AET–2012

(A) पञ्चत्रिंशे (B) षट्त्रिंशे

(C) त्रिंशे (D) चत्वारिंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

74. काण्वशाखायाः प्रचारः विशेषतया कस्मिन् प्रदेशे वर्तते? BHU AET–2012

(A) आन्ध्रप्रदेशे (B) महाराष्ट्रे

(C) केरले (D) कश्मीरे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

75. वाजसनेयिसंहितायाः प्रथमाध्याये कस्य यज्ञस्य वर्णनमस्ति? BHU AET–2011

(A) सोमस्य (B) दर्शपौर्णमासस्य

(C) श्येनस्य (D) पुरुषमेधस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66, 131*

76. (i) यजुर्वेदः भागेषु विभक्तः– UGC 25 D–2000

(ii) यजुर्वेद के कितने प्रकार हैं? UGC 73 D–1996

(iii) यजुर्वेद की मुख्यतया कितनी शाखायें हैं? BHU MET–2010

(A) द्वि (B) त्रि

(C) पञ्च (D) अष्ट

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

77. यजुर्वेदेन सम्बद्धे वेदाङ्गज्योतिषे कति श्लोकाः सन्ति? BHU AET–2010

(A) द्वादश (B) चतुःचत्वारिशत् (44)

(C) पञ्चपञ्चाशत् (D) सप्ततिः

स्रोत–*संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–63*

78. ब्रह्मगणे कति ऋत्विजो भवन्ति? BHU AET–2012

(A) दश (B) पञ्च

(C) चत्वारः (D) षट्

स्रोत–*वैदिक शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–238*

73. (C) 74. (B) 75. (B) 76. (A) 77. (B)
83. (A) 84. (C)

79. यजुर्वेदस्य आहत्य कति शाखाः स्वीक्रियन्ते?
BHU AET–2012

(A) 20 (B) 86
(C) 47 (D) 100

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–93*

80. यजुर्वेदस्य मैत्रायणीशाखायां कति काण्डानि सन्ति?
BHU AET–2012

(A) चत्वारः (B) विंशतिः
(C) दश (D) चत्वारिंशत्

स्रोत–*संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–243*

81. शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनसंहितायां मन्त्रसंख्या वर्तते?
UGC 25 J–2009

(A) 1975 (B) 2000
(C) 1852 (D) 1900

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

82. शिवसङ्कल्पसूक्तं कस्यां शाखायाम् उपदिष्टम्?
UGC 25 D–2012

(A) शाकलशाखायाम् (B) शौनकशाखायाम्
(C) माध्यन्दिनीयशाखायाम् (D) राणायनीयशाखायाम्

स्रोत–*वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–239*

83. शुक्लयजुर्वेदीय शिवसङ्कल्पसूक्त का अध्याय है?
BHU MET–2014

(A) 34 (B) 30
(C) 40 (D) 20

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

84. (i) शुक्लयजुर्वेद की माध्यन्दिनसंहिता में कितने अध्याय हैं?
(ii) माध्यन्दिनसंहितायां कति अध्यायाः सन्ति–
(iii) शुक्लयजुर्वेद में कितने अध्याय हैं?
(iv) यजुर्वेदे कति अध्यायाः सन्ति–
UGC 73 D–1997, J–2006, 2008, 2011, 2012
BHU MET–2008, 2012, 2015, UP GDC–2008
BHU AET–2012, CCSUM - Ph. D–2016

(A) 5 (पञ्च) (B) 10 (दश)
(C) 40 (चत्वारिंशत्) (D) 20 (विंशतिः)

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

78. (C) 79. (B) 80. (A) 81. (A) 82. (C)

85. वाजसनेयिसहितायां कति अध्यायाः सन्ति?

BHU AET–2010, 2011
UGC 73 D–2006, 2009, J–2010

(A) 10 (B) 20
(C) 30 (D) 40

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

86. प्रधानतया वाजसनेयिसंहितायाः कति शाखाः सन्ति?

BHU AET–2010

(A) 02 (B) 03
(C) 04 (D) 08

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, पेज–261

87. शुक्लयजुःप्रातिशाख्ये कति अध्यायाः सन्ति?

BHU AET–2010

(A) सप्त (B) अष्ट
(C) द्वादश (D) नवदश

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–197*

88. कात्यायनस्य अनुक्रमणीग्रन्थे कति अध्यायाः सन्ति?

BHU AET–2010

(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) सप्त (D) दश

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–379*

89. अध्वर्युगणे कति ऋत्विजो भवन्ति? BHU AET–2010

(A) पञ्च (B) षट्
(C) त्रयः (D) चत्वारः

***स्रोत**–वैदिक शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–238*

90. वाजसनेयिसंहितायां प्रथमाध्याये कियन्तः मन्त्राः राराजन्ते? BHU AET–2011

(A) 32 (B) 39
(C) 35 (D) 31

***स्रोत**–यजुर्वेद - वेदान्ततीर्थ, पेज–7*

85. (D) 86. (A) 87. (B) 88. (B) 89. (D)
95. (D) 96. (A)

91. (i) शुक्लयजुर्वेद की शाखाएं हैं–
(ii) सम्प्राति शुक्लयजुर्वेदस्य कति शाखाः समुपलभ्यन्ते?
(iii) वर्तमान में शुक्लयजुर्वेद की कितनी शाखायें उपलब्ध हैं?
(iv) शुक्लयजुर्वेदस्य कति शाखाः?
UGC 73 D–1997, 2012, J–2007
(A) 5 (B) 2
(C) 8 (D) 4
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

92. शुक्लयजुर्वेद का चालीसवाँ अध्याय है–
UGC 73 D–2014, BHU AET–2011
(A) ईशोपनिषत् (B) ऐतरेयोपनिषत्
(C) केनोपनिषत् (D) माण्डूक्योपनिषत्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

93. '40 अध्याय' हैं– **UGC 73 D–2014**
(A) तैत्तिरीयसंहितायाम् (B) वाजसनेयिसंहितायाम्
(C) सामगेयभागे (D) छान्दोग्योपनिषदि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

94. इष्टौ कति ऋत्विजो भवन्ति– **BHU AET–2012**
(A) पञ्च (B) चत्वारः
(C) षट् (D) त्रयः
स्रोत–श्रौतयज्ञ-परिचय - श्रीवेणीरामशर्मा गौड, पेज–10

95. शुक्लयजुर्वेदे रुद्राध्यायाः सन्ति? **UGC 73 D–2004**
(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) सप्त (D) अष्ट
(i) वैदिक साहित्य का इतिहास –गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–82, 83
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67

96. शुक्लयजुर्वेदीय शिवसङ्कल्पसूक्ते कति मन्त्राः सन्ति?
UGC 25 J–2014
(A) षट् (6) (B) सप्त (7)
(C) अष्ट (8) (D) दश (10)
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67

90. (D) 91. (B) 92. (A) 93. (B) 94. (B)

97. माध्यन्दिनशाखायां कति अध्यायाः खिलरूपेण सन्ति?

BHU AET–2012

(A) पञ्च (B) द्वादश

(C) पञ्चदश (D) त्रिंशत्

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–82

98. (i) वाजसनेयी शाखा के कितने भेद हैं?

(ii) वाजसनेयियों के भेद हैं–

UGC 73 J–2005, 2008

(A) एकादश (B) द्वादश

(C) त्रयोदश (D) पञ्चदश

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–261

99. माध्यन्दिनशतपथस्य कस्मिन् काण्डे अग्निरहस्यं वर्णितमस्ति– **BHU AET–2010**

(A) दशमे (B) द्वादशे

(C) चतुर्दशे (D) विंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–204*

100. (i) मैत्रायणी शाखा सम्बन्धित है–

(ii) मैत्रायणी शाखा से सम्बन्धित वेद है–

(iii) मैत्रायणी संहिता सम्बन्धित है–

(iv) मैत्रायणी-संहिता केन वेदेन सह सम्बद्धा वर्तते–

(v) मैत्रायणीसंहिता केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति?

UGC 25 J–2012, BHU MET–2014, 2015
BHU AET–2010, UGC 25 J–2002, D–2009, 2010

(A) सामवेदेन (B) अथर्ववेदेन

(C) शुक्लयजुर्वेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–69*

101. कृष्णयजुर्वेदस्य कति शाखाः सम्प्रति उपलभ्यन्ते?

BHU AET–2010

(A) 02 (B) 04

(C) 06 (D) 08

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

97. (C) 98. (D) 99. (A) 100. (D) 101. (B)
107. (C)

102. तैत्तिरीयशाखायां कति अष्टकाः खण्डाः वा सन्ति?

BHU AET–2010

(A) 03 (B) 05

(C) 06 (D) 07

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

(ii) यजुर्वेद - वेदान्ततीर्थ, पेज–13

103. (i) तैत्तिरीयसंहितायां कति काण्डानि सन्ति?

(ii) तैत्तिरीयसंहितायां काण्डसंख्या अस्ति?

BHU MET–2012, CVVET–2015, BHU AET–2015
BHU AET–2012, UK SLET–2012

(A) षट् (B) सप्त

(C) अष्ट (D) दश

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–98*

104. तैत्तिरीयसंहितायां कति प्रपाठकाः सन्ति?

BHU AET–2012

(A) अशीतिः (B) पञ्चाशत्

(C) चतुश्चत्वारिंशत् (D) एकोनपञ्चाशत्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

105. तैत्तिरीयप्रातिशाख्ये कत्यध्यायाः सन्ति?

BHU AET–2012

(A) चत्वारिंशत् (B) विंशतिः

(C) द्वाविंशतिः (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

106. (i) काण्वशाखा किस वेद की है? UGC 73 D–1999

(ii) काण्वशाखा कस्य वेदस्य? UGC 25 D–2014

(A) सामवेद (B) अथर्ववेद

(C) ऋग्वेद (D) यजुर्वेद

(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

(ii) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–98

107. काण्वसंहितायां कति मन्त्राः प्राप्यन्ते?

BHU AET–2012

(A) 1000 (B) 2000

(C) 2086 (D) 3000

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

102. (D) 103. (B) 104. (C) 105. (D) 106. (D)

108. तैत्तिरीयसंहितायां कति अनुवाकाः स्वीक्रियन्ते?

BHU AET–2012

(A) 250　　(B) 270

(C) 470　　(D) 631

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

109. कृष्णयजुर्वेदे कति काण्डानि सन्ति?

BHU AET–2012

(A) पञ्च　　(B) षट्

(C) सप्त　　(D) विंशतिः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

110. मैत्रायणी उपनिषद् कुल कितने अध्यायों में विभक्त हैं?

UGC 25 J–2004

(A) 5　　(B) 10

(C) 8　　(D) 7

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–188*

111. 'कठशाखा' सम्बन्धित है–　　UGC 25 D–2003

(A) ऋग्वेद से　　(B) सामवेद से

(C) अथर्ववेद से　　(D) यजुर्वेद से

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

112. 'यत्र विश्वं भवत्येकनीडम्' इति मन्त्रः कस्मिन् वेदे दृक्पथमुपयाति–　　UGC 25 J–2005

(A) कृष्णयजुर्वेदे　　(B) ऋग्वेदे

(C) अथर्ववेदे　　(D) शुक्लयजुर्वेदे

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75*

(ii) यजुर्वेद (32/8) - वेदान्ततीर्थ, पेज–426

113. मन्त्रब्राह्मणयोः सम्मिश्रणं वर्तते–　　UGC 25 J–2009

(A) ऋग्वेदे　　(B) कृष्णयजुर्वेदे

(C) सामवेदे　　(D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68, 69*

114. कस्मात् कृष्णयजुर्वेदः कथ्यते–　　UGC 25 J–2010

(A) वैशम्पायनप्रणीतत्वात्　　(B) मन्त्रब्राह्मणयोः साङ्कर्यात्

(C) दक्षिणदेशप्रसिद्धत्वात्　　(D) पाठभेदात्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68, 69*

108. (D)　109. (C)　110. (D)　111. (D)　112. (D)

118. (C)　119. (C)　120. (D)　121. (C)

115. तित्तिररूपेण शिष्याः कं वेदं स्वीकृतवन्तः?
BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदम् (B) सामवेदम्
(C) कृष्णयजुर्वेदम् (D) अथर्ववेदम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

116. काण्वशाखा मुख्यतः कुत्र उपलभ्यते?
BHU AET–2010

(A) महाराष्ट्रे (B) केरले
(C) उत्तरभारते (D) आन्ध्रप्रदेशे

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66

117. कृष्णयजुर्वेद की प्रसिद्ध–शाखा किस नाम से जानी जाती है– **BHU MET–2011**

(A) आर्षेय (B) तैत्तिरीय
(C) ताण्ड्य (D) काण्व

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

118. कृष्णयजुर्वेद में है– **BHU MET–2011**

(A) केवल मन्त्र (B) केवल ब्राह्मण
(C) मन्त्र और ब्राह्मण (D) गीत

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68, 69*

119. तैत्तिरीयसंहितायाः अध्यायानां प्रश्नानां वा अपरमभिधानं किमस्ति? **BHU AET–2010**

(A) वाचकः (B) समयः
(C) प्रपाठकः (D) सम्पादकः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136*

120. कृष्णयजुर्वेदस्य का शाखा सम्प्रत्यपि सम्पूर्णतया न प्राप्यते? **BHU AET–2010**

(A) तैत्तिरीयसंहिता (B) मैत्रायणीसंहिता
(C) काठकसंहिता (D) कठकापिष्ठलसंहिता

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)–बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–227*

121. ब्रह्मसम्प्रदायस्य प्रातिनिध्यं कः करोति?
BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदः (B) सामवेदः
(C) कृष्णयजुर्वेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

113. (B) 114. (B) 115. (C) 116. (A) 117. (B)

122. (i) तैत्तिरीयशाखा केन वेदेन सम्बद्धा?

(ii) तैत्तिरीयसंहिता सम्बन्धित है–

UGC 73 J–1999, D–2006, BHU AET–2010
UGC 25 J–2014

(A) ऋग्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) सामवेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

123. प्राजापत्यकाण्डं कस्यां संहितायां विद्यते?

BHU AET–2010

(A) माध्यन्दिनसंहितायाम् (B) शाकलसंहितायाम्
(C) तैत्तिरीयसंहितायाम् (D) कौथुमसंहितायाम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–229*

124. कृष्णयजुर्वेदः केन सम्प्रदायेन सम्बध्यते–

BHU AET–2010

(A) आदित्यसम्प्रदायेन (B) ब्रह्मसम्प्रदायेन
(C) इन्द्रसम्प्रदायेन (D) चन्द्रसम्प्रदायेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64*

125. मन्त्रब्राह्मणवाक्ययोर्मिश्रणं बाहुल्येन कुत्र प्राप्यते?

BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदे (B) अथर्ववेदे
(C) सामवेदे (D) कृष्णयजुर्वेदे

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–232*

126. काण्वसंहिता कस्मिन् वेदे अन्तर्भावो भवेत्?

BHU AET–2011

(A) साम्नि (B) यजुसि
(C) आथर्वणि (D) ऋचि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

122. (D) 123. (C) 124. (B) 125. (D) 126. (B)
132. (B)

127. मैत्रायणीशाखायाः कस्मिन् वेदे अन्तर्भावः भवति?

BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदे (B) शुक्लयजुर्वेदे

(C) सामवेदे (D) कृष्णयजुर्वेदे

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*
(ii) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–242

128. मैत्रायणी-संहिता कस्य वेदस्य वर्तते?

BHU AET–2012

(A) कृष्णयजुर्वेदस्य (B) सामवेदस्य

(C) अथर्ववेदस्य (D) ऋग्वेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

129. मन्त्रैः सह ब्राह्मणस्य नियोजनमस्ति?

BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे

(C) कृष्णयजुर्वेदे (D) शुक्लयजुर्वेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–69*

130. कस्मात् कृष्णयजुर्वेदः? **BHU AET–2012**

(A) कृष्णद्वैपायनेन प्रवर्तितत्वात् (B) कृष्णत्वात्

(C) मन्त्रब्राह्मणयोः साङ्कर्यात् (D) कृष्णपक्षे पठनात्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68, 69*

131. कृष्णयजुर्वेदेन सह सम्बद्धमस्ति?

BHU AET–2012

(A) पारस्करगृह्यसूत्रम् (B) बौधायनगृह्यसूत्रम्

(C) गोभिलगृह्यसूत्रम् (D) कौशिकगृह्यसूत्रम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229*

132. तैत्तिरीयसंहितायाः तृतीयकाण्डस्य किं नाम?

BHU AET–2012

(A) वैश्वानरीयकाण्डम् (B) आग्नेयकाण्डम्

(C) शौमिककाण्डम् (D) प्राजापत्यकाण्डम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–229*

127. (D) 128. (A) 129. (C) 130. (C) 131. (B)

133. तैत्तिरीयसंहितायाः नामान्तरमस्ति– UGC 73, D–2012

(A) कृष्णयजुर्वेदः (B) माध्यन्दिनसंहिता

(C) काण्वसंहिता (D) अथर्वसंहिता

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–228, 229*

134. कौन सी संहिता ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, धर्मसूत्रादि से सर्वाङ्गपूर्ण है– UGC 25 D–1998

(A) अथर्ववेद–संहिता (B) सामवेद-संहिता

(C) तैत्तिरीय-संहिता (D) वाजसनेयी-संहिता

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

135. कृष्णयजुर्वेद की प्रसिद्ध शाखा किस नाम से जानी जाती है? BHU MET–2011

(A) आर्षेय (B) तैत्तिरीय

(C) ताण्ड्य (D) काण्व

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

133. (A) 134. (C) 135. (B) 136. (B) 137. (D)

12

दिव

द्,
98

8
नी
1

8

136. 'आपस्तम्बगृह्यसूत्र' से सम्बन्धित वेद है–

BHU MET–2015

(A) अथर्ववेद
(B) कृष्णयजुर्वेद
(C) सामवेद
(D) ऋग्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

137. 'मन्त्र तथा ब्राह्मण' की सम्मिलित संज्ञा क्या है?

H TET–2014

(A) नामधेय (B) निघण्टु
(C) निरुक्त (D) वेद

स्रोत– *(i) संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–376*
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–113
(iii) आपस्तम्ब श्रौतसूत्र (1.33)

3. यज्ञम

1. वाजपेययाग का अनुष्ठान करने वाला होता है–
UGC 73 D–2013

(A) राजा (B) महाराजा
(C) सम्राट् (D) सेनापतिः

स्रोत–*वैदिक शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–110*

2. अश्वमेध यज्ञ में अश्व के साथ सोती है–
UGC 73 D–2013

(A) वावाता (B) अनुचरी
(C) महिषी (D) पालागली

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–64*

3. अग्निष्टोम याग में ऋत्विज होते हैं– UGC 73 J–2014

(A) द्वादश (B) षोडश
(C) दश (D) अष्टौ

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–27, 28*

4. दर्शपूर्णमासयागस्य का दक्षिणा– UGC 25 J–2014

(A) पूर्णपात्रम् (B) गौः
(C) अन्वाहार्यम् (D) सुवर्णम्

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–14*

5. (i) इष्टौ कति प्रयाजाः–
(ii) प्रयाजाः भवन्ति–
(iii) पौर्णमासेष्टौ कति प्रयाजाः भवन्ति–
UK SLET–2012, UGC 25 J–2012, BHU AET–2011

(A) सप्त (B) दश
(C) अष्ट (D) पञ्च

स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–71*

6. 'पञ्च महायज्ञाः' किमर्थम् अनुष्ठीयन्ते–
UGC 25 J–2012

(A) ज्वरशान्तये (B) वास्तुदोषविनिवृत्तये
(C) पञ्चसूनादोषनाशाय (D) धनलाभाय

स्रोत–*यज्ञमीमांसा - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–30*

1. (C) 2. (C) 3. (B) 4. (C) 5. (D)
11. (A) 12. (A)

ज्ञमीमांसा

.13
.13
4
4
1
.2

7. **अग्निष्टोमयागो वर्तते–** **UGC 25 J–2012**
(A) पाकयज्ञः (B) हविर्यज्ञः
(C) सोमयज्ञः (D) स्मार्तयज्ञः
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–29*

8. **'दर्शयागः' कदानुष्ठीयते–** **UGC 25 D–2012**
(A) चतुर्दश्याम् (B) प्रतिपदि
(C) अष्टम्याम् (D) पूर्णमास्याम्
स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–75*

9. **'अग्निहोत्रम्' अनुष्ठीयते–** **UGC 25 D–2012**
(A) प्रतिमासम् (B) प्रतिवर्षम्
(C) प्रतिदिनम् (D) प्रतिपक्षम्
स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–57*

10. **आध्यात्मिकव्याख्यापद्धतौ वेदे प्रयुक्तस्य 'अग्नि' शब्दस्य अयमर्थः–** **UGC 25 J–2013**
(A) श्रोताग्निः (B) विद्युत्
(C) परमात्मा (D) स्मार्ताग्निः
स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड)-बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–224*

11. **महामखाः कति?** **HE–2015**
(A) पञ्च (B) चत्वारः
(C) षट् (D) सप्त
स्रोत–*यज्ञमीमांसा - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–31*

12. **दर्शपूर्णमासाभ्यां कति वर्षाणि यजेत्–** **BHU AET–2012**
(A) त्रिंशद्वर्षाणि (B) पञ्चदशवर्षाणि
(C) पञ्चाशद्वर्षाणि (D) षष्टिवर्षाणि
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–14*

6. (C) **7. (C)** **8. (B)** **9. (C)** **10. (C)**

13. स एष यज्ञः कतिविधः?   **BHU AET–2012**

(A) पञ्चविधः   (B) षड्विधः

(C) दशविधः   (D) एकादशविधः

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–1*

14. पिण्डपितृयज्ञोऽनुष्ठीयते–   **BHU AET–2012**

(A) प्रतिपदि   (B) चतुर्दश्याम्

(C) अमावस्यायाम्   (D) पूर्णिमायाम्

***स्रोत**–भारतीय संस्कृति - दीपक कुमार, पेज–410*

15. दर्शपूर्णमासवेदिर्भवति–   **BHU AET–2012**

(A) त्र्यङ्गुलखाता   (B) स्थण्डिलाकारा

(C) पञ्चङ्गुलखाता   (D) खातरहिता

16. अग्निर्नित्यो भवति–   **BHU AET–2012**

(A) दक्षिणाग्नौ   (B) आहवनीये

(C) गार्हपत्ये   (D) चयने

***स्रोत**–(i) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–223*

(ii) वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–508

17. वेदाभ्यासेन व्यवह्रियते–   **BHU AET–2012**

(A) भूतयज्ञः   (B) पितृयज्ञः

(C) ब्रह्मयज्ञः   (D) स्मार्तयज्ञः

***स्रोत**–यज्ञमीमांसा - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–33*

18. दर्शेष्टिः कस्मिन् दिवसे भवति–   **BHU AET–2010**

(A) शुक्लपक्षप्रतिपदि   (B) अमावस्यायाम्

(C) पूर्णिमायाम्   (D) कृष्णपक्षप्रतिपदि

***स्रोत**–वैदिक-शब्द मीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–75*

19. पूर्णमासेष्टिः कस्मिन् दिवसे भवति–

BHU AET–2010

(A) पूर्णिमायाम्   (B) कृष्णपक्षप्रतिपदि

(C) अमावस्यायाम्   (D) शुक्लपक्षप्रतिपदि

***स्रोत**–वैदिक-शब्द मीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–75*

13. (A)	**14. (C)**	**15. (A)**	**16. (C)**	**17. (C)**
23. (A)	**24. (C)**	**25. (B)**	**26. (D)**	**27. (D)**

20. **चातुर्मास्ययागस्य प्रथमपर्वणः किं नामधेयम्–** **BHU AET–2010**
(A) अग्निहोत्रम् (B) आग्रयणम्
(C) सौत्रामणी (D) साकमेधीयम्
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–15*

21. **दर्शेष्टौ कति ऋत्विजो भवन्ति–** **UGC 25 S–2013**
(A) चत्वारः (B) षोडशः
(C) अष्टौ (D) दश
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–10*

22. **दर्शपूर्णमासयज्ञे 'दर्श'–शब्दस्य अर्थोऽस्ति–** **UGC 25 D–2013**
(A) पयस्या (B) दर्विः
(C) शूर्पम् (D) अमावस्या
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–8*

23. **चातुर्मास्ययागे वर्तते–** **UGC 25 D–2013**
(A) शुनासीरीयम् (B) अग्निहोत्रम्
(C) आग्रयणम् (D) सौत्रामणी
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–15*

24. **कः ब्रह्मयज्ञः–** **BHU AET–2010**
(A) देवार्चनम् (B) अतिथिसत्कारः
(C) अध्ययनम् (D) अग्निहोत्रम्
स्रोत–*यज्ञमीमांसा - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–33*

25. **दर्शपूर्णमासयज्ञे प्रथमा इष्टिका–** **HE–2015**
(A) दर्शेष्टिः (B) पौर्णमासेष्टिः
(C) पवमानेष्टिः (D) अवभृथेष्टिः
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–10*

26. **'स्वरवः' का प्रासंगिक अर्थ है–** **BHU MET–2014**
(A) ग्रह (B) पात्र
(C) हवि (D) यज्ञीय यूप

27. **पाकयज्ञाः भवन्ति–** **UGC 73 D–2012**
(A) पञ्च (B) चत्वारः
(C) षट् (D) सप्त
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–1*

18. (A) 19. (B) 20. (D) 21. (A) 22. (D)

28. (i) महायज्ञस्य संख्या का–
(ii) कति महायज्ञाः? **BHU AET–2010, 2011**
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6
स्रोत–*(i) श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–4*
(ii) यज्ञमीमांसा - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–31

29. यज्ञ सम्बन्धी विधि-विधानों का पता चलता है– **RPCS–1999**
(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) ब्राह्मण ग्रन्थों में (D) यजुर्वेद में
स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–48*

30. 'अध्वरः' इति शब्दस्य कोऽर्थः– **BHU AET–2010**
(A) यज्ञः (B) ध्वनिः
(C) धनम् (D) धेनुः
स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–33*

31. होतुः किं कर्म भवति– **BHU AET–2010**
(A) हननम् (B) हवनम्
(C) आह्वानम् (D) हसनम्
स्रोत–*(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–33*
(ii) वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–149

32. 'पुरोडाश' इति शब्दस्य कोऽर्थः– **BHU AET–2010**
(A) द्रव्यम् (B) पूर्वम्
(C) परम् (D) दोहनम्
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–38*

33. 'व्रीहि' इति शब्दस्य कोऽर्थः– **BHU AET–2010**
(A) वसतिः (B) द्रव्यम्
(C) वनम् (D) वर्तनिः
स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–151*

34. ब्रह्मा यागे किं वदति– **BHU AET–2010**
(A) याज्याम् (B) अनुवाक्याम्
(C) अनुज्ञाम् (D) प्रज्ञाम्

28. (C) **29. (D)** **30. (A)** **31. (C)** **32. (A)**
38. (D) **39. (A)** **40. (C)** **41. (B)**

35. श्रौतयागेषु प्रधानर्त्विकः को विद्यते– BHU AET–2010

(A) अध्वर्युः (B) होता
(C) उद्गाता (D) ब्रह्मा

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–28*

36. श्रौतयागेषु याज्या कः पठति– BHU AET–2010

(A) अध्वर्युः (B) होता
(C) ब्रह्मा (D) आग्नीध्रः

स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–161*

37. श्रौतयागेषु अनुवाक्यां कः पठति– BHU AET–2010

(A) आग्नीध्रः (B) ब्रह्मा
(C) होता (D) अध्वर्युः

स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–149*

38. वेदे यागस्य स्वरूपं कति अक्षरात्मकं गण्यते–
BHU AET–2010

(A) पञ्च (B) दश
(C) पञ्चदश (D) सप्तदश

39. गार्हपत्याग्निः कस्यां दिशि प्रकल्प्यते–
BHU AET–2010

(A) पश्चिमायाम् (B) पूर्वस्याम्
(C) उत्तरस्याम् (D) दक्षिणस्याम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–224*

40. आह्वनीयाग्निः कस्यां दिशि भवति– BHU AET–2010

(A) उत्तरस्याम् (B) दक्षिणस्याम्
(C) पूर्वस्याम् (D) पश्चिमायाम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–223*

41. दक्षिणाग्निः कस्यां दिशि भवति– BHU AET–2010

(A) उतरस्याम् (B) दक्षिणस्याम्
(C) पूर्वस्याम् (D) पश्चिमायाम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–223*

11
09
48
0
33
10
33
9
10
10
10

33. (B) 34. (C) 35. (A) 36. (B) 37. (C)

42. अग्निहोत्रहोमस्य कालः को विद्यते–BHU AET–2010

(A) सायं प्रातः (B) पाक्षिकः

(C) मासिकः (D) अयनात्मकः

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–6, 7*

43. सोमयज्ञस्य प्रधानहविः किं भवति–BHU AET–2010

(A) पुरोडाशः (B) वाजिनम्

(C) सोमः (D) चकः

स्रोत–*वैदिक-शब्द-मीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–92*

44. दीक्षा कस्य यागस्य अङ्गं विद्यते– BHU AET–2010

(A) अग्निहोत्रस्य (B) दर्शस्य

(C) पौर्णमासस्य (D) सोमयागस्य

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–27, 28*

45. दीक्षासंस्कारः कस्य भवति– BHU AET–2010

(A) यजमानस्य (B) अध्वर्योः

(C) होतुः (D) ब्राह्मणस्य

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–28*

46. महायज्ञाः कति परिगणिताः भवन्ति–BHU AET–2010

(A) दश (B) नव

(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत– *(i) यज्ञमीमांसा - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–31*

(ii) श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–4

47. चातुर्मास्ययागे कति पर्वाणि भवन्ति–BHU AET–2010

(A) चत्वारि (B) पञ्च

(C) सप्त (D) नव

स्रोत–*श्रौतयज्ञ परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–15*

48. ऋतवः कति परिगणिताः सन्ति– BHU AET–2010

(A) दश (B) नव

(C) षट् (D) अष्टौ

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–52*

42. (A) 43. (C) 44. (D) 45. (A) 46. (C)
52. (D) 53. (A) 54. (B) 55. (B)

49. **अग्निष्टोमयागः कस्य प्रकृतिः विद्यते–**

BHU AET–2010

(A) सोमयागस्य (B) पशुयागस्य

(C) इष्टियागस्य (C) स्मार्तयागस्य

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–27*

50. **दर्शपूर्णमास्ययागः कस्य प्रकृतिर्विद्यते–**

BHU AET–2010

(A) सोमयागस्य (B) पशुयागस्य

(C) इष्टियागस्य (D) स्मार्तयागस्य

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–10*

51. **दर्शे कति प्रधानयागाः भवन्ति– BHU AET–2010**

(A) त्रयः (B) पञ्च

(C) सप्त (D) नव

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–8, 9*

52. **पौर्णमासे कति प्रधानयागाः भवन्ति– BHU AET–2010**

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) नव (D) त्रयः

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–8-9*

53. **(i) दर्शपौर्णमासेष्टियागे प्रयाजानां संख्या विद्यते?**

(ii) दर्शपूर्णमासयागे कति प्रयाजाः भवन्ति–

BHU AET–2010, UGC 25 D–2015

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) नव (D) दश

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–13*

54. **दर्शपूर्णमासयागे कति अनुयाजाः भवन्ति–**

BHU AET–2010

(A) चत्वारः (B) त्रयः

(C) सप्त (D) नव

55. **(i) हविर्यज्ञसंस्थाः कति भवन्ति– UGC 73 D–2013**

(ii) हविर्यागानां प्रकाराः सन्ति– BHU AET–2010

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) नव (D) दश

***स्रोत**–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–1*

47. (A) 48. (C) 49. (A) 50. (C) 51. (A)

56. पाकयज्ञसंस्थाः कति भवन्ति– BHU AET–2010

(A) नव (B) दश

(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–1*

57. सोमयज्ञसंस्थाः कति भवन्ति– BHU AET–2010

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) नव (D) दश

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–1*

58. रथन्तर है, एक– BHU MET–2015

(A) साम (B) प्रयाज

(C) अनुयाज (D) ऋत्विज्

स्रोत–*(i) श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–67*

(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–82

59. 'वैराज' है एक– BHU MET–2015

(A) छन्द (B) साम

(C) हवनकुण्ड (D) अध्वर्यु

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–67*

60. याग के जो दो रूप हैं, वे हैं– BHU MET–2015

(A) द्रव्य एवं देवता (B) ईश्वर एवं जीव

(C) ज्ञान एवं कर्म (D) अग्नि एवं वेद

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–6, 7*

61. सभी इष्टियों की प्रकृति है? BHU MET–2015

(A) अतिथ्येष्टि (B) प्रवर्ग्य

(C) प्रयाज (D) दर्शपूर्णमासेष्टि

स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–10*

नगरे नगरे ग्रामे ग्रामे वि

सदने सदने जनजनवदने

56. (D) 57. (B) 58. (A) 59. (B) 60. (A)

66. (A) 67. (B)

62. **दर्शमासयागः कदा विधीयते–** **UK SLET–2012**
(A) प्रतिपदायाम् (B) अमावस्यायाम्
(C) पूर्णिमायाम् (D) चतुर्दश्याम्
स्रोत–*श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–9*

63. **दर्शयागस्य आधानकालः–** **UK SLET–2015**
(A) पञ्चमी (B) अष्टमी
(C) नवमी (D) अमावस्या

64. **प्रयाज कितने हैं–** **UGC 73 D–2010**
(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) सप्त (D) नव
स्रोत–*(i) वैदिक-शब्द मीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–71*
(ii) श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–1

65. **चातुर्मासाख्ययागः भवति–** **UGC 73 J–2013**
(A) पर्वत्रयात्मकः (B) पर्वषडात्मकः
(C) पर्वचतुष्टयात्मकः (D) पर्वनवात्मकः
स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–513*

66. **पवमानेष्टयः सन्ति–** **UGC 73 J–2013**
(A) तिस्रः (B) चतस्रः
(C) पञ्च (D) नव
स्रोत–*वैदिक-शब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–195*

67. **वैदिकधर्म आधारित था–** **MP PSC–2003**
(A) मूर्तिपूजा पर (B) यज्ञ पर
(C) अहिंसा पर (D) आर्य अष्टांगिक मार्ग पर
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–72*

विलसतु संस्कृतवाणी
दने जयतु चिरं कल्याणी

61. (D) 62. (A) 63. (D) 64. (B) 65. (C)

4. सा

1. सामवेद का दूसरा नाम है? UGC 25 J–1999

(A) स्तुतिवेद (B) कर्मवेद
(C) गानवेद (D) धनुर्वेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87-88*

2. उत्तरार्चिक किस वेद से सम्बद्ध है–BHU MET–2011

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–80*

3. सङ्गीत का प्राचीनतम ग्रन्थ है? UGC 25 J–2003

(A) सामवेद (B) यजुर्वेद
(C) ऋग्वेद (D) अथर्ववेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87*

4. (i) 'उद्‌गाता' कस्य वेदस्य प्रातिनिध्यं करोति?
(ii) 'उद्‌गाता' का सम्बन्ध किस वेद से है?
(iii) 'उद्‌गाता' ऋत्विक्– BHU AET–2010
BHU MET–2008

(A) ऋग्वेद (B) अथर्ववेद
(C) सामवेद (D) यजुर्वेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88*

5. सामवेदीयः ऋत्विक्– BHU AET–2010, 2011

(A) अध्वर्युः (B) ब्रह्मा
(C) उद्‌गाता (D) होता

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88*

6. सामवेदः सम्प्राप्तः– UGC 25 J–2014

(A) रवेः (B) अग्नेः
(C) वायोः (D) वरुणात्

***स्रोत**–(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*
(ii) मनुस्मृति (1/23)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–85-86

1. (C) 2. (C) 3. (A) 4. (C) 5. (C)
11. (C) 12. (C)

सामवेद

7. सामवेद संहिता का उपवेद कौन है?

BHU MET–2010

(A) गान्धर्ववेद (B) आयुर्वेद

(C) धनुर्वेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

8. सामवेदस्य शाखाः सन्ति? AWES TGT–2010

(A) 2 (B) 3

(C) 6 (D) 4

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–83-84*

9. साम्प्रतं सामवेदस्य उपलभ्यमानायाः शाखायाः संख्या–

BHU AET–2010

(A) 3 (B) 4

(C) 1000 (D) 100

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88-89*

10. सहस्रशाखो वेदः– BHU AET–2010

(A) यजुर्वेदः (B) ऋग्वेदः

(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88-89*

11. 'राणायनीयशाखा' कस्य वेदस्य?

UGC 25 S–2013, CVVET–2015

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य

(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–89*

12. 'जैमिनिशाखा' किस वेद से सम्बन्धित हैं?

UP PGT–2003, BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद

(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–89*

6. (A) 7. (A) 8. (B) 9. (A) 10. (C)

13. (i) 'कौथुमशाखा' किस वेद से है?

(ii) 'कौथुम-शाखा' से सम्बद्ध वेद है

UGC 25 J–2000, D–2001, 2008

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद

(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–89*

14. सामवेदः केषां प्रसूतिः? BHU AET–2012

(A) क्षत्रियाणाम् (B) नक्षत्राणाम्

(C) ब्राह्मणानाम् (D) वैश्यानाम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–140*

15. उद्गातृगणे कति ऋत्विजो भवन्ति–

BHU AET–2012

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) षट् (D) पञ्च

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–82*

16. (i) गानस्य प्राधान्यमस्ति–

(ii) वह वेद जिसमें सङ्गीत का उल्लेख है?

(iii) गानप्रधानो वेदः–

(iv) निम्न में से कौन-सा वेद सङ्गीतशास्त्र से सम्बन्धित है?

UGC 25 J–2007, BHU AET–2010

UGC 06 D–2004, CCSUM (H) Ph.D–2016

(A) सामवेदे (B) यजुर्वेदे

(C) अथर्ववेदे (D) ऋग्वेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77*

17. सामवेदे गानं कतिधा भवति– BHU AET–2011

(A) 3 (B) 5

(C) 8 (D) 9

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–91*

18. ऋक्तन्त्रं कस्य वेदस्य कृते– BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य

(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–180*

13. (C) 14. (C) 15. (B) 16. (A) 17. (B)

23. (C) 24. (C) 25. (B)

19. सामवेदस्य प्रमुख–प्रतिपाद्यविषयोऽस्ति– **UGC 25 D–2005**

(A) गानम् (B) ज्ञानम्
(C) स्तुति (D) यागयज्ञादिकम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87*

20. सामवेदस्य पूर्वार्चिकस्य अपरा संज्ञा का अस्ति? **BHU AET–2010**

(A) व्यासिका (B) छन्दसंहिता
(C) पवमाना (D) श्रूयमाणा

संस्कृतवाङ्मय का बृहद्, इतिहास (प्रथम-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–286

21. सामवेद में 'साम' का अर्थ है– **BHU MET–2010**

(A) उपासना (B) कर्म
(C) गायन (D) ज्ञान

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87*

22. 'रथन्तर' जिसका प्रकार है, वह है– BHU MET–2014

(A) सामगान (B) स्तुति
(C) यज्ञ (D) रथस्तुति

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–82*

23. 'साम्नः' व्यवहारिकोऽर्थोऽस्ति– **UP GDC–2014**

(A) वाचनम् (B) सान्त्वनम्
(C) गायनम् (D) संस्कारः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87*

24. स्तोमस्य प्रधानता– **BHU AET–2010**

(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–90-91*

25. 'तत्त्वमसि' श्रुतिः– **BHU AET–2010**

(A) यजुर्वेदे (B) सामवेदे
(C) ऋग्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181*

18. (C) 19. (A) 20. (B) 21. (C) 22. (A)

26. कः सामवेदस्य मन्त्राणां गायनं करोति–

BHU AET–2012

(A) होता　　(B) अध्वर्युः
(C) उद्गाता　　(D) ब्रह्मा

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88*

27. 'संहितोपनिषद् ब्राह्मणं' कस्मिन् वेदे विद्यते–

BHU AET–2010

(A) सामवेदे　　(B) ऋग्वेदे
(C) यजुर्वेदे　　(D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

28. ऋग्वेदात् उद्धृतानाम् ऋचां संख्या सामवेदे–

BHU AET–2010

(A) 1292　　(B) 1225
(C) 1581　　(D) 1504

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–81*

29. सामाख्या कुत्र भवति?　　BHU AET–2012

(A) सूत्रेषु　　(B) मन्त्रेषु
(C) गीतिषु　　(D) प्रयोगेषु

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77*

30. 'गीतिषु सामाख्या' इति कस्मिन् ग्रन्थे उक्तमस्ति

BHU AET–2012

(A) महाभाष्ये　　(B) निरुक्ते
(C) जैमिनीयसूत्रे　　(D) वेदान्तसूत्रे

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87*

31. अङ्गुलीषु स्वरसञ्चालनं क्रियते– UGC 25 S–2013

(A) ऋग्वेदे　　(B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे　　(D) अथर्ववेदे

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड) बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–40*

32. 'उपद्रव' जिसकी विधा है, वह है– BHU MET–2015

(A) कर्मकाण्ड　　(B) सामगान
(C) इष्टि　　(D) सोमयाग

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–92*

26. (C)	**27. (A)**	**28. (D)**	**29. (C)**	**30. (C)**
36. (B)	**37. (B)**	**38. (B)**	**39. (C)**	

33. 'दैवतब्राह्मण' से सम्बन्धित वेद का नाम है–
BHU MET–2014

(A) शुक्लयजुर्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) ऋग्वेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–138*

34. 'मशकसूत्र' से सम्बन्धित वेद है– BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–219*

35. सामवेदस्य कति ब्राह्मणानि सन्ति–UK SLET–2012

(A) 09 (B) 08
(C) 11 (D) 15

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

नोट– आचार्य सायण ने सामवेदीय ब्राह्मणों की संख्या 8 मानी है।

36. सामसंज्ञा भवति– UGC 25 J–2008

(A) ऋचाम् (B) गानानाम्
(C) ब्राह्मणानाम् (D) उपनिषदाम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–87*

37. साममन्त्राणां गायने कति स्वराणां प्रयोगो भवति?
BHU AET–2010

(A) पञ्च (B) सप्त
(C) दश (D) पञ्चदश

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–88*

38. माधव ने जिस वेद की व्याख्या की है, वह है–
BHU MET–2014

(A) अथर्ववेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–14*

39. सत्यव्रतसामश्रमी कस्य वेदस्य प्रकाण्डविद्वान् आसीत्?
BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–29*

31. (C) 32. (B) 33. (B) 34. (B) 35. (B)

40. (i) पतञ्जलिमतानुसारं सामवेदस्य शाखाः सन्ति–
(ii) महाभाष्यानुसारं सामवेदस्य शाखाः
BHU AET–2010, 2011, UGC 25 D–1996
(A) 1000　　(B) 800
(C) 950　　(D) 990

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–83*

41. 'जैमिनीयशाखा' कस्य वेदस्य? UGC 25 D–2012
(A) ऋग्वेदस्य　　(B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य　　(D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–89*

42. उत्तरार्चिके प्रपाठकस्य संख्या– BHU MET–2010
(A) 5　　(B) 6
(C) 9　　(D) 13

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–90*

43. ऋक्तन्त्रं सामवेदस्य कस्यां शाखायामन्तर्भवति?
BHU AET–2010
(A) कौथुमशाखायाम्　　(B) राणायनीयशाखायाम्
(C) जैमिनीयशाखायाम्　　(D) अनुपलभ्यमानशाखायाम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–180*

44. पूर्वार्चिक-उत्तरार्चिक-भेदेन विभक्तो वेदः–
BHU AET–2010
(A) यजुर्वेदः　　(B) ऋग्वेदः
(C) अथर्ववेदः　　(D) सामवेदः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–80*

45. सामवेदस्य भागाः कति? BHU AET–2010
(A) 2　　(B) 3
(C) 4　　(D) 5

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–80*

46. सामवेदस्य मन्त्राणां (ऋचाणां) संख्या–
BHU AET–2010
(A) 1500　　(B) 1549
(C) 1600　　(D) 1700

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–90*

40. (A)　41. (C)　42. (C)　43. (A)　44. (D)
50. (C)　51. (A)　52. (A)

47. **सामवेदे कति ऋचः स्वतन्त्ररूपेण सन्ति?**
BHU AET–2010
(A) 20 (B) 25
(C) 75 (D) 100
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–90*

48. **सामसंहिता कति भागेषु विभक्ताऽस्ति?**
BHU AET–2010
(A) भागद्वये (B) भागत्रये
(C) भागचतुष्टये (D) भागदशके
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–80*

49. **पूर्वार्चिक में प्रपाठकों की संख्या है–**
BHU MET–2015
(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) 10
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–80*

50. **(i) उत्तरार्चिक में कितने भाग (प्रपाठक) हैं?**
(ii) सामवेदीयोत्तरार्चिके सर्वसाकल्यं कियन्तः प्रपाठकाः? BHU AET–2011, UGC 25 J–2001
(A) 1 (B) 5
(C) 9 (D) 13
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–81*

51. **(i) सामवेदीयपूर्वार्चिके कियन्तः मन्त्राः विलसन्ति?**
(ii) पूर्वार्चिके मन्त्राणां संख्या– BHU AET–2010, 2011
(A) 650 (B) 1771
(C) 227 (D) 450
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–80*

52. **ऋग्वेदात् संकलित-सर्वसाकल्य-सामवेदीयमन्त्राणां संख्या का?** **BHU AET–2011**
(A) 1504 (B) 104
(C) 1875 (D) 1250
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–81*

45. (A) 46. (B) 47. (C) 48. (A) 49. (C)

53. सामवेदीयशिक्षाग्रन्थाः– **BHU AET–2010**

(A) 4 (B) 5

(C) 3 (D) 6

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–254*

54. जैमिनीयशाखायां मन्त्रसंख्या– **BHU AET–2010**

(A) 1587 (B) 1787

(C) 1687 (D) 1887

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86*

55. जैमिनीयगानसंख्या– **BHU AET–2010**

(A) 2242 (B) 3681

(C) 4222 (D) 3806

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86*

53. (C) **54.** (C) **55.** (B) **56.** (D) **57.** (B)

10
4
10
6
10
6

56. ''सङ्गीत के अनुकूल जो शाब्दिक परिवर्तन होता है, उसे सामविकार कहते है।'' निम्न विकल्पों में से जो सामविकार नही है, उसे छाँटिए– H-TET–2015

(A) विकार (B) विश्लेषण

(C) विकर्षण (D) निधन

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–92*

57. सामविकाराः परिगणिताः सन्ति–UGC 25 D–2015

(A) सप्त (B) षट्

(C) चत्वारः (D) त्रयः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–92*

5. अथ

1. **कः ऋषिः अथर्वसंहितायाः द्रष्टा अस्ति–**
BHU AET–2010
(A) अथर्वः (B) सुमन्तुः
(C) वैशम्पायनः (D) कात्यायनः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–119*

2. **(i) 'ब्रह्मवेद' का अर्थ है–**
(ii) किस संहिता को 'ब्रह्मवेद' कहा गया है?
BHU MET–2015, MP PSC–2000
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–119*

3. **'अथर्वाङ्गिरस' नाम्ना कः वेदः ज्ञायते?**
BHU AET–2012
(A) ऋग्वेदः (B) धनुर्वेदः
(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–97*

4. **(i) ब्रह्मणा सह सम्बन्धः कः वेदः–**
(ii) 'ब्रह्मा' किस वेद से सम्बद्ध ऋत्विक् हैं?
BHU MET–2008, BHU AET–2011
(A) कृष्णयजुर्वेद (B) ऋग्वेद
(C) अथर्ववेद (D) शुक्लयजुर्वेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–103*

5. **वेदों में सबसे अर्वाचीन वेद है? BHU MET–2010**
(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) यजुर्वेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–114*

6. **'भैषज्यवेद' यह किसका नामान्तर है? UGC 73 J–2015**
(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98*

1. (A) 2. (D) 3. (D) 4. (C) 5. (C)
11. (B)

अथर्ववेद

7. (i) भैषज्यसूक्तानि वर्तन्ते **UGC 25 D–2007**

(ii) भैषज्यमन्त्राः लभ्यन्ते–

(A) सामवेदे (B) ऋग्वेदे

(C) यजुर्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98*

8. वैतानश्रौतसूत्रमस्ति– **JNU MET–2015**

(A) ऋग्वेदीयम् (B) यजुर्वेदीयम्

(C) सामवेदीयम् (D) अथर्ववेदीयम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

9. (i) सम्प्रति प्रचलित अथर्ववेद सम्बद्ध है?

(ii) प्रसिद्ध अथर्ववेद सम्बद्ध है–

BHU MET–2011, 2012

(A) शौनकशाखा से (B) शाकलशाखा से

(C) कौथुमशाखा से (D) मैत्रायणीशाखा से

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99*

10. इस समय प्रचलित अथर्ववेद किस शाखा का है?

UGC 73 D–2015

(A) शौनकशाखा (B) शाकलशाखा

(C) जाजलशाखा (D) स्तौदशाखा

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99*

11. 'जाजलशाखा' जिस वेद की शाखा है, वह है–

BHU MET–2014

(A) शुक्लयजुर्वेद (B) अथर्ववेद

(C) ऋग्वेद (D) सामवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98*

6. (D) 7. (D) 8. (D) 9. (A) 10. (A)

12. (i) 'पैप्पलादशाखा' जिस वेद की है, वह है–
(ii) 'पैप्पलाद-संहिता' केन वेदेन सम्बद्धा–
BHU MET–2014, BHU AET–2011
UGC 25 S–2013, D–1997, J–2005

(A) सामवेद (B) यजुर्वेद
(C) ऋग्वेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99*

13. कौन सा वेद वेदत्रयी का भाग नही है–
BHU MET–2015

(A) सामवेद (B) ऋग्वेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–101*

14. कालसूक्तं युज्यते.......... UGC 25 J–2014

(A) मूलवेदे (B) सामवेदे
(C) अथर्ववेदे (D) कुत्रापि न हि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109*

15. अभिचारसूक्तानि दृश्यन्ते– UP GDC–2012

(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे
(C) कृष्णयजुर्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–106*

16. (i) पृथिवीसूक्तम्– UGC 25 D–1996,2004, 2005,
(ii) 'भूमिसूक्त' किस वेद में है– J–2003
(iii) 'भूमिसूक्तम्' कं वेदं विषयीकरोति–
(iv) 'पृथ्वीसूक्तम्' कस्य वेदस्य अस्ति–

(A) अथर्ववेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109*

17. पृथिवी की पूजा इसमें है– UGC 25 D–1997

(A) तैत्तिरीयब्राह्मण (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) गृह्यसूत्र

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109*

12. (D) **13. (D)** **14. (C)** **15. (D)** **16. (A)**
22. (D) **23. (C)**

18. निम्नलिखित चार वेदों में से किस एक में जादुई माया और वशीकरण का वर्णन है–
IAS–2004, JPSC–2010
(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) यजुर्वेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–106

19. आयुर्वेद अर्थात् 'जीवन का विज्ञान' का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है– UP PSC–1994
(A) आरण्यक (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–105

20. (i) 'व्रात्यकाण्ड' पाया जाता है?
(ii) 'व्रात्य' का वर्णन किस वेद में पाया जाता है?
BHU MET–2011, 2012, UGC 73 D–2015
(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–110

21. अथर्ववेद में स्कम्भ के रूप में कौन वर्णित है?
BHU MET–2011
(A) आत्मा (B) ब्रह्म
(C) जीव (D) माया
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–111

22. पैप्पलादशाखा जिस लिपि में प्राप्त हुई थी, उसका नाम है? BHU MET–2014
(A) देवनागरी (B) खरोष्ठी
(C) मलयालम (D) शारदा
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99

23. 'स्कम्भ' का वर्णन कहाँ प्राप्त होता है–
BHU MET–2009, 2013, UGC 73 J–2015
(A) रामायण में (B) महाभारत में
(C) अथर्ववेद में (D) सामवेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–111

17. (C) 18. (C) 19. (D) 20. (D) 21. (B)

24. अथर्ववेद का गृह्यसूत्र कौन है? BHU MET–2012

(A) खादिर गृह्यसूत्र　　(B) वैखानस गृह्यसूत्र

(C) कौशिक गृह्यसूत्र　　(D) पारस्कर गृह्यसूत्र

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओम्प्रकाश पाण्डेय, पेज–154*

25. अथर्ववेद से सम्बद्ध कौन सी शिक्षा है? UGC 73 D–2015

(A) लोमशी शिक्षा　　(B) माण्डूकी शिक्षा

(C) गौतमी शिक्षा　　(D) केशवी शिक्षा

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–306*

26. प्रचुर आयुर्वेदिक सामग्री किस वेद में है– UP GDC–2008

(A) सामवेद में　　(B) यजुर्वेद में

(C) ऋग्वेद में　　(D) अथर्ववेद में

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–105*

27. अभिचारक्रियाणां वर्णनं मुख्यतया कस्मिन् वेदे प्राप्यते? BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदे　　(B) यजुर्वेदे

(C) सामवेदे　　(D) अथर्ववेदे

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–106*

28. अथर्ववेद में पाया जाता है– UGC 73 D–1999

(A) कर्मकाण्ड　　(B) ज्ञानकाण्ड

(C) विज्ञानकाण्ड　　(D) अर्घ्यकाण्ड

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–110*

29. औषधि वनस्पतियों के विषय में सूचना किस वेद में मिलती है– MP PSC–2003

(A) ऋग्वेद　　(B) यजुर्वेद

(C) सामवेद　　(D) अथर्ववेद

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–106*

24. (C)　25. (B)　26. (D)　27. (D)　28. (C)
34. (A)

12 | 30. 'कौशिकगृह्यसूत्र' से सम्बन्धित वेद है–

BHU MET–2015

(A) अथर्ववेद (B) ऋग्वेद

(C) सामवेद (D) शुक्लयजुर्वेद

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओम्प्रकाश पाण्डेय, पेज–154*

31. लौकिकविषयस्य सर्वाधिकं वर्णनं कस्मिन् वेदे विद्यते?

UP GIC–2015

(A) यजुर्वेदे (B) अथर्ववेदे

(C) ऋग्वेदे (D) सामवेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–96*

32. (i) शौनक व पिप्पलादशाखा का सम्बन्ध किस वेद से है?

(ii) 'शौनकशाखा' केन वेदेन सम्पृक्ता–

UGC 25 D–2006, H-TET–2015

(A) सामवेदेन (B) ऋग्वेदेन

(C) अथर्ववेदेन (D) यजुर्वेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99*

33. (i) महाभाष्यकार के अनुसार अथर्ववेद की शाखाओं की संख्या है?

(ii) चरणव्यूहानुसारम् अथर्ववेदस्य कति शाखाः–

(iii) अथर्ववेद संहिता की कितनी शाखायें प्राप्त हैं–

(iv) पातञ्जलमहाभाष्यानुसारम् अथर्ववेदस्य शाखाः सन्ति?

UGC 25 D–2008, UGC 73 J–2015

(A) षट् (B) सप्त

(C) नव (D) दश

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98*

34. (i) अथर्ववेद कितने काण्डों में विभाजित है–

(ii) अथर्ववेदे कति काण्डानि सन्ति?

UGC 25 D–2008, 2010, UP GDC–2008

(A) विंशतिः (B) दश

(C) षट् (D) अष्टादश

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–100*

29. (D) 30. (A) 31. (B) 32. (C) 33. (C)

35. राष्ट्राभिवर्धनसूक्तं कस्यां शाखायां विद्यते?

UGC 25 J–2012

(A) शाकलशाखायाम् (B) काण्वशाखायाम्
(C) जैमिनीयशाखायाम् (D) शौनकशाखायाम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–104*

36. अथर्वसंहिता कति खण्डेषु विभक्ताऽस्ति?

BHU AET–2010

(A) 10 (B) 20
(C) 30 (D) 40

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–100*

37. अथर्वसंहितायाः खण्डानां किं नामास्ति?

BHU AET–2010

(A) पाठकः (B) अनुवाकः
(C) काण्डः (D) उल्लासः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–103-104*

38. अथर्ववेदे कति प्रपाठकाः सन्ति? BHU AET–2010

(A) 20 (B) 34
(C) 40 (D) 80

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–123

39. अथर्ववेदे कति अनुवाकाः सन्ति– BHU AET–2010

(A) 10 (B) 11
(C) 111 (D) 444

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथमखण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–343*

40. अथर्ववेदे कति सूक्तानि सन्ति? BHU AET–2010

(A) 200 (B) 400
(C) 700 (D) 731

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–104*

॥ नमः संस

35. (D) 36. (B) 37. (C) 38. (B) 39. (C)
45. (A)

41. **अथर्ववेदे कति मन्त्राः सन्ति? BHU AET–2010, 2011**

(A) 5987 (B) 10580
(C) 1875 (D) 18000

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–103-04*

42. **अथर्ववेदस्य विभाजनं प्राप्यते– JNU MET–2014**

(A) सूक्तेषु (B) काण्डेषु
(C) सर्गेषु (D) अध्यायेषु

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–103-04*

43. **विलुप्ता 'मौद'–शाखा कस्य वेदस्य वर्तते? UGC 25 D–2015**

(A) सामवेदस्य
(B) अथर्ववेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य
(D) शुक्लयजुर्वेदस्य

स्रोत– *वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98*

44. **'सुमन्तु' – ऋषये व्यासः कं वेदं प्रोक्तवान्? UGC 25 D–2015**

(A) यजुर्वेदम् (B) ऋग्वेदम्
(C) अथर्ववेदम् (D) सामवेदम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–341*

45. **'आग्नीध्र' – नाम्ना ऋत्विक् कस्य गणस्य वर्तते– UGC 25 D–2015**

(A) ब्रह्मगणस्य (B) अध्वर्युगणस्य
(C) होतृगणस्य (D) उद्गातृगणस्य

स्रोत–*श्रौतयज्ञपरिचय - वेणीरामशर्मा गौड़, पेज–28*

ंस्कृताय ॥

40. (D) 41. (A) 42. (B) 43. (B) 44. (C)

6. ब्राह्म

1. **'नैरुक्त्यं यस्य मन्त्रस्य विनियोगः प्रयोजनम्। प्रतिष्ठानं विधिश्चैव.......... तदिहोच्यते' इति पूरयत॥** **UGC 25 D–2014**

(A) आरण्यकम् (B) पुराणम्
(C) ब्राह्मणम् (D) सूक्तम्

***स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–113**

2. **(i) ग्रन्थवाचकः ब्राह्मणलक्षणं कतिधा प्रतिपाद्यते?**
(ii) कति लक्षणात्मकः ब्राह्मणग्रन्थो भवति?
UGC 25 D–2009, J–2012, S–2013

(A) नव (B) दश
(C) द्वादश (D) पञ्चदश

***स्रोत*–(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–117**
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115-116

3. **विधिवाक्यम् वर्तते–** **BHU AET–2012**

(A) मन्त्रः (B) नामधेयम्
(C) निषेधः (D) ब्राह्मणः

संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–73

4. **ब्राह्मणं नाम–** **BHU AET–2010**

(A) शास्त्रम् (B) यज्ञविधिप्रकाशनम्
(C) सामगानम् (D) प्रायश्चित्तविधानम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–73

5. **ब्राह्मणग्रन्थों का विषय नहीं है–** **UGC 73 J–2013**

(A) छन्दविवेचनम् (B) विधिः
(C) पुराकल्पः (D) प्रशंसा

***स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–117**

6. **वह कौन सा वेद है, जिसके दो ब्राह्मण लगभग समान नाम वाले हैं?** **BHU MET–2014**

(A) ऋग्वेद (B) कृष्णयजुर्वेद
(C) शुक्लयजुर्वेद (D) सामवेद

***स्रोत*–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–68**

1. (C) 2. (B) 3. (D) 4. (B) 5. (A)

ह्मणग्रन्थ

7. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये–

(अ) ऋग्वेद	1. गोपथ
(ब) सामवेद	2. शतपथ
(स) अथर्ववेद	3. ऐतरेय
(द) यजुर्वेद	4. पञ्चविंश

R–PSC–2013

	अ	ब	स	द
(A)	4	2	3	1
(B)	2	4	3	1
(C)	3	4	1	2
(D)	1	2	4	3

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74, 75

8. ऋग्वेद के कितने ब्राह्मणग्रन्थ हैं? BHU MET–2010

(A) 3 (B) 2
(C) 5 (D) 4

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74

9. (i) सायणानुसारेण सामवेदे विद्यमानब्राह्मणानां संख्या–
(ii) सामवेद-सम्बद्धानि कति ब्राह्मणानि सन्ति?
(ii) सायणभाष्यमतेन सामवेदीयानां ब्राह्मणानां संख्या?
BHU AET–2010, UGC 25 D–2008, 2010

(A) नव (B) अष्टौ
(C) पञ्च (D) एकादश

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

नोट– कुछ विद्वानों के अनुसार सामवेद के नव ब्राह्मणग्रन्थ माने गये हैं। किन्तु सायण के अनुसार 'अष्टौ हि ब्राह्मणग्रन्थाः' (सायण-भाष्य)

10. 'चरैवेति-चरैवेति' उपदेशः कुत्र लभ्यते? HE–2015

(A) शुनःशेपाख्याने (B) यम-यमी-संवादे
(C) सरमा-पणि-संवादे (D) वाङ्मनस्-संवादे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75

6. (C) 7. (C) 8. (B) 9. (B) 10. (A)

11. विधिभागरूपेण स्वीक्रियते– UGC 25 D–2012

(A) ब्राह्मणग्रन्थः (B) उपनिषद्ग्रन्थः
(C) धर्मशास्त्रम् (D) आरण्यकम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–73

12. 'हेतुर्निर्वचनं निन्दा प्रशंसा संशयो विधिः' जिसको परिभाषित करता है, वह ग्रन्थ है– BHU MET–2015

(A) कठोपनिषद् (B) ब्राह्मण
(C) आरण्यक (D) गीता

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–117*

13. ब्राह्मणग्रन्थानां प्रतिपाद्यविषयस्य कति प्रकाराः?
UGC 25 J–2015

(A) द्वादश (B) षोडश
(C) चत्वारः (D) दश

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–62

14. ब्राह्मणग्रन्थाः कस्य विस्तृतवर्णनं कुर्वन्ति?
RPSC ग्रेड-I TGT–2010

(A) वनस्पतेः (B) ब्राह्मणवर्गस्य
(C) महापुरुषाणाम् (D) यज्ञानुष्ठानस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–73

15. (i) ऐतरेयब्राह्मणे कति अध्यायाः सन्ति?
(ii) ऐतरेय ब्राह्मण में अध्यायों की संख्या कितनी है?
BHU AET–2012, BHU MET–2008, 2009, 2013

(A) दश (B) विंशतिः
(C) त्रिंशत् (D) चत्वारिंशत्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75

16. (i) ऐतरेयब्राह्मणं केन वेदेन सम्पृक्तम्?
(ii) ऐतरेयब्राह्मण किस वेद से सम्बद्ध है?
(iii) ऐतरेयब्राह्मणस्य कस्मिन् वेदे अन्तर्भावः स्यात्?
UGC 25 J–2008, BHU AET–2011, 2012
BHU MET–2008, 2010, 2014

(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74

11. (A) 12. (B) 13. (D) 14. (D) 15. (D)
21. (A)

17. ऋग्वेदस्य ब्राह्मणम्–

BHU AET–2010, UGC 25 J–2010

(A) ऐतरेयब्राह्मणम् (B) तैत्तिरीयब्राह्मणम्
(C) आर्षेयब्राह्मणम् (D) गोपथब्राह्मणम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74

18. 'नामनेदिष्ठोपाख्यानम्' कस्मिन् ब्राह्मणे समुपलभ्यते?

UGC 25 J–2008

(A) ऐतरेयब्राह्मणे (B) शतपथब्राह्मणे
(C) गोपथब्राह्मणे (D) तैत्तिरीयब्राह्मणे

19. (i) 'चरैश्चरैवेति' इति कस्मिन् ब्राह्मणे अस्ति?
(ii) 'चरैवेति चरैवेति' इति वाक्यांशोऽस्मिन् ग्रन्थे अस्ति?

UGC 25 J–2011, BHU AET–2011

(A) शतपथब्राह्मणे (B) ऐतरेयब्राह्मणे
(C) तैत्तिरीयब्राह्मणे (D) गोपथब्राह्मणे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75

20. 'हरिश्चन्द्रोपाख्यानं' कस्मिन् ब्राह्मणे उपलभ्यते?

UGC 25 D–2005

(A) ऐतरेयब्राह्मणे (B) गोपथब्राह्मणे
(C) शतपथब्राह्मणे (D) पञ्चविंशब्राह्मणे

स्रोत*–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–68

21. (i) शुनःशेपाख्यानं वर्ततेऽस्मिन् ब्राह्मणे?
(ii) 'शुनःशेप आख्यान' किस ब्राह्मण में है?
(iii) 'शुनःशेपाख्यान' सर्वप्रथम कहाँ प्राप्त होता है?
(iv) शुनःशेपकथा कस्मिन् ब्राह्मणे प्राप्यते?

UGC 25 J–1995, 2000, 2001, D–2006
BHU AET–2010, 2011, BHU MET–2009,
2011, 2013, UP GDC–2012

(A) ऐतरेय (B) तैत्तिरीय
(C) गोपथ (D) शतपथ

स्रोत*–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–126

16. (A) 17. (A) 18. (A) 19. (B) 20. (A)

22. 'अग्निर्वैदेवानामवमः' का उल्लेख जिसमें है, वह है? BHU MET–2014

(A) शतपथ ब्राह्मण　　(B) ऐतरेय ब्राह्मण

(C) गोपथ ब्राह्मण　　(D) छान्दोग्य ब्राह्मण

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–509*

23. 'शांखायनब्राह्मणं' कस्य वेदस्य? BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदस्य　　(B) यजुर्वेदस्य

(C) सामवेदस्य　　(D) अथर्ववेदस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74

24. शांखायनब्राह्मणे कियन्तोऽध्यायाः विद्यन्ते? BHU AET–2011

(A) 15　　(B) 25

(C) 30　　(D) 42

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75

25. शांखायनब्राह्मणस्य अपरं नाम किम् अस्ति? BHU AET–2012

(A) आख्यानम्　　(B) ताण्ड्यम्

(C) कौषीतकि　　(D) कौथुमम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75

26. एतेषु यजुर्वेदस्य ब्राह्मणग्रन्थो नास्ति? JNU MET–2014

(A) कौषीतकिः　　(B) तैत्तिरीयः

(C) काठकः　　(D) मैत्रायणी

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74

27. (i) शतपथब्राह्मणः कस्य वेदस्य अस्ति?

(ii) शतपथब्राह्मण किस वेद से सम्बन्धित है?

(iii) 'शतपथब्राह्मणं' केन वेदेन सम्बद्धम्?

UP GIC–2015, BHU MET–2010, 2011

UP GDC–2008 UGC 25 J–1995, 2002, 2005, D–1999

(A) सामवेदेन　　(B) शुक्लयजुर्वेदेन

(C) ऋग्वेदेन　　(D) अथर्ववेदेन

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

22. (B)　23. (A)　24. (C)　25. (C)　26. (A)

28. (i) माध्यन्दिनशाखायाः शतपथब्राह्मणे कति काण्डानि सन्ति?

(ii) शतपथ-ब्राह्मण में काण्डों की संख्या है?

(iii) माध्यन्दिनशतपथब्राह्मण में काण्ड हैं?

BHU AET–2010, 2012, UGC 73 S–2013
BHU MET–2014

(A) दश (10) (B) नव (9)

(C) पञ्चदश (15) (D) चतुर्दश (14)

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129-130*

29. (i) शुक्लयजुर्वेद के शतपथब्राह्मण में कितने अध्याय हैं?

(ii) माध्यन्दिन शतपथब्राह्मण में कितने अध्याय हैं?

BHU MET–2011, UGC 73D–2008, J–2009

(A) 64 (B) 10

(C) 13 (D) 100

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

30. (i) काण्वशाखायाः ब्राह्मणग्रन्थस्य नाम किम्?

(ii) काण्वसंहितायाः ब्राह्मणस्य किं नाम अस्ति?

(iii) शुक्लयजुर्वेद की काण्वशाखा का ब्राह्मण है?

(iv) शुक्लयजुर्वेद की काण्वशाखा का ब्राह्मण कौन सा है?

(v) शुक्लयजुर्वेदस्य ब्राह्मणमस्ति........

UGC 73 D–2005, J–2008, 2012
UGC 25 D–1996, 2004, BHU AET–2010
UK SLET–2015, UGC 73 J–2014

(A) गोपथब्राह्मणम् (B) तैत्तिरीयब्राह्मणम्

(C) शांखायनब्राह्मणम् (D) शतपथब्राह्मणम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

31. शतपथ ब्राह्मण कितने हैं? UGC 73 J–2005

(A) 1 (B) 4

(C) 2 (D) 5

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

27. (B) 28. (D) 29. (D) 30. (D) 31. (C)

32. (i) बृहदारण्यकोपनिषद् कस्मिन् ब्राह्मणे प्राप्यते?
(ii) 'बृहदारण्यकोपनिषद्' किस ब्राह्मण में है?
UGC 73 D–1999, D–2004 J–2005
BHU AET–2010

(A) तैत्तिरीये (B) शतपथे
(C) ऐतरेये (D) गोपथे

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–130*

33. जिस ग्रन्थ में 'पुरुषमेध' का उल्लेख हुआ है, वह है?
UP PCS–2008

(A) कृष्णयजुर्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) शतपथब्राह्मण (D) पञ्चविंशब्राह्मण

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–130*

34. 'शतपथब्राह्मण' के किस काण्ड में दर्शयाग वर्णित है?
BHU MET–2011

(A) प्रथमकाण्ड में (B) एकादशकाण्ड में
(C) द्वितीयकाण्ड में (D) त्रयोदशकाण्ड में

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

35. 'शतं पन्थानो यत्र.......' इत्युक्त्या यस्य ग्रन्थस्य परिचयो भवति सोऽस्ति? UP GDC–2014

(A) 'ऐतरेय' ब्राह्मण (B) 'गोपथ' ब्राह्मण
(C) 'तैत्तिरीय' ब्राह्मण (D) 'शतपथ' ब्राह्मण

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–399*

36. शतपथब्राह्मण में उल्लिखित राजा विदेह माधव से सम्बन्धित ऋषि थे? UP Lower PCS–2015

(A) ऋषिभारद्वाज (B) ऋषि वशिष्ठ
(C) ऋषि विश्वामित्र (D) ऋषि गौतम राहुगण

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–131*

37. शतपथब्राह्मणं कया संहितया संयुक्तमस्ति?
BHU AET–2010

(A) माध्यन्दिनसंहितया (B) सामसंहितया
(C) अथर्वसंहितया (D) गोपथसंहितया

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

32. (B) 33. (C) 34. (A) 35. (D) 36. (D)
42. (A) 43. (B)

05
10

30
?
08

30
?
11

29
यो
14

देव
से
15

31
10

29

38. शतपथ ब्राह्मण के त्रयोदश काण्ड में किस यज्ञ का विधान किया गया? UGC 73 D–2015

(A) दर्शस्य (B) पौर्णमासस्य
(C) अश्वमेधस्य (D) अग्निहोत्रस्य

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–400*

39. 'मनुमत्स्यकथा' किस ब्राह्मणग्रन्थ में उपलब्ध होती है? UGC 73 J–2015

(A) पञ्चविंशब्राह्मणे (B) शांखायनब्राह्मणे
(C) संहितोपनिषद्ब्राह्मणे (D) शतपथब्राह्मणे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

40. माध्यन्दिनशतपथे कति प्रपाठकाः सन्ति– BHU AET–2010

(A) दश (B) द्वादश
(C) अष्टषष्टिः (D) सप्तसप्ततिः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129*

41. 'यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म' इति वाक्यं कुत्र प्राप्यते– BHU AET–2012

(A) महाभारते (B) ऋग्वेदे
(C) महाभाष्ये (D) शतपथब्राह्मणे

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–403*

42. ''स्वाध्यायोऽध्येतव्यः'' इति वाक्यं कुत्र प्राप्यते? BHU AET–2010

(A) शतपथब्राह्मणे (B) रघुवंशे
(C) श्लोकवार्तिके (D) ईशावास्योपनिषदि

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–135*

43. 'शतपथब्राह्मणस्य' आंग्लानुवादः कृतो वर्तते– UGC 25 D–2015

(A) जी. थीबोमहोदयेन (B) जे. एग्लिंगमहोदयेन
(C) एम. विलियम्समहोदयेन (D) डब्लू. कैलेण्डमहोदयेन

***स्रोत**–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, पेज–655*

37. (A) 38. (C) 39. (D) 40. (C) 41. (D)

44. (i) ताण्ड्यब्राह्मणं वेदस्यास्य सम्बद्धं भवति?
(ii) ताण्ड्य ब्राह्मण किस वेद से सम्बन्धित है?
UGC 25 J–1999, 2001, D–2001, 2004
BHU AET–2010, 2011

(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

45. 'प्रौढब्राह्मण' सम्बन्धित है? BHU MET–2014

(A) सामवेद (B) अथर्ववेद
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

46. सामवेदीयं ब्राह्मणम्– BHU AET–2010

(A) ऐतरेयम् (B) ताण्ड्यम्
(C) शतपथम् (D) तैत्तिरीयम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

47. पञ्चविंशः ब्राह्मणम्– BHU AET–2010

(A) ऐतरेयम् (B) षड्विंशः
(C) ताण्ड्यम् (D) वंशः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

48. ताण्ड्यब्राह्मणस्य मुख्यविषयः– BHU AET–2010

(A) देवस्तुतिः (B) राजसूययागविधानम्
(C) अश्वमेधयागविधानम् (D) सामविधानं सोमयागविधानं च

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–136*

49. पञ्चविंशब्राह्मणं कस्य ब्राह्मणस्य अपरं नाम अस्ति?
BHU AET–2012

(A) शतपथस्य (B) ताण्ड्यस्य
(C) ऐतरेयस्य (D) वंशस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135*

50. अद्भुतब्राह्मण से सम्बन्धित वेद है?
BHU MET–2015

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–137*

44. (C) 45. (A) 46. (B) 47. (C) 48. (D)
54. (D) 55. (C) 56. (B)

51. (i) 'षड्विंशब्राह्मणम्' कस्य वेदस्य–
(ii) षड्विंश ब्राह्मण किस वेद से सम्बद्ध है?
BHU MET–2009, 2013, UK SLET–2012
UGC 73 J–2015
(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) यजुर्वेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135

52. आर्षेयब्राह्मणं केन वेदेन सम्बद्धम्?
UGC 25 J–2013
(A) सामवेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) यजुर्वेदेन
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

53. देवताध्यायब्राह्मणम्? **BHU AET–2010**
(A) अथर्ववेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य (D) सामवेदस्य
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

54. संहितोपनिषद्ब्राह्मण से सम्बद्ध वेद है–
BHU MET–2015
(A) शुक्लयजुर्वेद (B) ऋग्वेद
(C) अथर्ववेद (D) सामवेद
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

55. 'जैमिनीयब्राह्मणं' केन वेदेन सम्पृक्तम्?
UGC 25 D–2005
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

56. पञ्चविंशब्राह्मणम्? **CVVET–2015**
(A) ऋग्वेदीयम् (B) सामवेदीयम्
(C) यजुर्वेदीयम् (D) अथर्ववेदीयम्
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–135

49. (B) 50. (C) 51. (B) 52. (A) 53. (D)

57. (i) अथर्ववेदीयं ब्राह्मणं किम्? BHU MET–2012
(ii) अथर्ववेदस्य ब्राह्मणं विद्यते? BHU AET–2011
(iii) ..... अथर्ववेद का ब्राह्मणग्रन्थ है? UGC 73 J–1991, UGC 25 D–2012, 2015

(A) ऐतरेय　　(B) गोपथ
(C) शांखायन　　(D) ताण्ड्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

58. (i) 'गोपथब्राह्मणम्' इति ग्रन्थः कया वेदसंहितया सम्बद्धः
(ii) गोपथब्राह्मणं सम्बद्धमस्ति?
(iii) गोपथब्राह्मण सम्बद्ध है?
(iv) गोपथब्राह्मण केन वेदेन सम्बद्धः अस्ति?
UGC 73 D–2004, BHU AET–2012 HE–2015, UGC 25 D–1999, 2002, 2006, 2008, J–2001, 2007, RO–2015, BHU MET–2010 UP GIC–2015, JNU MET–2015

(A) ऋग्वेद से　　(B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से　　(D) अथर्ववेद से

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

57. (B)　58. (D)　59. (A)　60. (B)

59. गोपथ ब्राह्मण के अनुसार 'सर्पवेद' जिसका उपवेद है, वह है? **BHU MET–2014**

(A) अथर्ववेद

(B) सामवेद

(C) ऋग्वेद

(D) यजुर्वेद

स्रोत–*संस्कृत साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

60. निम्नलिखित में से कौन सा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है? **UGC 06 D–2014**

वेद	**ब्राह्मण**
(A) ऋग्वेद	ऐतरेयब्राह्मण
(B) सामवेद	तैत्तिरीयब्राह्मण
(C) यजुर्वेद	शतपथब्राह्मण
(D) अथर्ववेद	गोपथब्राह्मण

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75-76

7. आर

1. **सायणमतानुसारम् अरण्ये पठनीयाः सन्ति–** **UGC 25 D–2011**
   (A) वेदाः (B) आरण्यकाः
   (C) उपनिषदः (D) ब्राह्मणग्रन्थाः

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77*

2. **को नाम आरण्यकस्य मुख्यविषयः– UGC 25 J–2008**
   (A) ज्ञानम् (B) उपासनादिकम्
   (C) गानम् (D) स्तुतिः

***स्रोत**–वैदिकसाहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–143*

3. **(i) आरण्यकानि सम्बद्धानि सन्ति**
   (ii) आरण्यकं केन आश्रमेण सम्बद्धम्– **UGC 25 J–2012, D–2014**
   (A) गृहस्थाश्रमेण (B) वानप्रस्थाश्रमेण
   (C) ब्रह्मचर्याश्रमेण (D) लोकाश्रमेण

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

4. **सामवेदीय आरण्यकों की संख्या है– UGC 25 J–2004**
   (A) पाँच (B) चार
   (C) दो (D) तीन

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

5. **माध्यन्दिनशतपथस्य कः काण्डः आरण्यकनाम्ना प्रसिद्धोऽस्ति?** **BHU AET–2010**
   (A) द्वादशः (B) त्रिंशः
   (C) विंशः (D) चतुर्दशः

***स्रोत**–(i) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–400*
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृत - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–132

6. **'आरण्यकञ्च वेदेभ्यः औषधिभ्योऽमृतं यथा' इति उक्तम्–** **UGC 25 J–2015**
   (A) सायणेन (B) कृष्णद्वैपायनेन
   (C) यास्केन (D) मनुना

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–234*

1. (B) 2. (A) 3. (B) 4. (C) 5. (D)
11. (B) 12. (B)

ारण्यक

7. के ग्रन्थाः वनेषु रचिताः AWES TGT–2012

(A) वाल्मीकिरामायणम् (B) उपनिषदः

(C) अष्टादशपुराणानि (D) आरण्यकाः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

8. (i) ऐतरेय आरण्यक है– UGC 25 D–2001

(ii) ऐतरेय आरण्यक सम्बन्धित है– BHU MET–2008

(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से

(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

9. 'बृहदारण्यकं' कया शाखया संयुक्तमस्ति–

BHU AET– 2010

(A) शाकलशाखया (B) वाष्कलशाखया

(C) काण्वशाखया (D) राणायनीयशाखया

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

10. (i) 'बृहदारण्यकम्' किस वेद का है?

(ii) 'बृहदारण्यकम्' कस्य वेदस्य वर्तते?

UGC 73 J–2015, UGC 25 D–2015

(A) यजुर्वेदस्य (B) अथर्ववेदस्य

(C) ऋग्वेदस्य (D) सामवेदस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

11. (i) तैत्तिरीयारण्यकं कं वेदमवलम्ब्यते

(ii) तैत्तिरीय-आरण्यक किस वेद से सम्बद्ध है–

BHU MET–2008, UGC 25 J–2005

(A) ऋग्वेद से (B) कृष्णयजुर्वेद से

(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78*

12. पञ्चमहायज्ञ इसमें होता है– UGC 25 D–1997

(A) बृहदारण्यकोपनिषद् (B) तैत्तिरीयारण्यक

(C) ऋग्वेद (D) पैप्पलादशाखा

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78*

6. (B) 7. (D) 8. (A) 9. (C) 10. (A)

13. 'तैत्तिरीयारण्यकस्य' कस्मिन् प्रपाठके तैत्तिरीयोपनिषद् विद्यते– **BHU AET–2010**

(A) प्रथमे (B) सप्तमे
(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–144*

14. (i) तैत्तिरीयारण्यके कति काण्डानि (प्रपाठकाः) सन्ति?
(ii) तैत्तिरीयारण्यकस्य प्रपाठकसंख्या का विद्यते– **BHU AET–2010, 2012**

(A) सप्त (B) दश
(C) नव (D) पञ्च

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78*

15. (i) कृष्णयजुर्वेदस्य आरण्यकम् अस्ति?
(ii) यजुर्वेदेन सम्बद्धस्य आरण्यकस्य किं नाम अस्ति– **BHU AET–2010, UGC 25 D–2014**

(A) ऐतरेयारण्यकम् (B) तैत्तिरीयारण्यकम्
(C) तलवकारारण्यकम् (D) छान्दोग्यारण्यकम्

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78*

16. तैत्तिरीयारण्यकं कस्य ब्राह्मणस्य शेषांशरूपेणास्ति? **BHU AET–2012**

(A) ऐतरेयस्य (B) शतपथस्य
(C) तैत्तिरीयस्य (D) ताण्ड्यस्य

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78*

17. 'तैत्तिरीयारण्यकस्य' प्रथम-प्रपाठकः केन मन्त्रेण आरभ्यते? **BHU AET–2010**

(A) समिधाग्निम् (B) ऋचं वाचम्
(C) भद्रं कर्णेभिः (D) द्यौः शान्तिः

स्रोत–*संस्कृत–वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–453*

18. 'तैत्तिरीयारण्यकस्य' द्वितीये प्रपाठकेऽस्ति– **UP GDC–2012**

(A) स्वाध्यायपुरस्सरं पञ्चमहायज्ञानां प्रतिपादनम्।
(B) आरुणकेतुनामकस्य अग्नेः उपासनावर्णनम्।
(C) चातुर्होत्रचितेः उपयोगिनां मन्त्राणां सङ्कलनम्।
(D) अभिचारमन्त्राणां संग्रहः।

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–144*

13. (B) **14. (B)** **15. (B)** **16. (C)** **17. (C)**
23. (C) **24. (A)** **25. (C)**

19. 'तैत्तिरीयारण्यके' पञ्चयज्ञानां वर्णनं कस्मिन् प्रपाठके विद्यते– **BHU AET–2010**
(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–144

20. 'महानारायणीय उपनिषद्' कस्मिन्नारण्यके अस्ति– **BHU AET–2012**
(A) ऐतरेये (B) शतपथे
(C) ताण्ड्ये (D) तैत्तिरीये

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–144-145

21. मैत्रायणी आरण्यक में कितने प्रपाठक हैं? **UGC 25 J–2004**
(A) 5 (B) 7
(C) 10 (D) 8

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

22. सामवेदस्य आरण्यकम् अस्ति– **UGC 25 J–2014, BHU AET–2010**
(A) तलवकारः (B) जैमिनीयम्
(C) नारदीयम् (D) प्रौष्ठपदीयम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

23. 'तलवकार आरण्यक' सम्बन्धित है– **BHU MET–2014**
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

24. तलवकारारण्यकस्य नामान्तरम्– **BHU AET–2010**
(A) जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मणम् (B) गोपथब्राह्मणम्
(C) तैत्तिरीयब्राह्मणम् (D) ऐतरेयब्राह्मणम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78

25. तलवकारारण्यके अध्यायाः– **BHU AET–2010**
(A) 6 (B) 10
(C) 4 (D) 2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–79

18. (A) 19. (B) 20. (D) 21. (B) 22. (A)

26. 'छान्दोग्य आरण्यक' किस वेद से सम्बन्धित है–

UGC 25 J–2003

(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से

(C) अथर्ववेद से (D) यजुर्वेद से

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–79*

26. (B) **27.** (D)

03

79

27. कस्य वेदस्यारण्यकं नोपलभ्यते–

UGC 25 J–2014

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–79*

8. उप

1. 'उपनिषद्' शब्द का अर्थ है– UGC 73 S–2013

(A) महाविद्या (B) आत्मविद्या

(C) संवर्गविद्या (D) अग्निविद्या

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–147*

2. ज्ञानकाण्ड इनका विषय है– UGC 73 J–1994

(A) शुक्लयजुर्वेद (B) प्रातिशाख्य

(C) उपनिषद् (D) ब्राह्मणग्रन्थ

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–170*

3. सुमेलित करें– UGC 73 D–2007

(क) प्राचीन गद्योपनिषद् (1) कठोपनिषद्

(ख) प्राचीन पद्योपनिषद् (2) बृहदारण्यकोपनिषद्

(ग) उत्तरकालिक गद्योपनिषद् (3) मुण्डकोपनिषद्

(घ) आथर्वणोपनिषद् (4) प्रश्नोपनिषद्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	2	1
(D)	2	1	4	3

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–171*

4. उपनिषदों का प्रथम भाषान्तर फारसी भाषा में कब हुआ– UGC 25 D–2003

(A) 15 वीं सदी में (B) 16वीं सदी में

(C) 17वीं सदी में (D) 18वीं सदी में

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–148*

5. जिसके द्वारा ब्रह्म की समीपता निश्चित रूप से प्राप्त हो, उसे कहते है– UGC 25 J–2003

(A) वेद (B) ब्राह्मण

(C) उपनिषद् (D) आरण्यक

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–167*

1. (B) 2. (C) 3. (D) 4. (C) 5. (C)
11. (C)

उपनिषद्

6. भगवान् आद्यशङ्कराचार्यः कियतीनामुपनिषदां भाष्यं कृतवान्– BHU AET–2011

(A) 7 (B) 10
(C) 13 (D) 15

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–169*

7. उपनिषद् शब्दे कः धातुरस्ति– BHU AET–2011, BHU MET–2009, 2013

(A) सद् (B) गम्
(C) पठ् (D) पा

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–167*

8. उपनिषदा प्रतिपाद्यते– UGC 25 D–2009

(A) कर्मकाण्डम् (B) ज्ञानकाण्डम्
(C) यन्त्रज्ञानम् (D) वास्तुज्ञानम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–170*

9. उपनिषद् पुस्तकें हैं– UP PCS–2002

(A) धर्म पर (B) योग पर
(C) विधि पर (D) दर्शन पर

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–169*

10. 'उपनिषदों' की विषयवस्तु है? UP TGT (S.S.)–2001

(A) दर्शन (B) कर्मकाण्ड
(C) भक्ति (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–146*

11. यह एक उपनिषद् का नाम नहीं है– BHU MET–2010

(A) छान्दोग्य (B) बृहदारण्यक
(C) शांखायन (D) प्रश्न

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–149*

6. (B) 7. (A) 8. (B) 9. (D) 10. (A)

12. निम्नाङ्कित में से कौन प्रस्थानत्रयी में सम्मिलित है–

BHU MET–2009, 2013

(A) वेद (B) रामायण

(C) उपनिषद् (D) रघुवंश

स्रोत–*वेदान्तसार - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–10*

13. उपनिषदों में क्या वर्णित है–

BHU MET–2010, BHU AET–2012

(A) मारणविद्या (B) मोहनविद्या

(C) कर्मकाण्डविद्या (D) ब्रह्मविद्या

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–167*

14. वेदानाम् अन्तिमभागं .... इत्युच्यते–

BHU B.ed–2012

(A) धर्मः (B) उपनिषद्

(C) उत्तमः (D) ब्राह्मणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–147*

15. वैदिकसाहित्यस्य कः भागः वेदान्तनाम्ना कथ्यते–

BHU AET–2010

(A) संहिता (B) ब्राह्मणम्

(C) आरण्यकम् (D) उपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–147*

16. उपनिषद् इति पदे कः प्रत्ययो अस्ति–

BHU AET–2012

(A) यत् (B) क्विप्

(C) ण्यत् (D) क्यप्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–167*

17. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) आत्मनस्तु कामाय सर्वप्रियं भवति। (1) कठोपनिषद्

(ब) मैत्रायणी-संहिता (2) तैत्तिरीयोपनिषद्

(स) सत्यं वद धर्मं चर (3) कृष्णयजुर्वेद

(द) नचिकेतोपाख्यानम् (4) बृहदारण्यकोपनिषद्

UK SLET–2015

12. (C) 13. (D) 14. (B) 15. (D) 16. (B)

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	1	4
(B)	4	1	2	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	4	1

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184*
(ii) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–362, 75

18. उपनिषदनुसारं कया मृत्युः तीर्यते– UK SLET–2015
(A) विद्यया (B) अविद्यया
(C) कर्मणा (D) तपसा

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–173*
(ii) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36

19. समीचीनम् उत्तरं चिनुत– UGC 25 D–2014
(a) प्रश्नोपनिषद् **1. शुक्लयजुर्वेदः**
(b) शिक्षावल्ली **2. अथर्ववेदस्य पैप्पलादशाखा**
(c) ईशावास्योपनिषद् **3. कृष्णयजुर्वेदः**
(d) श्वेताश्वतरोपनिषद् **4. तैत्तिरीयोपनिषद्**

	a	b	c	d
(A)	1	2	4	3
(B)	2	4	1	3
(C)	2	4	3	1
(D)	1	4	2	3

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–150, 155, 162*

20. अधस्तनयुग्मानां समीचीनमुत्तरं चिनुत–UGC 25 D–2013
(a) काण्वसंहिता **1. बृहदारण्यकोपनिषद्**
(b) शतपथब्राह्मणम् **2. मैत्रेयी**
(c) वाजश्रवाः **3. ईशोपनिषद्**
(d) याज्ञवल्क्यः **4. नचिकेता**

	a	b	c	d
(A)	1	4	2	3
(B)	3	4	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	2	1	3	4

स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–27, 76*
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–183

17. (C) 18. (B) 19. (B) 20. (C)

21. उपनिषदों का मुख्य प्रतिपाद्य क्या रहा है–

MP PSC–1990

(A) धार्मिक विषय (B) दार्शनिक विषय

(C) सामाजिक परिवेश (D) सामाजिक व राजनीतिक विवेचन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–170*

22. उत्तरवैदिककाल में धार्मिक क्रियाओं में मुख्य था–

MP PSC–1992

(A) यज्ञ (B) मूर्तिपूजा

(C) कर्मकाण्ड (D) तान्त्रिक अनुष्ठान

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–554*

23. महानारायणोपनिषद् कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते?

BHU AET–2010

(A) बृहदारण्यके (B) छान्दोग्ये

(C) तैत्तिरीयारण्यके (D) ऐतरेयारण्यके

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–164*

24. छान्दोग्योपनिषदः तृतीयाध्यायस्य प्रथमप्रपाठके प्रयुक्तस्य मधुविद्याशब्दस्य शाङ्करभाष्यानुसारम् अर्थः–

BHUAET–2010

(A) भक्तिः (B) ज्ञानम्

(C) ब्रह्मविद्या (D) निरुक्तम्

स्रोत–*छान्दोग्योपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–222-253*

25. मुख्योपनिषदः .... सन्ति– AWES TGT–2010

(A) अष्टादश (B) चत्वारः

(C) एकादश (D) षोडश

स्रोत–*तैत्तिरीयोपनिषद् - चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–भूमिका-03*

26. सांख्य-योग शैवदर्शन प्रतिपादक उपनिषद् ग्रन्थ है–

UGC 73 J–2015

(A) कठोपनिषद् (B) केनोपनिषद्

(C) प्रश्नोपनिषद् (D) श्वेताश्वतरोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–185*

21. (B) 22. (C) 23. (C) 24. (C) 25. (C)
31. (C)

27. **भारतीय संस्कृति का आध्यात्मिक साहित्य है–**
UGC 73 J–2015
(A) कथासाहित्यम् (B) शुल्बसूत्रसाहित्यम्
(C) उपनिषत्साहित्यम् (D) निरुक्तम्
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168*

28. **(i) कौषीतक्युपनिषद् कस्य वेदस्य–**
(ii) कौषीतकि-उपनिषद् किस वेद से सम्बन्धित है?
BHU MET–2009, 2011, 2012, 2013
BHU AET–2011
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–150*

29. **(i) ईशावास्योपनिषद् किस वेद से सम्बन्धित है?**
(ii) ईशावास्योपनिषद् इस वेद का भाग है?
(iii) ईशावास्योपनिषद् कस्य वेदस्य सम्बन्धिनी?
(iv) 'ईशावास्योपनिषद्' किस वेद में है–
(v) ईशोपनिषद् अस्य सम्बन्धम् अस्ति–
UGC 73 J–1998,2008, 2015 D–1999
UGC 25 J–2010, 2012, D–2013
BHU MET–2008, 2009, 2010, 2013
BHU AET–2010, DSSSB TGT–2014
AWES TGT–2011
(A) ऋग्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) कृष्णयजुर्वेद (D) सामवेद
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–150*

30. **ईशावास्योपनिषद् है–** **UGC 73 D–2005**
(A) काण्वसंहितायाम् (B) कौथुमसंहितायाम्
(C) शाकलसंहितायाम् (D) पैप्पलादसंहितायाम्
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–153*

31. **'ईशावास्यम्' इस शब्द का व्याख्यान माध्वरीत्या होता है–**
UGC 73 J–2011
(A) ईशावास्यम् (B) ईशस्य आवासयोग्यम्
(C) ईशेन वास्यम् (D) ईशे वास्यम्

26. (D) 27. (C) 28. (A) 29. (B) 30. (A)

32. ईशावास्यदिशा कथममृतमश्नुते– UGC 25 J–2014

(A) एकत्वेन (B) सम्भवात्

(C) सम्भूत्या (D) सत्येन

स्रोत–*(i) ईशावास्योपनिषद् - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–66, 67*

(ii) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–40

33. माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद का अन्तिम अध्याय क्या कहलाता है– BHU MET–2011

(A) ईशोपनिषद् (B) बृहदारण्यकोपनिषद्

(C) कठोपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्

स्रोत–*ईशावास्योपनिषद् - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–18*

34. विद्यया किम् अश्नुते– RPSC ग्रेड-II TGT–2010

(A) क्षीरम् (B) जलम्

(C) विषम् (D) अमृतम्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

35. 'न कर्म लिप्यते नरे' इत्यत्र कस्य कर्मणः वर्णनमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अनासक्तकर्म (B) ज्ञानकर्म

(C) यज्ञकर्म (D) आसक्तकर्म

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–28 मन्त्र-02*

36. माध्यन्दिनशाखायाः कस्मिन्नध्याये 'ईशावास्योपनिषद्' अस्ति– BHU AET–2012

(A) दशमे (B) द्वादशे

(C) पञ्चदशे (D) चत्वारिंशे

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–153*

37. ईशावास्योपनिषदनुसारं कया रीत्या अमृतत्त्वस्य प्राप्तिर्जायते– BHU AET–2010

(A) विद्यया (B) अविद्यया

(C) असत्ये (D) सत्येन

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

38. केन प्रकारेण जिजीविषेत्– UK SLET–2015

(A) हसन् (B) धावन्

(C) कर्म कुर्वन् (D) चिन्तयन्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–28*

32. (C) 33. (A) 34. (D) 35. (A) 36. (D)

42. (A) 43. (B) 44. (A)

39. **ईशावास्यदिशा कथं मृत्युं तरति– UGC 25 S–2013**

(A) ज्ञानेन (B) विनाशेन

(C) सम्भूत्या (D) विद्यया

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–40, 41*

40. **अधोलिखितेषु का 'संहितोपनिषदि' गण्यते– JNU MET–2014**

(A) बृहदारण्यकोपनिषद् (B) केनोपनिषद्

(C) प्रश्नोपनिषद् (D) ईशोपनिषद्

***स्रोत**–संस्कृत–वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–500*

41. **'ईशावास्योपनिषद्' के अनुसार पूर्ण क्या है– BHU AET–2011**

(A) मनुष्य (B) समुद्र

(C) परब्रह्म (D) माया

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–27*

42. **मनुष्य को शास्त्रनियत कर्म का पालन करते हुये कितनी आयु की कल्पना करनी चाहिए– BHU AET–2011**

(A) सौ वर्ष (B) पचहत्तर वर्ष

(C) साठ वर्ष (D) पचास वर्ष

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–28*

43. **(i) अमृत की प्राप्ति में हेतु कौन है?**
(ii) अमृतत्व की प्राप्ति किससे होती है– BHU AET–2010, 2011

(A) अविद्या से (B) विद्या से

(C) क्षमा से (D) वैराग्य से

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

44. **विद्या एवं अविद्या को एक साथ प्राप्त करने वाला प्राप्त करता है– BHU AET–2011**

(A) अमृत को (B) सत्य को

(C) वस्त्र को (D) धन को

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

37. (A) 38. (C) 39. (B) 40. (D) 41. (C)

45. ईशावास्योपनिषद् में प्रयुक्त 'सुपथा' शब्द का अर्थ है– BHU AET–2011

(A) उत्तरायण (B) दक्षिणायन
(C) संक्रान्ति (D) ग्रहण

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–45*

46. 'यः सर्वज्ञः सर्वविद्यस्य ज्ञानमयं तपः'–इत्यस्मिन् मन्त्रांशे 'सर्वज्ञः' 'सर्वविद्' इत्यनयोः पदयोः अर्थः अस्ति (शाङ्करभाष्यानुसारम्)– JNU M. Phil/Ph.D–2015

(A) सर्वं सामान्यरूपेण जानाति सर्वं च विशेषरूपेण जानाति
(B) सर्वं जानाति सर्वं च जानाति
(C) सर्वं सामान्यरूपेण जानाति सर्वं च सामान्यरूपेण जानाति
(D) सर्वं विशेषरूपेण जानाति सर्वं च विशेषरूपेण जानाति

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्यसहित)-गीताप्रेस, पेज–472*

47. 'ईशोपनिषद्' क्या कहलाता है– BHU AET–2011

(A) आरण्यक (B) वेदान्त
(C) ब्राह्मण (D) कल्प

***स्रोत**–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–07*

48. यह समस्त जगत् किससे व्याप्त है–BHU AET–2010

(A) वेद से (B) ईश्वर से
(C) मनुष्य से (D) पशुओं से

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–28*

49. अविद्या का अर्थ है– BHU AET–2010

(A) अज्ञान (B) ज्ञान
(C) कर्मानुष्ठान (D) शयन

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

50. अज्ञानरूप घोर अन्धकार में कौन नहीं प्रवेश करता है– BHU AET–2010

(A) देवता का उपासक (B) पितरों का उपासक
(C) मनुष्यों का उपासक (D) परमेश्वर का उपासक

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–38*

45. (A) 46. (A) 47. (B) 48. (B) 49. (C)
55. (A) 56. (A)

51. सत्यस्वरूप परमात्मा का मुख कैसे पात्र से ढका है–

BHU AET–2010

(A) सुवर्णमय (B) रजतमय

(C) ताम्रमय (D) लौहमय

स्रोत– *ईशादि नौ उपनिषद् (मन्त्र-15)-गीताप्रेस, पेज–41, 42*

52. काण्व-संहिता का भाग है– BHU AET–2010

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) केनोपनिषद्

(C) मुण्डकोपनिषद् (D) ऐतरेयोपनिषद्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–499*

53. 'ईशावास्योपनिषद्' किस विषय से सम्बन्धित है–

BHU AET–2010

(A) कर्मकाण्ड (B) आचार

(C) अज्ञान (D) ज्ञानकाण्ड और कर्मनिष्ठा

स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–27*

(ii) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–500

54. 'अविद्या' का अर्थ ईशावास्योपनिषद्' में क्या है–

BHU AET–2010

(A) ज्ञान (B) आत्मा

(C) कर्म (D) वैराग्य

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

55. 'सम्भूति' शब्द का अर्थ होता है– BHU AET–2010

(A) अविनाशी परमेश्वर (B) विनाशी पुरुष

(C) विनाशी पक्षी (D) वायु

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–40*

56. शुक्लयजुर्वेद से सम्बन्धित उपनिषद् है–

UGC 73 D–1997

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्

(C) मुण्डकोपनिषद् (D) केनोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66, 67*

50. (D) 51. (A) 52. (A) 53. (D) 54. (C)

57. शुक्लयजुर्वेद सम्बद्ध उपनिषद् हैं– UGC 73 S–2013

(A) उनविंशतिः (19) (B) दश (10)

(C) द्वात्रिंशत् (32) (D) एकत्रिंशत् (31)

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168*

58. ईशावास्योपनिषदि किं वर्णनमस्ति– BHU AET–2011

(A) गानम् (B) नाट्यम्

(C) काव्यम् (D) ब्रह्मचिन्तनम्

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ब्रजबिहारी चौबे, पेज–500-501*

59. 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' से सम्बन्धित ग्रन्थ है–

BHU MET–2015

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) छान्दोग्योपनिषद्

(C) कठोपनिषद् (D) केनोपनिषद्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–36*

60. (i) ईशावास्योपनिषदि माध्यन्दिनशाखायां कियन्तः मन्त्राः सन्ति?

(ii) 'ईशावास्योपनिषदि' कति मन्त्राः सन्ति?

BHU AET–2010, 2011, RPSC ग्रेड-I PGT–2011

(A) 10 (B) 18

(C) 28 (D) 40

स्रोत–*ईशावास्योपनिषद् - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–18*

61. ईशावास्योपनिषदि कियन्तः अध्यायाः सन्ति–

BHU AET–2011

(A) 2 (B) 4

(C) 6 (D) एतेषु नास्ति

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–27*

62. ईशावास्योपनिषद् शुक्लयजुर्वेदस्य कतमोऽध्यायो वर्तते–

RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) 20 (B) 40

(C) 30 (D) 35

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–153*

57. (A) 58. (D) 59. (A) 60. (B) 61. (D)
67. (D) 68. (C) 69. (D)

63. **'बृहदारण्यक' उपनिषद् सम्बद्ध है–**
UGC 25 J–1994, BHU AET–2012, JNU MET–2014
(A) ऋग्वेद से (B) शुक्लयजुर्वेद से
(C) अथर्ववेद से (D) सामवेद से
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–183*

64. **बृहदारण्यकोपनिषदस्ति– UGC 73 D–2004**
(A) ऐतरेयब्राह्मणे (B) तैत्तिरीयब्राह्मणे
(C) शतपथब्राह्मणे (D) ताण्ड्यब्राह्मणे
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–183*

65. **बृहदारण्यकोपनिषद् है– UGC 73 D–2012**
(A) अथर्ववेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य
(C) कृष्णयजुर्वेदस्य (D) ऋग्वेदस्य
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–183*

66. **'श्रीमन्थ-विद्या' का उपदेश है– UGC 73 D–2013**
(A) कठोपनिषद् (B) बृहदारण्यकोपनिषद्
(C) छान्दोग्योपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्
स्रोत–*उपनिषद् अंक - गीताप्रेस, पेज–525*

67. **'मैत्रेयी-याज्ञवल्क्य-संवादः' कस्यामुपनिषदि उपलभ्यते?**
UGC 25 D–2005, 2010, J–2006
(A) कठोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) ईशोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–*(i) बृहदारण्यकोपनिषद् (चतुर्थ ब्राह्मण)-गीताप्रेस, पेज–536*
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

68. **'आत्मनस्तु कामाय सर्वं प्रियं भवति' इति उक्तं कुत्र?**
UGC 25 D–2009
(A) कठोपनिषद् (B) मुण्डकोपनिषद्
(C) बृहदारण्यकोपनिषद् (D) छन्दोग्योपनिषद्
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184*

69. **शुनःशेपस्य पितुर्नामास्ति– JNU MET–2014**
(A) हरिश्चन्द्रः (B) नारायणः
(C) प्रजापतिः (D) अजीगर्तः
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–126*

62. (B) 63. (B) 64. (C) 65. (B) 66. (B)

70. याज्ञवल्क्य के जीवन पर किस उपनिषद् में प्रकाश डाला गया है– **MP PSC–2003**

(A) ईश (B) केन

(C) कठ (D) बृहदारण्यक

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् (चतुर्थ ब्राह्मण) - गीताप्रेस, पेज–536*

71. नचिकेतस अग्नेः उपदेष्टाऽभवत्– **UP GDC–2014**

(A) यमः (B) ब्रह्मा

(C) विश्वेदेवाः (D) बृहस्पतिः

***स्रोत**–कठोपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–26*

72. कठोपनिषदनुसारं महतः परं किमस्ति– **UGC 25 J–2014**

(A) मनः (B) अव्यक्तम्

(C) पुरुषः (D) आत्मा

***स्रोत**–कठोपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–82*

73. नवकृत्वोपदेश करता है– **UGC 73 J–2013**

(A) उद्दालकेन (B) श्वेतकेतुना

(C) इन्द्रेण (D) नारदेन

74. (i) 'रथ-रूपकं' कुत्र विद्यते– **UGC 25 D–2007**

(ii) रथरूपकमुपलभ्यते– **GGIC–2015**

(A) छान्दोग्ये (B) बृहदारण्यके

(C) श्वेताश्वतरे (D) कठे

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–123*

75. एतेषु 'सारथिः' कः उच्यते? **UGC 25 J–2012**

(A) आत्मा (B) शरीरम्

(C) मनः (D) बुद्धिः

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–123, 124*

76. कृष्णयजुर्वेदः सम्बद्धः अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, UGC 25 D–2012**

(A) छान्दोग्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्

(C) ऐतरेयोपनिषद् (D) ईशावास्योपनिषद्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175*

70. (D) 71. (A) 72. (B) 73. (A) 74. (D)
80. (A) 81. (C)

77. (i) कठोपनिषद् सम्बद्ध है–
(ii) कठोपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धा–
(iii) 'कठोपनिषद्' किस वेद से सम्बन्धित है?
UGC 25 D–2012, 2014, J–2013
BHU AET–2010, BHU MET–2008, 2010
UP GDC–2008, MP PGT–2012

(A) ऋग्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) शुक्लयजुर्वेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175*

78. कस्मिन् वरे यमस्त्रिणाचिकेतसम् अग्निम् अदात्–
UGC 25 D–2012

(A) प्रथमवरे (B) द्वितीयवरे
(C) तृतीयवरे (D) चतुर्थवरे

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–88, 89*

79. कठोपनिषदि नचिकेता द्वितीयवररूपेण किं लब्धवान्?
RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) पितुः प्रसन्नताम् (B) अग्निविद्याम्
(C) जीवनकौशलम् (D) आत्मविद्याम्

स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्य)-गीताप्रेस, पेज–209*
(ii) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–88, 89

80. (i) यम-नचिकेता संवाद से सम्बद्ध उपनिषद् है–
(ii) नचिकेता और यम के बीच सुप्रसिद्ध संवाद किस उपनिषद् में उल्लिखित है?
(iii) यमनचिकेतसोः संवादः कस्यामुपनिषदि वर्तते–
UK SLET–2015, IAS–1997
UGC 25 J–1995, 1998 D–1999, 2002

(A) कठोपनिषद् (B) केनोपनिषद्
(C) ऐतरेयोपनिषद् (D) छान्दोग्योपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175*

81. आध्यात्मिक ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम के संवाद किस उपनिषद् में प्राप्त होता है– UP PCS–1999

(A) बृहदारण्यक उपनिषद् में (B) छान्दोग्य उपनिषद् में
(C) कठोपनिषद् में (D) केनोपनिषद् में

स्रोत–*उपनिषद् अंक - गीताप्रेस, पेज–191*

75. (D)	76. (B)	77. (B)	78. (B)	79. (B)

82. (i) नचिकेतसः जनकः कस्य यज्ञस्य आयोजनं कृतवान्? BHU MET–2009, 2013

(ii) कठोपनिषद् में नचिकेता के पिता ने कौन सा यज्ञ किया था– BHU AET–2011

(iii) कठोपनिषदि नचिकेतसः पिता कं यागमनुष्ठितवान्? UGC 25 D–2015

(A) अश्वमेध (B) सर्वमेध
(C) सर्वजित् (विश्वजित्) (D) पितृमेध

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

83. (i) कठोपनिषदि कति अध्यायाः भवन्ति–

(ii) कठोपनिषद् में कितने अध्याय हैं?

BHU MET–2011, 2012, BHU AET–2011

(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 6

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

84. कठोपनिषद् के अनुसार आत्मा किस प्रकार से प्राप्तव्य है– BHU MET–2012

(A) श्रवण द्वारा (B) प्रवचन द्वारा
(C) मेधा द्वारा (D) परमेश्वर के अनुग्रह द्वारा

स्रोत–कठोपनिषद् (ज्ञानकाण्ड)-श्रीरामशर्मा आचार्य, पेज–35-36

85. कठोपनिषद् के अनुसार बुद्धिमान् व्यक्ति किसका वरण करता है– UP GDC–2008

(A) श्रेय का (B) प्रेय का
(C) श्रेय और प्रेय दोनों का (D) न श्रेय न प्रेय का

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–176

86. कठोपनिषद् में 'सृङ्का' का अर्थ है– UP GDC–2008

(A) प्रवालजटितमाला (B) तुलसीमाला
(C) रुद्राक्षमाला (D) अकुत्सितकर्ममयीगति

स्रोत–कठोपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–29

82. (B) 83. (A) 84. (D) 85. (A) 86. (D)
92. (A) 93. (B)

87. कठशाखायाः उपनिषदः किं नाम अस्ति–
BHU AET–2010
(A) प्रश्नोपनिषद्   (B) ईशावास्योपनिषद्
(C) कठोपनिषद्   (D) केनोपनिषद्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175*

88. कठोपनिषद् कस्याः शाखायाः प्रातिनिध्यं करोति–
BHU AET–2010
(A) कठशाखायाः   (B) राणायनीयशाखायाः
(C) कौथुमशाखायाः   (D) काण्वशाखायाः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175*

89. 'नचिकेतोपाख्यानं' कस्मिन्नुपनिषदि प्राप्यते–
BHU AET–2012
(A) ऐतरेयोपनिषदि   (B) केनोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि   (D) बृहदारण्यके

***स्रोत**– ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.3.16) - गीताप्रेस, पेज–133*

90. नचिकेतसः पिता कस्मै तं प्रादात्– UK SLET–2015
(A) शम्भवे   (B) विष्णवे
(C) मृत्यवे   (D) वरुणाय

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.1.4) - गीताप्रेस, पेज–78*

91. कठोपनिषदनुसारं प्राणेन सम्भवति–
UGC 25 S–2013
(A) अदितिः   (B) आत्मा
(C) बुद्धिः   (D) मनः

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–140*

92. मन से अधिक गति वाला कौन है– BHU AET–2010
(A) परमेश्वर   (B) वायु
(C) अग्नि   (D) देवता

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–82*

93. कठोपनिषदि नचिकेतसा किं प्राप्तम्–
UGC 25 J–2007
(A) हिरण्यादिकम्   (B) वस्त्रयम्
(C) स्त्रीरत्नम्   (D) पुत्रपरिजनादिकम्

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–82*

87. (C)   88. (A)   89. (C)   90. (C)   91. (A)

94. यमेन श्रेयप्रेयविवेचनं कस्याम् उपनिषदि विद्यते?
UP GIC–2015

(A) बृहदारण्यके　　　(B) छान्दोग्ये
(C) ईशावास्ये　　　(D) कठोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.2.2)-गीताप्रेस, पेज–99*

95. ''इन्द्रियेभ्यः परा ह्यर्था अर्थेभ्यश्च परं मनः'' इत्यंशो वर्तते–　　　UP GIC–2012

(A) अग्निसूक्ते　　　(B) ईशावास्योपनिषदि
(C) कठोपनिषदि　　　(D) प्रजापतिसूक्ते

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.3.10)-गीता प्रेस, पेज–128*

96. (i) 'उत्तिष्ठत जाग्रत' – के पाठ वाला ग्रन्थ है–
(ii) 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत' इति कुत्र उपदिष्टम्?　　　UP GIC–2015
(iii) 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' इति कस्मिन् उपनिषदि विद्यते?　　　UGC 25 J–2015
BHU MET–2015

(A) मुण्डकोपनिषदि　　　(B) प्रश्नोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि　　　(D) छान्दोग्योपनिषदि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–176*

97. नचिकेता कस्मात् वरत्रयं लब्धवान्? UP GIC–2015

(A) इन्द्रात्　　　(B) वशिष्ठात्
(C) यमात्　　　(D) सूर्यात्

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति (कठोपनिषद् 1.1.9)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

98. विद्यया कं लोकं प्राप्यते–　　　UK SLET–2012

(A) देवलोकम्　　　(B) भूलोकम्
(C) सत्यलोकम्　　　(D) पृथ्वीलोकम्

स्रोत–*ईशावास्योपनिषद् - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–59*

99. 'न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः' इत्ययं श्लोकांशः अस्ति–
G GIC–2015

(A) ईशावास्योपनिषदि　　　(B) छान्दोग्योपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि　　　(D) कठोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.1.27)-गीताप्रेस, पेज–96*

94. (D)　95. (C)　96. (C)　97. (C)　98. (A)
104. (B)　105. (A)　106. (C)

100. 'तैत्तिरीय उपनिषद्' का वेद है– UGC 25 J–2000

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–155*

101. भृगु के प्रति वरुणोपदेश है– UGC 73 S–2013

(A) छान्दोग्योपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) प्रश्नोपनिषदि

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–156*

102. ''रसो वै सः। रसं ह्येवायं लब्ध्वानन्दी भवति'' इति वाक्यं कस्यामुपनिषदि अस्ति?

JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) ऐतरेयोपनिषदि
(C) छान्दोग्योपनिषदि (D) प्रश्नोपनिषदि

स्रोत*–ईशादि नौ उपनिषद् (तैत्तिरीयोपनिषद् 2.7) -गीताप्रेस, पेज–391*

103. 'तैत्तिरीयोपनिषद्' कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते–

BHU AET–2010

(A) बृहदारण्यके (B) तैत्तिरीयारण्यके
(C) गोपथे (D) ऐतरेयब्राह्मणे

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–155*

104. तैत्तिरीयोपनिषदि केन वेदेन सम्बद्धा–

UGC 25 S–2013

(A) शुक्लयजुर्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–155*

105. तैत्तिरीयोपनिषदि कत्यनुवाकाः सन्ति?

BHU AET–2012

(A) द्वादश (B) षोडश
(C) अष्ट (D) पञ्चदश

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–155*

106. शिक्षावल्ली प्राप्यते– JNU MET–2014

(A) कठोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) रामायणे

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–155*

99. (D) 100. (B) 101. (B) 102. (A) 103. (B)

107. 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्यदेवो भव' इत्यादि वाक्य किस उपनिषद् से उद्धृत है? H-TET–2015

(A) कठोपनिषद् (B) प्रश्नोपनिषद्

(C) माण्डूक्योपनिषद् (D) तैत्तिरीयोपनिषद्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–364*

108. 'अथ शीक्षां व्याख्यास्यामः' इति उक्तिः कुतः उद्धृता– UGC 25 J–2015

(A) कठोपनिषदः (B) तैत्तिरीयोपनिषदः

(C) पाणिनीयशिक्षातः (D) याज्ञवल्क्यशिक्षातः

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (तैत्तिरीयोपनिषद् 1.2)-गीताप्रेस, पेज–333*

109. 'श्वेताश्वतरोपनिषद्' केन वेदेन सम्बद्धा– BHU AET–2010, UGC 25 J–2006, 2015

(A) ऋग्वेदेन (B) सामवेदेन

(C) अथर्ववेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–157*

110. (i) प्रमुख दश उपनिषदों में परिगणित नहीं है–

(ii) दस उपनिषदों के अन्तर्गत किस उपनिषद् की गणना नहीं की गई है–

BHU MET – 2008, 2009, 2011, 2013
UGC 73 J–2015

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) छान्दोग्योपनिषद्

(C) श्वेताश्वतरोपनिषद् (D) ऐतरेयोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168*

111. (i) 'नारद-सनत्कुमारसंवाद' आता है–

(ii) 'नारद–सनत्कुमारव्याख्यानं' कस्याम् उपनिषदि प्राप्यते–
UGC 25 J–1994, BHU AET–2011

(A) केनोपनिषद् (B) तैत्तिरीयोपनिषद्

(C) छान्दोग्योपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181*

112. 'उद्दालक-श्वेतकेतु-संवाद' किस उपनिषद् में है– UGC 25 D–1998

(A) कठ में (B) केन में

(C) ईश में (D) छान्दोग्य में

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–160*

107. (D) 108. (B) 109. (D) 110. (C) 111. (C)
117. (D)

113. (i) छान्दोग्योपनिषद् केन सम्बद्धम्?

(ii) छान्दोग्योपनिषदि कस्य वेदस्य–

(iii) 'छान्दोग्योपनिषद्' किस वेद से सम्बन्धित है–

UGC 25 D–1998, 2002, 2010, 2014, J–2001
BHU MET–2009, 2012, 2013, BHU AET–2010

(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) शुक्लयजुर्वेद से (D) अथर्ववेद से

स्रोत*–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–159

114. (i) 'सत्यकामस्य-जाबालेः' वर्णनं प्रकटयति?

(ii) 'सत्यकाम-जाबालि कथा' किस उपनिषद् में है–

UGC 25 J–1999, 2000, D–2001
BHU AET–2010

(A) श्वेताश्वतर में (B) छान्दोग्य में
(C) बृहदारण्यक में (D) केन में

स्रोत*–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

115. छान्दोग्योपनिषदः अध्यायानां संख्या–

BHU AET–2010

(A) 4 (B) 3
(C) 8 (D) 16

स्रोत*–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

116. श्वेतकेतुकथां छान्दोग्योपनिषदः कस्मिन् अध्याये विद्यते– BHU AET–2010

(A) द्वितीये (B) पञ्चमे
(C) षष्ठे (D) अष्टमे

स्रोत*–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181
(ii) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–160

117. सत्यकामस्य जाबालेः कथा छान्दोग्योपनिषदि कस्मिन् अध्याये विद्यते– BHU AET–2010

(A) षष्ठे (B) तृतीये
(C) प्रथमे (D) चतुर्थे

स्रोत*–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–160

112. (D) 113. (B) 114. (B) 115. (C) 116. (C)

118. निम्न में से किस ग्रन्थ में सर्वप्रथम देवकी के पुत्र कृष्ण का वर्णन किया गया है–

RPCS–1999, MP PSC–1994

(A) महाभारत में　　　(B) छान्दोग्य में

(C) अष्टाध्यायी में　　　(D) भागवतपुराण में

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–160*

119. कौन सा उपनिषद् सामवेद का अंश है–

BHU MET–2008

(A) कठोपनिषद्　　　(B) छान्दोग्योपनिषद्

(C) ईशोपनिषद्　　　(D) केनोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–159*

120. छान्दोग्योपनिषदि कयोः भूतयोः सृष्टिः नोक्ता–

DSSSB PGT–2014

(A) वाय्वाकाशयोः　　　(B) वायुतेजसोः

(C) वायुपृथिव्योः　　　(D) अप्पृथिव्योः

121. आरुणेः शिष्यः आसीत्–

RPSC-ग्रेड-II TGT–2010, 2011

(A) ध्रुवः　　　(B) श्वेतकेतुः

(C) सत्यकामः　　　(D) उद्दालकः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181*

(ii) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–160

122. उपनिषद् ब्राह्मणम्–　　　BHU AET–2010

(A) ऐतरेयोपनिषद्　　　(B) केनोपनिषद्

(C) छान्दोग्योपनिषद्　　　(D) कठोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–159*

123. (i) निम्न में से सामवेद से सम्बद्ध उपनिषद् कौन है?

(ii) सामवेदेन सम्बद्धा अस्ति?

UGC 25 D–2014, H TET–2014

(A) छान्दोग्योपनिषद्　　　(B) कठोपनिषद्

(C) ईशावास्योपनिषद्　　　(D) ऐतरेयोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–159*

118. (B)　119. (B)　120. (D)　121. (B)　122. (C)
128. (A)　129. (A)

ऋ
04
60
08
59
14
11
81
0
10
59
?
14
59

124. 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यं विद्यते?
G GIC–2015

(A) कठोपनिषदि (B) छान्दोग्योपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) ईशावास्योपनिषदि

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181*
(ii) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–160
(iii) संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–84

125. 'तलवकारोपनिषद्' का सम्बन्ध है– UGC 73 S–2013

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–161*

126. 'केनोपनिषद्' केन वेदेन सम्बद्धा–
UGC 25 J–1998, 2002, 2014
BHU MET–2014, BHU AET–2010
JNU MET–2015

(A) कृष्णयजुर्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–161*

127. 'यक्ष और देवता' का संवाद है– UGC 73 J–2013

(A) केनोपनिषद् (B) ईशावास्योपनिषद्
(C) कठोपनिषद् (D) ऐतरेयोपनिषद्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–144*

128. 'तपो दमः कर्मेति प्रतिष्ठा' अयं विचारः कुत्रोपदिश्यते–
UGC 73 J–2014

(A) केनोपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) तैत्तिरीयोपनिषद् (D) बृहदारण्यकोपनिषद्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (केनोपनिषद् 4.8) - गीताप्रेस, पेज–72*

129. 'प्रतिबोधविदितं मतम् अमृतत्वं हि विन्दते' इति पद्यांशः अस्ति? JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) केनोपनिषदि (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) मुण्डकोपनिषदि (D) ईशावास्योपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (केनोपनिषद् 2.4)-गीताप्रेस, पेज–57*

123. (A) 124. (B) 125. (C) 126. (B) 127. (A)

130. 'उमा हेमवती कथा' किस उपनिषद् में वर्णित है– UGC 25 D–1997, 2012, J–2001

(A) श्वेताश्वतर (B) छान्दोग्य
(C) केन (D) मुण्डक

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–161*

131. जानुश्रुतेरुपाख्यानं कुत्र वर्तते– UGC 25 J–2007

(A) केनोपनिषदि (B) छान्दोग्योपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

***स्रोत**–छान्दोग्योपनिषद् शांकरभाष्य (4.1) - गीताप्रेस, पेज–324*

132. सामवेदोपनिषद् कौन है– BHU MET–2011, 2012

(A) प्रश्नोपनिषद् (B) ईशावास्योपनिषद्
(C) मुण्डकोपनिषद् (D) केनोपनिषद्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–150*

133. केनोपनिषद् केन ब्राह्मणग्रन्थेन सम्बद्धा– HE –2015

(A) शतपथब्राह्मणेन (B) पञ्चविंशब्राह्मणेन
(C) तलवकारब्राह्मणेन (D) गोपथब्राह्मणेन

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

134. यक्षरूपधारिणः परब्रह्मणः आख्यायिका उपलभ्यते– UGC 25 J–2015

(A) ईशावास्योपनिषदि
(B) केनोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि
(D) तैत्तिरीयोपनिषदि

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–144*

135. केनोपनिषदः सम्बन्धः अस्ति– AWES TGT–2011

(A) यजुर्वेदेन
(B) सामवेदस्य तवलकारशाखया
(C) अथर्ववेदेन
(D) ऋग्वेदेन

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

130. (C) 131. (B) 132. (D) 133. (C) 134. (B)
140. (A)

136. सम्यक् मेलनं कर्तव्यम्– **JNU MET–2015**

संहिता	उपनिषद्
(क) ऋक्	(a) माण्डूक्योपनिषद्
(ख) यजुः	(b) छान्दोग्योपनिषद्
(ग) साम	(c) ईशावास्योपनिषद्
(घ) अथर्व	(d) ऐतरेयोपनिषद्

	क	ख	ग	घ
(A)	d	c	b	a
(B)	c	b	c	d
(C)	a	b	c	d
(D)	b	a	c	d

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168*

137. 'प्राणाग्निहोत्र-विद्या' किस उपनिषद् में है–
UGC 25 J–1994

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) मुण्डकोपनिषद्
(C) प्रश्नोपनिषद् (D) छान्दोग्योपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168-177*

138. प्रश्नोपनिषद्– **CVVET–2015**

(A)ऋग्वेदीया (B) यजुर्वेदीया
(C) सामवेदीया (D) अथर्ववेदीया

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–162*

139. अथर्ववेदीय उपनिषद् है– **UGC 25 J–2003**

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) ईशावास्योपनिषद्
(C) बृहदारण्यकोपनिषद् (D) केनोपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–150*

140. मुण्डकोपनिषद् से सम्बन्धित वेद है?
BHU MET–2015

(A) अथर्ववेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) ऋग्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–162*

135. (B) 136. (A) 137. (C) 138. (D) 139. (A)

141. ओंकारस्य व्याख्या विशेषरूपेण कस्मिन् उपनिषदि भवति? AWES TGT–2011

(A) मुण्डकोपनिषदि (B) माण्डूक्योपनिषदि

(C) कठोपनिषदि (D) ऐतरेयोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–514*

142. अथर्ववेदीया– CVVET–2015

(A) कौषीतक्युपनिषत् (B) छान्दोग्योपनिषत्

(C) माण्डूक्योपनिषत् (D) ऐतरेयोपनिषत्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–163*

143. सबसे पहले चार आश्रमों का वर्णन आया है, वह उपनिषद् है? UP TGT (S.S.)–2013

(A) ईश

(B) बृहदारण्यक

(C) छान्दोग्य

(D) जबालोपनिषद्

स्रोत–*108 उपनिषद् (ब्रह्मविद्या खण्ड)-श्रीरामशर्मा आचार्य, पेज–191, 192*

141. (A) 142. (C) 143. (D) 144. (C) 145. (A)

144. वाजश्रवसः पुत्रस्य नाम अस्ति–

CCSUM-Ph.D–2016

(A) उपमन्युः (B) सत्यकामः
(C) नचिकेता (D) जाबालः

स्रोत–*कठोपनिषद् (1.1.1) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–26*

145. इन्द्र-विरोचनस्य कथा कस्यामुपनिषदि प्राप्यते–

CCSUM-Ph.D–2016

(A) छान्दोग्ये (B) बृहदारण्यके
(C) माण्डूक्ये (D) मुण्डके

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181*

146. 'भक्ति' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख कहाँ मिलता है?

CCSUM (H)-Ph.D–2016

(A) वेद
(B) पुराण
(C) उपनिषद्
(D) रामायण

146. (C)

9. वे

1.　(i) वेदाङ्गानि सन्ति– UGC 73 D–2004, 2007, 2011
(ii) वेदाङ्गानां संख्या भवति–　J–1999, 2005
UGC 73 D–1992, BHU AET–2010, 2011, 2012
BHU MET–2012, MP PGT–2012
AWES TGT–2008, G GIC–2015

(A) त्रीणि　(B) पञ्च
(C) षड्　(D) सप्त

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

2.　वेदार्थबोधे अधोलिखित–वेदाङ्गेषु कस्योपयोगः नास्ति? DL–2015

(A) कल्पः　(B) निरुक्तम्
(C) व्याकरणम्　(D) छन्दः

3.　उपाङ्गानि कति सन्ति–　BHU AET–2010

(A) दश (10)　(B) पञ्च (5)
(C) सप्त (7)　(D) चत्वारि (4)

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

4.　वेदाङ्गं नास्ति–　BHU AET–2010

(A) व्याकरणम्　(B) ज्योतिषम्
(C) कल्पशास्त्रम्　(D) साहित्यम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

5.　सुमेलयतु–　UGC 25 D–2011

(क) शिक्षा　1. पादः
(ख) व्याकरणम्　2. नासिका
(ग) छन्दः　3. मुखम्
(घ) निरुक्तम्　4. श्रोत्रम्

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	2	3	1	4
(D)	3	2	4	1

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

1. (C)　2. (A)　3. (D)　4. (D)　5. (C)

वेदाङ्ग

6. **शब्दप्रक्रियाशास्त्र का मूल कौन सा वेदाङ्ग है–**
UGC 25 J–1994
(A) शिक्षा (B) कल्प
(C) व्याकरण (D) निरुक्त

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–347*

शिक्षा-वेदाङ्ग

7. **'प्रातिशाख्य' किस वेदाङ्ग से सम्बद्ध है?**
UGC 25 J–1998
(A) व्याकरण से (B) ज्योतिष से
(C) शिक्षा से (D) कल्प से

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

8. **(i) वेदाङ्ग शिक्षा का सम्बन्ध है– UGC 25 J–1999**
(ii) शिक्षा का विषय है? D–2003
(A) वर्णोत्पत्ति तथा उच्चारण से
(B) दण्डनीति से
(C) सामाजिक नियम से
(D) कर्मकाण्ड से

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*
(ii) संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

9. **शिक्षावेदाङ्गस्य को विषयः? UGC 25 J–2013**
(A) यज्ञः (B) उपासना
(C) मोक्षः (D) उच्चारणम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

10. **(i) वेदपुरुष का शिक्षा है? UGC 25 J–2001**
(ii) वेदाङ्गेषु शिक्षा उपमीयते D–2006
BHU AET–2011, CCSUM-Ph.D–2-16
(A) घ्राण (B) नासिका
(C) हस्त (D) पाद

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85*

6. (C) 7. (C) 8. (A) 9. (D) 10. (A)

11. ऋग्वेदस्य शिक्षा का– **BHU AET–2011**

(A) नारदीया (B) पाणिनीया

(C) वैयासिकी (D) पाराशरी

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

12. 'शिक्षाग्रन्थेषु' प्रतिपाद्यते– **UGC 25 J–2009**

(A) वेदार्थनिर्णयधर्मः (B) कालज्ञानम्

(C) उच्चारणधर्मः (D) शब्दसाधुत्वम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

13. (i) वेदस्य नासिकात्वेनोपमीयते–

(ii) वेदपुरुषस्य घ्राणत्वेनोपमीयते–

(iii) वेदस्य घ्राणस्थानीयमङ्गं किमुच्यते?

UGC 25 D–2010, BHU AET–2012

UK SLET–2015

(A) निरुक्तम् (B) छन्दः

(C) शिक्षा (D) कला

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

14. शिक्षाङ्गस्य विषयाः कियन्तः उपदिष्टाः–

UGC 25 D–2012

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) षट्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

15. 'माण्डव्यशिक्षा' सम्बद्ध है– **BHU MET–2008**

(A) ऋग्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद

(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–44

16. 'शिक्षा' वेदाङ्ग का प्रतिपाद्य विषय क्या है–

BHU MET–2012

(A) उच्चारण (B) स्वर

(C) समास (D) ध्वनि

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

11. (B) 12. (C) 13. (C) 14. (D) 15. (B)
21. (C) 22. (A)

17. पाणिनीय-शिक्षायां वर्णानाम् उच्चारणस्थानानि सन्ति– **UP GDC–2014, UGC 25 D–2013**

(A) पञ्च (B) सप्त
(C) अष्ट (D) त्रीणि

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-13)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–18

18. प्रातिशाख्यं नाम– BHU AET–2010

(A) व्याकरणम् (B) शिक्षा
(C) छन्दः (D) निरुक्तम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

19. शिक्षायाम् उद्देश्यम्– BHU AET–2010

(A) वर्णस्वरादिविधानम्
(B) प्रत्ययशिक्षणम्
(C) आख्यानं प्रकाशनं
(D) निर्वचनप्रकटनम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

20. 'बलम्' इत्यनेन किं गृह्यते– BHU AET–2010

(A) स्थानप्रयत्नौ (B) बर्हिः
(C) वनम् (D) बाह्यम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–87

21. 'भारद्वाजशिक्षा' केन सम्बद्धा विद्यते– BHU AET–2010

(A) ऋग्वेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–52*

22. शिक्षायाः प्रतिपाद्यो विषयः को विद्यते– BHU AET–2010

(A) उच्चारणविधिः (B) प्रयोगविधिः
(C) निर्वचनविधिः (D) छन्दोविधिः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

16. (A) 17. (C) 18. (B) 19. (A) 20. (A)

23. याज्ञवल्क्यशिक्षायां वर्ण्यविषयः कः?

BHU AET–2011

(A) यज्ञविधिः (B) दानविधिः
(C) वर्णोच्चारणविधिः (D) प्रायश्चित्तविधिः

स्रोत–*(i) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–41*
(ii) याज्ञवल्क्य-शिक्षा - नरेश झा, पेज–80

24. शुक्लयजुर्वेदेन सम्बद्धा शिक्षा का अस्ति?

BHU AET–2010

(A) पाणिनीयशिक्षा (B) याज्ञवल्क्यशिक्षा
(C) कैवल्यशिक्षा (D) शौनकशिक्षा

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–41*

25. शिक्षाग्रन्थेषु कः शिक्षाग्रन्थः यजुर्वेदेन सम्बद्धो नास्ति?

BHU AET–2010

(A) वाशिष्ठीशिक्षा (B) कात्यायनीशिक्षा
(C) पाराशरीशिक्षा (D) नारदीयशिक्षा

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–253/254

26. कस्य वेदाङ्गस्य प्रतिपादनं वेदपुरुषस्य घ्राणरूपेणास्ति?

BHU AET–2010

(A) शिक्षायाः (B) निरुक्तस्य
(C) व्याकरणस्य (D) कल्पस्य

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

27. शिक्षावेदाङ्गे कस्य विषयस्य वर्णनमस्ति?

BHU AET–2010

(A) छन्दसाम् (B) ज्योतिषस्य
(C) वर्णानाम् (D) शब्दानुशासनस्य

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

28. कस्मिन् वेदाङ्गे मुख्यतया उच्चारण–प्रक्रियायाः वर्णनमस्ति? **BHU AET–2012**

(A) शिक्षायाम् (B) व्याकरणे
(C) निरुक्ते (D) ज्योतिषे

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

23. (C) 24. (B) 25. (D) 26. (A) 27. (C)
33. (A) 34. (C)

29. याज्ञवल्क्यशिक्षा केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति?

BHU AET–2012, UGC 25 D–2013, 2014

(A) ऋग्वेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन

(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86*

30. याज्ञवल्क्यशिक्षानुसारं कति विवृत्तयः?

UGC 25 D–2015

(A) चतस्रः (B) तिस्रः

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–*याज्ञवल्क्यशिक्षा (वर्णप्रकरण, श्लोक-10) - नरेश झा, पेज–89*

31. वाजसनेयिसंहिताया सम्बद्धः शिक्षाग्रन्थः कोऽस्ति?

BHU AET–2012

(A) नारदीयशिक्षा (B) माण्डूकीशिक्षा

(C) पाणिनीयशिक्षा (D) माण्डव्यशिक्षा

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–44*

32. वासिष्ठीशिक्षा केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति?

BHU AET–2012

(A) ब्रह्मवेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–42*

33. पाणिनीयशिक्षा केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति?

BHU AET–2012

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

34. वर्णस्वराद्युच्चारण प्रकार नहीं है– UGC 73 D–2014

(A) वेदे (B)शिक्षायाम्

(C) कल्पे (D) तैत्तिरीयब्राह्मणे

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85-86

28. (A) 29. (B) 30. (A) 31. (D) 32. (B)

35. सामवेदस्य शिक्षा भवति– UGC 73 D–2014

(A) बादरायणीया (B) गौतमी

(C) भारद्वाजीया (D) वासिष्ठी

स्रोत– *संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–38*

36. शिक्षाग्रन्थाः वेदानां निरूपकाः सन्ति– UGC 73 D–2011

(A) निर्वचनम् (B) उच्चारणम्

(C) व्याकरणम् (D) कालनिर्धारणम्

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85*

37. नारदीयशिक्षा सम्बद्धा वर्तते–
UGC 25 J–2013, S–2013

(A) सामवेदेन (B) ऋग्वेदेन

(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) शुक्लयजुर्वेदेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193*

38. माण्डूकीशिक्षा कस्य वेदस्य? UGC 25 D–2013

(A) अथर्ववेदस्य (B) यजुर्वेदस्य

(C) सामवेदस्य (D) ऋग्वेदस्य

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86*

39. पाणिनीयशिक्षानुसारं लिखितपाठकः कः भवति?
UGC 25 J–2012

(A) उत्तमः (B) उत्तमोत्तमः

(C) अधमः (D) श्रेष्ठः

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-32)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्नायन, पेज–43*

40. वृत्तिसमवायार्थः अनुबन्धकरणार्थः इष्टबुध्यर्थश्च केषाम् उपदेशः भवति? UGC 25 D–2012

(A) प्रत्ययानाम् (B) धातूनाम्

(C) सन्धीनाम् (D) वर्णानाम्

स्रोत–*महाभाष्य (पश्पशाह्निक) - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–135*

41. मैत्रेयी शिक्षामवाप– UGC 25 D–2004

(A) याज्ञवल्क्यात् (B) पैलात्

(C) जैमिनेः (D) कौत्सात्

स्रोत–*ईशावास्योपनिषद् - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–9*

35. (B) 36. (B) 37. (A) 38. (A) 39. (C)
45. (C) 46. (D) 47. (C)

42. 'अक्षरं न क्षरति' इति कुत्र उक्तमस्ति–

BHU AET–2012

(A) अष्टाध्याय्याम् (B) निरुक्ते

(C) ऋग्वेदे (D) सामवेदे

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–531*

43. कः भावविकारः नास्ति? UK SLET–2015

(A) जायते (B) अस्ति

(C) विपरिणमते (D) लिख्यते

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23*

44. 'आचार्यश्चिद् इदं ब्रूयात्' इत्यत्र 'चित्' निपातस्य अर्थः कः? UGC 25 D–2013

(A) पादपूरणः (B) उपमा

(C) पूजा (D) धनम्

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–35*

45. औदुम्बरायणाचार्यमते वचनं कीदृशम्?

JNU MET–2014

(A) नित्यम् (B) अनित्यम्

(C) इन्द्रियनित्यम् (D) सर्वव्यापकम्

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–18*

46. 'ऋक्प्रातिशाख्य' किस वेदाङ्ग से सम्बन्धित है?

UP GDC–2008

(A) व्याकरण से (B) कल्प से

(C) निरुक्त से (D) शिक्षा से

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज– भू. 13*

47. शिक्षावेदाङ्गस्य सम्बन्धोऽस्ति UP GIC–2015

(A) वैदिकयज्ञेन (B) पदनिर्वचनेन

(C) मन्त्रोच्चारणेन (D) ज्योतिषशास्त्रेण

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–1*

40. (D) 41. (A) 42. (B) 43. (D) 44. (C)

कल्पवेदाङ्ग

48. ऋग्वेद का गृह्यसूत्र है– UGC 73 J–2013

(A) आश्वलायनगृह्यसूत्रम् (B) पारस्करगृह्यसूत्रम्
(C) बौधायनगृह्यसूत्रम् (D) कात्यायनगृह्यसूत्रम्

स्रोत*–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–122

49. (i) 'आश्वलायन-गृह्यसूत्र' किससे सम्बद्ध है–
(ii) ''आश्वलायनगृह्यसूत्रं'' केन सम्बद्धम्?
UGC 25 J–2014
BHU MET–2008, 2009, 2013, 2015

(A) अथर्ववेदेन (B) सामवेदेन
(C) यजुर्वेदेन (D) ऋग्वेदेन

स्रोत*–*संस्कृत-साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

50. गौतमधर्मसूत्र के अनुसार संस्कार होता है–
UGC 73 D–2013

(A) अष्टचत्वारिंशत् (B) षोडश
(C) चत्वारिंशत् (D) त्रयोदश

स्रोत*–*हिन्दू-संस्कार - राजबली पाण्डेय, पेज–22

51. दारिल वृत्ति है– UGC 73 D–2013

(A) आश्वलायनगृह्यसूत्रे (B) कौशिकगृह्यसूत्रे
(C) कात्यायनगृह्यसूत्रे (D) जैमिनीयगृह्यसूत्रे

स्रोत*–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–154

52. शुक्लयजुर्वेद का गृह्यसूत्र है–
UGC 73 J–2012, S–2013

(A) बौधायनगृह्यसूत्रम् (B) शांखायनगृह्यसूत्रम्
(C) आश्वलायनगृह्यसूत्रम् (D) पारस्करगृह्यसूत्रम्

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

53. सामवेदीय श्रौतसूत्र है– UGC 73 J–2014

(A) कात्यायनश्रौतसूत्रम् (B) वाधूलश्रौतसूत्रम्
(C) लाट्यायनश्रौतसूत्रम् (D) मानवश्रौतसूत्रम्

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

48. (A) 49. (D) 50. (C) 51. (B) 52. (D)
58. (A) 59. (C) 60. (B)

54. **आश्वलायन-गृह्यसूत्र में संस्कार हैं– UGC 73 J–2014**

(A) षोडश (B) द्वादश

(C) एकादश (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत*–*हिन्दू-संस्कार - राजबली पाण्डेय, पेज–21

55. **कत्यङ्गुलखातावेदिर्भवति– UGC 25 J–2014**

(A) षडङ्गुला (B) सप्ताङ्गुला

(C) द्वादशाङ्गुला (D) त्र्यङ्गुला

56. **वेदीनिर्माण की प्रक्रिया यहाँ उपलब्ध है– UGC 25 D–1998**

(A) श्रौतसूत्र (B) गृह्यसूत्र

(C) शुल्बसूत्र (D) धर्मसूत्र

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

57. **'गृह्यसूत्र' किसके भाग हैं– UGC 25 J–2000**

(A) शिक्षा के (B) कल्प के

(C) निरुक्त के (D) ज्योतिष के

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

58. **कल्पसूत्र का विषय है– UGC 25 D–2001**

(A) यज्ञ-वेदी-निर्माण

(B) मन्त्रों के शुद्धातिशुद्ध उच्चारण का ज्ञान

(C) वैदिकपदों का निर्वचन

(D) भावबोधक हेतु

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

59. **श्रौतसूत्रों का वर्ण्य विषय है– UGC 25 D–2003**

(A) आश्रमकर्त्तव्य (B) यज्ञवेदीनिर्माण

(C) वैदिकयज्ञ (D) संस्कार

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

60. **इनमें से 'वेदाङ्ग' है– UGC 25 J–2004**

(A) ऋग्वेद (B) कल्प

(C) सामवेद (D) कृष्णयजुर्वेद

स्रोत*–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

53. (C) 54. (C) 55. (D) 56. (C) 57. (B)

61. 'धर्मसूत्रम्' आयाति– **UGC 25 D–2004**

(A) शिक्षायाम् (B) छन्दसि
(C) कल्पे (D) निरुक्ते

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

62. 'श्रौतसूत्रं' किं वेदाङ्गं विषयीकरोति–
UGC 25 J–2005

(A) कल्पम् (B) निरुक्तम्
(C) ज्योतिषम् (D) व्याकरणम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

63. कः कल्पसूत्रविषयः– **UGC 25 J–2010**

(A) यागप्रयोगक्रमप्रतिपादनम् (B) शब्दार्थनिरूपणम्
(C) पाठभेदनिरूपणम् (D) वेदार्थनिरूपणम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

64. कल्पग्रन्थेषु किं न गण्यते– **UGC 25 J–2013**

(A) आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् (B) कात्यायनश्रौतसूत्रम्
(C) बौधायनधर्मसूत्रम् (D) उणादिसूत्रम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

65. कात्यायनश्रौतसूत्र किससे सम्बद्ध है–
BHU MET–2008

(A) ऋग्वेद से (B) शुक्लयजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

66. निम्न में से कौन कल्प वेदाङ्ग से सम्बद्ध है–
BHU MET–2009

(A) बृहद्देवता (B) चाणक्यसूत्र
(C) बौधायनशुल्बसूत्र (D) मनुस्मृति

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

67. 'पारस्करगृह्यसूत्र' की गणना किस वेदाङ्ग में की जाती है?
BHU MET–2009, 2013

(A) शिक्षा (B) व्याकरण
(C) कल्प (D) निरुक्त

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

61. (C)	62. (A)	63. (A)	64. (D)	65. (B)
71. (D)	72. (A)			

68. शुल्बसूत्रकार 'कात्यायन' किस वेद से सम्बद्ध है–
BHU MET–2010

(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

69. 'गौतमधर्मसूत्र' किस वेद से सम्बद्ध है–
BHU MET–2010

(A) ऋग्वेद (B) कृष्णयजुर्वेद
(C) शुक्लयजुर्वेद (D) सामवेद

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

70. कल्पः वेदस्य– CVVET–2015

(A) पादौ (B) चक्षुः
(C) हस्तौ (D) श्रोत्रम्

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85*

71. सुमेलित कीजिए– UGC 06 D–2011

(क) श्रौतसूत्र 1. धार्मिक तथा लौकिक विधि एवं प्रशासन
(ख) गृह्यसूत्र 2. महाबलिदानों को सम्पन्न करने के नियम
(ग) धर्मसूत्र 3. दैनिक जीवन से सम्बन्धित समारोहों के लिए निर्देश
(घ) शुल्बसूत्र 4. बलिवेदियों तथा अग्निवेदियों के माप तथा निर्माण सम्बन्धी नियम

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	3	2	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	2	3	1	4

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–307-308*

72. 'वशिष्ठ-धर्मसूत्र' किस वेद से सम्बद्ध है–
BHU MET–2010

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

66. (C) 67. (C) 68. (B) 69. (D) 70. (C)

73. 'अथर्ववेद' का गृह्यसूत्र है– BHU MET–2011

(A) खादिरगृह्यसूत्र (B) वैखानसगृह्यसूत्र
(C) कौशिकगृह्यसूत्र (D) पारस्करगृह्यसूत्र

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

74. 'धर्मसूत्र' किस वेदाङ्ग में गिना जाता है– BHU MET–2011, 2012, 2014

(A) व्याकरण (B) कल्प
(C) छन्द (D) ज्योतिष

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

75. निम्नलिखित में से 'कल्प वेदाङ्ग' से सम्बद्ध है– BHU MET–2013

(A) बृहद्देवता (B) चाणक्यसूत्र
(C) कात्यायनश्रौतसूत्र (D) मनुस्मृति

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

76. 'बौधायनधर्मसूत्र' में प्रश्नों (अध्यायों) की संख्या है– BHU MET–2014, BHU AET–2012

(A) तीन (3) (B) चार (4)
(C) पाँच (5) (D) छह (6)

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–236*

77. सुमेलित कीजिए– UGC 06 J–2014

(क) श्रौतसूत्र (i) यज्ञवेदी को मापना
(ख) गृह्यसूत्र (ii) बलि सम्बन्धी नियम
(ग) धर्मसूत्र (iii) घरेलू अधिकार
(घ) शुल्बसूत्र (iv) धर्म अथवा विधि

	क	ख	ग	घ
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–307-308*

73. (C) 74. (B) 75. (C) 76. (B) 77. (A)
83. (C)

78. 'तृतीय-शिष्टागमः' का उल्लेख है, वह ग्रन्थ है– **BHU MET–2014**

(A) याज्ञवल्क्यस्मृति (B) बौधायनधर्मसूत्र
(C) मनुस्मृति (D) गौतमधर्मसूत्र

स्रोत–*बौधायन-धर्मसूत्रम् - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–02*

79. **(i) पारस्करगृह्यसूत्रं केन वेदेन सम्बद्धमस्ति?**
(ii) 'पारस्करगृह्यसूत्र' जिस वेद का है, वह वेद है–
BHU MET–2014, BHU AET–2012

(A) ऋग्वेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

80. **(i) शुल्बसूत्रों की जिसमें गणना होती है, वह है?**
(ii) शुल्बसूत्राणि कस्य वेदाङ्गस्य अङ्गभूतानि सन्ति?
(iii) शुल्बसूत्रं कस्मिन् वेदाङ्गे अन्तर्भवति?
(iv) शुल्बसूत्रं केन वेदाङ्गेन सम्बद्धम्–
HE–2015, BHU AET–2010, 2011
BHU MET–2015, UGC 25 J–2015

(A) शिक्षा (B) कल्पः
(C) व्याकरणम् (D) छन्दः

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

81. **श्रौतसूत्राणां प्रतिपाद्यो विषयः– BHU AET–2010**

(A) वैदिकयागविधानम् (B) वेदिनिर्माणम्
(C) संस्कारविधानम् (D) आश्रमकर्तव्यविधानम्

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

82. **प्राचीनतमं धर्मसूत्रम्– BHU AET–2010**

(A) हारीतकृतम् (B) आपस्तम्बकृतम्
(C) गौतमकृतम् (D) बौधायनकृतम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–236*

83. **'गौतमधर्मसूत्रस्य' मूलग्रन्थो वेदः– BHU AET–2010**

(A) यजुर्वेदः (B) ऋग्वेदः
(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

78. (B) 79. (B) 80. (B) 81. (A) 82. (C)

84. (i) 'रेखागणित' मिलता है?

(ii) सूत्रमिदं रेखागणित–विज्ञानं बोधयति–

BHU AET–2010, UGC 73 D–1994

(A) श्रौतसूत्रम् (B) शुल्बसूत्रम्

(C) धर्मसूत्रम् (D) गृह्यसूत्रम्

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

85. शुल्बसूत्राणां प्रतिपाद्यो विषयः– BHU AET–2010

(A) आश्रमविधानम् (B) स्वरपाठः

(C) वेदिनिर्माणम् (D) प्रकृतिप्रत्ययविधानम्

***स्रोत**–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

86. 'बौधायनश्रौतसूत्रं' कया शाखया सम्बद्धम्–

BHU AET–2010

(A) शाकलशाखया (B) तैत्तिरीयशाखया

(C) काण्वशाखया (D) शौनकशाखया

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–61*

87. 'बौधायनश्रौतसूत्रे' कति प्रश्नाः सन्ति–

BHU AET–2010

(A) दश (B) त्रिंशत्

(C) विंशतिः (D) चत्वारिंशत्

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–62

88. 'बौधायनश्रौतसूत्रे' द्वितीयप्रश्नस्य प्रतिपाद्यो विषयः कः? BHU AET–2010

(A) अग्निहोत्रम् (B) आग्रयणम्

(C) अग्न्याधेयम् (D) याजमानम्

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–62

89. 'बौधायनश्रौतसूत्रस्य' अष्टादशे प्रश्ने को यागो वर्ण्यते?

BHU AET–2010

(A) वाजपेयः (B) अग्न्याधेयः

(C) अतिरात्रः (D) राजसूयः

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–62

84. (B) 85. (C) 86. (B) 87. (B) 88. (C)
94. (C) 95. (C)

90. 'बौधायनश्रौतसूत्रस्य' त्रिंशत्तमे प्रश्ने किं वर्ण्यते–

BHU AET–2010

(A) प्रवरः (B) पशुबन्धः
(C) दर्शः (D) चातुर्मास्यः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–62*

91. (i) 'आपस्तम्बश्रौतसूत्रं' केन सम्बध्यते–
(ii) 'आपस्तम्बश्रौतसूत्रं' केन वेदेन सह सम्बद्धम्?

BHU AET–2010, 2011, UGC 25 J–2014

(A) ऋग्वेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

92. कल्पे सूत्रग्रन्थाः कतिविधाः भवन्ति–

BHU AET–2010

(A) दशविधाः (B) सप्तविधाः
(C) पञ्चविधाः (D) चतुर्विधाः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

93. श्रौतकर्म कस्मिन् अग्नौ क्रियते? BHU AET–2010

(A) वैतानिकाग्नौ (B) गृह्याग्नौ
(C) लौकिकाग्नौ (D) सम्याग्नौ

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–223*

94. स्मार्तकर्म कस्मिन् अग्नौ क्रियते– BHU AET–2010

(A) श्रौताग्नौ (B) गृह्याग्नौ
(C) लौकिकाग्नौ (D) सम्याग्नौ

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, पेज–222*

95. पुष्पसूत्रं कस्मिन् वेदेऽन्तर्भावः भवति–

BHU AET–2011

(A) ऋग्वेदः (B) यजुर्वेदः
(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

89. (C) 90. (A) 91. (C) 92. (D) 93. (A)

96. शुक्लयजुर्वेदस्य श्रौतसूत्राणि कति? BHU AET–2011

(A) एकम् (B) द्वे

(C) त्रीणि (D) चत्वारि

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

97. यजुर्वेदसम्बद्धं श्रौतसूत्रम्? CVVET–2015

(A) हिरण्यकेशीयम् (B) वैतानम्

(C) शाङ्खायनम् (D) लाट्यायनम्

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

98. अथर्ववेदीयं श्रौतसूत्रं किम्? BHU AET–2011

(A) लाट्यायनम् (B) बौधायनम्

(C) आश्वलायनम् (D) वैतानम्

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

99. शुल्बसूत्रे शुल्बशब्दस्यार्थः कोऽस्ति? BHU AET–2011

(A) परिमाण (B) लेखनम्

(C) पठनम् (D) ज्ञानम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–239*

100. कात्यायनश्रौतसूत्रस्य प्रथमाध्यायस्य विषयः कः? BHU AET–2011

(A) दर्शपौर्णमासनिरूपणम् (B) परिभाषा

(C) विश्वजित् (D) सौत्रामणिः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–99*

101. षोडशसंस्कारः कस्य विषयः? BHU AET–2011

(A) धर्मसूत्रम् (B) श्रौतसूत्रम्

(C) गृह्यसूत्रम् (D) शुल्बसूत्रम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

102. धर्मसूत्रेषु कस्य प्राचीनत्वं स्वीकरोति– BHU AET–2011

(A) आपस्तम्बीयम् (B) बौधायनीयम्

(C) हारीतीयम् (D) गौतमीयम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–236*

96. (A)	**97. (A)**	**98. (D)**	**99. (A)**	**100. (B)**
106. (B)	**107. (B)**	**108. (D)**	**109. (B)**	

103. **यजुर्वेदस्य श्रौतसूत्रं किमस्ति? BHU AET–2010**

(A) पारस्करश्रौतसूत्रम् (B) आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्

(C) शौनकश्रौतसूत्रम् (D) कात्यायनश्रौतसूत्रम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

104. **कृष्णयजुर्वेदस्य कति गृह्यसूत्राणि– BHU AET–2012**

(A) दश (B) नौ

(C) पञ्चदश (D) द्वादश

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229*

105. **आपस्तम्बश्रौतसूत्रे कति प्रश्नाः सन्ति?**
BHU AET–2012

(A) षट् (B) नव

(C) चतुर्विंशति (D) दश

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–217*

106. **कल्पान्तर्गतो वर्तते? BHU AET–2012**

(A) छन्दःसूत्रम् (B)गृह्यसूत्रम्

(C) वर्णसूत्रम् (D) प्रातिशाख्यम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

107. **बौधायनशुल्बसूत्रं केन वेदेन सह सम्बद्धं वर्तते–**
BHU AET–2012

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

108. **कल्पसूत्रान्तर्गतं न वर्तते– UK SLET–2015**

(A) गृह्यसूत्रम् (B) शुल्बसूत्रम्

(C) श्रौतसूत्रम् (D) ब्रह्मसूत्रम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91

109. **मुख्यतया कर्मकाण्डं कतमद् वेदाङ्गं प्रतिपादयति?**
UK SLET–2015

(A) निरुक्तम् (B) कल्पः

(C) छन्दः (D) शिक्षा

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

101. (C) 102. (D) 103. (D) 104. (B) 105. (C)

110. 'कल्पसूत्रम्' इति पारिभाषिकी संज्ञा अस्ति–

UGC 25 D–2014

(A) श्रौतसूत्राणाम् (B) गृह्यसूत्राणाम्

(C) धर्मसूत्राणाम् (D) श्रौत-गृह्य-धर्मशुल्बसूत्राणाम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214*

111. 'गौतमधर्मसूत्रम्' केन सम्बद्धम्– UGC 25 D–2014

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

112. कल्पग्रन्थेषु कः गण्यते? UGC 25 D–2013

(A) कात्यायनश्रौतसूत्रम् (B) उणादिसूत्रम्

(C) जैमिनीयसूत्रम् (D) सांख्यसूत्रम्

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

113. कौशिकगृह्यसूत्रं केन सम्बद्धम्? UGC 25 S–2013

(A) ऋग्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

114. एतेषु वेदाङ्गेषु भाषाविज्ञान-विषयः किं नास्ति?

JNU MET–2014

(A) कल्पः (B) शिक्षा

(C) व्याकरणम् (D) निरुक्तम्

115. ऋग्वेदस्य शुल्बसूत्रस्य नाम किम्? JNU MET–2014

(A) बौधायनः (B) आपस्तम्बः

(C) मानवः (D) न कोऽपि

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92*

116. 'बौधायनश्रौतसूत्रे' तृतीयप्रश्नस्य प्रतिपाद्यो विषयः कः?

BHU AET–2010

(A) पिण्डपितृयज्ञः (B) इष्टिकल्पः

(C) पशुबन्धः (D) अग्निचयनम्

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–62*

110. (D) 111. (C) 112. (A) 113. (D) 114. (A)
120. (C) 121. (D)

117. 'बौधायनश्रौतसूत्रे' पञ्चमप्रश्नगतोविषयः कः–

BHU AET–2010

(A) होत्रम् (B) पुनराधेयम्
(C) अग्निहोत्रम् (D) पौर्णमासीयम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–62*

118. 'बौधायनश्रौतसूत्रे' दशमप्रश्ने को विषयो वर्णितः–

BHU AET–2010

(A) अग्निचयनम् (B) दर्शः
(C) ब्रह्मत्वम् (D) अयनम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–62*

119. 'बौधायनश्रौतसूत्रस्य' षोडशप्रश्ने को यागो वर्ण्यते?

BHU AET–2010

(A) दर्शः (B) द्वादशाहः
(C) पौर्णमासः (D) पशुबन्धः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–62*

120. 'बौधायनश्रौतसूत्रस्य' अष्टादशे प्रश्ने को यागो वर्ण्यते?

BHU AET–2010

(A) वाजपेयः (B) अग्न्याधेयः
(C) अतिरात्रः (D) राजसूयः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–62*

121. 'वाधूलशुल्बसूत्रम्' केन वेदेन सम्बद्धमस्ति?

UGC 25 D–2015

(A) अथर्ववेदेन (B) सामवेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) यजुर्वेदेन

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–232*

115. (D) 116. (A) 117. (C) 118. (A) 119. (B)

122. (i) 'वाधूलश्रौतसूत्रम्' कस्य वेदस्य वर्तते?
(ii) 'वाधूलश्रौतसूत्रं' केन सम्बद्धं विद्यते?
BHU AET–2010, UGC 25 D–2015

(A) ऋग्वेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–75*

123. शुक्लयजुर्वेद का श्रौतसूत्र है–
UGC 73 D–2005 J–2013

(A) आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् (B) बौधायनश्रौतसूत्रम्
(C) मानवश्रौतसूत्रम् (D) कात्यायनश्रौतसूत्रम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

124. 'वैतानश्रौतसूत्र' से सम्बन्धित है– BHU MET–2015

(A) अथर्ववेद (B) शुक्लयजुर्वेद
(C) सामवेद (D) कृष्णयजुर्वेद

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–92

125. कल्पसूत्रं किम्– UK SLET–2012

(A) श्रौतसूत्रम् (B) शुल्बसूत्रम्
(C) गृह्यसूत्रम् (D) उपर्युक्तं सर्वम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214*

व्याकरण-वेदाङ्ग

126. (i) 'प्रधानञ्च षट्स्वङ्गेषु' किम्? UGC 73 D–2011
(ii) षट् वेदाङ्ग में प्रधान है– UGC 25 J–2015

(A) शिक्षा (B) कल्प
(C) व्याकरणम् (D) ज्योतिष

वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–, पेज–180

127. वेद का मुख है– UGC 73 S–2013, UGC 25 J–1994 2000, 2011, D–1998, 1999, 2001, 2002

(A) ज्योतिषम् (B) छन्दः
(C) निरुक्तम् (D) व्याकरणम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194*

122. (C) 123. (D) 124. (A) 125. (D) 126. (C)
132. (C) 133. (D)

128. (i) व्याकरण को वेद का .... कहते हैं।
(ii) वेदाङ्गेषु 'व्याकरणम्' उपमीयते–
UGC 25 J–2006, 2007, BHU MET–2011, 2012
(A) हस्तेन (B) मुखेन
(C) पादेन (D) चक्षुषा
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

129. (i) वेदशरीरे व्याकरणशास्त्रस्य स्थानमस्ति–
(ii) व्याकरणं वेदपुरुषस्य कीदृशम् अङ्गं भवति–
BHU AET–2012, JNU MET–2015
(A) हस्तः (B) मुखम्
(C) पादः (D) नासिका
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

130. ''ऊहः खल्वपि'' इति कस्य प्रयोजनम् अस्ति–
UGC 25 J–2011
(A) कल्पवेदाङ्गस्य (B) ज्योतिषवेदाङ्गस्य
(C) निरुक्तवेदाङ्गस्य (D) व्याकरणवेदाङ्गस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

131. पदानां प्रकृतेः प्रत्ययस्य च उपदेशकं वेदाङ्गम् अस्ति–
UGC 25 D–2011
(A) कल्पम् (B) शिक्षा
(C) व्याकरणम् (D) छन्दः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193

132. (i) वेदभगवतः मुखत्वेनोपमीयते?
(ii) वेदपुरुष का 'मुख' किसे कहते हैं?
BHU MET–2011, 2012
(A) छन्द (B) कल्प
(C) व्याकरण (D) ज्योतिष
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

133. वेदाङ्गेषु किं शास्त्रं शब्दशास्त्रं कथ्यते–
BHU AET–2012
(A) निरुक्तम् (B) ज्योतिषम्
(C) छन्दः (D) व्याकरणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193

127. (D) 128. (B) 129. (B) 130. (D) 131. (C)

134. 'वेदाङ्गेषु' कस्य मुख्यत्वम्?　　　BHU AET–2012

(A) व्याकरणस्य　　　(B) शिक्षायाः
(C) निरुक्तम्　　　(D) कल्पस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194*

135. वैदिकवाङ्मये ध्वनिविज्ञानस्य प्राचीनं नाम अस्ति– UP GIC–2015

(A) शिक्षा　　　(B) व्याकरणम्
(C) निरुक्तम्　　　(D) कल्पः

***स्रोत**–(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193*
(ii) भाषाविज्ञान - कर्णसिंह, पेज–134

निरुक्त-वेदाङ्ग

136. निरुक्त होता है–
निरुक्त का प्रतिपाद्य विषय है–
UGC 73 J–2014, BHU AET–2011

(A) दशविधम्　　　(B) त्रिविधम्
(C) नवविधम्　　　(D) पञ्चविधम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206*

137. निरुक्ते एकस्य पदस्य बह्वर्थमादाय किं काण्डं प्रवर्तते– UGC 25 J–2014

(A) नैघण्टुकम्　　　(B) दैवतम्
(C) नैगमम्　　　(D) उत्तरषट्कम्

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–(भू0) 11*

138. निघण्टु-शब्देनोच्यते–　　　UGC 25 J–2014

(A) वैदिकशब्दकोशः　　　(B) निरुक्तम्
(C) निधानम्　　　(D) कारकम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204*

139. निरुक्तानुसारं द्वितीयो भावविकारः कः– UGC 25 J–2014

(A) अस्ति　　　(B) विपरिणमते
(C) अपक्षीयते　　　(D) विनश्यति

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23*

134. (A)　135. (A)　136. (D)　137. (C)　138. (A)
144. (C)　145. (C)

140. अग्रणीर्भवति इति निरुक्त्या क उच्यते–

UGC 25, J–2014

(A) वीरः (B) आदित्यः

(C) अश्वः (D) अग्निः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–301*

141. 'निरुक्त' किसका अङ्ग है– UGC 25 J–2002

(A) व्याकरण का (B) वेद का

(C) उपनिषद् का (D) भाषा का

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

142. (i) परिशिष्टभाग को छोड़कर निरुक्त में कितने अध्याय हैं– UGC 25 D–2013, BHU AET–2011

(ii) निरुक्तग्रन्थे कियन्तः अध्यायाः सन्ति (परिशिष्टं विहाय)– BHU MET 2008, 2009, 2013

(A) 6 (B) 12

(C) 14 (D) 17

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू0 25*

143. निरुक्तेऽस्ति– UGC 25 D–2004

(A) वेदमन्त्राणां सङ्ग्रहः (B) वैदिकयज्ञानां प्रक्रिया

(C) वेदमन्त्राणां स्वरविवेचनम् (D) वैदिकशब्दानां निर्वचनम्

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–165*

144. निरुक्तशब्दे को धातुरस्ति– BHU AET–2011

(A) सिद् (B) अद्

(C) वच् (D) नी

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-कोश - वामन शिवराम आप्टे, पेज–535*

145. (i) श्रौतस्थानीयं वेदाङ्गं निरूपितमस्ति–

(ii) वेदपुरुषस्य' श्रोत्रं किमस्ति–

BHU AET–2011, UGC 25 D–2013, 2015

(A) गृह्यसूत्रम् (B) प्रातिशाख्यम्

(C) निरुक्तम् (D) कल्पसूत्रम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

139. (A) 140. (D) 141. (B) 142. (B) 143. (D)

146. यास्कमते पदभेदाः सन्ति? JNU MET–2015

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) त्रिविधः (D) द्वौ

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206*

147. यास्कमते कति पदजातानि सन्ति– UGC 25 D–2005

(A) पञ्च (B) त्रीणि

(C) चत्वारि (D) सप्त

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206

148. 'नैगमकाण्डं' कुत्र वर्तते– UGC 25 J–2006

(A) कल्पे (B) निरुक्ते

(C) ज्योतिषे (D) व्याकरणे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204*

149. आख्यातस्य लक्षणं कुत्र वर्तते– UGC 25 J–2007

(A) शिक्षायाम् (B) ज्योतिषे

(C) छन्दसि (D) निरुक्ते

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

150. देवतानां स्थानानि वर्णितानि सन्ति–
UGC 25 D–2007

(A) व्याकरणे (B) शिक्षायाम्

(C) कल्पे (D) निरुक्ते

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204*

151. वेदाङ्गेषु निरुक्तं भवति– UGC 25 D–2007

(A) मुखम् (B) श्रोत्रम्

(C) घ्राणम् (D) पादः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

152. नैघण्टुकं काण्डं वर्तते– UGC 25 J–2012

(A) शिक्षायाम् (B) शुल्बसूत्रे

(C) छन्दःसूत्रे (D) निघण्टुग्रन्थे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–205*

153. अर्थप्रधानं वर्तते– UGC 25 J–2012

(A) निरुक्तम् (B) छन्दः

(C) शिक्षा (D) कल्पः

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–93*

146. (A)	**147. (C)**	**148. (B)**	**149. (D)**	**150. (D)**
156. (D)	**157. (D)**	**158. (C)**	**159. (B)**	

5 | 154. निरुक्तानुसारं पञ्चमो भावविकारः कः?

UGC 25 J–2012

(A) जायते (B) अपक्षीयते

06 (C) वर्धते (D) विनश्यति

05 स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23

155. 'समुद्द्रवन्त्यस्मादापः' इत्यनेन को निर्दिश्यते–

UGC 25 J–2012

(A) मेघः (B) ह्रदः

06 (C) समुद्रः (D) नदी

स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–214

156. (i) यास्कीय–निरुक्तग्रन्थे काण्डानि विद्यते?

04 (ii) निरुक्तग्रन्थे काण्डसंख्या वर्तते–

7

UGC 25 D–2012, 2015

(A) चतुर्दश (B) द्वादश

(C) पञ्च (D) त्रीणि

07 स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भूमिका-11

07 157. निरुक्तानुसारं तृतीयो भावविकारः कः–

UGC 25 D–2012

(A) अस्ति (B) वर्धते

04 (C) विनश्यति (D) विपरिणमते

07 स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23

158. 'अक्नोपनः' कः भवति– UGC 25 D–2012

(A) आदित्यः (B) अश्वः

00 (C) अग्निः (D) आचार्यः

2 स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–301

159. (i) व्याकरण का कात्स्न्र्य है–

05 (ii) ''व्याकरणस्य कात्स्न्र्यम्'' किमस्ति–

2 UGC 25 J–2013, UGC 73 J–2013

(A) छन्दशास्त्रम् (B) निरुक्तम्

(C) ज्योतिषम् (D) कल्पसाहित्यम्

3 स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–125

151. (B) 152. (D) 153. (A) 154. (B) 155. (C)

160. निघण्टु में कितने काण्ड हैं? BHU MET–2009

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 5

***स्रोत**–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–93*

161. ''इन्द्रियनित्यं वचनमौदुम्बरायणः'' का पाठ जिसमें है, वह ग्रन्थ है? BHU MET–2014

(A) वाक्यपदीय (B) महाभाष्य

(C) निरुक्त (D) अष्टाध्यायी

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–18*

162. वेदाङ्गेषु किं व्याकरणस्य पूरकं भवति– HE–2015

(A) शिक्षा (B) कल्पः

(C) निरुक्तम् (D) ज्योतिषम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–185*

163. निरुक्ते 'षड्भावविकाराः' कस्य सिद्धान्तः–HE–2015

(A) कौत्सस्य (B) शाकपूणेः

(C) वार्ष्यायणेः (D) गार्ग्यस्य

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23*

164. 'आचार्य'-शब्दनिर्वचनेषु कतमं निर्वचनं निरुक्तसम्मतं नास्ति– HE–2015

(A) आचारं ग्रह्णाति (B) आचारं ग्राहयति

(C) आचिनोत्यर्थान् (D) आचिनोति बुद्धिम्

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–35*

165. निरुक्तकारः 'समुद्र'-पदस्य कतिविधं निर्वचनं करोति? HE–2015

(A) त्रिविधम् (B) चतुर्विधम्

(C) पञ्चविधम् (D) सप्तविधम्

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–214*

166. यास्कानुसारं पदं– BHU AET–2010

(A) षड्विधम् (B) पञ्चविधम्

(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–100*

160. (B)	**161. (C)**	**162. (C)**	**163. (C)**	**164. (A)**
170. (A)	**171. (B)**	**172. (A)**	**173. (A)**	**174. (B)**

167. निरुक्ते कीदृशो विधिः स्वीकृतः– BHU AET–2010
(A) सन्धिः (B) व्युत्पत्तिः
(C) समासः (D) निर्वचन
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–165

168. (i) निरुक्तं नाम– BHU AET–2010
(ii) निरुक्तमस्ति– CCSUM-Ph.D–2016
(A) व्याकरणम् (B) प्रमाणम्
(C) निर्वचनविज्ञानम् (D) वचनम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

169. यास्कानुसारेण 'निरुक्तस्य' मूलग्रन्थः– BHU AET–2010
(A) संग्रहः (B) संहिता
(C) सञ्चयनम् (D) निघण्टुः
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू0-23

170. 'निघण्टु'-ग्रन्थे विद्यमानाः काण्डाः– BHU AET–2010
(A) 3 (B) 4
(C) 6 (D) 2
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–93

171. निरुक्ते विषयान् प्रतिपादयति– BHU AET–2010
(A) कात्यायनः (B) यास्कः
(C) पाणिनिः (D) गौतमः
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू0-13

172. निघण्टुग्रन्थे कति अध्यायाः सन्ति?
BHU AET–2011, 2012, 2015
(A) 5 (B) 7
(C) 10 (D) 12
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू0-25

173. निरुक्तस्य वर्ण्यविषयः कः? BHU AET–2011
(A) निर्वचनम् (B) दानम्
(C) अश्वमेधः (D) पितृमेधः
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–165

174. कौत्सानुसारेण मन्त्राः कीदृशाः– BHU AET–2012
(A) अर्थवन्तः (B) अनर्थकाः
(C) उभयम् (D) निरर्थकाः
स्रोत–निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–42

165. (C) 166. (D) 167. (D) 168. (C) 169. (D)

175. यास्कमते आख्यातलक्षणं किं?

BHU AET– 2010, 2011, 2012

(A) भावप्रधानः (B) सत्त्वप्रधानः

(C) धातुप्रधानः (D) शब्दप्रधानः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–10*

176. (i) यास्कानुसारं 'नाम' कीदृशं भवति–

(ii) यास्कमते 'नाम्नः' लक्षणं किम्–

BHU AET–2011, 2012

(A) भावप्रधानः (B) सत्त्वप्रधानः

(C) धातुप्रधानः (D) शब्दप्रधानः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–10*

177. अधोलिखितेषु सन्दर्भेषु निर्वचनं नास्ति–

BHU AET–2011

(A) समुद्द्रवन्ति अस्मादापः (B) समभिद्रवन्ति एनमापः

(C) समुद्यन्ति एनमापः (D) समुदको भवति

हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–214

178. जातवेदाः इत्यस्य निर्वचनं नास्ति– BHU AET–2011

(A) जातं वेदयति (B) जातानि वेद

(C) जातानि एनं विदुः (D) जाते-जाते विद्यते

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–309*

179. 'विश्वान् नरान् नयति' कस्य निर्वचनम् अस्ति?

BHU AET–2011

(A) विश्वकर्मा (B) विश्वामित्रः

(C) वैश्यः (D) वैश्वानरः

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–362*

180. निरुक्तं कस्य ग्रन्थस्य व्याख्यारूपेणास्ति?

BHU AET–2010, 2012

(A) निघण्टोः (B) गीतायाः

(C) अष्टाध्याय्याः (D) ऋक्प्रातिशाख्यम्

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू-23*

175. (A) 176. (B) 177. (C) 178. (A) 179. (D)
185. (C) 186. (C) 187. (B)

181. निघण्टुग्रन्थः कीदृशोऽस्ति– BHU AET–2010

(A) छन्दसंकलनात्मकः (B) अर्थसंकलनात्मकः
(C) शब्दसंकलनात्मकः (D) पद्यसंकलनात्मकः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू-23*

182. कस्मिन् वेदाङ्गे निर्वचनं प्राप्यते? BHU AET–2012

(A) कल्पे (B) व्याकरणे
(C) ज्योतिषे (D) निरुक्ते

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–165*

183. सामान्यतया निरुक्ताध्यायानां संख्या कति मन्यते? BHU AET–2012

(A) दश (B) चतुर्दश
(C) विंशतिः (D) एकविंशतिः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू0-25*

184. यास्करचितस्य निरुक्तस्य आधारग्रन्थः कोऽस्ति? BHU AET–2012

(A) संहिता (B) ब्राह्मणम्
(C) निघण्टुः (D) कल्पः

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–93*

185. निरुक्तानुसारं चत्वारि 'शृङ्गा' इत्यस्य कोऽभिप्रायः? BHU AET–2012

(A) चत्वारो देवाः (B) चत्वारो पुरुषार्थाः
(C) चत्वारो वेदाः (D) चत्वारो जनाः

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–587*

186. 'निरुक्तं' किमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) वेदः (B) महाकाव्यम्
(C) वेदाङ्गम् (D) उपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

187. निरुक्तेऽस्ति– UK SLET–2015

(A) वेदमन्त्राणां संग्रहः (B) वैदिकशब्दानां निर्वचनम्
(C) वेदमन्त्राणां स्वरविवेचनम् (D) वैदिकयज्ञानां प्रक्रिया

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–165*

180. (A) 181. (C) 182. (D) 183. (B) 184. (C)

188. 'आचारं ग्राह्यति' कस्य निर्वचनम्– UK SLET–2015

(A) वीरस्य (B) आचार्यस्य

(C) आदित्यस्य (D) अग्नेः

स्रोत*–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–35*

189. भाव-काल-कारक-संख्याश्च इति चत्वारः अर्थाः भवन्ति– UGC 25 D–2014

(A) नाम्नः (B) निपातस्य

(C) उपसर्गस्य (D) आख्यातस्य

स्रोत*–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–12*

190. वैदिकशब्दानां सविस्तरं विवेचनं कुत्र उपलभ्यते? UGC 25 D–2014

(A) व्याकरणे (B) कल्पे

(C) निरुक्ते (D) शिक्षायाम्

स्रोत*–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–165*

191. अर्थावबोधे निरपेक्षतया पदजातं यत्रोक्तं तत्– UGC 25 D–2014

(A) निरुक्तम् (B) व्याकरणम्

(C) छन्दः (D) ज्योतिषम्

स्रोत*–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू.-11*

192. 'निघण्टु' इति वैदिककोशस्य भाष्यरूपेण अस्ति– UGC 25 D–2014

(A) छन्दसूत्रम् (B) महाभाष्यम्

(C) निरुक्तम् (D) शिक्षासूत्रम्

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–183*

193. 'उनत्तीति' निरुक्त्या अभिधीयते– UGC 25 D–2014

(A) उदक् (B) उषस्

(C) आदित्यः (D) अग्निः

स्रोत*–निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–107*

194. उच्छतीति निरुक्त्या उच्यते? UGC 25 S–2013

(A) वाक् (B) उषाः

(C) उदकम् (D) आदित्यः

स्रोत*–निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–99*

188. (B) 189. (D) 190. (C) 191. (A) 192. (C)
198. (D) 199. (A) 200. (A)

195. (i) कति भावविकाराः? UGC 25 D–2014, S–2013
(ii) यास्कमतेन कति भावविकाराः UGC 25 J–2008
(ii) भावविकार कितने हैं– UGC 73D–2008, 2010
(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) नव
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23

196. यास्कीय-निरुक्तानुसारम् अस्य पदत्वेन स्वीकारः नास्ति? UGC 25 J–2013
(A) नाम्नः (B) उपसर्गस्य
(C) आख्यातस्य (D) प्रत्ययस्य
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–8

197. यजुर्यजतेः इति निरुक्तिः केन प्रदत्ता अस्ति– BHU AET–2011
(A) पाणिनिना (B) यास्केन
(C) कात्यायनेन (D) इन्द्रेण
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63

198. निरुक्तानुसारं चतुर्थो भावविकारः कः? UGC 25 S–2013
(A) अस्ति (B) विनश्यति
(C) अपक्षीयते (D) वर्धते
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23

199. शुद्धं क्रमं चिनुत JNU MET–2014
(A) जायते-अस्ति-विपरिणमते-वर्धते
(B) वर्धते-जायते-विपरिणमते-अस्ति
(C) जायते-अस्ति-वर्धते-विपरिणमते
(D) अस्ति-जायते-विपरिणमते-वर्धते
स्रोत–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23

200. यास्कमते पदभेदाः सन्ति– JNU MET–2014
(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) त्रयः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206

193. (A) 194. (B) 195. (B) 196. (D) 197. (B)

201. वेदशरीरे निरुक्तशास्त्रस्य स्थानमस्ति– JNU MET–2014

(A) श्रोत्रवत्　　(B) चक्षुवत्

(C) घ्राणवत्　　(D) मुखवत्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

202. दुर्गाचार्य की व्याख्या से सम्बन्धित ग्रन्थ है? BHU MET–2015

(A) निरुक्त　　(B) योगसूत्र

(C) न्यायसूत्र　　(D) पाणिनिसूत्र

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–205*

203. 'समाम्नायः समाम्नातः' जिस ग्रन्थ का पहला वाक्य है, वह है? BHU MET–2015

(A) शतपथब्राह्मण　　(B) मनुस्मृति

(C) निरुक्त　　(D) शुक्लयजुर्वेद

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–01*

204. 'अध्वरं युनक्ति, अध्वरस्य नेता' इति वाक्यं कुत्र प्राप्यते? BHU AET–2012

(A) यजुर्वेदे　　(B) कठोपनिषदि

(C) अष्टाध्याय्याम्　　(D) निरुक्ते

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–73*

205. निघण्टोः शब्दराशेः निर्वचनाय वेदाङ्गोऽस्ति– UP GIC–2015

(A) व्याकरणम्　　(B) निरुक्तम्

(C) कल्पः　　(D) शिक्षा

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–184*

206. 'सत्त्वप्रधानम्' इति मन्यते– UGC 25 J–2015

(A) उपसर्गः　　(B) नाम

(C) आख्यातम्　　(D) निपातः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

207. ''तदिदं विद्यास्थानं व्याकरणस्य कार्त्स्न्यम्'' इत्यनेन लक्षितम्– UGC 25 J–2015

(A) कल्पः　　(B) छन्दः

(C) निरुक्तम्　　(D) ज्योतिष

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–185*

201. (A)　202. (A)　203. (C)　204. (D)　205. (B)

211. (B)　212. (C)　213. (C)　214. (A)

.4 | 00 | .15 | 05 | य | 5 | त्र | 2 | .5 | 34 | .5 | 07 | न | 5 | 35

208. यास्कस्य उक्तिः अस्ति– **UK SLET–2012**

(A) तदिदं व्याकरणस्य कात्स्न्र्यम् (B) अथ शब्दानुशासनम्
(C) नियतिकृतनियमरहिताम् (D) पूर्णमदः पूर्णमिदम्

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–185*

209. 'यद् दूरङ्गता भवति' इति निरुक्त्या किम् उपलक्ष्यते?
UGC 25 J–2015

(A) गौः (B) समुद्रः
(C) नदी (D) मेघः

स्रोत*–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–193*

210. निरुक्तशास्त्रे 'अर्थनित्यः परीक्षेत' इति प्राप्यते–
JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) प्रथमाध्याये (B) द्वितीयाध्याये
(C) तृतीयाध्याये (D) द्वादशाध्याये

स्रोत*–निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–61*

211. भावप्रधानं भवति– **UGC 25 J–2014**

(A) व्याख्यानम् (B) आख्यातम्
(C) कारकम् (D) क्रियापदम्

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

212. निघण्टोः चतुर्थाध्यायः केन नाम्ना ज्ञायते–
BHU AET–2012

(A) नैघण्टुकनाम्ना (B) दैवतनाम्ना
(C) नैगमनाम्ना (D) नैरुक्तनाम्ना

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–205*

213. निघण्टोः पञ्चमाध्यायाः केन नाम्ना ज्ञायते?
BHU AET–2012

(A) नैघण्टुकनाम्ना (B) नैगमनाम्ना
(C) दैवतनाम्ना (D) नैरुक्तनाम्ना

स्रोत*–निरुक्तम्-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–02*

214. 'चित्' इति निपातो वर्तते–
UGC 25 D–2012, J–2012

(A) कुत्सार्थे (B) निषेधार्थे
(C) अभावार्थे (D) विकल्पार्थे

स्रोत*–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–40*

206. (B) 207. (C) 208. (A) 209. (A) 210. (B)

215. पादपूरणार्थकः निपातः अस्ति– UGC 25 J–2015

(A) इत् (B) च
(C) ननु (D) इव

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–93*

216. 'वा' इति निपातो वर्तते– UGC 25 S–2013

(A) निषेधार्थे (B) उपमार्थे
(C) विचारणार्थे (D) प्रयोगार्थे

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–48*

217. षड्भावविकाराणां चर्चामकरोत्– UP GDC–2012

(A) शाकटायनः (B) भागुरिः
(C) यास्कः (D) वार्ष्यायणिः

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–23*

218. यास्कः– BHU AET–2010

(A) निरुक्तकारः (B) सूत्रकारः
(C) भाष्यकारः (D) कविः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–183*

219. यास्क का सम्बन्ध है? UP PGT–2005

(A) निरुक्त से (B) प्रातिशाख्य से
(C) महाभाष्य से (D) प्राचीनव्याकरण से

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–183*

220. निर्वचनसिद्धान्त-प्रतिपादकं वेदाङ्गं विद्यते–
UGC 25 D–2015

(A) कल्पशास्त्रम् (B) छन्दःशास्त्रम्
(C) शिक्षा (D) निरुक्तम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–184*

221. निरुक्तशास्त्रसम्मताः देवताः सन्ति?–
JNU M.Phil/Ph. D–2014

(A) एकादश (B) त्रयस्त्रिंशत्
(C) कोटिशः (D) तिस्रः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–186*

215. (A) 216. (C) 217. (D) 218. (A) 219. (A)
225. (A) 226. (A) 227. (C)

छन्द-वेदाङ्ग

222. निम्न में से कौन सा वेदाङ्ग है– UGC 25 D–1998

(A) आरण्यक (B) छन्दस्
(C) ब्राह्मण (D) उपनिषद्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

223. वेदाङ्ग 'छन्दस्' के प्रणेता हैं– UGC 25 D–1999

(A) वेदव्यास (B) श्वेतकेतु
(C) पिङ्गल (D) जैमिनि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199*

224. किस वेदाङ्ग को पाद कहा गया है–
BHU MET–2008, 2010

(A) छन्द (B) ज्योतिष
(C) कल्प (D) व्याकरण

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

225. (i) वेदाङ्ग में 'छन्दस्' कहलाता है?
(ii) छन्दशास्त्रं वेदस्य किमङ्गं विद्यते?
(iii) वेदाङ्गेषु छन्दः उपमीयते–
BHU AET–2010, DSSSB TGT–2014
UGC 25 J–1998, 2012, D–2009

(A) पादः (B) हस्तः
(C) नासिका (D) मुखम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

226. पिङ्गलच्छन्दःसूत्रे वर्ण्यविषयः कः? BHU AET–2011

(A) छन्दः (B) यज्ञः
(C) अर्थवादः (D) मन्त्रः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199, 200*

227. (i) परम्परानुसारं कः देवः छन्दशास्त्रस्य प्रवर्तको मन्यते?
(ii) छन्दसूत्रम् इति वेदाङ्गग्रन्थस्य प्रणेता विद्यते–
BHU AET–2012, UGC 25 D–2015

(A) शिवः (B) वरुणः
(C) पिङ्गलः (D) कालिदासः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199*

220. (D) 221. (D) 222. (B) 223. (C) 224. (A)

228. किं शास्त्रं वृत्तशास्त्रं कथ्यते? BHU AET–2012

(A) व्याकरणम्   (B) ज्योतिषम्

(C) छन्दः   (D) निरुक्तम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199*

229. वैदिकमन्त्रोच्चारणप्रयोजनार्थं कस्य वेदाङ्गस्य अध्ययनम् अनिवार्यम्? UGC 25 D–2015

(A) छन्दसः   (B) कल्पस्य

(C) ज्योतिषस्य   (D) निरुक्तस्य

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199-200*

230. प्रसिद्धानि वैदिकछन्दांसि कति सन्ति? BHU AET–2010

(A) सप्त   (B) चतुर्दश

(C) पञ्चदश   (D) विंशतिः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–28*

231. छन्दःशास्त्रे कस्य तत्त्वस्य गणना क्रियते? BHU AET–2010

(A) कालपरिमाणस्य   (B) वर्णपरिमाणस्य

(C) अर्थपरिमाणस्य   (D) अङ्कपरिमाणस्य

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–28*

232. गायत्री छन्द का सर्वाधिक प्रयोग किस वेद में हुआ है? H-TET–2015

(A) ऋग्वेद   (B) सामवेद

(C) यजुर्वेद   (D) अथर्ववेद

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–28*

233. (i) गायत्रीछन्दसि वर्णाः भवन्ति–

(ii) गायत्रीवृत्ते कति वर्णाः भवन्ति?

(iii) गायत्रीछन्दसि कति अक्षराणि भवन्ति?

(iv) गायत्रीछन्द में अक्षर होते हैं–

UGC 25 J–2003, 2012, BHU AET–2010
AWES TGT–2010, 2011

(A) 24 (चतुर्विंशतिः)   (B) 32 (द्वात्रिंशत्)

(C) 36 (षट्त्रिंशत्)   (D) 40 (चत्वारिंशत्)

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–28*

228. (C) 229. (A) 230. (A) 231. (B) 232. (A)
238. (A) 239. (D) 240. (C)

234. 'अग्निमीळे-----' इति सूक्तस्य छन्दः किम्?

BHU AET–2011

(A) आसुरी (B) गायत्री

(C) प्रजापति (D) शक्वरी

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

235. अस्यवामीयसूक्तस्य छन्दः किम्? **BHU AET–2011**

(A) गायत्री (B) प्रस्तारपंक्तिः

(C) आस्तारपंक्तिः (D) ज्योतिष्मती

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, पेज–195, 199

236. गायत्रीच्छन्दः वर्तते– **BHU AET–2011**

(A) प्रथमसूक्तस्य (B) द्वितीयसूक्तस्य

(C) तृतीयसूक्तस्य (D) चतुर्थसूक्तस्य

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

237. वरुणसूक्ते छन्दः वर्तते? **RPSC ग्रेड-I PGT–2014**

(A) गायत्री (B) अनुष्टुप्

(C) उद्गीथः (D) त्रिष्टुप्

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–68

238. त्रिपादविराड्गायत्री-छन्दसि प्रतिपादं कत्यक्षराणि भवन्ति? **BHU AET–2012**

(A) एकादश (B) त्रयोदश

(C) पञ्चदश (D) अष्टादश

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

239. गायत्री-छन्दसि कति पादाः भवन्ति?

BHU AET–2012

(A) पञ्च पादाः (B) षट् पादाः

(C) सप्त पादाः (D) त्रयः पादाः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

240. वेदे 'गायत्री' एकम्– **AWES TGT–2009**

(A) मन्त्रः (B) स्त्रीपात्रः

(C) छन्दः (D) ऋषिः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

233. (A) 234. (B) 235. (A) 236. (A) 237. (A)

241. गायत्री कस्याभिधानम्– AWES TGT–2012

(A) मन्त्रस्य (B) छन्दसः
(C) प्रार्थनायाः (D) सन्ध्यायाः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

242. उष्णिक्वृत्ते कति वर्णाः भवन्ति?
BHU AET–2010, UGC 25 S–2013 D–2013

(A) 16 (B) 18
(C) 20 (D) 28

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

243. अनुष्टुप्-छन्दसि प्रतिपादं कत्यक्षराणि– UGC 25 J–2008

(A) पञ्च (B) अष्ट
(C) दश (D) द्वादश

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

244. अनुष्टुप्-छन्दसि कति पादाः भवन्ति– BHU AET–2010

(A) पञ्च (B) त्रयः
(C) चत्वारः (D) सप्तः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

245. निम्नलिखित में से कौन सा वेदाङ्ग पद्य रचना से जुड़ा है? UGC 06 J–2015

(A) शिक्षा (B) निरुक्त
(C) कल्प (D) छन्द

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

246. (i) अनुष्टुप् छन्द में अक्षरों की संख्या कितनी है?
(ii) अनुष्टुप्वृत्ते कति वर्णाः भवन्ति–
BHU AET–2010, BHU MET–2012, UGC 73 J–2015

(A) 24 (B) 32
(C) 38 (D) 48

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

247. द्वात्रिंशत् अक्षराणि भवन्ति– UGC 25 J–2015

(A) बृहतीछन्दसि (B) पंक्तिछन्दसि
(C) जगतीछन्दसि (D) अनुष्टुप्-छन्दसि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

241. (B) 242. (D) 243. (B) 244. (C) 245. (D)
251. (B) 252. (B) 253. (C)

248. (i) बृहती-छन्दसि कानि अक्षराणि भवन्ति?

(ii) बृहती छन्दसः अक्षरसंख्या–

BHU AET–2010, 2011, UGC 25 J–2013

(A) 28 (B) 32

(C) 36 (D) 40

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

249. (i) त्रिष्टुप्-छन्दसि अक्षराणि कानि?

(i) त्रिष्टुप्-छन्दसि कियन्तो वर्णाः भवन्ति?

UGC 25 J–2005, 2014, D–2006, D–2015

BHU AET–2010, 2011

(A) 28 (B) 36

(C) 44 (D) 48

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

250. वैदिकछन्दः– BHU AET–2010

(A) त्रिष्टुप् (B) उपेन्द्रवज्रा

(C) वसन्ततिलका (D) आर्या

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–28, 29*

251. इन्द्रसूक्ते प्रयुक्तं छन्दो वर्तते–

RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) गायत्री (B) त्रिष्टुप्

(C) जगती (D) अनुष्टुप्

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–83*

252. विष्णु (1.154) सूक्ते किं छन्दः प्रयुक्तः–

RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) जगती (B) त्रिष्टुप्

(C) पंक्तिः (D) बृहती

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–164*

253. हिरण्यगर्भ-सूक्तस्य किं छन्दः? UGC 25 D–2013

(A) आर्षीनिचृद् (B) आसुरीगायत्री

(C) त्रिष्टुप् (D) पंक्तिः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–405*

246. (B) 247. (D) 248. (C) 249. (C) 250. (A)

254. सरमा-पणि-सूक्तस्य छन्दो वर्तते– UGC 25 J–2009

(A) त्रिष्टुप् (B) जगती

(C) बृहती (D) विराड्गायत्री

स्रोत–*ऋग्वेद (भाग-4) - वेदान्ततीर्थ, पेज–463*

255. जगती-छन्दसि प्रतिपादं कति अक्षराणि भवन्ति? UGC 25 J–2006, 2014, D–2010

(A) दश (B) द्वादश

(C) षोडश (D) अष्ट

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

256. जगती-वृत्ते कति वर्णाः भवन्ति? BHU AET–2010

(A) 24 (B) 28

(C) 32 (D) 48

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

257. अतिजगती-वृत्ते कति वर्णाः भवन्ति– BHU AET–2010

(A) 24 (B) 32

(C) 52 (D) 70

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

254. (A) 255. (B) 256. (D) 257. (C) 258. (A)

258. वैदिकछन्दसि कस्मिन्नपि पादे एकाक्षरन्यूनता अधिकतां कथयति– **BHU AET–2011**

(A) निचृत्/भुरिक् (B) विराड्/स्वरात्

(C) भुरिक्/विराड् (D) निचृत्/स्वराट्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

259. निपातस्य लक्षणमस्ति? **CCSUM–Ph.D–2016**

(A) उच्चावचाः पदार्था भवन्ति (B) भावप्रधानम्

(C)सत्त्वप्रधानानि (D) उच्चावचेष्वर्थेषु

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–33*

260. 'इन्द्रियनित्यम्' वचनमस्ति– **CCSUM–Ph.D–2016**

(A) कौत्सस्य (B) औदुम्बरायणस्य

(C)वार्ष्यायणेः (D) शाकपूणेः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–18*

261. यज्ञयागादिविधानानि प्राप्यन्ते वेदाङ्गे– **CCSUM–Ph.D–2016**

(A) व्याकरणे (B) कल्पे

(C) निरुक्ते (D) ज्योतिषशास्त्रे

स्रोत–*संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

) 259. (D) 260. (B) 261. (B)

10. ज्य

1. (i) वेद का नेत्र है– UGC 73 D–2004, J–2012, 2015
(ii) वेदपुरुषस्य नेत्रमस्ति– UGC 25 D–1996
(ii) किस वेदाङ्ग को 'चक्षु' कहा जाता है–
2004, J–2003, BHU AET–2011

(A) शिक्षा (B) कल्पः
(C) ज्योतिषम् (D) निरुक्तम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

2. (i) वेदाङ्गेषु ज्योतिषमस्ति– UGC 25 D–2008
(ii) वेदाङ्गेषु ज्योतिषमुपमीयते– BHU AET–2012

(A) हस्तेन (B) मुखेन
(C) पादेन (D) चक्षुषा

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

3. यज्ञकालनिर्णयार्थं कस्य वेदाङ्गस्य उपयोगः–
UGC 25 D–2008

(A) कल्पस्य (B) ज्योतिषस्य
(C) शिक्षायाः (D) निरुक्तस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–90

4. (i) वेदपुरुषस्य चक्षुः किम्?
(ii) वेद का 'चक्षु' कहा जाने वाला वेदाङ्ग कौन है?
BHU MET–2010, UP TGT–2002, BHU AET–2011

(A) व्याकरण (B) निरुक्त
(C) ज्योतिष (D) शिक्षा

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

5. कालविधानशास्त्रं किं कथ्यते– BHU AET–2010

(A) कल्पः (B) निरुक्तम्
(C) व्याकरणम् (D) ज्योतिषम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–90

1. (C) 2. (D) 3. (B) 4. (C) 5. (D)
11. (C)

ज्योतिष

15
96
11
35
08
12
35
08
90
?
11
5
10
0

6. ज्योतिषशास्त्रस्य स्कन्धाः सन्ति– BHU AET–2012

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) षट् (D) सप्त

***स्रोत**–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–659*

7. वेदस्य किं नयनम्– BHU Sh.ET–2011

(A) ज्योतिषम् (B) छन्दः

(C) व्याकरणम् (D) कल्पः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

8. चन्द्रस्योच्चराशिः अस्ति–

UGC 73 D–2004, 2008, J–1998

(A) मेषः (B) वृषः

(C) मिथुनः (D) कर्कः

***स्रोत**–बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–33*

9. अष्टोत्तरीदशायां वर्षसंख्या भवति?

UGC 73 D–1997, 1999, 2004

(A) 80 (B) 108

(C) 100 (D) 120

***स्रोत**–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–56*

10. गृहप्रवेशः अस्मिन् वारे न भवति? UGC 73 D–2004

(A) चन्द्रवारे (B) बुधवारे

(C) भौमवारे (D) गुरुवारे

***स्रोत**–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–26*

11. मुहूर्तचिन्तामणेः कर्ताऽस्ति। UGC 73 D–2004

(A) नीलकण्ठदैवज्ञः (B) गणेशदैवज्ञः

(C) रामदैवज्ञः (D) अनन्तदैवज्ञः

***स्रोत**–मुहुर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–भूमिका 7*

6. (A) 7. (A) 8. (B) 9. (B) 10. (C)

12. (i) चन्द्रग्रहणं कदा भवति? UGC 73 D–1992, 1994,
(ii) चन्द्रग्रहणं सम्भवति। 2004, 2005, 2008, 2011, J–2006, BHU AET–2010

(A) अमावस्यायाम्
(B) पूर्णिमायाम्
(C) संक्रान्तौ
(D) पूर्णिमायां शराभावे (पूर्णिमायां प्रतिपत्सन्धौ)

***स्रोत*–संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–26**

13. सौरवर्षे दिनानि भवन्ति– UGC 73 D–2004

(A) 354 (B) 360
(C) 358 (D) 365

***स्रोत*–संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25**

14. गणेशः कस्य तिथेः स्वामी भवति– UGC 73 D–2004

(A) प्रतिपदायाः (B) द्वितीयायाः
(C) तृतीयायाः (D) चतुर्थ्याः

मुहूर्तचिन्तामणि (शुभाशुभप्रकरणम्) - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–11

15. उत्तरमन्वेषणीयम्– UGC 73 D–2004

R-जन्माङ्गचक्रस्य नवमभावाद् भाग्यविचारः क्रियते
S-जन्माङ्गचक्रस्य द्वादशभावात् सन्ततिविचारः क्रियते

(A) R अशुद्धः, S शुद्धः (B) R शुद्धः, S अशुद्धः
(C) उभावशुद्धौ (D) उभौ शुद्धौ

***स्रोत*–ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–176**

16. (i) नक्षत्राणि कति स्वीकृतानि? UGC 73 J–2005, 2007
(ii) नक्षत्राणां संख्याऽस्ति– D–2012, BHU Sh-ET–2013

(A) द्वादश (12) (B) विंशतिः (20)
(C) सप्तविंशतिः (27) (D) चतुर्दश (14)

***स्रोत*–ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–11**

17. बुधस्योच्चराशिरस्ति– UGC 73 J–2005, D–1994

(A) कन्या (B) मिथुनः
(C) धनुः (D) मीनः

***स्रोत*–संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–1**

12. (D) 13. (D) 14. (D) 15. (B) 16. (C)
22. (D) 23. (C)

4, 8, 10

18. नियतसमये संस्कारो भवति– UGC 73 J–2005

(A) उपनयनम् (B) नामकरणम्

(C) चूडाकरणम् (D) विवाहः

स्रोत–*मुहुर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–239*

19. चन्द्रग्रहणस्य मोक्षः कस्यां दिशि भवति– UGC 73 J–2005

(A) पश्चिमायाम् (B) पूर्वस्याम्

(C) उत्तरस्याम् (D) दक्षिणस्याम्

स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–35*

20. सूर्यग्रहणे छादको भवति– UGC 73 J–2005, UGC 73 D–2013

(A) पृथिवी (B) भौमः

(C) राहुः (D) चन्द्रः

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–37*

21. सावनदिवसस्य स्वरूपं किम्? UGC 73 J–2005

(A) सूर्यस्यैकांशभोगकालमितम्

(B) सूर्योदयादपरसूर्योदयं यावत्

(C) सूर्यचन्द्रयोर्द्वादशांशान्तरमितम्

(D) षष्टिघट्यात्मकम्

स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

22. शनेरधः कस्य ग्रहस्य कक्षास्ति? UGC 73 J–2005

(A) शुक्रस्य (B) बुधस्य

(C) सूर्यस्य (D) गुरोः

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–13*

23. स्थिरराशयो भवन्ति– UGC 73 J–2005

(A) कन्यातुलामकरमीनराशयः

(B) वृषमिथुनधनुमकरराशयः

(C) वृषसिंहवृश्चिककुम्भराशयः

(D) मेषमिथुनधनुकर्कराशयः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–91*

17. (A) 18. (B) 19. (A) 20. (D) 21. (B)

24. नक्षत्रेषु हस्तनक्षत्रस्य संख्या कतमा? UGC 73 D–2005

(A) एकादशी (B) द्वादशी

(C) त्रयोदशी (D) चतुर्दशी

स्रोत–*मुहुर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–77*

25. गोपालस्य राशिः कः? UGC 73 D–2005

(A) मकरः (B) मीनः

(C) कुम्भः (D) मेषः

स्रोत–*मुहुर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–363*

26. वैदिककाले नक्षत्रगणना कस्मात् नक्षत्रात् प्रारभ्यते स्म? UGC 73 D–2005

(A) कृत्तिकायाः (B) स्वातीतः

(C) अश्विनीतः (D) चित्रातः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष का इतिहास - गोरखप्रसाद, पेज–31*

27. अभिजिन्नक्षत्रसंख्या का? UGC 73 D–2005

(A) सप्तविंशतिः (B) षड्विंशतिः

(C) अष्टाविंशतिः (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–68*

28. ग्रहणे स्पर्शकालतो मध्यग्रहणं यावत् कालस्य नाम किम्? UGC 73 D–2005

(A) स्थित्यर्धघटी (B) विमर्दघटी

(C) स्थितिघटी (D) विमर्दार्धघटी

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–172*

29. महायुगानां सौरवर्षात्मकं कियन्मितम्? UGC 73 D–2005

(A) 432000 (B) 4320000

(C) 43200000 (D) 43200

स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–34*

30. दिव्यमहोरात्रम्भवति– UGC 73 D–2005

(A) षण्मासात्मकम् (B) सौरवर्षात्मकम्

(C) सूर्यसङ्क्रान्तिमितम् (D) चन्द्रवर्षमितम्

स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

24. (C) 25. (C) 26. (A) 27. (C) 28. (A)
34. (B) 35. (D) 36. (B) 37. (D)

31. सूर्यस्य उच्चराशिः अस्ति–

BHU AET–2012, UGC 73 J–2006, 2012 D–2015

(A) मेषः (B) वृषः

(C) मिथुनः (D) कर्कः

***स्रोत**–बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–33*

32. विंशोत्तरी-दशायां वर्षाणि भवन्ति–

UGC 73 J–1999, 2006, 2011, D–1994, 2008

(A) 36 (B) 100

(C) 108 (D) 120

***स्रोत**–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–57*

33. गुरुः पश्यति– UGC 73 J–2006

(A) तृतीयं दशमञ्च स्थानम्

(B) चतुर्थमष्टमञ्च स्थानम्

(C) पञ्चमं नवमञ्च स्थानम्

(D) लग्नस्थानम्

***स्रोत**–लघुपाराशरी (उडुदायप्रदीप)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–24*

34. दिनरात्रिमाने समाने भवति–

UGC 73 J–1999, 2006, D–1999, 1997

(A) अयनदिने (B) विषुवद्दिने

(C) संक्रान्तौ (D) पूर्णिमायाम्

***स्रोत**–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–348*

35. कस्य कक्षा ग्रहेषु सर्वोपरि वर्तते– UGC 73 J–2006

(A) बुधस्य (B) बृहस्पतेः

(C) शुक्रस्य (D) शनैश्चरस्य

***स्रोत**–मुहुर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–भू. 13*

36. बुधोऽस्य स्वामी वर्तते– UGC 73 D–2006

(A) मेषस्य (B) मिथुनस्य

(C) वृषस्य (D) कर्कस्य

***स्रोत**–मुहुर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

37. रविदशावर्षाणि– CVVET–2015

(A) 8 (B) 20

(C) 9 (D) 6

***स्रोत**–बृहद्अबकहड़ाचक्रम् - एस0 के0 झा सुमन, पेज–73*

29. (A) 30. (B) 31. (A) 32. (D) 33. (C)

38. अस्य कोऽपि ग्रहः शत्रुर्न भवति– UGC 73 D–2006

(A) सूर्यस्य (B) भौमस्य
(C) चन्द्रस्य (D) बुधस्य

***स्रोत**–बृहद् अबकहड़ाचक्रम्-एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–102*

39. विवाहमुहूर्ते कतिविधाः दोषाः भवन्ति– UGC 73 D–2006

(A) 2 (B) 4
(C) 8 (D) 10

***स्रोत**–ज्योतिशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–129*

40. दिनमानं वर्धते– UGC 73 D–2006

(A) उत्तरायणे (B) दक्षिणायणे
(C) वर्षारम्भे (D) वर्षमध्ये

***स्रोत**–संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–27*

41. कस्य कक्षा भूमेः निकटमस्ति– UGC 73 D–2006, J–2007

(A) सूर्यस्य (B) चन्द्रस्य
(C) भौमस्य (D) बुधस्य

***स्रोत**–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–भू. 13*

42. (i) सूर्यग्रहण होता है? UGC 73 D–2006, 2012
(ii) सूर्यग्रहणं भवति– J–1998, 2008, 2012, 1999

(A) पूर्णिमायाम् (B) अमायाम्
(C) संक्रान्तौ (D) अमायां शराभावे

***स्रोत**–संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–35*

43. उत्तरम् अन्वेषणीयम्– UGC 73 J–2007

R-जन्माङ्गचक्रस्य द्वितीयभावाद् धनविचारः क्रियते।
S-जन्माङ्गचक्रस्य पञ्चमभावाद् व्ययविचारः क्रियते

(A) R शुद्धः S अशुद्धः (B) R अशुद्धः A शुद्धः
(C) उभौ शुद्धौ (D) उभौ अशुद्धौ

***स्रोत**–ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–175*

44. सूर्यस्य संक्रमणे उत्तरगोलः भवति– UGC 73 J–2007, D–2012

(A) मेषे (B) मिथुने
(C) वृषभे (D) सिंहे

***स्रोत**–ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–7*

38. (C) 39. (D) 40. (A) 41. (B) 42. (D)
48. (C) 49. (A) 50. (C)

45. पापग्रहः अस्ति– **UGC 73 J–2007**

(A) बुधः (B) शुक्रः

(C) रविः (D) चन्द्रः

***स्रोत**–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–37*

46. अधिमासो भवति–

UGC 73 J–1998, 2007, 2012, D–1996, 1999

(A) ससंक्रान्तिमासः (B) द्विसंक्रान्तिमासः

(C) असंक्रान्तिमासः (D) अन्यः मासः

***स्रोत**–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–193*

47. एकस्मिन् कल्पे महायुगानि भवन्ति–

UGC 73 J–2007

(A) 10 (B) 100

(C) 500 (D) 1000

***स्रोत**–संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

48. भूभ्रमणसिद्धान्त अनेन प्रतिपादितः–

UGC 73 J–1991, 2007, D–1992, 1996

(A) भास्करेण (B) भट्टकमलाकरेण

(C) आर्यभट्टेन (D) गणेशदैवज्ञेन

***स्रोत**–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–69*

49. समुचितमुत्तरं देयम्– **UGC 73 D–2007**

(a) त्रिकोणेश–स्वदशायां शुभं फलं प्रयच्छति।

(b) त्रिषडायधीश–स्वदशायां शुभं फलं प्रयच्छति।

(c) त्रिकोणेश–स्वदशायां पापं फलं प्रयच्छति।

(d) त्रिकोणेश–स्वदशायां स्वभुक्तौ शुभं फलं प्रयच्छति।

(A) शुद्ध (B) शुद्ध

(C) शुद्ध (D) शुद्ध

***स्रोत**–लघुपाराशरी (उडुदायप्रदीप)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–83*

50. भवननिर्माणाय शोककरः मासः अस्ति–

UGC 73 D–2007

(A) माघः (B) फाल्गुनः

(C) चैत्रः (D) वैशाखः

***स्रोत**–बृहद् अबकहडाचक्रम् - एस0 के झा 'सुमन', पेज–128*

43. (A) 44. (A) 45. (C) 46. (C) 47. (D)

51. मलमासः भवति प्रति– UGC 73 D–2007

(A) पञ्चमवर्षे (B) सप्तमवर्षे
(C) द्वादशवर्षे (D) तृतीयवर्षे

स्रोत–*बृहद् अबकहड़ाचक्रम् - एस0 के झा 'सुमन', पेज–23*

52. जन्मकुण्डल्यां निरीक्ष्यते विवाहविषयः केन भावेन– UGC 73 D–2007

(A) द्वितीयेन (B) चतुर्थेन
(C) पञ्चमेन (D) सप्तमेन

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–315*

53. क्षयमासो भवति– UGC 73 D–1997, 2007, S–2013

(A) असंक्रान्तिमासः (B) द्विसंक्रान्तिमासः
(C) ससंक्रान्तिमासः (D) अन्यः मासः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–8*

54. भूमेः दूरतमा कक्षा वर्तते अस्य– UGC 73 D–2007

(A) बुधस्य (B) शुक्रस्य
(C) बृहस्पतेः (D) शनैश्चरस्य

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–भूमिका 13*

55. एकस्मिन् मन्वन्तरे महायुगानि भवन्ति– UGC 73 D–2007

(A) 31 (B) 51
(C) 71 (D) 81

स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

56. उदयान्तरसंस्कारः अनेनाविष्कृतः– UGC 73 D–2007

(A) ब्रह्मगुप्तेन (B) भास्करेण
(C) श्रीपतिना (D) भट्टकमलाकरेण

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-16) - श्रीनिवासरथ/ रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–364*

57. भौमस्य नीचराशिः अस्ति– UGC 73 J–2008, 2012

(A) मेषः (B) वृषः
(C) मिथुनम् (D) कर्कः

स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–01*

51. (D) 52. (D) 53. (B) 54. (D) 55. (C)
61. (C) 62. (D) 63. (D) 64. (A)

58. **सन्तानभावः कथ्यते–** **UGC 73 J–2008**

(A) प्रथमभावः (B) द्वितीयभावः

(C) तृतीयभावः (D) पञ्चमभावः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–307*

59. **बृहस्पतिः फलदायी अस्ति–** **UGC 73 J–2008**

(A) लग्ने (B) पाताले

(C) व्यये (D) अष्टमे

स्रोत–*मानसागरी - सीताराम झा, पेज–104*

60. **कुम्भराशेः स्वामी अस्ति–** **UGC 73 D–2008**

(A) गुरुः (B) सूर्यः

(C) शुक्रः (D) शनिः

स्रोत–*वृहद् अवकहडा चक्र - डा0 एस0 के0 झा, पेज–95*

61. **प्रतिष्ठादि-शुभकार्याणां प्रारम्भः भवति–** **UGC 73 D–2008**

(A) दक्षिणायने (B) संक्रान्तौ

(C) उत्तरायणे (D) पौर्णमास्याम्

स्रोत–*बृहदवकहडाचक्रम् - अवधबिहारी त्रिपाठी, पेज–03*

62. **सूर्यस्य मकरराशौ संक्रमणे का संक्रान्तिः भवति–** **UGC 73 D–2008**

(A) मेषसंक्रान्तिः (B) वृषभसंक्रान्तिः

(C) मिथुनसंक्रान्तिः (D) मकरसंक्रान्तिः

स्रोत–*बृहद्वकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–62*

63. **भाग्यस्थानं वर्तते–** **UGC 73 J–2009**

(A) पञ्चमभावः (B) सप्तमभावः

(C) दशमभावः (D) नवमभावः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–328*

64. **चन्द्रः नीचस्थो भवति–** **UGC 73 J–2009**

(A) वृश्चिकराशौ (B) धनुराशौ

(C) मिथुनराशौ (D) मकरराशौ

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–01*

56. (B) 57. (D) 58. (D) 59. (A) 60. (D)

65. काकिणीविचारः क्रियते– UGC 73 J–2009, D–2010

(A) हस्तमेलापके (B) गृहनिर्माणे

(C) द्विरागमने (D) विदेशगमने

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–574-575*

66. उत्तरगोलः भवति– UGC 73 J–2009

(A) मेषात् (B) वृषभात्

(C) मिथुनात् (D) कर्कात्

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–07*

67. द्वयभानुभोगात् भवति– UGC 73 J–2009

(A) मासः (B) पक्षः

(C) ऋतुः (D) वर्षः

स्रोत–*बृहदवकहडाचक्रम् - अवधबिहारी त्रिपाठी, पेज–03*

68. चन्द्रः पापफलं ददाति– UGC 73 D–2009

(A) पञ्चमे (B) तृतीये

(C) द्वितीये (D) अष्टमे

स्रोत–*मानसागरी - सीताराम झा, पेज–98*

69. नाडीदोषः विचार्यते– UGC 73 D–2009

(A) विवाहे (B) चूडाकरणे

(C) पुंसवने (D) उपनयने

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–355*

70. नक्षत्रमालायां चतुर्थस्थानं वर्तते– UGC 73 D–2009

(A) अश्विनीनक्षत्रस्य (B) भरणीनक्षत्रस्य

(C) हस्तनक्षत्रस्य (D) रोहिणीनक्षत्रस्य

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–77*

71. शनिः सूर्यं परिक्रमते– UGC 73 J–2008, D–2009

(A) विंशतिवर्षाणि (B) त्रिंशत्वर्षाणि

(C) चत्वारिंशत्वर्षाणि (D) द्वादशवर्षाणि

स्रोत–*बृहद् अबकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–74*

72. गुरोः उच्चराशिः अस्ति– UGC 73 J–2010

(A) मेषः (B) वृषभः

(C) कर्कः (D) कन्या

स्रोत–*लघुजातकम् -कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–13*

65. (B)	**66. (A)**	**67. (C)**	**68. (D)**	**69. (A)**
75. (A)	**76. (A)**	**77. (D)**	**78. (C)**	**79. (A)**

73. जन्मकुण्डल्यां गृहविचारः कुतः क्रियते?

UGC 73 J–2010

(A) प्रथमभावात् (B) तृतीयभावात्

(C) नवभावात् (D) चतुर्थभावात्

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–304*

74. सूर्यस्य शत्रुः कः? UGC 73 J–2010

(A) बुधः (B) बृहस्पतिः

(C) शुक्रः (D) मङ्गलः

स्रोत–*बृहद्अबकहडाचक्रम् - एस० के० झा 'सुमन', पेज–102*

75. सर्वप्रथमं भूमेश्चलत्वं केन स्वीकृतम्?

UGC 73 J–2010

(A) आर्यभट्टेन (B) श्रीपतिना

(C) लल्लेन (D) भास्कराचार्येण

स्रोत–*संस्कृत शास्त्रों का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय, पेज–69*

76. चन्द्रमासमानं किम्? UGC 73 J–2010

(A) रवीन्दोर्युतिः संयुतिर्यावदन्या

(B) पौर्णमासीतः अपरसंक्रान्तिं यावत्

(C) संक्रान्तितः अपरसंक्रान्तिं यावत्

(D) त्रिंशद्दिनात्मकम्

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

77. परमक्रान्तिज्यामानं भवति? UGC 73 J–2010

(A) त्रिज्यामितम् (B) `120' कलात्मकम्

(C) `24' कलात्मकम् (D) `1397' कलापरिमितम्

78. कर्कः कस्य ग्रहस्य नीचराशिः अस्ति?

UGC 73 D–2010

(A) शुक्रस्य (B) बुधस्य

(C) भौमस्य (D) शनेः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–01*

79. जातके कः पापग्रहोऽस्ति– UGC 73 D–2010

(A) मङ्गलः (B) शुक्रः

(C) बुधः (D) बृहस्पतिः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–03*

70. (D) 71. (B) 72. (C) 73. (D) 74. (C)

80. चन्द्रग्रहणे चन्द्रसूर्यान्तरं भवति–UGC 73 D–2010

(A) 90° (B) 270°

(C) 180° (D) 360°

स्रोत–*संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–35*

81. देवानां दिनार्द्धं दैत्यानाञ्च रात्र्यर्द्धं कदा भवति? UGC 73 D–2010

(A) मेषराशिस्थिते सूर्ये (B) कर्कराशिस्थिते सूर्ये

(C) मिथुनान्ते रविस्थिते (D) मकरान्ते रविस्थिते

स्रोत–*बृहद्अबकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–20*

82. लम्बनाभावः कुत्र जायते? UGC 73 D–2010

(A) क्षितिजे (B) खमध्ये

(C) वित्रिभे (D) उन्मण्डले

स्रोत–*गोलपरिभाषा - कमलाकान्त शुक्ल, पेज–16*

83. शुक्रस्य नीचराशिरस्ति– UGC 73 J–2011

(A) वृषः (B) कन्या

(C) मकरः (D) कर्कः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–01*

84. आजीविकाविचारस्य प्रधानभावः– UGC 73 J–2011

(A) दशमः (B) द्वादशः

(C) षष्ठः (D) प्रथमः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–332*

85. ध्रुवोन्नतिः कथ्यते? UGC 73 J–2011

(A) नतांश (B) लम्बांश

(C) अक्षांश (D) विषुवांश

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–317*

86. अहर्गणमानं भवति– UGC 73 J–2011

(A) कल्पात्मकः (B) वर्षात्मकः

(C) मासात्मकः (D) दिनात्मकः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–220*

80. (C)	**81. (C)**	**82. (B)**	**83. (B)**	**84. (A)**
90. (C)	**91. (C)**	**92. (B)**	**93. (A)**	

87. 'आकृष्यते तत्पततीव भाति' इत्युक्तिरस्ति– **UGC 73 J–2011**

(A) भास्कराचार्यस्य (B) आर्यभट्टस्य

(C) सुधाकरस्य (D) महावीराचार्यस्य

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-16) - श्रीनिवासरथ/ रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–350*

88. विवाहमेलापके अष्टवर्गगुणसंख्या– **UGC 73 D–2011**

(A) 18 (B) 8

(C) 108 (D) 36

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–362*

89. पञ्चमभावकारकोऽस्ति– **UGC 73 D–2011**

(A) बुधः (B) गुरुः

(C) चन्द्रः (D) शनिः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–101*

90. मारकस्थानमस्ति– **UGC 73 D–2011**

(A) दशम (B) चतुर्थ

(C) सप्तम (D) द्वादश

स्रोत–*लघुपाराशरी (उडुदायप्रदीप) - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–37*

91. कस्मिन् वृत्ते सूर्यस्य कक्षा? **UGC 73 D–2011**

(A) क्षितिजवृत्ते (B) कदम्बवृत्ते

(C) क्रान्तिवृत्ते (D) नाडीवृत्ते

स्रोत–*गोलपरिभाषा - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–10*

92. अहर्गणोऽस्ति? **UGC 73 D–2011**

(A) वर्षगणः (B) दिनगणः

(C) मासगणः (D) ऋतुगणः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–220*

93. सूर्यस्य संक्रमणे ऋतुपरिवर्तनं भवति– **UGC 73 J–2012**

(A) राशिद्वये (B) राशित्रये

(C) एकराशौ (D) पञ्चराशौ

स्रोत–*संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–10*

85. (C) 86. (D) 87. (A) 88. (D) 89. (B)

94. ......राशिः भवति– UGC 73 J–2012

(A) नक्षत्रद्वयात् (B) सपादनक्षत्रद्वयात्

(C) नक्षत्रत्रयात् (D) पादोनत्रयात्

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्करशास्त्री, पेज–89*

95. सप्तमस्थाने मंगल-शुक्र-शनिगृहाणां युतौ ..... भवति– UGC 73 J–2012

(A) राजयोगः (B) केमद्रुमयोगः

(C) द्विभार्ययोगः (D) सन्तानयोगः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–316*

96. वेदस्य चक्षुर्भवति– UGC 73 J–2012

(A) धर्मशास्त्रम् (B) ज्योतिषम्

(C) व्याकरणम् (D) छन्दः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85

97. शनिः द्वादशराशिं .... भुङ्क्ते– UGC 73 J–2012

(A) एकवर्षम् (B) विंशतिवर्षाणि

(C) त्रिंशत्वर्षाणि (D) द्वादशवर्षाणि

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–103*

98. सूर्यस्य संक्रमणे .... दक्षिणगोलो भवति– UGC 73 J–2012

(A) मेषराशौ (B) वृषभराभौ

(C) तुलाराशौ (D) वृश्चिकराशौ

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–07*

99. भौमः .... नीचस्थो भवति– UGC 73 J–2012

(A) मेषराशौ (B) वृषभराशौ

(C) कर्कराशौ (D) सिंहराशौ

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–01*

100. (i) बृहस्पति की उच्चराशि कौन सी है–

(ii) बृहस्पतिः .... उच्चस्थो भवति–

UGC 73 J–2012, 2015

(A) मेषराशौ (B) वृषभराशौ

(C) कर्कराशौ (D) सिंहराशौ

स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–33*

94. (B) 95. (C) 96. (B) 97. (C) 98. (C)
104. (C) 105. (D) 106. (D) 107. (D)

101. भौमस्य राशिः .... वर्तते– UGC 73 J–2012

(A) मेषः (B) मिथुनः

(C) कर्कः (D) कन्या

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

102. सूर्यः कस्य राशेः स्वामी वर्त्तते– UGC 73 D–2012

(A) कर्कस्य (B) मेषस्य

(C) सिंहस्य (D) मकरस्य

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

103. सुखं विचार्यते– UGC 73 D–2012

(A) प्रथमस्थानात् (B) द्वितीयस्थानात्

(C) तृतीयस्थानात् (D) चतुर्थस्थानात्

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–302*

104. पापग्रहः अस्ति– UGC 73 D–2012

(A) शुक्रः (B) बृहस्पतिः

(C) भौमः (D) चन्द्रः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–95*

105. राशिः भवति– UGC 73 D–2012

(A) एकनक्षत्रस्य (B) नक्षत्रद्वयस्य

(C) नक्षत्रत्रयस्य (D) सपादनक्षत्रद्वयस्य

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–89*

106. कालविज्ञापकं शास्त्रमस्ति? UGC 73 D–2012

(A) वेदान्तः (B) पुराणम्

(C) भूगोलम् (D) ज्योतिषम्

स्रोत–*संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–54*

107. भौमः सूर्यं .... यावत् परिक्रमते–

UGC 73 D–2012

(A) त्रिंशत्दिनानि (B) चत्वारिंशत्दिनानि

(C) पञ्चचत्वारिंशत्दिनानि (D) सार्द्ध-एकमासम्

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–103*

99. (C) 100. (C) 101. (A) 102. (C) 103. (D)

108. पारस्करगृह्यसूत्रानुसारेण निष्क्रमणसंस्कारः .... मासे भवति– **UGC 73 D–2012**

(A) पञ्चमे (B) तृतीये

(C) चतुर्थे (D) प्रथमे

स्रोत–*भारतीय संस्कृति - दीपक कुमार, पेज–118*

109. त्रिक्-भावोऽस्ति– **UGC 73 J–2013**

(A) द्वितीयः (B) सप्तमः

(C) षष्ठः (D) एकादशः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–177*

110. प्रतिपत्-तिथेः स्वामी– **UGC 73 J–2013**

(A) ब्रह्मा (B) गौरी

(C) वह्निः (D) गणेशः

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि (श्लोक-3)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–11*

111. अभुक्तमूलं भवति? **UGC 73 J–2013**

(A) रेवत्याश्विनीयोगे (B) श्लेषामघायोगे

(C) ज्येष्ठामूलयोगे (D) वैधृतिसंयोगे

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–70*

112. सूर्योदयान्तराले भवति– **UGC 73 J–2013**

(A) चान्द्रदिनम् (B) सौरदिनम्

(C) सावनदिनम् (D) नाक्षत्रदिनम्

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

113. सूर्यग्रहणं भवति– **UGC 73 J–2013**

(A) अमादौ (B) पूर्णिमादौ

(C) प्रतिपदादौ (D) प्रतिपदान्ते

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–35*

114. उपनयनेऽब्जभार्गवौ न शुभौ स्याताम्– **UGC 73 J–2013**

(A) चतुर्थभावे (B) अष्टमभावे

(C) दशमभावे (D) द्वादशभावे

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–279*

108. (C) 109. (C) 110. (C) 111. (C) 112. (C)
118. (B) 119. (B) 120. (A) 121. (C) 122. (C)

... 2 .3 .3 .3 .3 .3 .3

115. नामकरणं कुर्यात्– UGC 73 J–2013

(A) अश्विन्याम् (B) मघायाम्

(C) आश्लेषायाम् (D) विशाखायाम्

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–241*

116. तिथिर्भवति– UGC 73 J–2013

(A) सौरमासः (B) नाक्षत्रमासः

(C) चान्द्रमासः (D) सावनमासः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

117. 'मनूनकाः स्यात् ग्रहणस्य सम्भवः' उक्तिरस्ति– UGC 73 J–2013

(A) वराहस्य (B) आर्यभट्टस्य

(C) कमलाकरस्य (D) भास्करस्य

118. बृहत्तमा कक्षाऽस्ति– UGC 73 J–2013

(A) बृहस्पतेः (B) मन्दस्य

(C) सितस्य (D) रवेः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–36*

119. ध्रुवसंज्ञकनक्षत्रमस्ति– UGC 73 J–2013

(A) कृत्तिका (B) रोहिणी

(C) मृगशीर्षः (D) आर्द्रा

मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्रप्रकरणम्)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–111

120. सूर्यस्य मूलत्रिकोणराशिरस्ति? UGC 73 D–2013

(A) सिंहः (B) तुला

(C) कन्या (D) वृश्चिकः

स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–34*

121. मेषराशौ सूर्यः स्यात् तर्हि ऋतुः भवति– UGC 73 D–2013

(A) शिशिरः (B) ग्रीष्मः

(C) बसन्तः (D) वर्षाः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–7*

122. षष्ठीतिथेरधिपतिरस्ति– UGC 73 D–2013

(A) सूर्यः (B) शिवः

(C) कार्तिकेयः (D) विष्णुः

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि (श्लोक-3)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–10*

113. (C) 114. (D) 115. (A) 116. (C) 117. (D)

123. दिगंशाः भवन्ति?　　　　UGC 73 D–2013

(A) क्षितिजे　　(B) अभयवृत्ते
(C) छग्वृत्ते　　(D) क्रान्तिवृत्ते

124. विषुवांशाः भवन्ति–　　　　UGC 73 D–2013

(A) क्रान्तिवृत्ते　　(B) कदम्बवृत्ते
(C) विषुवद्वृत्ते　　(D) कोणवृत्ते

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–63*

125. सूर्यग्रहणस्य स्पर्शो भवति– UGC 73 D–2013, S–2013

(A) पूर्वतः　　(B) सौम्यतः
(C) पश्चिमतः　　(D) याम्यतः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–35*

126. ''कविज्यचन्द्रलग्नपा'' व्रतबन्धेऽधमाः भवन्ति–
UGC 73 D–2013

(A) तनौ　　(B) रिपौ
(C) धने　　(D) व्यये

मुहूर्तचिन्तामणि (संस्कारप्रकरणम्)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–279

127. त्रिज्येष्ठमुपयुक्तं न भवति–　　　　UGC 73 D–2013

(A) व्रतबन्धे　　(B) विवाहे
(C) द्विरागमने　　(D) चौले

स्रोत–*बृहद्अबकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–25*

128. नक्षत्रमानं भवति–　　　　UGC 73 D–2013

(A) 13°20'　　(B) 13°10'
(C) 13°00'　　(D) 30°00'

स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–25*

129. कीटराशिरस्ति–　　　　UGC 73 D–2013

(A) धनुः　　(B) कर्कः
(C) मकरः　　(D) मीनः

स्रोत–*लघुजातकम् - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–9*

130. आयुर्दायार्थं यो ग्रहः स्वोच्चे स्यात्तदा कर्त्तव्यम्–
UGC 73 D–2013

(A) द्विगुणम्　　(B) त्रिगुणम्
(C) चतुर्गुणम्　　(D) षडघ्नम्

स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–317*

123. (A)	**124. (C)**	**125. (C)**	**126. (B)**	**127. (B)**
133. (A)	**134. (A)**	**135. (D)**	**136. (B)**	**137. (D)**

131. जन्मनि चरराशिषु सर्वैर्ग्रहैर्भवति– UGC 73 D–2013

(A) रज्जुयोगः (B) मुसलयोगः

(C) नलयोगः (D) चापयोगः

***स्रोत**–बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–252*

132. सूर्येन्दु-भगणयोरन्तरम्भवति– UGC 73 D–2013

(A) चान्द्रमासः (B) सौरमासः

(C) अधिमासः (D) क्षयमासः

***स्रोत**–संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

133. गुरुवासरे तृतीयहोरेशो भवति– UGC 73 D–2013

(A) सूर्यः (B) शुक्रः

(C) चन्द्रः (D) बुधः

***स्रोत**–बृहद्अबकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–36*

134. तिथ्यन्तसूर्योदयोर्मध्ये सदैव तिष्ठति– UGC 73 D–2013

(A) अवमशेषम् (B) तिथिशेषम्

(C) क्षयशेषम् (D) अधिशेषम्

***स्रोत**–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–138*

135. एकस्मिन् वर्षे चन्द्रार्कग्रहणानामधिकतमा संख्या भवति– UC 73 D–2013

(A) 3 (B) 5

(C) 9 (D) 7

136. सर्वप्रथमं भूभ्रमणं सिद्धान्तं कथितम्? UGC 73 D–2013

(A) भास्करेण (B) आर्यभट्टेन

(C) वराहमिहिरेण (D) कात्यायनेन

***स्रोत**–भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–83*

137. शनेः मूलत्रिकोणराशिरस्ति? UGC 73 S–2013, J–2014

(A) वृषभराशिः (B) मकरराशिः

(C) तुलाराशिः (D) कुम्भराशिः

***स्रोत**–बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–34*

138. 'हेली' संज्ञास्ति? UGC 73 S–2013

(A) अर्कस्य (B) शनेः

(C) भौमस्य (D) राहोः

***स्रोत**–बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–27*

128. (A) 129. (B) 130. (A) 131. (A) 132. (A)

138. (A)

139. केन्द्रत्रिकोणयोः सम्बन्धेन भवति– UGC 73 S–2013

(A) सुनफायोगः (B) वेशियोगः

(C) राजयोगः (D) दरिद्रयोगः

लघुपाराशरी (उडुदायप्रदीप) - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–102

140. गोलपरिवर्तनं भवति– UGC 73 S–2013

(A) मेषतुलाराशौ (B) मकरकर्कराशौ

(C) तुलावृश्चिकराशौ (D) कर्कसिंहराशौ

***स्रोत**–ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–07*

141. एकस्मिन् कल्पे मनूनां संख्या भवति? UGC 73 S–2013

(A) विंशतिः (B) चतुर्दश

(C) एकसप्ततिः (D) पञ्चदश

***स्रोत**–संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

142. क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्रमस्ति? UGC 73 S–2013

(A) श्रवणः (B) हस्तः

(C) मूलम् (D) चित्रा

मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्रप्रकरणम्)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–80

143. मध्यनाडी भवति– UGC 73 S–2013

(A) मघायाः (B) पुष्यस्य

(C) हस्तस्य (D) विशाखायाः

***स्रोत**–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–359*

144. विवाहलग्नेऽशुभं भवति– UGC 73 S–2013

(A) व्यये शनिः (B) तृतीये चन्द्रः

(C) चतुर्थे भृगुः (D) पञ्चमे भौमः

***स्रोत**–बृहद् अबकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–115*

145. चन्द्रवासरे तृतीयहोरेशो भवति– UGC 73 S–2013

(A) गुरुः (B) शुक्रः

(C) शनिः (D) भौमः

***स्रोत**–बृहद्अबकहडाचकम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–36*

139. (C) 140. (A) 141. (B) 142. (B) 143. (B)
149. (A) 150. (C) 151. (A) 152. (D)

3
02
3
3
3
80
3
3
15
3

146. लम्बनस्याभावो भवति– UGC 73 S–2013
(A) पृष्ठीयक्षितिजे (B) अस्तक्षितिजे
(C) गर्भीयक्षितिजे (D) खमध्ये
स्रोत–*गोलपरिभाषा - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–16*

147. कन्याराशौ सूर्यः स्यात् तर्हि ऋतुः भवति– UGC 73 J–2014
(A) वर्षा (B) शरदः
(C) हेमन्तः (D) शिशिरः
स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–07*

148. दशमीतिथेरधिपतिरस्ति– UGC 73 J–2014
(A) धर्मराजः (B) विश्वेदेवाः
(C) शिवः (D) कामदेवः
मुहूर्तचिन्तामणि (शुभाशुभप्रकरणम्-3)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–10

149. कालवृत्तं भवति– UGC 73 J–2014
(A) नाडीवृत्तम् (B) अयनवृत्तम्
(C) क्रान्तिवृत्तम् (D) कोणवृत्तम्
स्रोत–*(i) बृहदवकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–14*
(ii) गोलपरिभाषा - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–07

150. षड्भिः प्राणैः भवति– UGC 73 J–2014
(A) नाडी (B) घटिका
(C) विनाडी (D) लवाः
स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–03*

151. युगानां सप्ततिः सैका ..... भवति– UGC 73 J–2014
(A) मन्वन्तरम् (B) कल्पः
(C) कृतयुगम् (D) मनोरहोरात्रम्
स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

152. स्थिरसंज्ञकवारोऽस्ति– UGC 73 J–2014
(A) शनिवारः (B) सोमवारः
(C) शुक्रवारः (D) रविवारः
स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्रप्रकरणम्-2)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–78*

144. (A) 145. (A) 146. (D) 147. (B) 148. (A)

153. जन्मतः एकादशाह्ने भवति–　　　UGC 73 J–2014

(A) नामकरणम्　　　(B) उपनयनम्

(C) चूडाकरणम्　　　(D) कर्णवेधः

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–239*

154. अर्कवासरे हस्तनक्षत्रं स्यात्तर्हि भवति–

UGC 73 J–2014

(A) रवियोगः　　　(B) सर्वार्थसिद्धियोगः

(C) सिद्धियोगः　　　(D) राजयोगः

मुहूर्तचिन्तामणि (शुभाशुभप्रकरणम् -28)-विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–30

155. पापसंदृष्टः चन्द्रोऽष्टमे भवति–　　　UGC 73 J–2014

(A) मरणाय　　　(B) रक्षणाय

(C) कष्टाय　　　(D) महद्दुःखाय

स्रोत–*बृहदवकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–75*

156. यो ग्रहो वर्गोत्तमः स्यात् तदायुदायो भवति–

UGC 73 J–2014

(A) तदैव　　　(B) द्विगुणम्

(C) चतुर्गुणम्　　　(D) दशहघ्न

स्रोत–*लघुजातकम् - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–54*

157. भानोरुदयादुदयं भवति–　　　UGC 73 J–2014

(A) चान्द्रदिनम्　　　(B) सावनदिनम्

(C) सौरदिनम्　　　(D) नाक्षत्रदिनम्

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–33*

158. सूर्यतनयादधोऽधः पञ्चमः होरेशो भवति–

UGC 73 J–2014

(A) गुरुः　　　(B) सूर्यः

(C) शुक्रः　　　(D) बुधः

स्रोत–*बृहदवकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–36*

159. चन्द्रग्रहणं कदा भवति–　　　UGC 73 J–2014

(A) पूर्णिमादौ　　　(B) प्रतिपदादौ

(C) अमान्ते　　　(D) अमादौ

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–35*

153. (A)	**154. (B)**	**155. (A)**	**156. (B)**	**157. (B)**
163. (A)	**164. (A)**	**165. (B)**	**166. (B)**	**167. (A)**

160. चान्द्रक्षयदिनानामन्तरम्भवति– UGC 73 J–2014
(A) सावनदिनानि (B) चान्द्रदिनानि
(C) नाक्षत्रदिनानि (D) सौरदिनानि
स्रोत–*सूर्यसिद्धात - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–23*

161. मध्यमस्पष्टभुजयोरन्तरम्भवति– UGC 73 J–2014
(A) मध्यमान्तरम् (B) भुजान्तरम्
(C) स्पष्टान्तरम् (D) देशान्तरम्
स्रोत–*सूर्यसिद्धात - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–80*

162. 'चन्द्रमा' किस राशि का स्वामी है? UGC 73 J–1991
(A) मेष का (B) कर्क का
(C) मिथुन का (D) सिंह का
स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

163. केन्द्रेश एवं त्रिकोणेश राजयोगकारक होते हैं–
UGC 73 J–1991
(A) मिथः सम्बन्ध से (B) मिथः दृष्टि से
(C) मिथः असम्बन्ध से (D) किसी से नहीं
स्रोत–*लघुपाराशरी (उडुदायप्रदीप)-सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–46*

164. 'अष्टमेश शुभफलद' होता है– UGC 73 J–1991
(A) लग्नाधीशे (B) बलवति
(C) दृष्टे (D) उच्चे
स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–161*

165. सौरवर्ष में सावन दिन होते हैं?
UGC 73 J–1991, D–1992
(A) 360 (B) 365
(C) 354 (D) 320
स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

166. 'अहर्गण' में दिन होते हैं– UGC 73 J–1991
(A) चान्द्र दिन (B) सावन दिन
(C) सौर दिन (D) नाक्षत्र दिन
स्रोत–*संस्कृतपरम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

167. 'देशान्तर' होता है– UGC 73 J–1991
(A) पूर्वापर अन्तर (B) याम्योत्तर अन्तर
(C) दोनों में (D) सम्पात से
स्रोत–*ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजा शङ्कर शास्त्री, पेज–18*

158. (C) 159. (B) 160. (A) 161. (B) 162. (B)

168. तुला के स्वामी हैं? UGC 73 D–1992

(A) शुक्र (B) शनि

(C) सूर्य (D) बुध

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

169. भावों की संख्या है? UGC 73 D–1992, 1996

(A) 13 (B) 12

(C) 5 (D) 10

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्रप्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–175*

170. अरिष्ट योगों का भङ्ग होता है– UGC 73 D–1992

(A) शुभाभावे (B) शुभग्रहयुते

(C) अशुभाभावे (D) शुभग्रह के देखने पर

स्रोत–*बृहत्पाराशर-होराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–123*

171. प्रत्यक्ष और स्नेहदा दृष्टि होती है– UGC 73 D–1994

(A) प्रश्न में (B) ताजिकशास्त्र में

(C) जातक में (D) सिद्धान्त में

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–212*

172. कल्प में दिव्यवर्षों की संख्या होती है? UGC 73 D–1994

(A) 12000 वर्ष (B) 10000 वर्ष

(C) 20000 वर्ष (D) 13000 वर्ष

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–25*

173. चन्द्र को स्पष्ट करने के लिए संस्कार होता है? UGC 73 D–1994

(A) मन्दफल (B) शीघ्रफल

(C) कर्णफल (D) मन्दफल, शीघ्रफल

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–157*

174. सूर्य की राशि है? UGC 73 D–1996

(A) सिंह (B) वृष

(C) मकर (D) मेष

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

168. (A) 169. (B) 170. (D) 171. (B) 172. (A)
178. (A) 179. (A) 180. (B) 181. (C)

175. 'चान्द्रमास' होता है? UGC 73 D–1996

(A) 28 दिन (B) $29\frac{1}{2}$ दिन
(C) 30 दिन (D) 31 दिन

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–61

176. कर्क राशि किस अङ्ग का प्रतिनिधित्व करती है? UGC 73 D–1997

(A) पेट (B) हृदय
(C) उरु (D) पाद

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–90

177. शुक्र की राशि है– UGC 73 D–1997

(A) मेष (B) तुला
(C) कर्क (D) मकर

स्रोत–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365

178. छः मास का दिन होता है? UGC 73 D–1997

(A) ध्रुव में (B) उत्तरगोल में
(C) विषुवत् रेखा पर (D) दक्षिणगोल में

स्रोत–गोलपरिभाषा - कमलाकान्त शुक्ल, पेज–5

179. योगिनी दशा में वर्ष संख्या होती है? UGC 73 J–1998

(A) षट्त्रिंशत् (B) पञ्चाशत्
(C) अष्टोत्तरशत (D) विंशतिः

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–56

180. चान्द्रवर्ष में सावन दिन होते हैं? UGC 73 J–1998

(A) पञ्चाशदुत्तरत्रिशतम् (B) चतुःपञ्चाशदुत्तरत्रिशतम्
(C) षष्ठ्युत्तरत्रिशतम् (D) पञ्चषष्ठ्युत्तरत्रिशतम्

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–61

181. (i) राशीनां संख्या कति – UGC 73 J–1998
(ii) राशियों की संख्या होती है? BHU Sh.ET–2008

(A) अष्टौ (8) (B) दश (10)
(C) द्वादश (12) (D) पञ्च (5)

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–89

173. (A) 174. (A) 175. (B) 176. (B) 177. (B)

182. मीनराशि किस अङ्ग का प्रतिनिधित्व करती है?
UGC 73 J–1999

(A) शिर (B) हृदय
(C) ऊरु (D) पाद

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–90*

183. बुध की राशि होती है? UGC 73 J–1999, D–1999

(A) मेष (B) वृष
(C) मिथुन (D) कर्क

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

184. परमाक्रान्ति होती है? UGC 73 J–1999

(A) 20° (B) 22.30°
(C) 25° (D) 24°

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–26*

185. किस दिन की 12 अङ्गुल की छाया 'पलभा' होती है?
UGC 73 D–1999

(A) सायन मेष (B) सायन कर्क
(C) सायन वृष (D) सायन मीन

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री, पेज–142*

186. दक्षिणायन का आरम्भ होता है? UGC 73 D–1999

(A) कुम्भ से (B) मकर से
(C) कर्क से (D) धनु से

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–6*

187. व्यय में अब्ज-भार्गव अशुभ होते हैं?
UGC 73 D–2014

(A) व्रतबन्धे (B) द्विरागमने
(C) विवाहे (D) गृहप्रवेशे

188. मिश्र संज्ञकनक्षत्र है– UGC 73 D–2014

(A) स्वाती (B) धनिष्ठा
(C) विशाखा (D) अनुराधा

मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्रप्रकरणम्-5) - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–79

189. अधस्था कक्षा है? UGC 73 D–2014

(A) गुरोः (B) भौमस्य
(C) चन्द्रस्य (D) बुधस्य

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–327*

182. (D)	183. (C)	184. (D)	185. (A)	186. (C)
192. (B)	193. (D)	194. (A)	195. (A)	196. (C)

190. सूर्येन्दु भगणान्तर होता है? UGC 73 D–2014

(A) सौरमासः (B) चान्द्रमासः

(C) सावनमासः (D) नाक्षत्रमासः

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–346*

191. अर्कग्रहण में छादक होता है– UGC 73 D–2014

(A) भूमा (B) राहु

(C) चन्द्र (D) मेघ

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–37*

192. चार स्थानों में ग्रह हों तो होता है? UGC 73 D–2014

(A) हसयोगः (B) केदारयोगः

(C) अमलयोगः (D) मालव्ययोगः

स्रोत–*भारतीयज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री, पेज–281*

193. योगिनी में संकटादशा का मान होता है?

UGC 73 D–2014

(A) त्रिवर्षाणि (B) पञ्चवर्षाणि

(C) सप्तवर्षाणि (D) अष्टवर्षाणि

स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–481*

194. दिग्ज्या होती है? UGC 73 D–2014

(A) क्षितिजवृत्ते (B) दृग्वृत्ते

(C) अहोरात्रवृत्ते (D) क्रमनिवृत्ते

स्रोत–*गोलपरिभाषा - कमलाकान्त शुक्ल, पेज–27*

195. भूभा भ्रमण करती है– UGC 73 D–2014

(A) चन्द्रविमण्डले (B) नाडीमण्डले

(C) क्षितिजवृत्ते (D) क्रान्तिमण्डले

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–309*

196. तिथ्यन्त और सूर्योदय के मध्य में रहता है?

UGC 73 D–2014

(A) अधिशेषम् (B) तिथिशेषम्

(C) अवमशेषम् (D) भशेषम्

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–138*

187. (A) 188. (C) 189. (C) 190. (A) 191. (C)

197. सुख का विचार किया जाता है? UGC 73 D–2014

(A) चतुर्थस्थानात् (B) पञ्चमस्थानात्

(C) नवमस्थानात् (D) दशमस्थानात्

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–302*

198. भरणी नक्षत्र का अधिपति है? UGC 73 D–2014

(A) इन्द्रः (B) यमः

(C) विष्णुः (D) कार्त्तिकेयः

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–77*

199. षष्ठी घटी का होता है? UGC 73 D–2014

(A) सौरदिनम् (B) चान्द्रदिनम्

(C) सावनदिनम् (D) नाक्षत्रदिनम्

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–353*

200. उत्तरगोल में महद्दिन होता है? UGC 73 D–2014

(A) मेषारम्भे (B) कर्कारम्भे

(C) मकरारम्भे (D) मिथुनारम्भे

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–07*

201. 'नतकाल' सर्वाधिक होता है? UGC 73 D–2014

(A) मध्यदिने (B) मध्यरात्रौ

(C) सूर्योदये (D) सूर्यास्ते

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–137*

202. हेमन्त में सूर्य होता है? UGC 73 D–2014

(A) पाण्डुरः (B) श्वेतः

(C) लोहितः (D) ताम्रवर्णः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–22*

203. अभिजित-नक्षत्र होता है? UGC 73 J–2012

(A) विशाखायाः प्रथमचरणम्

(B) अनुराधायाः प्रथमचरणम्

(C) धनिष्ठायाः तृतीयचरणम्

(D) उत्तराषाढायाः चतुर्थचरणम्

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–68*

197. (A) 198. (B) 199. (C) 200. (A) 201. (C)
207. (D) 208. (A) 209. (B) 210. (A)

204. राहु की पूर्णदृष्टि होती है? UGC 73 J–2012

(A) प्रथमस्थाने (B) द्वितीयस्थाने

(C) तृतीयस्थाने (D) पञ्चमस्थाने

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–108*

205. सावनमास में दिन होते हैं? UGC 73 J–2012

(A) त्रिंशत् (B) एकोनत्रिंशत्

(C) एकत्रिंशत् (D) अष्टाविंशति

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

206. सूर्यः परमनीचस्थो .... भवति। UGC 73 D–2012

(A) मेषराशौ दशमे अंशे

(B) वृषभराशौ पञ्चमे अंशे

(C) तुलाराशौ दशमे अंशे

(D) कर्कराशौ नवमे अंशे

स्रोत–*संस्कृत परम्परागत विषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–1*

207. .... जलराशि है– UGC 73 D–2012

(A) मेषः (B) वृषभः

(C) मिथुनम् (D) कर्कः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–90*

208. कालपुरुष का आत्मा है? UGC 73 D–2012

(A) सूर्यः (B) चन्द्रमा

(C) बुधः (D) बृहस्पतिः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–98*

209. राहु का उच्चराशि है? UGC 73 D–2012

(A) मेषः (B) वृषभः

(C) कर्कः (D) सिंहः

स्रोत–*बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–502*

210. .... क्षत्रिय राशि है? UGC 73 D–2012

(A) मेषराशिः (B) वृषभराशिः

(C) मिथुनराशिः (D) कर्कराशिः

स्रोत–*जातकपारिजात - कपिलेश्वरशास्त्री, पेज–11*

202. (D) 203. (D) 204. (D) 205. (A) 206. (C)

211. कालपुरुष का मन .... है? UGC 73 D–2012

(A) शुक्रः (B) चन्द्रः

(C) भानुः (D) बुधः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्करशास्त्री, पेज–98*

212. अर्थभाव से विवर्तित होता है? UGC 73 D–2012

(A) जगत् (B) शब्दब्रह्म

(C) ध्वनिः (D) वैखरी

213. लग्न से सप्तम भाव तक सभी ग्रहों के रहने पर होता है? UGC 73 J–2013

(A) चापयोगः (B) छत्रयोगः

(C) नौकायोगः (D) कूटयोगः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–280*

214. एक नक्षत्र होने पर पाद भेद हो तो शुभ होता है? UGC 73 J–2013

(A) व्रतबन्धः (B) गृहप्रवेशः

(C) विवाहः (D) गृहारम्भः

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–405*

215. सप्तम में भौम रहने पर होता है? UGC 73 J–2013

(A) दारिद्र्ययोगकारकः (B) वैधव्ययोगकारकः

(C) क्रूरयोगकारकः (D) बहुभार्यायोगकारकः

स्रोत–*मानसागरी - सीताराम झा, पेज–101*

216. राशिलिप्ता का आठवाँ भाग होता है? UGC 73 J-2013

(A) प्रथमं ज्यार्धम् (B) मध्यमान्तरम्

(C) चरान्तरम् (D) भुजान्तरम्

217. मन्दस्पष्ट और शीघ्रगतिफल में भेद होता है? UGC 73 J–2013

(A) मध्यमागतिः (B) मन्दस्पष्टागतिः

(C) स्पष्टागतिः (D) शीघ्रस्पष्टागतिः

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–84*

218. वृषराशि के लङ्कोदयासु हैं? UGC 73 J–2013

(A) 1793 (B) 1795

(C) 1670 (D) 1930

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–142*

211. (B)	**212. (B)**	**213. (C)**	**214. (C)**	**215. (B)**
221. (B)	**222. (B)**	**223. (A)**	**224. (B)**	**225. (D)**

219. (i) लगध का सम्बन्ध किस शास्त्र से है?
(ii) लगधः कस्मिन् शास्त्रे प्रसिद्धः?
(iii) लगधाचार्य हैं? CVVET–2015, UGC-73 D–2015
UGC 73 S–2013

(A) ज्यौतिषे (B) निरुक्ते
(C) छन्दसि (D) वेदान्ते

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

220. बालारिष्ट योग होता है? UGC 73 S–2013

(A) षष्ठाष्टमे सपापचन्द्रः (B) द्वादशे सपापगुरुः
(C) द्वितीये शुभः (D) दशमे पापः

स्रोत–भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–290

221. विंशोत्तरीमहादशायां वर्षसंख्या भवति?
UGC 73 S–2013

(A) विंशतिः (B) शतोत्तरविंशतिः
(C) अष्टोत्तरशतम् (D) षट्त्रिंशत्

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–57

222. आद्यैकनाडी करता है? UGC 73 S–2013

(A) संयोगम् (B) वियोगम्
(C) रवियोगम् (D) विवाहयोगम्

स्रोत–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–362

223. सुर्येन्दुभगणान्तर होता है? UGC 73 S–2013

(A) अधिमासः (B) सौरमासः
(C) चान्द्रमासः (D) क्षयमासः

स्रोत–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–9

224. ग्रहों की गति कितने प्रकार की है? UGC 73 S–2013

(A) द्विधा (B) अष्टधा
(C) पञ्चधा (D) त्रिधा

स्रोत–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–98

225. काम्यश्राद्ध में वैश्वदेव होते हैं? UGC 73 S–2013

(A) पुरुखाद्रवौ (B) कालकामौ
(C) सत्यवसू (D) धुरिरोचनौ

216. (A) 217. (C) 218. (B) 219. (A) 220. (A)

226. क्रान्तिवृत्तीय नाडीवृत्तीयमध्यमार्कान्तर होता है–

UGC 73 S–2013

(A) उदयान्तरम् (B) मध्यमान्तरम्

(C) वेलान्तरम् (D) परमान्तरम्

स्रोत–*गोलपरिभाषा - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–10*

227. त्रिविधास्तत्र नीचमध्योच्च के भेद से होते हैं–

UGC 73 D–2014

(A) अमुक्ताः (B) देवाः

(C) मृगाः (D) जडाः

228. रोहिणीनक्षत्रस्य राशिः? CVVET–2015

(A) मेषः (B) मिथुनम्

(C) वृषभः (D) सिंहः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशंकर शास्त्री, पेज–75*

229. देवानां दिनं भवति UGC 25 J–2013

(A) कृष्णपक्षः (B) शुक्लपक्षः

(C) उत्तरायणम् (D) दक्षिणायनम्

स्रोत–*बृहद्अबकहडाचक्रम् - अवधबिहारी त्रिपाठी, पेज–3*

230. द्विजनक्षत्रीयः मासः कः? BHU Sh.ET–2011

(A) वैशाखः (B) माघः

(C) आषाढः (D) आश्विनम्

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री, पेज–58*

231. सूर्यस्य कस्मिन् राशौ विषुवसंक्रमणं भवति?

BHU Sh.ET–2011

(A) कर्कटे (B) मीने

(C) मेषे (D) वृषे

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–348*

232. लग्नेशः कुत्र शुभफलदाः भवन्ति? BHU Sh.ET–2011

(A) पञ्चमे (B) दशमे

(C) एकादशे (D) चतुर्थे

स्रोत–*भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री, पेज–290*

226. (A) 227. (D) 228. (C) 229. (C) 230. (A)

236. (A) 237. (A) 238. (D) 239. (C)

233. रोहिणीनक्षत्रस्य स्वामी कः अस्ति? BHU RET–2008
(A) चन्द्रमाः (B) ब्रह्मा
(C) अन्तकः (D) अर्यमा
स्रोत–ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–69

234. ''कात्तिकेति'' नाम्नि कस्य नक्षत्रस्य सम्बन्धः? BHU Sh.ET–2008
(A) रोहिण्याः (B) मृगशिरायाः
(C) कृत्तिकायाः (D) पूर्वफाल्गुन्याः
स्रोत–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–363

235. एषु कः कालो दक्षिणायने परिगणितः? BHU Sh.ET–2013
(A) मेषस्य सूर्यभ्रमणकालः
(B) कर्कस्य सूर्यभ्रमणकालः
(C) मिथुनस्य सूर्यभ्रमणकालः
(D) कुम्भस्य सूर्यभ्रमणकालः
स्रोत–बृहदवकहडाचक्रम् - अवधबिहारी त्रिपाठी, पेज–3

236. चन्द्रग्रहस्य शत्रुः? CVVET–2015
(A) नास्ति (B) बुधः
(C) शुक्रः (D) रविः
स्रोत–लघुजातकम् - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–24

237. यमः कस्य नक्षत्रस्य स्वामी? BHU Sh.ET–2013
(A) भरणी (B) आर्द्रा
(C) चित्रा (D) आश्लेषा
मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्रप्रकरणम्-1) - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–77

238. बृहस्पतिः कस्य राशेः स्वामी? BHU Sh.ET–2013
(A) वृश्चिकस्य (B) कुम्भस्य
(C) कन्यायाः (D) मीनराशेः
स्रोत–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–365

239. श्राद्ध (पितृ) पक्षः कदा भवति? BHU Sh.ET–2013
(A) श्रावणे (B) भाद्रपदे
(C) आश्विने (D) फाल्गुने
स्रोत–निर्णयसिन्धु - कमलाकरभट्ट

231. (C) 232. (B) 233. (B) 234. (C) 235. (B)

240. पश्चिमदिग्यात्रायां दिक्शूलं कदा भवति? **BHU Sh.ET–2013**

(A) बुधवासरे (B) रविवासरे
(C) भौमवासरे (D) सोमवासरे

मुहूर्तचिन्तामणि (यात्राप्रकरण-10)-विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–474

241. जन्मकुण्डली में विवाहविषय किस भाव से विचार करना चाहिये? **UGC 73 D–2007**

(A) पञ्चमेन (B) चतुर्थेन
(C) तृतीयेन (D) सप्तमेन

स्रोत–*भारतीयज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, पेज–316*

242. का रिक्तातिथिः? **BHU AET–2013**

(A) द्वितीया (B) चतुर्थी
(C) षष्ठी (D) अष्टमी

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–14*

243. शुक्रस्य शत्रुरस्ति– **BHU AET–2010**

(A) कुजः (B) गुरुः
(C) शनिः (D) चन्द्रः

स्रोत–*बृहद्अबकहडाचक्रम् - एस0 के0 झा 'सुमन', पेज–102*

244. ज्योतिषस्य प्रवर्त्तकाचार्याः सन्ति– BHU AET–2010

(A) 18 (B) 14
(C) 22 (D) 25

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, भू. पेज–09*

245. विशाखानक्षत्रस्य राशिर्विद्यते– **BHU AET–2010**

(A) तुला (B) धनुः
(C) सिंहः (D) मिथुनम्

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–75*

246. कन्याराश्यधिपतिः? **CVVET–2015**

(A) कुजः (B) चन्द्रः
(C) शुक्रः (D) बुधः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–1*

247. षण्मासात्मकं दिनं भवति– **BHU AET–2010**

(A) देवानाम् (B) ऋषीणाम्
(C) पितृणाम् (D) नराणाम्

स्रोत–*बृहदवकहडाचक्रम् - अवधबिहारी त्रिपाठी, पेज–03*

240. (B)	**241. (D)**	**242. (B)**	**243. (D)**	**244. (A)**
250. (B)	**251. (D)**	**252. (A)**	**253. (B)**	**254. (B)**

248. बुधो बली भवति– BHU AET–2010

(A) रात्रौ (B) सर्वदा

(C) सन्ध्यायाम् (D) दिने

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–97*

249. 'लघुजातकम्' केन रचितम्? BHU AET–2012

(A) पाराशरेण (B) लल्लेन

(C) वराहमिहिरेण (D) कालिदासेन

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–02*

250. पूर्णिमातिथेः स्वामी वर्तते– BHU AET–2011

(A) सूर्यः (B) चन्द्रः

(C) पितरः (D) गणेशः

मुहूर्तचिन्तामणि (श्लोक/3)-विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–10

251. हस्तनक्षत्रस्य स्वामी वर्तते– BHU AET–2011

(A) ब्रह्मा (B) स्कन्दः

(C) शुक्रः (D) रविः

मुहूर्तचिन्तामणि (नक्षत्रप्रकरणम्-1)-विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–77

252. पञ्चमभावस्य कारकग्रहो वर्तते– BHU AET–2011

(A) गुरुः (B) सूर्यः

(C) चन्द्रः (D) शुक्रः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्करशास्त्री, पेज–101*

253. प्राचीन भारत में ज्योतिषशास्त्र का पहला प्रसिद्ध विद्वान् था– MP PSC–2005

(A) बाणभट्ट (B) आर्यभट्ट

(C) विशाखदत्त (D) कात्यायन

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास-रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–379*

254. एकस्मिन् राशौ कति अंशाः विद्यन्ते? UGC 73 J–2015

(A) 27° (B) 30°

(C) 24° (D) 25°

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–04*

255. वर्तमान नक्षत्रप्रणाली में अन्तिम नक्षत्र कौन सा है? UGC 73 J–2015

(A) उत्तराभाद्रपदम् (B) रेवती

(C) मृगशिरा (D) अनुराधा

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–77*

245. (A) 246. (D) 247. (A) 248. (B) 249. (C)
255. (B)

256. नाम का प्रथमाक्षर किसके द्वारा निर्धारित किया जाता है?

UGC 73 J–2015

(A) वारेण (B) योगेन

(C) नक्षत्रेण (D) करणेन

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–363*

257. एकस्मिन् सौरवर्षे कति सङ्क्रान्तयो भवन्ति?

UGC 73 J–2015

(A) 10 (B) 24

(C) 30 (D) 12

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–4-7*

258. एक वर्ष में कितने विषुव होते हैं? UGC 73 J–2015

(A) 2 (B) 4

(C) 1 (D) 12

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–348*

259. ऋतुओं का निर्धारण किस गणना से होता है?

UGC 73 J–2015

(A) निरयणगणनया (B) सायणगणनया

(C) सौरचान्द्रगणनया (D) चान्द्रगणनया

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–349*

260. सावनदिनं किं भवति– UGC 73 J–2015

(A) सूर्यस्य एकांशे गते

(B) सूर्योदयाद् अग्रिमसूर्योदयपर्यन्तं कालमानम्।

(C) सूर्यचन्द्रमसोः परस्परं द्वादशांशान्तरिते।

(D) चन्द्रमसः एकनक्षत्रात् अपरनक्षत्रपर्यन्तं गतिः।

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–32*

261. जन्मकुण्डल्यां दशमभावात् किं विचार्यते–

UGC 73 J–2015

(A) वृत्तिप्रश्नः (B) व्ययप्रश्नः

(C) लाभप्रश्नः (D) मृत्युप्रश्नः

स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–02*

256. (C) 257. (D) 258. (A) 259. (C) 260. (B)
266. (A) 267. (C)

262. लग्न क्या होता है? UGC 73 J–2015
(A) जन्मकाले पूर्वाक्षितिजे लग्नः राशिभागः
(B) सूर्योदयकाले पूर्वाक्षितिजे लग्नः राशिभागः
(C) पश्चिमक्षितिजे लग्नः राशिभागः
(D) मध्याह्नकाले पूर्वाक्षितिजे लग्नः राशिभागः

263. अमावस्या कदा भवति? UGC 73 J–2015
(A) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परम् अन्तरम् 160°–180° मध्ये भवति
(B) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परम् अन्तरं 348°–360° मध्ये भवति
(C) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परम् अन्तरं 96° – 108° मध्ये भवति
(D) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परम् अन्तरं 60° – 72° मध्ये भवति
स्रोत–*गोलपरिभाषा - कमलाकान्त पाण्डेय, पेज–13*

264. मकरराशि का स्वामी कौन सा ग्रह है? UGC 73 J–2015
(A) सूर्यः (B) शनिः
(C) बृहस्पतिः (D) शुक्रः
स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

265. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रह दो राशियों का स्वामी नहीं होता है? UGC 73 J–2015
(A) सूर्यः (B) भौमः
(C) शुक्रः (D) बृहस्पतिः
स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, पेज–365*

266. किस स्थान की केन्द्रसंज्ञा नहीं होती है? UGC 73 J–2015
(A) द्वितीयस्य (B) चतुर्थस्य
(C) सप्तमस्य (D) दशमस्य
स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–03*

267. जन्मकुण्डली में कौन सा स्थान मृत्युस्थान कहलाता है? UGC 73 J–2015
(A) नवमम् (B) एकादशम्
(C) अष्टमम् (D) द्वादशम्
स्रोत–*संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–02*

261. (A) 262. (A) 263. (B) 264. (B) 265. (A)

268. नक्षत्र के एक पाद का क्या मान है? UGC 73 J–2015

(A) $3^o - 20^o$ (B) $13^o - 20^o$
(C) $6^o - 40^o$ (D) $12^o - 40^o$

स्रोत–*बृहद्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–25*

269. दिनमान क्या होता है? UGC 73 J–2015

(A) सूर्योदयात् मध्याह्नकालपर्यन्तं कालमानम्
(B) मध्याह्नकालात् सूर्यास्तपर्यन्तं कालमानम्
(C) सूर्योदयात् सूर्यास्तकालपर्यन्तं कालमानम्
(D) मध्याह्नात् अर्धरात्रिपर्यन्तं कालमानम्

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–05*

270. भयात् क्या होता है? UGC 73 J–2015

(A) राशेः गतांशादयः (B) नक्षत्रस्य गतांशादयः
(C) नक्षत्रस्य शेषांशादयः (D) ग्रहस्य गतांशादयः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–21*

271. ज्योतिषमाधारीकृत्य वेदानां कालं चतुःसहस्र-विक्रमपूर्वं मन्यमानो विद्वानस्ति– G GIC–2015

(A) बालगङ्गाधरतिलकः (B) मैक्समूलरः
(C) वासुदेवशरण-अग्रवालः (D) विण्टरनित्जः

स्रोत–*UGC उपकार संस्कृत गाइड - मिथिलेश पाण्डेय, पेज–42*

272. विक्रमसंवत्सर की गणना किस मान से होती है? UGC 73 D–2015

(A) चान्द्रमानेन (B) सौरमानेन
(C) बार्हस्पत्यमानेन (D) सौर-चान्द्रमानेन

273. 'भचक्रम्' किसे कहा जाता है? UGC 73 D–2015

(A) सूर्यादिग्रहाणां चक्रम् (B) कुचक्रम्
(C) आकाशमण्डलम् (D) नक्षत्राणांशचक्रम्

स्रोत–*बृहद्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–25*

274. तिथिक्षयः कदा भवति– UGC 73 D–2015

(A) यदा चन्द्रमाः गत्याधिक्येन शीघ्रं परिभ्रमति
(B) यदा कस्याञ्चित् तिथौ सूर्योदयो न भवति
(C) यदा चन्द्रमसः गतिर्न्यूनतमा भवति
(D) यदा काचित् तिथिः सूर्यास्तसमयात् पूर्वमेव समाप्यते

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–10*

268. (A) 269. (C) 270. (B) 271. (A) 272. (D)
278. (C) 279. (D) 280. (B)

275. आधुनिक नक्षत्र गणनाक्रम में अन्तिम नक्षत्र कौन-सा है? UGC 73 D–2015

(A) अश्विनी (B) उत्तराभाद्रपदम्
(C) कृत्तिका (D) रेवती

स्रोत–मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरी प्रसाद, पेज–77

276. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है? UGC 73 D–2015

(A) राशिचक्रे मीनस्य द्वादशस्थानं विद्यते
(B) चान्द्रवर्षे दिनानां संख्या षष्ठयुत्तरत्रिशतम् विद्यते
(C) जन्मकुण्डल्यां चतुर्थस्थानस्य केन्द्रसंज्ञा भवति
(D) जन्मकुण्डल्यां लग्नस्य महत्त्वं सर्वाधिकमस्ति

स्रोत–संस्कृत-परम्परागतविषय - शत्रुघ्न त्रिपाठी, पेज–26

277. चन्द्रग्रहण कब होता है? UGC 73 D–2015

(A) यदा चन्द्रमाः पृथिव्याः छायायाम् आगच्छति
(B) यदा चन्द्रमाः सूर्यस्य पृथ्व्याश्च मध्ये आगच्छति
(C) यदा सूर्यः पृथ्व्याश्च चन्द्रस्य च मध्ये आगच्छति
(D) यदा सूर्यबिम्बम् पृथ्व्या आच्छाद्यते

स्रोत–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–169

278. सूर्यसिद्धान्त के अनुसार भूव्यास का परिमाण क्या है? UGC 73 D–2015

(A) 1200 योजनानि (B) 1500 योजनानि
(C) 1600 योजनानि (D) 1000 योजनानि

स्रोत–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–38

279. जन्मकुण्डली में किस भाव से विवाह का विचार किया जाता है? UGC 73 D–2015

(A) पञ्चमात् (B) लग्नात्
(C) अष्टमात् (D) सप्तमात्

स्रोत–भारतीयज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री, पेज–316

280. जब सभी ग्रह चरराशियों में आ जाते हैं तो कौन सा योग बनता है? UGC 73 D–2015

(A) मुशलः (B) रज्जुः
(C) नलः (D) मालाः

स्रोत–बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - सुरेशचन्द्र मिश्र, पेज–252

273. (D) 274. (B) 275. (D) 276. (B) 277. (A)

281. एक कल्प में कितने वर्ष होते हैं? UGC 73 D–2015

(A) 4,32,000 (B) 43,20,000

(C) 4,32,00,00,000 (D) 4,32,00,000

***स्रोत**–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–13*

282. त्रिज्या क्या होती है? UGC 73 D–2015

(A) व्यासः

(B) व्यासार्धः

(C) षष्ठ्यंशात्मककोणस्य ज्या

(D) पञ्चचत्वारिंशदंशात्मककोणस्य ज्या

***स्रोत**–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–38*

283. देशान्तरवृत्त क्या होता है? UGC 73 D–2015

(A) ध्रुवयोर्मध्यगतं भूवृत्तम्

(B) भूमध्यवृत्तम्

(C) सूर्यस्य देशेषु प्रत्यक्षभ्रमणवृत्तम्

(D) नक्षत्रचक्रस्य भ्रमणवृत्तम्

***स्रोत**–ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–18*

284. भूपरिधि किसे कहते है? UGC 73 D–2015

(A) क्षितिजवृत्तम्

(B) भूमध्यसामान्तरम् अक्षवृत्तम्

(C) ध्रुवप्रोतवृत्तम्

(D) खमण्डले यम्योत्तरवृत्तम्

285. शरत् सम्पात कब होता है? UGC 73 D–2015

(A) यदा सूर्यः सायणतुलाराशौ प्रविशति

(B) यदा सूर्यः सायणमेषराशौ प्रविशति

(C) यदा सूर्यः निरयणतुलाराशौ प्रविशति

(D) यदा सूर्यः सायणमिथुनराशौ प्रविशति

***स्रोत**–सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–335*

।। नमः सं

281. (C) 282. (B) 283. (B) 284. (B) 285. (A)

5

286. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रह नपुंसक कहलाता है? **UGC 73 D–2015**

(A) सूर्यः (B) भौमः

(C) गुरुः (D) शनिः

5

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–95*

287. कालपुरुष के हृदय को कौन सी राशि द्योतित करती है? **UGC 73 D–2015**

(A) मेषः (B) वृषः

(C) कर्कटः (D) सिंहः

स्रोत–*ज्योतिषशास्त्र-प्रशिक्षक - गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–90*

5

288. एक राशि में कितने नक्षत्रपाद होते हैं? **UGC 73 D–2015**

(A) 9 (B) 4

(C) 6 (D) 8

स्रोत–*मुहूर्तचिन्तामणि - विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, पेज–362*

289. सूर्यसिद्धान्त ग्रन्थ किस विषय का है? **UGC 73 D–2015**

5

(A) भौतिकविज्ञानस्य (B) ज्यौतिषस्य

(C) वेदान्तस्य (D) तन्त्रस्य

स्रोत–*सूर्यसिद्धान्त - रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–भू. 8*

290. लगधाचार्योऽस्ति– **UGC 73 S–2013**

5

(A) आर्षज्योतिषग्रन्थकारः

(B) फलितज्योतिषग्रन्थकारः

(C) गणितज्योतिषग्रन्थकारः

(D) वास्तुविद्याग्रन्थकारः

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-16) - श्रीनिवासरथ/ रामचन्द्र पाण्डेय, पेज–23*

संस्कृताय ।।

286. (D) 287. (C) 288. (A) 289. (B) 290. (A)

11. वेदों का

1. **नित्याः खलु वेदा इति केषाम् अभिमतम्–**
UGC 25 J–2008
(A) मोक्षमूलरस्य
(B) जैकोबीमहोदयस्य
(C) वेबरस्य
(D) प्राचीनभारतीयपरम्परायाः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–11-15*

2. **वेदस्य अपौरुषेयत्वं कः स्वीकरोति–UGC 25 D–2009**
(A) वेबरः (B) मैक्समूलरः
(C) विल्सनः (D) जैमिनिः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12*

3. **वेदकालविषये भारतीयपरम्परागतविचारं कः परिपोषयति।**
UGC 25 J–2013
(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः
(C) विन्टरनित्सः (D) सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17*

4. **(i) वेद का समय 6000 ई० पू० किनके मत में है–**
(ii) किस विद्वान् के अनुसार ऋग्वेद का आरम्भकाल 6000 ई० पू० है– UGC 25 J–1995, 1999
(A) बालगङ्गाधरतिलक (B) वेबर
(C) मैक्समूलर (D) याकोबी

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

5. **'उत्तर ध्रुव' को वेदों का रचना स्थान माना जाता है?**
UGC 25 J–1994
(A) बालगङ्गाधर तिलक (B) वेबर
(C) मैक्समूलर (D) मैक्डोनल

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–62*

1. (D)   2. (D)   3. (D)   4. (A)   5. (A)

का रचनाकाल

6. (i) वेदकालस्य निर्धारणे भारतीयज्योतिषपरम्परा केन परिपालिता–

(ii) ज्योतिर्विज्ञानमाश्रित्य कः वेदानां कालनिर्धारणमकरोत्

(iii) वेदकालनिरूपणे कः ज्योतिषमवलम्बते–

UGC 25 D–2005 J–2011, D–2011

(A) विन्टरनित्सः (B) मैक्समूलरः

(C) वेबरः (D) बालगङ्गाधरतिलकः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

7. (i) बालगङ्गाधर तिलक के अनुसार ऋग्वेद का समय है?

(ii) बालगङ्गाधरतिलकानुसारं ऋग्वेदस्य कालः ख्रीस्तपूर्वं वर्तते? UGC 25 J–2009, D–2004, J–2002

(A) 6000 ई० पू० (B) 8000 ई० पू०

(C) 2500 ई० पू० (D) 3500 ई० पू०

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

8. बालगङ्गाधरतिलकम् अनुसृत्य वेदस्य रचनाकालम् अस्ति।

UGC 25 D–2000

(A) 6000 ई० पू० तः 4000 ई० पू० पर्यन्तम्

(B) 5000 ई० पू० तः 3000 ई० पू० पर्यन्तम्

(C) 5000 ई० पू० तः 4000 ई० पू० पर्यन्तम्

(D) 6000 ई० पू० तः 5000 ई० पू० पर्यन्तम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

9. (i) नक्षत्रसम्पातादिना वेदकालं कः प्रतिपादयति–

(ii) नक्षत्रसम्पातगणनया केन वेदकालो निर्धार्यते।

UGC 25 D–2012, 2013, UK SLET–2012

(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः

(C) बालगङ्गाधरतिलकः (D) जैकोबी

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

6. (D) 7. (A) 8. (A) 9. (C)

10. लोकमान्यबालगङ्गाधरतिलकमते वैदिकरचनाकालः कः?

BHU AET–2011

(A) 6000 – 4500 BC (B) 4500 – 1200 BC

(C) 4000 – 2500 BC (D) 2500 – 1200 BC

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

11. (i) वैदिककाल निर्णये ज्योतिषस्य उपयोगः केन कृतः–

(ii) ज्योतिषशास्त्राधारेण वैदिकतिथिनिर्धारकः कोऽस्ति?

BHU AET–2011, UGC–25 D–2007 , 2014

(A) विन्टरनित्सः (B) लोकमान्यबालगङ्गाधरतिलकः

(C) मैक्समूलरः (D) मैक्डोनलः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

12. लोकमान्यतिलकमतानुसारं वेदस्य रचना कदा अभवत्?

BHU AET–2010

(A) 3 सहस्रवर्षपूर्वम् (B) 2500 वर्षपूर्वम्

(C) 6000 वर्ष ईसापूर्वम् (D) लक्षवर्षपूर्वम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

13. लोकमान्यतिलकमते वेदस्य कालः– UGC 25 J–2010

(A) त्रिसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम् (B) सार्धत्रिसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम्

(C) पञ्चसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम् (D) दशसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

14. ज्योतिषमाधारीकृत्य वेदानां कालं चतुःसहस्रविक्रमपूर्वं मन्यमानो विद्वानस्ति– GGIC – 2015

(A) बालगङ्गाधरतिलकः (B) वासुदेवशरणअग्रवालः

(C) मैक्समूलरः (D) विण्टरनित्सः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–41*

15. 'वेदा अपौरुषेयाः सन्ति'-इति मतम् अस्ति।

UGC 25 J–2013

(A) मैक्समूलरस्य (B) दयानन्दस्य

(C) विन्टरनित्सस्य (D) सर्वेषामेव

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–18*

10. (A) 11. (B) 12. (C) 13. (C) 14. (A)
20. (B)

16. छन्दः कालादिनामभिः वेदकालं प्रथमतः कः प्रतिपादयति– **UGC 25 J–2012**

(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः

(C) बालगङ्गाधरतिलकः (D) विन्टरनित्सः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–42*

17. (i) मैक्समूलरमतानुसारम् ऋग्वेदस्य कालो वर्तते?

(ii) मैक्समूलर के अनुसार वेद का समय है।

(iii) मैक्समूलरानुसारं प्राचीनस्य ऋग्वेदस्य रचना कदा अभवत्? **BHU AET–2010**

UGC 25 D–1999, 2001, 2009, J–2000, 2001

(A) 300 वि० पू० (B) 500 वि० पू०

(C) 100 वि० पू० (D) 1200 वि० पू०

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–42*

18. मैक्समूलरमतानुसारं वेदस्य मन्त्र रचना कदा अभवत्?

BHU AET–2010

(A) 1000 ई० पू० (B) 2000 ई० पू०

(C) 4000 ई० पू० (D) 5000 ई० पू०

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–42

19. मैक्समूलरमहोदयेन ऋग्वेदस्य कालः स्वीकृतः।

UP GIC–2015

(A) 1200 ख्रिष्टाब्दपूर्वकम् (B) 5000 ख्रिष्टाब्दपूर्वकम्

(C) ख्रिष्टाब्दस्य प्रथमशताब्द्याम् (D) 1300 विक्रमसंवत्पूर्वम्।

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

20. मैक्समूलरमतानुसारं वेदानां रचनाकालः–

CVVET–2015

(A) ई०पू० षट्ससहस्रवर्षेभ्यः प्राक्

(B) ई० पू० द्वादशतवर्षेभ्यः प्राक्

(C) ई० पू० सप्तसहस्रवर्षेभ्यः प्राक्

(D) ई० पू० सार्धद्विसहस्रवर्षेभ्यः प्राक्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39*

15. (B) 16. (A) 17. (D) 18. (A) 19. (A)

21. प्रथमः वेदकालनिर्णायकोऽस्ति– **G GIC–2015**

(A) राथः (B) मैक्समूलरः

(C) सायणः (D) मैक्डॉनलः

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–94*

22. सूत्रसाहित्यस्य रचनाकालः पी० वी० काणे-मतानुसारम्– **CVVET–2015**

(A) ई० 500तः 800 पर्यन्तम्

(B) ई० पू० 500तः ई० 500 पर्यन्तम्

(C) ई० 800तः 1950 पर्यन्तम्

(D) ई० पू० 500तः 300 पर्यन्तम्

23. विन्टरनित्स के अनुसार ऋग्वेद का समय है। **UGC 25 D–1996**

(A) 1500 BC (B) 2500 BC

(C) 3500 BC (D) 4500 BC

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–42*

21. (B) 22. (B) 23. (B) 24. (A) 25. (A)

24. वेदस्य अपौरुषेयत्वं कः न स्वीकरोति– **UGC 25 J–2010**

(A) विन्टरनित्सः (B) सायणः
(C) माधवः (D) दयानन्दः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17, 18, 23

25. वेबरमहाभागः यजुर्वेदीयानां शतपथब्राह्मणग्रन्थानाम् आलोचनात्मकं संस्करणं कदा अप्रकाशयत्। **UGC 25 D–2011**

(A) 1855 ई० (B) 1955 ई०
(C) 1850 ई० (D) 1852 ई०

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–34

26. दीनानाथ चुलेटमहोदयानुसारं वेदस्य रचना कदा अभवत्– **BHU AET–2010**

(A) 3 लक्षवर्षपूर्वम् (B) 4 लक्षवर्षपूर्वम्
(C) सहस्त्रवर्षपूर्वम् (D) शतवर्षपूर्वम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

26. (A)

12. वैदिक-

1. वेदस्य मुख्याः स्वराः– **BHU AET–2010**
(A) 4 (B) 5
(C) 3 (D) 1

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–191

2. संख्यया स्वराङ्कनं भवति– **UGC 25 J–2009**
(A) यजुर्वेदे (B) सामवेदे
(C) अथर्ववेदे (D) ऋग्वेदे

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह (वैदिक व्या0-30) - विजयशङ्कर पाण्डेय

3. माध्यन्दिनीय-संहितायामुदात्तस्वरस्य अङ्कनं भवति– **UGC 25 J–2009**
(A) अधः (B) उपरिष्टात्
(C) तिर्यक् (D) किमपि न

स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय का बृहत् इतिहास (प्रथम खण्ड)-बलदेव उपाध्याय/ओम प्रकाश, पेज–269

4. मन्त्रेषु अनुदात्तस्वराङ्कनं क्रियते– **UGC 25 J–2012**
(A) मध्ये (B) उपरिष्टात्
(C) अधः (D) वामतः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

5. स्वरितात् परो अनुदात्तः किम् उच्यते? **HE –2015**
(A) उदात्तः (B) प्रचयः
(C) जात्यस्वरितः (D) अनुदात्ततरः

स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–230

6. उदात्तादिस्वराः कति भवन्ति? **BHU – AET–2010**
(A) विंशतिः (B) त्रयः
(C) दश (D) पञ्च

स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–213

7. स्वराः इत्यनेन के गृह्यन्ते? **BHU AET–2010**
(A) सवनानि (B) उदात्तादयः
(C) स्तवनानि (D) प्रयाजादयः

स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–213

1. (C) 2. (B) 3. (D) 4. (C) 5. (B)
11. (C) 12. (B) 13. (D)

क-व्याकरण

8. वैदिकमन्त्रस्य उच्चारणे स्वराणां मुख्यभेदः– **BHU AET–2011**

(A) 2 (B) 5
(C) 3 (D) 6

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–213*

9. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारेण स्वराणां .... सन्ति– **UGC 25 D–2014**

(A) त्रिविधभेदाः (B) चतुर्विधभेदाः
(C) पञ्चविधभेदाः (D) नवविधभेदाः

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–213*

10. स्वरित के कितने भेद होते हैं? **UGC 73 J–2014**

(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) अष्टौ (D) सप्त

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–391*

11. समाहारो भवति? **BHU AET–2012**

(A) उदात्तः (B) अनुदात्तः
(C) स्वरितः (D) प्रचयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–15*

12. ऋग्वेदीय-प्रातिशाख्यानुसारेण रक्तसंज्ञः कः? **UGC 25 D–2013**

(A) स्पर्शः (B) अनुनासिकः
(C) संयोगः (D) विसर्गः

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–69*

13. ''यज्ञस्य देवम्'' इत्यत्र 'देवम्' पदस्य स्वरोऽस्ति– **UGC 25 J–2013**

(A) देव॑म् (B) देव॒म्
(C) दे॒व॒म् (D) दे॒वम्

वैदिकसूक्तसंग्रह (अग्निसूक्त ऋग्वेद 1.1.1)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–31

6. (B) 7. (B) 8. (C) 9. (A) 10. (C)

14. 'इषे' पद में जो स्वर है, वह है– BHU MET–2014

(A) आद्युदात्त (B) मध्योदात्त

(C) सर्वोदात्त (D) अन्तोदात्त

15. ऋग्वेद में व्ळ् उपलब्ध होता है– UP GDC–2008

(A) स्वर-व्यञ्जन के मध्य में (B) दो स्वरों के मध्य में

(C) दो व्यञ्जनों के मध्य में (D) व्यञ्जन-स्वर के मध्य में

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (वैदिक व्या.)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–02*

16. ''तिस्रः प्लुत उच्यते स्वरः'' इति कथनं वर्त्तते? UP GDC–2012

(A) ऋक्प्रातिशाख्ये (B) अष्टाध्याय्याम्

(C) महाभाष्ये (D) निरुक्ते

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–66*

17. त्रयः स्वराः इत्यन्तर्गते न गण्यते– UGC 25 J–2015

(A) उदात्तः (B) आगमः

(C) अनुदात्तः (D) स्वरितः

स्रोत–*वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, परिशेष-35*

18. ऋग्वेदे प्रमुखप्रयुक्तस्वरसंख्याः कियत्यः– BHU AET–2011

(A) 4 (B) 3

(C) 5 (D) 6

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–213*

19. (i) वेदाध्ययने विकृतिपाठः कतिधा विद्यते?

(ii) वेदपाठस्य कति विकृतयः भवन्ति–

(iii) विकृतिपाठः कतिधा–BHU AET–2010, 2011

UGC 25 D–2004, J–2010

(A) 7 (B) 8

(C) 9 (D) 10

स्रोत–*वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, परिशेष-32*

20. निम्नलिखित में कौन सा लकार केवल वेदों में पाया जाता है? BHU MET–2009, 2013

(A) लट् (B) लेट्

(C) लोट् (D) लङ्

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (वैदिक व्या.)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–22*

14. (C) 15. (B) 16. (A) 17. (B) 18. (B)
24. (C) 25. (B) 26. (A)

21. **पञ्चमो लकारः कुत्र प्राप्यते? BHU AET–2010**

(A) न्याये (B) पुराणे

(C) वेदे (D) अर्थशास्त्रे

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-4)-गोविन्दाचार्य, पेज–06*

22. **'गमत्' किस लकार से सम्बद्ध है–**

BHU MET–2009, 2013

(A) लट् (B) लोट्

(C) लृट् (D) लेट्

स्रोत–*वेदचयनम् (ऋग्वेद 1.1.5)-विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–17*

23. **'तारिषत्' पद किस लकार से सम्बद्ध है?**

BHU MET–2011

(A) लट् (B) विधिलिङ्

(C) लोट् (D) लेट्

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, भूमिका–32*

24. **को लकारः छन्दसि प्रसिद्धः? BHU Sh.ET–2011**

(A) लिट् (B) लोट्

(C) लेट् (D) लङ्

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-4)-गोविन्दाचार्य, पेज–01, 06*

25. **लुङ्-लङ्-लिट्लकाराणां बह्वर्थकः प्रयोगो दृश्यते?**

UP GDC–2012

(A) पालिभाषायाम् (B) वैदिकसंस्कृते

(C) श्रेण्यसंस्कृते (D) गाथासंस्कृते

26. **(i) लेट्लकारस्य प्रयोगेण युक्ता भाषास्ति**

(ii) लेट्लकार प्रयुक्त हुआ है–

UP GDC–2008, UP GIC–2009, 2015

(A) वैदिक संस्कृत में (B) लौकिक संस्कृत में

(C) पालि में (D) प्राकृत में

स्रोत–*(i) ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, भूमिका–32*

(ii) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-4) - गोविन्दाचार्य, पेज–06

19. (B) 20. (B) 21. (C) 22. (D) 23. (D)

27. प्रायः वेदेषु एव लभ्यते– UGC 25 J–2015

(A) लट्लकारः (B) लृट्लकारः

(C) लिट्लकारः (D) लेट्लकारः

स्रोत–*(i) वैदिकसूक्तसंग्रह-विजयशङ्कर पाण्डेय–वैदिक व्याकरण–22*

(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, भूमिका-32

28. 'पाहि' इति पदं कस्मिन् लकारे विद्यते?

BHU AET–2010

(A) लोट्लकारे (B) लृट्लकारे

(C) लिट्लकारे (D) लङ्लकारे

ऋक्सूक्तसंग्रह ऋग्वेद (1.143.8)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–163

29. प्लुतसंज्ञा भवति– BHU AET–2010

(A) व्यञ्जनस्य (B) स्वरस्य

(C) पदस्य (D) शब्दस्य

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, भूमिका–30*

30. आमन्त्रितज ओकारो भवति– UGC 25 J–2014

(A) रक्तः (B) प्रगृह्यः

(C) रिफितः (D) यमः

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–96*

31. अस्ति बाह्यप्रयत्नः– UGC–25 J–2015

(A) नादः (B) ईषत्स्पृष्टम्

(C) स्पृष्टम् (D) विवृतम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

32. कौन सा प्रत्यय केवल वेदों में प्रयुक्त है?

BHU MET–2009, 2011

(A) अध्यै (B) तुमुन्

(C) क्त्वा (D) क्त

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (वैदिक व्या.)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–14*

33. 'जीवसे' मे प्रत्यय है– BHU MET–2014

(A) असे (B) तवै

(C) तवे (D) मने

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (वैदिक व्या.)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–14*

27. (D)	**28. (A)**	**29. (B)**	**30. (B)**	**31. (A)**
37. (B)	**38. (A)**	**39. (A)**	**40. (A)**	

5
2
10
53
10
14
15
11
4
14
74

34. तुमर्थक प्रत्ययों का प्रचुर प्रयोग हुआ है–

UP GDC–2008

(A) उपनिषदों में (B) पुराणों में
(C) वेदों में (D) रामायण में

स्रोत*–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–14*

35. प्लुतमात्रोच्चारणकालः– **BHU AET–2010**

(A) 2 (B) 1
(C) 3 (D) 4

स्रोत*–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–30*

36. व्यञ्जनोच्चारणकालः– **BHU AET–2010**

(A) 2 (B) 1
(C) 4 (D) $\frac{1}{2}$

स्रोत*–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–69*

37. ह्रस्वोच्चारणकालः– **BHU AET–2010**

(A) 2 (B) 1
(C) 4 (D) 3

स्रोत*–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–30*

38. दीर्घमात्रोच्चारणकालः– **BHU AET–2010**

(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 1

स्रोत*–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–30*

39. ऋग्वेद में 'देवासः' रूप किस विभक्ति का है?

UP GDC–2008

(A) प्रथमा विभक्ति (B) द्वितीया विभक्ति
(C) तृतीया विभक्ति (D) सप्तमी विभक्ति

स्रोत*–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–63*

40. 'दाशुषे' में विभक्ति है– **BHU MET–2015**

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी
(C) सप्तमी (D) प्रथमा

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.6) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–58, 59

32. (A) 33. (A) 34. (C) 35. (C) 36. (D)

41. वैदिकव्याकरणे कियन्तः अध्यायाः सन्ति– BHU AET–2011

(A) 4 (B) 8
(C) 12 (D) 13

42. (i) ऋग्वेदस्य शाकलसंहितायां कति सन्ध्यक्षराणि स्वीकृतानि UGC 25 J–2012

(ii) सन्ध्यक्षराणि कति– D–2015

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) अष्टौ (D) द्वादश

स्रोत–*(i) वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, परिशेष–35*
(ii) ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–43

43. समानाक्षराणि कियन्ति– UGC 25 D–2012, J–2013

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) षट् (D) अष्टौ

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–42*

44. प्रसिद्ध व्याकरण संख्या है– BHU AET–2010

(A) 9 (B) 4
(C) 6 (D) 3

संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथत्रिपाठी, पेज–30

45. तैत्तिरीयप्रातिशाख्यानुसारं कति सन्धयो भवन्ति? BHU AET–2012

(A) षट् (B) सप्त
(C) अष्ट (D) दश

46. तैत्तिरीयप्रातिशाख्यानुसारं कति स्वराः भवन्ति? BHU AET–2012

(A) षोडश (B) चतुर्दश
(C) विंशतिः (D) त्रिंशत्

तैत्तिरीयप्रातिशाख्य-जमुना पाठक/सुशील कुमार पाठक, पेज–06

47. तैत्तिरीयप्रातिशाख्यानुसारं कति ऊष्माणो भवन्ति– BHU AET–2012

(A) चत्वारः (B) षट्
(C) पञ्च (D) नव

स्रोत–*तैत्तिरीयप्रातिशाख्य-जमुना पाठक/सुशील कुमार पाठक, पेज–09*

41. (B) 42. (B) 43. (D) 44. (A) 45. (A)
51. (D) 52. (A) 53. (B) 54. (B)

48. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारं सोष्मवर्णः कः–
UGC 25 S–2013
(A) च (B) छ
(C) ज (D) ट
स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–55

49. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारम् अघोषवर्णः कः–
UGC 25 S–2013
(A) श (B) ष
(C) ड (D) ण
स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–54

50. सोष्मसञ्ज्ञो वर्णः कः– UGC 25 D–2012
(A) क (B) ख
(C) ग (D) ङ
स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–55

51. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारं सोष्मवर्णः कः–
UGC 25 J–2014
(A) थ (B) द
(C) प (D) ख
स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–55

52. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारम् अघोषवर्णः कः?
UGC 25 J–2014
(A) त (B) द
(C) ध (D) ब
स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–54

53. अष्टविकृतपाठेषु कः पाठः सर्वाधिककठिनः विलक्षणश्चास्ति? BHU AET–2010
(A) जटा (B) घनः
(C) रेखा (D) शिखा
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

54. घनपाठे प्रथमपदस्य कतिवारमावृत्तिर्भवति?
BHU AET–2010
(A) द्विवारम् (B) पञ्चवारम्
(C) त्रिवारम् (D) सप्तवारम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

46. (A) 47. (B) 48. (B) 49. (A) 50. (B)

55. वैदिक-पदपाठस्य विकृतयः सन्ति– JNU MET–2014

(A) षट् (B) सप्त

(C) अष्ट (D) तिस्रः

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–18

56. वेदानां रक्षार्थं कतिविकृतिपाठाः मन्यन्ते? BHU AET–2012

(A) पञ्च (B) षट्

(C) अष्ट (D) दश

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08*

57. संहिताध्ययनानन्तरं कः पाठः विधीयते– UGC 25 D–2010

(A) क्रमपाठः (B) पदपाठः

(C) जटापाठः (D) घनपाठः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज भू.–36*

58. 'निर्भुज संहितापाठ' है– BHU AET–2015

(A) आर्षपाठ (B) जटापाठ

(C) घनपाठ (D) विकृतिपाठ

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–17*

59. पदपाठ इत्यस्य परमप्रयोजनम् अस्ति– UGC 25 J–2015

(A) पदनिर्माणम् (B) शब्दनिर्माणम्

(C) वेदपाठरक्षणम् (D) मन्त्रगानम्

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज-36 भू. 37*

60. अर्थ समझते हुये वैदिक मन्त्रों के सस्वर पाठ को कहा जाता है? UP TET–2016

(A) पारायण विधि (B) सूत्रविधि

(C) वाद-विवाद विधि (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–*संस्कृतशिक्षणविधि - विजयनारायण चौबे, पेज–85*

61. कः पाठः अष्टविधः– UGC 25 D–2014

(A) क्रमपाठः (B) पदपाठः

(C) विकृतिपाठः (D) संहितापाठः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–8*

55. (C)	**56. (C)**	**57. (B)**	**58. (A)**	**59. (C)**
65. (A)	**66. (C)**	**67. (C)**		

62. 'साम' इति शब्देन किं गृह्यते– BHU AET–2010

(A) सदनम् (B) सादनम्

(C) साम्यम् (D) सर्जनम्

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–100

63. शुक्लयजुःप्रातिशाख्यस्य कस्मिन् अध्याये संज्ञापरिभाषयोः वर्णनम् अस्ति? BHU AET–2010

(A) प्रथमे (B) द्वितीये

(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–179*

64. ''शिक्षा घ्राणं तु वेदस्य मुखं व्याकरणं स्मृतम्'' इति कस्यां शिक्षायां विलसति? BHU AET–2010

(A) पाणिनीयशिक्षा

(B) माण्डूकीयशिक्षा

(C) नारदीयशिक्षा

(D) याज्ञवल्क्यशिक्षा

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-42)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, पेज–143*

65. ''स वाग्वज्रो यजमानं हिनस्ति यथेन्द्रशत्रुः स्वरतोऽपराधात्'' इत्यंशः कुत्रास्ति? BHU AET–2010

(A) पाणिनीयशिक्षा (B) नारदीयशिक्षा

(C) याज्ञवल्क्यशिक्षा (D) वाशिष्ठीशिक्षा

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-52)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, पेज–165*

66. 'पत्सुतः शी' पदस्य अभिप्रेतार्थः– CCSUM - Ph.D–2016

(A) यमः (B) इन्द्रः

(C) वृत्रः (D) दानुः

स्रोत–*वेदचयनम् (ऋग्वेद 1.32.8)- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–47-48*

67. 'तत्त्वा यामि' मन्त्रे 'यामि' पदस्य आशयः– CCSUM - Ph.D–2016

(A) गच्छामि (B) आगच्छामि

(C) याचे (D) स्तौमि

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–63-64*

60. (A) 61. (C) 62. (C) 63. (A) 64. (A)

13. वैदिक

1. 'स्वाध्यायोऽध्येतव्यः' इति वचनं कस्य? **BHU AET–2010**
(A) तन्त्रस्य (B) श्रुतेः
(C) पुराणस्य (D) रामायणस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–02

2. **(i) 'अग्निमीळे पुरोहितं ....' किस वेद का है?**
(ii) 'अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्। होतारं रत्नधातमम्।।' इति मन्त्रः कस्य वेदस्य प्रथमो मन्त्रोऽस्ति। BHU RET–2008, UGC 25 D–2001
(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
ऋक्सूक्तसंग्रह (अग्निसूक्त 1.1.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

3. **''ओ३म् क्रतो स्मर'' इति प्राप्यते– JNU MET–2014**
(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–यजुर्वेद (40.15) - वेदान्ततीर्थ, पेज–488

4. **''द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया'' प्राप्यते– JNU MET–2014**
(A) ऋग्वेदे (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) महाभारते
वैदिक साहित्य का इतिहास (ऋग्वेद 10.164.20)-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–49

5. **'स नः पितेव सूनवे' किस सूक्त से सम्बद्ध है? UGC 73 J–2015**
(A) रुद्रसूक्तेन (B) अग्निसूक्तेन
(C) इन्द्रसूक्तेन (D) सवितृसूक्तेन
ऋक्सूक्तसंग्रह (अग्निसूक्त 1.1.9)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–60

6. **त्रिस्त्रोदेव्यः इति कस्यां संहितायां प्राप्यते? BHU AET–2010**
(A) वाजसनेयिसंहितायाम् (B) गोपथसंहितायाम्
(C) कौथुमसंहितायाम् (D) माध्वसंहितायाम्

1. (B) 2. (A) 3. (B) 4. (A) 5. (B)
11. (B)

क-सूक्तियाँ

7. ''विद्ययामृतमश्नुते'' इति वाक्यांशः वाजसनेयि–संहितायाः कस्मिन्नध्याये अस्ति? **BHU AET–2010**

(A) द्वादशे (B) त्रयोदशे
(C) नवत्रिंशे (D) चत्वारिंशे

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–27, 36*

8. ''वसोः पवित्रमसि शतधारम्'' इति मन्त्रः शुक्ल–यजुर्वेदस्य कस्मिन्नध्याये प्राप्यते? **BHU AET–2010**

(A) प्रथमे (B) तृतीये
(C) सप्तमे (D) दशमे

स्रोत–*यजुर्वेद (प्रथमोऽध्याय) - वेदान्ततीर्थ, पेज–18*

9. ''अहं ब्रह्मास्मि'' कस्मिन् वेदान्तर्गतो भवति? **BHU AET–2010**

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*(i) बृहदारण्यकोपनिषद् (1.4.10)-शाङ्करभाष्य, गीताप्रेस, पेज–241*
(ii) वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–05, 122

10. ''असुर्या नाम ते लोकाः'' इत्युक्तिः कस्य वेदस्य? **BHU AET–2010, 2011**

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*यजुर्वेद (40.3) - वेदान्ततीर्थ, पेज–485*

11. ''कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः''-इति सूक्तिः केन वेदेन सम्बद्धा। **UGC 25 D–2014**

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–*(i) धार्मिक सूक्तियाँ - प्रकाशचन्द्र गंगराडे, पेज–39*
(ii) यजुर्वेद (40.3) - वेदान्ततीर्थ, पेज–485

6. (A) 7. (D) 8. (A) 9. (B) 10. (B)

12. ''तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'' कहाँ की पंक्ति है–
UGC 73 D–1996, BHU MET–2011

(A) ऋग्वेद की (B) अथर्ववेद की
(C) सामवेद की (D) यजुर्वेद की

स्रोत–*यजुर्वेद (40.1) - वेदान्ततीर्थ, पेज–485*

13. ''आनन्दं ब्रह्मणो विद्वान् न बिभेति कुतश्चन'' वर्तते?
UGC 25 J–2006

(A) बृहदारण्यके (B) तैत्तिरीये
(C) केनोपनिषदि (D) छान्दोग्ये

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–403*

14. 'विश्वं भवत्येकनीडम्' इति पद्यांशः कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते?
JNU MET–2015

(A) वेदे (B) महाभारते
(C) रामायणे (D) योगवाशिष्ठे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75*

15. (i) ''स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्'' इति वचनं कस्यामुपनिषदि विराजते– UGC 25 J–2008,
(ii) 'स्वाध्यायान्मा प्रमदः' वर्तते? 2009

(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि

स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–362*
(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (शीक्षावल्ली एकादश अनुवाक)

16. ''आ ब्रह्मन् ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चसी जायतामा राष्ट्रे'' इति मन्त्रः अस्ति– UGC 73 D–2010

(A) ऋग्वेदस्य (B) अथर्ववेदस्य
(C) वाजसनेयसंहितायाः (D) कठसंहितायाः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76*
(ii) यजुर्वेद (22.22) - आचार्य वेदान्ततीर्थ, पेज–339

17. ''विद्ययाऽमृतमश्नुते'' यह सूक्ति प्राप्त होती है–
UGC 73 D–2006

(A) अथर्ववेदे (B) शुक्लयजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) ऋग्वेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76*

12. (D) 13. (B) 14. (A) 15. (C) 16. (C)
22. (C)

18. ''मा गृधः कस्यस्विद्धनम्'' यह सूक्ति मिलती है– **UGC 73 J–2011**

(A) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (B) शुक्लयजुर्वेदे

(C) ऋग्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76*

(ii) ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-1) - दीपक कुमार, पेज–18

19. 'योऽसावादित्ये पुरुषः सोऽसावहम्' – इति वाक्यं कुत्र वर्तते? **UGC 25 D–2015**

(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे

(C) यजुर्वेदे (D) अथर्ववेदे

स्रोत–*यजुर्वेद (40.17) - वेदान्ततीर्थ, पेज–488*

20. (i) 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है–

(ii) 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' इति कस्य वचनम् अस्ति।

UGC 25 J–2011, BHU MET–2013, 2014
UGC 73 J–2015, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य

(C) श्रीमद्भगवद्गीतायाः (D) अथर्ववेदस्य

वैदिकसूक्तसंग्रह पृथिवीसूक्त (12.1.10) -विजयशंकर पाण्डेय, पेज–142

21. ''ऋचः सामानि छन्दांसि पुराणं यजुषा सह'' इति कुतः उद्धृतः– **UGC 25 D–2014**

(A) ऋग्वेदात् (B) अथर्ववेदात्

(C) रामायणात् (D) महाभारतात्

स्रोत–*(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–173*

(ii) अथर्ववेद (11.7.24), वेदान्ततीर्थ, पेज–72

22. ''सा नो भूमिर्विसृजतां माता पुत्राय मे पयः'' मन्त्रांशोऽयं कुत्रास्ति? **UK SLET–2015**

(A) ऋग्वेदे (B) कृष्णयजुर्वेदे

(C) अथर्ववेदे (D) सुश्रुतसंहितायाम्

स्रोत–*(i) वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–260*

(ii) वैदिकसूक्तसंग्रह (पृथ्वीसूक्त अथर्ववेद 12.10.8)-विजयशंकर पाण्डेय, पेज–140

17. (B) 18. (B) 19. (C) 20. (D) 21. (B)

23. 'माताभूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' से सम्बन्धित है–

BHU MET–2009, 2014

(A) पृथिवीसूक्त (B) रुद्रसूक्त

(C) हिरण्यगर्भसूक्त (D) वरुणसूक्त

वैदिकसूक्तसंग्रह अथर्ववेद (12.1.10)-विजयशंकर पाण्डेय, पेज–142

24. 'कविर्मनीषी परिभूः स्वयम्भूः' कुत्र इयम् उक्तिः–

UGC 25 J–2012

(A) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्

(B) कठोपनिषदि

(C) ईशावास्योपनिषदि

(D) श्रीमद्भागवते

स्रोत*–*ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-8) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–56

25. ''तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः'' कुत्र इयम् उक्तिः–

UGC 25 D–2012, J–2013

(A) भगवद्गीतायाम् (B) श्रीमद्भागवते

(C) ईशावास्योपनिषदि (D) कठोपनिषदि

स्रोत*–*ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-5) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–51

26. (i) ''विद्ययाऽमृतमश्नुते'' वाक्य किससे सम्बद्ध है?

(ii) 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' इति सूक्तिः लभ्यते?

(iii) 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' किस उपनिषद् में है?

DSSSB PGT–2014, UP TET–2013

UGC 73 D–2008, BHU MET–2009, 2013

(A) कठोपनिषदि (B) शतपथब्राह्मणे

(C) ईशावास्योपनिषदि (D) तैत्तिरीयारण्यके

स्रोत*–*ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-11) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–62

27. 'खं ब्रह्म' एतद् वाक्यं कस्याम् उपनिषदि प्राप्यते?

BHU AET–2010

(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि

(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) प्रश्नोपनिषदि

स्रोत*–*बृहदारण्यकोपनिषद् शाङ्करभाष्य - गीताप्रेस, पेज–1173

23. (A) 24. (C) 25. (C) 26. (C) 27. (C)
33. (D)

28. (i) ''तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'' किसमें मिलता है?

(ii) ''तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'' उक्ति है?

(iii) ''तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'' यह पंक्ति किस उपनिषद् में मिलती है?

UGC 73 D–1992, 1994, BHU MET–2012
H-TET–2015, CCSUM-Ph. D–2016

(A) मुण्डकोपनिषद् में (B) ईशावास्योपनिषद् में
(C) नारायणोपनिषद् में (D) छान्दोग्योपनिषद् में

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-1) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–41

29. ''मा गृधः कस्यस्विद्धनम्'' यह वाक्य है?

UGC 73 S–2013

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) तैत्तिरीयोपनिषद् (D) माण्डूक्योपनिषद्

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-1) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–41

30. ''अन्धं तमः प्रविशन्ति'' इति वचनं कस्यामुपनिषदि वर्तते?

UGC 25 D–2008

(A) कठोपनिषदि (B) ईशोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-9) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–59

31. 'योऽसावसौ पुरुषः सोऽहमस्मि' - इत्यस्य कुत्रोपदेशः?

UGC 25 D–2013

(A) ईशोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) श्रीमद्भागवते

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-16) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–71

32. ''कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः''–किस उपनिषद् से है– UGC 25 D–1996, BHU MET–2014

(A) कठोपनिषद् (B) ईशावास्योपनिषद्
(C) केनोपनिषद् (D) मुण्डकोपनिषद्

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-02) - दीपककुमार, पेज–26

33. 'न कर्म लिप्यते नरे' यह वेदवाक्य कहाँ उल्लिखित है?

UGC 73 D–2015

(A) मुण्डकोपनिषदि (B) श्वेताश्वतरोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) ईशावास्योपनिषदि

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-02) - दीपककुमार, पेज–26

28. (B) 29. (A) 30. (B) 31. (A) 32. (B)

34. ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' इति कुत्र विद्यते–
UGC 25 D–2012, 2014

(A) ऋग्वेदे (B) बृहदारण्यके
(C) अथर्ववेदे (D) सामविधाने

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् (अध्याय-1/3/28)-गीताप्रेस, पेज–153*

35. ''उत्तब्धं वागेव गीथोच्च गीथा चेति सउद्गीथः'' कुत्रेयमुक्तिः? UGC 25 J–2014

(A) केनोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् शाङ्करभाष्य - गीताप्रेस, पेज–145*

36. ''पूर्णमदः पूर्णमिदम्'' पाया जाता है– UGC 25 D–2003, BHU AET–2011, CCSUM-Ph. D–2016

(A) बृहदारण्यकोपनिषद् में
(B) छान्दोग्योपनिषद् में
(C) प्रश्नोपनिषद् में
(D) तैत्तिरीयोपनिषद् में

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् (अध्याय 5/1/1)-गीताप्रेस, पेज–1161*

37. ''अहं ब्रह्मास्मि'' इति कुत्र उक्तम्? BHU AET–2012

(A) कठोपनिषदि (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) गीतायाम् (D) छान्दोग्योपनिषदि

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 1/4/10)-गीताप्रेस, पेज–241*

38. ''विज्ञानमानन्दं ब्रह्म'' इति वाक्यं वर्तते?
BHU AET–2012

(A) कठोपनिषदि (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) गीतायाम् (D) न्याये

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 3/9/28)-गीताप्रेस, पेज–827*

39. 'आत्मैवेदमग्र आसीत् पुरुषविधः'' इति कुत्रोक्तम्–
UGC 25 D–2013

(A) कठोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) केनोपनिषदि

***स्रोत**–बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 1/4/1)-गीताप्रेस, पेज–162*

34. (B) 35. (D) 36. (A) 37. (B) 38. (B)
44. (D) 45. (B)

40. 'अमृतं च स्थितं च यच्च सच्च त्यच्च' कुत्र इयम् उक्तिः?
UGC 25 S–2013
(A) केनोपनिषदि (B) छान्दोग्योपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 2/3/1)-गीताप्रेस, पेज–511*

41. ''आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः'' इति कस्य वचनम्?
BHU MET–2012
(A) बृहदारण्यकोपनिषदः (B)गीतायाः
(C) मुण्डकोपनिषदः (D) कठोपनिषदः
स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 2/4/5)-गीताप्रेस, पेज–546*

42. 'आत्मनस्तु कामाय सर्वं प्रियं भवति' इति समुक्तम्–
UGC 25 D–2009
(A) कठोपनिषदि (B) मुण्डकोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) छान्दोग्योपनिषदि
बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 2/4/5) - गीताप्रेस, पेज–546

43. 'वाचं धेनुमुपासीत' इति कुत्र उपदिश्यते–
UGC 25 J–2013
(A) श्रीमद्भागवते (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) ईशोपनिषदि
स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 5/8/1)-गीताप्रेस, पेज–1203*

44. (i) 'असतो मा सद्गमय' यह उक्ति किस उपनिषद् में है?
BHU AET–2011
(ii) ''असतो मा सद्गमय'' कुत्रोपलब्धिर्भवति?
UGC 25 J–1995, D–2001, JNU MET–2015
(A) छान्दोग्योपनिषदि (B) मुण्डकोपनिषदि
(C) माण्डूक्योपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 1/3/28)-गीताप्रेस, पेज–153*

45. ''असद् वा इदमग्र आसीत्'' अयं विचारः कुत्र निर्दिष्टः–
UGC 25 D–2012
(A) ईश (B) तैत्तिरीय
(C) केन (D) बृहदारण्यक
स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–390*
(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली-2 अनुवाक 7)

39. (C) 40. (D) 41. (A) 42. (C) 43. (B)

46. 'युवा स्यात् साधु युवा' इति कुत्र उपदिश्यते?
UGC 25 J–2012
(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) केनोपनिषदि
स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्य)-गीताप्रेस, पेज–1043*
(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली-2 अनुवाक 7)

47. (i) 'श्रुतं मे गोपाय' इति श्रुतिवाक्यं कुतः गृहीतम्?
(ii) ''श्रुतं मे गोपाय'' के उल्लेख वाला ग्रन्थ है–
HE–2015, BHU MET–2015
(A) कठोपनिषद् (B) तैत्तिरीयोपनिषद्
(C) केनोपनिषद् (D) छान्दोग्योपनिषद्
स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–341*
(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली 1 अनुवाक 04)

48. ''यतो वा इमानि भूतानि जायन्ते'' इति कुत्र उक्तम्?
BHU AET–2012
(A) कठोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) ईशावास्योपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि
स्रोत–*(i) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली-3 अनुवाक प्रथम)*
(ii) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–405

49. (i) 'सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म' यह उद्धरण कहाँ पर है?
(ii) ''सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म'' इति उक्तम्–
BHU AET–2012, UGC 73 D–2015
(A) महाभारते (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) सांख्यदर्शने (D) कठोपनिषदि
स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–372*
(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली-2 अनुवाक 01)

50. (i) 'यतो वाचो निवर्तन्ते' इति कस्य वाक्यम्?
(ii) ''यतो वाचो निवर्तन्ते अप्राप्य मनसा सह'' कुत्र इयम् उक्तिः? UGC 25 D–2013, UK SLET–2012
(A) कठोपनिषद् (B) तैत्तिरीयोपनिषद्
(C) केनोपनिषद् (D) बृहदारण्यकोपनिषद्
स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–381*
(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली-2, अनुवाक 04 एवं 09), पेज–381, 403

46. (A) 47. (B) 48. (B) 49. (B) 50. (B)
56. (D)

51. 'अन्नाद् भूतानि जायन्ते जातान्यन्नेन वर्धन्ते' इयमुक्तिः कुत्रास्ति? **UGC 25 J–2013**

(A) कठोपनिषद् (B) बृहदारण्यकोपनिषद्

(C) केनोपनिषद् (D) तैत्तिरीयोपनिषद्

स्रोत–*(i) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–374*

(ii) तैत्तिरीयोपनिषद् (वल्ली-2 अनुवाक-02)-चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–50

52. ''उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत'' इति कुत्र उपदिश्यते। **UGC 25 J–2012, UP PGT (H)–2000 BHU AET–2011, CCSUM-Ph. D–2016**

(A) भगवद्गीतायाम् (B) श्रीमद्भागवते

(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठो. 1/3/14)-गीताप्रेस, पेज–132*

53. 'मानी पुनः पुनर्वशमापद्यते मे' कुत्र इयम् उक्तिः? **UGC 25 S–2013**

(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) बृहदारण्यके

(C) कठोपनिषदि (D) केनोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/2/6) - गीताप्रेस, पेज–103*

54. ''येयं प्रेते विचिकित्सा मनुष्येऽस्तीत्येके नायमस्तीति चैके'' यह किसका कथन है– **BHU MET–2011, 2012**

(A) वाजश्रवा का (B) नचिकेता का

(C) त्रिणाचिकेत का (D) यम का

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/1/20)-गीताप्रेस, पेज–89*

55. ''श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः'' यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है– **BHU MET–2011, 2012**

(A) कठोपनिषद् में (B) ईशोपनिषद् में

(C) छान्दोग्योपनिषद् में (D) बृहदारण्यकोपनिषद् में

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/2/2)-गीताप्रेस, पेज–99*

56. 'योगो हि प्रभवाप्ययौ' कुत्र इयम् उक्तिः? **UGC 25 J–2014**

(A) बृहदारण्यके (B) केनोपनिषदि

(C) भगवद्गीतायाम् (D) कठोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 2/3/11)-गीताप्रेस, पेज–165*

51. (D) 52. (C) 53. (C) 54. (B) 55. (A)

57. ''सस्यमिव मर्त्यः पच्यते सस्यमिवाजायते पुनः'' इति केनोक्तम्?
UGC 25 J–2014, BHU MET–2009, 2013

(A) नचिकेतसा (B) वाजश्रवसा
(C) यमेन (D) अग्निना

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/1/6)-गीताप्रेस, पेज–80*

58. ''इन्द्रियेभ्यः परा ह्यर्था अर्थेभ्यश्च परं मनः'' इति कुत्रत्या उक्तिरियम्? UGC 25 D–2012

(A) कठोपनिषद् (B) बृहदारण्यकोपनिषद्
(C) तैत्तिरीयोपनिषद् (D) केनोपनिषद्

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/3/10)-गीताप्रेस, पेज–128*

59. ''आत्मानं रथिनं विद्धि'' उपलब्ध है?
UGC 73 J–1999

(A) कठोपनिषद् में (B) ईशावास्योपनिषद् में
(C) केनोपनिषद् में (D) मुण्डकोपनिषद् में

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/3/3)-गीताप्रेस, पेज–123*

60. 'स्वर्गे लोके न भयं किञ्चिनास्ति, न तत्र त्वं न जरया बिभेति' किस उपनिषद् से सम्बद्ध है? BHU MET–2008

(A) केनोपनिषद् (B) मुण्डकोपनिषद्
(C) कठोपनिषद् (D) छान्दोग्योपनिषद्

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/1/12)-गीताप्रेस, पेज–84*

61. ''मृत्यवे त्वा ददामीति'' किसने कहा?
BHU MET–2009, 2013, UGC 25 S–2013

(A) यम (B) उद्दालक
(C) नचिकेता (D) कुमार

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/1/4) - गीताप्रेस, पेज–78*

62. ''ॐ सह नाववतु सह नौ भुनक्तु सह वीर्यं करवावहै तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।'' यह शान्तिपाठ किस उपनिषद् में प्राप्त होता है? BHU MET 2009, 2013

(A) कठ (B) केन
(C) प्रश्न (D) ईश

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–75*

57. (A) 58. (A) 59. (A) 60. (C) 61. (B)
67. (A) 68. (A)

63. 'अङ्गुष्ठमात्रः पुरुषोऽन्तरात्मा' इयमुक्तिः कुत्रास्ति?
UGC 25 J–2013

(A) ईशोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) केनोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 2/3/17)-गीताप्रेस, पेज–168*

64. ''न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः'' उद्धृतोऽस्ति?
UP GDC–2012

(A) ईशावास्योपनिषदि (B) प्रश्नोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/1/27)-गीताप्रेस, पेज–96*

65. ''अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणः'' इयमुक्तिः कुत्रास्ति?
UGC 25 D–2013

(A) बृहदारण्यकोपनिषदि (B) ईशोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) कठोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1/2/18)-गीताप्रेस, पेज–113*

66. (i) ''सर्वं खल्विदं ब्रह्म'' कुत्रास्ति वाक्यमिदम्–
(ii) ''सर्वं खल्विदं ब्रह्म'' यह महावाक्य किस ग्रन्थ में है? BHU AET–2010, 2011, BHU MET–2014
(iii) 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म तज्जलानिति' को बताने वाला ग्रन्थ है–UGC 73 J–2015, CCSUM - Ph. D–2016

(A) छान्दोग्य (B) ऐतरेय
(C) मुण्डक (D) कठ

स्रोत–*छान्दोग्योपनिषद् शाङ्करभाष्य (3/14/1)-गीताप्रेस, पेज–280*

67. ''तरति शोकमात्मवित्'' इति उक्तम्– BHU AET–2012

(A) छान्दोग्योपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) मुण्डकोपनिषदि (D) रामायणे

स्रोत–*छान्दोग्योपनिषद् शाङ्करभाष्य (7/1/3)-गीताप्रेस, पेज–673*

68. (i) 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यं कस्यां उपनिषदि प्राप्यते?
UP GDC–2012, BHU AET–2011, 2012
(ii) 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यम् उपदिष्टमस्ति–

(A) छान्दोग्योपनिषदि (B) मुण्डकोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) ऐतरेयब्राह्मणे

स्रोत–*छान्दोग्योपनिषद् शाङ्करभाष्य (6/8/7)-गीताप्रेस, पेज–619*

62. (A) 63. (C) 64. (C) 65. (D) 66. (A)

69. ''प्रज्ञा प्रतिष्ठा प्रज्ञानं ब्रह्म'' वाला उपनिषद् है–
BHU MET–2014

(A) बृहदारण्यकोपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) ऐतरेयोपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (ऐतरेयोपनिषद् 3/1/3)-गीताप्रेस, पेज–327*

70. ''ऋग्वेदं भगवोऽध्येमि'' इति वाक्यमस्ति?
JNU M.Phil/Ph.D–2014

(A) ऐतरेयोपनिषदि (B) यजुर्वेदे
(C) छान्दोग्योपनिषदि (D) तैत्तिरीयोपनिषदि

स्रोत–*छान्दोग्योपनिषद् (शाङ्करभाष्य 7/1/2)-गीताप्रेस, पेज–672*

71. ''विद्यया विन्दतेऽमृतम्'' इति कुत्रोपदिष्टम्–
UGC 25 J–2012

(A) ईशावास्योपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) कठोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (केनोपनिषद् 2/4)-गीताप्रेस, पेज–57*

72. 'अतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लोकादमृता भवन्ति' कुत्र इयम् उक्तिः? UGC 25 D–2013

(A) ईशोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) भगवद्गीतायाम् (D) कठोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (केनोपनिषद् 01/2)-गीताप्रेस, पेज–49*

73. 'यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्' कुत्र इयम् उक्तिः–
UGC 25 J–2013

(A) ईशोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) भगवद्गीतायाम्

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (केनोपनिषद् 1.5)-गीताप्रेस, पेज–51*

74. (i) 'आत्मना विन्दते वीर्यम्' अयं विचारः कुत्रोपदिश्यते?
(ii) ''आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम्'' इति उक्तिः अस्ति? UGC 25 S–2013, D–2014

(A) ईशावास्योपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् (केनोपनिषद् खण्ड 2/4)-गीताप्रेस, पेज–57*

69. (C) 70. (C) 71. (B) 72. (B) 73. (B)
79. (A)

75. 'आदित्यो ह वै प्राणोरयिरेव चन्द्रमाः' से सम्बन्धित ग्रन्थ है– **BHU MET–2015**

(A) ईशावास्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्

(C) छान्दोग्योपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (प्रश्नोपनिषद् 1/5)-गीताप्रेस, पेज–175

76. (i) 'सत्यमेव जयते' कुत्र प्राप्यते?

(ii) ''सत्यमेव जयते नाऽनृतम्'' जिसमें पठित है, वह है–

(iii) 'सत्यमेव जयते' पंक्तेः सन्दर्भग्रन्थः–

(iv) 'सत्यमेव जयते' शब्द कहाँ से लिया गया है?

UP PCS 1991, 2004, UK PCS–2004
MP PCS – 1992, 1997, AWES TGT–2013
DSSSB TGT–2014, UGC 73 J–2015
BHU AET–2011, UGC 25 J–2005, BHU MET–2014

(A) रघुवंशम् (B) मुण्डकोपनिषद्

(C) ईशोपनिषद् (D) सामवेदः

ईशादि नौ उपनिषद् (मुण्डकोपनिषद् 3/1/6)-गीताप्रेस, पेज–269

77. ''भिद्यते हृदयग्रन्थिः'' कुत्रास्ति? **BHU AET–2011**

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) माण्डूक्योपनिषद्

(C) केनोपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्

ईशादि नौ उपनिषद् (मुण्डकोपनिषद् 2/2/8)-गीताप्रेस, पेज–262

78. ''द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया'' कस्याम् उपनिषदि प्राप्यते? **BHU AET–2011**

(A) माण्डूक्योपनिषदि (B) मुण्डकोपनिषदि

(C) केनोपनिषदि (D) तैत्तिरीयोपनिषदि

ईशादि नौ उपनिषद् (मुण्डकोपनिषद् 3/1/1)-गीताप्रेस, पेज–265

79. ''क्षीयन्ते चास्य कर्माणि'' इति कस्य वाक्यम्– **BHU AET–2012**

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) केनोपनिषद्

(C) कठोपनिषद् (D) ईशावास्योपनिषद्

ईशादि नौ उपनिषद् (मुण्डकोपनिषद् 2/2/8)-गीताप्रेस, पेज–262

74. (C) 75. (D) 76. (B) 77. (A) 78. (B)

80. रिक्तस्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपर्युक्त अंश कौन है– स्वस्ति नो............ BHU MET–2009

(A) पूषा विश्ववेदाः (B) इन्द्रो वृद्धश्रवाः
(C) तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः (D) बृहस्पतिर्दधातु

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–282*

81. ''ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू'...... कृतः'' इत्यत्र वर्णव्यवस्थामधिकृत्य रिक्तस्थानं प्रपूरयत– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) वैश्यः (B) शूद्रः
(C) ब्राह्मणः (D) राजन्यः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/90/12) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–401

82. ''तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्'' इति कस्य सूक्तस्य ऋचांशोऽस्ति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) पुरुषसूक्तस्य (B) इन्द्रसूक्तस्य
(C) अग्निसूक्तस्य (D) विष्णुसूक्तस्य

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/90/16) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–404

83. पुरुषसूक्तेन सम्बद्धा उक्तिः अस्ति– UGC 25 J–2015

(A) राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम्
(B) यः पर्वतान् प्रकुपिताँ अरम्णात्
(C) स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्
(D) न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/90/1) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–392

84. 'कामस्तदग्रे' इति कस्य सूक्तस्य मन्त्रांशोऽस्ति? UP GDC –2014

(A) हिरण्यगर्भः (B) नासदीयः
(C) पुरुषः (D) वागम्भृणी

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/129/04) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–434

85. 'य आत्मदा बलदा' ये सम्बन्धित सूक्त है– BHU MET–2014

(A) पृथिवीसूक्त (B) हिरण्यगर्भसूक्त
(C) अग्निसूक्त (D) वरुणसूक्त

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/12/12) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–407

80. (D) 81. (D) 82. (A) 83. (C) 84. (B)
90. (C) 91. (C)

86. ''अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम्'' मन्त्रोऽयं कस्मिन्– सूक्ते वर्तते? UK SLET–2015

(A) अग्निसूक्ते (B) वरुणसूक्ते
(C) वाक्सूक्ते (D) पुरुषसूक्ते

(i) ऋक्सूक्तसंग्रह (वाक्सूक्त 10.125.3)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–418
(iii) वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–174

87. ''यत्र गावो भूरिशृङ्गा अयासः'' यह किस मन्त्र का है– BHU MET–2012

(A) अग्निसूक्त (B) विष्णुसूक्त
(C) इन्द्रसूक्त (D) वाक्सूक्त

(i) ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.54.06)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–170
(ii) वेदचयनम् - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, पेज–106

88. ''यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं'' इत्यनेन मन्त्रांशेन सम्बद्धं सूक्तम् अस्ति। UP GDC–2008, UP GIC–2015

(A) अग्निसूक्तम् (B) शिवसङ्कल्पसूक्तम्
(C) नासदीयसूक्तम् (D) इन्द्रसूक्तम्

वैदिकसूक्तसंग्रह (शिवसङ्कल्पसूक्त मन्त्र 01)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–51

89. ''हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठम्'' इति श्लोकांशः सूचकः अस्ति? UP GIC–2015

(A) देवतायाः (B) ब्रह्मणः
(C) धनदस्य (D) मनसः

वैदिकसूक्तसंग्रह (शिवसङ्कल्पसूक्त मन्त्र-06)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–55

90. ''ब्रह्मा सर्वविद्यः सर्वं वेदितुमर्हति'' का जहाँ उल्लेख है, वह ग्रन्थ है– BHU MET–2014

(A) मनुस्मृति (B) शतपथब्राह्मण
(C) निरुक्त (D) ईशोपनिषद्

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–25*

91. 'अनर्थकाः हि मन्त्राः' इति कस्य वचनम्– BHU AET–2011

(A) चार्वाकस्य (B) बौद्धस्य
(C) कौत्सस्य (D) जैनस्य

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–14*
(ii) हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–126

85. (B) 86. (C) 87. (B) 88. (B) 89. (D)

92. "अर्थावबोधे निरपेक्षतया पदजातं यत्र उक्तं तन्निरुक्तम्" इति कस्य उक्तिः? BHU AET–2011

(A) यास्कस्य (B) दुर्गाचार्यस्य

(C) सायणाचार्यस्य (D) माधवाचार्यस्य

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भू.-11*

93. 'मुखं व्याकरणं स्मृतम्' इति कस्य वचनम्? BHU AET–2011

(A) पतञ्जलेः (B) पाणिनेः

(C) मनोः (D) याज्ञवल्क्यस्य

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190*

(ii) पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-42)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–143

94. "अङ्गानि वेदाश्चत्वारो मीमांसा न्यायविस्तरः। पुराणधर्मशास्त्रञ्च विद्या ह्येताश्चतुर्दश" इति कस्य वचनमस्ति? BHU AET–2011

(A) कात्यायनस्य (B) बृहस्पतेः

(C) मनोः (D) हारीतस्य

95. "उपजीव्यस्य यजुर्वेदस्य प्रथमतो व्याख्यानं युक्तम्" इति कः कथितवान्– BHU AET–2011

(A) उव्वटः (B) महीधरः

(C) सायणः (D) यास्कः

स्रोत–*ऋग्वेदभाष्यभूमिका-रामअवध पाण्डेय, पेज–07*

96. 'कपिष्ठलो' इति कुत्र प्राप्यते? BHU AET–2010, 2012

(A) महाभाष्ये (B) अष्टाध्याय्याम्

(C) गीतायाम् (D) रघुवंशे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.91) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1073*

97. "साक्षात्कृतधर्माण ऋषयो बभूवुः" इति केन उक्तमस्ति? BHU AET–2010, 2012

(A) पाणिनिना (B) यास्केन

(C) पतञ्जलिना (D) व्यासेन

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12*

(ii) निरुक्त (1.20) - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–33

92. (C) 93. (B) 94. (D) 95. (C) 96. (B)
102. (C)

98. ''रक्षोहागमलघ्वसन्देहाः प्रयोजनम्'' वचनमिदं कस्योक्तिः– **BHU AET–2011**

(A) पाणिनिः (B) कात्यायनः

(C) भर्तृहरिः (D) पतञ्जलिः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194*

99. 'शेषे ब्राह्मणशब्दः' कस्य वचनम्? BHU AET–2011

(A) जैमिनिः (B) उव्वटः

(C) गुणविष्णुः (D) व्यासः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–112*

100. अधोङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत–UGC 25 J–2013

(अ) पुरुषविद्याऽनित्यत्वात् कर्मसम्पत्तिर्मन्त्रो वेदे **1. ईशोपनिषद्**

(ब) ओ३म् क्रतो स्मर **2. ऋग्वेदः**

(स) कौषीतकिब्राह्मणम् **3. अथर्ववेदः**

(द) शौनकसंहिता **4. निरुक्तम्**

	अ	ब	स	द
(A)	4	1	2	3
(B)	1	4	3	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	4	3

स्रोत–*(अ) हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–22*

(ब) ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-17) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–74

(स, द) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9, 10

101. 'सर्वः शेषो व्यञ्जनान्येव' इति कुतः उद्धृतम्? UP GDC–2014

(A) ऋक्प्रातिशाख्यतः (B) पाणिनीयशिक्षातः

(C) सिद्धान्तकौमुदीतः (D) निरुक्ततः

स्रोत–*ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–50*

102. 'संविदाना दिवा कवे श्रियां मा धेहि भूत्याम्' मन्त्रांशोऽयं वर्तते– UGC 25 D–2013

(A) वाक्सूक्ते (B) हिरण्यगर्भसूक्ते

(C) पृथिवीसूक्ते (D) पुरुषसूक्ते

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज–143*

अथर्ववेद (पृथिवीसूक्त 12.1.63)

97. (B) 98. (D) 99. (A) 100. (A) 101. (A)

103. (i) 'सर्वज्ञानमयो हि सः' इति पदेन सम्बन्धितः ग्रन्थः–

(ii) ''सर्वज्ञानमयो हि सः'' यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है– BHU MET–2009, JNU MET–2014

(A) मनुस्मृति में (B) रामायण में

(C) महाभारत में (D) वेद में

स्रोत–*(i) मनुस्मृति (2.7) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–63*

(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–19

104. अधोलिखितानां युग्मानां तालिकां विचिनुत–

(क) मातृदेवो भव 1. बृहदारण्यकोपनिषद्

(ख) असतो मा सद्गमय 2. तैत्तिरीयोपनिषद्

(ग) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया 3. छान्दोग्योपनिषद्

(घ) तत्त्वमसि 4. मुण्डकोपनिषद्

UGC 25 J–2011

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	2	3	1
(D)	1	3	2	4

स्रोत–*(क) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–364*

(ख) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–185

(ग) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–265

(घ) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

105. ''येनाहं नामृता स्यां किमहं तेन कुर्याम्'' कया इदम् उच्यते? UGC 25 D–2013

(A) मैत्रेय्या (B) कात्यायन्या

(C) गायत्र्या (D) उमया

स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (5.4) - गीताप्रेस, पेज–1128*

106. ''वृषायमाणोऽवृणीत सोमम्'' से सम्बन्धित सूक्त है–

BHU MET–2014

(A) रुद्र (B) पर्जन्य

(C) अग्नि (D) इन्द्र

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (इन्द्रसूक्त 1.32.3) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–86*

103. (A) 104. (A) 105. (A) 106. (D) 107. (C)

107. ''न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु कामाय जाया प्रिया भवति'' कस्य इयम् उक्तिः–

UGC 25 J–2013

(A) कात्यायनस्य (B) मैत्रेय्याः

(C) याज्ञवल्क्यस्य (D) गार्ग्यस्य

स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (2.4) - गीताप्रेस, पेज–546*

108. ''केवलाघो भवति केवलादी'' से सम्बन्धित ग्रन्थ है–

BHU MET–2015

(A) ऋग्वेद (B) विष्णुपुराण

(C) कात्यायनश्रौतसूत्र (D) कठोपनिषद्

स्रोत–*(i) ऋग्वेद (10.117.6)*

(ii) हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–275

109. ''मन एव त्वच्छ्रेयो मनसो वै त्वं ....'' इति उक्तम्?

UGC 25 J–2015

(A) मनसा (B) वाचा

(C) नचिकेतसा (D) प्रजापतिना

स्रोत– *शतपथ ब्राह्मण (1.4.5.11) - वाङ्मनस् आख्यान*

110. ''इतिहास पुराणं पञ्चमं वेदानां वेदम्'' एतया पंक्त्या सम्बद्धा उपनिषद्– AWES TGT–2011, 2012

(A) कठोपनिषद् (B) छान्दोग्योपनिषद्

(C) केनोपनिषद् (D) मुण्डकोपनिषद्

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास (छान्दोग्य 7.1.2) - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–173*

111. 'इन्द्रेषिते प्रसवं भिक्षमाणे अच्छा समुद्रं रथ्येव याथः'' से सम्बन्धित सूक्त है– BHU MET–2014

(A) विश्वामित्रनदीसंवाद (B) रुद्र

(C) वरुण (D) सविता

स्रोत–*ऋग्वेद (विश्वामित्र नदी संवादसूक्त, 3.33.2)*

108. (A) 109. (D) 110. (B) 111. (A)

112. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत–

(क) पूर्णमदः पूर्णमिदम्	**1. निरुक्तम्**
(ख) मा गृधः कस्यस्विद्धनम्	**2. अथर्ववेदीया**
(ग) समाम्नायः समाम्नातः	**3. ईशावास्योपनिषद्**
(घ) पैप्पलादसंहिता	**4. बृहदारण्यकोपनिषद्**

UGC 25 J–2012

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	3	2	1	4
(C)	2	3	4	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–*(क) बृहदारण्यकोपनिषद् (5.1.1) शाङ्करभाष्य - गीताप्रेस, पेज–1161*
(ख) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–174
(ग) हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–1
(घ) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

113. ''कस्य नूनं कतमस्यामृतानाम्'' जिस सूक्त में पठित है, वह है– **BHU MET–2015**

(A) इन्द्र (B) वरुण
(C) नासदीय (D) सूर्य

स्रोत–*ऋग्वेद (1.24.1) - वेदान्ततीर्थ, पेज–61*

114. किं सत्यमस्ति– **UGC 25 J–2011**

(A) महर्षिदयानन्दः - अथर्ववेदभाष्यकारः
(B) महर्षिरमणः - ताण्ड्यब्राह्मणभाष्यकारः
(C) यास्कः - प्रातिशाख्यकारः
(D) पिङ्गलः - छन्दशास्त्रकारः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199*

115. ''आत्रायं पुरुषः स्वयं ज्योतिरिति'' वाक्य है– **UGC 73 S–2013**

(A) कठोपनिषद् में (B) तैत्तिरीयोपनिषद् में
(C) माण्डूक्योपनिषद् में (D) बृहदारण्यकोपनिषद् में

स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (4.3.2) - गीताप्रेस, पेज–869-877*

112. (A) 113. (D) 114. (D) 115. (D) 116. (A)

116. ''महान् प्रभुर्वै पुरुषः'' का जिसमें पाठ है, वह ग्रन्थ है– **BHU MET–2015**

(A) श्वेताश्वतरोपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) छान्दोग्योपनिषद् (D) प्रश्नोपनिषद्

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (श्वेताश्वतरोपनिषद् 3.12)-गीताप्रेस, पेज–467

117. 'तमीश्वराणां परमं महेश्वरं तं देवातानां परमं च दैवतम्'' इत्यादि मन्त्र किस उपनिषद् से उद्धृत है– **H-TET–2014**

(A) श्वेताश्वतरोपनिषद् से
(B) केनोपनिषद् से
(C) ईशोपनिषद् से
(D) इनमें से कोई नहीं

ईशादि नौ उपनिषद् (श्वेताश्वतरोपनिषद् 6.7)-गीताप्रेस, पेज–508

118. 'भक्तिलक्ष्मीसमृद्धानां किमन्यदुपयाचितम्' यह उक्ति किसकी है? **UGC 73 D–2015**

(A) सोमानन्दस्य
(B) उदयाकरसूनोः
(C) क्षेमराजस्य
(D) उत्पलाचार्यस्य

ईशादि नौ उपनिषद् (मुण्डकोपनिषद् 1.1.3)-गीताप्रेस, पेज–231

119. 'कस्मिन्नु भगवो विज्ञाते सर्वमिदं विज्ञातं भवति' इति प्रश्नः केन पृष्टः? **JNU M.Phil/Ph.D–2014**

(A) यक्षेण (B) युधिष्ठिरेण
(C) शौनकेन (D) जनकेन

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–231

120. ''भगवन् कुतो ह वा इमाः प्रजाः प्रजायन्त''–इत्यस्य प्रश्नस्य कर्ता कः? **JNU-M. Phil/Ph.D–2014**

(A) कबन्धी (B) नचिकेताः
(C) सत्यकामः (D) सुकेशाः

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (प्रश्नोपनिषद् 1.3)-गीताप्रेस, पेज–174

117. (A) 118. (D) 119. (C) 120. (A)

14. वैदि

1. (i) निरुक्तानुसारं मुख्यतः कति देवताः–
(ii) नैरुक्तमते कति देवताः – UGC 25 D–2008, 2009

(A) तिस्रः　　(B) पञ्च
(C) चतस्रः　　(D) षट्

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11

2. देवतानाम् आकारः कतिविधः – HE–2015

(A) त्रिविधः　　(B) चतुर्विधः
(C) दशविधः　　(D) द्वादशविधः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11

3. (i) यास्क ने देवताओं को कितने भागों में बाँटा है?
(ii) यास्कमते देवता कियती? BHU AET–2011

(A) 1　　(B) 4
(C) 5　　(D) 3

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11

4. यास्कमतानुसारं प्रकारदृष्ट्या कति देवताः?
BHU AET–2010

(A) त्रिस्रः　　(B) चतस्रः
(C) सप्तप्रकाराः　　(D) दशप्रकाराः

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - कर्णसिंह, पेज–49

5. निरुक्तमते देवतानां स्थानं न विद्यते– BHU AET–2011

(A) पृथिवी　　(B) स्वर्गः
(C) अन्तरिक्षः　　(D) द्युलोकः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11

6. (i) **ऋग्वेद में देवताओं की संख्या है–**
(ii) **वैदिकदेवतायाः कियत्यः संख्याः सन्ति–**
BHU AET–2011, UGC 25 J–2001

(A) 33　　(B) 35
(C) 39　　(D) 45

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11

1. (A)　2. (A)　3. (D)　4. (A)　5. (B)
11. (C)　12. (B)

दिक-देवता

15
?
11
10
11
01

7. ऋचाओं के द्वारा आह्वान किया जाता है– UGC 25 D–2003

(A) राक्षसों का (B) देवों का
(C) मनुष्यों का (D) जङ्गली जीवों का

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–44*

8. (i) का अन्तरिक्षस्थानीया देवता– UGC 25 J–2002, 2003
(ii) अन्तरिक्षस्थानीय देवता है– 2010, 2014 D–2012 2013, BHU AET–2010

(A) सूर्यः (B) अग्निः
(C) समुद्रः (D) इन्द्रः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40*

9. (i) वृत्र का नाश किस देवता ने किया?
(ii) वृत्रहन्ता कौन है? BHU AET–2010, UGC 25
(iii) को नाम देवः 'वृत्रहा' इत्युच्यते–J–1995, D–2005

(A) अग्नि (B) विष्णु
(C) वरुण (D) इन्द्र

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.32.5)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–90*

10. इन्द्र का कार्य है– UGC 25 D–1996

(A) वर्षा (B) प्रकाश
(C) विद्या (D) धन

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–12*

11. 'मरुत्वान्' यह विशेषण किसका है– UGC 25 D–1998

(A) अग्नि (B) विष्णु
(C) इन्द्र (D) वरुण

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11*

12. देवता इन्द्रोऽस्ति– UGC 25 J–2006, D–2008

(A) पृथिवीस्थानीया (B) अन्तरिक्षस्थानीया
(C) द्युस्थानीया (D) पातालस्थानीया

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40*

6. (A) 7. (B) 8. (D) 9. (D) 10. (A)

13. 'यो अश्मनोरन्तरग्निं जजान' अनेन मन्त्रभागेन कः परामृश्यते? UK SLET–2015, UGC 25 J–2007

(A) विष्णुः (B) सविता

(C) बृहस्पतिः (D) इन्द्रः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ0 2.12.3)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–180

14. 'रसानुप्रदानः वृत्रवधः' इत्यस्ति– UGC 25 J–2009

(A) बृहस्पतिकर्म (B) रुद्रकर्म

(C) सवितृकर्म (D) इन्द्रकर्म

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–298*

15. 'दस्योर्हन्ता' को देवः? UGC 25 J–2013

(A) इन्द्रः (B) विष्णुः

(C) वरुणः (D) कोऽपि न

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (2.12.10)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–186*

16. (i) ऋग्वेदे अधिकतमानां सूक्तानां देवता?
(ii) ऋग्वेद में किस देवता के अधिकतम सूक्त हैं–
(iii) ऋग्वेद में सर्वाधिक सूक्त किस देवता के हैं–
(iv) ऋग्वेदे प्रधानतया स्तुतो देव :–UP GDC–2008 BHU MET–2008, 2009, 2011, 2012, 2013, UGC 25 J–2006, UGC 73 J–2015, CCSUM-Ph. D–2016

(A) इन्द्र (B) अग्नि

(C) विष्णु (D) वरुण

स्रोत–*(i) ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11*
(ii) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40

17. ''यः सोमपा निचितो'' में 'यः' पद किसके लिए आया है? BHU MET–2009, 2013

(A) विष्णु (B) प्रजापति

(C) अग्नि (D) इन्द्र

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.13)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–76*

18. (i) मघवा देवः कः? BHU MET–2008, 2009, 2013
(ii) 'मघवा' विशेषण किस देवता के लिए है? UGC 25 D–2015, UGC 73 D–2015

(A) अग्नि (B) इन्द्र

(C) सूर्य (D) वरुण

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–12*

13. (D)	**14. (D)**	**15. (A)**	**16. (A)**	**17. (D)**
23. (C)	**24. (B)**			

19. 'यस्मान्न ऋते विजयन्ते' में 'यस्मात्' का क्या अभिप्राय है– **BHU MET–2009, 2013**

(A) अग्नि (B) इन्द्र
(C) रुद्र (D) वरुण

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.9)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–72

20. 'यः सूर्यं य उषसं जजान' इसमें किस देव की स्तुति की गयी है? **BHU MET–2011**

(A) सूर्य (B) उषा
(C) इन्द्र (D) विष्णु

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.7)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–70

21. 'द्यावाचिदस्मै पृथिवी नमेते'–यहाँ 'अस्मै' पद किसको व्यक्त करता है? **BHU MET–2011, 2012**

(A) विष्णु (B) इन्द्र
(C) अग्नि (D) रुद्र

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.13)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–76

22. इन्द्र को ऋग्वेद में किस नाम से पुकारा गया है? **UP TGT (S.S.)–2009**

(A) वीरेन्द्र (B) पुरन्दर
(C) पशुपति (D) मारुत

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–298

23. (i) 'वज्रबाहु' जिसकी उपाधि है, वह है–
(ii) 'वज्रबाहु' के रूप में कौन देवता प्रसिद्ध है– **BHU MET–2011, 2012, 2015**

(A) सविता (B) विष्णु
(C) इन्द्र (D) रुद्र

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.13)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–76

24. वृत्रासुर का वध करने वाले देवता थे– **BHU MET–2010**

(A) अग्नि (B) इन्द्र
(C) वरुण (D) सविता

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.32.5)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–90

18. (B) 19. (B) 20. (C) 21. (B) 22. (B)

25. ऋग्वेद में कौन देवता चमत्कार युक्त कार्यों का सम्पादन करते हैं? UP GDC–2008

(A) अश्विना (B) मरुत्
(C) इन्द्र (D) उषा

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–177-178

26. (i) सोमपा किस देवता की उपाधि है? BHU AET–2010
(ii) सोमपानामकः देवता– UGC 25 J–2003

(A) इन्द्रः (B) विष्णुः
(C) बृहस्पतिः (D) अग्निः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.13)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–190

27. अग्निहोत्रे अग्निना सह देवता का विद्यते? BHU AET–2010

(A) इन्द्रः (B) सोमः
(C) वरुणः (D) प्रजापतिः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–113

28. 'शतक्रतुः' विशेषणोपेतः कः अस्ति? BHU AET–2011

(A) विष्णुः (B) अश्विनौ
(C) वायुः (D) इन्द्रः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–12*

29. वैदिकसंहितासु सर्वाधिकपराक्रमी देवः वर्णितः? RPSC ग्रेड II (TGT)–2010

(A) अग्निः (B) यमः
(C) विष्णुः (D) इन्द्रः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–41*

30. पापाचारिणो दस्योर्नाशकः वैदिकः देवः – UGC 25 D–2014

(A) इन्द्रः (B) अग्निः
(C) पूषन् (D) वरुणः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–186*

31. 'वज्रहस्तः' इति विशेषणं कस्य देवस्य? UGC 25 D–2013

(A) उषसः (B) विष्णोः
(C) अग्नेः (D) इन्द्रस्य

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद भाग 2.12.13) - हरिदत्तशास्त्री/ कृष्णकुमार, पेज–190*

25. (C) 26. (A) 27. (D) 28. (D) 29. (D)
35. (A) 36. (A) 37. (C) 38. (C)

32. इन्द्र का प्रधान अस्त्र है– BHU AET–2011

(A) बाण (B) वज्र

(C) तलवार (D) गदा

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11*

33. इन्द्र के साथ स्तुत्य देवता कौन हैं? BHU AET–2011

(A) सोम (B) पर्जन्य

(C) चन्द्रमा (D) तीनों

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–25*

34. ऋग्वेद संहिता में मन्त्रों का एक चौथाई भाग किस देवता को समर्पित है? MPPSC–1999

(A) रुद्र (B) अग्नि

(C) इन्द्र (D) मरुत्

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–24*

35. 'हिरण्यबाहुः' इसका क्या अर्थ है? UGC 73 J–2009

(A) इन्द्रः (B) शिवः

(C) यमः (D) दिक्पालः

36. 'शचीपति' किसका नाम है– BHU MET–2015

(A) इन्द्र (B) अग्नि

(C) वरुण (D) सोम

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–12*

37. (i) ऋग्वेदे 'पुरोहित' कस्य संज्ञा अस्ति?

(ii) ऋग्वेद के प्रथममण्डल के प्रथमसूक्त में 'पुरोहित' विशेषण किस देवता से सम्बद्ध है–

UGC 25 J–1995, 1998, RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) इन्द्र (B) सवितृ

(C) अग्नि (D) द्यावापृथिवी

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.1)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–31*

38. (i) ऋग्वेद के प्रथममण्डल के प्रथमसूक्त का देवता है–

(ii) ऋग्वेद के प्रथमसूक्त में कौन सा देवता वर्णित है–

(iii) ऋग्वेद के प्रथमसूक्त में किस देवता की स्तुति है–

BHU MET–2010, 2011, UGC 25 D–1996

(A) इन्द्र (B) वरुण

(C) अग्नि (D) बृहस्पति

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.1) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–31

30. (A) 31. (D) 32. (B) 33. (A) 34. (C)

39. (i) 'कविक्रतुः' किसका विशेषण है–

(ii) 'कविक्रतुः' उपाधि किस देवता की है–

UGC 25 D–1999, 2002, J–2002

(A) अग्नि (B) विष्णु

(C) इन्द्र (D) वरुण

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.5) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–34

40. (i) 'पुरोहित' है– BHU AET–2011, MET–2012

(ii) पुरोहितः कोऽस्ति UGC 25 J–2001, D–2002

(A) वरुण (B) इन्द्र

(C) सविता (D) अग्नि

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.1) - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–31

41. अग्नि का सम्बन्ध किस ऋतु से है? UGC 25 J–2004

(A) वसन्त से (B) हेमन्त से

(C) ग्रीष्म से (D) वर्षा से

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–259*

42. यास्कमते अग्निर्भवति– UGC 25 D–2007

(A) अन्तरिक्षस्थानः (B) पृथिवीस्थानः

(C) द्युस्थानः (D) गृहस्थानः

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–301*

43. 'गृहपतिः' इति विशेषणं कस्य देवस्य प्रसिद्धम्?

UGC 25 D–2008

(A) इन्द्रस्य (B) सवितुः

(C) अश्विनोः (D) अग्नेः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–13*

44. ऋग्वेदस्य प्रथममण्डलस्य प्रथमसूक्ते कः स्तूयते–

UGC 25 J–2012, G GIC–2015

(A) अग्निः (B) यमः

(C) विष्णुः (D) वरुणः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

39. (A) 40. (D) 41. (A) 42. (B) 43. (D)
49. (C) 50. (A)

45. निम्नलिखित देवताओं में से किसे अक्सर अतिथि की उपाधि देकर सम्बोधित किया जाता है?
JPSC–2008

(A) इन्द्र (B) वरुण
(C) अग्नि (D) सोम

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–13*

46. 'स नः पितेव सूनवे' किस सूक्त से सम्बद्ध है?
BHU MET–2011, 2013

(A) रुद्र (B) इन्द्र
(C) अग्नि (D) सविता

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.9) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–60

47. (i) पृथिवी के देवता कौन हैं–
(ii) पृथिवीलोक के प्रधान देवता कौन हैं–
BHU MET–2009, 2013, BHU AET–2011

(A) अग्नि (B) सूर्य
(C) वायु (D) इन्द्र

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–508*

48. 'होता' देव कौन हैं? **BHU MET–2008, 2011**

(A) इन्द्र (B) विष्णु
(C) पर्जन्य (D) अग्नि

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.1) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

49. (i) 'स देवाँ एह वक्षति' इत्यत्र 'सः' इति पदेन को देवोऽभिप्रेतः?
(ii) 'स देवाँ एह वक्षति' में 'स' किसको बतलाता है?
BHU MET–2011, RPSC ग्रेड II (TGT)–2014

(A) वायु (B) आदित्य
(C) अग्नि (D) इन्द्र

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.2) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

50. (i) अग्नि किस लोक के देवता हैं?
(ii) अग्निदेवता अस्ति– **BHU MET–2010**
CCSUM-Ph. D–2016

(A) पृथिवीलोक (B) अन्तरिक्षलोक
(C) द्युलोक (D) अन्तरिक्ष तथा द्युलोक

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–297*

44. (A) 45. (C) 46. (C) 47. (A) 48. (D)

51. (i) ऋग्वेदानुसारेण 'होता' इति विशेषणम् अस्ति–
(ii) ऋग्वेदे (1.1.1) 'होतारम्' इति पदं कस्य देवस्य विशेषणं अस्ति? UP GDC–2012, UP GIC–2015

(A) रुद्रस्य　　　(B) वरुणस्य
(C) इन्द्रस्य　　　(D) अग्नेः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.1) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

52. 'घृतलोम' इति शब्दः कस्याः देवतायाः विशेषणम् अस्ति? BHU AET–2011

(A) अग्नेः　　　(B) विष्णोः
(C) रुद्रस्य　　　(D) मरुतः

***स्रोत**–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–23*

53. 'जातवेदाः' कः अस्ति? BHU AET–2011

(A) वरुणः　　　(B) इन्द्रः
(C) अग्निः　　　(D) वायुः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–13*

54. 'दमूनाः' इति कस्य विशेषणम् अस्ति? BHU AET–2011

(A) पूषन्　　　(B) सविता
(C) विष्णुः　　　(D) अग्निः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–14*

55. यास्कमते अग्नेः निर्वचनं किं न हि– BHU AET–2011

(A) अग्रे नयति　　　(B) अङ्गं नयति सन्नममानः
(C) अग्रणीः भवति　　　(D) अग्रं यज्ञेषु प्रणीयते

***स्रोत**–हिन्दी निरुक्त (7/4) - कपिलदेव शास्त्री, पेज–301*

56. पौनः पुन्येन संस्तुत देवता है– UGC 25 J–1999

(A) अग्नि　　　(B) वरुण
(C) इन्द्र　　　(D) विष्णु

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–60*

57. 'रत्नधातमम्' इति कस्य विशेषणम्–UGC 25 S–2013

(A) बृहस्पतेः　　　(B) अग्नेः
(C) रुद्रस्य　　　(D) वायोः

***स्रोत**–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55*

51. (D)	**52. (A)**	**53. (C)**	**54. (D)**	**55. (A)**
61. (B)	**62. (B)**	**63. (A)**	**64. (A)**	**65. (B)**

58. **अग्नि का प्रधान कर्म क्या है? BHU AET–2010**
(A) हविष्य का वहन (B) शीतलता प्रदान करना
(C) सृष्टि (D) कोई नहीं

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–13, 14*

59. **अग्नि के साथ स्तुत्य देवता है– BHU AET–2010**
(A) विष्णु (B) शिव
(C) इन्द्र (D) उषा

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–13*

60. **शाकपूणि के वैश्वानर किसे कहा गया है? BHU AET–2011**
(A) इन्द्र (B) अग्नि
(C) यम (D) विष्णु

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–366*

61. **'हव्यवाह' जिसका नाम है, वह है– BHU MET–2015**
(A) सूर्य (B) अग्नि
(C) विद्युत् (D) रुद्र

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–14*

62. **ऋग्वेद की प्रथम ऋचा किस देवता के प्रति है? MP PSC–2003**
(A) इन्द्र (B) अग्नि
(C) वरुण (D) रुद्र

ऋक्सूक्तसंग्रह (अग्निसूक्त 1.1.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

63. **द्युस्थान देवता हैं–UGC 73 J–2012, UGC 25 D–2003**
(A) विष्णुः (B) पर्जन्यः
(C) रुद्रः (D) सोमः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–38*

64. **विष्णु का परमपद है– UGC 25 J–1994 D–2011**
(A) द्युस्थान (आकाश) (B) हृदय
(C) अन्तरिक्ष (D) भूलोक

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–38*

65. **'यस्य त्री-पूर्णा मधुना पदानि' इसका सम्बन्ध है– UGC 25 J–1998**
(A) वरुणसूक्त से (B) विष्णुसूक्त से
(C) इन्द्रसूक्त से (D) अश्विनसूक्त से

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.4)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–168

56. (A) 57. (B) 58. (A) 59. (C) 60. (B)

66. 'मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः' यह मन्त्रांश सम्बन्धित है–
UGC 25 J–2000

(A) रुद्र (B) विष्णु
(C) बृहस्पति (D) सोम

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.2)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–165

67. (i) 'उरुक्रम' विशेषण किस देवता का है?
(ii) 'उरुक्रमः' कस्य विशेषणं भवति–BHU AET–2011
(iii) 'उरुक्रमः' कथ्यते? UGC 25 D–2001, G GIC–2015

(A) इन्द्र (B) रुद्र
(C) विष्णु (D) अग्नि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–299*

68. ''त्रीणि पदानि'' कस्य देवस्य प्रसिद्धानि?
UGC 25 J–2005

(A) अग्नेः (B) इन्द्रस्य
(C) सवितुः (D) विष्णोः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.4)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–168

69. विष्णोः त्रीणि पदानि केन पूर्णानि भवन्ति?
UGC 25 D–2007, G GIC–2015

(A) उदकेन (B) अमृतेन
(C) मधुना (D) घृतेन

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.4)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–168

70. 'त्रेधा निदधे पदम्' इति केन सह सम्बध्यते?
UGC 25 J–2011

(A) इन्द्रसूक्तेन (B) रुद्रसूक्तेन
(C) विष्णुसूक्तेन (D) उषस्सूक्तेन

स्रोत–*शुक्लयजुर्वेद (5.15) - रामकृष्ण शास्त्री, पेज–95*

71. श्रुतौ यज्ञस्वरूपेण स्तूयते– UGC 25 D–2012

(A) गङ्गा (B) गोदावरी
(C) विष्णुः (D) वरुणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–310*

72. 'उरुगाय' का अर्थ है– BHU MET–2013

(A) बड़े जबड़ों वाला (B) लम्बी भुजाओं वाला
(C) बहुत लोगों द्वारा स्तुत्य (D) अनेक गायों वाला

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.6)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–16, 165

66. (B)	**67. (C)**	**68. (D)**	**69. (C)**	**70. (C)**
76. (A)	**77. (C)**	**78. (D)**		

73. तदस्य प्रियमभि पाथो अश्यां नरो अत्र देवयवो मदन्ति' इस मन्त्र में किस देवता की स्तुति की गयी है?
BHU MET–2011

(A) विष्णु (B) अग्नि
(C) रुद्र (D) इन्द्र

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.5)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–169

74. कौन सा देवता 'त्रिविक्रम' नाम से जाना जाता है?
BHU MET–2010

(A) विष्णु (B) वरुण
(C) सूर्य (D) सविता

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.2)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–15

75. (i) 'त्रेधा विचक्रमाणः उरुगायः' कः देवः अस्ति?
(ii) 'विचक्रमाणस्त्रेधोरुगायः' यह किस देवता को व्यक्त करता है– BHU MET–2012, UGC 73 D–2015
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) इन्द्र (B) विष्णु
(C) वरुण (D) अग्नि

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.154.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–164

76. विष्णोः निवासस्थानं कुत्रास्ति? BHU AET–2011

(A) द्युलोकः (B) पृथिवीलोकः
(C) पाताललोकः (D) अन्तरिक्षलोकः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–38*
(ii) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–618

77. (i) 'उरुगाय' किसका विशेषण है–
(ii) 'उरुगाय' इति पदं ऋग्वेदे सूचयति–
UP GIC–2015, UGC 25 J–1999

(A) इन्द्र (B) वरुण
(C) विष्णु (D) अग्नि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–299*

78. स्वर्ग का देवता कौन है? BHU AET–2011

(A) अग्नि (B) इन्द्र
(C) वायु (D) विष्णु

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–38*

71. (C) 72. (C) 73. (A) 74. (A) 75. (B)

79. द्युस्थानीय देवता हैं– UGC 73 J–2014, UGC 25 D–2005, 2009, 2015, BHU AET–2010

(A) इन्द्र　(B) अग्नि
(C) सूर्य　(D) विद्युत्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–37*

80. प्रातः और सायं का देवता है– UGC 25 D–1999

(A) अग्नि　(B) इन्द्र
(C) सविता　(D) विष्णु

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–16*

81. 'ऋताधिपति' किसकी उपाधि है– UGC 25 D–2002

(A) अग्नि　(B) अश्विनौ
(C) सविता　(D) इन्द्र

82. का द्युस्थानदेवता– BHU AET–2012, UGC 25 D–2010

(A) सविता　(B) चन्द्रमाः
(C) वायुः　(D) बृहस्पतिः

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–331

83. सवितृदेवस्य नामोल्लेखः प्रायः भूतः अस्ति– UGC 25 D–2000

(A) 200 बारम्　(B) 170 बारम्
(C) 150 बारम्　(D) 140 बारम्

स्रोत–*वैदिक माइथोलाजी - रामकुमार राय, पेज–58*

84. गायत्री-मन्त्रस्य उपास्य देवता वर्तते– BHU AET–2010, 2011 AWES TGT–2008, 2010, 2012

(A) अग्निः　(B) सविता
(C) रुद्रः　(D) विष्णुः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–37*

85. याज्ञवल्क्यः यजुषां प्राप्त्यर्थं कस्य देवस्य आराधनां कृतवान्– BHU AET–2010

(A) इन्द्रस्य　(B) सूर्यस्य
(C) वरुणस्य　(D) विष्णोः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

79. (C)　80. (C)　81. (C)　82. (A)　83. (B)
89. (B)　90. (A)　91. (B)

86. कः देवः वाजिरूपेण वाजसनेयिसंहितायाः उपदेशं कृतवान्– BHU AET–2010
(A) इन्द्रः (B) सूर्यः
(C) वरुणः (D) विष्णुः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64

87. 'आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन् अमृतं मर्त्यं च' अनेन सम्बन्धः– BHU AET–2011
(A) विष्णुः (B) सविता
(C) अग्निः (D) वरुणः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.35.2) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–105

88. कस्य देवस्य अनुग्रहेण महामुनिः याज्ञवल्क्यः शुक्लयजुषः उपलब्धिं कृतवान्? BHU AET–2011
(A) वरुणस्य (B) भास्करस्य
(C) शिवस्य (D) इन्द्रस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

89. सूर्य किस लोक से सम्बद्ध हैं? BHU MET–2008
(A) अन्तरिक्षलोक से (B) द्युलोक से
(C) पृथिवीलोक से (D) पृथिवी एवं द्युलोक से

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–37

90. ''कस्यनूनं कतमस्यामृतानां मनामहे चारुदेवस्य नाम'' यह मन्त्र ऋग्वेद के किस सूक्त से सम्बद्ध है? BHU MET–2014
(A) सूर्यः (B) उषा
(C) वरुणः (D) इन्द्रः

स्रोत–ऋग्वेद (1.24.1) - वेदान्ततीर्थ, पेज–61

91. (i) ऋग्वेद के नवममण्डल से सम्बद्ध देवता हैं–
(ii) नवम मण्डल के देवता हैं–
(iii) ऋग्वेदस्य नवमे मण्डले को देवः स्तुतिं लभते–
UGC 25 J–2001, 2002, 2005, BHU AET–2011
(A) विश्वामित्र (B) सोम
(C) वशिष्ठ (D) कण्व

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.24.1) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–11

84. (B) 85. (B) 86. (B) 87. (B) 88. (B)

92. सोम का निवासस्थान क्या है? UGC 25 J–2004

(A) द्युलोक में (B) पाताल में

(C) पृथिवीलोक में (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–511*

93. ऋग्वेदस्य नवममण्डलस्य देवतानाम् अस्ति–

UGC 25 D–2006, J–2008

(A) अग्निः, शुचिः (B) अग्निः, पावकः

(C) अग्निसोमौ (D) पवमानसोमः

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–511*

94. ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले सोमस्य स्तुतिः दृक्पथमुपयाति–

UGC 25 J–2008

(A) द्वितीयमण्डले (B) पञ्चममण्डले

(C) दशममण्डले (D) नवममण्डले

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–11*

95. (i) पवमानः कः उच्यते?

(ii) पवमानः कस्याः देवतायाः नाम अस्ति?

BHU AET–2010, UGC 25 J–2012

(A) इन्द्रः (B) बृहस्पतिः

(C) विष्णुः (D) सोमः

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–511*

96. 'हेति' = शस्त्र से किसका सम्बन्ध है? UGC 25 J–2001

(A) रुद्र (B) वरुण

(C) अग्नि (D) उषस्

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.33.14)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–205

97. 'दस्रा' इति उपाधिमान् कः अस्ति– BHU AET–2011

(A) अश्विन् (B) विष्णुः

(C) रुद्रः (D) विवस्वान्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–302*

98. 'सोमादपि मधूनि अधिकं रुचिं कः स्थापयति–

BHU AET–2011

(A) वरुणः (B) रुद्रः

(C) विष्णुः (D) अश्विन्

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–22*

92. (C) 93. (D) 94. (D) 95. (D) 96. (A)

102. (B) 103. (A) 104. (A) 105. (B)

99. 'दिव्यभिषक्' इति उपाधिमान् कः अस्ति? **BHU AET–2011**

(A) रुद्रः (B) इन्द्रः
(C) अग्निः (D) अश्विन्

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–22*

100. ऋजास्वं प्रति नेत्रं कः प्रदत्तवान्? BHU AET–2011

(A) अश्विन् (B) मरुत्
(C) इन्द्रः (D) जातवेदाः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–22*

101. यास्कमते कस्याः देवतायाः कालः अर्धरात्रीतः सूर्योदयपर्यन्तम् BHU AET–2011

(A) अश्विन् (B) अग्निः
(C) इन्द्रः (D) रुद्रः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–22*

102. (i) 'नासत्यौ' इति कस्य नाम अस्ति? UGC 25 J–2006
(ii) 'नासत्या' इति विशेषणम्– D–2012, 2014

(A) अग्नेः (B) अश्विनोः
(C) वरुणस्य (D) इन्द्रस्य

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–312*

103. (i) द्युस्थानीयदेवता अस्ति–UGC 25 D–1997, 2007
(ii) यह द्युलोक का देवता है– BHU AET–2010

(A) वरुण (B) सोम
(C) अश्विनौ (D) अग्नि

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–36*

104. वरुणदेवः– UGC 25 D–2006

(A) द्युस्थानः (B) पृथिवीस्थानः
(C) अन्तरिक्षस्थानः (D) पातालस्थानः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–36*

105. (i) 'असुर' विशेषण किसका है?
(ii) 'असुर' शब्द किसका दूसरा अर्थ है?
UGC 25 D–2001, BHU MET–2014

(A) अश्विनौ (B) वरुण
(C) विष्णु (D) अग्नि

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–36*

97. (A) 98. (D) 99. (D) 100. (A) 101. (A)

106. 'जलोदर व्याधि' का कारण है– UGC 25 J–2003

(A) इन्द्र (B) वरुण

(C) सोम (D) वायु

स्रोत*–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

107. ऋग्वेदे नैतिकाध्यक्षरूपेण को देवः श्रेष्ठो वर्तते?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) वरुणः (B) अग्निः

(C) विष्णुः (D) इन्द्रः

स्रोत*–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–14

108. वरुण किस वर्ण का देवता है? UGC 25 J–2004

(A) ब्राह्मणवर्ण का (B) क्षत्रियवर्ण का

(C) वैश्यवर्ण का (D) शूद्रवर्ण का

स्रोत*–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–481

109. शुनःशेपाख्याने प्राधान्येन स्तुतः देवः कः?

UGC 25 J–2012

(A) कुबेरः (B) इन्द्रः

(C) विष्णुः (D) वरुणः

स्रोत*–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

110. जल का अधिष्ठातृ देव कौन है?

BHU MET–2008, 2009, 2013

(A) वरुण (B) सूर्य

(C) इन्द्र (D) अश्विनौ

स्रोत*–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–14

111. कस्य देवस्य चाराः प्रसिद्धाः – UGC 25 D–2005

(A) वरुणस्य (B) सोमस्य

(C) अग्नेः (D) इन्द्रस्य

स्रोत*–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–483

112. वेदोक्तऋतस्य का देवता? JNU MET–2015

(A) वरुणः (B) इन्द्रः

(C) अग्निः (D) रुद्रः

स्रोत*–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–301

106. (B) 107. (A) 108. (B) 109. (D) 110. (A)

116. (C) 117. (C) 118. (C) 119. (B)

113. वरुणस्य विशेषणम् अस्ति– UGC 25 D–2014
(A) उरुचक्षाः (B) वज्रहस्तः
(C) गोपाः (D) बलदाः
ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.25.5)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–71

114. 'धृतव्रतः' कस्य विशेषणम् अस्ति– UK SLET–2012
(A) वरुणस्य (B) इन्द्रस्य
(C) अग्नेः (D) विष्णोः
ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.25.8)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–14

115. (i) अन्तरिक्षस्थानीय देवता कौन हैं?
(ii) का अन्तरिक्षस्थानीया देवता?
BHU AET–2011, 2012, UGC 25 J–2013
(A) सूर्यः (B) वायुः
(C) अग्निः (D) मेघः
स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, पेज–625*

116. 'भिषक्तं त्वा भिषणां श्रृणोमि' इसका किस देवता से सम्बन्ध है? UGC 25 D–1998
(A) वायु (B) विष्णु
(C) रुद्र (D) सोम
ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.33.4)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–196

117. 'जलाषः' इति कस्य विशेषणम्? UGC 25 D–2006
(A) वरुणस्य (B) अश्विनोः
(C) रुद्रस्य (D) सोमस्य
ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.33.7)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–199

118. कपर्दी कः देवः? UGC 25 D–2012
(A) अग्निः (B) वरुणः
(C) रुद्रः (D) बृहस्पतिः
स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज–20*

119. 'विलोहितः' इति कस्याः देवतायाः विशेषणम् अस्ति? UGC 25 D–2015
(A) विष्णोः (B) रुद्रस्य
(C) वायोः (D) इन्द्रस्य
स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज–19*

111. (A) 112. (A) 113. (A) 114. (A) 115. (B)

120. ''मा नस्तोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु'' इस मन्त्र के देवता हैं– **UGC 73 S–2013**

(A) विष्णुः (B) रुद्रः
(C) सूर्यः (D) दिक्पतिः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज–22

121. शुक्लयजुर्वेदे पिनाकः धनुषः सम्बद्धः कः अस्ति– **BHU AET–2011**

(A) रुद्रः (B) विष्णुः
(C) अग्निः (D) मरुत्

स्रोत–(i) वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज–37
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–303

122. अन्तरिक्षस्थानीया देवता का? **UGC 25 J–2015**

(A) रुद्रः (B) सोमः
(C) अग्निः (D) बृहस्पतिः

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40-42

123. ज्ञान के देवता हैं– **UGC 25 J–2003**

(A) बृहस्पति (B) इन्द्र
(C) वरुण (D) सूर्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–308

124. 'ब्रह्मणस्पतिः' इति विशेषणवान् कोऽस्ति? **BHU AET–2011**

(A) मरुत् (B) विष्णुः
(C) बृहस्पतिः (D) वरुणः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज–16

125. पुरुषसूक्तस्य देवता का? **BHU AET–2011**

(A) पुरुषः (B) अङ्गिरसः
(C) इन्द्रः (D) वनस्पतिः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/90)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–392

126. 'स जातो अत्यरिच्यत' में 'सः' पद का अर्थ है– **BHU MET–2009, 2013**

(A) पुरुष (B) प्रजापति
(C) अग्नि (D) विष्णु

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.90.5)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–396

120. (B) 121. (A) 122. (A) 123. (A) 124. (C)
130. (D) 131. (C) 132. (B)

127. 'हिरण्यगर्भ' इति पदेन अभिधीयते–
UGC 25 D–2012, UK SLET–2015

(A) इन्द्रः (B) रुद्रः
(D) वरुणः (D) प्रजापतिः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–405*

128. कस्याहुतिः मनसा दीयते? UGC 25 D–2012

(A) विष्णोः (B) इन्द्रस्य
(C) प्रजापतिः (D) रुद्रस्य

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.121.6)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–411

129. (i) 'कस्मै देवाय हविषा विधेम' यह उक्ति किस देवता के लिए है? BHU MET–2009, 2013
(ii) 'कस्मै देवाय हविषा विधेम' अनेन मन्त्रभागेन परामृश्यते– UGC 73 J–2015, G GIC–2015

(A) प्रजापति (B) इन्द्र
(C) विष्णु (D) पुरुष

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.121.6)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–411

130. 'भूतस्य जातः पतिः' इति कस्य देवस्य परिचयोऽस्ति?
UP GDC–2014

(A) पुरुषस्य (B) इन्द्रस्य
(C) सूर्यस्य (D) हिरण्यगर्भस्य

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.121.1)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–405

131. ऋग्वैदिकहिरण्यगर्भसूक्तस्य का देवता?
UGC 25 D–2014

(A) अग्निः (B) इन्द्रः
(C) प्रजापतिः (D) वरुणः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/121)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–405

132. 'पुराणी देवी' किसका विशेषण है– UGC 25 D–1997

(A) सरस्वती का (B) उषस् का
(C) पृथिवी का (D) वाक् का

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–306*

125. (A) 126. (A) 127. (D) 128. (C) 129. (A)

133. 'ऋतावरी' यह विशेषण किसका है–

UGC 25 J–2000

(A) इन्द्र का (B) सवितृ का
(C) उषस् का (D) वरुण का

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–306*

134. ऋग्वैदिक स्त्री देवता है– UGC 25 D–2002

(A) उषा (B) सविता
(C) अश्विनौ (D) अग्नि

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–306*

135. चन्द्ररथा का वर्तते? UGC 25 D–2012

(A) नदी (B) उर्वशी
(C) उषा (D) यमी

स्रोत–*ऋकसूक्तसंग्रह (3.61.2)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–235*

136. (i) 'मघोनी' किसका सम्बोधन है?
(ii) 'मघोनी' कौन देवता है? BHU MET–2011, 2012

(A) पृथिवी (B) उषा
(C) पर्जन्य (D) रुद्र

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–306*

137. यास्कमते 'उषा' शब्दस्य निर्वचनं किम्?

BHU AET–2011

(A) उदेति (B) उदासते
(C) उदगच्छित् (D) उच्छति

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–239*

138. 'अवस्यूमेव चिन्वती' का वर्णनीय विषय है–

BHU MET–2014

(A) वरुण (B) उषा
(C) नदी (D) अग्नि

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–237*

139. 'सुदृशीकसन्दृक्' विशेषण है–

BHU MET–2009, 2013

(A) अग्नि का (B) इन्द्र का
(C) रात्रि का (D) उषा का

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–81*

133. (C) 134. (A) 135. (C) 136. (B) 137. (D)
143. (B) 144. (B) 145. (D)

00

06

02

06

12

35

12

06

11

14

13

140. वाक्सूक्तस्य (ऋग्वेदे 10-125) का देवता?
UGC 25 J–2013

(A) वाक्　　(B) आत्मा
(C) वेनो भार्गवः　　(D) वागाम्भृणी (परमात्मा)

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/125)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–416

141. नासदीयसूक्त का देवता है–　　HE–2015

(A) सूर्यः　　(B) आपः
(C) परमात्मा　　(D) परमेष्ठी

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10/129)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–430

142. प्रथमवेदे 'असुर' शब्दः कस्मै प्रयुक्तः? BHU AET–2011

(A) देवता　　(B) ऋषिः
(C) याज्ञिकः　　(D) ईश्वरः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–33*

143. का देवता सूर्यस्य पत्नी माता च कथ्यते–
BHU AET–2011

(A) अदितिः　　(B) उषा
(C) पृथिवी　　(D) दितिः

144. (i) एशिया माइनर के बोगजकोई अभिलेख में निम्नलिखित वैदिक देवताओं का उल्लेख है?
(ii) बोगजकोई अभिलेख में किन वैदिक देवताओं का उल्लेख मिलता है?
MP PSC–2000, UGC 06 J–2012

(A) इन्द्र, अग्नि, रुद्र, सोम
(B) इन्द्र, नासत्या, मित्र, वरुण
(C) इन्द्र, वरुण, अग्नि, सोम
(D) इन्द्र, सूर्य, पूषा, नासत्या

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40*

145. वैदिककाल में निम्न में से किसकी उपासना नहीं की गयी है–　　MP PSC–2003

(A) वरुण　　(B) इन्द्र
(C) मरुत्　　(D) लक्ष्मी

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–34-47*

138. (B)　139. (D)　140. (D)　141. (C)　142. (A)

146. निम्नलिखित में से वैदिक देवता नही है?

UP TGT (S.S.)–2001

(A) विष्णु (B) कृष्ण

(C) इन्द्र (D) वरुण

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–330-331

147. रुद्रो देवता अस्ति– CCSUM-Ph. D–2016

(A) द्युस्थानीयः (B) अन्तरिक्षस्थानीयाः

(C) पृथिवीस्थानीयः (D) द्यावापृथिव्योः

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–13*

146. (B) 147. (B) 148. (A) 149. (A)

01

,
16

148. 'वहनं च हविषामावहनं च देवतानाम्' इदं कर्म–
CCSUM-Ph. D–2016

(A) अग्निः (B) इन्द्रः
(C) अश्विनौ (D) वरुणः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त-कपिलदेव शास्त्री, पेज–286*

149. 'प्रातः सवनं वसन्तो गायत्री त्रिवृत्स्तोमो स्थन्तरं साम' एते सम्बद्धा : सन्ति देवेन सह–CCSUM-Ph. D–2016

(A) अग्निना (B) इन्द्रेण
(C) आदित्येन (D) विष्णुना

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–286*

15. वैदिक ऋषि

1. माध्यन्दिनसंहिता के भाष्यकर्त्ता कौन हैं–
UGC 73 D–2007

(A) उव्वट (B) गौतम
(C) वशिष्ठ (D) भरत

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

2. काण्वसंहिता के भाष्यकार कौन हैं–
UGC 73 J–2009, D–2009

(A) भवस्वामी (B) भट्टभास्कर
(C) हलायुध (D) महीधर

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–15-16*

3. माध्यन्दिनसंहिता के भाष्यकार नहीं हैं– UGC 73 J–2013

(A) महर्षिदयानन्द (B) सायण
(C) उव्वट (D) महीधर

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24

4. काण्वसंहिता के भाष्यकार हैं– UGC 73 S–2013

(A) महर्षिदयानन्दः (B) उव्वटः
(C) महीधरः (D) सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

5. महीधर किस वेद के भाष्यकार हैं–
UGC 25 J–1998, BHU MET–2008

(A) अथर्ववेद (B) कृष्णयजुर्वेद
(C) शुक्लयजुर्वेद (D) सामवेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

6. वेंकटमाधव किस वेद के भाष्यकार हैं–
UGC 73 J–1991, UGC 25 D–1998, J–2004

(A) ऋग्वेद (B) कृष्णयजुर्वेद
(C) अथर्ववेद (D) सामवेद

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–11*
(ii) संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–636

1. (A) 2. (C) 3. (B) 4. (D) 5. (C)
11. (C) 12. (C)

षि और भाष्यकार

7. चारों वेदों के भाष्यकार हैं– UGC 25 D–2002

(A) सायणाचार्य (B) भास्कराचार्य

(C) लगधाचार्य (D) पतञ्जलि

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13-14*

8. शतपथब्राह्मणस्य भाष्यकारः कः– BHU AET–2011

(A) हरिस्वामी (B) करपात्रीस्वामी

(C) धूर्तस्वामी (D) दयानन्दस्वामी

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–10*

9. कात्यायनश्रौतसूत्र के भाष्यकार हैं–UGC 73 J–2013

(A) गोविन्दस्वामी (B) बौधायनः

(C) कर्काचार्यः (D) गर्ग्यनारायणस्वामी

स्रोत– *संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–100*

10. आश्वलायनश्रौतसूत्रस्य भाष्यकारः कः– BHU AET–2011

(A) नारायणः (B) उद्गीथः

(C) माधवः (D) विद्याधरगौडः

स्रोत– *संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय,, पेज–59*

11. ऋग्वेदस्य प्रसिद्धभाष्यकारः कोऽस्ति– BHU AET–2011

(A) उव्वटाचार्यः (B) महीधराचार्यः

(C) सायणाचार्यः (D) कर्काचार्यः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12-13*

12. ऋग्वेदस्य प्राचीनतमं भाष्यं कस्य– UGC 25 J–2007, BHU AET–2011

(A) दयानन्दस्य (B) अरविन्दस्य

(C) सायणस्य (D) करपात्रस्वामिनः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–14*

6. (A) 7. (A) 8. (A) 9. (C) 10. (A)

13. पूर्वमीमांसादर्शनस्य भाष्यकारः कः–BHU AET–2011

(A) धूर्तस्वामी (B) शबरस्वामी
(C) देवस्वामी (D) हरिस्वामी

स्रोत–*अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–17*

14. (i) ऋग्वेदस्य प्रथमं भाष्यं कस्य–

(ii) ऋक्संहितायाः समुपलब्धेषु भाष्येषु प्रथमो भाष्यकारः वर्तते? BHU AET–2011

(iii) ऋग्वेदस्य प्राचीनतमो भाष्यकारो अस्ति– UGC 25 J–2007, D–2015, UK SLET–2015

(A) सायणस्य (B) वेङ्कटमाधवस्य
(C) स्कन्दस्वामिनः (D) माधवस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–10*

15. उव्वटोऽस्ति भाष्यकारः– UGC 25 D–2006

(A) ऋग्वेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

16. महर्षिदयानन्दः कस्य भाष्यकारः अस्ति– UGC 25 J–2011

(A) अथर्ववेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) शतपथब्राह्मणस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–18*

17. यज्ञविधिमधिकृत्य मन्त्रव्याख्यानं क्रियते– UGC 25 J–2012

(A) अरविन्देन (B) विन्टरनित्सेन
(C) दयानन्देन (D) सायणेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17*

18. एषु प्राचीनवेदभाष्यकारो न वर्तते–UGC 25 D–2012

(A) सायणः (B) स्कन्दस्वामी
(C) अरविन्दः (D) गुणविष्णुः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22-25*
(ii) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–551

13. (B) 14. (C) 15. (B) 16. (C) 17. (D)
23. (B) 24. (C) 25. (D)

19. **वैदिकग्रन्थों के प्रसिद्ध भाष्यकार सायण निम्न में से किस काल में सक्रिय थे– UK PCS–2002**
(A) चोलराज्यकाल (B) गुप्तराज्यकाल
(C) सातवाहनराज्यकाल (D) विजयनगरराज्यकाल
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12*

20. **उव्वट ने किस वेद पर भाष्य लिखा है? BHU MET–2010**
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

21. **कौन ऋग्वेद के भाष्यकार हैं– BHU MET–2012**
(A) महीधर (B) स्कन्दस्वामी
(C) हलायुध (D) भट्टभास्कर
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–10*

22. **सायण ने सर्वप्रथम किस वेद पर भाष्य लिखा? BHU MET–2009, 2013**
(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

23. **गुणविष्णु ने जिस पर भाष्य लिखा है, वह ग्रन्थ है– BHU MET–2014**
(A) ऐतरेयब्राह्मण (B) छान्दोग्यब्राह्मण
(C) शतपथब्राह्मण (D) गोपथब्राह्मण
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–15*

24. **धूर्तस्वामी भाष्यकारः अस्ति– UGC 73 D–2013**
(A) बौधायनश्रौतसूत्रस्य (B) भारद्वाजश्रौतसूत्रस्य
(C) आपस्तम्बश्रौतसूत्रस्य (D) सत्याषाढश्रौतसूत्रस्य
स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–74*

25. **स्कन्दस्वामिना भाष्यं प्रणीतम्– UGC 73 D–2013**
(A) काण्वसंहितायाः (B) सामवेदस्य
(C) मैत्रायणीसंहितायाः (D) शाकलसंहितायाः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22*

18. (C) 19. (D) 20. (B) 21. (B) 22. (C)

26. 'ऋग्वेदभाष्य' के लेखक हैं– UGC 25 D–2002

(A) वेङ्कटमाधव (B) शङ्कराचार्य

(C) महीधर (D) भवस्वामी

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–11*

(ii) संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–636

27. एषु प्राचीनव्याख्याकारो वर्तते– UGC 25 S–2013

(A) जैकोबी (B) मैक्समूलरः

(C) ए० वेबर (D) सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22-23*

28. सायण ने वेदों पर अपनी टीका किस भाषा में लिखी? UP TGT (S.S.)–2010

(A) तेलुगु (B) तमिल

(C) संस्कृत (D) पाली

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–27*

29. कः वेदानां भाष्यकारः न अस्ति– UGC 25 D–2014

(A) माधवाचार्यः (B) सायणाचार्यः

(C) मल्लिनाथः (D) यास्काचार्यः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12, 14*

30. सायणाचार्य अभवत्? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) गीताभाष्यकारः (B) महाभारतभाष्यकारः

(C) वेदभाष्यकारः (D) रामायणभाष्यकारः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12*

31. ऋग्वेदस्य आदिमं भाष्यं कस्य? BHU AET–2011

(A) सायणस्य (B) अरविन्दस्य

(C) दयानन्दस्य (D) करपात्रस्वामिनः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

32. वेदस्य आधुनिकव्याख्याता कः? BHU AET–2011

(A) वेङ्कटमाधवः (B) महीधरः

(C) सातवलेकरः (D) स्कन्दस्वामी

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–19*

26. (A) 27. (D) 28. (C) 29. (C) 30. (C)
36. (B) 37. (D) 38. (A)

33. (i) महीधरभाष्यस्य किन्नाम?
(ii) महीधरकृतभाष्यस्य अपरं नाम किम् अस्ति–
(iii) शुक्लयजुर्वेदोपरि महीधरभाष्यस्य किं नाम अस्ति?
BHU AET–2010, 2011, 2012 UGC 73 D–2009

(A) महीदीपः (B) स्वर्गद्दीपः
(C) वेदद्दीपः (D) मन्त्रप्रकाशः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

34. सायणाचार्यः सर्वप्रथमं कस्य वेदस्य व्याख्यानं कृतवान्?
BHU AET–2010, UGC 25 D–2015

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

35. वेदव्याख्यातुः वेङ्कटमाधवस्य समयः? CVVET–2015

(A) ई-1300 तमवत्सरात् प्राक्
(B) ई-1100 तमवत्सरात् प्राक्
(C) ई-1400 तमवत्सरात् प्राक्
(D) ई-1200 तमवत्सरात् प्राक्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–11*

36. माध्यन्दिनसंहितायां कस्य भाष्यं प्राप्यते?
BHU AET–2010

(A) सायणस्य (B) उव्वटस्य
(C) पतञ्जलेः (D) मल्लिनाथस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

37. शुक्लयजुर्वेदभाष्यस्य मङ्गलाचरणे महीधरः कं स्मरति?
BHU AET–2010

(A) सायणम् (B) कात्यायनम्
(C) पतञ्जलिम् (D) उव्वटम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24*

38. यजुर्वेदस्य कस्यां संहितायां सायणाचार्यस्य भाष्यमस्ति?
BHU AET–2012

(A) तैत्तिरीयसंहितायाम् (B) शाकलसंहितायाम्
(C) तापनीयसंहितायाम् (D) बुधेयसंहितायाम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

31. (A) 32. (C) 33. (C) 34. (B) 35. (B)

39. ऋग्वेदसंहिताया आंग्लपद्यानुवादकः वैदेशिकः विद्वान् वर्तते– UGC 25 D–2015

(A) एच० विल्सनः

(B) ए० ए० मैक्डानलः

(C) आर० टी० एच० ग्रीफिथः

(D) विलियम-कैलेण्डः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–20*

40. सायणाचार्यः कस्यां संहितायां भाष्यं नैव रचितवान्? BHU AET–2012

(A) शाकलसंहितायाम् (B) बाष्कलसंहितायाम्

(C) कौथुमसंहितायाम् (D) शौनकसंहितायाम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

41. वाजसनेयिप्रातिशाख्ये उपलब्धस्य भाष्यस्य किं नाम अस्ति? BHU AET–2010

(A) पितृमोदः (B) भ्रातृमोदः

(C) मातृमोदः (D) बन्धुमोदः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–15*

42. शुक्लयजुर्वेदस्य भाष्यकारो नास्ति? UGC 73 D–2012

(A) शौनकः (B) सायणः

(C) उव्वटः (D) महीधरः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24*

43. शुक्लयजुर्वेद के भाष्यकार हैं? UGC 73 D–1999

(A) जैमिनि (B) सायण

(C) शाबर (D) उव्वट

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

44. वेद के व्याख्याकार के रूप में सर्वाधिक प्रख्यात भारतीय आचार्य हैं? UP GDC–2008

(A) अरविन्द (B) दयानन्द

(C) सायण (D) यास्क

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

39. (C) 40. (B) 41. (C) 42. (A) 43. (D)
49. (B) 50. (D) 51. (D)

45. ऋग्वेदव्याख्यानकारो भवति? UGC 73 D–2012
(A) वाचस्पतिमिश्रः (B) भट्टभास्करः
(C) मध्वाचार्यः (D) शङ्कराचार्यः
स्रोत–*सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–765-803*

46. ऋग्वेदभाष्यकारो नास्ति? UGC 73 J–2012
(A) वेङ्कटमाधवः (B) सायणः
(C) आत्मानन्दः (D) उव्वटः
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

47. उव्वटमहीधरयोः भाष्यमस्ति? UGC 73 J–2012
(A) सामवेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) काण्ववेदस्य (D) शुक्लयजुर्वेदस्य
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

48. 'पदक्रमसदन'–नामकं भाष्यं कस्य प्रातिशाख्यस्य विद्यते– UGC 25 D–2015
(A) वाजसनेयप्रातिशाख्यस्य (B) ऋक्प्रातिशाख्यस्य
(C) अथर्वप्रातिशाख्यस्य (D) तैत्तिरीयप्रातिशाख्यस्य
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

49. शुक्लयजुर्वेदस्य काण्वशाखायाः भाष्यकारोऽस्ति? UGC 73 J–2012
(A) उव्वटः (B) सायणः
(C) महीधरः (D) शौनकः
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

50. शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनशाखायाः हिन्दीभाषया आदिभाष्यकारोऽस्ति– UGC 73 J–2012
(A) महर्षिमहेशयोगी (B) अरविन्दमहर्षिः
(C) दामोदरसातवलेकरः (D) महर्षिदयानन्दः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–28*

51. शुक्लयजुर्वेदस्य संस्कृत-हिन्दी–भाषायां कृतं भाष्यं प्राप्यते– UGC 73 D–2011
(A) आचार्यसायणस्य (B) आचार्यमहीधरस्य
(C) आचार्योव्वटस्य (D) महर्षिदयानन्दसरस्वतेः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–18*

44. (C) 45. (C) 46. (D) 47. (D) 48. (D)

52. स्वामीकरपात्रीजी का भाष्य है– BHU MET–2014

(A) ऋग्वेद पर (B) सामवेद पर

(C) शुक्लयजुर्वेद पर (D) अथर्ववेद पर

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–558*

53. आत्मानन्द ने जिस पर भाष्य लिखा, वह है– BHU MET–2014

(A) शिवसङ्कल्पसूक्त (B) इन्द्रसूक्त

(C) अस्यवामीयसूक्त (D) वरुणसूक्त

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–638*

54. 'उव्वट' ने व्याख्या की है जिस वेद शाखा की, वह है– BHU MET–2014

(A) माध्यन्दिन (B) पैप्पलाद

(C) कपिष्ठल (D) शौनक

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

55. (i) महीधर क्या हैं– UGC 73 J–2015

(ii) महीधर कौन हैं? BHU MET–2009, 2013

(A) सूत्रकार (B) भाष्यकार

(C) वार्तिककार (D) पदकार

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

56. एषु अर्वाचीनो वेदभाष्यकारो न वर्तते– UGC 25 J–2012

(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः

(C) अरविन्दः (D) सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–7*

57. 'ब्राह्मणसर्वस्व' नामकं वेदभाष्यं केन विरचितम्– UGC 25 D–2015, UGC 73 D–2015

(A) हरिस्वामिना (B) हलायुधेन

(C) गुणविष्णुना (D) उव्वटेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–15-16*

52. (C) 53. (C) 54. (A) 55. (B) 56. (D)
62. (B) 63. (C)

14 | 58. **वैदिकस्वरप्रक्रियायाः वृत्तिकारः कः?** **UGC 25 D–2015**

(A) भट्टोजिदीक्षितः (B) पाणिनिः
(C) पतञ्जलिः (D) कात्यायनः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (पञ्चदश-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–221*

59. **(i) कः अग्निसूक्तस्य ऋषिः?** **HE –2015**
(ii) अग्निसूक्तस्य ऋषिः कः? **UGC 25 J–2015**

(A) हिरण्यस्तूपः (B) दीर्घतमाः
(C) मधुच्छन्दाः (D) विश्वामित्रः

स्रोत–*(i) अग्निसूक्त (ऋग्वेद 1.1.1)*
(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55

60. **ऋग्वेद के पदपाठकार हैं?** **UGC 25 J–1998**

(A) शाकल्य (B) आत्रेय
(C) यास्क (D) कात्यायन

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–33*

61. **हिरण्यगर्भसूक्तस्य ऋषिः कः?** **BHU AET–2011**

(A) विश्वामित्रः (B) भरद्वाजः
(C) अत्रिः (D) हिरण्यगर्भः

स्रोत–*(i) हिरण्यगर्भसूक्त (ऋग्वेद 10.121)*
(ii) वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–116

62. **ऋषिः कः आसीत्?** **BHU AET–2011**

(A) मन्त्रवाचकः (B) मन्त्रद्रष्टा
(C) मन्त्रकर्त्ता (D) मन्त्रलेखकः

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–10*

63. **(i) ऋग्वेदस्य प्रथममण्डलस्य ऋषिः अस्ति?**
(ii) ऋग्वेद के प्रथमसूक्त के ऋषि कौन हैं?
UGC 25 D–2006, BHU MET– 2008, 2009, 2011 2013, UK SLET–2015

(A) वसिष्ठः (B) विश्वामित्रः
(C) मधुच्छन्दाः (D) अगस्त्यः

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–31*

57. (B)	58. (A)	59. (C)	60. (A)	61. (D)

64. अक्षसूक्त के ऋषि कौन हैं? BHU MET–2009, 2013

(A) मधुच्छन्दा (B) दीर्घतमा

(C) कश्यप (D) कवषऐलूष

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–381*

65. वंशमण्डल का ऋषि कौन है? BHU MET–2011

(A) मधुच्छन्दा (B) पवमान

(C) वामदेव (D) दीर्घतमा

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–31*

(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

66. (i) पुरुषसूक्तस्य (10.90) ऋषिः अस्ति?

(ii) पुरुषसूक्त का द्रष्टा कौन है? BHU MET–2011

RPSC ग्रेड-II TGT–2011, RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) नारायण (B) उद्गीथ

(C) सायण (D) अत्रि

स्रोत–*(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह (10.90)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–392*

67. ऋग्वेद का प्रथम अध्येता कौन है? BHU MET–2012

(A) पैल (B) वैशम्पायन

(C) जैमिनि (D) सुमन्तु

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–04*

68. (i) ऋग्वेदीय-द्वितीयमण्डलस्य ऋषिः वर्तते

(ii) ऋग्वेदसंहिता के द्वितीय मण्डल के ऋषि कौन हैं– BHU MET–2012, UGC 73 J–2015

(A) गृत्समद (B) विश्वामित्र

(C) वामदेव (D) वसिष्ठ

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–177*

69. ऋग्वेदस्य द्वितीयमण्डलान्तर्गतस्य इन्द्रसूक्तस्य ऋषिः कः? UGC 25 S–2013

(A) गृत्समदः (B) हिरण्यगर्भः

(C) विश्वामित्रः (D) अत्रिः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–177*

64. (D) 65. (C) 66. (A) 67. (A) 68. (A)
74. (A) 75. (D)

70. ''स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव'' अस्य मन्त्रस्य ऋषिः वर्तते? **UGC 25 D–2013**

(A) वशिष्ठः (B) मधुच्छन्दाः

(C) कण्वः (D) अङ्गिराः

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋ. 1.1.9)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–37*

71. ''सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः ....'' अस्य मन्त्रस्य ऋषिरस्ति? UGC 25 D–2013

(A) नारायणः (B) कण्वः

(C) मेधातिथिः (D) अङ्गिराः

स्रोत–*(i) पुरुष-सूक्त ऋग्वेद 10.90*

(ii) ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–403

72. 'दीर्घतमा' कस्य सूक्तस्य ऋषिः विद्यते? RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) विष्णुसूक्तस्य (B) इन्द्रसूक्तस्य

(C) अग्निसूक्तस्य (D) पुरुषसूक्तस्य

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–164*

73. तैत्तिरीयसंहिता केन प्रवर्तिता? BHU AET–2010

(A) प्रवर्धनेन (B) तित्तिरिणा

(C) कण्वेन (D) मेधातिथिना

स्रोत–*संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–228*

74. सोमयागे कति ऋत्विजो भवन्ति? BHU AET–2010

(A) षोडश (B) दश

(C) षट् (D) पञ्च

स्रोत–*श्रौतयज्ञ परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–28*

75. (i) गायत्रीमन्त्र की रचना किसने की थी–

(ii) गायत्रीमन्त्रस्य द्रष्टा? BHU AET–2010

UK PCS–2006, UGC 06 J–2015

(A) वसिष्ठः (B) भरद्वाजः

(C) गृत्समदः (D) विश्वामित्रः

स्रोत–*ऋग्वेद (3.62.10) - वेदान्त तीर्थ, पेज–139*

69. (A) 70. (B) 71. (A) 72. (A) 73. (B)

76. सुदास के विरुद्ध ऋग्वेद में उल्लिखित दस राजाओं का युद्ध किसके नेतृत्व में लड़ा गया था?

UGC 06 J–2014

(A) वसिष्ठ (B) विश्वामित्र

(C) कुरु (D) पुरु

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–412*

77. सामवेदस्य प्रकाण्डविद्वान् कः आसीत्?

BHU AET–2011

(A) मैक्समूलरः (B) पीटर्सनः

(C) दयानन्दः (D) सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–13*

78. वेदव्यासमहामुनिः यजुर्वेदं कस्मै समर्पितवान्?

BHU AET–2011

(A) वैशम्पायनाय (B) सुमन्तवे

(C) जैमिनये (D) पैलाय

संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड)-बलदेव उपाध्याय, पेज–77

79. (i) निम्नलिखित पुरोहितों में से कौन यज्ञ के सम्पादन का निरीक्षण करता था?

(ii) यज्ञस्य निरीक्षणं कः ऋत्विक् करोति?

BHU AET–2010, UGC 06 J–2014

(A) होता (B) अध्वर्युः

(C) उद्गाता (D) ब्रह्मा

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–102*

80. ऋषयः मन्त्राणां के सन्ति? BHU AET–2012

(A) लेखकाः (B) द्रष्टारः

(C) पाठकाः (D) वक्तारः

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–10*

81. याज्ञवल्क्यः कस्य सभायामासीत्? BHU AET–2012

(A) जनकस्य (B) युधिष्ठिरस्य

(C) दशरथस्य (D) प्रजापतेः

स्रोत–*याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–34*

76. (B)	77. (D)	78. (A)	79. (D)	80. (B)
86. (D)	87. (D)	88. (C)		

82. (i) सर्वप्रथम वेदों का निर्वचन किया है?
(ii) वैदिकशब्दानां निर्वचनं कः कृतवान्?
UK SLET–2015, UGC 25 J–1994
(A) गौतमः (B) यास्कः
(C) पिङ्गलः (D) कपिलः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–16

83. वेदों के पुनरुत्थान का श्रेय किसे है? **UP PCS–1995**
(A) रामकृष्णपरमहंस (B) स्वामीदयानन्दसरस्वती
(C) रामानुज (D) स्वामीविवेकानन्द
संस्कृति साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

84. निम्नलिखित में से कौन सी वह ब्रह्मवादिनी थी, जिसने कुछ वेद मन्त्रों की रचना की थी? **IAS–1995**
(A) लोपामुद्रा (B) गार्गी
(C) लीलावती (D) सूर्या सावित्री
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–48

85. उपनिषदों के समय में वह विदुषी महिला कौन थी जो दार्शनिकों की सभा में उच्च ज्ञान पर सम्भाषण कर सकती थी? **UGC 06 J–2015**
(A) अपाला (B) घोषा
(C) गार्गी (D) विश्ववारा
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य 3.8)-गीताप्रेस, पेज–756

86. मन्त्रदर्शनं के अकुर्वन्? **RPSC ग्रेड-II, TGT–2010**
(A) राक्षसाः (B) ऋक्षयः
(C) मर्कटाः (D) ऋषयः
स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–10

87. निम्नलिखित में से कौन महिला विदुषी वैदिक मन्त्रों की रचयिता मानी जाती हैं? **MP PSC–1997**
(A) विश्ववारा (B) घोषा
(C) अपाला (D) ये सभी
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–70-71

88. ऋग्वैदिकस्य वरुणसूक्तस्य ऋषिरस्ति? **DL–2015**
(A) कपिलः (B) कात्यायनः
(C) शुनःशेपः (D) शाकल्यः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–68

81. (A) 82. (B) 83. (B) 84. (D) 85. (C)

89. वरुणसूक्तस्य ऋषिरस्ति? JNU MET–2014

(A) वसिष्ठः (B) वरुणः
(C) विश्वामित्रः (D) आपः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–325*

90. ऋग्वेदीय सप्तममण्डल के ऋषि हैं? UGC 73 D–2015

(A) वसिष्ठः (B) अत्रिः
(C) वामदेवः (D) मधुच्छन्दाः

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

91. ''ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः''–अस्य मन्त्रस्य ऋषिरस्ति? UGC 25 J–2013

(A) मधुच्छन्दाः (B) अजीगर्तः
(C) कण्वः (D) नारायणः

ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋ. 10.90.16)-हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–404

92. वाजसनेय कौन हैं? UGC 73 J–2007, D–2010

(A) मनुः (B) याज्ञवल्क्यः
(C) गौतमः (D) वशिष्ठः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–94*

93. विश्वामित्र जिस मण्डल के ऋषि हैं, वह है? BHU MET–2015

(A) तीसरा (B) चौथा
(C) पाँचवा (D) षष्ठ

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–207*

94. ''उप त्वाग्ने दिवे-दिवे दोषावस्तर्धिया वयम्'' अस्य मन्त्रस्य ऋषिः वर्तते? UGC 25 J–2013

(A) अग्निः (B) कण्वः
(C) दीर्घतमाः (D) मधुच्छन्दाः

वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 1.1.7)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–36

95. चतुर्थ मण्डल के ऋषि हैं? BHU MET–2014

(A) वामदेव (B) भरद्वाज
(C) गृत्समद (D) वशिष्ठ

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–242*

89. (A) 90. (A) 91. (D) 92. (B) 93. (A)
99. (B) 100. (A)

96. विष्णुसूक्तस्य ऋषिः अस्ति? UGC 25 J–2011

(A) दीर्घतमाः (B) हिरण्यस्तूपः

(C) गृत्समदः (D) हिरण्यगर्भः

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–164*

97. समुचितां तालिकां चिनुत– UGC 73 J–2015

(अ) ऋषयः **1. अर्थशास्त्रप्रवर्तकः**
(ब) मनुः **2. सौगतधर्मप्रवर्तकः**
(स) कौटिल्यः **3. मन्त्रद्रष्टारः**
(द) बुद्धः **4. धर्मशास्त्रप्रवर्तकः**

	अ	ब	स	द
(A)	4	1	3	2
(B)	3	2	4	1
(C)	3	4	1	2
(D)	1	4	3	2

स्रोत–*(अ) वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–10*
(ब) मनुस्मृति-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, भू. पेज–8
(स) कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–67
(द) वेदान्तसार - सन्तनारायण, भू. पेज-VIII

98. निरुक्तस्य व्याख्याकारः वर्तते?

JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) यास्कः (B) कश्यपः

(C) दुर्गाचार्यः (D) व्याडिः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–185*

99. सायणस्य व्याख्यापद्धतिरस्ति– UGC 25 S–2013

(A) वैज्ञानिकी (B) याज्ञिकी

(C) तान्त्रिकी (D) ऐतिहासिकी

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17*

100. (i) अधस्तादृत्तेषु कः वंशमण्डलेन सम्बद्धः नास्ति?

(ii) निम्नलिखित में से कौन वंशमण्डल से सम्बद्ध नहीं है? UGC 73 J–2015

BHU MET–2009, 2013, UGC 25 D–2015

(A) गौतम (B) वामदेव

(C) अत्रि (D) विश्वामित्र

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–31*
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

94. (D) 95. (A) 96. (A) 97. (C) 98. (C)

101. ऋग्वेदीयषष्ठमण्डलस्य ऋषिः वर्तते– UGC 25 D–2015

(A) भरद्वाजः (B) वामदेवः
(C) वशिष्ठः (D) विश्वामित्रः

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47*

102. सायणाचार्यस्य गुरुः कः आसीत्– BHU AET–2011

(A) भारतीकृष्णातीर्थः (B) विद्यातीर्थः
(C) विद्यारण्यस्वामी (D) ब्रह्मानन्दसरस्वती

स्रोत*–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–639*

103. (i) सायण का भ्राता किसे कहा गया है?
(ii) सायणस्य अनुजस्य नाम किम्–
BHU AET–2011, BHU MET–2009, 2013

(A) तारानाथः (B) दुर्गानाथः
(C) भोगनाथः (D) योगनाथः

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12*

104. नचिकेतसः पितुर्नाम– UGC 25 D–2004

(A) वाजस्रवा (B) श्वेतकेतुः
(C) याज्ञवल्क्यः (D) जाबालिः

स्रोत*–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–77*

105. आपदेवस्य गुरुः कः? BHU AET–2011

(A) खण्डदेवः (B) वोपदेवः
(C) अनन्तः (D) जयन्तः

स्रोत*–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–22*

106. उव्वटाचार्यस्य स्थानं कस्मिन् पुरे वर्तते?
BHU AET–2011

(A) पृथिवीपुरे (B) आनन्दपुरे
(C) अलकापुरे (D) गङ्गापुरे

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–16*

107. आचार्यसायणस्य मातुः नाम किम्? BHU AET–2011

(A) लक्ष्मीः (B) श्रीमती
(C) दुर्गावती (D) मधुमती

स्रोत*–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12*

101. (A) 102. (B) 103. (C) 104. (A) 105. (C)
111. (D) 112. (A) 113. (A) 114. (A)

5 | 7 | 11 | िव | 13 | 2 | 04 | 11 | 11 | 6 | 11 | 2

108. (i) सायणस्य अग्रजस्य किं नाम आसीत्?
(ii) सायणस्य को भ्राता? BHU AET–2011, 2012

(A) हलायुधः (B) माधवः
(C) पिङ्गलः (D) मायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12*

109. योगिनः याज्ञवल्क्यस्य गुरुः कः आसीत्?
BHU AET–2011

(A) अत्रिः (B) अगस्त्यः
(C) विश्वामित्रः (D) वैशम्पायनः

स्रोत–*याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–13*

110. याज्ञवल्क्यस्य पितुः वाजसनेः अपरं नाम किमस्ति?
BHU AET–2010

(A) वैशम्पायनः (B) सुमन्तुः
(C) देवरातः (D) कणादः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–131*

111. उव्वटस्य पितुः नाम किमासीत्? BHU AET–2010

(A) कैयटः (B) मम्मटः
(C) जल्लटः (D) वज्रटः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24*

112. यजुषां वमनकर्ता याज्ञवल्क्यः कस्य शिष्यः आसीत्?
BHU AET–2012

(A) वैशम्पायनस्य (B) सुमन्तोः
(C) माधवस्य (D) विश्वामित्रस्य

स्रोत–*याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–13*

113. 'शतपथानुसारं याज्ञवल्क्स्य गुरोः नाम किमस्ति?
BHU AET–2012

(A) आरुणिः (B) उपमन्युः
(C) धौम्यः (D) सदानन्दः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–131*

114. सायणः– BHU AET–2010

(A) वेदभाष्यकर्ता (B) वैयाकरणः
(C) मीमांसकः (D) कविः

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–12*

106. (B) 107. (B) 108. (B) 109. (D) 110. (C)

115. महर्षिः वेदव्यासः कम् ऋग्वेदं समर्पितवान्–

BHU AET–2011

(A) वैशम्पायनम् (B) जैमिनिम्

(C) पैलम् (D) सुमन्तुम्

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/व्रजबिहारी चौबे, पेज–73*

116. 'शेषे यजुः शब्दः' इति कस्य वचनमस्ति–

(ii) 'शेषे यजुः शब्दः' इति वचनं कः उक्तवानस्ति?

BHU AET–2010, 2012

(A) यास्कः (B) पतञ्जलिः

(C) जैमिनिः (D) सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

117. ''यजुर्यजतेः'' इति निर्वचनं कस्यास्ति?

BHU AET–2010

(A) सायणस्य (B) महीधरस्य

(C) पतञ्जलेः (D) यास्कस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

118. ''एकशतमध्वर्युशाखा'' इति केन कथितमस्ति–

BHU AET–2010

(A) पतञ्जलिना (B) पाणिनिना

(C) वररुचिना (D) माधवेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–93*

119. ''मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम्'' इति कः उक्तवानस्ति?

BHU AET–2010, 2012

(A) आपस्तम्बः (B) पाणिनिः

(C) माधवः (D) महीधरः

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, भूमिका-2*

120. ''अर्थावबोधे निरपेक्षतया पदजातं यत्रोक्तं तन्निरुक्तम्'' कस्य वचनमस्ति? BHU AET–2011, 2012

(A) यास्कस्य (B) सायणस्य

(C) दुर्गाचार्यस्य (D) पाणिनेः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–भूमिका-11*

115. (C) 116. (C) 117. (D) 118. (A) 119. (A)

125. (A) 126. (B) 127. (C)

121. ''रजः शब्दो लोकवाची'' इसके वक्ता हैं– **BHU MET–2015**

(A) इजलिङ्ग (B) मैक्समूलर
(C) सायण (D) ग्रिफिथ

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (1.35.2) - हरिदत्त शास्त्री, पेज–105*

122. ''सम्पूर्णमृषिवाक्यन्तु सूक्तमित्यभिधीयते'' वाक्यमिदं कस्य– **BHU AET–2011**

(A) जैमिनेः (B) व्यासस्य
(C) शौनकस्य (D) याज्ञवल्क्यस्य

स्रोत–*बृहद्देवता - रामकुमार राय, पेज–05*

123. ''यः पृथिवीं व्यथमानामदृंहद्यः पर्वतान्प्रकुपिताँ अरम्णात्''-अस्य मन्त्रस्य द्रष्टा ऋषि कः? **UGC 25 D–2015**

(A) विश्वामित्रः (B) गृत्समदः
(C) मधुच्छन्दाः (D) इन्द्रः

वैदिकसूक्तसंग्रह (इन्द्रसूक्त ऋग्वेद 2.12.2)-विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–66

124. इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोरलौकिकमुपायं यो ग्रन्थो वेदयति स वेदः–इति लक्षणं कस्य? **UGC 25 D–2015**

(A) महीधरस्य (B) लौगाक्षिभास्करस्य
(C) सायणस्य (D) पारस्करस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

125. 'शून्य' का आविष्कार किया था? **IAS–1995**

(A) आर्यभट्ट ने (B) भास्करप्रथम ने
(C) वराहमिहिर ने (D) किसी अज्ञातभारतीय ने

स्रोत–*भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार-गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–153*

126. प्राचीन भारत का पहला प्रसिद्ध ज्योतिषशास्त्र का ज्ञाता कौन था? **UP TGT (S.S.)–2009**

(A) बाणभट्ट (B) आर्यभट्ट
(C) विशाखदत्त (D) कात्यायन

स्रोत–*भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार-गिरिजाशङ्कर शास्त्री, पेज–151*

127. स्वामिदयानन्दसरस्वतीमहोदयस्य जन्म अस्मिन् वर्षे आसीत्– **CVVET–2015**

(A) ई0 1636 तमे वर्षे (B) ई0 1724 तमे वर्षे
(C) ई0 1824 तमे वर्षे (D) ई0 1875 तमे वर्षे

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–383

120. (B) 121. (C) 122. (C) 123. (B) 124. (C)

128. निम्नलिखित में से किसका प्राचीन भारत के आयुर्वेद शास्त्र से सम्बन्ध नहीं है? **IAS–1993**

(A) धन्वन्तरि　　(B) भास्कराचार्य
(C) चरक　　(D) सुश्रुत

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–606

129. वास्तुशास्त्रस्य प्राचीनतमः आचार्यः अस्ति– **UGC 73 D–2004**

(A) कालिदासः　　(B) मयः
(C) वराहमिहिरः　　(D) पतञ्जलिः

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–605

130. मिथिला में गार्गी वाचक्नवी ने किस ऋषि से शास्त्रार्थ किया था– **MP PSC–2003**

(A) वशिष्ठ　　(B) विश्वामित्र
(C) भरद्वाज　　(D) याज्ञवल्क्य

वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–427

131. ''पुरुषार्थानां वेदयिता वेद उच्यते''। इस परिभाषा के कर्ता हैं– **BHU MET–2015**

(A) सायणः　　(B) महीधरः
(C) जैमिनिः　　(D) भट्टभास्करः

128. (B)　**129.** (C)　**130.** (D)　**131.** (D)　**132.** (C)

132. अशुद्ध विकल्प चुनिये– **UGC 73 J–2015**

(A) भारतीयसंस्कृतिः – वेदाश्रिता
(B) यजुर्वेदः – कल्पम्
(C) महर्षिवेदव्यासः – योगदर्शनम्
(D) महर्षिदयानन्दः – आर्यसमाजप्रवर्तकः

स्रोत–*भारतीयदर्शन - चटर्जी एवं दत्त, पेज–280*

133. कुल्लूकभट्टस्य समयः– **CVVET–2015**

(A) त्रयोदशशतकम् (B) एकादशशतकम्
(C) दशमशतकम् (D) चतुर्दशशतकम्

स्रोत–*मनुस्मृति - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, भू. पेज-16*

134. 'लीलावती' इति गणितग्रन्थस्य कः रचयिता? **JNU MET–2015**

(A) आर्यभट्टः (B) भास्कराचार्यः
(C) कमलाकरभट्टः (D) ब्रह्मगुप्तः

स्रोत–*भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार-गिरिजाशङ्करशास्त्री, पेज–180*

135. बृहत्संहिता की रचना किसने की थी? **UP TGT S.S.–2003**

(A) कालिदास (B) कल्हण
(C) आर्यभट्ट (D) वराहमिहिर

स्रोत–*संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–71*

133. (A) 134. (B) 135. (D)

16. वैदिकग्रन्थ

1. **'वैदिक-देवशास्त्र' (Vedic Mythology) के लेखक हैं–** **UGC 25 J–1994**

(A) मैक्समूलर (B) वेबर
(C) मैक्डॉनल (D) कीथ

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–37*

2. **'वैदिकव्याकरण' के आधुनिक लेखक हैं–** **UGC 25 D–1997**

(A) बॉप (B) मायरहोफर
(C) लुई रेनू (D) आर० एन० दण्डेकर

***स्रोत**–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–331*

3. **(i) निरुक्तकार कौन हैं? UGC 25 D–1996, D–1999,**
(ii) निरुक्तस्य रचयिता अस्ति– J–2003, UGC 73
(iii) निरुक्त के लेखक हैं– D–1992 1994, DSSSB PGT–2014, BHU AET–2010, UPGIC–2015

(A) पाणिनि (B) कात्यायन
(C) पतञ्जलि (D) यास्क

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–5

4. **(i) 'वेदाङ्गज्योतिष' के रचयिता हैं–**
(ii) वेदाङ्गज्योतिषस्य प्रणेता कः?
(iii) वेदाङ्गज्योतिषस्य कर्तुः किं नाम अस्ति?
BHU AET–2010, J–2011, 2012 UGC 25 J–2001 BHU MET–2008, 2010, BHU Bed–2014

(A) लगध (B) पाणिनि
(C) पतञ्जलि (D) कालिदास

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–605

5. **"Vedic Concordance" (वैदिक वाक्यकोश) के लेखक हैं–** **UGC 25 J–2003**

(A) मैक्समूलर (B) डॉ० ब्लूमफील्ड
(C) वेबर (D) विण्टरनित्स

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–21*

1. (C) 2. (C) 3. (D) 4. (A) 5. (B)
11. (B)

थ और ग्रन्थकार

ई–
94

7

97

देव

9,
3
4,
15

-5

01
14

के
3

1

6. "Orion" (ऑरिआन) किसकी रचना है– UGC 25 D–2003

(A) याकोबी (B) बालगङ्गाधरतिलक

(C) वेबर (D) मैक्समूलर

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30*

(ii) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–81

7. **ऋग्वेदप्रातिशाख्यस्य प्रणेता कः– BHU AET–2011**

(A) उव्वटः (B) महीधरः

(C) शौनकः (D) कात्यायनः

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–90*

8. **कस्य ग्रन्थस्य प्रणेताचार्यः सायणः– BHU AET–2011**

(A) मीमांसापरिभाषा (B) न्यायप्रकाशः

(C) ऋग्वेदभाष्यभूमिका (D) श्लोकवार्तिकम्

स्रोत–*ऋग्वेदभाष्यभूमिका - सायण/जगन्नाथ पाठक, भूमिका-3*

9. **यज्ञतत्त्वप्रकाशग्रन्थस्य कर्ता कः– BHU AET–2011**

(A) भरतस्वामी (B) चिन्नस्वामी

(C) देवस्वामी (D) धूर्तस्वामी

स्रोत– *संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/जगन्नाथ पाठक, पेज-550*

10. **'वैदिकविज्ञान और भारतीय संस्कृति' इति ग्रन्थस्य कर्ता कः– BHU AET–2011**

(A) गिरधरशर्माचतुर्वेदी (B) मधुसूदनओझा

(C) गोपीनाथकविराजः (D) गौरीनाथशास्त्री

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–19, 31*

11. **'वाजसनेयि-प्रातिशाख्य' के रचयिता कौन हैं– BHU MET–2008**

(A) शौनक (B) कात्यायन

(C) भरद्वाज (D) गौतम

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि', पेज–90*

6. (B) 7. (C) 8. (C) 9. (B) 10. (A)

12. (i) बृहद्देवतायाः रचयिता कोऽस्ति? BHU MET–2008

(ii) 'बृहद्देवता' किसकी रचना है– BHU AET–2012

UP GDC–2008, UP GIC–2015

(A) शौनक　　(B) कात्यायन

(C) पाणिनि　　(D) पतञ्जलि

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि', पेज–95*

13. 'जैमिनीय-न्यायमाला' किसने लिखी है–

BHU MET–2009

(A) गौतम　　(B) सायण

(C) माधव　　(D) भर्तृहरि

स्रोत–*अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–21*

14. शतपथब्राह्मणस्य कर्ता अस्ति–　UGC 73 J–2013

(A) महीधरः　　(B) शौनकः

(C) याज्ञवल्क्यः　　(D) सायणः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

15. चरणव्यूहग्रन्थः केन रचितः–　BHU AET–2011

(A) महीदासः　　(B) शौनकः

(C) कात्यायनः　　(D) आश्वलायनः

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि', पेज–97*

16. (i) 'निघण्टु' के रचयिता हैं–

(ii) निघण्टुग्रन्थस्य रचयिता प्राचीनमतानुसारम्–

BHU AET–2010, BHU MET–2015

(A) अमरसिंहः　　(B) पाणिनिः

(C) यास्कः　　(D) अर्वाचीनः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–89

17. ऋक्तन्त्रस्य रचयिता–　BHU AET–2010

(A) शाकटायनः　　(B) आश्वलायनः

(C) जैमिनिः　　(D) व्यासः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–24*

12. (A)　13. (C)　14. (C)　15. (B)　16. (C)
22. (C)　23. (D)　24. (B)

18. राणायनीयप्रातिशाख्यस्य रचयिता– BHU AET–2010
(A) गौतमः (B) सात्यमुग्रिः
(C) जैमिनिः (D) हरदत्तः

19. भट्टोजिदीक्षितमतानुसारम् ऋक्तन्त्रस्य प्रणेता कः– BHU AET–2010
(A) शाकटायनः (B) शाङ्खायनः
(C) औद्व्रजिः (D) जैमिनिः

स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–24

20. (i) 'धर्मसूत्र' के प्रवर्तक हैं– BHU AET–2010
(ii) यजुर्वेदस्य धर्मसूत्रस्य रचयिता कोऽस्ति–
(iii) प्राचीनतमं धर्मसूत्रम्– UGC 73 S–2013, J–2014
(A) गौतमः (B) कणादः
(C) पतञ्जलिः (D) कपिलः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि', पेज–91

21. ऋक्प्रातिशाख्यस्य वर्ण्यविषयः कः– BHU AET–2011
(A) अग्निष्टोमः (B) चातुर्मास्यम्
(C) अग्न्याधानम् (D) वर्णस्वरादिविवेचनम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि', पेज–90

22. (i) सर्वानुक्रमणीकारः– BHU AET–2010
(ii) 'सर्वानुक्रमणी' इति ग्रन्थस्य रचयितुः नाम किमस्ति?
(A) महीधरः (B) वात्स्यायनः
(C) कात्यायनः (D) पाणिनिः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–95

23. चुलेटस्य ग्रन्थस्य किं नाम अस्ति? BHU AET–2010
(A) वेदसमयनिर्णयः (B) वेदयुगनिर्णयः
(C) वेदनिर्णयः (D) वेदकालनिर्णयः

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–39

24. 'निरुक्तश्लोकवार्त्तिक' के कर्त्ता हैं? UGC 73 D–2013
(A) यास्कः (B) दुर्गाचार्यः
(C) नीलकण्ठः (D) स्कन्दस्वामी

स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज–357

17. (A) 18. (*) 19. (C) 20. (A) 21. (D)

25. वैदिकव्याकरणस्य रचनां कः कृतवान्– BHU AET–2011

(A) हारवर्ड (B) मोक्षमूलर
(C) मैक्डॉनल (D) ग्रिफिथ

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–36*

26. (i) 'ऋग्वेदभाष्यभूमिका' के रचयिता हैं–
(ii) ऋग्वेदभाष्यभूमिकायाः रचयिता कोऽस्ति–
UP GDC–2008, BHU RET–2008, BHU MET–2015

(A) महीधरः (B) गुरुदेवः
(C) सायणः (D) माधवः

स्रोत–*सायणकृत ऋग्वेदभाष्यभूमिका - जगन्नाथ पाठक, पेज–3*

27. गुप्तकाल का प्रसिद्ध खगोलशास्त्री कौन था?
MP PSC–1992

(A) आर्यभट्ट (B) भास्कराचार्य
(C) वराहमिहिर (D) ब्रह्मगुप्त

स्रोत–*संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–70*

28. निम्नलिखित में से कौन विदुषी महिला वैदिकमन्त्रों की रचयिता नहीं थी– MP PSC–1999

(A) विश्ववारा (B) अपाला
(C) गार्गी (D) घोषा

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–48*

29. निम्नलिखित में से कौन-सा वेद अंशतः गद्य में है–
MP PSC–2009

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

30. निम्नलिखित में से किस विदुषी ने वैदिक मन्त्रों की रचना की थी– MP PSC–2008

(A) गार्गी (B) विश्ववारा घोषा
(C) मैत्रेयी (D) जाबाली

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–48*

25. (C) 26. (C) 27. (A) 28. (C) 29. (C)
35. (A) 36. (A) 37. (D)

11 | 31. ऋग्वेद में कौन से वैदिक देवता सहस्र स्तम्भों वाले भवन में निवास करते हुए वर्णित हैं? MP PSC–2008
(A) इन्द्र व अग्नि (B) यम व यमी
(C) मित्र व वरुण (D) ऊषा व सूर्य

6 | 32. वैदिक साहित्य में सभा और समिति को किस देवता की दो पुत्रियाँ कहा गया है– MP PSC–2008
(A) वरुण (B) अग्नि
15 | (C) इन्द्र (D) प्रजापति

स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ब्रजबिहारी चौबे, पेज–549

33. तन्त्रयुक्तियों का विवरण है? UGC 73 J–1999
(A) अर्थशास्त्र (B) भृगुसंहिता
(C) मनुस्मृति (D) गौतमधर्मसूत्र

02 | *स्रोत–संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज-194*

34. गोविन्दस्वामी के भाष्य वाला ग्रन्थ है– BHU MET–2015
0 | (A) ऐतरेयब्राह्मण (B) कात्यायनश्रौतसूत्र
ओं | (C) कठोपनिषद् (D) ऋग्वेदीय-अग्निसूक्त

09 | *स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–26*

35. ''पीटर-पीटर्सन'' की रचना है– BHU MET–2015
(A) ऋग्वेद से स्तोत्र (Hymns from the Rgveda)
(B) वेद से चयनित
8 | (C) नये वेद से चयनित
– | (D) वेद के अग्नि से निकली चिनगारी

09 | *संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17*

36. 'On the Vedas' के रचनाकार हैं– BHU MET–2015
(A) योगिराज अरविन्द (B) ग्रिफिथ
(C) लक्ष्मणस्वरूप (D) मधुसूदन ओझा

3 | *स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–19*

की | 37. 'ऐतरेय ब्राह्मण' के अंग्रेजी अनुवादक हैं–
08 | BHU MET–2015
(A) अरविन्द (B) किरीट जोशी
(C) चिन्नस्वामी (D) ए० बी० कीथ

8 | *स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–125*

30. (B) 31. (A) 32. (D) 33. (D) 34. (A)

38. ''गीतिषु सामाख्या'' इस सूत्र के रचनाकार हैं–

BHU MET–2015

(A) कपिलः (B) कणादः

(C) जैमिनिः (D) पतञ्जलिः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77*

39. 'वेदभाष्यभूमिकासंग्रह'– के रचयिता हैं–

BHU MET–2015

(A) आचार्य सायण (B) उव्वट

(C) महीधर (D) स्कन्दस्वामी

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–68*

40. 'श्रीसातवलेकर' द्वारा रचित वेदभाष्य का नाम है–

BHU MET–2015

(A) सुबोधभाष्यम् (B) वेदप्रदीपः

(C) वेदार्थप्रकाशः (D) सुबोधिनी

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–19*

41. 'वेददीपभाष्य' के कर्ता हैं– UGC 73 J–2014

(A) सायणाचार्यः (B) हलायुधः

(C) कर्काचार्यः (D) महीधरः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24*

(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–112

42. 'तैत्तिरीयप्रातिशाख्य' सम्बद्ध है– BHU MET–2010

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद

(C) शुक्लयजुर्वेद (D) कृष्णयजुर्वेद

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

43. 'मशकश्रौतसूत्र' सम्बद्ध है?

BHU MET–2010, BHU AET–2012

(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद

(C) अथर्ववेद (D) सामवेद

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, भू.-40*

38. (C) 39. (A) 40. (A) 41. (D) 42. (D)
48. (B) 49. (C) 50. (D)

44. शुक्लयजुषः श्रौतसूत्रकर्ता– UGC 73 D–2014
(A) बौधायनः (B) कात्यायनः
(C) आश्वलायनः (D) आपस्तम्बः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216*

45. निघण्टुग्रन्थस्य संग्रहः कृतः केन? BHU AET–2011
(A) प्रजापतिकश्यपेन (B) मैक्डाँनलेन
(C) शौनकेन (D) सायणेन
स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज–183, 184*

46. आपदेवस्य कति ग्रन्थाः सन्ति? BHU AET–2011
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4
स्रोत–*(i) अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–22*
(ii) सर्वदर्शनसंग्रह-(माधवाचार्य) उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–803

47. 'जैमिनीयन्यायमाला' ग्रन्थस्य व्याख्याग्रन्थः कः?
BHU AET–2011
(A) विस्तरः (B) विण्टरः
(C) प्रस्तारः (D) स्वस्तयनः
स्रोत–*(i) अर्थसंग्रह - राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, भूमिका-21*
(ii) सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–769

48. कातीयेष्टिदीपकस्य कर्ता कः? BHU AET–2011
(A) परमानन्दः (B) नित्यानन्दः
(C) ब्रह्मानन्दः (D) शङ्करानन्दः
स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-15) - बलदेव उपाध्याय/गोपालदत्त पाण्डेय, पेज-192*

49. 'निरुक्तालोचनम्' इति ग्रन्थस्य कः लेखकः?
BHU AET–2011
(A) करपात्रस्वामी (B) मधुसूदनस्वामी
(C) सत्यव्रतसामश्रमी (D) हलायुधः
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30*

50. 'ऐतरेयालोचनम्' इति ग्रन्थस्य कः लेखकः?
BHU AET–2011
(A) स्कन्दस्वामी (B) महीधरः
(C) प्रभुदत्तः (D) सत्यव्रतसामश्रमी
स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–27*

43. (D) 44. (B) 45. (A) 46. (A) 47. (A)

51. शुक्लयजुः प्रातिशाख्यस्य टीकाकारः कोऽस्ति?
BHU AET–2010

(A) सायणः (B) वेङ्कटनाथः
(C) उव्वटः (D) पतञ्जलिः

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24*
(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–112

52. दुर्गाचार्यमतेन निघण्टुग्रन्थरचयिता– BHU AET–2010

(A) पाणिनिः (B) अर्वाचीनः
(C) वररुचिः (D) यास्कः

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–300-201

53. ऋक्तन्त्रं नाम प्रातिशाख्यग्रन्थः– BHU AET–2010

(A) सामवेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–180*

54. शुक्लयजुर्वेदस्य प्रातिशाख्यं केन रचितमस्ति–
BHU AET–2012

(A) कात्यायनेन (B) गौतमेन
(C) वामनेन (D) वैशम्पायनेन

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–178*

55. "The Orion" इति पुस्तकं केन रचितमस्ति?
BHU AET–2012

(A) मैक्समूलरेण (B) मैक्डोनलेन
(C) तिलकेन (D) भण्डारकेण

स्रोत–*(i) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30*
(ii) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–81

56. वैदिकव्याकरणस्य व्याख्याकारः कः– BHU AET–2011

(A) जयकृष्णः (B) हलायुधः
(C) वामनः (D) भारद्वाजः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज-265*

51. (C) 52. (B) 53. (A) 54. (A) 55. (C)
61. (B) 62. (C)

57. ऋक्तन्त्रं नाम– BHU AET–2010

(A) प्रातिशाख्यम् (B) मन्त्रः
(C) व्याकरणम् (D) भाष्यम्

***स्रोत**–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–180*

58. सही योग कौन सा है? BHU MET–2010

(A) यास्क – निरुक्त (B) कालिदास – महाभारत
(C) वाल्मीकि – उत्तररामचरित (D) भास – रामायण

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17*

59. सायणभाष्यसहितं ऋग्वेदं सर्वप्रथमं यः सम्पादयामास सोऽस्ति पाश्चात्त्यविद्वान्– UP GDC–2012

(A) ओल्डेनवर्गः (B) हिल्लेब्राण्टः
(C) मैक्समूलरः (D) मैक्डॉनलः

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–32*

60. ऋग्वेदभाष्यभूमिकायां पुराणस्य लक्षणानि कति प्रतिपादितानि– BHU AET–2011

(A) 3 (B) 5
(C) 8 (D) 9

***स्रोत**–ऋग्वेदभाष्यभूमिका - रामअवध पाण्डेय, पेज-119*

61. वैदिकस्वरमीमांसायाः कर्ता कोऽस्ति– BHU AET–2011

(A) उव्वटः (B) युधिष्ठिरमीमांसकः
(C) आपदेवः (D) सत्यव्रतसामश्रमी

***स्रोत**–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (पञ्चदश-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–162-163*

62. विदेघ माधव का अपने पुरोहित गोतम राहूगण के साथ पूर्व दिशा की ओर जाने का कथानक निम्नांकित में से किसमें उल्लिखित है? UGC 06 D–2012

(A) गोपथ ब्राह्मण (B) बृहदारण्यक उपनिषद्
(C) शतपथ ब्राह्मण (D) ऐतरेय ब्राह्मण

***स्रोत**–वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–210*

56. (D) 57. (A) 58. (A) 59. (C) 60. (B)

17. वेद के वि

1. ''आवाहनं देवानां वहनञ्च हविषाम्'' इत्यस्ति–
UGC 25 J–2009

(A) अग्निकर्म   (B) विष्णुकर्म
(C) रुद्रकर्म   (D) इन्द्रकर्म

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–286*

2. अधोऽङ्कितानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(क) ब्रह्मचारिसूक्तम्   1. घ्राणम्
(ख) मैत्रायणी-आरण्यकम्   2. अथर्ववेदः
(ग) अथेदं भस्मान्तं शरीरम्   3. कृष्णयजुर्वेदः
(घ) शिक्षा   4. ईशावास्योपनिषद्

UGC 25 J–2011

	क	ख	ग	घ
(A)	2	4	1	3
(B)	3	2	1	4
(C)	3	2	4	1
(D)	2	3	4	1

स्रोत–*(क) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109*
(ख) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–165
(ग) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–43
(घ) पाणिनीयशिक्षा (श्लोक 41-42) - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–143

3. किं सत्यम् अस्ति।   **UGC 25 J–2011**

(A) श्रीमद्भगवद्गीता अस्ति ऋग्वेदस्य आदिमसूक्तस्य व्याख्या
(B) प्रातिशाख्यस्य लेखकोऽस्ति पाणिनिः
(C) यजुर्वेदे सन्ति विंशतिः अध्यायाः
(D) वेदभाष्यकारोऽस्ति आचार्यः सायणः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23*

4. किं सत्यम् अस्ति   **UGC 25 J–2011**

(A) शुनःशेपाख्यानमस्ति कौषीतकिब्राह्मणे
(B) नचिकेतसः कथा ऋग्वेदे अस्ति
(C) कर्मकाण्डं चर्चितम् आरण्यकेषु
(D) ऋग्वेदस्य प्रथमशब्दः अस्ति 'अग्निम्'

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (1.1.1) -हरिदत्तशास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–55*

1. (A)   2. (D)   3. (D)   4. (D)   5. (A)

विविध प्रश्न

5. **अधोऽङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत–**

(अ) पूर्णमदः पूर्णमिदम्	**1. निरुक्तम्**
(ब) मा गृधः कस्यस्विद्धनम्	**2. अथर्ववेदीया**
(स) समाम्नायः समाम्नातः	**3. ईशावास्योपनिषद्**
(द) पैप्पलादसंहिता	**4. बृहदारण्यकोपनिषद्**

UGC 25 J–2012

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	1	2
(B)	3	2	1	4
(C)	2	3	4	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–*(अ) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–27*

(ब) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–28

(स) निरुक्तम् - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–14

(द) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99

6. **अश्वस्य मेध्यस्य लोमानि कानि उच्यन्ते।**

UGC 25 J–2012

(A) ऋतवः

(B) दिशः

(C) नक्षत्राणि

(D) ओषधयश्च वनस्पतयश्च

स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्यसहित)-गीताप्रेस, पेज–38*

7. **माङ्गलिक आचार्यो महतो शास्त्रौघस्य मङ्गलार्थमादितः किं प्रयुक्ते?** **UGC 25 J–2012**

(A) काव्यम्　　(B) नित्यशब्दम्

(C) अनित्यशब्दम्　　(D) सिद्धशब्दम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–82*

6. (D)　　7. (D)

8. अधोऽङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत–

(क) सरमा-पणिसंवादः 1. बृहदारण्यकोपनिषद्

(ख) स्वाध्यायान्मा प्रमदः 2. ऋग्वेदस्य दशममण्डले

(ग) कल्पः 3. तैत्तिरीयोपनिषद्

(घ) आत्मनस्तु कामाय सर्वं प्रियं भवति 4. हस्तः

UGC 25 D–2012

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	4	2	3	1
(C)	2	3	4	1
(D)	3	2	1	4

स्रोत–*(क) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57*

(ख) ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–362

(ग) पाणिनीयशिक्षा (श्लोक 41-42) - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–143

(घ) बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्यसहित 2/4)-गीताप्रेस, पेज–546

9. 'आर्य' शब्द इंगित करता है?

IAS–1999, UP PCS–2007

(A) नृजातिसमूह को (B) यायावरीजन को

(C) भाषासमूह को (D) श्रेष्ठवंश को

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी कोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–159*

10. वैदिककाल में किस जानवर को 'अघन्या' माना जाता है? UP PCS–2008

(A) बैल (B) भेड़

(C) गाय (D) हाथी

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–275*

11. वैदिक दर्शन में विकास की अवधारणा क्या थी?

UGC 06 D–2006

(A) बहुदेववाद (B) अधिदेववाद

(C) एकेश्वरवाद तथा एकात्मवाद (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–38*

8. (C) 9. (D) 10. (C) 11. (A) 12. (A)

12. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–**

(क) ऋग्वेद	**1. संगीतमय स्तोत्र**
(ख) यजुर्वेद	**2. स्तोत्र एवं कर्मकाण्ड**
(ग) सामवेद	**3. तन्त्र मन्त्र एवं वशीकरण**
(घ) अथर्ववेद	**4. स्तोत्र एवं प्रार्थनाएं**

UP PCS–2001

	क	ख	ग	घ
(A)	4	2	1	3
(B)	4	1	2	3
(C)	3	2	4	1
(D)	2	3	1	4

स्रोत–*(ख) वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–75*
(ग) वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–100
(घ) वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–104

13. **वैदिक अध्ययन के सन्दर्भ में 'सन्तान' का अर्थ है–** **BHU MET–2014**
(A) पद (B) अर्थ
(C) संहिता (D) व्याकरण

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–334*

14. **'महीत्वा' का अर्थ है–** **BHU MET–2014**
(A) महिमा से (B) पृथ्वी से
(C) पूजा से (D) ज्ञान से

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह (10.121.4) - हरिदत्तशास्त्री, पेज-409*

15. **'गव्यम्' का अर्थ है?** **BHU MET–2014**
(A) भरतवंशीय (B) पवमान
(C) गो दुग्ध आदि (D) जाने वाला

स्रोत–*संस्कृतहिन्दीकोश - वामनशिवराम आप्टे, पेज-340*

16. **प्राचीनकाले वेदाध्ययनं कुत्र भवति स्म?** **BHU B.ed–2012**
(A) मन्दिरेषु (B) गृहेषु
(C) गुरुकुलेषु (D) ग्रामेषु

स्रोत–*भारतीय संस्कृति - दीपक कुमार, पेज–192*

17. **चरणव्यूहग्रन्थस्य विषयः कः–** **BHU AET–2011**
(A) वेदशाखापर्यालोचनम् (B) ज्ञानकाण्डः
(C) उपासनाकाण्डः (D) कर्मकाण्डः

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–34*

13. (C) 14. (A) 15. (C) 16. (C) 17. (A)

18. ऋग्वेदभाष्यभूमिकायां विद्यास्थानानि कति प्रतिपादितानि– BHU AET–2011

(A) 14 (B) 18
(C) 10 (D) 60

स्रोत–*ऋग्वेदभाष्यभूमिका - राम अवध पाण्डेय, पेज–120*

19. सूर्यः पूर्वाह्णे कैरेति? BHU AET–2012

(A) ऋग्भिः (B) यजुर्भिः
(C) ब्रह्णैः (D) गोपैः

20. सूर्यास्तमये केन सह एति? BHU AET–2012

(A) गवा (B) अथर्ववेदेन
(C) सामवेदेन (D) ब्रह्मचारिभिः

21. चातुर्मास्यं कदा प्रभृति प्रारभ्यते– BHU AET–2012

(A) फाल्गुनपूर्णिमातः (B) वैशाखपूर्णिमातः
(C) आषाढपूर्णिमातः (D) भाद्रपदपूर्णिमातः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314*

22. अग्न्याधाने ब्राह्मणस्य कः कालः– BHU AET–2012

(A) वसन्तः (B) ग्रीष्मः
(C) शरदः (D) हेमन्तः

स्रोत–*वैदिकशब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–51*

23. ब्राह्मणस्य अग्न्याधाने किं नक्षत्रम्– BHU AET–2012

(A) कृत्तिका (B) स्वाती
(C) हस्तः (D) भरणी

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-2) - बलदेव उपाध्याय/ओमप्रकाश पाण्डेय, पेज-435*

24. राज्ञः कः अग्न्याधानकालः – BHU AET–2012

(A) वर्षाः (B) हेमन्तः
(C) ग्रीष्मः (D) वसन्तः

स्रोत–*वैदिकशब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–51*

25. वैश्यस्य कः अग्न्याधानकालः – BHU AET–2012

(A) ग्रीष्मः (B) वसन्तः
(C) शरदः (D) हेमन्तः

स्रोत–*वैदिकशब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–51*

18. (A) 19. (A) 20. (C) 21. (A) 22. (A)
28. (A) 29. (A) 30. (A)

26. बहुदेववादिनः के आसन्– RPSC-ग्रेड-I PGT–2011

(A) वैदिकार्याः (B) बौद्धभिक्षुकाः

(C) राक्षसाः (D) शिवोपासकाः

स्रोत–*वैदिकदर्शन - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–132*

27. सही उत्तर चुनिये– UGC 73 D–2014

(A) लोमशशिक्षा–अथर्ववेदस्य

(B) शिवसङ्कल्पमन्त्राः–जैमिनीयसामवेदे

(C) शौनकशिक्षा–राणायनीयशाखायाः

(D) व्यासशिक्षा–कृष्णयजुषः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86

28. श्रीरुद्राध्याय है– UGC 73 D–2014

(A) संहितायाम् (B) ब्राह्मणे

(C) उपनिषदि (D) आरण्यके

स्रोत–*संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–49*

29. कस्य किं मतम्– UGC 25 J–2013

(क) अनर्थकाः हि मन्त्राः 1. नैरुक्तसमयः

(ख) सर्वाणि नामानि आख्यातजानि 2. वार्ष्यायणिः

(ग) षड्भावविकाराः 3. कौत्सः

(घ) सर्वाणि नामानि आख्यातजानि न 4. गार्ग्यः

	क	ख	ग	घ
(A)	3	1	2	4
(B)	1	2	4	3
(C)	3	2	1	4
(D)	4	1	2	3

स्रोत–*निरुक्तम् - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–25, 19, 4, 19*

30. ''लोपागमवर्णविकारज्ञो हि सम्यग् वेदान्–परिपालयिष्यतीत्यत्र'' लोपागमस्य उदाहरणम् अस्ति– UGC 25 J–2013

(A) देवा अदुह् (B) उद्ग्राभम्

(C) देवा अदुहत (D) देवै दुह्यते

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–22*

23. (A) 24. (C) 25. (C) 26. (A) 27. (D)

31. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत–

(क) कालगणनायोपयुज्यते	**1. सामवेदीयम्**
(ख) ईशावास्यमिदं सर्वम्	**2. ऋग्वेदः**
(ग) षड्विंशब्राह्मणम्	**3. ज्योतिषम्**
(घ) दशतयी	**4. यत्किञ्च जगत्यां जगत्**

UGC 25 S–2013

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	4	2
(B)	2	4	3	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	1	1

***स्रोत**–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208, 10, 174*

32. आह्वनीयस्य स्वरूपम्– UGC 25 S–2013

(A) वृत्तम् (B) चतुरस्रम्
(C) वर्तुलम् (D) षट्कोणम्

***स्रोत**–वैदिकशब्दमीमांसा - गीताञ्जलि पाण्डेय, पेज–46*

33. आनन्दमयस्य शिरः किमुच्यते– UGC 25 S–2013

(A) आनन्दः (B) मोदः
(C) प्रियम् (D) प्रमोदः

***स्रोत**–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–384*

34. ऋग्वैदिक आर्य किसकी पूजा किया करते थे– MP PSC–1999

(A) प्रकृति की उपासना (B) गाय की पूजा
(C) यक्षपूजा (D) वृक्षपूजा

***स्रोत**–वैदिक माइथोलॉजी - रामकुमार राय, पेज–02-03*

35. अधोङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत–

(क) प्रश्नोपनिषद्	**1. निरुक्तम्**
(ख) पञ्चविंशब्राह्मणम्	**2. अथर्ववेदः**
(ग) अथेदं भस्मान्तं शरीरम्	**3. सामवेदः**
(घ) व्याप्तिमत्त्वात् शब्दस्य	**4. ईशोपनिषद्**

UGC 25 D–2013

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	1	3	4	2
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	1	2

***स्रोत**–(क) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*
(ग) ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-17) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–74
(घ) निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–7

31. (C) 32. (B) 33. (C) 34. (A) 35. (C)
41. (B)

36. समुचितं सम्बन्धं प्रस्थापयत– UGC 25 D–2013

(क) सत्त्वप्रधानानि 1. निघण्टवः

(ख) निगमा इमे भवन्ति 2. तद्यथा-पाचकः पंक्तिः

(ग) संविज्ञातानि तानि 3. नामानि

(घ) तद्यत्र उभे 4. भावप्रधाने भवतः

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	4	3
(B)	2	1	3	4
(C)	3	1	2	4
(D)	4	3	2	1

37. उत्तरवैदिक काल में विभाजन का आधार क्या था– MP PSC–1992

(A) वर्णव्यवस्था (B) श्रमव्यवस्था

(C) आश्रमव्यवस्था (D) उक्त सभी

स्रोत–*भारत की प्राचीन संस्कृतियाँ एवं सभ्यतायें, पेज–178*

38. वैदिक युग में 'मान' का अर्थ है– MP PSC–1994

(A) धन (B) बुद्धि

(C) प्रतिष्ठा (D) वजन

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–464*

39. वैदिक समाज में किसका अस्तित्व था– MP PSC–1995

(A) पैतृक-परिवार (B) प्रकृति-पूजा

(C) वर्ण-प्रथा (D) ये सभी

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–422*

40. संस्कारों का वर्णन निम्नलिखित में से किस मूल-पाठ में है– MP PSC–1997

(A) श्रौतसूत्र (B) मनुस्मृति

(C) गृह्यसूत्र (D) धर्मसूत्र

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–275

41. वैदिक काल की सबसे सामान्य शासनव्यवस्था क्या थी– MP PSC–1999

(A) गणतन्त्र (B) राजतन्त्र

(C) कुलीनतन्त्र (D) प्रजातन्त्र

36. (C) 37. (A) 38. (D) 39. (D) 40. (C)

42. 'इदमहमनृतात्सत्यमुपैमि' इस मन्त्र का विनियोग है–

UGC 73 D–2005

(A) शाखाहरणे (B) व्रतग्रहणे

(C) व्रतविसर्जने (D) समिष्टयजुर्होमे

स्रोत– *शुक्लयजुर्वेद (1.5) - रामकृष्ण शास्त्री, पेज–08*

43. सौत्रामणि स्तोत्र है– UGC 73 J–2010

(A) वाजसनेयसंहितायाम् (B) अथर्ववेदे

(C) कृष्णयजुर्वेदे (D) सामवेदे

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

44. 'शुनःशेप-आख्याने' कस्य उल्लेखो नास्ति–

UGC 25 J–2013

(A) वरुणस्य (B) वसिष्ठस्य

(C) बादरायणस्य (D) अजीगर्तस्य

स्रोत–*संस्कृत गद्यालोक प्रकाश - करुणा अग्रवाल, पेज–39*

45. केन-रहितो मन्त्रः वाग्वज्रो भवति– BHU AET–2010

(A) स्वरेण (B) द्रव्येण

(C) पात्रेण (D) दर्भेण

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक 52)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–165

46. अश्वस्य मेध्यस्य पर्वाणि कानि उच्यन्ते–

UGC 25 D–2012

(A) ऋतवः

(B) अहोरात्राणि

(C) नक्षत्राणि

(D) मासाश्चार्धमासाश्च

स्रोत–*बृहदारण्यकोपनिषद् (शांकरभाष्य सहित)-गीताप्रेस, पेज–38*

47. वैदिकसाहित्यस्य एषु ग्रन्थेषु यज्ञवेदिविधानं वर्णितम्–

AWES TGT–2011

(A) स्मृतिग्रन्थेषु (B) दर्शनेषु

(C) शुल्बसूत्रेषु (D) निरुक्तेषु

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–239*

42. (B) 43. (A) 44. (C) 45. (A) 46. (D)
52. (C)

48. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(क) शिवसङ्कल्पसूक्तं वर्तते 1. गोपथब्राह्मणम्
(ख) ऋग्वेदे उषस्सूक्तं वर्तते 2. अथर्ववेदे
(ग) कालसूक्तं उपलभ्यते 3. यजुर्वेदे
(घ) अथर्वेदीयम् 4. तृतीयमण्डले

UGC 25 S–2013

	क	ख	ग	घ
(A)	2	3	4	1
(B)	4	3	2	1
(C)	3	4	2	1
(D)	1	4	3	2

स्रोत*–(A) वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, भू.–15*
(B) ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–233
(D) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–151

49. विधेयाः के– UGC 25 S–2013

(A) मन्त्राः (B) ब्राह्मणाः
(C) अर्थवादाः (D) प्रश्लिष्टाः

स्रोत*–अर्थसंग्रह - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज भू.–16*

50. आवसथ्य अग्नि का आधान किया जाता है–
UGC 73 D–2013

(A) अक्षरारम्भसमये (B) वधूप्रवेशसमये
(C) वाग्दानकाले (D) दायाद्यकाले

स्रोत*–श्रौतयज्ञ-परिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज–02*

51. ''सुवर्णस्तेयकृद्विप्रः'' यहाँ 'विप्र' शब्द का अर्थ है–
UGC 73 S–2013

(A) ब्राह्मणः (B) क्षत्रियः
(C) नरः (D) वैश्यः

52. निम्नाङ्कित में समीचीन तालिका चुनिये–

(क) ईशावास्योपनिषद् 1. अथर्ववेद
(ख) शतपथब्राह्मण 2. ऋग्वेद
(ग) ऐतरेयब्राह्मणम् 3. माध्यन्दिनसंहिता
(घ) पैप्पलादसंहिता 4. काण्वसंहिता

UGC 73 S–2013

	क	ख	ग	घ
(A)	3	2	4	1
(B)	4	2	3	1
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	2	1

स्रोत*–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65, 9, 10*

47. (C) 48. (C) 49. (C) 50. (D) 51. (*)

53. समीचीन तालिका चयन करें– UGC 73 S–2013

(क) गोपथब्राह्मणम् **(I) शुक्लयजुर्वेद**

(ख) पञ्चविंशब्राह्मणम् **(II) अथर्ववेद**

(ग) काण्वसंहिता **(III) ऋग्वेद**

(घ) ऐतरेयोपनिषद् **(IV) सामवेद**

	क	ख	ग	घ
(A)	II	III	I	IV
(B)	II	I	IV	III
(C)	II	IV	III	I
(D)	II	IV	I	III

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–151, 140, 65, 168

54. माध्यन्दिनसंहिता के ग्यारहवें अध्याय में निरूपित है– UGC 73 J–2014

(A) सोमः (B) चातुर्मास्यानि

(C) हविर्यागाः (D) अग्निचयनम्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

55. अधोङ्कितानां समीचीनामुत्तरं चिनुत–

(क) नचिकेतोपाख्यानम् **1. पुत्रोऽहं पृथिव्याः**

(ख) सत्यं वद धर्मं चर **2. कठोपनिषद्**

(ग) माता भूमिः **3. तैत्तिरीयोपनिषद्**

(घ) शुल्बसूत्रम् **4. कल्पान्तर्गतम्**

UGC 25 J–2014

	क	ख	ग	घ
(A)	1	3	4	2
(B)	4	2	3	1
(C)	3	1	4	2
(D)	2	3	1	4

स्रोत–*(अ) कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय वल्ली-3 श्लोक-16)*

(ब) तैत्तिरीयोपनिषद् (प्रथमवल्ली, अनुवाक-11)

(स) अथर्ववेद (पृथिवीसूक्त 12.12)

(द) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

53. (D) 54. (D) 55. (D) 56. (A) 57. (B)

13 | 56. विज्ञानमयस्य शिरः किमुच्यते– UGC 25 J–2014
(A) श्रद्धा (B) सत्यम्
(C) बृहतम् (D) महः

स्रोत–*ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–381*

57. उपवेदाः सन्ति? UGC 73 D–2004, BHU AET–2010
(A) पञ्च (B) चत्वारः
(C) त्रयः (D) सप्त

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*

58. 'यास्केन' कतिविधः व्याख्याविधिः स्वीकृतः–
UGC 25 D–2012
8
(A) त्रिविधः (B) पञ्चविधः
–
(C) चतुर्विधः (D) अष्टविधः
14

स्रोत–*निरुक्त - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–02*

59. यज्ञदृष्ट्या कति ऋत्विजः भवन्ति? BHU AET–2010
(A) 01 (B) 02
7
(C) 04 (D) 06

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45*

60. प्रश्नानां विभागस्य किं नाम अस्ति?
BHU AET–2010
(A) संवाकः (B) अनुवाकः
(C) अभ्यावाकः (D) काठकः

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45*
14

61. कात्यायनश्रौतसूत्रे कति अध्यायाः सन्ति?
BHU AET–2010
(A) विंशतिः (B) एकविंशतिः
(C) षड्विंशतिः (D) त्रिंशत्

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45*

62. कतिविधाः मन्त्राः– UK SLET–2012, BHU AET–2010
(A) त्रिधा (B) चतुर्धा
(C) पञ्चधा (D) द्विधा

स्रोत–*निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–326*

58. (A) 59. (C) 60. (B) 61. (C) 62. (A)

63. बौधायनगृह्यसूत्रे तृतीयप्रश्ने कत्यध्यायाः सन्ति–

BHU AET–2012

(A) अष्ट (B) पञ्च

(C) त्रयोदश (D) अष्टादश

64. बृहद्देवताग्रन्थे कति अध्यायाः सन्ति–

BHU AET–2011

(A) 8 (B) 20

(C) 12 (D) 16

स्रोत–*बृहद्‌देवता - रामकुमार राय, भू. पेज–15*

65. आचार्यसायणस्य का शाखा आसीत्–

BHU AET–2011

(A) मैत्रायणी (B) तैत्तिरीया

(C) काण्वी (D) काठकी

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ब्रजबिहारी चौबे, पेज–640*

66. निम्नलिखित में से सही सुमेलित नही है?

UGC 06 J–2015

(A) पञ्चसिद्धान्तिका – वराहमिहिर

(B) ब्रह्मसूत्र – आर्यभट्ट

(C) अष्टांगसंग्रह – वाग्भट्ट

(D) निघण्टु – धनवन्तरी

स्रोत–*(i) सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–812*

(ii) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–70, 25, 52

67. सुमेलित कीजिये– **UGC 06 D–2012**

(क) ऋग्वेद **1. काण्व**

(ख) यजुर्वेद **2. राणायनीय**

(ग) सामवेद **3. पिप्पलाद**

(घ) अथर्ववेद **4. शाकल**

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	2	1
(B)	2	1	3	4
(C)	4	1	2	3
(D)	1	2	3	4

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–56, 78, 103, 121*

63. (C) 64. (A) 65. (B) 66. (B) 67. (C)

68. सुमेलित कीजिये– UGC 06 J–2012

(क) ऋग्वेद — 1. वाजसनेयी
(ख) यजुर्वेद — 2. शाकल
(ग) सामवेद — 3. शौनक
(घ) अथर्ववेद — 4. कौथुम

	क	ख	ग	घ
(A)	1	4	3	2
(B)	2	1	4	3
(C)	1	3	2	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत–*वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–56, 78, 103, 121*

69. राजा सुदास जिसके विषय में ऋग्वेद में वर्णन है कि उसने दस राजाओं को पराजित किया, किस जन से सम्बद्ध था? UGC 06 J–2012

(A) अनु (B) द्रुह्यु
(C) तृत्सु (D) यदु

स्रोत–*वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, पेज–412*

70. सुमेलित कीजिये– UGC 06 J–2006

सूची-I — सूची-II
(क) गुणाढ्य — 1. लीलावती
(ख) वाग्भट — 2. प्रबन्ध-चिन्तामणि
(ग) भास्कराचार्य — 3. बृहत्कथा
(घ) मेरुतुंग — 4. अष्टांगहृदय

	क	ख	ग	घ
(A)	1	2	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत–*(A) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–422*
(C) भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार - गिरिजाशंकर शास्त्री, पेज–176
(D) संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–411

68. (B) 69. (C) 70. (D)

शीघ्र प्र
प्रतियोगि
(भाग
भारतीय
संस्कृत

काश्य

ातागङ्गा

[-2)

यदर्शन

साहित्य

भाग

संस्कृत-

भाषा

ा-2

व्याकरण

शीघ्र प्रका

1

असिस्टेण्ट प्रो

(संस्कृत) ह

2

व्याख

(प्रवक्ता परीक्षा व

3

प्राख्या

(UGC-NET व्य

श्य पुस्तकें

•

फेसर परीक्षा

लप्रश्नपत्रम्

•

ग्रास्मि

याख्यात्मक हल)

•

तास्मि

ाख्यात्मक हल)

1. संज्ञा-

1. पाणिनि के अनुसार 'आ, ऐ, औ' की संज्ञा होती है– **UGC 25 J–1994 D–1999**

(A) गुण　(B) टि

(C) गति　(D) वृद्धि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06*

2. 'उपधा' का लक्षण पाणिनि के अनुसार है– **UGC 25 J–1994**

(A) क्तक्तवतू　(B) अलोऽन्त्यात्पूर्व

(C) यूस्त्र्याख्यौ　(D) सुप्तिङन्तम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48*

3. (i) पाणिनि के अनुसार 'निष्ठा' है– **UGC 25 J–1995**

(ii) निष्ठा संज्ञा विधायक सूत्र है– **D–1999**

(A) अचोऽन्त्यादि　(B) क्तक्तवतू

(C) ईदूदेद्द्विवचनम्　(D) न वेति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19*

4. पाणिनि के अनुसार 'प्रातिपदिक' का लक्षण है– **UGC 25 J–1995**

(A) आद्यन्तौ टकितौ　(B) तुल्यास्यप्रयत्नम्

(C) न वेति　(D) अर्थवदधातुरप्रत्ययः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–69*

5. 'घि' संज्ञा किसकी होती है– **UGC 25 D–1997**

(A) पति　(B) सखि

(C) नरपति　(D) वधू

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–112*

6. इनमें 'प्रातिपदिक' है– **UGC 25 D–1997**

(A) गच्छति　(B) जस्

(C) वनम्　(D) अहन्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–69*

1. (D)　**2. (B)**　**3. (B)**　**4. (D)**　**5. (C)**
11. (C)

प्रकरण

7. **पाणिनि के अनुसार पद का लक्षण है–**

UGC 25 D–1996

(A) अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्

(B) वा पदान्तस्य

(C) पदान्ताद्वा

(D) सुप्तिङन्तं पदम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114*

8. **(i) इनमें प्रगृह्य स्वर है–** **UGC 25 J–1998**

(ii) प्रगृह्यं किम्? **CVVET–2015**

(A) पचेते (B) सेवते

(C) विमतिः (D) नदी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13-14*

9. **(i) 'टि संज्ञा' का लक्षण है–** **UGC 25 J–1998**

(ii) 'टि संज्ञा' किसकी होती है? **2000, D–1999**

(iii) 'टि संज्ञा' विधायक सूत्र है।

(A) परः सन्निकर्षः (B) एकाल्

(C) अचोऽन्त्यादि (D) अदेङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.63) - ईश्वरचन्द्र, पेज–47*

10. **'संहिता' का लक्षण है–** **UGC 25 D–1998, 2002**

(A) अदेङ् (B) एकाल्

(C) हलोऽनन्तराः (D) परः सन्निकर्षः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147*

11. **'सर्वनामस्थान' संज्ञा विधायक सूत्र है–**

UGC 25 D–1998

(A) सुप्तिङन्तम् (B) न वेति

(C) शि सर्वनामस्थानम् (D) तुल्यास्यप्रयत्नम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–24*

6. (D)	7. (D)	8. (A)	9. (C)	10. (D)

12. 'नदी संज्ञा' किसकी होती है– UGC 25 J–1999

(A) सुधी (B) ग्रामणी

(C) वधू (D) मुनि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109*

13. विभाषा-संज्ञा का अर्थ है– UGC 25 J–1999

(A) निषेध (B) विकल्प

(C) निषेध-विकल्प (D) प्राप्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

14. 'अपादान' संज्ञा विधायक सूत्र है– UGC 25 D–1999

(A) स्वतन्त्रः (B) साधकतमम्

(C) ध्रुवमपाये (D) कर्मणा यमभिप्रैति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

15. 'अ, ए, ओ' की संज्ञा क्या है– UGC 25 J–2001

(A) वृद्धि (B) गुण

(C) संहिता (D) प्रातिपदिक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–6*

16. निम्न में से 'हरी' शब्द है– UGC 25 J–2001

(A) प्रगृह्य (B) टि

(C) सवर्ण (D) पद

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13-14*

17. (i) इदूदेद्द्विवचन है– G GIC–2015, UGC 25 D–2001

(ii) ईदूदेद्द्विवचनं भवति– 2006, 2008, 2009

(A) प्रगृह्य (B) एकाल्

(C) टि (D) नदी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13*

18. (i) कोऽपृक्तः – UGC 25 D–2001

(ii) अपृक्तसंज्ञा होती है–

(A) परः सन्निकर्षः (B) एकाल्

(C) अचोऽन्त्यादि (D) अदेङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68*

12. (C) 13. (C) 14. (C) 15. (B) 16. (A)
22. (D) 23. (C)

19. (i) यू स्त्र्याख्यौ................. है– UGC 25 D–2001

(ii) 'यू स्त्र्याख्यौ' भवति J–2008, 2009

(A) एकाल् (B) टि

(C) प्रगृह्य (D) नदी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109*

20. (i) निषेधविकल्पयोः का संज्ञा– UGC 25 J–2002

(ii) न वेति.............। 2005, 2004, 2009

(iii) 'न' और 'वा' की संज्ञा होती है–

(A) निष्ठा (B) सर्वनाम

(C) निषेध (D) विभाषा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

21. ''निष्ठा'' विधायक सूत्र है– UGC 25 J–2002, 2003

(A) क्तक्तवतू निष्ठा (B) सुप्तिङन्तं पदम्

(C) अपृक्त एकाल्-प्रत्ययः (D) सुडनपुंसकस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19*

22. (i) क्तक्तवतू .... इति सूत्रेण का संज्ञा विधीयते–

(ii) क्तक्तवतू-प्रत्यययोः का संज्ञा अस्ति–

(iii) 'क्तक्तवतू' इत्यनयोः का संज्ञा भवति?

UGC-25 D–2005, 2009, J–2006, 2010, S–2013

(A) टि (B) घि

(C) नदी (D) निष्ठा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19*

23. (i) वृद्धिसंज्ञा केन सूत्रेण विधीयते–UGC 25 J–2002,

(ii) वृद्धिसंज्ञाविधायकं सूत्रम् 2005, 2012,

(iii) 'वृद्धिसंज्ञा' का सूत्र है– D–2003, 2010

UGC 73 J–2012, 2014, UK SLET–2015, S–2013

JNU MET–2014, CVVET–2015

(A) आद् गुणः (B) वृद्धिरेचि

(C) वृद्धिरादैच् (D) अचोऽन्त्यादि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–5*

17. (A)	**18.** (B)	**19.** (D)	**20.** (D)	**21.** (A)

24. 'उपधासंज्ञा' होती है–　　　　UGC 25 J–2002

(A) अन्तिम अल् से पूर्व वर्ण की

(B) अन्तिम अल् की

(C) अच् से पूर्व की

(D) अन्तिम हल् वर्ण की

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48*

25. (i) अन्त्यादलः पूर्वो वर्णः –　　　　UGC 25 D–2002,
(ii) 'अलोऽन्त्यात्पूर्वः' में संज्ञा है–　　2010, J–2008

(A) उपधा　　　　(B) नदी

(C) प्रगृह्य　　　　(D) अपृक्त

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48*

26. (i) परः सन्निकर्षः .... अस्ति–UGC 25 D–2004, 2009,
(ii) परः सन्निकर्षः कः अस्ति–J–2010, UP GIC–2015

(A) संहिता　　　　(B) वृद्धिः

(C) नदी　　　　(D) घि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147*

27. अदेङ्.........।　　　　UGC 25 D–2004

(A) गुणः　　　　(B) प्रातिपदिकम्

(C) अपृक्तः　　　　(D) पदम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–6*

28. तुल्यास्यप्रयत्नं ....। UGC 25 D–2004, 2006, 2007

(A) घु　　　　(B) सवर्णम्

(C) निष्ठा　　　　(D) प्रगृह्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

29. एकाल्-प्रत्ययस्य का संज्ञा–　　　　UGC 25 J–2005,
2007, 2009 D–2006, 2009 S–2013

(A) नदी　　　　(B) समाहारः

(C) एकः वर्णः　　　　(D) अपृक्तम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68*

24. (A)　**25. (A)**　**26. (A)**　**27. (A)**　**28. (B)**

30. समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 J–2005**

(अ) प्रगृह्यम्	(1) यू स्त्र्याख्यौ
(ब) टि	(2) अदेङ्
(स) गुणः	(3) ईदूदेद्द्विवचनम्
(द) नदी	(4) अचोऽन्त्यादि

	अ	ब	स	द
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	4	3
(C)	4	3	1	2
(D)	3	1	2	4

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.3, 1.1.63, 1.1.2, 1.1.11) - ईश्वरचन्द्र*

31. स्वादिपञ्चप्रत्ययानां का संज्ञा– **UGC 25 D–2005**

(A) प्रत्याहारः (B) अनुनासिकः
(C) सर्वनामस्थानम् (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

32. समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 D–2005**

(अ) वृद्धिः	(i) न वेति
(ब) उपधा	(ii) एकाल्-प्रत्ययः
(स) अपृक्तम्	(iii) आदैच्
(द) विभाषा	(iv) अलोऽन्त्यात्पूर्वः

	अ	ब	स	द
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.43, 1.1.64 1.2.41, 1.1.1) - ईश्वरचन्द्र*

33. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) संहिता	(i) अचोऽन्त्यादि
(ब) गुणः	(ii) अलोऽन्त्यात् पूर्व
(स) उपधा	(iii) परः सन्निकर्षः
(द) टि	(iv) अदेङ्

UGC 25 J–2006

	अ	ब	स	द
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108, 1.1.63 1.1.2, 1.1.64) - ईश्वरचन्द्र*

29. (D) 30. (A) 31. (C) 32. (A) 33. (A)

34. अर्थवदधातुरप्रत्ययः– **UGC 25 J–2006, D–2007**

(A) प्रगृह्यम् (B) सुप्

(C) तद्धितः (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–69*

35. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) वृद्धिः	**(i) यू स्त्र्याख्यौ**
(ब) नदी	**(ii) आदैच्**
(स) टि	**(iii) अलोऽन्त्यात् पूर्व**
(द) उपधा	**(iv) अचोऽन्त्यादि**

UGC 25 D–2006

	अ	ब	स	द
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1, 1.4.3, 1.1.63, 1.1.64) - ईश्वरचन्द्र*

36. 'नदीसंज्ञाविधायकं' सूत्रं किम्? **UGC 25 J–2007**

(A) यू स्त्र्याख्यौ (B) अलोऽन्त्यात्पूर्वः

(C) ईदूदेद्द्विवचनम् (D) अपृक्तः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109*

37. समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 J–2007**

(अ) संहिता	**(i) अदेङ्**
(ब) गुणः	**(ii) अचोऽन्त्यादि**
(स) पदम्	**(iii) परः सन्निकर्षः**
(द) टि	**(iv) सुप्तिङन्तम्**

	अ	ब	स	द
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14, 1.1.2, 1.4.108, 1.1.63)-ईश्वरचन्द्र*

34. (D) **35. (C)** **36. (A)** **37. (D)** **38. (B)**

38. 'अमी अश्वाः' इत्यत्र प्रगृह्यसंज्ञाविधायकं सूत्रम्–

UGC 25 J–2007

(A) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्

(B) अदसो मात्

(C) निपात एकाजनाङ्

(D) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.12) - ईश्वरचन्द्र, पेज–14*

39. (i) व्याकरणशास्त्रानुसारं 'पदसंज्ञकं' भवति–

(ii) 'पद' संज्ञा है– **UGC 25 D–2007, 2009,**

(iii) 'पदस्य' किं लक्षणम्– **J–2014, G GIC–2015,**

(iv) 'पदम्' अस्ति– **BHU MET–2008**

(A) सन्धियुक्तम् (B) योग्यताकांक्षासत्तियुक्तम्

(C) समासयुक्तम् (D) सुप्तिङन्तम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114*

40. (i) 'मुनि' शब्द की संज्ञा है– **UGC 25 D–2007,**

(ii) 'मुनि' इति पदस्य का संज्ञा– **J–2004**

(A) टि (B) घि

(C) गति (D) नदी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111*

41. समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 D–2007**

(अ) नदी **(i) गतिश्च**

(ब) उपधा **(ii) ईदूदेद्द्विवचनम्**

(स) गतिः **(iii) यू स्त्र्याख्यौ**

(द) प्रगृह्यम् **(iv) अलोऽन्त्यात्पूर्वः**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.3, 1.1.64, 1.4.59, 1.1.11) - ईश्वरचन्द्र*

39. (D) **40. (B)** **41. (B)**

42. सर्वनामस्थानसंज्ञाविधायकं सूत्रम्–

UGC 25 J–2008, 2015, JNU-MET–2015

JNU M-Phil/Ph.D–2015

(A) स्वादिष्वसर्वनामस्थाने (B) सुडनपुंसकस्य

(C) सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ (D) सर्वादीनि सर्वनामानि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

43. प्रत्याहार विधायक सूत्र है– H TET–2014, 2015

(A) आदिरन्त्येन सहेता (B) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्

(C) कादयो मावसानाः (D) हलोऽनन्तराः संयोगः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.70) - ईश्वरचन्द्र, पेज–52*

44. किं सूत्रम् 'इत्' - संज्ञाविधायकं नास्ति?

JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) उपदेशेऽजनुनासिक इत् (B) आदिर्ञिटुडवः

(C) आदिरन्त्येन सहेता (D) षः प्रत्ययस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.70) - ईश्वरचन्द्र, पेज–52*

45. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

UGC 25 J–2008

(अ) निष्ठा (i) अपृक्तम्

(ब) आत् ऐच् (ii) क्तक्तवतू

(स) ईकारान्तं द्विवचनम् (iii) वृद्धिः

(द) एकाल् प्रत्ययः (iv) प्रगृह्यम्

	अ	ब	स	द
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

अष्टाध्यायी (1.1.25, 1.1.1, 1.1.11, 1.2.41)-ईश्वरचन्द्र, पेज–19, 5, 14, 68

46. वर्णानामतिशयितः सन्निधिः .... संज्ञः स्यात्–

JNU MET–2014

(A) प्रातिपदिकम् (B) नदी

(C) संहिता (D) उपसर्जनम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147*

42. (B) 43. (A) 44. (C) 45. (C) 46. (C)

47. सखिभिन्नस्य 'इ'-वर्णान्तस्य .... संज्ञा–

UGC 25 D–2008

(A) नदी (B) निष्ठा

(C) कृत् (D) घि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111*

48. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) क्तक्तवतू (i) सवर्णम्

(ब) तुल्यास्यप्रयत्नम् (ii) गुणः

(स) अत् एङ् (iii) टि

(द) अचोऽन्त्यादि (iv) निष्ठा UGC 25 D–2008

	अ	ब	स	द
(A)	iv	iii	i	ii
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	iii	ii	iv	i

अष्टाध्यायी (1.1.25, 1.1.2, 1.1.09, 1.1.63)-ईश्वरचन्द्र, पेज–19, 6, 11, 47

49. 'अदेङ्' इत्यस्य का संज्ञा– UGC 25 J–2009

(A) भ (B) टि

(C) गुणः (D) घु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–6*

50. समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2009

(अ) प्रातिपदिकम् (i) आदैच्

(ब) वृद्धिः (ii) सुप्तिङन्तम्

(स) पदम् (iii) अचोऽन्त्यादि

(द) टि (iv) अर्थवदधातुरप्रत्ययः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	i	iv	iii	ii

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.45, 1.1.1, 1.4.14, 1.1.63) - ईश्वरचन्द्र, पेज–69, 05, 114, 47*

47. (D) 48. (B) 49. (C) 50. (C)

51. उपयुक्तां तालिकां चिनुत– UGC 25 D–2009

(अ) अपृक्तम् **(i) अदेङ्**
(ब) वृद्धिः **(ii) इग्यणः**
(स) गुणः **(iii) एकाल् प्रत्ययः**
(द) सम्प्रसारणम् **(iv) आदैच्**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.41, 1.1.1, 1.1.2, 1.1.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68, 5, 6, 26*

52. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत – UGC 25 J–2010

(अ) सवर्णम् **(i) सुप्तिङन्तम्**
(ब) उदात्तः **(ii) यू स्त्र्याख्यौ**
(स) पदम् **(iii) तुल्यास्यप्रयत्नम्**
(द) नदी **(iv) उच्चैः.........**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9, 1.2.29, 1.4.14, 1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11, 66, 114, 109*

53. 'संयोग' – संज्ञा सूत्रमस्ति– UGC 25 D–2010, UP GDC–2014

(A) अनचि च (B) संयोगे गुरुः
(C) हलोऽनन्तराः संयोगः (D) अचोऽन्त्यादि टि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

54. अस्य प्रातिपदिकसंज्ञाभवितुमर्हति – UGC 25 J–2011

(A) कृष्ण + अम् + श्रित + सु
(B) भू + अ + ति
(C) हरि + ङि
(D) यज्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–70*

51. (A) 52. (D) 53. (C) 54. (A) 55. (C)

55. **उपसर्गसंज्ञा विधायक 'सूत्र' है?** **H-TET–2014**

(A) अनूपसर्गस्य (B) प्रादयः

(C) उपसर्गाः क्रियायोगे (D) भूवादयो धातवः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–132-133*

56. **'प्रादयः' इति सूत्रेण प्रादीनां गतिसंज्ञा कदा भवति?** **JNU M.Phil/Ph.D–2004**

(A) सुबन्तानां योगे (B) तद्धितान्तानां योगे

(C) अव्ययानां योगे (D) क्रियायाः योगे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–132*

57. **'अग्निचित्' इत्यत्र उपधासंज्ञा अस्ति–** **UGC 25 J–2011**

(A) 'इत्'-समुदायस्य (B) 'चित्'-समुदायस्य

(C) 'त'-वर्णस्य (D) 'इ'-वर्णस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48*

58. **(i) 'घि-संज्ञा' केन सूत्रेण भवति– UGC 25 J–2012,**
(ii) 'घि-संज्ञा' विधायक सूत्र है– UGC 73 S–2013

(A) यू स्त्र्याख्यौ (B) अचोऽन्त्यादि

(C) परः सन्निकर्षः (D) शेषो घ्यसखि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111*

59. **पाणिनिमते 'मुनि' शब्दस्य का संज्ञा भवति–** **UGC 25 D–2012**

(A) नदी (B) घि

(C) टि (D) अपृक्त

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द, पेज–111*

60. **(i) गुण के स्वरूप का निरूपण कौन सूत्र करता है–**
(ii) 'गुणसंज्ञा' विधायक सूत्र है–UGC 25 D–2005,
(iii) 'गुणसंज्ञा' विधायकसूत्रं किम्– 2012,
BHU MET–2012, UGC 73 D–1999

(A) वृद्धिरेचि (B) अकः सवर्णे दीर्घः

(C) आद् गुणः (D) अदेङ्गुणः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–6*

56. (D)	57. (D)	58. (D)	59. (B)	60. (D)

61. अस्य प्रातिपदिकसंज्ञा नास्ति– UGC 25 J–2013

(A) भवति (B) पठितुम्

(C) पाणिपादम् (D) दाशरथिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14, 1.2.45-46)-ईश्वरचन्द्र, पेज–114, 69*

62. 'सर्वनामस्थानसंज्ञा' कस्य भवति– UGC 25 J–2013

(A) 'शी' प्रत्ययस्य (B) 'शि' प्रत्ययस्य

(C) सर्वनामशब्दस्य (D) सर्वशब्दस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–24*

63. 'डुकृञ् करणे' धातौ अन्तिमस्य 'ञ्' वर्णस्य इत्संज्ञा केन सूत्रेण भवति? RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) हलन्त्यम् (B) तस्य लोपः

(C) आदिर्ञिटुडवः (D) उपदेशेऽजनुनासिक इत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–79*

64. 'ग्रामणी + सु + स्' इत्यत्र अपृक्तसंज्ञा कस्य भवति– UGC 25 D–2013

(A) 'सु' इत्यस्य (B) 'स्' इत्यस्य

(C) 'ग्रामणी' इत्यस्य (D) 'ग्रामणी + सु' इत्यस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68*

65. अस्य शब्दस्य नदीसंज्ञा नास्ति– UGC 25 D–2013

(A) नदी (B) साध्वी

(C) स्त्री (D) ग्रामणीः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109*

66. 'परिक्रयणे सम्प्रदानमन्यतरस्याम्' इति सूत्रेण अन्यतरस्यां का संज्ञा भवति– UGC 25 D–2013

(A) अपादानसंज्ञा (B) करणसंज्ञा

(C) कर्मसंज्ञा (D) अधिकरणसंज्ञा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

67. 'विष्णू इमौ' अत्र का संज्ञा प्रवर्तते– UGC 25 J–2014

(A) घि (B) संयोगः

(C) नदी (D) प्रगृह्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13*

61. (A) **62.** (B) **63.** (A) **64.** (B) **65.** (D)
71. (B) **72.** (D) **73.** (A)

68. (i) 'कृत्तद्धितसमासाश्च' सूत्रेण संज्ञा भवति–
(ii) 'कृत्तद्धितसमासाश्च' इत्यनेन का संज्ञा विधीयते–
UGC 25 J–2014, CCSUM Ph. D–2016

(A) नदी-संज्ञा (B) प्रातिपदिक-संज्ञा
(C) गति-संज्ञा (D) सर्वनाम-संज्ञा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–70*

69. 'ए' तथा 'ऐ' की सवर्णसंज्ञा पाणिनि को अभीष्ट है या नहीं– **UP PGT–2010**

(A) हाँ (B) नहीं
(C) दोनों में सवर्णसंज्ञा की परिभाषा ही नहीं लागू होती
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

70. ''वर्णानामतिशयितः सन्निधिः'' क्या है– **UP PGT–2009**

(A) प्रातिपदिक (B) पद
(C) पररूप (D) संहिता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147*

71. (i) निम्नलिखित में से किसकी वृद्धिसंज्ञा नहीं होती है–
(ii) अधोलिखितेषु 'वृद्धिसंज्ञकः' नास्ति–
UP GDC–2012, UP GIC–2009, UP TET –2013

(A) आ (B) ओ
(C) औ (D) ऐ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–5*

72. (i) 'निष्ठा' पदेन उच्येते– **UP GIC–2009, UGC-25**
(ii) 'निष्ठा-संज्ञा' किन प्रत्ययों की होती है– **D–2007**

(A) तव्य-तव्यत् (B) शतृ-शानच्
(C) अनीय-अनीयर् (D) क्त-क्तवतू

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19*

73. किसकी प्रगृह्यसंज्ञा नहीं होती है– **UP GIC–2009**

(A) ओकारान्त द्विवचन (B) ऊकारान्त द्विवचन
(C) ईकारान्त द्विवचन (D) एकारान्त द्विवचन

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13*

66. (B) 67. (D) 68. (B) 69. (B) 70. (D)

74. (i) व्यञ्जनसन्निपातः इति कथ्यते

(ii) स्वरों के व्यवधान के बिना आये हुए व्यञ्जनों की क्या संज्ञा होती है–

UP TGT–1999, UGC 25 J–2015

(A) पदम् (B) निष्ठा

(C) संहिता (D) संयोग

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.17) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

75. 'घि' व्याकरण का एक शब्द है– UP TGT–2004

(A) आम शब्द (B) विधि शब्द

(C) पारिभाषिक शब्द (D) संज्ञा शब्द

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111*

76. (i) 'सुप्तिङन्तं' भवति–

(ii) 'सुबन्त' और 'तिङन्त' क्या कहलाते हैं–

BHU MET–2010, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) पद (B) अर्थ

(C) क्रिया (D) अव्यय

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114*

77. (i) सवर्णसंज्ञा केन सूत्रेण भवति

(ii) सवर्ण संज्ञा का विधायक सूत्र क्या है–

(iii) सवर्ण संज्ञा है– BHU MET–2010, DL –2015

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2013, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, CC SUM-Ph.D–2016

(A) झरो झरि सवर्णे (B) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्

(C) अकः सवर्णे दीर्घः (D) हलन्त्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

78. वर्गों के द्वितीय, चतुर्थ और शल् वर्णों की संज्ञा होती है?

H-TET–2015

(A) अल्पप्राण (B) महाप्राण

(C) घोष (D) अघोष

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

74. (D) 75. (D) 76. (A) 77. (B) 78. (B)
84. (D) 85. (A)

79. पाणिनीय व्याकरण के अनुसार 'अ, ए, ओ' हैं–
DSSSB PGT–2014, BHU MET–2010
(A) वृद्धि (B) गुण
(C) प्रकृतिभाव (D) लोप
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–6*

80. व्याकरणे लोपस्य तात्पर्यम् अस्ति?
REET–2016
(A) विस्मरणं लोपः (B) अदृश्यं लोपः
(C) अश्रवणं लोपः (D) अदर्शनं लोपः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.59) – ईश्वरचन्द्र पेज–45*

81. स्पर्शसंज्ञकाः वर्णाः के– **BHU Sh. ET–2011**
(A) अचः (B) वर्गीयाः
(C) अवर्गीयाः (D) हलः
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–40*

82. वृद्धिसंज्ञासूत्रं तपरः कः– **BHU Sh. ET–2011**
(A) अकारः (B) आकारः
(C) इकारः (D) उकारः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द, पेज–5*

83. प्रदत्तेषु कुत्र प्रगृह्यसंज्ञायाः प्रयोजनम्–
BHU Sh. ET–2011
(A) अम्यश्वा (B) अश्वा अमी
(C) तेऽत्र (D) अमी ईशाः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.12) - ईश्वरचन्द्र, पेज–14*

84. 'नदी'-संज्ञा कस्य– **BHU Sh. ET–2011**
(A) भानु (B) मधु
(C) लता (D) गति
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–110, 111*

85. 'अभ्यस्त'-संज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति– **BHU AET–2011**
(A) जक्षित्यादयः षट् (B) सर्वस्य द्वे
(C) नित्यवीप्सयोः (D) यथास्वे यथायथम्
स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–665*

79. (B) 80. (D) 81. (B) 82. (B) 83. (D)

86. 'घ'–संज्ञा भवति– BHU AET–2011

(A) 'दा-धा' इत्यनयोः (B) 'क्त-क्तवतू' इत्यनयोः
(C) 'तरप्-तमप्' इत्यनयोः (D) 'शतृ-शानच्' इत्यनयोः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–18*

87. अ इ उ ऋ लृ – एषां स्वराणां पूर्वाचार्यैः विहिता सञ्ज्ञासीत्– BHU AET–2011

(A) ह्रस्वस्वर इति (B) दीर्घस्वर इति
(C) मिश्रस्वर इति (D) समानाक्षर इति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–65*

88. दीक्षितमतेन 'वृद्धिरादैच्' इति सूत्रे कति पदानि सन्ति– BHU AET–2012

(A) द्वे (B) त्रीणि
(C) चत्वारि (D) पञ्च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–5*

89. (i) केन सूत्रेण संहिता संज्ञा भवति–
(ii) संहितासंज्ञा विधायकं सूत्रं किम्–
BHU AET–2012, CCSUM Ph.D–2016

(A) संहितायाम् (B) परः सन्निकर्षः संहिता
(C) संज्ञायाम् (D) संहितशफलक्षणवामादेश्च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147*

90. 'आदिरन्त्येन सहेता' इति कीदृशं सूत्रम्–BHU AET–2012

(A) संज्ञा (B) परिभाषा
(C) विधि (D) अधिकार

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.70) - ईश्वरचन्द्र, पेज–52*

91. धातुसंज्ञा विधायकं सूत्रं किम्– BHU AET–2012

(A) धातोः (B) लिटि धातोरनभ्यासस्य
(C) धातोस्तन्निमित्तस्यैव (D) भूवादयो धातवः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–79*

92. धातुसंज्ञा-विधायकं सूत्रम् अस्ति– JNU MET–2015

(A) भूवादयो धातवः (B) सनाद्यन्ताः धातवः
(C) A+B इत्युभयमपि (D) धातोः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.1, 3.1.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–79, 264*

86. (C) **87. (A)** **88. (A)** **89. (B)** **90. (A)**
96. (B) **97. (B)** **98. (A)** **99. (B)**

93. 'टि'–संज्ञा-विधायकं सूत्रं किम्– BHU AET–2012

(A) टेः (B) टाबृचि
(C) अचोऽन्त्यादि टि (D) आद्यन्तौ टकितौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.63) - ईश्वरचन्द्र, पेज–47*

94. 'मुखनासिकावचनः' इति कीदृशं सूत्रम्–
BHU AET–2012

(A) संज्ञा (B) परिभाषा
(C) अधिकार (D) अतिदेश

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

95. निम्नलिखित सूत्रों में परिभाषा सूत्र है–
UGC 73 J–2009

(A) आद्यन्तौ टकितौ (B) अदेङ्गुणः
(C) इको यणचि (D) न वेति विभाषा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–127*

96. (i) प्रगृह्य संज्ञाविधायक सूत्र है? UGC 25 D–2002,
(ii) प्रगृह्यसंज्ञा का सूत्र है– UGC 73 D–2015

(A) सुडनपुंसकस्य (B) ईदूदेद्द्विवचनम् ......
(C) क्तक्तवतू ...... (D) अलोऽन्त्यात्पूर्वः ......

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13*

97. 'सवर्ण' है– UGC 25 D–2002

(A) इ, श (B) अ, आ
(C) विसर्ग-हलन्त (D) अनुनासिक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

98. सुबन्त और तिङन्त की संज्ञा है– UGC 25 J–2003

(A) पद (B) निष्ठा
(C) नदी (D) सर्वनाम

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114*

99. संयोगसंज्ञायाः उदाहरणमस्ति–
RPSC ग्रेड-I (PGT), 2011

(A) आकाशः (B) इन्द्रः
(C) देवालयः (D) मालाः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

91. (D)	92. (C)	93. (C)	94. (A)	95. (A)

100. एतेषु सवर्ण-संज्ञकौ कौ वर्णौ– BHU Sh. ET–2013

(A) प् - न् (B) क् - घ्

(C) त् - भ् (D) च् - द्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

101. पदसंज्ञा कस्य भवति– BHU Sh. ET–2013

(A) वर्णसमुदायस्य (B) सुबन्ततिङन्तयोः

(C) कृत्प्रत्ययस्य (D) तद्धितप्रत्ययस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114*

102. इत्संज्ञाविधायकं सूत्रम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अदर्शनं लोपः (B) आदिरन्त्येन सहेता

(C) हलन्त्यम् (D) तस्य लोपः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–79*

103. संयोगसंज्ञा भविष्यति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) द्वयोः स्वरयोः मध्ये (B) द्वयोः व्यञ्जनयोः मध्ये

(C) द्वयोः वाक्ययोः मध्ये (D) द्वयोः पदयोः मध्ये

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

104. अधोलिखितानां कस्मिन् पदे संहितासंज्ञा प्रयुक्ता–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) उपेन्द्रः (B) रामस्य

(C) कमलम् (D) अचलः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147*

105. अधोलिखित में परिभाषासूत्र है– UGC 73 D–2010

(A) हलन्त्यम् (B) वान्तो यि प्रत्यये

(C) उपसर्जनं पूर्वम् (D) स्थानेऽन्तरतमः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–37*

106. 'नाऽज्झलौ' इति सूत्रेण निषिद्ध्यते–UGC 73 J–2012

(A) सावर्ण्यम् (B) आदेशः

(C) लोपः (D) समासः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.10) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13*

100. (B) 101. (B) 102. (C) 103. (B) 104. (A)

110. (B) 111. (A) 112. (D) 113. (A)

107. संज्ञा विधायक सूत्र है– UGC 73 J–2012

(A) झलां जश् झशि (B) इको गुणवृद्धी

(C) हशि च (D) वृद्धिरादैच्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–5*

108. व्याकरण में 'उपदेश' शब्द का अर्थ है– UGC 73 J–2013

(A) आदेशः (B) शब्दबोधः

(C) प्लुतसंज्ञा (D) उदात्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–14*

109. 'उपसर्जनसंज्ञा' विधायक सूत्र है– UGC 73 S–2013

(A) उपसर्जनं पूर्वम् (B) प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्

(C) उपसर्गाच्च (D) उपपदमतिङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68*

110. प्रगृह्यसंज्ञा विधायक सूत्र नहीं है– UGC 73 J–2007

(A) अदसो मात् (B) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्

(C) निपात एकाजनाङ् (D) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.121) - ईश्वरचन्द्र, पेज–697*

111. 'वृद्धिसंज्ञक-वर्ण' होते हैं– UGC 73 J–2007

(A) आ, ऐ, औ (B) अ, इ, उ

(C) अ, ए, ओ (D) इ, उ, ए

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–5*

112. 'विभाषा-संज्ञा' विधायकं सूत्रं किम्– UGC 25 D–2014

(A) विभाषा चेः (B) विभाषा ङिश्योः

(C) विभाषा दिक्समासे बहुव्रीहौ (D) न वेति विभाषा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

113. 'अपृक्त एकाल् प्रत्ययः' इति सूत्रे 'अल्' इत्यनेन किं गृह्यते– UGC 25 D–2014

(A) वर्णाः (B) धातवः

(C) स्वराः (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68*

105. (D) 106. (A) 107. (D) 108. (A) 109. (B)

114. सामान्यतया 'घि' इति संज्ञा कस्य भवति–

UGC 25 D–2014

(A) पुँल्लिङ्ग-शब्दस्य (B) स्त्रीलिङ्ग-शब्दस्य

(C) नपुंसकलिङ्ग-शब्दस्य (D) अलिङ्ग-शब्दस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111*

115. समीचीनम् उत्तरं चिनुत– UGC 25 D–2014

(अ) रक्तसंज्ञा 1. व्यञ्जन-सन्निपातः

(ब) ईदूदेद्द्विवचनम् 2. समानाक्षराण्यादितः

(स) संयोगस्तु 3. अनुनासिकः

(द) अष्टौ 4. प्रगृह्यम्

	अ	ब	स	द
(A)	4	2	3	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	3	2	4	1

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (1.1.11, 1.1.7)-ईश्वरचन्द्र, पेज–10, 13*

(ii) ऋग्वेद प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–42, 69

116. (i) 'तुल्यास्यप्रयत्नम्' इत्यादि सूत्रं किं परिभाषयति

(ii) तालु आदि स्थान और आभ्यन्तर प्रयत्न ये दोनों जिन वर्णों के समान हों, उनकी परस्पर होती है– UGC 73 D–2013, UP GDC–2014

(A) संहिता-संज्ञा (B) संयोग-संज्ञा

(C) अवसान-संज्ञा (D) सवर्ण-संज्ञा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

117. किन वर्णों की परस्पर सवर्ण संज्ञा कही गई है?

H-TET–2015

(A) ऋ व अ की (B) ऋ और समस्त स्वरों की

(C) ऋ व ऌ की (D) स्वर एवं व्यञ्जनों की

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

118. वर्णानामदर्शने का संज्ञा भवति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) अभावः (B) संहिता

(C) लोपः (D) संयोगः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.59) - ईश्वरचन्द्र, पेज–45*

114. (A) 115. (B) 116. (D) 117. (C) 118. (C)
124. (C) 125. (B)

119. लोपः भवति– AWES TGT–2010, 2013

(A) अदर्शनम् (B) अभावः

(C) निषेधः (D) अन्तर्हितम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.159) - ईश्वरचन्द्र, पेज–45*

120. 'आदिरन्त्येन सहेता' इति सूत्रे कति पदानि–

JNU MET–2014

(A) द्वे पदे (B) त्रीणि पदानि

(C) चत्वारि पदानि (D) पञ्च पदानि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.70) - ईश्वरचन्द्र, पेज–52*

121. स्थानेऽन्तरतमः में 'अन्तरतमः' का अर्थ क्या है–

BHU MET–2012

(A) अन्तःस्थः (B) भिन्नतमः

(C) सदृशतमः (D) पृथक्तमः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–29*

122. 'तिङ्' प्रत्याहार में कितने प्रत्यय होते हैं–

UP TGT–2013

(A) 18 (B) 19

(C) 20 (D) 21

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.4.78) - ईश्वरचन्द्र, पेज–409*

123. 'वर्गाणां प्रथम-तृतीय-पञ्चमाः यणश्चाल्पप्राणाः' इत्यत्र 'च'–कारः कस्य बोधकः – BHU AET–2011

(A) 'हश्'-प्रत्याहारस्य (B) 'शल्'-प्रत्याहारस्य

(C) 'खर्'-प्रत्याहारस्य (D) अचाम्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1)- भीमसेनशास्त्री, पेज–25

124. 'दाधा घ्वदाप्' इत्यनेन घुसंज्ञकधातुर्नास्ति–

BHU AET–2011

(A) दाण्दाने (B) डुदाञ्दाने

(C) दैप् शोधने (D) देङ्रक्षणे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–16*

125. 'आदिरन्त्येन सहेता' इति सूत्रं संज्ञाविधायकमस्ति–

UP GIC–2015

(A) प्रत्ययस्य (B) प्रत्याहारस्य

(C) अनुबन्धस्य (D) लोपस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.70) - ईश्वरचन्द्र, पेज–52*

119. (A) 120. (C) 121. (C) 122. (A) 123. (D)

126. (i) सुबन्तानां तिङन्तानां च का संज्ञा? UP GIC–2015,
(ii) सुबन्ततिङन्तौ कथ्येते– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) धातुः (B) प्रातिपदिकः
(C) प्रत्ययः (D) पदम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114*

127. अधस्तनेषु निष्ठा-संज्ञा कस्य भवति– UGC 25 J–2015

(A) तव्यत्-इत्यस्य (B) तव्य-इत्यस्य
(C) क्तवतु-इत्यस्य (D) अनीयर्-इत्यस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19*

128. अव्ययीभावसंज्ञा केन सूत्रेण क्रियते?
JNU-M. Phil/Ph.D–2015

(A) अव्ययीभावश्च 2.4.18 (B) अव्ययीभावाश्च 4.3.59
(C) अव्ययीभावः 2.1.5 (D) अव्ययीभावश्च 1.1.40

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.40) - ईश्वरचन्द्र, पेज–151*

129. उपपदसंज्ञा-विधायकं सूत्रं किम्– UGC 25 J–2015

(A) कर्मण्यण् (B) उपपदमतिङ्
(C) तत्रोपपदं सप्तमीस्थम् (D) कुगतिप्रादयः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.92) - ईश्वरचन्द्र, पेज–289*

130. 'सुप्तिङन्तं पदम्' इति सूत्रम् अतिरिच्य पदसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्– UGC 25 J–2015

(A) पदस्य (B) पदात्
(C) पदान्तस्य (D) स्वादिष्वसर्वनामस्थाने

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.17) - ईश्वरचन्द्र, पेज–115*

131. संस्कृत का क्षेत्र किस सीमा तक विस्तृत था–
UGC (H) J–2012

(A) प्रादेशिक (B) सार्वदेशिक
(C) मध्यदेशीय (D) क्षेत्रीय

132. तालु आदि स्थानो में जो अच् ऊपरी भाग में बोला जाये, उसकी संज्ञा है– H-TET–2014

(A) उदात्त (B) अनुदात्त
(C) स्वरित (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–66*

126. (D) 127. (C) 128. (C) 129. (C) 130. (D)
136. (A) 137. (A) 138. (C)

133. तुमुन् प्रत्ययान्त पद की अव्ययसंज्ञा करने वाला सूत्र है– **H-TET–2014**

(A) अव्ययीभावश्च (B) अव्ययादाप्सुपः
(C) क्त्वा-तोसुन्-कसुनः (D) कृन्मेजन्तः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–24*

134. 'गुणसंज्ञा' करने वाला सूत्र है– **H-TET–2014**

(A) अचो ञ्णिति (B) वचिस्वपियजादीनां किति
(C) कृन्मेजन्तः (D) सार्वधातुकार्धधातुकयोः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7.3.84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–949*

135. किं सूत्रम् 'इत्'–संज्ञा विधायकं नास्ति– **JNU M.Phil/Ph.D–2015**

(A) उपदेशेऽजनुनासिक इत्
(B) आदिर्ञिटुडवः
(C) वेः शब्दकर्मणः
(D) षः प्रत्ययस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.2, 1.3.3, 1.3.5, 1.3.6)*

136. 'उच्चैः' की अव्ययसंज्ञा करने वाला सूत्र है? **H-TET–2014**

(A) स्वरादिनिपातमव्ययम् (B) अव्ययीभावः
(C) कृन्मेजन्तः (D) अव्ययादाप्सुपः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–23*

137. हलोऽनन्तराः– **AWES TGT–2009**

(A) संयोगः (B) संहिता
(C) सन्धिः (D) समासः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

138. 'शक' इत्यत्र टिसंज्ञा कस्यांशस्य भवति? **UGC 25 D–2015**

(A) 'क' इत्यस्य
(B) 'श' इत्यस्य
(C) ककारोत्तरवर्तिनः अकारस्य
(D) शकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.64) - गीताप्रेस, पेज–22*

131. (B) 132. (A) 133. (D) 134. (D) 135. (C)

139. 'सखन्' इत्यत्र उपधासंज्ञा कस्य भवति? **UGC 25 D–2015**

(A) खकारोत्तरवर्तिनः 'अन्' इत्यय

(B) सकारस्य

(C) खकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

(D) सकारोत्तरवर्तिन अकारस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48*

140. 'व' का सम्प्रसारण है– **UGC 25 D–1996**

(A) इ (B) उ

(C) ऋ (D) लृ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–26*

141. इनमें सवर्ण है– **UGC 25 D–1997**

(A) इ, श (B) आ, ह

(C) ऋ, लृ (D) अ, उ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.9) - गीताप्रेस, पेज–16*

142. इनमें सवर्ण नहीं होते हैं– **UGC 25 J–1999**

(A) उ - ऊ (B) अ - आ

(C) ऋ - लृ (D) अ - इ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

143. वर्णसमाम्नाये कति सूत्राणि? **CVVET–2015**

(A) दश (B) द्वादश

(C) नव (D) चतुर्दश

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–3*

144. यह सवर्ण है– **UGC 25 J–2000**

(A) अ - इ (B) इ - ई

(C) इ - उ (D) ए - ओ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

145. 'ऐ' कैसा स्वर है– **UGC 25 J–2001**

(A) अर्धविवृत (B) विवृत

(C) स्पर्श (D) संवृत

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.9) - गीताप्रेस, पेज–17*

139. (C) 140. (B) 141. (C) 142. (D) 143. (D)

149. (B) 150. (A) 151. (B) 152. (A) 153. (A)

146. 'उ' का सम्प्रसारण है– UGC 25 J–2001

(A) प् (B) व्

(C) द् (D) य्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–26*

147. अनुनासिक वर्णों की संख्या है– UGC 25 D–2001, UP TGT–2009

(A) पाँच (B) आठ

(C) दस (D) बारह

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

148. स्पर्शवर्णों का समूह है– UGC 25 J–2002

(A) क् च् ट् त् प् (B) व् प् ङ् श् म्

(C) श् ष् स् ह् (D) त् थ् द् ध् स्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

149. 'च्' वर्णः कुत्र अन्तर्भवति– UGC 25 D–2005

(A) अनुनासिकः (B) स्पर्शः

(C) स्वरः (D) संघर्षः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

150. मूर्धन्येषु अन्तर्भवति– UGC 25 D–2005, 2009

(A) ष् (B) य्

(C) व् (D) ल्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

151. मूर्धन्यवर्णः अस्ति– UGC 25 D–2009

(A) प (B) ड

(C) ल (D) न

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

152. अधोनिर्दिष्टेषु ऊष्मवर्णः– UGC 25 J–2006

(A) ह् (B) य्

(C) क् (D) अ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

153. अधोनिर्दिष्टेषु स्पर्शः– UGC 25 D–2006

(A) म् (B) य्

(C) इ (D) व्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

144. (B) **145.** (B) **146.** (B) **147.** (A) **148.** (A)

154. समीचीनां तालिकां चिनुत–　UGC 25 D–2006

(अ) स्पर्शः	**1. शल्**
(ब) स्वरः	**2. कवर्णः**
(स) जिह्वामूलीयम्	**3. अच्**
(द) ऊष्मः	**4. जिह्वामूलम्**

	अ	ब	स	द
(A)	2	3	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

155. यरलवाः वर्णाः– UP PCS–2013, UGC 25 J–2009

(A) स्पृष्टाः　(B) अन्तःस्थाः

(C) ईषत्स्पृष्टाः　(D) अनुनासिकाः

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

156. (i) उच्चारणे बाह्यप्रयत्नः कतिविधः –

(ii) पाणिनि के अनुसार बाह्यप्रयत्नों की संख्या कितनी है–　UP PGT–2009, JNU MET–2014

(iii) बाह्यप्रयत्न हैं–　DSSSB PGT–2014

(A) दो　(B) पाँच

(C) ग्यारह　(D) दस

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

157. माहेश्वर सूत्रों में चौथा सूत्र है–　UP TGT–1999

(A) ऐऔच्　(B) हयवरट्

(C) खफछठथचटतव्　(D) हल्

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

158. (i) कुल स्वर संख्या है–　UP TET–2014

(ii) संस्कृत व्याकरण के अनुसार अचों (स्वरों) की संख्या है–　UP TGT–2004

(A) नौ　(B) छः

(C) सात　(D) आठ

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–9*

154. (A)　155. (B)　156. (C)　157. (A)　158. (A)
164. (C)　165. (D)

159. पाणिनीयव्याकरणे स्वराः सन्ति– REET–2016
(A) दीर्घप्लुतौ (B) अनुनासिकाः
(C) उदात्तानुदात्तस्वरिताः (D) उदात्तानुदात्तौ
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - भैमी व्याख्या (भाग-1), पेज–14

160. (i) व्याकरणे मूलस्वराः सन्ति
(ii) संस्कृत व्याकरण में मूल स्वरों की संख्या है–
UP TGT–2003, UGC 73 D–2004, H-TET–2015
(A) पाँच (B) छः
(C) सात (D) आठ
स्रोत–संस्कृत व्याकरण एवं लेखन - रामगोपाल शर्मा, पेज–144

161. वर्णमाला में वर्णों की संख्या है– UP TGT–2004
(A) ग्यारह (B) तेरह
(C) बयालिस (D) तैंतीस
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13

162. छोटी से छोटी व्यक्त खण्ड ध्वनि को कहते हैं–
UP TGT–2004
(A) वर्ण (B) पद
(C) शब्द (D) वाक्य
स्रोत–संस्कृतव्याकरण एवं लेखन - रामगोपाल शर्मा, पेज–144

163. वर्णमाला में व्यञ्जनों की संख्या है– UP TGT–2009
(A) 31 (B) 41
(C) 33 (D) 39
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13

164. स्वराणाम् आभ्यन्तरप्रयत्नं किम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014
(A) स्पृष्टम् (B) ईषत्स्पृष्टम्
(C) विवृतम् (D) संवृतम्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17

165. सन्ध्यक्षर होते हैं– UP TGT–2004
(A) क, ख, ग, घ, ङ (B) य, र, ल, व
(C) श, ष, स, ह (D) ए, ऐ, ओ, औ
स्रोत–ऋग्वेद प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–43

159. (C) 160. (A) 161. (C) 162. (A) 163. (C)

166. (i) माहेश्वर सूत्रों में 'ह' व्यञ्जन कितनी बार प्रयुक्त हुआ है– UP TGT–2004, 2009

(ii) माहेश्वर सूत्र में 'ह' कितनी बार आया है–

(A) 15 (B) 2

(C) 14 (D) 8

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

167. व्यञ्जन वर्ण की सही मात्रा है– UP TGT–2004

(A) एकमात्रा (B) द्विमात्रा

(C) त्रिमात्रा (D) अर्द्धमात्रा

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूरामसक्सेना, पेज–40*

168. 'एओङ्' क्या है– BHU MET–2010

(A) प्रत्याहार (B) माहेश्वरसूत्र

(C) क्रियापद (D) तद्धित

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

169. 'हलन्त्यम्' सूत्र से इत् संज्ञा होती है– BHU MET–2010

(A) हल् की (B) अच् की

(C) लोप की (D) अव्यय की

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–79*

170. प्रत्यय के आदि में स्थित चवर्ग और टवर्ग की इत्संज्ञा करने वाला सूत्र है? H-TET–2015

(A) लशक्वतद्धिते (B) हलन्त्यम्

(C) चुटू (D) षः प्रत्ययस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–81*

171. (i) वर्णमाला में ऊष्म व्यञ्जन कौन से हैं–

(ii) ऊष्मवर्ण कौन हैं – BHU MET–2008, 2010,

(iii) संस्कृत व्याकरण में ऊष्म वर्ण हैं– UP PCS–2012,

(iv) ऊष्मवर्णानां क्रमः कः? REET–2016

(A) य् व् र् ल् (B) श् ष् स् ह्

(C) अ इ उ ऋ (D) ए ऐ ओ औ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

166. (B) 167. (D) 168. (B) 169. (A) 170. (C)
176. (D) 177. (B) 178. (D)

172. 'कु' इति कथनेन के वर्णाः बुध्यन्ते–
BHU Sh. ET–2011
(A) वर्गीयाः (B) अवर्गीयाः
(C) क-वर्गीयाः (D) उकार-भेदाः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

173. किम् आम्रेडितम्– BHU Sh. ET–2011
(A) द्विरुक्तम् (B) द्विरुक्तपरम्
(C) द्विरुक्तपूर्वम् (D) द्विरुक्तमध्यमम्
स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–995*

174. सजातीयानामचां कतिविधो भेदो भवति–
BHU AET–2011
(A) कालकृतः (B) स्थानभागकृतः
(C) नासिका-कृतः (D) उपर्युक्त-सर्वविधः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9/1.2.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11-65*

175. 'ऊकालोऽज्झ्रस्वदीर्घप्लुतः' इति सूत्रम् अचां कीदृशं भेदं प्रकटीकरोति– BHU AET–2011
(A) स्थानभागकृतम् (B) कालकृतम्
(C) नासिकाकृतम् (D) स्थानकृतम्
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–65*

176. को मुखात् नोच्चार्यते– BHU AET–2012
(A) मकारः (B) ङकारः
(C) णकारः (D) अनुस्वारः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

177. (i) कति माहेश्वराणि सूत्राणि BHU AET–2012,
(ii) माहेश्वर सूत्रों की संख्या है– UP TET–2013,
DSSSB PGT–2014
(A) दश (B) चतुर्दश
(C) पञ्चदश (D) चत्वारि
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

178. 'अच्' प्रत्याहारे कति वर्णाः सन्ति–
BHU AET–2012, UP TGT–2013
(A) चत्वारः (B) त्रयोदश
(C) दश (D) नव
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–17*

171. (B) 172. (C) 173. (B) 174. (D) 175. (B)

179. 'अ इ उ ण्' इति कीदृशं सूत्रम्– BHU AET–2012

(A) परिभाषा (B) संज्ञा

(C) अधिकारः (D) नियमः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

180. (i) एकारः कतिविधः– BHU AET–2012,

(ii) एकारस्य कियन्तो भेदाः– BHU Sh. ET–2013

(A) षड्विधः (B) द्वादशविधः

(C) अष्टादशविधः (D) एकादशविधः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–18*

181. (i) आभ्यन्तरप्रयत्नः कतिविधः–

(ii) आभ्यन्तरप्रयत्नाः कियन्तः–

BHU AET–2012, JNU MET–2014, REET–2016

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः

(C) पञ्चविधः (D) एकादशविधः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

182. दीक्षितमतेन उपदेशशब्दस्य कोऽर्थः– BHU AET–2012

(A) शास्त्रम् (B) गुणैः प्रापणम्

(C) आद्योच्चारणम् (D) कथनम्

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-एक)-गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–14*

183. (i) कति स्पर्शवर्णाः – BHU AET–2012

(ii) स्पर्शवर्णों की संख्या कितनी है–

(A) पञ्च (B) त्रयोदश

(C) पञ्चविंशतिः (D) चत्वारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

184. 'स्पर्श' व्यञ्जनों के वर्ग हैं? UP TET–2016

(A) दो (B) पाँच

(C) चार (D) तीन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

185. एषु कः अयोगवाहः– BHU AET–2012

(A) सकारः (B) अकारः

(C) अनुस्वारः (D) हकारः

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायनः, पेज–106*

179. (B) 180. (B) 181. (C) 182. (C) 183. (C)
189. (A) 190. (B) 191. (B) 192. (B)

186. कः ध्वनिः कण्ठोष्ठम्? AWES TGT–2008

(A) आ (B) ए

(C) औ (D) ई

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16

187. (i) व्याकरण में उपदेश का क्या अर्थ होता है–

(ii) व्याकरण में उपदेश क्या है–

BHU MET–2008, BHU MET–2011

(A) लोप (B) आदर्श

(C) आद्योच्चारणम् (D) आगम

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–14

188. 'शिवसूत्रजाल' किसको कहते हैं– BHU MET–2008

(A) माहेश्वरसूत्रों को (B) वार्तिकसूत्रों को

(C) अष्टाध्यायी के सूत्रों को (D) उणादिसूत्रों को

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13

189. अन्तःस्थ वर्ण कौन हैं–

BHU MET–2008, UP TET–2016

(A) य् व् र् ल् (B) श् ष् स् ह्

(C) अ इ उ ऋ लृ (D) ए ओ ऐ औ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17

190. 'य्' का सम्प्रसारण है– UGC 25 J–2003

(A) व् (B) इ

(C) अय् (D) उ

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–26

191. ए और ऐ का उच्चारणस्थान है? H-TET–2015

(A) कण्ठोष्ठ (B) कण्ठतालु

(C) दन्तोष्ठ (D) मूर्धा

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16

192. ऊष्म वर्ण नहीं है– UP TET–2014

(A) श् (B) य्

(C) स् (D) ह्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17

184. (B) **185.** (C) **186.** (C) **187.** (C) **188.** (A)

193. ऊष्म व्यञ्जन हैं– **UP TET–2016**

(A) य् व् र् ल् (B) च् छ् ज् झ् ञ्

(C) प् फ् ब् भ् (D) श् ष् स् ह्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

194. स्पर्शव्यञ्जन नहीं है– **UP TET–2014**

(A) क् (B) प्

(C) य् (D) ट्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

195. 'ग' व्यञ्जन है? **UP TET–2016**

(A) अन्तःस्थ व्यञ्जन (B) ऊष्म व्यञ्जन

(C) स्पर्श व्यञ्जन (D) संयुक्त व्यञ्जन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

196. 'क वर्ग' के वर्ण कहे जाते हैं– **UP TET–2014**

(A) ऊष्म व्यञ्जन (B) स्पर्श व्यञ्जन

(C) अन्तःस्थ व्यञ्जन (D) सरस व्यञ्जन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

197. 'अ' एवं 'आ' परस्पर हैं– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2013

(A) सवर्ण (B) संयोग

(C) पद (D) संहिता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

198. 'च' वर्ण है– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2013**

(A) ईषद्विवृत (B) स्पृष्ट

(C) ईषत्स्पृष्ट (D) विवृत

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

199. त वर्ण है– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2013**

(A) संवार (B) नाद

(C) घोष (D) अल्पप्राण

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

200. महर्षि पाणिनि ने संस्कृत की वर्णमाला को विभाजित किया है– **UP TET–2013, 2014**

(A) 12 खण्डों में (B) 14 खण्डों में

(C) 16 खण्डों में (D) 18 खण्डों में

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

193. (D) 194. (C) 195. (C) 196. (B) 197. (A)
203. (D) 204. (B) 205. (D) 206. (C)

201. निम्नलिखितवर्गेषु ईषत्स्पृष्टाः वर्णाः चेतव्याः–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) क् ख् ग् घ् (B) य् व् र् ल्

(C) अ इ उ ऋ (D) श् ष् स् ह्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

202. ईषत्स्पृष्टः वर्णः कः– BHU Sh. ET–2013

(A) यकारः (B) जकारः

(C) नकारः (D) शकारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

203. (i) कादयो मावसानाः वर्णाः भवन्ति–AWES TGT–2008,

(ii) कादयो मावसानाः सन्ति– G GIC–2015

(iii) कादयो मावसानाः ------ UGC 25 D–2004, 2007, J–2010, 2011

(A) ऊष्माः (B) सङ्केताः

(C) अन्तस्थाः (D) स्पर्शाः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

204. 'विद्या ददाति विनयम्' इत्यत्र कोऽनुनासिको वर्णः–

BHU Sh. ET–2013

(A) वकारः (B) नकारः

(C) दकारः (D) तकारः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.8)-ईश्वरचन्द्र, पेज–10 (हितोपदेश-6)*

205. नीचे लिखे वर्णों में तकार का सवर्ण कौन सा है–

UGC 73 J–2008

(A) ग् (B) च्

(C) ड् (D) ध्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

206. शम्भु के मतानुसार संस्कृत वर्णों की संख्या है–

UGC 73 S–2013

(A) 48 (B) 42

(C) 64 (D) 47

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-3) शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–58*

198. (B) **199.** (D) **200.** (B) **201.** (B) **202.** (A)

207. भट्टोजिदीक्षित के मत में आभ्यन्तर प्रयत्न हैं– UGC 73 J–2014

(A) द्विधा (B) त्रिधा
(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–27*

208. स्वरों के उच्चारण में लगने वाले समय को कहते हैं– DL(H)–2015

(A) मात्रा (B) अनुस्वार
(C) ह्रस्व (D) प्लुत

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–65*

209. 'श्र' एक संयुक्त व्यञ्जन है। इसमें किन दो वर्णों को सम्मिलित किया गया है– DL(H)–2015

(A) स् और र् वर्णों को (B) ष् और र् वर्णों को
(C) श् और र् वर्णों को (D) श्र और अ वर्णों को

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

210. सही विकल्प चुनिये– UGC 73 D–2014

(A) अ, इ, उ, ऋ एषां वर्णानाम्-अष्टादशभेदाः प्रत्येकम्।
(B) अन्यपदार्थप्रधानः-द्वन्द्वः
(C) कारकाणि सन्ति - सप्त
(D) विभक्तयः सन्ति - षट्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

211. माहेश्वरसूत्राणां पारम्परिकं नामास्ति प्रशस्यतरम्– DL–2015

(A) वर्णभेदः (B) वर्णसंस्कारः
(C) वर्णतन्त्रम् (D) वर्णवेदः

स्रोत–*लघुशब्देन्दुशेखर - वैकुण्ठनाथशास्त्री, पेज–12*

212. कः वर्णः तालव्यो न– AWES TGT–2013

(A) य् (B) श्
(C) च् (D) थ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

213. कः स्वरः संवृतः– AWES TGT–2013

(A) ए (B) उ
(C) इ (D) अ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

207. (C) 208. (A) 209. (C) 210. (A) 211. (D)
217. (A) 218. (C) 219. (C) 220. (B)

214. किं वर्णम् ऊष्मं न– **AWES TGT–2010, 2013**

(A) श् (B) र्

(C) ष् (D) स्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

215. ओ३म् ध्वनौ अत्र ३ वाचकः अस्ति–

AWES TGT–2013

(A) दीर्घस्वरस्य (B) संख्यायाः

(C) प्लुतस्वरस्य (D) उच्चारणे स्वरस्य दीर्घतायाः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–65*

216. (i) अकार के कितने भेद हैं?

(ii) अकारः कतिविधः– **JNU MET–2014**

(A) द्विविधः (B) दशविधः

(C) षोडशविधः (D) अष्टादशविधः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

217. अक् प्रत्याहार के अन्तर्गत कौन-कौन से वर्ण आते हैं?

UP TET–2016

(A) अ, इ, उ, ऋ, लृ (B) अ, इ, उ

(C) ऋ, लृ (D) सभी स्वर

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–15*

218. एतेषु मूर्धन्यः महाप्राणः वर्णः कः–JNU MET–2014

(A) त् (B) द्

(C) ठ् (D) ण्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

219. यणः के– **JNU MET–2014**

(A) स्पर्शाः (B) ऊष्माणः

(C) अन्तःस्था (D) जिह्वामूलीयाः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

220. एतेषु अघोषमहाप्राणः किम्– **JNU MET–2014**

(A) ल् (B) ख्

(C) य् (D) च्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

212. (D) **213. (D)** **214. (B)** **215. (C)** **216. (D)**

221. यणानां आभ्यन्तरप्रयत्नं किम्?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) स्पृष्टम् (B) ईषत्स्पृष्टम्

(C) विवृतम् (D) संवृतम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

222. एतेषु घोषः अल्पप्राणः किम्– JNU MET–2014

(A) ब् (B) भ्

(C) छ् (D) ख्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

223. एतेषु कण्ठ्यवर्णः कः – JNU MET–2014

(A) ट् (B) प्

(C) अ (D) च्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

224. 'मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः' इति सूत्रे कति पदानि–

JNU MET–2014

(A) एकं पदम् (B) त्रीणि पदानि

(C) द्वे पदे (D) चत्वारि पदानि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

225. 'क-वर्णस्य' प्रयत्नं किम्– BHU B.ed–2013

(A) विवृतम् (B) स्पृष्टम्

(C) संवृतम् (D) ईषत्स्पृष्टम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

226. कः वर्णः तालव्यः न– AWES TGT–2010

(A) श् (B) म्

(C) छ् (D) य्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

227. ईषद्विवृतप्रयत्नाः वर्णाः सन्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) य, र, ल, व (B) ग, ज, ड, द, ब

(C) श, ष, स, ह (D) अ, इ, उ, ए

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

221. (B) 222. (A) 223. (C) 224. (C) 225. (B)
231. (D) 232. (D) 233. (A)

228. 'ॺप' तथा 'ॺफ' को कहा जाता है– UP PGT–2013

(A) प् तथा फ् (B) जिह्वामूलीय

(C) उपध्मानीय (D) यम वर्ण

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–18*

229. महाप्राण ध्वनियाँ व्यञ्जन-वर्ग में किससे सम्बन्धित है– UP TGT (H)–2013

(A) पहला-दूसरा (B) दूसरा-तीसरा

(C) दूसरा-चौथा (D) पहला-चौथा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

230. वर्णमाला किसे कहेंगे– UP TGT (H) 2009

(A) शब्द समूह को

(B) वर्णों के संकलन को

(C) शब्द गणना को

(D) वर्णों के व्यवस्थित समूह को

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

231. पाणिनीय शिक्षा में ध्वनियों को वर्गीकृत करने के कौन-से पाँच आधार स्वीकार किये गए हैं– UP PGT (H)–2000

(A) स्वर, काल, स्थान, संवाद, नाद

(B) स्वर, स्थान, काल, प्राण, सुर

(C) काल, प्रयत्न, स्थान, प्राण, अनुदात्त

(D) स्वर, काल, स्थान, प्रयत्न, अनुप्रदान

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा - दामोदर महतो, पेज–16*

232. 'स्वर' के प्रकार हैं– UP PGT (H) 2004

(A) ह्रस्व (B) दीर्घ

(C) प्लुत (D) उपर्युक्त तीनों

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–65*

233. (i) अयोगवाहः कथ्यते– UP PGT(H)–2005, UP TET–2016,
(ii) 'अयोगवाह' कहा जाता है– UP GDC–2012

(A) विसर्ग को (B) महाप्राण को

(C) संयुक्तव्यञ्जन को (D) अल्पप्राण को

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–106*

226. (B) 227. (C) 228. (C) 229. (C) 230. (D)

234. निम्नलिखित में कण्ठ्य ध्वनियाँ कौन सी हैं–
UP TGT(H)–2010

(A) क् , ख्　　(B) य् , र्
(C) च् , ज्　　(D) ट् , ण्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16, 17*

235. हिन्दी वर्णमाला में 'अं' और 'अः' क्या हैं–
UGC(H) J–2012

(A) स्वर　　(B) व्यञ्जन
(C) अयोगवाह　　(D) संयुक्ताक्षर

स्रोत–*पाणिनीय शिक्षा-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–106*

236. 'यद्यपि' इति पदे संयुक्ताक्षरः अस्ति– C-TET–2011

(A) य् प्　　(B) द् य्
(C) य् द्　　(D) द व्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत व्याकरणम्-सर्वज्ञभूषण, पेज–187*

237. इनमें से कौन-सा वर्ण स्पर्श व्यञ्जन नहीं है–
UP PGT (H)–2013

(A) क　　(B) च
(C) ट　　(D) य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

238. इनमें से कौन सा व्यञ्जन अल्पप्राण है–
UP PGT (H)–2013

(A) ख　　(B) थ
(C) च　　(D) फ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

239. 'ल' – वर्णः अस्ति–　　UGC 25 J–2015

(A) ओष्ठ्यः　　(B) ऊष्मः
(C) अन्तःस्थः　　(D) दन्त्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

240. कः वर्णः कण्ठ्यः न –　　AWES TGT–2011

(A) अ　　(B) ह्
(C) घ्　　(D) त्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

234. (A) **235.** (C) **236.** (B) **237.** (D) **238.** (C)
244. (C) **245.** (D) **246.** (A) **247.** (C)

241. उच्चारणस्थान ओष्ठ्य अस्ति– AWES TGT–2011

(A) ख् (B) ण्

(C) उ (D) ए

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

242. चतुर्दश माहेश्वरसूत्रों में किस-किस वर्ण की दो बार आवृत्ति हुई है? H-TET–2014

(A) लकार व हकार की (B) रकार व लकार की

(C) णकार व हकार की (D) ककार व हकार की

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

243. कः वर्णः मूर्धन्यः न– AWES TGT–2010

(A) थ् (B) ठ्

(C) र् (D) ष्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

244. ऊष्मवर्णः कः– AWES TGT–2010

(A) प् (B) य्

(C) ह् (D) फ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

245. ऊष्मवर्णाः सन्ति– G GIC–2015

(A) अकः (B) यणः

(C) झषः (D) शलः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

246. पञ्च मूलस्वराः सन्ति– AWES TGT–2010

(A) अ, इ, उ, ऋ, लृ (B) अ, आ, इ, ई, उ

(C) अ, इ, उ, ए, ओ (D) आ, ई, ऊ, ऐ, औ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण एवं लेखन-रामगोपाल शर्मा, पेज–144*

247. संस्कृतभाषायां स्वराः सन्ति– REET–2016

(A) य् व् र् ल् (B) श् ष् स् ह्

(C) अ इ उ ऋ (D) ञ् म् ङ् न्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

239. (C) 240. (D) 241. (C) 242. (C) 243. (A)

248. (i) अधोलिखितेषु अन्तःस्थवर्णोऽस्ति– AWES TGT–2009,
(ii) कः ध्वनिः अन्तस्थः – CCSUM Ph.D–2016

(A) ल् (B) लृ

(C) ऋ (D) ॠ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

249. कः ध्वनिः तालव्यो न – AWES TGT–2009, 2010

(A) छ (B) य

(C) फ (D) श

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

250. कः वर्णः दन्त्यः न – AWES TGT–2008

(A) व् (B) स्

(C) ध् (D) लृ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

251. 'ङ' का उच्चारणस्थान है– UGC 25 D–1996

(A) कण्ठतालु (B) कण्ठोष्ठ

(C) दन्त्योष्ठ (D) कण्ठनासिका

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

252. (i) इनमें से दन्त्य वर्ण हैं– UGC 25 D–1999,
(ii) एतेषु दन्त्यवर्णः कः– JNU MET–2016

(A) क् ख् (B) च् छ्

(C) ट् ठ् (D) त् थ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

253. ऋटुरषाणां किं स्थानम्– UGC 25 J–2006, D–2007

(A) तालु (B) दन्तः

(C) जिह्वा (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

254. इचुयशानां किं स्थानम्– UGC 25 D–2006, 2009

(A) दन्ताः (B) मूर्धा

(C) मुखम् (D) तालु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

248. (A) 249. (C) 250. (A) 251. (D) 252. (D)
258. (B) 259. (C) 260. (B) 261. (D)

255. अकुहविसर्जनीयानाम् उच्चारणस्थानं किम्–
UGC 25 J–2009, 2010

(A) मूर्धा (B) ओष्ठः

(C) कण्ठः (D) तालु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

256. मूर्धन्यो भवति– UGC 25 J–2009

(A) प् (B) ड्

(C) ल् (D) न्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

257. एते वर्णाः तालुस्थानीयाः सन्ति– UGC 25 J–2011

(A) इ उ ऋ लृ (B) अ क् ह् विसर्ग

(C) इ च् य् श् (D) ऋ ट् र् ष्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

258. 'य्' वर्ण का उच्चारणस्थान है– UP PGT–2003

(A) कण्ठ (B) तालु

(C) मूर्धा (D) दन्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

259. 'ग्' वर्ण का उच्चारणस्थान है– UP PGT–2003

(A) ओष्ठ (B) दन्त

(C) कण्ठ (D) तालु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

260. माहेश्वरसूत्रेषु हकारादिषु अकारः किमर्थः–
BHU AET–2012

(A) इत्-संज्ञार्थः (B) उच्चारणार्थः

(C) व्यर्थः (D) हल्प्रत्याहारे ग्रहणार्थः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–14*

261. 'ख्' कौन-सी ध्वनि है– UP PGT–2005

(A) मूर्धन्य (B) तालव्य

(C) दन्त्य (D) कण्ठ्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

253. (D) 254. (D) 255. (C) 256. (B) 257. (C)

262. (i) 'लृ' वर्णस्य उच्चारणस्थानं किं वर्तते–
(ii) 'लृ' का उच्चारणस्थान है– UP TGT–2009, BHU B.Ed.–2013

(A) कण्ठ (B) दन्त
(C) तालु (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

263. 'अ' वर्ण का उच्चारणस्थान क्या है– BHU MET–2010

(A) तालु (B) दन्त
(C) कण्ठ (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

264. यकार का उच्चारणस्थान है– BHU MET–2010

(A) तालु (B) दन्त्योष्ठ
(C) कण्ठ (D) कण्ठतालु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

265. कः वर्णः मूर्धातः उच्चार्यते– BHU AET–2012

(A) अकारः (B) उकारः
(C) शकारः (D) षकारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

266. जकारस्य उच्चारणस्थानं किम्– BHU AET–2012

(A) कण्ठः (B) मूर्धा
(C) नासिका (D) तालु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

267. 'इ' का उच्चारणस्थान है– BHU MET–2008

(A) कण्ठ (B) तालु
(C) मूर्धा (D) नासिका

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

268. 'ल्' का उच्चारणस्थान है– BHU MET–2008

(A) कण्ठ (B) तालु
(C) दन्त (D) ओष्ठ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

262. (B) 263. (C) 264. (A) 265. (D) 266. (D)
272. (D) 273. (A) 274. (B)

269. 'ऋ' का उच्चारणस्थान है– UP TET–2013, BHU MET– 2008, 2012, H-TET–2014

(A) कण्ठ (B) तालु

(C) दन्त (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

270. कः ध्वनिः महाप्राणो न – AWES TGT–2008

(A) त् (B) ष्

(C) थ् (D) फ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

271. (i) अनुस्वारस्य उच्चारणस्थानं किम्

(ii) 'अनुस्वार' का उच्चारणस्थान है–

BHU MET–2008, JNU MET–2014

(A) तालु (B) दन्त

(C) मूर्धा (D) नासिका

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

272. (i) वकारस्य उच्चारणस्थानं वर्तते?

(ii) वकार का उच्चारणस्थान है– BHU MET–2008, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014, CCSUM Ph.D–2016

(A) कण्ठ (B) तालु

(C) मूर्धा (D) दन्तोष्ठ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

273. निम्नलिखित वर्णों में से किस वर्ण का उच्चारण स्थान दन्तोष्ठ है? UP TET–2016

(A) व् (B) म्

(C) प् (D) क्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

274. 'लृतुलसानां' सूत्र है– UGC 25 J–2003

(A) कण्ठ का (B) दन्त का

(C) तालु का (D) मूर्धा का

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

267. (B) 268. (C) 269. (D) 270. (A) 271. (D)

275. (i) विसर्गस्योच्चारणस्थानम् अस्ति

(ii) पाणिनीयशिक्षायां विसर्गस्योच्चारणस्थानम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, UP GDC–2014

(A) तालु (B) कण्ठः

(C) कण्ठोष्ठम् (D) दन्ताः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

276. 'ट्' वर्ण का उच्चारणस्थान है–

RPSC ग्रेड-III (TGT)–2013, H-TET–2015

(A) कण्ठ (B) मूर्धा

(C) ओष्ठ (D) दन्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

277. 'क' वर्ण का उच्चारणस्थान है– UP TET–2014

(A) मूर्धा (B) तालु

(C) कण्ठ (D) ओष्ठ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

278. 'ह्' का उच्चारणस्थान क्या है– BHU MET–2011

(A) कण्ठ (B) ओष्ठ

(C) दन्तमूल (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

279. इनमें से दो कण्ठ्यवर्ण हैं– UGC 73 D–2007

(A) ग् घ् (B) ज् झ्

(C) ड् ढ् (D) द् ध्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

280. संस्कृतवर्णमालायाः उच्चारणस्थानानि वर्तन्ते–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) नव (B) एकादश

(C) अष्ट (D) पञ्च

स्रोत–*पाणिनीय शिक्षा-शिवराज आचार्यः कौण्डिन्न्यायन, पेज–88*

275. (B) 276. (B) 277. (C) 278. (A) 279. (A)
285. (C) 286. (D) 287. (B)

281. 'त' वर्गस्य उच्चारणस्थानम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) ओष्ठौ (B) तालु

(C) दन्ताः (D) कण्ठः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

282. वर्णों का उत्पत्तिस्थान है– UGC 73 J–2013

(A) अष्टौ (B) पञ्च

(C) चत्वारि (D) षट्

पाणिनीय शिक्षा (श्लोक-13)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–88

283. निम्नलिखित में से कण्ठ से उच्चरित होने वाली ध्वनि है–

UP GDC–2008

(A) म् (B) त्

(C) ल् (D) अ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

284. अनुनासिक वर्णों का उच्चारण होता है–

UP TET–2013

(A) कण्ठ से (B) तालु से

(C) मुखनासिका से (D) दन्त से

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10*

285. उच्चारणस्थान की दृष्टि से 'य्' वर्ण है–

UP GDC (H)–2012

(A) दन्त्य (B) मूर्धन्य

(C) तालव्य (D) कण्ठ्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

286. 'ष' इति वर्णस्य उच्चारणस्थानमस्ति– DL–2015

(A) तालु (B) नासिका

(C) दन्ताः (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

287. 'स्' इति वर्णस्योच्चारणे कः बाह्यप्रयत्नः– DL–2015

(A) घोषः (B) अघोषः

(C) अल्पप्राणः (D) उदात्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

280. (C) 281. (C) 282. (A) 283. (D) 284. (C)

288. 'उ' वर्ण का उच्चारणस्थान क्या है– **BHU MET–2012**

(A) कण्ठ (B) दन्त

(C) ओष्ठ (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

289. 'ᳲक' तथा 'ᳲख' का उच्चारणस्थान है– **UP PGT–2013**

(A) कण्ठ (B) तालु

(C) ओष्ठ (D) जिह्वामूलीय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

290. निम्नलिखित में से ओष्ठ ध्वनि नहीं है– DL(H)–2015

(A) च् में (B) प् में

(C) भ् में (D) म् में

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

291. 'श्' ध्वनि का उच्चारणस्थान है– UGC (H) D–2013

(A) मूर्धन्य (B) तालव्य

(C) दन्त्य (D) ओष्ठ्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

292. 'छ्' ध्वनि का उच्चारणस्थान है– UGC (H) J–2007

(A) दन्त्य (B) ओष्ठ्य

(C) तालव्य (D) कण्ठ्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

293. 'प' का उच्चारणस्थान है– **BHU MET–2015**

(A) ओष्ठ (B) जिह्वा

(C) नासिका (D) मूर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

294. दन्त्येषु अन्तर्भवति– **UGC 25 D–2007**

(A) क् (B) प्

(C) ल् (D) म्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16*

288. (C)	**289.** (D)	**290.** (A)	**291.** (B)	**292.** (C)
298. (B)	**299.** (D)	**300.** (A)	**301.** (A)	

295. उच्चारणस्थानं कण्ठः अस्ति– AWES TGT–2010

(A) झ् (B) क्

(C) ल् (D) ध्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16

296. ओकारस्य उच्चारणस्थानं भवति– AWES TGT–2009

(A) कण्ठः (B) कण्ठोष्ठम्

(C) कण्ठतालू (D) तालु

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–16

297. 'यण्' प्रत्याहार में होगा– UP TGT–2004

(A) य्, क्, व्, ल् (B) ष्, अ, र्, ल्

(C) य्, व्, र्, ल् (D) य्, र्, ल्, ष्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10

298. 'चर्' प्रत्याहार में निम्नलिखित वर्ण आते हैं– UP TGT–2005

(A) च्, ट्, त्, क्, प्

(B) च्, ट्, त्, क्, प्, श्, ष्, स्

(C) श्, ष्, स्

(D) श्, ष्, स्, ह्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10

299. अधोलिखित में कौन वर्ण 'झष्' प्रत्याहार में आता है– UP TGT–2010

(A) ख् (B) ज्

(C) ठ् (D) ध्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10

300. 'अक्' क्या है– BHU MET–2010

(A) प्रत्याहार (B) उपसर्ग

(C) वार्तिक (D) प्रत्यय

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10

301. लकारस्य कस्मिन् प्रत्याहारे ग्रहणं सम्भवति– BHU Sh.ET–2011

(A) अण् (B) अच्

(C) झल् (D) शल्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10

293. (A) **294.** (C) **295.** (B) **296.** (B) **297.** (C)

302. प्रत्याहारे केषां ग्रहणं नेष्यते– BHU Sh. ET–2011

(A) अचाम् (B) अलाम्

(C) इताम् (D) आदिवर्णानाम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10*

303. 'अट्' प्रत्याहारे हकारग्रहणस्य किं प्रयोजनम्– BHU AET–2012

(A) दवो हसतीत्यत्र उत्वम् (B) अर्हेण इत्यत्र णत्वम्

(C) अभवदित्यत्र अडागमः (D) उच्चारणार्थः

लघुसिद्धान्तकौदी (भैमीव्याख्या भाग–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–585

304. 'हल्' क्या है– BHU MET–2008

(A) प्रत्याहार (B) प्रत्यय

(C) उपसर्ग (D) वार्तिक

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–11*

305. निम्नलिखित में से कौन सा प्रत्याहार सर्वाधिक वर्णों को परिगणित करता है– UP TET–2014

(A) अच् (B) यर्

(C) अश् (D) जश्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10*

306. वर्गों के तीसरे वर्ण किस प्रत्याहार में आते हैं– UP TET–2014

(A) हश् (B) जश्

(C) शल् (D) झष्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10*

307. किस प्रत्याहार में सभी स्वर आते हैं– UP TET–2014

(A) अल् (B) अच्

(C) अट् (D) अम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–9*

308. 'उक्' प्रत्याहारे कति वर्णाः सन्ति– BHU B.Ed–2013

(A) य् व् र् ल् (B) ए ओ ऐ औ

(C) श् ष् स् र् (D) उ ऋ लृ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–9*

302. (C) 303. (B) 304. (A) 305. (B) 306. (B)
312. (A) 313. (D) 314. (C)

309. 'जश्' प्रत्याहारे कस्य ग्रहणं सम्भवति–

BHU Sh. ET–2013

(A) यकारस्य (B) अकारस्य

(C) मकारस्य (D) गकारस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10*

310. 'र'–प्रत्याहारे कस्य वर्णस्य संग्रहः–

BHU Sh. ET–2013

(A) हकारस्य (B) लकारस्य

(C) वकारस्य (D) यकारस्य

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (खण्ड-एक)-गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–11*

311. 'हल् प्रत्याहार' में कितने वर्ण होते हैं–

UP TGT–2013

(A) 33 (B) 34

(C) 35 (D) 36

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–11*

312. 'र' – प्रत्याहारः केन स्वीकृतः– **BHU AET–2012**

(A) दीक्षितेन (B) नागेशेन

(C) कैय्यटेन (D) वरदराजेन

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (खण्ड एक)-श्रीगोपालदत्त पाण्डेय, पेज–15*

313. प्रत्याहारसूत्रेषु नवमं सूत्रमस्ति– **JNU MET–2015**

(A) हयवरट् (B) कपय्

(C) झभञ् (D) घढधष्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

314. माहेश्वरसूत्राणामुपयोगिता किमर्थम्?

BHU Sh. ET–2013

(A) सन्धिज्ञानाय

(B) वर्णज्ञानाय

(C) प्रत्याहारसिद्ध्यै

(D) व्याकरणज्ञानाय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–2*

307. (B) 308. (D) 309. (D) 310. (B) 311. (A)

315. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत–

(अ) अभिनिविशश्च **1. तुल्यास्यप्रयत्नम्**

(ब) अपृक्त **2. बहुव्रीहिः**

(स) चित्रगुः **3. कर्मसंज्ञा**

(द) सवर्णम् **4. एकाल् प्रत्ययः**

UGC 25 J–2012

	अ	ब	स	द
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	1	2

***स्रोत**–अष्टाध्यायी (1.1.9, 1.2.41, 1.4.1.47, 5.4.11)-ईश्वरचन्द्र*

316. यञ्-प्रत्याहारे कः नास्ति? **CVVET–2015**

(A) म (B) भ

(C) ढ (D) व

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–10*

317. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) सवर्णम् **1. उपसर्जनं पूर्वम्**

(ब) नदी **2. हेतौ**

(स) अधिहरि **3. तुल्यास्यप्रयत्नम्**

(द) दण्डेन घटः **4. यू स्त्र्याख्यौ**

UGC 25 S–2013

	अ	ब	स	द
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	1	3	2

***स्रोत**–अष्टाध्यायी (2.2.30, 2.3.23, 1.1.9, 1.4.3.) - ईश्वरचन्द्र, पेज–190, 11, 201, 109*

318. कौन सा कथन गलत है– **UK TET–2013**

(A) संस्कृत में वचनों की संख्या है–तीन

(B) संस्कृत में पुरुषों की संख्या है–तीन

(C) संस्कृत में लिङ्गों की संख्या है–तीन

(D) संस्कृत में कारकों की संख्या है–तीन

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2) - गोविन्दाचार्य, पेज–172*

315. (C) 316. (C) 317. (C) 318. (D) 319. (B)

319. समीचीनम् उत्तरं चिनुत– **UGC 25 D–2014**

(अ) यणः **1. स्पर्शाः**

(ब) शलः **2. प्रातिपदिकम्**

(स) कादयो मावसानाः **3. अन्तःस्थाः**

(द) अर्थवदधातुरप्रत्ययः **4. ऊष्माणः**

	अ	ब	स	द
(A)	4	3	1	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	3	1	4
(D)	1	3	4	2

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

320. 'संस्कृत' शब्दस्याऽशयोऽस्ति– **DL–2015**

(A) संस्कारसहितम् (B) सुभूषितम्

(C) सत्कृतम् (D) समाविष्टम्

स्रोत–*संस्कृत हिन्दी कोश - वामन-शिवराम आप्टे, पेज–1051*

321. संस्कृत के वे शब्द जो हिन्दी में ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं– **DL (H)–2015**

(A) तद्भव (B) तत्सम

(C) सङ्कर (D) देशज

स्रोत–*हिन्दी शब्द-अर्थ-प्रयोग - हरदेवबाहरी, पेज–96*

322. 'अनचि च' इति सूत्रे कीदृशः प्रतिषेधः– **BHU AET–2011**

(A) पर्युदासः (B) प्रसज्यः

(C) अल्पार्थकः (D) अप्राशस्त्यार्थकः

स्रोत–*अष्टाध्यायी 8.4.46 - ईश्वरचन्द्र, पेज–1095*

323. 'ङिच्च' इति सूत्रमस्ति– **BHU AET–2011**

(A) अधिकारसूत्रम् (B) विधिसूत्रम्

(C) परिभाषासूत्रम् (D) नियमसूत्रम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी 1.1.52 - ईश्वरचन्द्र, पेज–31*

324. 'सार्वधातुकमपित्' इति सूत्रम् अस्ति– **BHU AET–2011**

(A) संज्ञासूत्रम् (B) विधिसूत्रम्

(C) अतिदेशसूत्रम् (D) परिभाषासूत्रम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी 12.4 - ईश्वरचन्द्र, पेज–55*

320. (A) 321. (B) 322. (B) 323. (C) 324. (C)

325. 'अनेकान्ता' इत्यस्य कोऽर्थः– BHU AET–2012

(A) उच्चारिताः (B) अवयवाः

(C) अनुच्चारिताः (D) अनवयवाः

स्रोत–*परिभाषेन्दुशेखरः - आचार्य विश्वनाथ मिश्र, पेज–20*

326. 'एकः पूर्वपरयोः' इति कीदृशं सूत्रम्– BHU AET–2012

(A) संज्ञा (B) परिभाषा

(C) विधिः (D) अधिकारः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.81) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686*

327. (i) यत्रानेकविधमान्तर्यं तत्र कीदृशमान्तर्यं बलीयः–

(ii) यत्रानेकविधमान्तर्यं तत्र कस्य ग्रहणम्– BHU AET–2011, 2012

(A) प्रमाणकृतस्य (B) गुणकृतस्य

(C) स्थानकृतस्य (D) अर्थकृतस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–31*

325. (D) **326.** (D) **327.** (C) **328.** (D) **329.** (A)

328. 'लोटो लङ्वत्' इति सूत्रमस्ति?

JNU M.Phil/Ph.D–2014

(A) अधिकारसूत्रम् (B) संज्ञासूत्रम्

(C) नियमसूत्रम् (D) अतिदेशसूत्रम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–401*

329. उपधासंज्ञा केन सूत्रेण भवति? **CCSUM Ph.D–2016**

(A) अलोऽन्त्यात् पूर्व उपधा (B) अत उपधायाः

(C) उपधायाश्च (D) उपधायां च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–175*

330. रेफः कस्मिन् वर्गे विद्यते– **CCSUM Ph.D–2016**

(A) स्पर्शः (B) अन्तस्थः

(C) ऊष्मः (D) अनुनासिकः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

331. अधोलिखितेषु दन्त्यवर्णौ– **CCSUM Ph.D–2016**

(A) छ झ (B) द ध

(C) ब भ (D) ख ग

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17*

330. (B) **331.** (B)

2. सन्धि

1. (i) सन्धि है– **UP TGT–2003**

(ii) सन्धि कहते हैं– **UP TET–2013**

(A) दो पदों का मेल (B) दो वर्णों का मेल

(C) दो दूरवर्ती पदों का मेल (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–44*

2. सन्धि कहाँ आवश्यक नहीं मानी जाती है–

UP GIC–2009

(A) एकपद में (B) धातूपसर्ग में

(C) समास में (D) वाक्य में

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–45*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–35

3. व्याकरणे संहिता पदेन सूच्यते?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) सन्धिः (B) समासः

(C) लोपः (D) कारकः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–29*

4. सन्धि के कारण हो सकता है– **UP TGT–2003**

(A) लोप (B) कोई नया वर्ण

(C) दो में से एक का द्वित्व (D) उपर्युक्त तीनों परिवर्तन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–45*

5. अच् सन्धि कहते हैं– **UP TGT–2003**

(A) व्यञ्जनसन्धि को (B) स्वरसन्धि को

(C) विसर्गसन्धि को (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–34*

6. हल्सन्धि में विकार होता है– **UP TGT–2004**

(A) व्यञ्जन का (B) स्वर का

(C) विसर्ग का (D) उपर्युक्त तीनों का

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–98*

1. (B) **2. (D)** **3. (A)** **4. (D)** **5. (B)**
11. (B) **12. (D)**

-प्रकरण

7. **वाक्य में सन्धि करना अथवा न करना है–**

UP TGT –2004

(A) ऐच्छिक (B) निषिद्ध
(C) उपर्युक्त दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–45*

8. **धातु और उपसर्ग में सन्धि करना है–**

UP TGT –2004

(A) ऐच्छिक (B) अनिवार्य
(C) निषिद्ध (D) उपर्युक्त तीनों

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–45*

9. **संहिता का तात्पर्य है–** **UP TGT –2004**

(A) श्रेष्ठ पदीयता (B) पदार्थ-सम्बन्ध
(C) परः सन्निकर्षः (D) वाक्यार्थ-सम्बन्ध

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–44*

10. **हल्-सन्धि कहते हैं–** **UP TGT –2005**

(A) स्वरसन्धि को (B) व्यञ्जनसन्धि को
(C) विसर्गसन्धि को (D) मुखसन्धि को

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–98*

11. **सन्धि है–** **UP TGT –2010**

(A) पदविधि (B) वर्णविधि
(C) इनमें से दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–44*

12. **'निमज्जतीन्दोर्किरणेष्विवाङ्कः' इत्यत्र कति सन्धिस्थलानि सन्ति?** **BHU Sh. ET–2011**

(A) त्रीणि (B) द्वे
(C) पञ्च (D) चत्वारि

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (6.1.97, 6.1.74) - ईश्वरचन्द्र*
(ii) कुमारसम्भवम् 1/3

6. (A)	**7. (A)**	**8. (B)**	**9. (C)**	**10. (B)**

13. संहिता कुत्र विवक्षाधीना भवति? BHU AET–2012

(A) समासे (B) वाक्ये

(C) एकपदे (D) धातूपसर्गयोः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–45*

14. व्याकरण से सम्बन्धित सन्धि नहीं है– UP TET–2013, UGC 25 J–2004

(A) मुखसन्धि (B) स्वरसन्धि

(C) व्यञ्जनसन्धि (D) विसर्गसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–46*

15. सन्धि निम्नलिखित में से किनमें अवश्य करनी चाहिए? UP TGT–2013

(A) एकपद में (B) धातु तथा उपसर्ग के मध्य

(C) समास में (D) उपर्युक्त सभी में

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–45*

16. 'अवङ्'-आदेशः कस्य स्थाने भवति– HE–2015

(A) आद्यस्य (B) सर्वस्य

(C) अन्त्यस्य (D) मध्यस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–79*

17. 'दध्यत्र' शब्दस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) द + ध्यत्र (B) दध् + यत्र

(C) दधि + अत्र (D) दध्य + त्र

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

18. 'इत्यादयः' में सन्धि है– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) यण् (B) दीर्घ

(C) गुण (D) वृद्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–186*

19. 'इति + आदि' इत्यत्र सन्धिः वर्तते? REET–2016

(A) गुणसन्धि (B) वृद्धिसन्धिः

(C) उपपदसन्धिः (D) यण्सन्धिः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–186*

13. (B) **14.** (A) **15.** (D) **16.** (C) **17.** (C)
23. (D) **24.** (C) **25.** (D)

20. 'लृ + आकृतिः' इत्यत्र सन्धिः स्यात्–

RPSC वर्ग-I (PGT)–2011

(A) गुणसन्धिः (B) दीर्घसन्धिः

(C) यण्सन्धिः (D) पररूपसन्धिः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50

21. 'धात्रंशः' अस्मिन् पदे सन्धिः अस्ति–

MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) गुणसन्धिः (B) वृद्धिसन्धिः

(C) यण्सन्धिः (D) दीर्घसन्धिः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50

22. अधोलिखितेषु यण्सन्धेः रूपं विद्यते–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) प्रत्युपकारः (B) गङ्गौघः

(C) मार्तण्डः (D) विद्यालयः

स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–187

23. यण्सन्धि होगी जब– **UP TGT–2004**

(A) आ + ई (B) इ + ई

(C) अ + ए (D) इ + अ

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49

24. 'पितृ + आकृतिः' का शुद्ध सन्धिरूप है–

UP TGT–2005

(A) पितृ आकृतिः (B) पतिकृतिः

(C) पित्राकृतिः (D) पितराकृतिः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50

25. 'मधु + अरिः' इत्यस्य सन्धिपदं निर्णेयम्–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) मधूरिः (B) मधारिः

(C) मध्वारिः (D) मध्वरिः

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–44

18. (A) 19. (D) 20. (C) 21. (C) 22. (A)

26. यण्सन्धि का उदाहरण है– UP TGT–2010

(A) विद्या + आलयः = विद्यालयः

(B) गङ्गा + ओघः = गङ्गौघः

(C) गुरु + आदेशः = गुर्वादेशः

(D) महा + इन्द्रः = महेन्द्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

27. 'यद्यपि' पद में कौन-सी सन्धि है?

UGC 73 D–2005

(A) यण्सन्धिः (B) दीर्घसन्धिः

(C) हल्सन्धिः (D) विसर्गसन्धिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–45*

28. 'लाकृतिः' इसमें सन्धिविधायक सूत्र है–

UGC 73 J–2006

(A) वृद्धिरेचि (B) इको यणचि

(C) उरण् रपरः (D) आद् गुणः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

29. 'धातृ + अंशः' में सन्धि कीजिए–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) धातरंशः (B) धातुरंशः

(C) धात्रंशः (D) धातोरंशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

30. 'सुध्युपास्यः' में कौन-सी सन्धि है?

BHU MET–2008

(A) हल्सन्धि (B) विसर्गसन्धि

(C) प्रकृतिभावसन्धि (D) अच्सन्धि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–44*

31. यण्सन्धि कहाँ है? BHU MET–2008

(A) उपेन्द्रः (B) नायकः

(C) लाकृतिः (D) रामायणम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

26. (C) 27. (A) 28. (B) 29. (C) 30. (D)
36. (C) 37. (A) 38. (A)

32. अधोलिखितेषु कः एकादेशः? BHU Sh. ET–2011

(A) यणः (B) पूर्वरूपम्

(C) विसर्गः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–34*

33. **'आद्यन्तम्' पद का सन्धिविच्छेद है–** **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) आद्य + अन्तम् (B) आदी + अन्तः

(C) आदि + अन्तम् (D) आद्या + अन्तम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–186*

34. **'दध्यत्र' में सन्धि है–** **UGC 73 D–1994**

(A) यण् (B) गुण

(C) वृद्धि (D) पूर्वरूप

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

35. **'पित्रर्थः' का सन्धि-विच्छेद है–** **UGC 73 D–1997**

(A) पितृ + अर्थः (B) पिता + अर्थः

(C) पित्रा + अर्थः (D) पितॄ + अर्थः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–189*

36. **'अत्यधिक' में सन्धि है–** **UP TET–2013**

(A) गुणसन्धि (B) वृद्धिसन्धि

(C) यण्सन्धि (D) हल्सन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–185*

37. **'अन्वय' शब्द का सन्धि-विच्छेद है– UP PCS–2015**

(A) अनु + अय (B) अनु + आय

(C) अनू + अय (D) अनू + आय

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–188*

38. **'पाठतोऽप्यनभ्यासः' = ?** **AWES TGT–2013**

(A) पाठतः + अपि + अनभ्यासः

(B) पाठतो + ओपि + अनभ्यासः

(C) पाठतोपि + अभ्यासः

(D) पाठतोऽप्य + नभ्यासः

अष्टाध्यायी (6.1.109 और 6.1.74)-ईश्वरचन्द्र, पेज–684, 694

31. (C) **32. (A)** **33. (C)** **34. (A)** **35. (A)**

39. 'पठत्वत्र' इत्यत्र सन्धिविच्छेदः निर्णयः–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) पठ + त्वत्र　　　(B) पठतु + अत्र

(C) पठत्व + त्र　　　(D) पठत् + वत्र

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

40. 'इन्द्रियाण्यादौ = ?　　　AWES TGT–2013

(A) इन्द्रियाण् + आदौ　　　(B) इन्द्रियाणि + आदौ

(C) इन्द्रियाण्य + यादौ　　　(D) इन्द्रिय + णियादौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

41. 'इति + आदयः' = ?　　　AWES TGT–2013

(A) इति आदयः　　　(B) इतियादयः

(C) इत्यादयः　　　(D) इत्आदयः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–186*

42. 'गुरु + आदेशः' में सन्धि होने पर बनता है–

UP TGT –2013

(A) गुरुदेशः　　　(B) गुरादेशः

(C) गुर्वादेशः　　　(D) गुरोदेशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

43. 'सुध्युपास्यः' में सन्धि है–　　　BHU MET–2012

(A) हल्सन्धि　　　(B) विसर्गसन्धि

(C) अच्सन्धि　　　(D) प्रकृतिभावसन्धि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या (खण्ड-1), पेज–44*

44. किस उदाहरण में यण्सन्धि है?　BHU MET–2009

(A) उपेन्द्रः　　　(B) नायकः

(C) विद्यालयः　　　(D) धात्रंशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

45. 'साधु + इति' में सन्धि होने पर बनता है–

UP TGT –2013

(A) साधोइति　　　(B) साध्विति

(C) साधूति　　　(D) साधुरिति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

39. (B)	**40. (B)**	**41. (C)**	**42. (C)**	**43. (C)**
49. (D)	**50. (A)**	**51. (A)**	**52. (C)**	

46. 'प्रत्येक' का सन्धि-विच्छेद होगा– UP TGT (H)– 2013

(A) प्रत्य + एक (B) प्रति + एक

(C) प्रति + ऐक (D) प्रत्ये + एक

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1) पेज–46*

47. 'प्रत्यक्षम्' में सन्धि है– UP TGT (H)–2002

(A) गुणसन्धि (B) दीर्घसन्धि

(C) अयादिसन्धि (D) यण्सन्धि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

48. यदि इ, उ, और ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आने पर परिवर्तन क्रमशः य् व् र् में हो तो कौन-सी सन्धि होगी? UP TGT (H)–2003

(A) गुणस्वरसन्धि (B) यण्स्वरसन्धि

(C) वृद्धिस्वरसन्धि (D) अयादिस्वरसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

49. 'सु + आगतम्' में कौन-सी सन्धि है? UP TGT (H)–2005, UP PGT (H)–2005

(A) गुणसन्धि (B) अयादिसन्धि

(C) वृद्धिसन्धि (D) यण्सन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–189*

50. 'इत्यादि' शब्द का सही सन्धि-विच्छेद होगा– UP TGT (H)–2005, 2009

(A) इति + आदि (B) इत्य + आदि

(C) इति + यादि (D) इत + आदि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–186*

51. 'स्वस्त्यस्तु' का सन्धि-विच्छेद होगा– UP TGT (H)–2009

(A) स्वस्ति + अस्तु (B) स्वः + अस्त्यस्तु

(C) स्वस्त्य + अस्तु (D) स्व + सत्यस्तु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

52. 'प्रति + आरोपण' = ? UP TGT (H)–2010

(A) प्रति आरोपण (B) प्रतिरोपण

(C) प्रत्यारोपण (D) प्रत्आरोपण

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

44. (D) 45. (B) 46. (B) 47. (D) 48. (B)

53. 'अन्वेषण' का शुद्ध सन्धि-विच्छेद है–

UP PGT (H)–2004

(A) अन्वेष + ण (B) अन्वे + षण
(C) अनु + वेषण (D) अनु + एषण

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–188*

54. 'यण् सन्धि' का सम्बन्ध किस सन्धि विशेष से है?

UP PGT (H)–2004

(A) व्यञ्जनसन्धि से (B) विसर्गसन्धि से
(C) स्वरसन्धि से (D) दीर्घसन्धि से

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

55. 'व्याप्तः' में सन्धि है– UP PGT (H)–2009

(A) गुणसन्धि (B) दीर्घसन्धि
(C) अयादिसन्धि (D) यण्सन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–187*

56. 'धात्रंशः' का अर्थ है– BHU MET–2015

(A) शक्ति का अंश (B) धातु का अंश
(C) आँवला का अंश (D) ब्रह्मा का अंश

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–45*

57. 'शिश्वंग, स्मृत्यादेश' किस सूत्र के उदाहरण है?

H-TET–2015

(A) वृद्धिरादैच् (B) अदेङ्गुणः
(C) झलां जश् झशि (D) इको यणचि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–187*

58. 'किरणेष्विवाङ्कः'– AWES TGT–2012

(A) किरणो + इष्व + आङ्क (B) किरणः + इष्वेसु + वाङ्क
(C) किरणेषु + इव + अङ्कः (D) किरणे + ओष्व + अङ्कः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74. 6.1.97)-ईश्वरचन्द्र, पेज–684, 691*

59. 'इत्याख्यः'– AWES TGT–2012

(A) इत्या + आख्यः (B) इत्य + आख्यः
(C) इति + आख्यः (D) इति + याख्यः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

53. (D) 54. (C) 55. (D) 56. (D) 57. (D)
63. (A) 64. (D) 65. (B) 66. (A)

60. 'इति + अभिधानेन' = **AWES TGT–2012**

(A) इत्यभिधानेन (B) इत्याभिधानेन

(C) इतिभिधानेन (D) इतियाभिधानेन

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

61. 'देव्युवाच' = ? **AWES TGT–2010**

(A) देव + उवाच (B) देवी + उवाच

(C) देव्य + उवाच (D) देव्यु + उवाच

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–186*

62. 'मात्रनुमतिः' = ? **AWES TGT–2008**

(A) मात्र + नुमतिः (B) मातृ + अनुमतिः

(C) मातर् + अनुमतिः (D) मात्रन् + उमतिः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–189*

63. **''लाकृतिः'' इसका सन्धि विच्छेद है–**

UGC 73 J–1998

(A) लृ + आकृतिः (B) ला + आकृतिः

(C) लृ + कृतिः (D) ल + आकृतिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

64. **''पित्राकृतिः'' का शुद्ध सन्धि-विच्छेद है–**

UP PGT (H)–2009

(A) पितॄ + अकृतिः (B) पित्र + आकृतिः

(C) पित्रृ + आकृतिः (D) पितृ + आकृतिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

65. **''रीत्यनुसार'' शब्द का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?**

RLP–2015

(A) रीत + अनुसार (B) रीति + अनुसार

(C) रीत्य + अनुसार (D) रीतु + अनुसार

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–187*

66. **'लोपः शाकल्यस्य' सूत्रेण प्रतिपादितं पदम् अस्ति–**

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) हर इह (B) हरे इह

(C) हरि इह (D) हरौ इह

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–56

58. (C) **59.** (C) **60.** (A) **61.** (B) **62.** (B)

67. 'भावुकः' का सन्धि-विच्छेद है– UP TET–2014

(A) भौ + आवुकः (B) भो + वुकः

(C) भाव + उकः (D) भौ + उकः

***स्रोत**–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–49*

68. 'भावकः' पदस्य सन्धि-विच्छेद अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) भो + अकः (B) भौ + अकः

(C) भावि + अकः (D) भू + अकः

***स्रोत**–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–215*

69. 'नायकः' का सन्धि-विच्छेद है–

UP TGT–2003, UP TET–2016

(A) ना + अकः (B) ने + अकः

(C) न + अकः (D) नै + अकः

***स्रोत**–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

70. 'स्वरसन्धि' में अय् होगा– UP TGT–2004

(A) ए + अ (B) ऐ + अ

(C) ओ + अ (D) औ + अ

***स्रोत**–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

71. 'नयन' शब्द का सन्धिविच्छेद होगा– UP TGT–2004

(A) नौ + आय (B) नै + अन

(C) नो + अन (D) ने + अन

***स्रोत**–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–191*

72. 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है–

UP TGT–2001, 2005, 2009, UP TET–2014

(A) पा + अकः (B) पो + अकः

(C) पै + अकः (D) पौ + अकः

***स्रोत**–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

73. 'ओ' के उपरान्त यदि कोई स्वर आवे तो उसके स्थान पर हो जाता है– UP TGT–2009

(A) अय् (B) अव्

(C) आय् (D) आव्

***स्रोत**–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

67. (D)	**68.** (B)	**69.** (D)	**70.** (A)	**71.** (D)
77. (B)	**78.** (C)	**79.** (B)	**80.** (A)	

74. 'वान्तो यि प्रत्यये' का उदाहरण है–
UP GDC–2008, BHU MET–2015

(A) नायकः (B) नाव्यम्
(C) पावकः (D) विष्णवे

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

75. 'गव्यम्, नाव्यम्' यह पद किस सूत्र से निष्पन्न होंगे?
H-TET–2015

(A) अचो यत् (B) एचोऽयवायावः
(C) अध्वपरिमाणे च (D) वान्तो यि प्रत्यये

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–41*

76. निम्नलिखित में से अच् सन्धि का उदाहरण है–
UP GDC–2008

(A) तट्टीका (B) शिवोऽर्च्यः
(C) पावकः (D) विश्नः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

77. 'गवेन्द्रः' इत्यत्र कः मौलिकविच्छेदः?
BHU Sh. ET–2011

(A) गवि + इन्द्रः (B) गो + इन्द्रः
(C) गव + इन्द्रः (D) गवे + इन्द्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

78. 'गो + अग्रम्' इसका सन्धिरूप है– **UGC 73 J–1998**

(A) गवग्रम् (B) गावग्रम्
(C) गवाग्रम् (D) गोअग्रम्

स्रोत–*(i) संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–192*
(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51

79. पो + इत्रः = ? **AWES TGT–2010**

(A) पवुत्रः (B) पवित्रः
(C) पोइत्रः (D) पवीत्रः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–192*

80. 'पवित्रम्' में सन्धि-विच्छेद कीजिये? **UP TET–2016**

(A) पो + इत्रम् (B) पौ + इत्रम्
(C) पव + इत्रम् (D) पा + इत्रम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–192*

72. (D)	73. (B)	74. (B)	75. (D)	76. (C)

81. 'हरे + ए' सन्धि होकर कौन-सा शुद्ध रूप बनेगा?
BHU RET–2012

(A) हरौ (B) हरये
(C) हरए (D) हरयः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

82. 'तौ + अवदताम्' = ? AWES TGT–2013

(A) ताववदताम् (B) तौववदताम्
(C) तावरवदताम् (D) तावौवदताम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.75) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

83. 'पावन' शब्द का सन्धि-विच्छेद होगा–
DL (H)–2015

(A) पा + वन (B) पो + अन
(C) पौ + अन (D) प + वन

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–193*

84. 'पवन' शब्द में सन्धि है– UP PGT (H)–2003

(A) गुणसन्धि (B) यण्सन्धि
(C) अयादिसन्धि (D) वृद्धिसन्धि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–49*

85. यदि ए, ओ, ऐ, औ के आगे कोई भी स्वर हो तो इसके स्थान में क्रमशः अय्, अव्, आय्, आव् हो जाता है तो यह कौन सी स्वरसन्धि कहलाती है?
UP PGT (H)–2004

(A) वृद्धिस्वरसन्धि (B) अयादिस्वरसन्धि
(C) यण्स्वरसन्धि (D) दीर्घस्वरसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

86. 'विष्णवे' का सन्धि विच्छेद है– UP PGT (H)–2005

(A) विष्णु + ए (B) विष्णो + ए
(C) विष्णु + अए (D) विष्णु + अवे

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

87. 'पवन' का शुद्ध सन्धि-विच्छेद है–
UP PGT (H)–2010

(A) पो + अन (B) पव + अन्
(C) पः + अवन (D) पव + न्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

81. (B)	**82. (A)**	**83. (C)**	**84. (C)**	**85. (B)**
91. (A)	**92. (A)**	**93. (A)**	**94. (B)**	

88. 'विष्ण इह' इत्यत्र केन सूत्रेण 'य्' लोपो भवति?
BHU AET–2012

(A) लोपः शाकल्यस्य (B) रो रि
(C) हलि सर्वेषाम् (D) भो-भगो-अघो......

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

89. उभावपि इत्यत्र पदच्छेदः– **CVVET–2015**

(A) उभा + वपि (B) उभौ + अपि
(C) उभा + अपि (D) उभाव + पि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.75) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

90. अयादिसन्धि विधायकं सूत्रं वर्तते– **UP GIC–2015**

(A) एचोऽयवायावः (B) इको यणचि
(C) अनचि च (D) लोपः शाकल्यस्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–50*

91. 'वटो + ऋक्षः' = ? **AWES TGT–2008**

(A) वटवृक्षः (B) वटोर्क्षः
(C) वट ऋृक्षः (D) वटः वृक्षः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–49*

92. स्वरसन्धि का परिणाम 'ओ' होगा– **UP TGT–2003**

(A) यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'उ' या 'ऊ' हो
(B) यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' हो
(C) यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ऋ' या 'ॠ' हो
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

93. यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' आए तो होगा–
UP TGT–2003

(A) ए (B) ऐ
(C) ओ (D) औ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

94. ''प्रणम्योपविष्टः'' अत्र सन्धिरस्ति–
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) यण्सन्धिः (B) गुणसन्धिः
(C) दीर्घसन्धिः (D) वृद्धिसन्धिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6-1-84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686*

86. (B)	**87.** (A)	**88.** (A)	**89.** (B)	**90.** (A)

95. ''ब्रह्मर्षिः'' शब्द में सन्धि है– UP TET–2014

(A) दीर्घसन्धि (B) अयादिसन्धि

(C) गुणसन्धि (D) हल्सन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–185*

96. 'तथेति' का सन्धि-विच्छेद होगा– UP TGT–2009

(A) तथ + इति (B) तथा + तेति

(C) तथा + इति (D) तथा + इत

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–182*

97. 'हितोपदेशः' में किससे सन्धि की गई है–

UP TET–2013, 2014

(A) वृद्धिरेचि (B) झलां जश् झशि

(C) आद्गुणः (D) अकः सवर्णे दीर्घः

स्रोत–*(i) संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–185*

(ii) अष्टाध्यायी (6-1-84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686

98. स्वर सन्धि में 'अर्' होगा– UP TGT–2003

(A) यदि 'ऋ' के बाद 'अ' आये

(B) यदि 'अ' के बाद 'ॠ' आए

(C) यदि 'अ' के बाद 'उ' आए

(D) यदि 'अ' के बाद 'इ' आए

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

99. 'गङ्गोदकम्' का सन्धि-विच्छेद है–

UPTGT–2004, MP वर्ग-2 (TGT)–2011

UK TET–2011, UP TET–2016

(A) गङ्गा + उदकम् (B) गङ्गो + उदकम्

(C) गङ्ग + उदकम् (D) गङ्गा + ओदकम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

100. यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'उ' या 'ऊ' आये तो होगा–

UP TGT–2005

(A) ए (B) ऐ

(C) ओ (D) औ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

95. (C) 96. (C) 97. (C) 98. (B) 99. (A)

105. (A) 106. (B) 107. (B)

101. 'तव + लृकार' इस सन्धि के रूप होते हैं– **UGC 73 J–2009**

(A) षट् (B) त्रीणि
(C) पञ्च (D) चत्वारि

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–102*

102. निम्नलिखित में से किसमें 'आद्गुणः' सूत्र से सन्धि है? **UP GDC–2008**

(A) पावकः (B) सूर्योदयः
(C) विद्यालयः (D) इत्यादिः

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–54*
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–45

103. 'गङ्गोदकम्' इत्यत्र कः सन्धिः **UP GDC–2008**

(A) दीर्घः (B) वृद्धिः
(C) गुणः (D) यण्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

104. 'नागेन्द्रः' में कौन-सी सन्धि है? **BHU MET–2010**

(A) वृद्धिसन्धि (B) गुणसन्धि
(C) यण्सन्धि (D) दीर्घसन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–182*

105. कृष्णर्द्धिः इत्यत्र? **CVVET–2015**

(A) गुणसन्धिः (B) वृद्धिसन्धिः
(C) यणादेशः (D) पररूपम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

106. गुणसन्धि किस उदाहरण में है– **BHU MET–2008**

(A) हरेऽव (B) गङ्गोदकम्
(C) धावकः (D) सुध्युपास्यः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

107. गुण सन्धि कहाँ है? **BHU MET–2008**

(A) हरेऽव (B) रमेशः
(C) नायकः (D) सुध्युपास्यः

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–47*
(ii) अष्टाध्यायी (6.1.84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686

100. (C)	101. (D)	102. (B)	103. (C)	104. (B)

108. 'उपेन्द्रः' में कौन-सी सन्धि है?

BHU MET–2008, 2015

(A) गुणसन्धि (B) हल्सन्धि

(C) विसर्गसन्धि (D) वृद्धिसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

109. गुणसन्धि विधायक सूत्र है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) आद्गुणः (B) अदेङ्गुणः

(C) एङि पररूपम् (D) अचोऽन्त्यादि टि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686*

110. 'रमेशः' में सन्धि है– UGC 73 J–1999

(A) वृद्धि (B) पूर्वरूप

(C) गुण (D) यण्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

111. 'गणेशः' इत्यत्र केन सूत्रेण गुणो भवति–

BHU AET–2012

(A) अदेङ्गुणः (B) आद्गुणः

(C) अतोगुणे (D) मिदेर्गुणः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

112. 'उपेन्द्रः' का सन्धि-विच्छेद है– UP TET–2013

(A) उप + इन्द्रः (B) उप + एन्द्रः

(C) उपा + इन्द्रः (D) उप + ऐन्द्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

113. 'उमेशः' शब्द में किस सूत्र के अनुसार सन्धि की गयी है?

UP TET–2013

(A) इको यणचि (B) आद् गुणः

(C) खरि च (D) तोर्लि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1) - पेज–54*

114. 'चन्द्रोज्ज्वलाः' इति पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति–

C-TET–2011

(A) चन्द्र + उत् + ज्ज्वलाः (B) चन्द्र + उज्ज्वलाः

(C) चन्द्रो + उज्ज्वलाः (D) चन्द्र + ओज्ज्वलाः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.86) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686*

108. (A) 109. (A) 110. (C) 111. (B) 112. (A)
118. (D) 119. (A) 120. (C) 121. (C)

115. 'ग्रीष्म + ऋतौ' = पद होगा– AWES TET–2011

(A) ग्रीष्मृतै (B) ग्रीष्मर्तौ

(C) ग्रीष्मरतौ (D) ग्रीष्मरुतौ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

116. 'वार्षिकोत्सवः' पद होगा– AWES TET–2011

(A) वार्षिक + ओत्सवः (B) वार्षिक + उत्सवः

(C) वार्षिक् + ओत्सवः (D) वार्षिक + ऊत्सवः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–184*

117. 'गङ्गा + उदकम्'– AWES TGT–2010

(A) गङोदकम् (B) गङ्गौदकम्

(C) गङ्गोदकम् (D) गङ्गुदकम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

118. निम्नलिखित में से किस शब्द में 'गुणसन्धि' है? UP PCS–2015

(A) हिमालयः (B) इत्यादिः

(C) तल्लीनः (D) देवेन्द्रः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–182*

119. 'नरेशः' में कौन सन्धि है? BHU MET–2012

(A) गुण (B) वृद्धि

(C) दीर्घ (D) प्रकृतिभाव

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–182*

120. 'ग्रीष्म + ऋतुः' में सन्धि होने पर क्या शब्द बनता है? UP TGT–2013

(A) ग्रीष्मृतुः (B) ग्रीष्मरतुः

(C) ग्रीष्मर्तुः (D) उपर्युक्त में कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

121. व्यञ्जनसन्धि का उदाहरण नहीं है– UP TGT (H)–2009

(A) उत् + चारणम् = उच्चारणम्

(B) रामस् + टीकते = रामष्टीकते

(C) गङ्गा + उदकम् = गङ्गोदकम्

(D) सत् + चित् = सच्चित्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

113. (B) 114. (B) 115. (B) 116. (B) 117. (C)

122. यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' आए तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं। यह स्वरसन्धि कहलाती है? **UP PGT (H)–2002**

(A) दीर्घस्वरसन्धि (B) वृद्धिस्वरसन्धि
(C) गुणस्वरसन्धि (D) अयादिस्वरसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

123. 'नवोढा' का सन्धिविच्छेद है– **UP PGT (H)–2004**

(A) नव + उढा (B) नवो + ढा
(C) नव + ऊढा (D) न + ओढा

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–183*

124. 'यथेप्सितम्' = ? **AWES TGT–2010**

(A) यथा + ईप्सितम् (B) यथा + एप्सितम्
(C) यथा + ऐप्तिसतम् (D) यथा + इप्सितम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–182*

125. 'यथेष्टम्' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः करणीयः? **REET–2016**

(A) यथेष्ट + अम् (B) यथा + इष्टम्
(C) यथा + एष्टम् (D) यथेष् + टम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–182*

126. 'पश्य + उपरि' = ? **AWES TGT–2009**

(A) पश्युपरि (B) पश्योपरि
(C) पश्यउपरि (D) पश्यूपरि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

127. 'ब्रह्मर्षिः' = **AWES TGT–2008**

(A) ब्रह्म् + ऋषिः (B) ब्रह्म + ऋषिः
(C) ब्रह्मा + ऋृषिः (D) ब्रह्मः + ऋषिः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–185*

128. 'वर्षा + ऋतुः' = ? **AWES TGT–2010**

(A) वर्षार्तुः (B) वर्षतुः
(C) वर्षर्तुः (D) वर्षातुः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

122. (C) **123.** (C) **124.** (A) **125.** (B) **126.** (B)
132. (A) **133.** (B) **134.** (C)

129. 'देवेन्द्रः' इस पद में किस सूत्र से सन्धि हुई है?
UGC 73 D–2015

(A) आद् गुणः (B) अदेङ्गुणः
(C) ह्रस्वस्य गुणः (D) सार्वधातुकार्धधातुकयोः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–686*

130. 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आए तो दोनों के स्थान पर 'ऐ' होने की सन्धि है– UP PGT–2010

(A) गुण (B) वृद्धि
(C) दीर्घ (D) पररूप

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

131. वृद्धिसन्धि विधायक सूत्र है– UP TGT–1999

(A) वृद्धिरेचि (B) वृद्धिरादैच्
(C) एङः पदान्तादति (D) एङि पररूपम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

132. (i) 'प्राच्छीति' अत्र सन्धिः अस्ति– MP वर्ग-I (PGT)–2012
(ii) 'प्राच्छीति' इत्यत्र कः सन्धिः–RPSC ग्रेड-III–2013
(iii) 'प्राच्छीति' में सन्धि है– BHU Sh. ET–2013

(A) वृद्धिसन्धिः (B) गुणसन्धिः
(C) दीर्घसन्धिः (D) पूर्वरूपसन्धिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

133. यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आये तो होगा–
UP TGT–2004

(A) ए (B) ऐ
(C) ओ (D) औ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

134. 'मतैक्यम्' में निम्न सूत्र से सन्धि कार्य होता है–
UP TGT–2004

(A) अदेङ्गुणः (B) वृद्धिरादैच्
(C) वृद्धिरेचि (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–189*

127. (B) 128. (C) 129. (A) 130. (B) 131. (A)

135. 'प्राच्र्छति' का सन्धि-विच्छेद है– UP TGT–2005

(A) प्रा + ऋच्छति (B) प्रर + ऋच्छति

(C) प्र + ऋच्छति (D) प्राच्र्छ + ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

136. 'महौषधिः' में सन्धि है– BHU MET–2010

(A) गुण (B) वृद्धि

(C) दीर्घ (D) विसर्ग

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–54*

137. 'अक्ष + ऊहिनी' सन्धि में इसका रूप होता है–
UGC 25 J–1999, UGC 73 D–1999

(A) अक्षोहिनी (B) अक्षौहिनी

(C) अक्षैहिणी (D) अक्षौहिणी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

138. 'वृद्धिसन्धि' किस उदाहरण में है?
BHU MET–2008, 2011

(A) रमेशः (B) पावकः

(C) उत्थानम् (D) देवैश्वर्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–53*

139. वृद्धिसन्धि कहाँ है? BHU MET–2008

(A) रमेशः (B) पावकः

(C) उत्थानम् (D) गङ्गौघः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

140. (i) 'प्र + ऋच्छति' इत्यत्र किं कार्यं भवति?
(ii) 'प्र + ऋच्छति' = प्राच्र्छति इत्यत्र कः सन्धिः?
BHU AET–2012, JNU MET–2015

(A) गुणः (B) पररूपम्

(C) प्रकृतिभावः (D) वृद्धिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

141. 'महौषधिः'–सन्धिविच्छेद होगा–AWES TGT–2011

(A) मह + औषधिः (B) महो + औषधिः

(C) महा + ओषधिः (D) महो + ओषधिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–54*

135. (C) **136.** (B) **137.** (D) **138.** (D) **139.** (D)
145. (B) **146.** (B) **147.** (A) **148.** (C)

142. 'मम + ऐश्वर्यम्' AWES TGT–2010

(A) ममोश्वर्यम् (B) मम ऐश्वर्यम्

(C) ममैश्वर्यम् (D) ममौश्वर्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.85) - ईश्वरचन्द्र, पेज–687*

143. 'सदैव' शब्द में कौन-सी सन्धि है? UP PCS–2012

(A) यण्सन्धि (B) व्यञ्जनसन्धि

(C) वृद्धिसन्धि (D) गुणसन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–190*

144. 'सुख + ऋतः' में सन्धि होने पर क्या शब्द बनता है? UP TGT–2013

(A) सुखार्तः (B) सुखर्तः

(C) सुखरतः (D) सुखारतः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

145. 'कृष्णैकत्वम्' शब्द में सन्धि है– UP PGT (H)–2009

(A) गुणसन्धि (B) वृद्धिसन्धि

(C) अयादिसन्धि (D) दीर्घसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

146. उद्योगेनैव इत्यत्र कः सन्धिः अस्ति? REET–2016

(A) गुणसन्धिः (B) वृद्धिसन्धिः

(C) यण्सन्धिः (D) पररूपसन्धिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.85) - ईश्वरचन्द्र, पेज–687*

147. 'धर्म + औत्सुक्यम्' = ? AWES TGT–2010

(A) धर्मौत्सुक्यम् (B) धर्मोत्सुक्यम्

(C) धर्मोउत्सुक्यम् (D) धर्मातसुक्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.85) - ईश्वरचन्द्र, पेज–687*

148. 'सैषा' = ? AWES TGT–2009

(A) सः + एषा (B) स + एषा

(C) सा + एषा (D) सो + एषा

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216*

140. (D) 141. (C) 142. (C) 143. (C) 144. (A)

149. 'स्वैरिणी' = ? **AWES TGT–2008**

(A) स्वैर + इनि (B) स्व + एरिणी

(C) स्व + ईरिणी (D) स्व + ऐरिणी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–47*

150. 'कृष्णैकत्वम्' शब्द किस सूत्र का उदाहरण है? **H TET–2014**

(A) वृद्धिरेचि (B) उरण्रपरः

(C) अदेङ्गुणः (D) एङि पररूपम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

151. 'प्रौढः' पदे सन्धिविच्छेदः भवति? **G GIC–2015, JNU M.Phil/Ph. D–2015**

(A) प्र + ओढः (B) प्र + औढः

(C) प्र + ऊढः (D) प्रौ + ढः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

152. 'तथा + एव = तथैव' इत्यत्र कः सन्धिः? **BHU BEd–2015**

(A) गुणः (B) वृद्धिः

(C) यण्ः (D) दीर्घः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–190*

153. 'प्रष्ठौहः' पद किस सूत्र का उदाहरण है? H TET–2015

(A) प्रादूहोढोढ्येषैष्येषु (B) एत्येधत्यूठ्सु

(C) वृद्धिरेचि (D) वृद्धिरादैच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–59*

154. 'तथैव' शब्द का सन्धि-विच्छेद है– UP TET–2016

(A) तथ + एव (B) तथे + एव

(C) तथा + ऐव (D) तथा + एव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–59*

155. 'दैत्य + अरिः' में कौन-सी सन्धि है? UP PGT–2003

(A) गुणसन्धि (B) दीर्घसन्धि

(C) वृद्धिसन्धि (D) अयादिसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–46*

149. (C) 150. (A) 151. (C) 152. (B) 153. (B)
159. (D) 160. (A) 161. (D)

156. 'सतीव' अत्र विच्छेदः भवति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) सत् + इव (B) सती + इव

(C) सति + इव (D) सत + इव

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–180*

157. 'भानूदयः' में कौन-सी सन्धि है?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) गुण (B) यण्

(C) दीर्घ (D) वृद्धि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–67*

158. 'उत्तर + अचलः' अत्र सन्धिः कार्यः –

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) उत्तराचलः (B) उत्तरोचलः

(C) उत्तरेचलः (D) उत्तरचलः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

159. 'यच्छलेनाभ्युपेतम्' अस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति–

MP TET–2011

(A) यच्छले + नाभ्युपेतम् (B) यच्छलेना + भ्युपेतम्

(C) यच्छल + इनाभ्युपेतम् (D) यच्छलेन + अभ्युपेतम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

160. 'ग्रामस्यार्थे' इति पदे कः सन्धिः अस्ति–

MP TET–2011

(A) दीर्घसन्धिः (B) गुणसन्धिः

(C) व्यञ्जनसन्धिः (D) विसर्गसन्धिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

161. 'हरीशः' अत्र सन्धिः अस्ति– **MP वर्ग-I (PGT)–2012**

(A) गुणसन्धिः (B) यण्सन्धिः

(C) वृद्धिसन्धिः (D) दीर्घसन्धिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–67*

154. (D) 155. (B) 156. (B) 157. (C) 158. (A)

162. कस्मिन् पदे दीर्घसन्धिः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, C–TET–2013

(A) नास्ति (B) चैव

(C) पावकः (D) रमेशः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

163. 'अति + इव = अतीव' में सन्धि का नियम है–

UP TGT–2004

(A) इको यणचि (B) अकः सवर्णे दीर्घः

(C) वृद्धिरादैच् (D) सर्वत्र विभाषा गोः

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–46*

(ii) संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–180

164. 'होतृ + ऋकारः' में कौन-सी सन्धि है? UP TGT–2010

(A) वृद्धि (B) गुण

(C) दीर्घ (D) यण्

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–46

165. 'दीपावलिः' का सन्धि-विच्छेद होगा–

UP TGT–2010

(A) दीपा + वलिः (B) दीपा + अवलिः

(C) दीप + अवलिः (D) दीप + वलिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

166. 'हिमालयः' में कौन-सी सन्धि है? BHU MET–2010

(A) गुणसन्धि (B) यण्सन्धि

(C) दीर्घसन्धि (D) वृद्धिसन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–180*

167. 'धीशः' पद में सन्धि है? UP TET–2016

(A) दीर्घसन्धि (B) गुणसन्धि

(C) वृद्धिसन्धि (D) अयादिसन्धि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–66-67*

168. 'श्रीशः' इत्यत्र कः सन्धिः? BHU B.Ed–2011

(A) वृद्धिः (B) विसर्गः

(C) दीर्घः (D) गुणः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–67*

162. (A) 163. (B) 164. (C) 165. (C) 166. (C)

172. (C) 173. (C) 174. (B) 175. (B)

169. 'रमा + आगच्छति' इत्यत्र कः सन्धिः भवति?
DSSSB PGT–2014
(A) सवर्णदीर्घः (B) पूर्वरूपम्
(C) पररूपम् (D) प्रतिमुखसन्धिः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

170. 'रक्षार्थम्' का सन्धिविच्छेद पद होगा–
AWES TGT–2011
(A) रक्ष् + अर्थम् (B) रक्ष + अर्थम्
(C) रक्षा + अर्थम् (D) रक्षा + आर्थम्
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–179*

171. 'लक्ष्मी + ईश्वरः' = ? **AWES TGT–2010**
(A) लक्ष्मिश्वरः (B) लक्ष्मीश्वरः
(C) लक्ष्मवेश्वरः (D) लक्ष्मेश्वरः
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–180*

172. 'परार्द्धसङ्ख्या' = ? **AWES TGT–2010**
(A) परः + आर्द्धसङ्ख्या (B) पर + अर्धसङ्ख्या
(C) परा + अर्द्धसङ्ख्या (D) परा + आर्द्धसङ्ख्या
स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

173. 'कल्पान्त' शब्द में कौन-सी सन्धि है? **DL (H)–2015**
(A) गुणसन्धि (B) यण्सन्धि
(C) दीर्घसन्धि (D) व्यञ्जनसन्धि
स्रोत–*संस्कृतङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–177*

174. 'अन्यान्य' शब्द का सन्धि–विच्छेद होगा–
UP TGT (H)–2005
(A) अ + न्यान्य (B) अन्य + अन्य
(C) अन् + यान्य (D) अन्या + आन्य
स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

175. 'दैत्य + अरिः = दैत्यारिः' एक उदाहरण है–
UP TGT (H)–2010
(A) व्यञ्जनसन्धि का (B) स्वरसन्धि का
(C) विसर्गसन्धि का (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–46*

167. (A) **168.** (C) **169.** (A) **170.** (C) **171.** (B)

176. 'दैत्यारि' में कौन सी सन्धि है? **UP TET–2016**

(A) स्वरसन्धि	(B) व्यञ्जनसन्धि
(C) विसर्गसन्धि	(D) पूर्वरूपसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–46*

177. 'अकः सवर्णे दीर्घः' सूत्र है– **UP TGT–2001**

(A) स्वरसन्धि का	(B) व्यञ्जनसन्धि का
(C) विसर्गसन्धि का	(D) प्रकृतिभावसन्धि का

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

178. 'अकः सवर्णे दीर्घः' सूत्र के उदाहरणों में लृवर्ण का उदाहरण नहीं है। इसका क्या कारण है? **UP GDC–2008**

(A) उदाहरण देने की आवश्यकता नहीं समझी गयी
(B) इस पर ध्यान ही नहीं गया
(C) यह उदाहरण देने वाले के अज्ञान का सूचक है
(D) लृकार का दीर्घ नहीं होता।

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–66*

179. 'प्रहरीव' अत्र सन्धिविच्छेदं कुरुत– **REET–2016**

(A) प्रहरी + इव	(B) प्रहर + इव
(C) प्रह + रीव	(D) प्र + हरीव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–73*

180. पर्वतारोहणम्– **AWES TGT–2012**

(A) पर्वत + आरोहणम्	(B) पर्वत् + आरोहणम्
(C) पर्वता + आरोहणम्	(D) पर्वता + अरोहणम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

181. उत्कीर्णा + आलेखाः = **AWES TGT–2012**

(A) उत्कीर्णालेखाः	(B) उत्कीर्णश्चलेखाः
(C) उत्कीर्णोलेखाः	(D) उत्कीर्णेलेखाः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

182. निमज्जति + इन्दोः = **AWES TGT–2012**

(A) निमज्जतिन्दोः	(B) निमज्जतीन्दोः
(C) निमज्जतइन्दोः	(D) निमज्जितीन्दोः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

176. (A) **177.** (A) **178.** (D) **179.** (A) **180.** (A)
186. (B) **187.** (A) **188.** (D) **189.** (D)

183. 'लघूर्मि' में कौन सी सन्धि है– **UP TET–2016**

(A) अयादि स्वरसन्धि (B) दीर्घ स्वरसन्धि

(C) वृद्धि स्वरसन्धि (D) यण् स्वरसन्धि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216*

184. तस्य + आवासम् + एव = ? **AWES TGT–2012**

(A) तस्याआवासमेव (B) तस्यावासामेव

(C) तस्यावासमेव (D) तस्यावासमिव

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–691*

185. भूर्ध्वम् = ? **AWES TGT–2010**

(A) भू + उर्ध्वम् (B) भू + ऊर्ध्वम्

(C) भूध् + उर्ध्वम् (D) भु + उर्ध्वम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–181*

186. क्षितीशः ? **AWES TGT–2010**

(A) क्षिती + इशाः (B) क्षिति + ईशः

(C) क्षित + ईशः (D) क्षिति + इशः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–180*

187. 'होतृकारः' इस शब्द की सिद्धि करने वाला सूत्र है– **HR TET–2014**

(A) अकः सवर्णे दीर्घः (B) अन्तादिवच्च

(C) ङिच्च (D) निपात एकाजनाङ्

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–46*

(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216

188. 'महतीयं' का पदच्छेद है? **H-TET–2015**

(A) महत् + ईयं (B) महति + ईयं

(C) महती + यं (D) महती + इयं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–74*

189. कौन सा दीर्घसन्धि का उदाहरण नहीं है? **H-TET–2015**

(A) साधूक्तम् (B) सत्यार्थः

(C) होतृकारः (D) पित्रादेशः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.74) - ईश्वरचन्द्र, पेज–684*

181. (A) **182. (B)** **183. (B)** **184. (C)** **185. (B)**

190. 'पररूप' विधायक सूत्र है– UGC 73 D–2012

(A) उपसर्जनं पूर्वम् (B) एङि पररूपम्

(C) अतोरोरप्लुतादप्लुते (D) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

191. पररूपसन्धेः उदाहरणमस्ति– UP GDC–2012, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, G GIC–2015, UP GIC–2015

(A) प्रेजते (B) प्राच्र्छति

(C) उपैति (D) उपैधते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

192. 'प्रेजते' में सन्धि है– UGC 73 D–1992, 1996

(A) पररूपसन्धि (B) पूर्वरूपसन्धि

(C) यण्सन्धि (D) गुणसन्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

193. 'शिवेहि' में सन्धि-विच्छेद होगा– UP GIC–2009

(A) शिव + एहि (B) शिव + ऐहि

(C) शिवे + एहि (D) शिव + आ + इहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–65*

194. 'मनीषा' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, BHU Sh. ET–2008

(A) मन + ईषा (B) मनसः + ईषा

(C) मनस्य + ईषा (D) मनस् + ईषा

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

195. 'मनीषा' मे सन्धि होगी– UP TGT–1999, UGC 73 J–1991

(A) पररूप (B) प्रकृतिभाव

(C) पूर्वरूप (D) दीर्घ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

196. अधोलिखितेषु पररूपसन्धेः रूपमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) एतावागतौ (B) नवोढा

(C) दध्यत्र (D) मनीषा

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

190. (B) 191. (A) 192. (A) 193. (D) 194. (D)

200. (C) 201. (D) 202. (A) 203. (B)

197. 'हलीषा' इत्यत्र पररूपसन्धौ विच्छेदोऽस्ति–
BHU AET–2011
(A) हलस् + ईषा (B) हल + ईषा
(C) हल् + ईष (D) हलि + ईषा
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1), पेज–69*

198. पररूप एकादेश विधायक सूत्र है– UGC 73 D–2013
(A) एङ् ह्रस्वात्सम्बुद्धेः (B) एङः पदान्तादति
(C) एङि पररूपम् (D) अवङ् स्फोटायनस्य
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

199. 'उप + ओषति' इत्यत्र सन्धिकृते कं कार्यं भवति?
BHU AET–2012
(A) गुणः (B) पररूपम्
(C) वृद्धिः (D) पूर्वरूपम्
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

200. 'शिवेहि' इत्यत्र पररूपमेकादेशः सूत्रेण भवति–
UGC 73 D–2014
(A) एङि पररूपम् (B) एङः पदान्तादति
(C) ओमाङोश्च (D) अव्यक्तानुकरणस्यात इतौ
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1), पेज–71*

201. 'उपोषति' पद में पररूप एकादेश किस सूत्र से होता है?
UGC 73 J–2015
(A) ओमाङोश्च (B) एङः पदान्तादति
(C) अव्यक्तानुकरणस्य तु वा (D) एङि पररूपम्
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–49*

202. 'सकलोऽपि' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः करणीयः–
REET–2016
(A) सकलो + अपि (B) सकल + अपि
(C) सकलः + अपि (D) सकलो + पि
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1), पेज–74-75*

203. 'एङः पदान्तादति' इति सूत्रेण कः सन्धिः विधीयते?
JNU MET–2014
(A) अयादिः (B) पूर्वरूपम्
(C) पररूपम् (D) प्रकृतिभावः
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

195. (A) 196. (D) 197. (B) 198. (C) 199. (B)

204. 'एङः पदान्तादति' इस सूत्र का उदाहरण है–

UGC 73 S–2013, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) हरी एतौ (B) गवाग्रम्

(C) हरेऽव (D) ग्रोग्रम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

205. 'संसारेऽधुना' इत्यत्र सन्धिसूत्रम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) एङि पररूपम् (B) एङः पदान्तादति

(C) शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम् (D) एत्येधत्यूठ्सु

स्रोत– *(i) संस्कृतगङ्गा व्याकरणम्-सर्वज्ञभूषणः, पेज–194*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1), पेज–75

206. 'गो + अग्रम्' सन्धि करने पर कितने रूप होते हैं?

(i) गोअग्रम् (ii) गोऽग्रम् (iii) गवाग्रम्

UGC 73 J–2010

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

207. 'हरेऽव' इत्यत्र किं कार्यं भवति? BHU Sh. ET–2008

(A) पूर्वरूपम् (B) पररूपम्

(C) सवर्णदीर्घः (D) यण्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

208. एतेषु पररूपस्य किमुदाहरणम्? BHU Sh.ET–2013

(A) दैत्यारिः (B) हरेऽव

(C) प्रार्च्छति (D) मार्तण्डः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–193*

209. पूर्वरूपस्य उदाहरणमस्ति– UP GDC–2014

(A) गो अग्रम् (B) उपोषति

(C) रामोऽस्ति (D) गङ्गौघः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या खण्ड–1), पेज–75*

204. (C) 205. (B) 206. (A) 207. (A) 208. (D)

214. (A) 215. (B) 216. (A)

210. (i) 'हरेऽव' इत्यस्य सन्धिविधायकं सूत्रमस्ति–
(ii) 'हरेऽव' सन्धौ सूत्रं प्रयुक्तमस्ति–
DL–2015, UP GIC–2015

(A) एङः पदान्तादति (B) एङि पररूपम्
(C) एचोऽयवायावः (D) अवङ् स्फोटायनस्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

211. 'वृक्षेऽस्मिन्' पद में सन्धि है– **H-TET–2015**

(A) पररूप (B) पूर्वरूप
(C) प्रकृतिभाव (D) जश्त्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या खण्ड–1), पेज–75*

212. चित्रेऽस्मिन् **AWES TGT–2012**

(A) चित्रे + अस्मिन् (B) चित्रो + स्मिन्
(C) चित्र + ओस्मिन् (D) चित्र् + अस्मिन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या खण्ड–1), पेज–75*

213. प्रकृतिभावशब्दस्य कोऽर्थः? **BHU Sh.ET–2011**

(A) सन्ध्यभावः (B) विसर्गाभावः
(C) हल्-अभावः (D) स्वरसन्धिभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–73*

214. 'लते + एते' – यहाँ पर सन्धि करने पर रूप होता है–
UGC 73 J–2010

(A) लते एते (B) लतयैते
(C) लता एते (D) लतैते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13-14*

215. 'इ + इन्द्रः' में सन्धि है– **BHU MET–2014**

(A) दीर्घ (B) प्रकृतिभाव
(C) विसर्गसन्धि (D) गुण

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.12) - ईश्वरचन्द्र, पेज–14-15*

216. 'हरी एतौ' इत्यत्र कः सन्धिः? **BHU Sh.ET–2008**

(A) अच् (B) हल्
(C) विसर्गः (D)स्वादिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

209. (C) 210. (A) 211. (B) 212. (A) 213. (A)

217. हरी + इह अत्र सन्धौ कृते –　　CVVET–2015

(A) हरीह　　(B) हरियह

(C) हरी इह　　(D) हरयिह

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

218. 'हरी + एतौ' इत्यत्र सन्धौ किं रूपम्?

BHU Sh.ET–2013

(A) हर्येतौ　　(B) हरयेतौ

(C) हरी एतौ　　(D) हरेतौ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

219. 'हरी + एतौ' इत्यत्र कः सन्धिः? BHU AET–2012

(A) प्रकृतिभावः　　(B) अच्सन्धिः

(C) हल्सन्धिः　　(D) विसर्गसन्धिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–51*

220. प्रकृतिभाव का उदाहरण है–　　UGC–73 J–2005

(A) सुध्युपास्यः　　(B) प्रार्च्छति

(C) हरेऽव　　(D) अमी ईशाः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.12) - गोविन्दाचार्य, पेज–74*

221. 'गङ्गे अमू, विष्णू इमौ' पदो की सिद्धि करने वाला सूत्र है?　　H-TET–2015

(A) निपात एकाजनाङ्　　(B) ओत्

(C) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्　　(D) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.11) - गोविन्दाचार्य, पेज–73*

222. जश्त्वसन्धेः सूत्रमस्ति–　　UGC 25 D–2000

(A) झलां जशोऽन्ते　　(B) खरि च

(C) शश्छोऽटि　　(D) तोर्लि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

223. 'समुद्धर्ता' का विग्रह है–　　UP PGT–2010

(A) समुद् + धर्ता　　(B) समुद् + हर्ता

(C) समुत् + धर्ता　　(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–117*

217. (C)　218. (C)　219. (A)　220. (D)　221. (C)
227. (C)　228. (C)　229. (C)

224. (i) 'समिदाधानम्' का विग्रह होगा
(ii) 'समिदाधानम्' पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, UP PGT–2010
UK TET–2011
(A) समित् + आधानम् (B) समिद् + आधानम्
(C) समिथ् + आधानम् (D) समिध् + आधानम्
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–106*

225. 'कान + कान्' अत्र सन्धिः अस्ति–
MP वर्ग-I (PGT)–2012
(A) काँस्कान् (B) कान्कान्
(C) कास्कान् (D) काकान्
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–139*

226. (i) 'विद्वान् + लिखति' इत्यस्य सन्धौ भवति
(ii) विद्वान् + लिखति में सन्धि होगी–
UP GIC–2009, BHU AET–2011, DL–2015
(A) विद्वाल्लिखति (B) विद्वान्निखति
(C) विद्वाल्लिँखति (D) विद्वाल्ँलिखित
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

227. 'यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा' सूत्र का उदाहरण है?
H-TET–2015
(A) महाँल्लाभ (B) विद्वाँल्लिखति
(C) एतन्मुरारि (D) उल्लास
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

228. 'हरिस् + शेते' में सन्धि होने पर कौन-सा रूप बनेगा–
UP TGT–1999
(A) हरिशयते (B) हरिण्शेते
(C) हरिश्शेते (D) हरिशेते
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

229. निम्नलिखित किस स्थिति में 'ष्टुना ष्टुः' सूत्र प्रयुक्त होगा?
UP TGT–1999
(A) आ + उष्णम् (B) रामस् + चिनोति
(C) तत् + टीका (D) वाक् + हरिः
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–53*

222. (A) 223. (B) 224. (D) 225. (A) 226. (C)

230. ''सन् + षष्ठः = सन्षष्ठः'' इस उदाहरण में किस सूत्र का नियम प्रयुक्त होगा? UP TGT–1999

(A) शात् (B) शश्छोऽटि
(C) तोः षि (D) न पदान्ताट्टोरनाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–53*

231. ''एतत् + मुरारिः = एतन्मुरारिः' सन्धि में किस सूत्र की प्रवृत्ति है? UP TGT–1999

(A) मोऽनुस्वारः (B) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा
(C) न पदान्ताट्टोरनाम् (D) तोर्लि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

232. 'रामश्चलति' उदाहरण है– UP TGT–2001

(A) यण्सन्धि का (B) गुणसन्धि का
(C) हल्सन्धि का (D) दीर्घसन्धि का

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

233. (i) 'तट्टीका' इस सूत्र का उदाहरण है–
(ii) 'तट्टीका' शब्द किस सूत्र से बना है?
UPTGT–2001, MP वर्ग-2 (TGT)–2011, H-TET–2014

(A) स्तोः श्चुना श्चुः (B) एङि पररूपम्
(C) ष्टुना ष्टुः (D) झलां जशोऽन्ते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–53*

234. 'अजन्तः' का सन्धि-विच्छेद है– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011, AWES TGT–2009

(A) अज + अन्तः (B) अ + जन्तः
(C) अच् + अन्तः (D) अजा + अन्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–106*

235. 'ग्रामाच्चलितः' पदस्य सन्धि-विच्छेदः भवेत्–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) ग्रामान् + चलितः (B) ग्रामाद् + चलितः
(C) ग्रामात् + चलितः (D) ग्रामाज + चलितः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–100*

230. (C) **231.** (B) **232.** (C) **233.** (C) **234.** (C)
240. (B) **241.** (D)

236. 'शिवच्छाया' पदस्य विच्छेदः भवेत्–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) शिवद् + छाया (B) शिव + छाया

(C) शिवत् + छाया (D) शिवज् + छाया

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–59*

237. 'शात्' सूत्रेण निष्पादितं पदम्–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) प्रश्नः (B) सन्षष्ठः

(C) वागीशः (D) निकृष्टः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–53*

238. 'कुण्ठितः' अस्मिन् पदे सन्धिः वर्तते–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) स्वरसन्धिः (B) विसर्गसन्धिः

(C) व्यञ्जनसन्धिः (D) दीर्घसन्धिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–121*

239. हल्सन्धेः उदाहरणमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**

(A) दावाग्निः (B) चेद्वायौ

(C) ह्युत्तमानाम् (D) कल्पान्तेऽस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8/2/39)*

240. 'हरि + रम्यः' इत्यस्य सन्धिपदमस्ति?

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) हरि रम्यः (B) हरी रम्यः

(C) हरिररम्यः (D) हरिर्रम्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–151*

241. 'जगदीशः' किस सूत्र से सन्धि हुई है– **UP TET–2014**

(A) तोर्लि (B) मोऽनुस्वारः

(C) खरि च (D) झलां जशोऽन्ते

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–106*

235. (C) 236. (B) 237. (A) 238. (C) 239. (B)

242. 'रामश्चिनोति' पद का सन्धिविच्छेद होता है–

UP TET–2014

(A) रामश्चिन + उति (B) राम + श्चिनोति

(C) रामश् + चिनोति (D) रामस् + चिनोति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

243. 'सच्चरितम्' पद का सन्धिविच्छेद है–

UP TET–2014

(A) सच् + चरितम् (B) सत् + चरितम्

(C) सच्च + रितम् (D) सत + चरितम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–202*

244. 'कतिचिज्जनाः' पदस्य सन्धिविच्छेदः स्यात्–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) कतिचिद् + जनाः (B) कतिचिज + जनाः

(C) कतिचित् + जनाः (D) कतिचिच् + जनाः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8/4/39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1092*

245. 'अधिष्ठाता' पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अधिः + ठाता (B) अधिष् + थाता

(C) अधिस् + ठाता (D) अधिः + थाता

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

246. 'झलां जशोऽन्ते' सूत्रस्य उदाहरणमस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) तल्लयः (B) रामष्टीकते

(C) प्रश्नः (D) वागीशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

247. अधोलिखितेषु हल्सन्धेः शुद्धरूपं नास्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) तल्लीनः (B) सुगण्णीशः

(C) वागीशः (D) प्रनश्यति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

242. (D) 243. (B) 244. (C) 245. (B) 246. (D)
252. (B) 253. (B)

248. 'स्तोः श्चुना श्चुः' के अनुसार सन्धि रूप है–

UP TGT–2003

(A) प्रश्नः (B) शिवच्छाया

(C) हरिश्शेते (D) तट्टीका

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

249. हरिस् + शेते में सन्धि किस सूत्रानुसार होगी?

UP TET–2016

(A) स्तोः श्चुना श्चुः (B) ष्टुना ष्टुः

(C) झलां जश् झशि (D) झलां जशोऽन्ते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

250. 'कस्मिंश्चित्' का सन्धि-विच्छेद है– UP TGT–2004

(A) कस्मिन् + चित (B) कस्मिन् + चित्

(C) कस्मि + चित् (D) कस्मिनः + श्चितन्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–197*

251. 'झलां जश् झशि' के अनुसार सन्धि रूप है–

UP TGT–2004

(A) तट्टीका (B) षण्मुखः

(C) सच्चित् (D) युद्धम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–217*

252. 'पुम् + कोकिलः' की सन्धि होगी–

UP TGT–2005, AWES TGT–2008

(A) पुस्कोकिलः (B) पुंस्कोकिलः

(C) पुङ्कोकिलः (D) पुंकोकिलः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–135*

253. 'रामश्चिनोति' में निम्नसूत्र से सन्धि कार्य होता है–

UP TGT–2005

(A) ष्टुना ष्टुः (B) स्तोः श्चुना श्चुः

(C) खरि च (D) झलां जशोऽन्ते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

247. (D) 248. (C) 249. (A) 250. (B) 251. (D)

254. 'स्तोः श्चुना श्चुः' इति सूत्रस्योदाहरणं वर्तते–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) वागीशः (B) एतन्मुरारिः

(C) रामश्चिनोति (D) तल्लयः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

255. 'ष्टुना ष्टुः' के अनुसार सन्धि रूप है–

UP TGT–2005

(A) तट्टीका (B) सच्चित्

(C) विश्नः (D) वृक्षाल्लगुडम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–53*

256. 'ष्टुना ष्टुः' इति सूत्रस्योदाहरणं भवति– G-GIC–2015

(A) अजन्तः (B) रामष्षष्ठः

(C) तच्च (D) लब्धः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–217*

257. 'चक्रिण्ढौकसे' किस सूत्र का उदाहरण है?

H-TET–2015

(A) स्तो श्चुना श्चुः (B) ष्टुना ष्टुः

(C) न पदान्ताट्टोरनाम् (D) तोः षि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–198*

258. 'वाक् + ईशः = वागीशः' में सन्धि का सूत्र है–

UP TGT–2009

(A) झलां जश् झशि (B) झलां जशोऽन्ते

(C) खरि च (D) झयो होऽन्यतरस्याम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

259. 'चिन्मात्रम्' में तकार को नकार किस सूत्र से हुआ है?

UGC 73 J–2008

(A) तोर्लि (B) अणोऽप्रगृह्यस्यानुनासिकः

(C) नश्चापदान्तस्य झलि (D) प्रत्यये भाषायां नित्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–91*

254. (C) 255. (A) 256. (B) 257. (B) 258. (B)
264. (B) 265. (A)

260. ''झलां जश् झशि'' यह सूत्र किस प्रकरण में पठित है? **UGC 73 J–2007**

(A) समासप्रकरणे (B) तद्धितप्रकरणे

(C) सन्धिप्रकरणे (D) कृदन्तप्रकरणे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.52) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1097*

261. यहाँ सन्धि है– 'वाक् + हरिः' **UGC 73 D–2009**

(A) वाच्हरिः (B) वाक्हरिः

(C) वाग्घरिः (D) वाज्झरिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–55*

262. 'मृच्छकटिकम्' शब्द का सन्धिविच्छेद होगा– **UP GDC–2008**

(A) मृद् + शकटिकम् (B) मृच् + छकटिकम्

(C) मृच्छ + कटिकम् (D) मृत्श + कटिकम्

स्रोत–*मृच्छकटिकम् - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–6*

263. 'यशांसि' में सन्धि है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) अच् (B) हल्

(C) विसर्ग (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–200*

264. 'वाग् + हरिः' इत्यत्र हकारस्य पूर्वसवर्णे घकारः केन आन्तर्येण भवति? **BHU AET–2011**

(A) स्थानकृतेन (B) गुणकृतेन

(C) अर्थकृतेन (D) प्रमाणकृतेन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–117*

265. 'अहम् + लिखामि = अहलँ्लिखामि' इत्यत्र मस्यानुस्वारस्य परसवर्णे भवति केन सूत्रेण? **BHU AET–2011**

(A) वा पदान्तस्य (B) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः

(C) तोर्लि (D) उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–122*

259. (D)	**260.** (C)	**261.** (C)	**262.** (A)	**263.** (B)

266. 'जगदीशः' का सन्धिविच्छेद क्या होगा?
BHU MET–2008, UP TGT (H)–2001
(A) जगत् + ईशः (B) जगते + ईशः
(C) जगति + ईशः (D) जगती + ईशः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–106*

267. अनुनासिकसन्धेः किमुदाहरणम्? BHU Sh.ET–2008
(A) तडिल्लता (B) चिन्मयम्
(C) शिवं वन्दे (D) तच्छिवः
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

268. 'प्रत्यये भाषायां नित्यम्' अस्य वार्तिकस्य कुत्र सम्बन्धः? BHU Sh.ET–2008
(A) नद्यम्बु (B) हरेऽव
(C) चिन्मयम् (D) एतन्मुरारिः
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–54*

269. 'धनुष्टङ्कारः' इत्यत्र कः सन्धिः? BHU Sh.ET–2011
(A) गुणसन्धिः (B) ष्टुत्वसन्धिः
(C) दीर्घसन्धिः (D) पररूपसन्धिः
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–199*

270. हल्सन्धेः किमुदाहरणम्? BHU Sh.ET–2013
(A) वागीशः (B) विद्यालयः
(C) अहर्गणः (D) उपेन्द्रः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–106*

271. 'यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा' इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति? RPSC ग्रेड I (PGT)–2014
(A) वाङ्मयम् (B) उल्लेखः
(C) वागीशः (D) जगदीशः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–109*

272. एतेषु परसवर्णस्य किम् उदाहरणम्?
BHU Sh.ET–2013
(A) सम्राट् (B) सन् स
(C) शान्तः (D) सन्नच्युतः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–121*

266. (A)	**267.** (B)	**268.** (C)	**269.** (B)	**270.** (A)
276. (D)	**277.** (C)	**278.** (C)	**279.** (B)	

273. 'तल्लयः' का सन्धिविग्रह है– **UP TET–2013**

(A) तत् + लयः (B) तल् + लयः

(C) तः + लयः (D) तल्ल् + यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–110*

274. 'मृगाश्चरन्ति' इति पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति– **C-TET–2012**

(A) मृगः + चरत्ति (B) मृगाः + चरन्ति

(C) मृगाश् + चरन्ति (D) मृगा + चरन्ति

स्रोत–*नीतिशतकम् - बलवान सिंह यादव, पेज–17*

275. 'कस्मिंश्चिदरण्ये' पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति– **C-TET–2012**

(A) कस्मिश्चित् + अरण्ये (B) कस्मिंश्चित् + रण्ये

(C) कस्मिन् + चित् + अरण्ये (D) कस्मिन् + अरण्ये

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–107*

276. अत्र सन्धियुक्तं पदं किम्? **C-TET–2012**

(A) संस्कृतपाठ्यपुस्तकगतपाठान्

(B) अन्यभाषया

(C) पाठनविधौ

(D) संस्कृतच्छात्राः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–202*

277. 'तट्टीका' में सन्धि है– **UK-TET–2011**

(A) स्वरसन्धि (B) विसर्गसन्धि

(C) व्यञ्जनसन्धि (D) स्वरविसर्गसन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–198*

278. तत् + टीका = ? **AWES TGT–2008**

(A) तत्टीका (B) तटीका

(C) तट्टीका (D) तच्टीका

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–53*

279. 'महच्चित्रम्' इत्यस्मिन् केन सूत्रेण सन्धिः भवति? **UK TET–2011**

(A) तोर्लि (B) स्तोः श्चुना श्चुः

(C) खरि च (D) झलां जशोऽन्ते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216*

271. (A)	272. (C)	273. (A)	274. (B)	275. (C)

280. 'अलङ्करोति' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः किं भवति? UK-TET–2011

(A) अलङ् + करोति (B) अलम् + करोति
(C) अलं + करोति (D) अलङ्क + रोति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1099*

281. 'सम् + चयात्' = पद होगा– AWES TGT–2011

(A) सञ्चयात् (B) सञ्चयात
(C) सङ्चयात् (D) सम्चयात्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.57) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1099*

282. 'अलं + कुर्वन्ति' सन्धिपद होगा–AWES TGT–2011

(A) अलम् कुर्वन्ति (B) अलङ्कुर्वन्ति
(C) अलं कुर्वन्ति (D) अलञ्कुर्वन्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1099*

283. 'तृणञ्चरति'-सन्धिविच्छेद पद होगा– AWES TGT–2011

(A) तृणम् + चरति (B) तृणस् + चरति
(C) तृणा + चरति (D) तृणं + चरति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.5.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1090*

284. जगत् + याति = AWES TGT–2010

(A) जगतयाति (B) जगदाति
(C) जगताति (D) जगद्याति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1028*

285. निष्प्रत्यूहम् = AWES TGT–2010

(A) निष् + प्रत्युहूम् (B) निः + प्रतिहम्
(C) निः + प्रत्यूहम् (D) निस् + प्रत्यूहम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1058*

286. प्रत्ययादेव = AWES TGT–2010

(A) प्रत्ययाद् + ऐव (B) प्रत्यया + अदेव
(C) प्रत्ययात् + एव (D) प्रत्यय + अदेव

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1028-1029*

287. 'वाग्जाल' का सन्धिविच्छेद होगा– UP PCS–2013

(A) वाक् + जाल (B) वाक + जाल
(C) वाग् + जाल (D) वाग + जाल

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–201*

280. (B)	**281.** (A)	**282.** (B)	**283.** (A)	**284.** (D)
290. (C)	**291.** (C)	**292.** (C)	**293.** (B)	**294.** (D)

288. 'वाग्घरिः' पदस्य वैकल्पिकं सन्धिपदमस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) वाज्धरिः (B) वाग्हरिः

(C) वाक्धरिः (D) वाध्धरिः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1) पेज–116

289. 'तल्लीनः' शब्द का सन्धि-विच्छेद होगा–

UP PCS–2012, UP PGT (H)–2004

(A) तव + लीनः (B) तल + लीनः

(C) ततः + लीनः (D) तत् + लीनः

स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–198

290. अजादिः = ? **AWES TGT–2013**

(A) अच + आदिः (B) अज् + आदिः

(C) अच् + आदिः (D) अज + आदिः

स्रोत–अष्टाध्यायी (8.2.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1028-1029

291. यत् + अवसरे = ? **AWES TGT–2013**

(A) यत अवसरे (B) यत्वसरे

(C) यदवसरे (D) यतवसरे

स्रोत–अष्टाध्यायी (8.2.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1028-1029

292. अम् + कितानाम् = ? **AWES TGT–2013**

(A) अम् कितानाम् (B) अङ्कितानाम्

(C) अङ्क्तिानाम् (D) अङ्गमकितानम्

स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196

293. 'ष्टुना ष्टुः' इति सूत्रे 'ष्टुना' अत्र का विभक्तिः?

JNU MET–2014

(A) प्रथमा (B) तृतीया

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–अष्टाध्यायी (8.4.40) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1093

294. 'जगन्नाथः' में कौन सन्धि है?

UP TGT (H)–2013, UP PGT (H)–2004

(A) वृद्धिसन्धि (B) यण्सन्धि

(C) स्वरसन्धि (D) व्यञ्जनसन्धि

स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–198

285. (D) 286. (C) 287. (A) 288. (B) 289. (D)

295. 'शश्छोऽटि' सूत्र का उदाहरण है– H-TET–2015

(A) तच्छिव (B) तद्वानि

(C) वाग्घरि (D) समुद्धर्ता

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–198*

296. 'उद्योग' का सन्धि होगा? UP TGT (H)–2013

(A) उत् + योग (B) उद + योग

(C) उध + योग (D) उत् + अयोग

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

297. 'अनन्त' शब्द की सही सन्धि होगी–
UP TGT (H)–2001, 2004, UP PGT (H)–2002

(A) अन + अन्त (B) अन् + अन्त

(C) अ + नन्त (D) अनन् + त

298. 'भगवद्गीता' का सन्धिविच्छेद है– UP TGT (H)–2003

(A) भगवद् + गीता (B) भग + वद् + गीता

(C) भगवत् + गीता (D) भग + वद्गीता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1028*

299. 'अभिन्न' शब्द का सन्धिविच्छेद होगा–
UP TGT (H)–2004

(A) अभि + न्न (B) अ + भिन्न

(C) अभित् + न (D) अनि + न

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1094*

300. 'उज्ज्वलः' शब्द का सही सन्धिविच्छेद चुनिए–
UP TGT (H)–2005, UP PGT (H)–2013

(A) उज् + ज्वलः (B) उज्ज + वलः

(C) उत् + ज्वलः (D) उज + वलः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

301. 'उज्ज्वल' में प्रयुक्त सन्धि है– UP PGT (H)–2003

(A) गुणसन्धि (B) व्यञ्जनसन्धि

(C) विसर्गसन्धि (D) दीर्घसन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

295. (A) **296.** (A) **297.** (B) **298.** (C) **299.** (C)
305. (A) **306.** (D) **307.** (A)

302. 'हरिश्चन्द्र' में प्रयुक्त किस सन्धि का नाम सही है?
UP TGT (H)–2009

(A) स्वरसन्धि (B) व्यञ्जनसन्धि
(C) विसर्गसन्धि (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1092*

303. 'उड्डयनम्' का सन्धिविच्छेद होगा–
UP PGT (H)–2005

(A) उत् + डयनम् (B) उद् + डयनम्
(C) उड + अयनम् (D) उड् + डयनम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

304. 'उत्थानम्' इति पदस्य सन्धि– G-GIC–2015

(A) उत् + थानम् (B) उद् + स्थानम्
(C) उद् + थानम् (D) उत् + स्थानम्

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

305. 'स्तोः श्चुना श्चुः' सूत्र के अनुसार श्चुत्वसन्धि का निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण सही है?
UP PGT (H)–2005

(A) रामस् + चिनोति = रामश्चिनोति
(B) रामस् + टीकते = रामष्टीकते
(C) रामस् + षष्ठः = रामष्षष्ठः
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–52*

306. (i) 'सम् + स्कर्ता' इति स्थितौ किं रूपं न सिद्ध्यति
(ii) 'सम् + स्कर्ता' द्वारा कौन-सा सन्धिरूप नहीं बनेगा? UP GIC–2009, DL–2015

(A) सँस्स्कर्ता (B) संस्स्कर्ता
(C) संस्कर्ता (D) संर्स्कर्ता

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-1)-गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–165*

307. 'हरिं वन्दे' पद में सन्धि होती है– UP TET–2014

(A) 'मोऽनुस्वारः' से (B) 'झलां जश् झशि' से
(C) 'एचोऽयवायावः' से (D) 'अतोरोरप्लुतादप्लुते' से

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–56*

300. (C) **301.** (B) **302.** (B) **303.** (A) **304.** (B)

308. उड्डीय? **AWES TGT–2012**

(A) उड् + डीय (B) उत् + डीय

(C) उत् + डिय (D) उत + डीय

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–196*

309. गेहात् + निः + क्रान्तस्य = **AWES TGT–2012**

(A) गेहानिष्क्रान्तस्य (B) गेहाननिश्क्रान्तस्य

(C) गेहान्निष्क्रान्तस्य (D) गेहातनिक्रान्तस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.41, 8.4.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1095*

310. रामः + शेते = **AWES TGT–2010**

(A) रामशोते (B) रामच्छेते

(C) रामश्शेते (D) सन्धिः न सम्भवः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–200*

311. ''उत् + लङ्घनम्'' = ? **AWES TGT–2010**

(A) उत्लङ्घनम् (B) उल्लङ्घनम्

(C) उतलङ्घनम् (D) उल्ल्ङ्घनम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.59) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1100*

312. ''उपमानस् + टिट्टिभः'' = ? **AWES TGT–2010**

(A) उपमानष्टिट्टिभः (B) उपमानश्टि्टभः

(C) उपमानुटटि्भः (D) उपमानेष्टट्टिभः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.40) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1093*

313. ''निरञ्जनम्'' = ? **AWES TGT–2010**

(A) निर + अंजनम् (B) निः + अञ्जनम्

(C) निर् + अञजनम् (D) निः + अंञजनम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1035-1036*

314. सत्यम् + वद = ? **AWES TGT–2009**

(A) सत्यं वद (B) सत्यम्वद

(C) सत्यङ्गवद (D) सन्धिर्न सम्भवा

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–217*

315. शं + का = ? **AWES TGT–2009**

(A) शङ्का (B) शंका

(C) शँका (D) सन्धिर्न सम्भवः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–221*

308. (B) 309. (C) 310. (C) 311. (B) 312. (A) 313. (B)

319. (A) 320. (A) 321. (A) 322. (D) 323. (C)

316. याच् + ना = ? AWES TGT–2009

(A) याच्ना (B) याच्ञा

(C) याञ्चा (D) याँचा

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216

317. विपज्जालम् = ? AWES TGT–2009

(A) विपत् + जालम् (B) विपच् + जालम्

(C) विपज् + जालम् (D) विपद् + जालम्

स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–201

318. कण्ठः = ? AWES TGT–2009

(A) कं + ठः (B) कम् + ठः

(C) कन् + ठः (D) कण् + टः

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–221

319. तस्मिंस्तरौ = ? AWES TGT–2009

(A) तस्मिन् + तरौ (B) तस्मिः + तरौ

(C) तस्मिन् + स्तरौ (D) तस्मिंस् + तरौ

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–221

320. हरिम् + वन्दे = ? AWES TGT–2008

(A) हरिं वन्दे (B) हरिम्वन्दे

(C) हरिन्वन्दे (D) हरिङ्वन्दे

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–56

321. बुद्धिः = ? AWES TGT–2008

(A) बुध् + धिः (B) बुद् + दिः

(C) बुद् + द्धिः (D) बुध + द्धिः

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–217

322. शुध् + धिः = ? AWES TGT–2009

(A) शुध्धिः (B) शुध्धिः

(C) शुधिः (D) शुद्धिः

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–217

323. 'अहरहः' का विग्रह है– UP PGT–2010, UK–2011

(A) अहर् + अहः (B) अहर् +अहन्

(C) अहन् + अहः (D) अहन् +अहन्

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–63

314. (A) 315. (A) 316. (B) 317. (A) 318. (A)

324. (i) 'मनोरथः' इत्यस्य सन्धिविच्छेद अस्ति
(ii) 'मनोरथः' का सन्धि-विच्छेद होगा–
UP TGT–2001, UP GIC–2009, 2015
BHU MET–2010, UP TET–2013, UP GDC–2014

(A) मनो + रथः (B) मनस् + रथः
(C) मनर् + रथः (D) मनु + रथः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

325. 'मनोरथः' में सन्धि है–
UGC 25 D–1996, BHU MET–2008

(A) गुणसन्धि (B) पूर्वरूपसन्धि
(C) प्रकृतिभाव सन्धि (D) विसर्गसन्धि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

326. 'पितुः + इच्छा' में सन्धि होने पर रूप बनेगा–
UP TGT–1999

(A) पितोच्छा (B) पितोछा
(C) पितुरिच्छा (D) पितुः इच्छा

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

327. 'शिवोऽर्च्यः' का सन्धिविच्छेद होगा– UP TGT–2001

(A) शिवस् + अर्च्यः (B) शिवो + अर्च्य
(C) शिव + अर्च्य (D) शिवस् + र्च्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–145*

328. 'कस्त्वम्' अत्र सन्धिरस्ति–
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) अच्सन्धिः (B) हल्सन्धिः
(C) विसर्गसन्धिः (D) स्वरसन्धिः

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–203*

329. 'विसर्जनीयस्य सः' कदा भवति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) खरि परे (B) जशि परे
(C) झलि परे (D) हशि परे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–143*

324. (B) **325.** (D) **326.** (C) **327.** (A) **328.** (C)
334. (D) **335.** (A) **336.** (A)

330. 'ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः' सूत्रेण सिद्धयति–
RPSC वर्ग-II (TGT)–2010
(A) आदेशः (B) अन्ताराष्ट्रियः
(C) दीर्घतमः (D) अन्तर्राष्ट्रीयः
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–202*

331. 'शम्भुः + राजते' अत्र सन्धिपदम् अस्ति–
RPSC वर्ग-II (TGT)–2014
(A) शम्भुर राजते (B) शम्भुस् राजते
(C) शम्भो राजते (D) शम्भू राजते
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–63*

332. 'शम्भू राजते, हरी रम्य व पुना रमते' इन तीनों पदों की सिद्धि हम किस प्रकरण में करेगें? **H-TET–2015**
(A) विसर्गसन्धि में (B) व्यञ्जनसन्धि में
(C) अच्सन्धि में (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205-206*

333. 'यशस्कम्' का सन्धिविच्छेद है– **UP TGT–2004**
(A) यश + कम् (B) यश + अस्कम्
(C) यशः + स्कम् (D) यशः + कम्
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

334. 'पुनर् + रमते' का सन्धि रूप है? **UP TGT–2004**
(A) पुनरमते (B) पुनोरमते
(C) पुनःरमते (D) पुनारमते
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

335. 'पुना रमते' इस शब्द की सिद्धि करने वाला सूत्र है–
H-TET–2014
(A) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः (B) हलि सर्वेषाम्
(C) हशि च (D) वा शरि
स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

336. 'पुनारमते' का अर्थ है– **BHU MET–2015**
(A) पुनः खेलता है (B) पुरुष नहीं खेलता
(C) दूसरे विचार से (D) फिर से नहीं खेलता
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–151*

329. (A) 330. (B) 331. (D) 332. (A) 333. (D)

337. सन्धि नियम की दृष्टि से कौन-सा रूप शुद्ध है?
UP GIC–2009

(A) पुनारमते (B) पुनः रमते
(C) पुनर् रमते (D) पुनोरमते

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–97*

338. 'पुनारमते' इसका सन्धि-विच्छेद है– UGC 73 J–1999

(A) पुनःरमते (B) पुनर् + रमते
(C) पुनो + रमते (D) पुनस् + रमते

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - आद्या प्रसाद मिश्र, पेज–97*

339. 'स्वाराज्यम्' का सन्धि विच्छेद है– UP TGT–2004

(A) स + राज्यम् (B) स्वर् + राज्यम्
(C) सु + राज्यम् (D) सो + राज्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.14, 6.3.110)-ईश्वरचन्द्र, पेज–1050, 773*

340. 'हरिर् + रम्यः' में किस वर्ण का लोप हुआ है?
UP TGT–2009

(A) स् (B) र्
(C) विसर्ग (D) य्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–151*

341. 'हरी रम्यः' इत्यस्मिन् वाक्ये 'हरी' इति पदमस्ति–
UP GDC–2012

(A) प्रथमाद्विवचनान्तम् (B) द्वितीयाद्विवचनान्तम्
(C) प्रथमैकवचनान्तम् (D) सप्तम्येकवचनान्तम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–151*

342. 'अन्तर् + राष्ट्रियः' का सम्मिलित रूप होगा–
UP TGT–2010

(A) अन्ताराष्ट्रियः (B) अन्तर्राष्ट्रियः
(C) अन्तर्राष्ट्रीयः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–202*

343. 'अन्ताराष्ट्रियः = ? AWES TGT–2008

(A) अन्तः = राष्ट्रियः (B) अन्तर् + राष्ट्रियः
(C) अन्ता + राष्ट्रियः (D) सन्धिर्न सम्भवा

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–202*

337. (A) 338. (B) 339. (B) 340. (B) 341. (C)
347. (A) 348. (D) 349. (C) 350. (B)

344. निम्नलिखित शब्दों में सही क्या है? UP TGT–2013

(A) अन्तरराष्ट्रिय (B) अन्तराराष्ट्रिय

(C) अन्ताराष्ट्रिय (D) अन्तर्राष्ट्रीय

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–202*

345. निम्नलिखित में से कौन हल्सन्धि नहीं है?

UP GDC–2008

(A) जगन्नाथः (B) शिवोवन्द्यः

(C) सच्चित् (D) चिन्मयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–146*

346. 'शिवोवन्द्यः' इत्यत्र सन्धिः अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) पूर्वरूपसन्धिः (B) हल्सन्धिः

(C) अच्सन्धिः (D) विसर्गसन्धिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या (खण्ड–1), पेज–146*

347. किमत्र विजातीयम्– **BHU Sh.ET–2008**

(A) अमी ईशाः (B) नायकः

(C) पुनारमते (D) नद्यम्बुः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–184*

348. 'ससजुषो रुः' इत्यत्र किं विधीयते?

BHU Sh.ET–2011

(A) षत्वम् (B) सत्वम्

(C) विसर्गः (D) रुः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–145*

349. कुत्र 'रो रि' इति सूत्रं न प्रवर्तते? BHU Sh.ET–2011

(A) हरी राजते (B) शम्भू राजते

(C) मनोरथः (D) पुनारमते

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–152*

350. 'रो रि'–इत्यस्य सूत्रस्य किमुदाहरणम्?

BHU Sh.ET–2013

(A) अहरहः (B) हरी रम्यः

(C) स शम्भु (D) भो देवाः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–151*

342. (A) 343. (B) 344. (C) 345. (B) 346. (D)

351. 'प्रातः + रम्यम्' की सन्धि है– UGC 73 D–1997

(A) प्रातरम्यम् (B) प्रातःरम्यम्

(C) प्रातर्रम्यम् (D) प्रातारम्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-1), पेज–151*

352. 'कोऽपि' इति पदे सन्धिः अस्ति– C-TET–2011

(A) व्यञ्जनसन्धिः (B) विसर्गसन्धिः

(C) यण्सन्धिः (D) श्चुत्वसन्धिः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–218*

353. 'कः + अपि' की सन्धि होगी– UP TGT (H)–2010

(A) कपि (B) कविः

(C) कर्पि (D) कोऽपि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–218*

354. 'कः + अत्र' का सन्धि रूप है– UP TGT–1999

(A) को अत्र (B) कोऽत्र

(C) कः अत्र (D) कोत्रत्रा

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–205*

355. 'पीडितोऽभवत्' पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति– C-TET–2011

(A) पीड् + अभवत् (B) पीडितः + अभवत्

(C) पीडित + अभवत् (D) पीडा + अभवत्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–218*

356. विसर्गसन्धेः उदाहरणमस्ति– C-TET–2013

(A) दुष्करमेव (B) गोत्रेष्वपि

(C) आशान्वितः (D) चक्षुर्दानम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–218*

357. भक्तैः + नम्यते = पद होगा– AWES TGT–2011

(A) भक्तैनम्यते (B) भक्तैर्नम्यते

(C) भक्तैस्नम्यते (D) भक्तनम्यते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1035*

358. वायोः + इव = पद होगा– AWES TGT–2011

(A) वायोइव (B) वायोरिव

(C) वायौव (D) वायोरव

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1035*

351. (D)	**352. (B)**	**353. (D)**	**354. (B)**	**355. (B)**
361. (A)	**362. (A)**	**363. (A)**	**364. (D)**	**365. (B)**

359. 'सामवेदोऽस्मि' इति पदविच्छेदः अस्ति–

AWES TGT–2011

(A) सामवेद + अस्मि (B) सामवेदः + अस्मि

(C) सामवेदी + अस्मि (D) सामवेदा + अस्मि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.109) - ईश्वरचन्द्र, पेज–694*

360. 'वृक्षो वर्धते' सन्धिविच्छेद होगा–

AWES TGT–2011

(A) वृक्ष + वर्धते (B) वृक्षः + वर्धते

(C) वृक्षो + वर्धते (D) वृक्षा + वर्धते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.110) - ईश्वरचन्द्र, पेज–695*

361. नराष्षट् = ? **AWES TGT–2010**

(A) नराः + षट् (B) नरे + अष्षट्

(C) नरा + मन्यः (D) नरो + षट्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.40) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1093*

362. मुनिर्मान्यः– **AWES TGT–2010**

(A) मुनिः + मान्यः (B) मुनिर् + अमान्यः

(C) मुनिर् + षट् (D) मुनिः + अमान्यः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1035*

363. सर्वस्तरतु = **AWES TGT–2013**

(A) सर्वः + तरतु (B) सर्वस् + तरतु

(C) सर्वस्त + अस्तु (D) सर्व + स्तरतु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.34) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1056*

364. पर्जन्यस्तद् = ? **AWES TGT–2013**

(A) पर्जन्यः + स्तत् (B) पर्जन्यस्त + तत्

(C) पर्जन्यस् + तद् (D) पर्जन्यः + तद्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.34) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1056*

365. कार्यक्रमः + तु **AWES TGT–2013**

(A) कार्यक्रम अस्तु (B) कार्यक्रमस्तु

(C) कार्यक्रम्स्तु (D) कार्यक्रमष्टु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.34) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1056*

356. (D) 357. (B) 358. (B) 359. (B) 360. (B)

366. 'सः + असौ' का सन्धि रूप क्या है?

BHU MET–2012

(A) सासौ (B) सोऽसौ

(C) स सौ (D) सरसौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.109) - ईश्वरचन्द्र, पेज–694*

367. 'मनोविज्ञान' में सन्धि है– UP TGT (H)–2013

(A) व्यञ्जनसन्धि (B) विसर्गसन्धि

(C) यण्सन्धि (D) दीर्घसन्धि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.110) - ईश्वरचन्द्र, पेज–695*

368. 'मनोरम' का सन्धि-विच्छेद है– UP TGT (H)–2003

(A) मन + ओरम (B) मन + रम

(C) मनो + रम (D) मनः + रम

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (6.1.10) (भैमीव्याख्या खण्ड-1), पेज–152*

369. 'तेजोमयः का सही सन्धिविच्छेद है–

UP TGT (H)–2009

(A) तेज + ओमय (B) तेजः + अमय

(C) तेजः + मयः (D) तेजो + मय

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.110) - ईश्वरचन्द्र, पेज–695*

370. 'दुष्प्रकृति' शब्द का सन्धिविच्छेद है–

UP TGT (H)–2010

(A) दुस + प्रकृति (B) दुः + प्रकृति

(C) दुश्य् + प्रकृति (D) दुसप्र + कृति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1058*

371. 'शिवो वन्द्यः' इस वाक्य में किस सूत्र से सन्धि हुई है?

UGC 73 D–2015

(A) अतो रोरप्लुतादप्लुते

(B) हशि च

(C) भो-भगो-अघो-अपूर्वस्ययोऽशि

(D) हलि सर्वेषाम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (6.1.110) (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–146*

366. (B) 367. (B) 368. (D) 369. (C) 370. (B)
376. (A) 377. (C) 378. (C)

372. 'बृहस्पति' का सन्धि-विच्छेद है– UP PGT (H)–2009
(A) बृहस + पति (B) बृहस् + पति
(C) बृहः + पति (D) बृहश् + पति
स्रोत–अष्टाध्यायी (8.3.34) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1056

373. 'दुर्जन' का सन्धिविच्छेद होगा– UP PGT (H)–2013
(A) दुर् + जन (B) दुः + जन
(C) दु + अरजन (D) र्दु + जन
स्रोत–अष्टाध्यायी (8.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1035

374. 'अहरहः' का अर्थ है– BHU MET–2015
(A) बड़ा आश्चर्य (B) चमत्कार
(C) प्रतिदिन (D) प्रतिवर्ष
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1) (8.2.69), पेज–149

375. ''वा शरि'' का उदाहरण है– BHU MET–2015
(A) विष्णुस्त्राता (B) हरिःशेते
(C) अघो या हि (D) यशः कायः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1) (8.3.36), पेज–143

376. मुनिभिरागतम् = AWES TGT–2010
(A) मुनिभिः + आगतम्
(B) मुनिभिर + आगतम्
(C) मुनिभिः + रागतम्
(D) सन्धिर्न सम्भवा
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1) (8.2.66), पेज–145

377. शिष्यः + जयति = ? AWES TGT–2009
(A) शिष्यर्जयति (B) शिष्य जयति
(C) शिष्यो जयति (D) शिष्यरजयति
स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–219

378. गुरू रुष्टः– AWES TGT–2009
(A) गुरु + रुष्टः (B) गुरूः + रूष्टः
(C) गुरुर् + रुष्टः (D) सन्धिर्न सम्भवा
स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–204

371. (B)	372. (C)	373. (B)	374. (C)	375. (B)

379. देवः + अधुना = ? **AWES TGT–2008**

(A) देव + अधुना (B) देवऽधुना

(C) देवोधुना (D) देवोऽधुना

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–218*

380. एषः + च? **CVVET–2015**

(A) एष च (B) एषक्ष

(C) एषो च (D) एषा च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–155*

381. 'प्रथमो भागः' में प्रथम शब्द के र् (रुँ) को उ करने वाला सूत्र है– **H TET–2014**

(A) रो रि

(B) रोऽसुँपि

(C) हशि च

(D) अतो रोरप्लुतादप्लुते

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (6.1.110) - ईश्वरचन्द्र, पेज–695*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–146

382. 'निर्धन' में कौन-सी सन्धि है? **RLP–2015**

(A) अयादि सन्धि (B) यण् सन्धि

(C) व्यञ्जन सन्धि (D) विसर्ग सन्धि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1035*

प्रियसंस्कृतमित्राणि!

आप तभी पढ़ें, जब मन प्रसन्न

दुःखी मन से की गयी प

एक प्रकार से चट्टा

जाने वाली उ

379. (D) 380. (A) 381. (C) 382. (D) 383. (D)

383. 'सुगण्णीशः' इति पदे सन्धिविधायकं सूत्रमस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT) 2011

(A) अनुनासिकात् परोऽनुस्वारः
(B) यरोनुनासिकेऽनुनासिको वा
(C) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः
(D) ङमो ह्रस्वादचि ङमुण् नित्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–131*

384. 'सुगण् + ईशः' इत्यस्य सन्धिपदमस्ति–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) सुगणीशः (B) सुगनीशः
(C) सुगन्नीशः (D) सुगण्णीशः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–131*

385. 'हे प्रभो!' में 'प्रभु' शब्द में कौन-सी विधि है–

UP PGT (H)–2000

(A) वृद्धि (B) दीर्घ
(C) गुण (D) सम्प्रसारण

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7.3.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–958*

386. किस शब्द का सन्धि विच्छेद सही नहीं है?

H-TET–2014

(A) प्र + उढः = प्रोढः (B) नी + ऊन = न्यून
(C) अम्बु + ऊर्मि = अम्बूर्मि (D) शची + इन्द्र = शचीन्द्र

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–48*

हो
ढ़ाई
न पर की
ुताई के समान लगभग व्यर्थ है।
–संस्कृतगङ्गा

384. (D) 385. (C) 386. (A)

3. समास

1. **समासः कः?** **BHU Sh.ET–2008**
   (A) पदार्थवाचकम् (B) अनेकपदीकरणम्
   (C) एकपदीकरणम् (D) सर्ववाक्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

2. **समासस्य प्रकाराः सन्ति?** **AWES TGT–2010**
   (A) त्रयः (B) षट्
   (C) पञ्च (D) चत्वारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

3. **समास की प्रक्रिया होती है?** **UP TGT–2005**
   (A) दो वर्णों के बीच (B) दो पदों के बीच
   (C) दो वाक्यों के बीच (D) एक वर्ण और एक पद के बीच

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

4. **समासस्य व्याकरणसम्मता परिभाषा अस्ति–**
   RPSC ग्रेड-I (TGT)–2014
   (A) समसनं समासः (B) संक्षिप्तीकरणं समासः
   (C) पदमेलनं समासः (D) पदविलोपनं समासः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

5. **लघुसिद्धान्तकौमुदीकारमते समासः कतिधा वर्तते?**
   UGC 25 J–2013
   (A) पञ्चधा (B) षोढा
   (C) सप्तधा (D) चतुर्धा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

6. **समासे प्रथमानिर्दिष्टम् उपसर्जनं कुत्र प्रयोक्तव्यम्?**
   UGC 25 J–2006
   (A) पूर्वम् (B) अन्ते
   (C) मध्ये (D) यथेच्छम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–20*

1. (C) **2. (C)** **3. (B)** **4. (A)** **5. (A)**
11. (A)

...-प्रकरण

7. 'स्वं रूपं शब्दस्याशब्दसंज्ञा' इति सूत्रे 'शब्दसंज्ञा' इति पदे कः समासः? **JNU MET–2015**

(A) षष्ठीतत्पुरुषः (B) द्वितीयातत्पुरुषः

(C) सप्तमीतत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–94-97*

8. **समासशास्त्रे उपसर्जनं नाम– UGC 25 D–2006**

(A) द्वितीयानिर्दिष्टम् (B) प्रथमानिर्दिष्टम्

(C) सप्तमीनिर्दिष्टम् (D) तृतीयानिर्दिष्टम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–20*

9. **(i) समासशास्त्रे प्रथमानिर्दिष्टस्यसंज्ञा भवति–**

(ii) समासशास्त्रे प्रथमानिर्दिष्टं किं भवति?

UGC 25 D–2012, CCSUM Ph.D–2016

(A) उपसर्गः (B) अव्ययम्

(C) उपसर्जनम् (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–20*

10. **उपसर्जनसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रम् अस्ति?**

UK SLET–2015

(A) परवल्लिङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयोः

(B) गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य

(C) अनुपसर्जनात्

(D) एकविभक्ति चाऽपूर्वनिपाते

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–136*

11. **अविग्रह (जिसका विग्रह न हो) युक्त समास है?**

UGC 25 J–2002

(A) नित्य (B) तत्पुरुष

(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–11*

6. (A) 7. (C) 8. (B) 9. (C) 10. (D)

12. परार्थाभिधानरूपा वृत्तिः कतिविधा? BHU AET–2011

(A) कृदन्तरूपैका

(B) कृत्तद्धितरूपा द्विविधा

(C) कृत्तद्धितसमासरूपा त्रिविधा

(D) कृत्तद्धितसमासैकशेषसनाद्यन्तधातुरूपाः पञ्चविधा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–09*

13. 'विशेषसंज्ञाविनिर्मुक्तः' कः समास :–

UGC 25 D–2007, J–2011

(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगुः

(C) केवलः (D) कर्मधारयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

14. सुबन्त पद के साथ सुबन्त पद के समास को कहते हैं? UP TGT–2004

(A) सुबसुबा (B) सुपुसुपा

(C) सुप्सुपा (D) सुसुपा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–09*

15. नित्यसमासो नाम– UGC 25 J–2005

(A) अस्वपदविग्रहः (B) विकल्पो न भवति

(C) स्वपदविग्रहः (D) विग्रहवान्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–11*

16. 'वागर्थाविव' पदे समासः अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) सुप्सुपा (B) तत्पुरुषः

(C) बहुव्रीहिः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–14*

17. 'नैकः' में कौन-सा समास है? UP TGT–2010

(A) नञ् तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव

(C) एकशेषद्वन्द्व (D) सुप्सुपा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–13*

12. (D) 13. (C) 14. (C) 15. (A) 16. (A)
22. (A)

18. 'भूतपूर्वः' यहाँ समास विधायक सूत्र है?
UP TGT–2001, UGC 25 J–1998
(A) प्राक्कडारात्समासः (B) कुगतिप्रादयः
(C) सह सुपा (D) उपसर्जनं पूर्वम्
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–09*

19. 'भूतपूर्वः' अस्मिन् पदे समासो वर्तते?
AWES TGT–2010 H-TET–2015
(A) तत्पुरुषः (B) केवलसमासः
(C) बहुव्रीहिः (D) समासो न वर्तते
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–09*

20. **(i) अव्ययीभाव समास होता है? UGC 73 J–2005**
(ii) अव्ययीभाव-समासे भवति– D–2013
(A) न कोऽपि प्रधानं पदं भवति
(B) अन्यपदप्रधानं भवति
(C) पूर्वपदप्रधानं भवति
(D) उत्तरपदप्रधानं भवति
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

21. **(i) जिस समास में प्रथमपद प्रधान होता है, उसे कहते हैं?**
(ii) प्रायेण पूर्वपदार्थप्रधानः कः समासः?
(iii) पूर्वपदप्रधान समास है?
(iv) प्रायः पूर्वपद की प्रधानता वाला समास है–
UGC 73 D–2014, UGC 25 D–2001, 2002, 2004
S–2013, UP PGT–2009, BHU Sh.ET–2013
UP TET–2016
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) द्वन्द्व
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

22. अव्ययीभावसंज्ञायाः फलं किम्? **UGC 25 J–2011**
(A) अव्ययसंज्ञा (B) प्रातिपदिकसंज्ञा
(C) सुप् लुक् (D) सुप्प्रत्ययानां प्राप्तिः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

17. (D)	18. (C)	19. (B)	20. (C)	21. (A)

23. उपसर्जन का उपयोग इसमें विशेष रूप से होता है? UGC 73 D–2007

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव

(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–20*

24. (i) नित्यनपुंसकलिङ्गैकवचनान्तः समासो भवति?

(ii) कः समासः नित्यनपुंसकलिङ्गे एकवचने प्रयुक्तः भवति? G GIC–2015, UP GDC–2012, UP GIC–2009, 2015

(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगुः

(C) द्वन्द्वः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–23*

25. अव्ययीभावसमासे सहस्य 'सः' इति आदेशः केन सूत्रेण विधीयते? UGC 25 J–2014

(A) अव्ययीभावश्च (B) अनश्च

(C) अव्ययीभावे चाकाले (D) नस्तद्धिते

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–36*

26. (i) अव्ययीभावसमास में पद के अन्त में लिङ्ग होता है?

(ii) अव्ययीभावसमास की सिद्धि होने पर सम्पूर्ण पद हो जाता है? UP TGT–2003, 2004

(A) पुंलिङ्ग (B) स्त्रीलिङ्ग

(C) नपुंसकलिङ्ग (D) उपर्युक्त तीनों

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–23*

27. पञ्चमीं विना सार्वविभक्तिकः 'अम्' भावः कस्मिन् समासे विधीयते? UGC 25 D–2014

(A) तत्पुरुषे (B) बहुव्रीहौ

(C) द्वन्द्वे (D) अव्ययीभावे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–24*

28. को नाम समासः नित्यं क्लीबलिङ्गं धारयति? DL–2015

(A) द्वन्द्वः

(B) द्विगुः

(C) विशेष्य-विशेषण-सम्बन्धि-कर्मधारयः

(D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–23*

23. (B) 24. (D) 25. (C) 26. (C) 27. (D)

33. (A) 34. (C) 35. (C)

29. समासान्त-अव्ययीभावस्य उदाहरणं किम्–
UK SLET–2012

(A) अध्यात्मम् (B) अधिगोपम्
(C) निर्मक्षिकम् (D) उपसमीपम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–52*

30. 'अनुरूपम्' पद में समास का नाम है?
UGC 25 J–1995, UP PGT (H)–2013

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

31. 'रूपस्य योग्यम्' इससे बनता है?
UGC 25 D–1997, J–2013

(A) यथारूपम् (B) प्रतिरूपम्
(C) अनुरूपम् (D) अतिरूपम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

32. 'अनुरूपम्' इत्यस्य पदस्य विग्रहः वर्तते?
UGC 25 D–2007, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) रूपस्य प्रति (B) रूपस्य योग्यम्
(C) रूपस्य सादृश्यम् (D) रूपस्य पश्चात्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

33. 'यथारूपम्' पद में समास है? UGC 25 D–1999

(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु
(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–35*

34. एतेषु कोऽव्ययीभावसमासः? BHU Sh.ET–2013

(A) अनश्वः (B) नखभिन्नः
(C) यथाशक्ति (D) पञ्चगवम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–35*

35. (i) 'यथाशक्ति' में समास है? UGC 25 J–2003
(ii) 'यथाशक्ति' इत्यत्र कः समासः– BHU Sh.ET–2008, RPSC ग्रेड-III–2013, UP TET–2016

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः
(C) अव्ययीभावः (D) द्विगुः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

28. (D) **29.** (A) **30.** (A) **31.** (C) **32.** (B)

36. 'यथाशक्ति' इति समस्तपदस्य विग्रहः भवति– C-TET–2015

(A) शक्तिम् अनतिक्रम्य (B) शक्तिं प्रयुज्य
(C) शक्तिः यथा (D) शक्तेः महत्त्वम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

37. 'यथारुचि' में समास है? UP PCS–2013

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि
(C) अव्ययीभाव (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–35*

38. 'यथामति' शब्द में कौन समास है? UP TGT–2013

(A) अव्ययीभाव (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–35*

39. निम्नलिखित में से 'यथाविधि' का सही समास कौन-सा है? UP PGT (H)–2010

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

40. 'अधिहरि' यह समास इस अर्थ में है? UGC 25 D–1998, J–2000

(A) समीप (B) समृद्धि
(C) व्यृद्धि (D) विभक्ति

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–19*

41. (i) 'अधिहरि' इत्यत्र कः समासः?
(ii) 'अधिहरि' अस्मिन् पदे कः समासः?
UP TGT–2001, UGC 25 J–2005, 2007, 2008

(A) केवलसमासः (B) उपपदसमासः
(C) तत्पुरुषः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–21*

42. 'हरि शब्दस्य प्रकाशः' का समस्त पद क्या होगा? H-TET–2015

(A) अधिहरि (B) इतिहरि
(C) हरिइति (D) अनुहरि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–32*

36. (A)	**37.** (C)	**38.** (A)	**39.** (A)	**40.** (D)
46. (C)	**47.** (C)	**48.** (D)		

43. 'अधिहरि' इत्यस्य अलौकिकविग्रहः भवति?
UGC 25 J–2014
(A) अधि + हरि + सु (B) हरि + अधि + ङि
(C) हरि+ङि+अधि+सु (D) हरौ + इति + ङि
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–21*

44. (i) विभक्त्यर्थे अव्ययीभावस्य उदाहरणं भवति–
(ii) विभक्ति के अर्थ में अव्ययीभाव का उदाहरण है– **UGC 73 J–2010**
(A) उपकूलम् (B) सतृणम्
(C) दुर्भिक्षम् (D) अधिहरि
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–21*

45. 'अधिगोपम्' इत्यत्र कः समासः? **UGC 25 J–2013**
(A) उपपदतत्पुरुषः (B) कर्मधारयः
(C) तत्पुरुषः (D) अव्ययीभावः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–24*

46. (i) 'अधिगोपम्' इत्यत्र अधिपदांशः कस्मिन्नर्थेऽस्ति?
(ii) 'गोप इति = अधिगोपम्' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे कः समासः–
BHU AET–2011, HE–2015
(A) सप्तमीतत्पुरुषः (B) पश्चादर्थेऽव्ययीभावः
(C) विभक्त्यर्थेऽव्ययीभावः (D) सादृश्यार्थेऽव्ययीभावः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–24*

47. 'गोः समीपे' में अव्ययीभाव समास कीजिये?
UP GDC–2008
(A) गोरूप (B) उपगौ
(C) उपगु (D) उपगोः
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–237*

48. 'कुम्भस्य समीपं' इसका समस्तरूप है?
UGC 73 J–1998
(A) उपरिकुम्भम् (B) अधिकुम्भम्
(C) परिकुम्भम् (D) उपकुम्भम्
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–26*

41. (D) **42.** (B) **43.** (C) **44.** (D) **45.** (D)

49. 'उपकृष्णम्' इत्यस्य पदस्य विग्रहः वर्तते?

UGC 25 J–2009

(A) कृष्णस्य सादृश्यम् (B) कृष्णस्य पश्चात्

(C) कृष्णस्य समीपम् (D) कृष्णं प्रति

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–26*

50. 'उपकृष्णम्' इत्यत्र समासोऽस्ति?

RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) केवलसमासः (B) तत्पुरुषः

(C) अव्ययीभावः (B) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–26*

51. 'उपराजम्' अत्र समासान्तः कः? UGC 25 D–2005

(A) टच् (B) अच्

(C) अ (D) अम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–52*

52. 'उपराजम्' में कौन-सा समास है? UP PGT–2003

(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरुष

(C) अव्ययीभाव (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–52*

53. 'उपशरदम्' अत्र कः समासः? UGC 25 J–2006

(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगुः

(C) अव्ययीभावः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–48*

54. 'उपशरदम्' इत्यस्य पदस्य समासविग्रहः अस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) शरदः समीपम् (B) शरदः उपरि

(C) शरदः अनुकूलम् (D) शरदः आधिक्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–48*

55. 'राज्ञः समीपम्' का समस्तपद है? H TET–2014

(A) उपराजन् (B) राजसमीपम्

(C) उपराजम् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–52*

49. (C) 50. (C) 51. (A) 52. (C) 53. (C)
59. (D) 60. (C) 61. (C)

56. (i) विष्णु के बाद का सम्पूर्ण पद है?
(ii) 'विष्णोः पश्चात्' का सम्पूर्ण पद है?
UP TGT–2003, 2004
(A) उपविष्णुन् (B) अनुविष्णो
(C) अनुविष्णवे (D) अनुविष्णु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

57. 'अनुविष्णु'–समस्त पद का विग्रह होगा–
UP PGT–2013
(A) अनुविष्णो (B) अनुकर्ता विष्णुम्
(C) विष्णोः पश्चात् (D) विष्णोरनुयायी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

58. 'रथस्य पश्चात्' इस विग्रहवाक्य का समास होगा?
UP TGT–2004
(A) रथिपात् (B) पथपश्चात्
(C) अनुरथम् (D) पश्चात् रथेन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–32*

59. 'अनुरथम्' इस अव्ययीभावसमास वाले पद का अस्वपद विग्रह है? **RPSC ग्रेड-III–2013**
(A) रथस्य अनु (B) अनोः रथः
(C) अनु चासौ रथम् (D) रथस्य पश्चात्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–32*

60. सुमद्रम्-अत्र 'सु' अव्ययः कस्मिन्नर्थे वर्तते?
UGC 25 J–2011, D–2013
(A) 'सुन्दरम्' इत्यस्मिन् अर्थे (B) 'सुष्ठु' इत्यस्मिन् अर्थे
(C) 'समृद्धिः' इत्यस्मिन् अर्थे (D) 'समीपम्' इत्यस्मिन् अर्थे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

61. 'सुमद्रम्' में कौन-सा समास है? **UP PGT–2000**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) अव्ययीभाव (D) षष्ठीतत्पुरुष

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

54. (A) **55. (C)** **56. (D)** **57. (C)** **58. (C)**

62. किस समस्तपद का विग्रह सही नहीं है?

H-TET–2015

(A) सुमद्रम् – मद्राणां समृद्धिः

(B) पञ्चगवधनः – पञ्च गौः धनं यस्य सः

(C) चित्रगुः – चित्रा गावो यस्य सः

(D) निर्घृणः – निर्गता घृणा यस्मात् सः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–106*

63. 'सुमद्रम्' इत्यस्य समासविग्रहः कः?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) मद्राणां समृद्धिः (B) मद्राणां हितम्

(C) मद्रमनतिक्रम्य (D) मद्राणां समीपम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

64. कः शब्दः अव्ययीभावसमासस्य उदाहरणम् अस्ति?

UK TET–2011

(A) सुखार्थम् (B) युधिष्ठिरः

(C) पाणिपादम् (D) आसमुद्रम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–45*

65. उपासनम् = ? **AWES TGT–2010**

(A) उपासना इति (B) आसनस्य समीपम्

(C) उपासन अभावः (D) उपासना समीपम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–26*

66. 'निर्मक्षिकम्' में किस अर्थ में समास है?

BHU MET–2012

(A) अभाव (B) भाव

(C) समुच्चय (D) निर्गमन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

67. 'निर्मक्षिकम्' का समासविग्रह होगा– UP TET–2014

(A) निर्गता मक्षिका यस्मात् सः

(B) निर्गता मक्षिका यस्मिन् सः

(C) मक्षिकाणाम् अभावः

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

62. (B)	**63.** (A)	**64.** (D)	**65.** (B)	**66.** (A)
72. (D)	**73.** (C)			

68. 'निर्मक्षिकम्' में समास है– BHU MET–2010, UP PGT–2004, UP TET–2003, 2005

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

69. 'निर्मक्षिकम्' अस्य पदस्य अलौकिकविग्रहः भवति? UGC 25 D–2012

(A) निर्+मक्षिका + अम् (B) मक्षिका + टा + निर्
(C) मक्षिक + सुँ + निर् (D) मक्षिका + आम् + निर्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–30*

70. समाहारे समस्यमानम् अव्ययीभावरूपम्– UK SLET–2015

(A) उपजरसम् (B) पञ्चगङ्गम्
(C) यथाशक्ति (D) अधिहरि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

71. 'पञ्चगङ्गम्' इत्यत्र समासविधायकं सूत्रं किम्? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, UGC 25 S–2013

(A) संख्यापूर्वो द्विगुः (B) चार्थे द्वन्द्वः
(C) नदीभिश्च (D) अनेकमन्यपदार्थे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

72. 'पञ्चानां गङ्गानां समाहारः पञ्चगङ्गम्' इत्यत्र कः समासः? UGC 25 D–2005, 2009

(A) तत्पुरुषः (B) द्विगुः
(C) कर्मधारयः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42-43*

73. (i) 'पञ्चगङ्गम्'–यहाँ समास है–
(ii) 'पञ्चगङ्गम्' इत्यस्मिन् पदे समासोऽस्ति–
UP PGT 2002, 2005, UP GDC – 2014
REET–2016, UGC 25 D–1998, UP GIC–2015

(A) द्विगु (B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

67. (C) **68.** (B) **69.** (D) **70.** (B) **71.** (C)

74. निम्नलिखित में से अव्ययीभाव समास है–
UP TGT–2004
(A) पञ्चनरम् (B) पञ्चनदम्
(C) पञ्चाननम् (D) पञ्चगवम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–44*

75. 'गङ्गायाः समीपम्' इस अस्वपद विग्रह में अव्ययीभाव समास होता है? RPSC ग्रेड-III–2013
(A) गङ्गासमीपम् (B) समीपगङ्गाम्
(C) उपगङ्गम् (D) सगङ्गम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–236*

76. (i) 'उपगङ्गम्' अस्मिन् पदे समासोऽस्ति–
(ii) 'उपगङ्गम्' में कौन सा समास है?
UP TGT–2009, BHU MET–2009
UP TET–2013, 2016, MP वर्ग-1 (PGT)–2012
(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–236*

77. 'सप्तगङ्गम्' में समास है? UGC 73 D–1996
(A) तत्पुरुषः (B) द्विगुः
(C) अव्ययीभावः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–44*

78. 'द्वियमुनम्' किस सूत्र से बनता है? UGC 25 D–1997
(A) अव्ययीभावश्च (B) नदीभिश्च
(C) संख्यापूर्वो द्विगुः (D) अव्ययीभावे चाकाले

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

79. (i) 'द्वियमुनम्' इत्यस्मिन् पदे समासः अस्ति?
(ii) 'द्वियमुनम्' इत्यत्र कः समासः?
UP PGT–2000, UGC 25 D–2012
JNU M.Phil/Ph. D–2015
(A) द्विगुः (B) द्वन्द्वः
(C) अव्ययीभावः (D) तत्पुरुषः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

74. (B)	**75.** (C)	**76.** (C)	**77.** (C)	**78.** (B)
84. (A)	**85.** (A)	**86.** (D)		

80. कः समासः युक्तः– UK SLET–2012

(A) द्वियमुनम् (B) द्वौयमुनम्

(C) द्वायमुनम् (D) द्वेयमुनम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

81. 'दुर्यवनम्' में समास है? UP PGT–2002

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव

(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–28*

82. 'सतृणम्' यहाँ समास इस अर्थ में है? UGC 25 J–1998

(A) समीप (B) साकल्य

(C) समृद्धि (D) विभक्ति

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–36*

83. अव्ययीभावसमासे 'साग्नि' इत्युदाहरणे अग्निरुच्यते? UGC 25 S–2012

(A) देवः (B) दाहकः

(C) पाचकः (D) ग्रन्थः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–36*

84. 'सहरि' में कौन-सा समास है? UP PGT–2003, UP TGT–2004

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–36*

85. 'आमेखलम्' अस्मिन् पदे समासोऽस्ति? UPTET–2011

(A) अव्ययीभावः (B) बहुव्रीहिः

(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–45*

86. 'परि अभूषयत् = पर्यभूषयत्' इस विग्रहवाक्य में कौन-सा समास है? UP TGT–2004

(A) द्विगुसमास (B) बहुव्रीहिसमास

(C) द्वन्द्वसमास (D) अव्ययीभावसमास

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–373*

79. (C) 80. (A) 81. (B) 82. (B) 83. (D)

87. 'हिमस्य अत्ययः' का सम्पूर्ण पद है?

UP TGT–2005

(A) अनुहिमम् (B) अतिहिमम्

(C) उपहिमम् (D) उपहिमाय

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–33*

88. अधोनिर्दिष्ट में से अव्ययीभाव का उदाहरण है?

UGC 73 D–2008

(A) अर्धपिप्पली (B) शाकप्रति

(C) अतिमालः (D) प्राचार्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–45*

89. अतिनिद्रम्– AWES TGT–2009

(A) निद्रायाः अत्ययः (B) निद्रायाः आधिक्यम्

(C) निद्रायाः अति (D) निद्रा सम्प्रति न युज्यते

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–33*

90. अव्ययीभावसमासस्योदाहरणमस्ति?

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) घनश्यामः (B) प्रत्यर्थम्

(C) नीलोत्पलम् (D) हस्तलिखितम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–33*

91. 'प्रतिदिनम्' में समास है? UP TET–2013, 2014

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–34*

92. 'प्रत्यक्षम्' में समास है? UP TGT–2004, 2010

(A) नञ् तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव

(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–51*

93. प्रत्येकम् – AWES TGT–2010

(A) प्रति एकम् (B) एकम् प्रति एकम्

(C) एकम् एकम् प्रति (D) प्रति एक एकम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–34*

87. (B) **88.** (B) **89.** (D) **90.** (B) **91.** (A)

97. (C) **98.** (A) **99.** (C) **100.** (D)

)4. 'प्रतिचक्रम्' में लौकिकविग्रह है? AWES TGT–2013

(A) प्रति प्रति चक्रम् (B) चक्रं चक्रं प्रति

(C) प्रत्यचक्रम् (D) चक्रं प्रति प्रति

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–34*

)5. 'प्रतिपुष्पम्' समास है? UGC 73 J–1994

(A) द्वन्द्व (B) अव्ययीभाव

(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–34*

)6. 'अध्यात्मम्' में समास है? UP GDC–2008

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–52*

)7. 'आभचैद्यम्' पद में समास है? UP GDC–2008

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय

(C) अव्ययीभाव (D) द्विगु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग)*

)8. 'तिष्ठन्ति गावो यस्मिन् काले स तिष्ठद्गु दोहनकाल' इत्यत्र समासोऽस्ति? BHU AET–2011

(A) अव्ययीभावः (B) बहुव्रीहिः

(C) कर्मधारयः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्त कौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–408*

)9. अव्ययीभाव का उदाहरण है? UGC 73 D–2009

(A) राजपुरुषः (B) अहिनकुलम्

(C) त्रिमुनि (D) पञ्चवटी

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–411*

100. 'त्रिमुनि' में समास है? UGC 73 D–1997

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–411*

92. (B)	93. (C)	94. (B)	95. (B)	96. (A)

101. 'अव्ययं विभक्तिः...' इत्यादि सूत्रे यथार्थेषु किं नास्ति–
JNU M.Phil/Ph. D–2014

(A) योग्यता (B) वीप्सा
(C) आनुपूर्व्यम् (D) पदार्थानतिवृत्तिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–18*

तत्पुरुषसमासः

102. तत्पुरुषे समासे कस्य पदार्थस्य प्रधानता भवति?
MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UGC 25 D–2013

(A) पूर्वपदार्थस्य (B) उत्तरपदार्थस्य
(C) अन्यपदार्थस्य (D) उभयपदार्थस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

103. (i) उत्तरपदार्थ प्रधान है? UP TGT–2004
(ii) समास, जिसमें प्रायः उत्तरपद के अर्थ की प्रधानता होती है?

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

104. 'तत्पुरुषः' इति सूत्रमस्ति? UP GIC–2015

(A) विधि (B) परिभाषा
(C) नियम (D) अधिकार

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–59*

105. (i) कर्मधारय समास किसका भेद है?
(ii) कर्मधारय समास किस समास का एक भेद है?
UPTGT–1999, UPPGT–2010, UK TET–2011

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–108*

106. 'व्यधिकरण तत्पुरुष' समास के कितने भेद हैं?
UPPGT–2010, UK TET–2011

(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका – बाबूराम सक्सेना, पेज–241*

101. (C) **102.** (B) **103.** (B) **104.** (D) **105.** (B)
111. (D) **112.** (B) **113.** (B)

107. 'परस्मैपद' में कौन-सा समास है?

UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष (D) केवलसमास

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–255*

108. 'अलं कुमार्यै' इत्यस्य समस्तं रूपं किम्?

UGC 25 J–2014

(A) अलङ्कुमारी (B) कुमार्यै अलम्
(C) अलङ्कुमारिः (D) अलङ्कुमारिन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–174*

109. (i) 'सप्तर्षयः' पदे कः समासः?
(ii) 'सप्तर्षयः' में कौन-सा समास है?

UP PGT–2003, 2005, AWES TGT–2011

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–77*

110. अर्धम् ऋचः– **AWES TGT–2009**

(A) अर्धर्ची (B) अर्धर्चम्
(C) अर्धऋचा (D) अर्धमृचा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–176*

111. 'पञ्च गावो धनं यस्य' इत्यस्य समस्तपदमस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) पञ्चगवधनम् (B) पञ्चगुः
(C) पञ्चगवधनस्य (D) पञ्चगवधनः

स्रोत–*समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–78*

112. 'शैलोन्नतः' उदाहरणमस्ति? **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) द्वन्द्वसमासस्य (B) कर्मधारयसमासस्य
(C) अव्ययीभावसमासस्य (D) बहुव्रीहिसमासस्य

113. 'गवाक्षः' पद में कौन-सा समास है? **UP TGT–2010**

(A) बहुव्रीहिसमास (B) तत्पुरुषसमास
(C) केवलसमास (D) द्वन्द्वसमास

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–249*

106. (C) **107.** (C) **108.** (C) **109.** (B) **110.** (B)

114. 'देशसञ्चारः' इति पदे कः समासः? C-TET–2012

(A) अव्ययीभावः (B) कर्मधारयः

(C) द्वन्द्वः (D) तत्पुरुषः

115. 'संस्कृतशिक्षणम्' इति पदे कः समास? C-TET–2013

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः

(C) द्विगुः (D) अव्ययीभावः

116. 'पितृतुल्यः' शब्द में कौन समास है? UP TGT–2013

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–70*

117. 'जलमग्नः' शब्द में कौन समास है? UP TGT–2013

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–14*

118. 'द्व्यङ्गुलम्' इत्यत्र को लौकिकविग्रहः?

UGC 25 D–2014

(A) द्वयोः अङ्गुल्योः समाहारः (B) द्वे अङ्गुली प्रमाणस्य

(C) द्वे अङ्गुली यस्य (D) द्वि च अङ्गुलिश्च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–154*

119. सर्वेषां महत्तरः– AWES TGT–2008

(A) सर्वमहत् (B) सर्वमहतः

(C) सर्वमहत्तरः (D) सर्वमहान्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–246*

120. 'कृष्णाश्रितः' में समास– UP PGT–2002

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–55*

121. 'कष्टापन्नः' समास का विग्रह क्या है? UP TGT–2009

(A) कष्टम् आपन्नः (B) कष्टेन आपन्नः

(C) कष्टे आपन्नः (D) कष्टाय आपन्नः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–63*

114. (D) 115. (A) 116. (B) 117. (B) 118. (B)
124. (C) 125. (A) 126. (B) 127. (A)

122. 'दुःखातीतः' पद में तत्पुरुष का विग्रह है?

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) दुःखेन अतीतः (B) दुःखाय अतीतः

(C) दुःखम् अतीतः (D) दुःखे अतीतः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–242*

123. शोकपतितः– AWES TGT–2009

(A) शोकं पतितः

(B) शोकात् पतितः

(C) शोकेन पतितः

(D) शोकरूपेण पतितः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–63*

124. (i) 'हरित्रातः' का विग्रहवाक्य है?

(ii) 'हरित्रातः' पद का समास-विग्रह है?

BHU MET–2012, UGC 25 J–1994

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) हरौ त्रातः (B) हरिम् त्रातः

(C) हरिणा त्रातः (D) हरेः त्रातः

स्रोत–*समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–56*

125. 'हरित्रातः' में समास है? UP PGT–2002

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) अव्ययीभाव (D) द्वन्द्व

स्रोत–*समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–56*

126. 'हरित्रातः' में कौन-सा समास है?

UP PGT–2003, UP TGT–2005

(A) द्वितीया तत्पुरुष (B) तृतीया तत्पुरुष

(C) चतुर्थी तत्पुरुष (D) षष्ठी तत्पुरुष

स्रोत–*समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–56*

127. 'गुणधानाः' पद में समास होगा– H-TET–2015

(A) तृतीया तत्पुरुष (B) चतुर्थी तत्पुरुष

(C) सप्तमी तत्पुरुष (D) द्वितीया तत्पुरुष

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–448*

119. (D) 120. (B) 121. (A) 122. (C) 123. (A)

128. 'नखभिन्नः' का लौकिकविग्रह है? UGC 25 J–2004

(A) नखात् भिन्ना (B) नखेभ्यः भिन्नः
(C) नखं भिन्नः (D) नखैः भिन्नः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–66*

129. 'नखभिन्नः' में समास है? UP TGT–2003

(A) तृतीयातत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्वसमास

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–66*

130. 'आचारकुशलः' अत्र समासः अस्ति? MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) पञ्चमी तत्पुरुष (B) षष्ठी तत्पुरुष
(C) द्वितीया तत्पुरुष (D) तृतीया तत्पुरुष

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–244*

131. 'राज्ञा पूजितः-राजपूजितः' में कौन-सा समास है? UP TGT–2004

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग)-भीमसेन शास्त्री, पेज–82*

132. 'वाग्युद्धम्' समास का विग्रह है– UP TGT–2009

(A) वाचि युद्धम् (B) वाचे युद्धम्
(C) वाचा युद्धम् (D) वाचो युद्धम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–244*

133. 'शोकाकुल' में समास है? UP PGT (H)–2003

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–244*

134. 'प्रकृतिविकृतिभाव एवेष्टः' इत्येषा पंक्तिः वर्णयति– UK SLET–2015

(A) 'तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन' इत्येतत् सूत्रम्
(B) 'द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नैः' इत्येतत् सूत्रम्
(C) 'उपमितं व्याघ्रादिभिः सामान्याप्रयोगे' इत्येतत् सूत्रम्
(D) 'चतुर्थी तदर्थार्थ-बलि-हितसुखरक्षितैः' इत्येतत् सूत्रम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–71*

128. (D) 129. (A) 130. (D) 131. (A) 132. (C)
138. (A) 139. (C) 140. (B)

135. 'भूतबलिः' इत्यत्र समासः केन सूत्रेण विधीयते?
UGC 25 D–2012

(A) कर्तृकरणे कृता बहुलम्

(B) चतुर्थी तदर्थार्थ-बलि-हित-सुख-रक्षितैः

(C) पञ्चमी भयेन

(D) सप्तमी शौण्डैः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–73*

136. 'भूतबलिः' पद में कौन-सा समास है? **UP-TET–2014**

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–73*

137. 'द्विजार्था' इत्यस्य समासविग्रहः स्यात्?
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) द्विजार्थमिदम् (B) द्विजाय अयम्

(C) द्विजाय अर्थः (D) द्विजाय इयम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–74*

138. चतुर्थी तत्पुरुषसमास है? **UP TGT– 2004, 2005**

(A) यूपदारु (B) द्विमूर्धः

(C) धवखदिरौ (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–71*

139. 'ज्ञानाय इदं ज्ञानार्थम्' में समास है? **UP-TGT–2004**

(A) द्वितीया तत्पुरुष (B) तृतीया तत्पुरुष

(C) चतुर्थी तत्पुरुष (D) पञ्चमी तत्पुरुष

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–74*

140. (i) 'अश्वघासः' यहाँ विग्रहवाक्य है?
(ii) अत्र विग्रह वाक्यं भवति– **UGC 73 D–2009**

(A) अश्वेन घासः (B) अश्वस्य घासः

(C) अश्वाय घासः (D) अश्वे घासः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–73*

133. (A) 134. (D) 135. (B) 136. (B) 137. (D)

141. 'चोरभयम्' पद में समास है?　　　　UP TGT–2009
UP PGT–2002, 2004, RPSC ग्रेड-III–2013
UGC 25 J–1994, UP- TET–2013

(A) तत्पुरुष　　　(B) बहुव्रीहि
(C) कर्मधारय　　　(D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–76*

142. (i) 'चोरभयम्' समासविग्रहः अस्ति?
(ii) 'चोराद्भयम्' इति समस्तपदस्य समासविग्रहः भवति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010, RPSC ग्रेड-III–2013
BHU MET–2009, 2012, G-GIC–2015

(A) चौरस्य भयम्　　　(B) चौरेण भयम्
(C) चौरात् भयम्　　　(D) चौराय भयम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–76*

143. 'चोरात् भयम्' में समास है?　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) पञ्चमी तत्पुरुष　　　(B) षष्ठी तत्पुरुष
(C) तृतीया तत्पुरुष　　　(D) द्वितीया तत्पुरुष

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–76*

144. वृक्षपतितानि–　　　　AWES TGT–2010

(A) वृक्षस्य पतितानि　　　(B) वृक्षात् पतितानि
(C) वृक्षेण पतितानि　　　(D) वृक्षे पतितानि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–81*

145. 'राजदन्ताः' अस्य लौकिकविग्रहवाक्यं भवति?
UGC 25 D–2013

(A) राज्ञां दन्ताः
(B) दन्तानां राजानः
(C) दन्तानां राजानम्
(D) दन्त + आम् + राजन् + जस्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–233*

141. (A)　**142.** (C)　**143.** (A)　**144.** (B)　**145.** (B)
151. (B)

146. राजपुरुषः इत्यत्र कः समासः? UK TET–2011
BHU B.Ed–2013, MP वर्ग-2 (TGT)–2011
BHU MET–2013, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) द्वन्द्वः (B) अव्ययीभावः
(C) बहुव्रीहिः (D) तत्पुरुषः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–81*

147. 'नगाधिराजः' अस्मिन् पदे विग्रहः स्यात्?
MP वर्ग-2 (TGT)–2011

(A) नगश्च अधिराजश्च (B) नगः अधिराजो यस्य
(C) नागानाम् अधिराजः (D) नगानाम् अधिराजः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–82-83*

148. षष्ठी तत्पुरुष युक्त समास है? UP TGT–2003

(A) दूरादागतः (B) राजपुरुषः
(C) धान्यार्थः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–81*

149. 'राजपुरुषः' समास का विग्रह है?
UGC 73 J–2015, BHU MET–2012

(A) राज्ञा पुरुषः (B) राज्ञः पुरुषः
(C) राजा पुरुषः (D) राजनि पुरुषः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–81*

150. 'राजहंस' इस पद का विग्रहवाक्य होगा?
UP TGT–2004

(A) राजा इव हंसः (B) हंसानां राजानाम्
(C) हंस एव राजा सः (D) हंसानां राजा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–233*

151. 'कृष्णसखः' इत्यत्र समासः– UGC 73 J–2011

(A) अव्ययीभावः (B) तत्पुरुषः
(C) बहुव्रीहिः (D) द्विगुः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–165*

146. (D) 147. (D) 148. (B) 149. (B) 150. (D)

152. 'राजपुत्रः' में समास है? UP-TET–2013

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–81*

153. 'सङ्गीतसाधनम्' पदे समासः अस्ति? C-TET–2011

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः
(C) द्वन्द्वः (D) द्विगुः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–82-83*

154. 'तत्पुरुषः' में कौन समास है? H-TET–2014

(A) कर्मधारय (B) षष्ठीतत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–81*

155. 'कल्पतरुच्छायायाम्' का विग्रह है? BHU MET–2012

(A) कल्पतरुं छायायाम् (B) कल्पस्य तरोः छायायाम्
(C) कल्पतरूणां छायाम् (D) कल्पतरवे छायायाम्

स्रोत– *अष्टाध्यायी (2/2/8)-ईश्वरचन्द्र, पेज–179*

156. 'गोशाला' पद में समास है? UP-TGT (H)–2009

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) द्विगु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–83*

157. 'सद्गतिः' शब्द में समास है? UP-PGT (H)–2002

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–83*

158. राष्ट्रपतिः– AWES TGT–2010

(A) राष्ट्रं पतिः (B) राष्ट्राय पतिः
(C) राष्ट्रस्य पतिः (D) राष्ट्रायाः पतिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–83*

159. गङ्गायाः पारम्– AWES TGT–2009

(A) गङ्गपारम् (B) गाङ्गपारम्
(C) गंगोपारम् (D) गङ्गापारम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–45*

152. (A) **153.** (A) **154.** (B) **155.** (B) **156.** (A)
162. (B) **163.** (C) **164.** (A) **165.** (D)

160. 'हेमघटः' शब्द में समास है? H-TET–2014

(A) तृतीयातत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः
(C) षष्ठीतत्पुरुषः (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–83*

161. 'अक्षशौण्डः'-अस्य अलौकिकविग्रहः भवति? UGC 25 J–2013

(A) अक्ष + सु शौण्ड + सु
(B) अक्ष + सुप् शौण्ड + सु
(C) अक्षेषु शौण्डः
(D) अक्ष + ङि शौण्ड + ङि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग)-भीमसेन शास्त्री, पेज–91*

162. 'अक्षशौण्डः' इत्यस्य लौकिकविग्रहः अस्ति? RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) अक्षाणां शौण्डः (B) अक्षेषु शौण्डः
(C) अक्षैः शौण्डः (D) अक्षेभ्यः शौण्डः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–91*

163. 'नगरस्थिता' इति पदे समासः अस्ति? C-TET–2011

(A) अव्ययीभावः (B) कर्मधारयः
(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–91*

164. (i) 'ध्यानमग्नः' पदे समासः अस्ति?
(iii) 'ध्यानमग्नः' में कौन-सा समास है– C-TET–2011, UP PGT (H)–2013

(A) तत्पुरुषः (B) द्वन्द्वः
(C) अव्ययीभावः (D) कर्मधारयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग)*

165. 'पौर्वशालः' का विग्रह है? UP PGT–2000 UP TGT–1999, AWES TGT–2011

(A) शालायाः पूर्वम् (B) पौर्व एव शालः
(C) पूर्वा शाला यस्य सः (D) पूर्वस्यां शालायां भवः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–102*

157. (A) **158.** (C) **159.** (D) **160.** (C) **161.** (B)

166. 'मुनिश्रेष्ठः' पद में समास है? H-TET–2014

(A) द्वितीयातत्पुरुष (B) चतुर्थीतत्पुरुष

(C) सप्तमीतत्पुरुष (D) कर्मधारय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–92*

167. अलुक्समासस्य किम् उदाहरणम्–BHU Sh. ET–2013

(A) वनेचरः (B) अधिहरि

(C) पीताम्बरः (D) अहोरात्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–255*

168. 'युधिष्ठिर' में कौन-सा समास है? UP PGT–2005

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) अलुक् (D) कर्मधारय

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–89*

169. 'कुपुरुषः' में समास है? UP PGT–2002, 2003

(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्व

(C) गति तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–127*

170. (i) 'निष्कौशाम्बिः' में समास है? UP GIC–2009, 2015

(ii) 'निष्कौशाम्बिः' इत्यस्मिन् समासो अस्ति?

(A) गतितत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) अव्ययीभाव (D) केवलसमास

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–141*

171. 'निष्कौशाम्बिः' पदस्य समास-विग्रहः अस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) निर्गता कौशाम्बी (B) निष्क्रान्तः कौशाम्ब्याः

(C) अप्राप्ता कौशाम्बी (D) बहिः कौशाम्बि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–141*

172. 'गवाम् अक्षि इव' इत्यत्र समस्तपदमस्ति–

UGC 25 D–2015

(A) गवाक्षी (B) गवाक्षा

(C) गवाक्षम् (D) गवाक्षः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–249*

166. (C) **167.** (A) **168.** (C) **169.** (C) **170.** (A)
176. (B) **177.** (C) **178.** (C) **179.** (D)

173. नञ्-समासः कः– **UK SLET–2012**

(A) अनश्वः (B) कुपुरुषः
(C) कुपुत्रः (D) प्राचार्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–123*

174. 'अब्राह्मणः' में कौन-सा समास है? UP PGT–2003

(A) अव्ययीभाव (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–122*

175. 'अब्राह्मण' में तत्पुरुषसमास है? UP PGT–2003

(A) तृतीयातत्पुरुष के कारण (B) द्वितीयातत्पुरुष के कारण
(C) नञ्तत्पुरुष के कारण (D) पञ्चमीतत्पुरुष के कारण

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–122*

176. नञ्तत्पुरुषसमासस्य उदाहरणं किम्? C-TET–2013

(A) शीतलसलिलम् (B) अनुद्वेगकरम्
(C) प्रियहितम् (D) रागसमम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–123*

177. 'अनुद्योगः' इत्यत्र कः समासः? **REET–2016**

(A) बहुव्रीहिः (B) उपपदसमासः
(C) नञ्-तत्पुरुषः (D) कर्मधारयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–124*

178. निम्नलिखित में से नञ्तत्पुरुष समास कौन सा है?
UP PGT (H)–2004

(A) रोगमुक्तः (B) राजपुरुषः
(C) अभावः (D) पुत्रहितम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–127*

179. 'कुपुत्रः' में समास है? **UP GIC–2009**

(A) अव्ययीभाव (B) बहुव्रीहि
(C) कर्मधारय (D) प्रादितत्पुरुष

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–128*

171. (B) **172.** (D) **173.** (A) **174.** (D) **175.** (C)

180. 'शोभनो राजा' इत्यस्य समस्तं पदं किम्?

UGC 25 J–2015

(A) सुराजः   (B) सुराजा

(D) सुराजी   (D) सुराज्ञी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–133*

181. समानाधिकरण तत्पुरुषसमास का नाम क्या है?

UP GIC–2009

(A) द्वितीयातत्पुरुष   (B) प्रादितत्पुरुष

(C) कर्मधारय   (D) द्विगु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–108*

182. विशेष्य-विशेषणभावसमासस्य प्रसिद्धं नाम किम्?

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) द्विगुः   (B) द्वन्द्वः

(C) कर्मधारयः   (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–112*

183. कर्मधारयसंज्ञा भवति–   UGC 25 D–2013

(A) अव्ययीभावस्य

(B) समानाधिकरणस्य तत्पुरुषस्य

(C) असमानाधिकरणस्य तत्पुरुषस्य

(D) समानाधिकरणस्य बहुव्रीहेः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–108*

184. कर्मधारयसमास-विधायकं सूत्रं किम्?

UGC 25 D–2010

(A) सह सुपा   (B) विशेषणं विशेष्येण बहुलम्

(C) अनेकमन्यपदार्थे   (D) अर्धं नपुंसकम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–112*

185. 'पुरुषर्षभः' पद में समास का सही विकल्प छाँटिये?

H-TET–2015

(A) उपमानोत्तरपद कर्मधारयसमास

(B) अवधारणापूर्वपद कर्मधारयसमास

(C) उपमानोपमेय कर्मधारयसमास

(D) विशेषण-विशेष्य कर्मधारयसमास

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–69-70*

180. (B) 181. (C) 182. (C) 183. (B) 184. (B)
190. (C) 191. (A)

186. 'विशेषणं विशेष्येण बहुलम्' से कौन समास बनता है? **BHU MET–2009**

(A) अव्ययीभाव (B) बहुव्रीहि

(C) कर्मधारय (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–112*

187. (i) 'नीलोत्पलम्' में समास है?

(ii) 'नीलोत्पलम्' अस्मिन् समासोऽस्ति

UP PGT–2013, RPSC ग्रेड-III–2013, G GIC–2015, UGC 25 J–1995, UP TGT (H)–2001, 2002

(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु

(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–112*

188. निम्नलिखित में से कर्मधारयसमास किसमें है? **UP TGT (H)–2009**

(A) चक्रपाणिः (B) चतुर्युगम्

(C) नीलोत्पलम् (D) माता-पितरौ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–112*

189. तत्पुरुषसमासे 'देवब्राह्मण' इत्युदाहरणे ब्राह्मणो वर्ततेऽभिप्रेतः– **UGC 25 J–2014**

(A) देवरूपः (B) देवप्रियः

(C) देवपूजकः (D) देवाधीनः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–120*

190. 'देवब्राह्मण' इत्यत्र समासविग्रहः अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) देव एव ब्राह्मणः (B) देववत् ब्राह्मणः

(C) देवपूजको ब्राह्मणः (D) देवेषु ब्राह्मणः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–120*

191. 'पीताम्बरम्' शब्द में समास है? **UP TGT–2003 UP PGT–2000, 2002, BHU MET–2012**

(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–262*

185. (A) 186. (C) 187. (D) 188. (C) 189. (C)

192. 'पीतम् अम्बरम् इति पीताम्बरम्' में कौन-सा समास है?

UP TGT–1999

(A) बहुव्रीहिसमास (B) केवलसमास

(C) कर्मधारयसमास (D) तत्पुरुषसमास

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–262*

193. 'पीताम्बरम्' का विग्रह है? UP-TET–2013

(A) पीतं च तत् अम्बरम्

(B) पीतम् अम्बरम् यस्य सः

(C) पीतम् अम्बरम् येन सः

(D) पीतम् अम्बरं यस्मिन्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–262*

194. 'कृष्णचतुर्दशी' इत्यत्र समासः

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) कर्मधारयः (B) तत्पुरुषः

(C) बहुव्रीहिः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–114*

195. 'परमानन्द' शब्द में कौन-सा समास है?

UP TGT (H)–2013

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–162*

196. इनमें से कौन सा शब्द कर्मधारय समास का उदाहरण है?

UP PGT (H)–2015

(A) अन्धकूप (B) गृहप्रवेश

(C) तिरंगा (D) सुख-दुःख

197. (i) 'महान् च असौ राजा' इससे रूप बनता है?

(ii) 'महान् राजा' इत्यर्थे समस्तः शब्दः कः?

UGC 25 J–1999, D–2015 DSSSB PGT–2014

CVVET–2015

(A) महाराजः (B) महद्राजः

(C) महद्राजा (D) महराजा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–163*

192. (C) **193.** (A) **194.** (A) **195.** (C) **196.** (A)
202. (A) **203.** (B) **204.** (A)

198. (i) महाराजः पदे समासः– UP TGT–2009
(ii) 'महाराजः' पद में समास है? UGC 73 J–1991
CCSUM-Ph.D–2016

(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–163*

199. 'महान्तः जनाः' पद होगा– AWES TGT–2011

(A) महाजनाः (B) महन्जनाः
(C) महान् जनाः (D) महोजनाः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–163*

200. 'किंसखा' में कौन-सा समास है? UP TGT–1999

(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) अव्ययीभाव (D) कर्मधारय

स्रोत–*किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, पेज–54*

201. 'किं राजा' इत्यस्य कः समासविग्रहः?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) कुत्सितः राजा (B) किम् राजा
(C) न राजा (D) कः राजा

स्रोत–*किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, पेज–55*

202. 'नीलकमलम्' में कौन समास है? BHU MET–2011

(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–113*

203. उपमानपूर्वकपदकर्मधारयस्य उदाहरणं भवति–
UGC 73 J–2007

(A) कृष्णसर्पः (B) घनश्यामः
(C) देवब्राह्मणः (D) नीलोत्पलम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–117*

204. 'घनश्यामः' में कौन-सा समास है? UP TET–2013

(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–117*

197. (A) 198. (A) 199. (A) 200. (D) 201. (A)

205. पूर्वपदप्रकृतिस्वरात् 'स्थूलपृषती' इत्यत्र कः समासः?
BHU AET–2012

(A) षष्ठीतत्पुरुषः (B) कर्मधारयः
(C) पञ्चमीतत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*व्याकरण-महाभाष्यम् - जयशङ्कर त्रिपाठी, पेज–27*

206. नीलगगने– AWES TGT–2010

(A) नीलं च तत् गगनं तस्मिन् (B) नीले गगने इति
(C) नीलं च गगनं इति (D) नीलाय गगनाय च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–113*

207. 'शुष्कपत्रम्' पद में समास है? H-TET–2015

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा संस्कृत-साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–98*

208. (i) जिस समानाधिकरण तत्पुरुष में प्रथमपद संख्यावाची होता है? UGC 25 D–2003
(ii) समास में प्रथमशब्द संख्यावाचक हो तो वह समास होगा? UP PGT (H)–2015
UP TGT–2004, UP TET–2016

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–109*

209. समास में प्रथमशब्द संख्यावाचक हो तो वह द्विगु समास होगा जब दूसरा शब्द– UP TGT–2003

(A) संज्ञा (B) अव्यय
(C) विशेषण (D) उपसर्ग

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–109-110*

210. 'अष्टानामध्यायानां समाहारः'–इत्यस्य समस्तपदमस्ति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) अष्टाध्यायम् (B) अष्टाध्यायः
(C) अष्टाध्यायी (D) अष्टाध्यायाः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण और रचना (लुसेन्ट)-अरविन्द कुमार, पेज–233*

211. द्विगुसमासः कः? BHU Sh.ET–2013

(A) अव्ययपूर्वः (B) संख्यापूर्वः
(C) निपातपूर्वः (D) क्रियापूर्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–109*

205. (D) 206. (A) 207. (C) 208. (C) 209. (A)
215. (A) 216. (C) 217. (B) 218. (D)

212. संख्यापूर्वः कः समासः? UGC 25 J–2009

(A) केवलः (B) तत्पुरुषः

(C) द्विगुः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–109*

213. 'स नपुंसकम्' इत्यनेन सूत्रेण नपुंसकत्वं भवति? UGC 25 J–2011

(A) अव्ययीभावसमासे (B) बहुव्रीहिसमासे

(C) कर्मधारयसमासे (D) समाहारद्विगुसमासे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–110*

214. द्विगुसमासः कस्य समासस्य भेदः? AWES TGT–2011, 2013

(A) कर्मधारयः (B) स्वतन्त्रः

(C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

215. 'त्रिलोकी' पद में समास का नाम है? UGC 25 J–1995

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

216. 'पञ्चगवम्' में समास है? UGC 25 D–2002

(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव

(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

217. 'पञ्चगवम्' का विग्रहवाक्य होगा– UP TGT–2004

(A) पञ्चानां गोवां समाहारः (B) पञ्चानां गवां समाहारः

(C) पञ्चानां गवा समाहारः (D) पञ्चानां गवेतरा समाहारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–110*

218. 'पञ्चगावो धनं यस्य' इत्यस्य समस्तपदमस्ति– RPSC ग्रेड-I PGT–2011

(A) पञ्चगवधनम् (B) पञ्चगुः

(C) पञ्चगोधनम् (D) पञ्चगवधनः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–106*

210. (C) 211. (B) 212. (C) 213. (D) 214. (A)

219. पञ्चानां मूलानां समाहारः– **AWES TGT–2009**

(A) पञ्चमूलम् (B) पञ्चमूल

(C) पञ्चमूला (D) पञ्चमूली

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

220. (i) 'पञ्चवटी' में समास है?

(ii) 'पञ्चवटी' अस्मिन् पदे समासः अस्ति?

MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP TGT–1999

BHU MET–2012, UP TGT (H)–2005, 2013

(A) अव्ययीभावः (B) द्विगुः

(C) द्वन्द्वः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–251*

221. द्विगुसमास का उदाहरण है? **UGC 73 D–2010**

(A) द्विरात्राः (B) उपकूलम्

(C) पाणिपादम् (D) पञ्चवटी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–251*

222. 'त्रिभुवनम्' इत्यत्र कः समासः? **BHU B.Ed–2012**

(A) तत्पुरुष (B) द्विगु

(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

223. (i) द्विगुसमास युक्त शब्द है? **UP TGT (H)–2010**

(ii) द्विगुसमास का उदाहरण है? **UP TGT–2005**

(A) राजा-रानी (B) पीताम्बर

(C) त्रिभुवनम् (D) भूदेव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

224. 'नवानां रात्रीणां समाहारः' समस्तपदमस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) नवरात्रः (B) नवरात्रिः

(C) नवरात्रम् (D) नवरात्री

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–161*

219. (D) **220.** (B) **221.** (D) **222.** (B) **223.** (C)
229. (B)

225. 'पञ्चानां पात्राणां समाहारः' इत्यस्य समस्तपदमस्ति?

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) पञ्चपात्रः (B) पञ्चपात्री

(C) पञ्चपात्राणि (D) पञ्चपात्रम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

226. 'पञ्चपात्रम्' इत्यत्र कः समासः? BHU B.Ed–2015

(A) द्विगुः (B) द्वन्द्वः

(C) तत्पुरुषः (D) कर्मधारयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

227. (i) 'सप्तर्षयः' इत्यत्र केन सूत्रेण समासः?

(ii) 'सप्तर्षयः' समासविधायकं सूत्रं किम्?

UGC 25 D–2006, BHU AET–2011

(A) विशेषणं विशेष्येण बहुलम्

(B) दिक्संख्ये संज्ञायाम्

(C) चार्थे द्वन्द्वः

(D) दिङ्नामान्यन्तराले

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–99*

228. 'त्रिवेणी' पद में कौनसा समास है?

UP TET–2013, RLP–2015

(A) द्वन्द्वसमास (B) अव्ययीभावसमास

(C) तत्पुरुषसमास (D) द्विगुसमास

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

229. निम्नलिखित वर्गों में किस वर्ग में समास का उदाहरण अशुद्ध है? UP TGT–1999

(A) अव्ययीभाव 1. यथाक्रमम्, उपगङ्गम्

(B) द्विगु 2. पञ्चगङ्गम्, द्वियमुनम्

(C) तत्पुरुष 3. ग्रामगतः, सुखप्राप्तः

(D) द्वन्द्व 4. रामकृष्णौ, पितरौ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–42*

224. (C) 225. (D) 226. (A) 227. (B) 228. (D)

बहुव्रीहिसमासः

230. (i) बहुव्रीहिसमासः अस्ति? AWES TGT–2010
(ii) बहुव्रीहि समास में कौन पद प्रधान होता है?
UP GIC–2009, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) पूर्वपदप्रधानः (B) उत्तरपदप्रधानः
(C) उभयपदप्रधानः (D) अन्यपदप्रधानः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

231. (i) अन्यपद की प्रधानता वाला समास होता है?
(ii) अन्यपदार्थप्रधानः कः समासः? BHU Sh.ET–2008
UGC 73 J–2013, UGC 25 D–2002

(A) द्विगुः (B) द्वन्द्वः
(C) अव्ययीभावः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

232. 'प्राप्तोदकः' में समास है? UP PGT–2002

(A) इतरेतरद्वन्द्वः (B) बहुव्रीहिः
(C) अव्ययीभावः (D) अलुकृतत्पुरुषः

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–125*

233. 'सत्यनिष्ठ' शब्द में कौन समास है? UP TGT–2013

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99*

234. शुभानना = ? AWES TGT–2010

(A) शुभम् आननं यस्याः सा
(B) शुभम् आननं यस्याः सः
(C) शुभम् आननं यस्मिन् तत्
(D) शुभम् आननम् इव

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.2.24)-लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–951*

235. 'द्विमूर्धः' पद में समास है? UGC 25 J–1994

(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–209*

230. (D) 231. (D) 232. (B) 233. (C) 234. (A)
240. (D) 241. (A)

236. 'पञ्चाननः' में समास है? UGC 25 D–1996

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) द्विगु (D) कर्मधारय

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98*

237. 'चित्रगुः' का विग्रहवाक्य है?

UP PGT–2009, UGC 25 D–1995

(A) चित्रा चासौ गोः (B) चित्रा गावो यस्य सः

(C) चित्राणां गवां समाहारः (D) चित्रायाः गौः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–198*

238. 'रूपवद्भार्यः' पद में समास है?

UP PGT–2002, 2004, UGC 25 D–1991

2002 J–2001, UGC 73 J–1991

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–199*

239. 'रूपवती भार्या यस्य' इत्यस्य समस्तपदं भवति–

UGC 25 D–2015

(A) रूपवतीभार्यः (B) रूपवतीभार्यम्

(C) रूपवद्भार्यः (D) रूपवद्भार्या

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–199*

240. (i) 'चक्रपाणिः' इत्यत्र समासः? UP PGT–2004

(ii) 'चक्रपाणिः' में कौन-सा समास है?

UGC 25 D–2011, UP TGT–2004, 2005

(A) द्वन्द्वः (B) द्विगुः

(C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–263*

241. ''चक्रं पाणौ यस्य सः'' इत्यस्य समस्तपदं किम्

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) चक्रपाणिः (B) चक्रपाणी

(C) पाणिचक्रम् (D) पाणिचक्रिन्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका -बाबूराम सक्सेना, पेज–263*

235. (D) 236. (B) 237. (B) 238. (D) 239. (C)

242. 'चन्द्रशेखरः' में कौन-सा समास है?

UP PGT–2003, 2009, UP TET–2013

(A) समानाधिकरण बहुव्रीहि (B) व्यधिकरण बहुव्रीहि

(C) तत्पुरुष (D) द्वन्द्व

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–263*

243. 'कम्बुकण्ठः' समस्तपद का सही विग्रह होगा?

UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) कम्बु कण्ठः यस्य सः (B) कम्बोः कण्ठः

(C) कम्बुश्चासौ कण्ठश्च (D) कम्बुरिव कण्ठो यस्य सः

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–125*

244. 'शशिशेखरः' में समास है? UP TGT–2004

(A) बहुव्रीहि (B) कर्मधारय

(C) द्वन्द्व (D) नञ् तत्पुरुष

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका -बाबूराम सक्सेना, पेज–263*

245. 'स्त्रीप्रमाणः' में समास है? UP PGT–2005

(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्व

(C) द्विगु (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–202*

246. 'मृगनयना' में त्रिलुप्ता उपमा दिखलाने के लिए निम्नलिखित विग्रहों में से कौन उपयुक्त है?

UP PGT–2005

(A) मृगस्य नयना

(B) मृगीव नयना चञ्चला

(C) मृगस्य नयने इव चञ्चले नयने यस्याः सा

(D) मृगस्य नयने इव नयने यस्या सा

247. 'सीता जाया यस्य सः' एक शब्द में होगा–

UP TGT–2004

(A) सीताजाया (B) सीतापत्नी

(C) सीताजानिः (D) सीतापतिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–199*

242. (B) 243. (D) 244. (A) 245. (D) 246. (C)
252. (B) 253. (D)

248. 'चन्द्रशेखरः' में बहुव्रीहि समास है, इसका विग्रह है?
UP TGT–2005
(A) चन्द्रः शेखरः यस्य (B) चन्द्रः शेखरे यस्य सः
(C) चन्द्र शिखर यस्य (D) चन्द्रः शिखरे यस्य
स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–263*

249. 'कृताधिपत्याम्' में समास है?
UP PGT–2010, UK TET–2011
(A) तत्पुरुष
(B) समानाधिकरण तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि
(D) व्यधिकरण तत्पुरुष
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–225*

250. 'व्यूढोरस्कः' में समास है? UP TGT–2005
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–218*

251. 'ऊढः रथः येन सः' इत्यस्य समस्तपदं किम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014
(A) ऊढरथः (B) रथोढः
(C) रथेऊढः (D) रथरुढः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–190*

252. (i) 'द्वौ पादौ यस्य सः' इति कस्य विग्रहः?
(ii) 'द्वौ पादौ यस्य सः' किसका विग्रह है–
UP TGT–2009, AWES TGT–2012, 2013
(A) द्विपादः (B) द्विपात्
(C) द्विपद् (D) द्विपदी
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–213*

253. 'कृतप्रणामः' में कौन-सा समास है? UP TGT–2010
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–225*

247. (C) 248. (B) 249. (C) 250. (C) 251. (A)

254. 'सुपात्' इत्यत्र कः समासः? UGC 25 S–2013

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः

(C) द्वन्द्वः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–213*

255. 'उपजातकोपः' अत्र समासोऽस्ति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) द्वन्द्वः (B) बहुव्रीहिः

(C) तत्पुरुषः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–193*

256. 'अधीतविद्यः' में समास होगा–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय

(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–115*

257. 'जलजाक्षी'–समासविग्रहः अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) जलजम् इव अक्षि यस्याः सा

(B) जलजे अक्षि यस्याः सा

(C) जलजम् अक्षि यस्याः सा

(D) जलजे इव अक्षिणी यस्याः सा

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–129*

258. 'पाषाणहृदयः' पदस्य समासविग्रहः स्यात्?

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) पाषाण इव हृदयः

(B) पाषाणवत् हृदयं यस्य सः

(C) पाषाण एव हृदयं यस्य सः

(D) पाषाणवत् हृदयः

259. (i) 'पीताम्बरः' में है? MP वर्ग-2 (TGT)–2011

(ii) 'पीताम्बरः' का विग्रहवाक्य है?

UGC 25 J–1995, BHU MET–2015

(A) पीतं च तत् अम्बरम् (B) पीतम् अम्बरं यस्य सः

(C) पीतम् अम्बरं येन सः (D) पीतम् अम्बरं यस्मिन्

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–126*

254. (B) 255. (B) 256. (D) 257. (D) 258. (B)
264. (D) 265. (C) 266. (B)

260. (i) पीताम्बरः अत्र समासः? UP TGT–2009

(ii) 'पीताम्बरः' में कौन-सा समास है– BHU MET–2009, UK TET–2011, CCSUM-Ph.D–2016

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–126*

261. अधोनिर्दिष्ट में बहुव्रीहिसमास का उदाहरण क्या है? UGC 73 D–2008

(A) नीलोत्पलम् (B) पञ्चगङ्गम्

(C) पीताम्बरः (D) पाणिपादम्

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–126*

262. 'लम्बोदरः' उदाहरण है? UP TGT (H)–2009

(A) बहुव्रीहिसमास का (B) द्वन्द्वसमास का

(C) द्विगुसमास का (D) कर्मधारयसमास का

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण और रचना (लूसेन्ट)-अरविन्द कुमार, पेज–236*

263. 'धनञ्जयः' में समास है? UP TGT (H)–2002

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय

(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*किरातार्जुनीयम्-रामसेवक दुबे, पेज–125*

264. 'चक्रपाणिदर्शनार्थ' पद में मान्य समास है? UP PGT (H)–2009

(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष

(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–189*

265. 'विदित-वेदितव्यः' में कौन-सा समास है? UP TGT–2010

(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु

(C) बहुव्रीहि (D) तत्पुरुष

स्रोत–*शुकनासोपदेश - तारिणीश झा, पेज–01*

266. 'द्वित्राः' किसका उदाहरण है? UGC 73 J–2006

(A) कर्मधारय का (B) बहुव्रीहि का

(C) द्वन्द्व का (D) अव्ययीभाव का

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–205*

259. (B) 260. (B) 261. (C) 262. (A) 263. (C)

267. 'पञ्चषा' इत्यत्र कः समासः? BHU AET–2011

(A) द्वन्द्वसमासः (B) तत्पुरुषसमासः

(C) द्विगुसमासः (D) बहुव्रीहिसमासः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–205*

268. 'प्रशस्ता वाग् अस्ति अस्य' इति विग्रहे प्रयोगो भवति– BHU AET–2011

(A) वाग्मी (B) वाग्ग्मी

(C) वाचालः (D) वाचाटः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1119*

269. 'जन्मादि'–कौन-सा समास है? UGC 73 J–2008

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः

(C) कर्मधारयः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–189*

270. 'तुल्यास्यप्रयत्नम्' इत्यत्र कः समासः? BHU AET–2012

(A) तत्पुरुषः (B) कर्मधारयः

(C) बहुव्रीहिः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–16*

271. 'कृतभूरिपरिश्रमः' इत्यत्र कः समासः– BHU AET–2012

(A) अव्ययीभावः (B) तत्पुरुषः

(C) द्वन्द्वः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–225*

272. 'वीरपुरुषको ग्रामः' इत्यत्र कः समासः? UGC 25 D–2010

(A) अव्ययीभावः (B) बहुव्रीहिः

(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग)-भीमसेन शास्त्री, पेज–192*

273. 'अपुत्रः' में समास है? UGC 25 J–2004

(A) अव्ययीभाव (B) नञ्समास

(C) बहुव्रीहि (D) कर्मधारय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग)-भीमसेन शास्त्री, पेज–196*

274. 'उद्धतस्वभावः' पदे समासः अस्ति? C-TET–2012

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः

(C) द्वन्द्वः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–191, 192*

267. (D)	**268. (B)**	**269. (B)**	**270. (C)**	**271. (D)**
277. (A)	**278. (C)**	**279. (C)**	**280. (C)**	**281. (D)**

275. पदानां विग्रहं चिनुत– AWES TGT–2013

'समुपजातविवेकः'

(A) समुपजातः विवेकः येन सः

(B) सम् उपजातविवेकः यस्य सः

(C) समुपजातं विवेक यस्य सः

(D) विवेकः उपजातः यस्य सः

276. 'सर्वधर्मविद्' AWES TGT–2013

(A) सर्व धर्म जानाति (B) सर्व धर्मान् जानाति

(C) सर्वं धर्म वेत्ति (D) सर्वान् धर्मान् वेत्ति यः सः

277. 'महात्मानः'– AWES TGT–2013

(A) महान् आत्मा येषां ते

(B) महा आत्मा यस्य सः

(C) महत् आत्मा येषां तानि

(D) महात्मा आनः कथ्यन्ते

स्रोत–*उत्तररामचरितम्-शिवबालक द्विवेदी, पेज–135*

278. 'नीलकण्ठः' में समास है?

Chh. PSC–2012, BHU MET–2010

(A) द्विगु (B) कर्मधारय

(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–184*

279. 'अपुत्रः'– AWES TGT–2009

(A) न पुत्रः (B) पुत्रस्य अभावः

(C) अविद्यमानः पुत्रः यस्य सः (D) न पुत्रः यस्य सः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–196*

280. 'व्याघ्रस्य इव पादौ यस्य सः' भवति–

AWES TGT–2008

(A) व्याघ्रपाद् (B) व्याघ्रपाद

(C) व्याघ्रपात् (D) व्याघ्रपात

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–212*

281. 'अजातशत्रु' में कौन-सा समास है? UP TET–2016

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

272. (B) 273. (C) 274. (B) 275. (D) 276. (D)

282. 'देशान्तर' में कौन-सा समास है? RLP–2015

(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि

(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

283. 'महत् यशः यस्य सः' भवति? AWES TGT–2008

(A) महायशः (B) महत्यशः

(C) महायशस्कः (D) महत्यशस्कः

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–133*

284. किस समास में उभयपदप्रधान होते हैं? UP TET–2014

(A) कर्मधारय में (B) द्विगु में

(C) द्वन्द्व में (D) तत्पुरुष में

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

285. उभयपदप्रधानो कः समासः? RPSC ग्रेड-I PGT–2014

(A) बहुव्रीहिः (B) अव्ययीभावः

(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

286. पूर्व एवम् उत्तर दोनों पदों के अर्थ की प्रधानता..... समास में होती है? UGC 73 J–2014, UP PGT (H)–2002

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

287. 'द्वन्द्वसमास' में कौन-सा पद प्रधान होता है? UP PGT (H)–2013

(A) उत्तर पद (B) प्रथम पद

(C) दोनों पद (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–02*

288. द्वन्द्व समास के भेद हैं? UP TGT–2001

(A) दो भेद (B) तीन भेद

(C) पाँच भेद (D) एक भेद

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–140*

289. 'समाहारः' कस्य समासस्य भेदः– BHU Sh.ET–2008

(A) तत्पुरुषस्य (B) द्वन्द्वस्य

(C) अव्ययीभावस्य (D) बहुव्रीहेः

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–140*

282. (B)	283. (C)	284. (C)	285. (D)	286. (C)
292. (B)	293. (D)	294. (D)	295. (C)	296. (A)

290. 'समाहार' में कौन-सा समास होता है?

BHU MET–2010

(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–140*

291. 'समाहारद्वन्द्वः' सदैव प्रयुज्यते– UGC 25 J–2007

(A) पुँल्लिङ्गे (B) स्त्रीलिङ्गे
(C) नपुंसकलिङ्गे (D) उभयलिङ्गे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–110*

292. एषु को द्वन्द्वसमासः योग्यः? BHU Sh.ET–2008

(A) कारकपूर्वः (B) इतरेतरार्थकः
(C) अव्ययपूर्वः (D) संख्यापूर्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–231*

293. 'चार्थे द्वन्द्वः' इति अस्मिन् चकारस्य अर्थः भवति?

RPSC ग्रेड-II TGT–2010

(A) त्रयः (B) दश
(C) अष्ट (D) चत्वारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–231*

294. समासान्तप्रत्ययविधायकं सूत्रं न अस्ति–

UK SLET–2015

(A) ऋक्पूरब्धूः पथामानक्षे (B) द्वन्द्वाच्चुदषहान्तात् समाहारे
(C) अनश्च (D) द्वन्द्वश्च प्राणितूर्यसेनाङ्गानाम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–240*

295. 'समाहारद्वन्द्व' का उदाहरण है? UGC 73 J–2009

(A) द्वित्राः (B) राजपुरुषः
(C) हस्तपादम् (D) रामश्यामौ

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–148*

296. 'स्तोः श्चुना श्चुः' इति सूत्रे 'स्तोः' इत्यत्र कः समासः?

BHU AET–2012

(A) समाहारद्वन्द्वः (B) इतरेतरद्वन्द्वः
(C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–84*

287. (C) 288. (A) 289. (B) 290. (A) 291. (C)

297. 'चटकौ' में कौन-सा समास है? UP TET–2013

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–260*

298. 'शीतोष्णम्' शब्द में क्या समास है? UP TGT–2013

(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्व

(C) बहुव्रीहि (D) तत्पुरुष

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–827*

299. 'पाणिपादम्' में समास है? UP PGT–2004, 2009

(A) इतरेतरद्वन्द्व (B) समाहारद्वन्द्व

(C) एकशेषद्वन्द्व (D) अलुकृतत्पुरुष

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–148*

300. 'पाणिपादम्' अस्मिन् पदे समासविग्रहः भवति– UGC 25 J–2012

(A) पाणी च पादौ च (B) पाणिः च पादम् च

(C) पाणिना च पादेन च (D) पाणिं च पादौ च

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–148*

301. (i) 'पाणी च पादौ च' का सामासिक पद होगा–

(ii) 'पाणिश्च पादश्च' इससे बनता है?

UP TGT–2004, UGC 25 J–2000

(A) पाणिपादौ (B) पाणिपादाः

(C) पादपाणिः (D) पाणिपादम्

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–148*

302. 'मित्रावरुणौ' में समास है? UP PGT–2013

(A) 'इद्वृद्धौ' सूत्र से

(B) 'ईदग्नेः सोमवरुणयोः' सूत्र से

(C) 'अग्नेः स्तुत्स्तोमसोमाः' सूत्र से

(D) 'देवताद्वन्द्वे च' सूत्र से

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–833*

303. द्वन्द्वसमासस्य उदाहरणम् अस्ति– UGC 73 D–2004

(A) घनश्यामः (B) श्वेताम्बरः

(C) राजपुरुषः (D) अहिनकुलम्

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–818*

297. (B) 298. (B) 299. (B) 300. (A) 301. (D)
307. (C) 308. (B) 309. (D)

304. 'अहिनकुलम्' इसका समास विधायक सूत्र है?

UGC 73 D–2006

(A) द्वन्द्वश्च प्राणितूर्यसेनाङ्गानाम्

(B) विप्रतिषिद्धं चानधिकरणवाचि

(C) राजदन्तादिषु परम्

(D) येषां च विरोधः शाश्वतिकः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–818*

305. 'अहिनकुलम्' का विग्रह है? UGC 73 J–1991

(A) अहिश्च नकुलश्च (B) अहिन् नकुलम्

(C) अहिः नकुलम् (D) अहिश्च नकुलौ च

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–817*

306. (i) 'अहिनकुलम्' पद में समास है?

(ii) 'अहिनकुलम्' इति पदे समासोऽस्ति–

UP TET–2014, G-GIC–2015

(A) द्वन्द्व (B) बहुव्रीहि

(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–818*

307. 'नक्तन्दिवम्' में समास है?

UP PGT–2013, UP PGT (H)–2005

(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव

(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

स्रोत–*किरातार्जुनीयम्-रामसेवक दुबे, पेज–66*

308. नक्तं च दिवं च– AWES TGT–2008

(A) नक्तदिवम् (B) नक्तन्दिवम्

(C) नक्तन्दिवौ (D) नक्तदिवे

स्रोत–*किरातार्जुनीयम्-रामसेवक दुबे, पेज–66*

309. 'चतुर्युगम्' भवति– AWES TGT–2008

(A) चत्वारः युगाः (B) चत्वारि युगानि

(C) चर्तुषु युगेषु समाहारम् (D) चतुर्णां युगानां समाहारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–111*

302. (D) 303. (D) 304. (D) 305. (A) 306. (A)

310. 'धवखदिरौ' यहाँ किस अर्थ में द्वन्द्वसमास समझें?

H TET–2014

(A) अल्पाच्तरत्वात् (B) अजाद्यदन्तत्वात्

(C) ज्येष्ठानुपूर्व्वात् (D) अभ्यर्हितत्वात्

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–143*

311. 'धवखदिरौ' में समास है? UP TGT–2001

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–146*

312. 'इन्द्रश्च-अग्निश्च' का समस्तरूप होगा–

UP TGT–1999

(A) इन्द्राग्निः (B) इन्द्राग्नयः

(C) अग्नीन्द्रः (D) इन्द्राग्नी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–237*

313. 'कुक्कुटमयूर्यौ' इत्यस्य पदस्य लौकिकविग्रहः भवति–

UGC 25 J–2012

(A) कुक्कुटश्च मयूरी च (B) कुक्कुटञ्च मयूरञ्च

(C) कुक्कुटस्य च मयूर्याश्च (D) कुक्कुटौ च मयूर्यौ च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–169*

314. पिककाकयोः– AWES TGT–2013

(A) पिकः च काकः च तयोः

(B) पिकायो काकयोः च

(C) काकः च पिकयोः च

(D) पिक च ककयोः च

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–821*

315. 'छत्रोपाहनम्' पदे समासः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) बहुव्रीहिः (B) कर्मधारयः

(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–844*

310. (A) **311.** (B) **312.** (D) **313.** (A) **314.** (A)
320. (B) **321.** (A) **322.** (B)

316. 'काशीप्रयागम्' अस्मिन् पदे समासः अस्ति?

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) द्वन्द्वः (B) तत्पुरुषः

(C) अव्ययीभावः (D) कर्मधारयः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–256

317. 'पितृशुश्रूषकः' का विग्रह होगा–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) पिता च सुश्रूषकश्च (B) पितुः शुश्रूषकः

(C) पिता चासौ शुश्रूषकः च (D) पिता शुश्रूषकः यस्य सः

318. 'गुरुवृद्धाचार्यान्' इति पदे कः समासः– **C-TET–2014**

(A) अव्ययीभावः (B) द्वन्द्वः

(C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

319. 'दम्पती' अस्मिन् पदे समास-विग्रहः भवति–

UGC 25 J–2010

(A) पिता च भ्राता च (B) पिता च पतिश्च

(C) पिता च पुत्रश्च (D) जाया च पतिश्च

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–235

320. 'सीतारामौ' में समास है? **MP वर्ग-2 (TGT)–2011**

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–236

321. 'परवल्लिङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयोः' इत्यस्य उदाहरणं नास्ति–

UP GDC–2012

(A) सीतारामौ (B) मयूरीकुक्कुटौ

(C) अर्धपिप्पली (D) कुक्कुटमयूरौ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–169

322. 'जगतः पितरौ वन्दे' इत्यत्र 'पितरौ' इत्यस्य कोऽर्थः–

BHU Sh.ET–2013

(A) पितृद्वयम् (B) माता च पिता च

(C) मातृद्वयम् (D) पितृसमौ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–239

315. (D) 316. (A) 317. (D) 318. (B) 319. (D)

323. 'मातापितरौ' इत्यत्र कः समासः? BHU B.ed–2014

(A) कर्मधारयः (B) अव्ययीभावः

(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–239*

324. निम्नलिखित में से द्वन्द्वसमास का उदाहरण है– UP GDC–2008

(A) राजपुरुषः (B) पीताम्बरः

(C) पितरौ (D) विश्नः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–239*

325. 'पितरौ' समस्तपद में कौन-सा समास होता है? UP PGT–2010, UP TET–2014

(A) इतरेतरद्वन्द्वसमास (B) समाहारद्वन्द्वसमास

(C) एकशेषद्वन्द्वसमास (D) केवलसमास

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–142*

326. (i) 'पितरौ' में समास है? BHU MET–2012

(ii) पितरौ ..... समास का उदाहरण है– UP PGT–2000

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि

(C) द्वन्द्व (D) अव्ययीभाव

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–148*

327. (i) 'मातापितरौ' इत्यस्य समासविग्रह अस्ति?

(ii) 'पितरौ' समस्तपद का विग्रह–

(iii) 'पितरौ' इत्यस्य पदस्य विग्रहः? REET–2016, UP PGT–2003, 2013, UGC 25 J–2007

(A) पिता च कन्या च (B) माता च पिता च

(C) भ्राता च पिता च (D) स्वसा च पिता च

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–142*

328. द्वन्द्वसमास का उदाहरण है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) मातापितरौ (B) सुपुत्रः

(C) वीरपुरुषः (D) सप्तर्षिः

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–148*

323. (D) **324.** (C) **325.** (C) **326.** (C) **327.** (B)
333. (D) **334.** (A)

329. 'मातापितरौ' इत्यत्र मातृ शब्दस्य पूर्वनिपाते को नियमः– **BHU AET–2011**

(A) लघ्वक्षरञ्च पूर्वम् (B) अल्पाच्तरम्
(C) अभ्यर्हितञ्च (D) धर्मादिष्वनियमः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–239

330. 'हरिहरौ' में कौन-सा समास है? **UP PGT–2005**

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–147

331. 'हरिहरौ' शब्द का विग्रह होता है– **UP PGT–2003**

(A) हरि च हरौ च (B) हरिश्च हरश्च
(C) हरि च हरौ च (D) हरी च हरौ च

स्रोत–समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–147

332. 'हरिहरौ' इत्यत्र समासविधायकं सूत्रं किम्? **UGC 25 J–2014**

(A) द्वन्द्वे घि (B) अजाद्यदन्तम्
(C) अल्पाच्तरम् (D) निष्ठा

स्रोत–समास प्रकरण (आचार्य सेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–147

333. (i) 'द्वादश' पदे कः समासः? **UP TGT–2009**
(ii) 'द्वादश' पद में समास है? **UGC 25 J–1994, D–2001**
AWES TGT–2012

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–165

334. अल्पाच्तरम्-इत्यस्य सूत्रस्य उदाहरणम्– **UGC 25 J–2013**

(A) शिवकेशवौ (B) ईशकृष्णौ
(C) मातापितरौ (D) हरिहरौ

स्रोत–समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–143

328. (A) **329.** (C) **330.** (C) **331.** (B) **332.** (A)

335. किस समास में 'घि' संज्ञक का पूर्व में प्रयोग होता है? UGC 73 D–2015

(A) बहुव्रीहौ (B) तत्पुरुषे
(C) द्वन्द्वे (D) अव्ययीभावे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–235*

336. इन युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है? UP TGT (H)–2009

(A) नीलोत्पलम् कर्मधारयसमासः
(B) दशाननः बहुव्रीहिसमासः
(C) रामलक्ष्मणौ अव्ययीभावसमासः
(D) दिवारात्रिः द्वन्द्वसमासः

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–147*

337. 'रामकृष्णौ' मे कौन-सा समास है? UP PGT–2003

(A) एकशेषद्वन्द्व (B) इतरेतरद्वन्द्व
(C) समाहारद्वन्द्व (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*समासप्रकरण (आचार्यसेतु)-ललित कुमार त्रिपाठी, पेज–147*

338. द्वन्द्व में घिसंज्ञक प्रातिपदिक कहाँ होता है? UGC 73 J–2015

(A) परम् (B) मध्ये
(C) पूर्वम् (D) अन्त्ये

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–235*

339. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J–2008

(अ) कर्मधारयः (i) पीताम्बरः
(ब) अव्ययीभावः (ii) त्रिभुवनम्
(स) द्विगुः (iii) निर्मक्षिकम्
(द) बहुव्रीहिः (iv) कृष्णसर्पः

	अ	ब	स	द
(A)	i	iii	ii	`iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iv	iii	ii	i

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–30, 115, 111, 191

335. (C) 336. (C) 337. (B) 338. (C) 339. (D)
345. (A)

३40. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) सहरि (i) नञ्-तत्पुरुषः **UGC 25 D–2008**

(ब) कण्ठेकालः (ii) द्वन्द्वः

(स) पाणिपादम् (iii) अव्ययीभावः

(द) अनश्वः (iv) बहुव्रीहिः

	अ	ब	स	द
(A)	i	ii	iv	iii
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iii	iv	ii	i

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–35, 188, 240, 123

३41. पदानां विग्रहं लिखत– AWES TGT–2012

'नान्द्यन्ते'

(A) नन्द्यः अन्ते तस्मिन् (B) नान्द्याः अन्तः तस्मिन्

(C) नन्द्याः च तत् अन्ते (D) नन्द्यः च अन्ते तस्मिन्

***स्रोत**–उत्तररामचरितम्-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–5*

३42. त्वक्प्रत्यारोपकः – AWES TGT–2012

(A) त्वचः प्रत्यारोपकः (B) त्वकः प्रत्यारोपकः

(C) त्वक् प्रत्यारोपकः (D) त्वचम् प्रत्यारोपकम्

३43. गौरवगाथां AWES TGT–2012

(A) गौरवं गाथां ताम् (B) गौरवस्य गाथा, ताम्

(C) गौरवं गाथा, ताम् (D) गौरवे गाथा तानि

३44. वर्तमानकाले AWES TGT–2012

(A) वर्तमानः कालः तानि (B) वर्तमानं कालं ताम्

(C) वर्तमानः कालः तस्मिन् (D) वर्तमानं कालं इति

३45. स्वाध्ययनस्य– AWES TGT–2012

(A) स्वं स्वस्य वा अध्ययनम्, तस्य

(B) स्वयं स्वस्य वा अध्ययनस्य तस्य

(C) स्वं स्वं वा अध्ययनं तेषां

(D) स्वस्य स्वं अध्ययनं तस्मिन्

340. (D) 341. (B) 342. (A) 343. (B) 344. (C)

346. समस्तपदं लिखत– **AWES TGT–2012**

पूर्वा दिक्, तस्याम्

(A) पूर्वादिशि　　(B) पूर्वदिशे

(C) पूर्वदिशायां　　(D) पूर्वादिशा

347. करतलयोः ध्वनिः, तेन **AWES TGT–2012**

(A) करतलध्वनिम्　　(B) करतलयोर्ध्वनिः

(C) करतलध्वनिना　　(D) करतलस्यध्वनिः

348. अष्टौ (अष्ट) विधाः यस्य तत्– **AWES TGT–2012**

(A) अष्टविधम्　　(B) अष्टौविधाः

(C) अष्टाविधम्　　(D) अष्टानां विधानां

349. सुबद्धानि मूलानि येषां ते– **AWES TGT–2012**

(A) सुबद्धमूलम्　　(B) सुबद्धमूलाः

(C) सुबद्धमूलानि　　(D) सुबद्धमूलः

346. (A) **347.** (C) **348.** (A) **349.** (B) **350.** (B)

350. **धनस्य विनाशं गतं–** **AWES TGT–2012**

(A) धनस्य विनाशेन गतम् (B) धनविनाशगतम्
(C) धनानविनाशगतम् (D) कोऽपि न अस्ति

351. **'सतां सन्निधानम्' का समस्तपद है?** **H-TET–2014**

(A) सत्सन्निधानम् (B) सतासन्निधानम्
(C) सतसन्निधानम् (D) इनमें से कोई नहीं

352. **परार्थाभिधानं भवति–** **CCSUM-Ph.D –2016**

(A) कारकः (B) विग्रहः
(C) क्रिया (D) वृत्तिः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या चतुर्थ भाग), पेज–09

353. **द्वन्द्वसमासे पूर्वं प्रयुज्यते–** **CCSUM-Ph.D–2016**

(A) नदीसंज्ञकः (B) निष्ठासंज्ञक
(C) घिसंज्ञक (D) भसंज्ञक

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या चतुर्थ भाग।), पेज–235

351. (A) 352. (D) 353. (C)

4. कारक

1. (i) क्रिया से सीधा सम्बन्ध रखने वाले को कहते हैं?
(ii) यस्य क्रियया सह साक्षात् सम्बन्धो भवति तस्य नाम–
UP TET–2013, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) सन्धिः (B) अव्ययम्
(C) कारकम् (D) प्रत्ययः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–09*

2. क्रियायाः केन साक्षात्-सम्बन्धोऽस्ति? UP GIC–2015

(A) पदेन (B) कारकेण
(C) विशेषणेन (D) निपातेन

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–09*

3. 'कारक' पद में प्रत्यय है– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2013

(A) तुमुन् (B) तृच्
(C) ण्वुल् (D) इतच्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–09*

4. कारक-विभक्तयः यत्र सहजमन्तर्भवन्ति तदुच्यते–
DL–2015

(A) डुकृञ् (B) डुदाञ्
(C) सुप् (D) तद्धिताः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–11*

5. (i) कारक होते हैं–
(ii) संस्कृत में कारकों की संख्या मानी जाती है–
(iii) व्याकरण में कारक हैं– UGC 25 J–2002
(iv) कति कारकाणि UGC 73 J–2005
UP PGT–2010, DSSSB PGT–2014
UP GIC–2009, MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) पञ्च (5) (B) षट् (6)
(C) सप्त (7) (D) अष्टौ (8)

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–10*

1. (C) 2. (B) 3. (C) 4. (C) 5. (B)
11. (A)

–प्रकरण

6. **उपपदविभक्तेः .... बलीयसी– UGC 25 D–2004**
   (A) अनुपपदविभक्तिः (B) कारकविभक्तिः
   (C) प्रथमाविभक्तिः (D) न काऽपि विभक्तिः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–11*

7. **प्रथमाविभक्तिः कस्मिन् अर्थे भवति? REET–2016**
   (A) उपमार्थे (B) कारणार्थे
   (C) लिङ्गपरिमाणवचनमात्रे (D) परिभाषार्थे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

8. **उपपद विभक्ति से .... विभक्ति बलवती होती है– UGC 73 J–2014**
   (A) कारक (B) पञ्चमी
   (C) चतुर्थी (D) तृतीया

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–11*

9. **... विभक्ति से कारक विभक्ति बलवती होती है– UGC 73 S–2013**
   (A) सुबन्तपद (B) तिङन्तपद
   (C) उपपद (D) उपसर्ग

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–11*

10. **'उपपदविभक्तेः कारकविभक्तिः बलीयसी' इत्यस्य उदाहरणं भवति– UGC 25 D–2013**
   (A) रामं नमामि (B) नमस्करोति देवान्
   (C) गुरुणा सह शिष्यः गच्छति (D) यागाय याति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–55*

11. **स्वतन्त्रः UGC 25 J–2006, 2008**
   (A) कर्ता (B) न भाव्यः
   (C) कर्म (D) अधिकरणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–40*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.54) - ईश्वरचन्द्र, पेज–131

6. (B)	7. (C)	8. (A)	9. (C)	10. (B)

12. क्रियायां स्वातन्त्र्येण विवक्षितोऽर्थः कः स्यात्?

UGC 25 D–2012

(A) कर्म (B) करणम्
(C) कर्ता (D) अधिकरणम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*

13. प्रातिपदिकार्थे का विभक्तिः? UGC 25 J–2006

(A) सप्तमी (B) प्रथमा
(C) द्वितीया (D) तृतीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

14. 'श्रीः' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे प्रथमा? UGC 25 D–2010

(A) प्रातिपदिकार्थमात्रे (B) परिमाणमात्रे
(C) लिङ्गमात्रे (D) वचनमात्रे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

15. लिङ्गमात्राधिक्ये प्रथमा–इसका उदाहरण है–

UGC 25 J–1998

(A) एकः, द्वौ, बहवः (B) द्रोणो व्रीहिः
(C) तटः, तटी, तटम् (D) श्रीः, कृष्णः, ज्ञानम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

16. 'परिमाणमात्रे प्रथमा' अस्योदाहरणमस्ति–

UP GIC–2015

(A) चितो व्रीहिः (B) धृतो व्रीहिः
(C) बहु व्रीहिः (D) द्रोणो व्रीहिः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

17. परिमाणमात्र में प्रथमा विभक्ति का उदाहरण है–

UGC 73 D–2010

(A) नीचैः (B) प्रस्थो यवः
(C) एकः (D) वृक्षः

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–177*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

12. (C) 13. (B) 14. (A) 15. (C) 16. (D)
22. (D)

18. 'द्रोणो व्रीहिः' वाक्य में 'व्रीहि' पद में कौन सी विभक्ति है? **UP TGT–2010**

(A) प्रातिपदिकार्थमात्र में प्रथमा

(B) परिमाणमात्र में प्रथमा

(C) परिमाण सामान्य को बताने में प्रथमा

(D) परिमाण विशेष को बताने में प्रथमा

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–15*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

19. 'द्रोणो व्रीहिः' वाक्ये प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाण-वचन-मध्यतः कतमोंशः प्रयोगहेतुः? **DL–2015**

(A) प्रथमः (B) द्वितीयः

(C) तृतीयः (D) चतुर्थः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–15*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

20. 'द्रोणो व्रीहिः' इत्यत्र प्रत्ययार्थे परिमाणे प्रकृत्यर्थः केन संसर्गेण विशेषणम्? **JNU M.Phil/Ph.D–2015**

(A) अभेदेन (B) भेदाभेदेन

(C) स्वस्वामिभावेन (D) जन्यजनकभावेन

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–15*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

21. 'बहवः' इत्यत्र कस्मिन् अर्थे प्रथमा विभक्तिः अस्ति– **JNU MET–2015**

(A) प्रातिपदिकार्थमात्रे (B) लिङ्गमात्राधिक्ये

(C) परिमाणमात्रे (D) संख्यामात्रे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–15*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

22. 'सम्बोधने च' सूत्र से विभक्ति होती है? **UP TGT–2009**

(A) सप्तमी (B) षष्ठी

(C) द्वितीया (D) प्रथमा

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–15*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.47) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210

17. (B) 18. (A) 19. (C) 20. (A) 21. (D)

23. किस अर्थ में प्रथमा विभक्ति नहीं होती– UP GIC–2009

(A) प्रातिपदिकार्थ (B) लिङ्ग

(C) हेतु (D) परिमाण

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–13*

24. 'स्वाध्यायाभ्यसनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते' में रेखाङ्कित पद में विभक्ति है– H TET–2014

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) चतुर्थी (D) तृतीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13*

(ii) श्रीमद्भगवद्गीता (17.15) - गीताप्रेस

25. (i) कर्म का लक्षण है– UGC 25 J–1994, 1995

(ii) पाणिनि के अनुसार 'कर्म' है–2001, D–1996

(iii) पाणिनि के अनुसार 'कर्म' का लक्षण है–

(A) ध्रुवमपाये (B) कर्तुरीप्सिततमम्

(C) आधारः (D) स्वतन्त्रः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

26. 'कर्मसंज्ञा' का सूत्र नहीं है– UGC 25 J–2002

(A) कर्तुरीप्सिततमम् (B) कर्मणि द्वितीया

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) अकथितं च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–17*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194

27. कर्तुः क्रियया ईप्सिततमं कारकम्– UGC 25 J–2005

(A) कर्ता (B) करणम्

(C) कर्म (D) अधिकरणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

23. (C) 24. (A) 25. (B) 26. (B) 27. (C)

28. **(i) कर्तुरीप्सिततमं कारकं किमुच्यते UP PGT–2000**

(ii) कर्ता का 'ईप्सिततम' कारक कहलाता है–

(A) कर्म (B) करण

(C) सम्प्रदान (D) अपादान

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

29. **(i) 'अपादानादिविशेषों से अविवक्षित कारक में .... संज्ञा होगी।**

(ii) अपादानादिविशेषैः अविवक्षितं कारकं.........

UGC 25 D–2008, S–2013, UGC 73 D–2014

(A) अपादानम् (B) कर्म

(C) करणम् (D) किमपि न

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

30. **अनीप्सितस्य का संज्ञा? UGC 25 J–2013**

(A) करणसंज्ञा (B) सम्प्रदानसंज्ञा

(C) कर्मसंज्ञा (D) अपादानसंज्ञा

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

31. **कर्तुरीप्सिततमं कर्मेति सूत्रेण कर्मग्रहणस्य प्रयोजनमस्ति–**

JNU M.Phil/Ph. D–2015

(A) अनीप्सितनिवृत्तिः (B) इत्थम्भूताख्याननिवृत्तिः

(C) आधारनिवृत्तिः (D) आधारप्रवृतिः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

32. **कर्तुः क्रियया आप्तुमिष्टतमस्य कारकस्य का संज्ञा भवति?**

UGC 25 S–2013

(A) कर्त्ता (B) कर्म

(C) करणम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

28. (A) 29. (B) 30. (C) 31. (C) 32. (B)

33. 'कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे' सूत्र है–

UP PGT–2002, 2004

(A) कर्ताकारक का (B) कर्मकारक का

(C) करणकारक का (D) सम्प्रदानकारक का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–38*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.5) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

34. 'सः दश वर्षाणि अध्ययनं करोति' वाक्य किस कारक सूत्र का उदाहरण बनेगा– H-TET–2015

(A) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (B) अपवर्गे तृतीया

(C) कर्तृकरणयोस्तृतीया (D) अधिशीङ्स्थाऽऽसां कर्म

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–38*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.5) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

35. 'अभिनिविशश्च' सूत्र है? UP TGT–2003, 2004

(A) करणकारक का (B) कर्मकारक का

(C) सम्प्रदानकारक का (D) अपादानकारक का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.47) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

36. 'अन्तराऽन्तरेण युक्ते' सूत्र है? UP TGT–2004

(A) द्वितीया का (B) तृतीया का

(C) पञ्चमी का (D) सप्तमी का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.4) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

37. 'दिवः कर्म च' यह सूत्र वैकल्पिक रूप से किस कारक से सम्बन्धित हो सकता है– UP TGT–2004

(A) कर्मकारक से (B) सम्प्रदानकारक से

(C) अधिकरणकारक से (D) अपादानकारक से

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–41*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

33. (B) 34. (A) 35. (B) 36. (A) 37. (A)

38. 'उपान्वध्याङ्वसः' सूत्र है– UP TGT–2005, DL–2015

(A) करणकारक का (B) कर्मकारक का

(C) अपादानकारक का (D) सम्प्रदानकारक का

स्रोत–(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–30

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.48) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

39. 'क्रुधद्रुहोरुपसृष्टयोः' संज्ञा भवति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) कर्मसंज्ञा (B) अधिकरणसंज्ञा

(C) करणसंज्ञा (D) सम्प्रदानसंज्ञा

स्रोत–(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–50

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

40. 'अकथितं च' किस कारक का द्योतक है?

BHU MET–2009, 2011, 2012

(A) करण (B) कर्म

(C) सम्प्रदान (D) सम्बन्ध

स्रोत–(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

41. कर्मसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्? DSSSB PGT–2014

(A) कर्मणि द्वितीया

(B) कर्तरि कर्मव्यतिहारे

(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(D) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया

स्रोत–(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–16

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

42. 'कर्म' इत्यनुवृत्तौ पुनः कर्मग्रहणम् आधारनिवृत्यर्थम् अन्यथा 'गेहं प्रविशति' इत्यत्रैव स्यात् इतीयं पङ्क्तिः कतमत् सूत्रम् अधिकृत्य वर्तते? UK SLET–2015

(A) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्

(B) दिवः कर्म च

(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(D) गत्यर्थकर्मणि द्वितीयाचतुर्थ्यौ चेष्टायामनध्वनि

स्रोत–(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

38. (B)	39. (A)	40. (B)	41. (C)	42. (C)

43. कर्ता द्वारा अनीप्सितपदार्थ की क्या संज्ञा होती है?

UP TGT–2013

(A) कर्ता (B) कर्म

(C) करण (D) सम्प्रदान

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

44. कर्ता का इष्टतम कारक है? UP TGT–2001

(A) कर्मकारक (B) करणकारक

(C) सम्प्रदानकारक (D) अपादानकारक

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–16*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

45. (i) 'अनुक्ते कर्मणि' का विभक्तिः भवति?

(ii) 'अनुक्त कर्म' में विभक्ति है–

UP TGT–2001, RPSC ग्रेड-III–2013

UGC 25 D–2001, 2010

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–17*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194

46. द्विकर्मकधातुओं में होती है– UGC 25 J–2002

(A) तृतीयाविभक्ति (B) द्वितीयाविभक्ति

(C) पञ्चमीविभक्ति (D) सप्तमीविभक्ति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

47. कर्मणि किं भवति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) सप्तमी (B) षष्ठी

(C) प्रथमा (D) द्वितीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–17*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194

43. (B) 44. (A) 45. (A) 46. (B) 47. (D)

48. 'अकथितं च' सूत्र है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) प्रथमाविभक्ति का (B) द्वितीयाविभक्ति का

(C) तृतीयाविभक्ति का (D) पञ्चमीविभक्ति का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

49. मासमास्ते रेखांकित पद में कौन सी विभक्ति है–

UP PGT–2002

(A) प्रथमा विभक्ति (B) द्वितीया विभक्ति

(C) तृतीया विभक्ति (D) चतुर्थी विभक्ति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–23*

50. द्विकर्मक दुह्, याच् आदि बारह धातुओं का कर्मवाच्य बनाने में उनका गौण कर्म किस विभक्ति में आता है–

UP GIC–2009

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

51. 'धिक्' के योग में कौन-सी विभक्ति होती है–

UP TGT–1999, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) षष्ठी (B) पञ्चमी

(C) तृतीया (D) द्वितीया

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–30*

52. (i) 'अभितः' के योग में विभक्ति होती है–

(ii) 'अभितः' इति शब्दस्य योगे का विभक्तिः?

UP TGT–2003, 2004, DSSSB PGT–2014

UP TET–2013, CCSUM Ph.D–2016

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

48. (B)	49. (B)	50. (A)	51. (D)	52. (A)

53. 'परितः' के योग में विभक्ति होगी? UP TGT–2005

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

54. 'समया' के योग में विभक्ति होती है–

UGC 25 J–1994, 2001

(A) षष्ठी (B) पञ्चमी

(C) द्वितीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

55. 'अभि + क्रुध्' धातु के योग में विभक्ति आती है–

UGC 25 D–1999

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–50, 51*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

56. ''अभितः-परितः-समया-निकषा-हा-प्रतियोगेऽपि'' सूत्र किस विभक्ति का है? UGC 25 J–2004

RPSC ग्रेड-III–2013, UP GDC–2008

(A) प्रथमा (B) चतुर्थी

(C) षष्ठी (D) द्वितीया

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

57. 'अभितः' या 'सर्वतः' के योग में कौन सी विभक्ति होती है– UP PGT–2013, RPSC ग्रेड-III, UP TGT–2010

(A) षष्ठी (B) पञ्चमी

(C) तृतीया (D) द्वितीया

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

58. 'कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे' सूत्र द्वारा किस विभक्ति का निर्देश किया गया है– UP PGT–2010

BHU MET–2009, 2012

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–38*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.5) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

53. (A) 54. (C) 55. (A) 56. (D) 57. (D)

63. (A)

59. (i) 'अन्तरा' योगे विभक्तिः भवति–

(ii) 'अन्तरा' के योग में विभक्ति है–

RPSC ग्रेड-III 2013, AWES TGT–2011

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.4) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

60. **'मूर्खं धिक्' इत्यत्र का विभक्ति? BHU Sh.ET–2011**

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) तृतीया (D) सम्बोधनम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–30*

61. **(i) कर्मप्रवचनीययुक्ते विभक्तिः भवति–**

(ii) कर्मप्रवचनीय' के योग में .... विभक्ति होती है– UGC 73 S–2013, J–2015

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) पञ्चमी (D) चतुर्थी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–32*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

62. **'अभि' एवं 'नि' उपसर्गपूर्वक 'विश्' के योग में किस विभक्ति का प्रयोग होता है– UP GDC–2008**

(A) सप्तमी (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) द्वितीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–29*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.47) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

63. **अभिपूर्वस्य 'क्रुध्' धातोः योगे विभक्तिः भवति?**

UK SLET–2015

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–50*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

58. (A) 59. (B) 60. (B) 61. (A) 62. (D)

64. 'विना' के योग में विभक्ति होती है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) चतुर्थी (D) षष्ठी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–70*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205

65. 'विद्यालयं निकषा नदी अस्ति' में कौन सी विभक्ति है?

UP PGT (H)–2010

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

66. राजा सेवक को कम्बल देता है, वाक्य मे रेखांकित पद में कौन-सा कारक है? RLP–2015

(A) सम्प्रदानकारक (B) कर्ताकारक

(C) कर्मकारक (D) सम्बन्धकारक

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–46*

67. 'गत्यर्थक धातुओं' के योग में विभक्ति होती है?

UP TET–2013

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) सप्तमी (D) द्वितीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–24*

(ii) अष्टाध्यायी 1.4.52 - ईश्वरचन्द्र, पेज–129

68. 'वीप्सार्थे द्योत्ये' का विभक्तिर्गम्यते? UGC 25 J–2015

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) द्वितीया (D) सप्तमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–34*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.89) - ईश्वरचन्द्र, पेज–141

69. ''अन्तरा त्वां मां हरिः'' किस सूत्र का उदाहरण है–

H TET–2014

(A) अन्तराऽन्तरेणयुक्ते (B) कर्मप्रवचनीयाः

(C) अनुर्लक्षणे (D) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.4) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

64. (B) 65. (A) 66. (A) 67. (D) 68. (C)

74. (B)

70. 'पुष्पाणि स्पृहयति' इत्यत्र 'पुष्पाणि' इति पदम् अस्ति–
UGC 25 D–2013

(A) ईप्सिततमम् (B) ईप्सितम्
(C) अनीप्सितम् (D) अनीप्सितम्

स्रोत– *(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–49*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123

71. 'पुष्पाणि स्पृहयन्ति' इत्यत्र 'पुष्पाणि' इत्यस्य कर्मसंज्ञा भवति– UGC 25 J–2011

(A) अनीप्सित्वात् (B) ईप्सिततमत्वात्
(C) स्पृहधातोः प्रयोगात् (D) प्रकर्षाभावात्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–49*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

72. 'ग्रामं गच्छति' इत्यत्र केन सूत्रेण द्वितीयाविभक्तिः अस्ति–
UGC 25 D–2011, H TET–2014

(A) 'अकथितं च' सूत्रेण
(B) 'शब्दायतेर्न' सूत्रेण
(C) 'तथायुक्तं चानीप्सितम्' सूत्रेण
(D) 'कर्मणि द्वितीया' सूत्रेण

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194

73. 'तथायुक्तं चानीप्सितम्' इति सूत्रस्योदाहरणम्?
UGC 25 D–2006

(A) ओदनं पचति (B) गां पयः दोग्धि
(C) अग्नेः माणवकं वारयति (D) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति।

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

74. 'विषं भक्षयति'–यहाँ कर्मसंज्ञा विधायक सूत्र है–
UGC 25 J–1999

(A) अकथितं च (B) तथायुक्तं चानीप्सितम्
(C) दिवः कर्म च (D) अभिनिविशश्च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

69. (A) 70. (A) 71. (B) 72. (D) 73. (D)

75. 'ग्रामं गच्छन्तृणं स्पृशति' इत्यत्र द्वितीयाविधायकं सूत्रं किम्?
UGC 25 D–2012, UP PGT–2013

(A) अकथितं च (B) स्पृहेरीप्सितः

(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (D) तथायुक्तं चानीप्सितम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

76. 'विषं भुङ्क्ते' इसमें कर्मसंज्ञा होती है–
UGC 73 J–1999, D–2008

(A) कर्तुरीप्सिततमम् (B) दिवः कर्म च

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) भुजोऽनवने

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

77. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' इसमें 'तृणम्' की कर्मसंज्ञा होती है– **UGC 73 D–2006**

(A) अकथितं च (B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) दिवः कर्म च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

78. 'ओदनं भुञ्जानो विषं भुङ्क्ते' उदाहरण है?
UP PGT–2000

(A) अभुक्त्यर्थस्य न (B) अनुर्लक्षणे

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) हेतौ

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

79. वाक्यं स्यात्– **UGC 73 D–2004**

(A) गौरश्वः पुरुषो हस्ती

(B) नभः कुसुममस्तीति

(C) अग्निना सिञ्चति

(D) देवदत्तः ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

75. (D) 76. (C) 77. (C) 78. (C) 79. (D)

80. 'ओदनं भुञ्जानो विषं भुङ्क्ते' में 'ओदन' की कर्मसंज्ञा किस सूत्र से हुई है– UP PGT–2004

(A) कर्मणि द्वितीया (B) तथायुक्तं चानीप्सितम्
(C) अकथितं च (D) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

81. ''सः तण्डुलेन ओदनं पचति'' वाक्यमिदं संशोधयत– REET–2016

(A) सः तण्डुलान् ओदनं पचति
(B) स तण्डुलाय ओदनं पचति
(C) स तण्डुलानं ओदनः पचति
(D) सः तण्डुलात् ओदनम् पचति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

82. 'गां दोग्धि पयः' से सम्बन्धित सूत्र है– UGC 25 D–2003

(A) अकथितं च (B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(C) अपादान (D) कर्मप्रवचनीयाः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–20*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

83. 'सः मन्दिरम् आगत्य पुस्तकं पठित्वा तण्डुलान् ओदनं पचति।' इत्यत्र वाक्ये अकथितं कर्म अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) मन्दिरम् (B) ओदनम्
(C) तण्डुलान् (D) पुस्तकम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

84. 'गां दोग्धि पयः' में 'गां' की संज्ञा होगी? UP TGT–2010

(A) कर्म (B) करण
(C) अधिकरण (D) अपादान

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–20*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

80. (D)	81. (A)	82. (A)	83. (C)	84. (A)

85. 'गां दोग्धि पयः' वाक्ये 'गां' प्रयोगाय निर्दिष्टं सूत्रमस्ति– DL–2015

(A) कर्मणि द्वितीया (B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) अकथितं च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–20*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

86. 'गां दोग्धि पयः' अत्र 'पयः' अस्ति– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) कर्त्ता (B) करणम्

(C) कर्म (D) अधिकरणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–20*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

87. (i) 'गां दोग्धि पयः' अत्र 'गो' पदे द्वितीया भवति–

(ii) 'गां दोग्धि पयः' 'बलिं भिक्षते वसुधाम्'। उपर्युक्त वाक्यों में क्रमशः 'गाम्' और 'बलिं' में कर्मकारक द्वितीया विभक्ति का विधायक सूत्र कौन-सा है? UP TGT–1999, CCSUM-Ph.D–2016

(A) अधिशीङ्स्थासां कर्म (B) उपान्वध्याङ्वसः

(C) अकथितं च (दुह्याच्...) (D) अभिनिविशश्च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–20/21*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

88. 'बलिं याचते वसुधाम्' यहाँ 'बलि' की कर्मसंज्ञा विधायक सूत्र है? UP TGT–2001, 2009 UP TET–2014, UGC 25 D–1997

(A) अकथितं च (B) अपवर्गे तृतीया

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) अभिनिविशश्च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

89. 'याच्' धातोः योगे किं कारकम् उक्तम् – DL–2015

(A) अपादानम् (B) अधिकरणम्

(C) कर्ता (D) कर्म

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

85. (D) 86. (C) 87. (C) 88. (A) 89. (D)

90. 'बलिं याचते वसुधाम्' इस वाक्य में 'बलि' में द्वितीया विभक्ति क्यों होती है? UP TGT–2013

(A) बलि गौण कर्म है।

(B) अपादान की विशेष विवक्षा नहीं, अपितु अविवक्षता है।

(C) 'अकथितं च' सूत्र से कर्मसंज्ञा होती है।

(D) उपर्युक्त सभी कारणों से

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

91. 'द्विकर्मकधातोः' उदाहरणमस्ति–

RPSC ग्रेड-II TGT–2010

(A) अध्यापकः छात्रान् पाठयति

(B) अध्यापकः छात्रं पाठयति

(C) अध्यापकः छात्रान् पृच्छति

(D) अध्यापकः छात्रं प्रश्नं पृच्छति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

92. 'वृक्षात् अवचिनोति फलानि'– अत्र अविवक्षितं कर्म भवेत्–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) वृक्षेण (B) वृक्षम्

(C) वृक्षे (D) वृक्षैः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

93. 'अकथितं च' इस सूत्र का उदाहरण है– UGC 73 D–2009

(A) विषं भुङ्क्ते (B) हरिं भजति

(C) वृक्षं पुष्पमवचिनोति (D) गृहं गच्छति बालकः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–21*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

94. 'अकथितं च' इत्यस्य सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति–

UGC 25 J–2013

(A) माणवकं धर्मं ब्रूते। (B) धर्मं जानाति वेदेन।

(C) वनं गच्छति रथेन। (D) माणवकाय दीक्षां ददाति।

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–22*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

90. (D)	91. (D)	92. (B)	93. (C)	94. (A)

95. अकथितकर्म का उदाहरण है–

UGC 25 D–1998, J–2000

(A) विषं भुङ्क्ते (B) ग्रामं गच्छति

(C) मासमास्ते (D) देवदत्तं शतं मुष्णाति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–22*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

96. भिक्षुकः याचते– UGC 73 D–2005

(A) श्रेष्ठिनः (B) श्रेष्ठिने

(C) श्रेष्ठिनि (D) श्रेष्ठिनम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

97. निम्न में से द्विकर्मक धातु नहीं है? UP TET –2013

(A) कृष् (B) दण्ड्

(C) मन् (D) मथ्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

98. 'शत्रवः स्वर्गम् अगच्छन्' वाक्य का णिजन्त रूप होगा–

UP PGT–2000

(A) शत्रवः स्वर्गम् अगमयत् (B) शत्रून् स्वर्गम् अगमयत्

(C) शत्रून् स्वर्गम् अगच्छन् (D) शत्रवे स्वर्गम् अगमयत्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–24*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.52) - ईश्वरचन्द्र, पेज–129

99. इनमें शुद्ध रूप है– UGC 25 D–1999

(A) ग्रामात् परितः (B) ग्रामस्य परितः

(C) ग्रामेण परितः (D) ग्रामं परितः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

100. इस अर्थ में 'परि' कर्मप्रवचनीय होता है–

UGC 25 J–2000

(A) पूजा (B) भाग

(C) अतिक्रमण (D) समुच्चय

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–34*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.89) - ईश्वरचन्द्र, पेज–141

95. (D) **96.** (D) **97.** (C) **98.** (B) **99.** (D)
105. (A)

101. 'अधिशीङ्स्थासां कर्म' का उदाहरण है–

UGC 25 J–2002, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) कटे आस्ते (B) वैकुण्ठम् अध्यास्ते
(C) जटाभिः तापसः (D) अधिवसति वैकुण्ठं हरिः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–29*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

102. 'अधिशीङ्स्थासां कर्म' सूत्र सम्बन्धित है?

UP TET–2016

(A) प्रथमा विभक्ति से (B) द्वितीया विभक्ति से
(C) तृतीया विभक्ति से (D) चतुर्थी विभक्ति से

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–29*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

103. 'अधिवसति वैकुण्ठं हरिः' किस सूत्र से सिद्ध होता है?

BHU MET–2012

(A) अधिशीङ्स्थासां कर्म (B) अधीगर्थदयेशां कर्मणि
(C) अधिपरी अनर्थकौ (D) उपान्वध्याङ्वसः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–30*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.48) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

104. 'अनु हरिं सुराः' किस सूत्र का उदाहरण है–

BHU MET–2012

(A) हेतौ (B) हीने
(C) तृतीयार्थे (D) अनुर्लक्षणे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–33*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.86) - ईश्वरचन्द्र, पेज–140

105. कारकप्रकरणे ण्यन्ताण्यन्तविचारः अधस्तनेषु कस्मिन् सूत्रे कृतः? **UGC 25 D–2014**

(A) गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थशब्दकर्माकर्मकाणामणि कर्ता स णौ
(B) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः
(C) णेरनिटि
(D) णो नः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–24*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.52) - ईश्वरचन्द्र, पेज–129

100. (B)	101. (B)	102. (B)	103. (D)	104. (B)

106. 'कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे' इति सूत्रेण सिद्धम्– UP GDC–2014

(A) अक्ष्णा काणः (B) तिलात् तैलम्

(C) हिमवतो गङ्गा (D) क्रोशं कुटिला नदी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–38*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.5) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

107. 'गङ्गां यमुनां च............ प्रयागराजः अस्ति' इति वाक्ये रिक्तस्थाने पदं योजनीयम् अस्ति? BHU RET–2012

(A) परितः (B) अभितः

(C) अन्तरा (D) पृथक्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.4) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

108. .... समया नदी वहति। AWES TGT–2013

(A) नगरं (B) नगरस्य

(C) नगरात् (D) नगरेण

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

109. तस्मै..........विना कथं कथितम्। AWES TGT–2013

(A) प्रयोजनस्य (B) प्रयोजनम्

(C) प्रयोजने (D) प्रयोजनाय

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–70*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205

110. 'अधिवसति वैकुण्ठं हरिः' में 'अधिवसति' रूप बनाने का सही सूत्र कौन है? BHU MET–2009

(A) अधिशीङ्स्थासां कर्म (B) अधिपरी अनर्थकौ

(C) उपान्वध्याङ्वसः (D) अधीगर्थदयेशां कर्मणि

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–30*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.48) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

111. 'अधि भुवि रामः' में कर्मप्रवचनीयसंज्ञा किस सूत्र से होती है? BHU MET–2009

(A) अधिरीश्वरे (B) कर्मप्रवचनीयाः

(C) अधीगर्थदयेशां कर्मणि (D) अधिपरी अनर्थकौ

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–102*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–143

106. (D) **107.** (C) **108.** (A) **109.** (B) **110.** (C)
116. (A) **117.** (C)

112. 'अनुर्लक्षणे' सूत्र विधायक है? **UP PGT–2013**

(A) कर्मप्रवचनीयसंज्ञा का (B) उपसर्गसंज्ञा का
(C) गतिसंज्ञा का (D) निपातसंज्ञा का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–32*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.83) - ईश्वरचन्द्र, पेज–139

113. जपमनु प्रावर्षत्..........अत्र द्वितीया केन सूत्रेण? **UGC 25 J–2008, BHU MET–2014**

(A) अनुर्लक्षणे (B) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया
(C) कर्मणि द्वितीया (D) लक्षणेत्थम्भूताख्यान----

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–32*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

114. कारकप्रयोगदृष्ट्या वाक्यमिदं शुद्धं वर्तते– **UGC 25 J–2013**

(A) नृपे गां याचते (B) देवदत्ताय अभिक्रुध्यति
(C) देवदत्तम् अभिक्रुध्यति (D) पुष्पेण स्पृहयति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–51*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

115. अयम् उपपदविभक्तेः प्रयोगः वर्तते– **UGC 25 J–2013**

(A) ग्रामाद् आयाति (B) हरिः सेव्यते
(C) लक्ष्म्या सहितः (D) रामात् पृथक्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–69*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205

116. हेत्वर्थक 'अनु' शब्द को कहते हैं? **UP TGT–2004**

(A) कर्मप्रवचनीय (B) व्यपेक्षा
(C) अतिदेश (D) विभाषा

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–32*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.8) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

117. कारकप्रयोगदृष्ट्या वाक्यमिदं शुद्धम् अस्ति– **UGC 25 D–2013**

(A) भक्तः रोचते भक्तिः (B) देवदत्तं श्लाघते
(C) वैकुण्ठम् अध्यास्ते हरिः (D) वैकुण्ठे अध्यास्ते हरिः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

111. (A) 112. (A) 113. (B) 114. (C) 115. (D)

118. 'हरिमभिवर्तते' वाक्य में 'हरिम्' में द्वितीया विभक्ति का कारण है– UP PGT–2000

(A) कर्मत्व (B) अनभिहितत्त्व
(C) अभि का प्रयोग (D) ईप्सितत्त्व

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–35*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.90) - ईश्वरचन्द्र, पेज–141

119. 'रामः गृहम् अधितिष्ठति' में 'गृहम्' की कर्मसंज्ञा किस सूत्र से हुई है– UP PGT–2002

(A) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (B) अकथितं च
(C) अधिशीङ्स्थासां कर्म (D) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–29*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

120. जब 'क्रुध्' तथा 'द्रुह्' धातु उपसर्ग सहित हों तो जिसके प्रति क्रोध या द्रोह किया जाता है, वह होता है? UP TGT–2003

(A) सम्प्रदानसंज्ञा में (B) करणसंज्ञा में
(C) कर्मसंज्ञा में (D) अपादानसंज्ञा में

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–50*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

121. 'वैकुण्ठम् अध्यास्ते हरिः' यहाँ किस अर्थ में कर्म संज्ञा होती है? UP TGT–2005

(A) अपादान अर्थ में (B) सम्प्रदान अर्थ में
(C) सम्बन्ध अर्थ में (D) आधार अर्थ में

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–29*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

122. 'दुष्टः सज्जनम् अभिद्रुह्यति' इत्यस्मिन् वाक्ये प्रवृत्तं सूत्रम् अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः
(B) स्पृहेरीप्सितः
(C) क्रुधद्रुहोरुपसृष्टयोः कर्म
(D) अभिनिविशश्च

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–50*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

118. (C) 119. (C) 120. (C) 121. (D) 122. (C)

123. 'पञ्चवर्षाणि अधीते' अस्मिन् वाक्ये द्वितीयाविभक्तेः कारकसूत्रमस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) अधिपरी अनर्थकौ
(B) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया
(C) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे
(D) अधिशीङ्स्थासां कर्म

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–38*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.5) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

124. 'अधिशीङ्स्थासां कर्म' सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**

(A) वयं भारते वसामः (B) वयं भारतम् अधितिष्ठामः
(C) वयं भारताय यजामः (D) वयं भारतस्य नागरिकाः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–29*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

125. .... न प्रतिभाति किञ्चित्– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) बभुक्षितेन (B) बुभुक्षितम्
(C) बभुक्षिता (D) बुभुक्षितस्य

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

126. 'अक्षान् दीव्यति' में कर्मसंज्ञक सूत्र है– **UGC 73 D–1997**

(A) कर्मणि द्वितीया (B) दिवस्तदर्थस्य
(C) दिवः कर्म च (D) दिवः कर्मणि

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–41-42*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

127. 'मासं कल्याणी' यहाँ द्वितीया विधायक सूत्र है– **UGC 73 J–2014**

(A) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे
(B) कर्मणि द्वितीया
(C) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया
(D) अतो नुम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–38*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.5) - ईश्वरचन्द्र, पेज–195

123. (C) 124. (B) 125. (B) 126. (C) 127. (A)

128. 'अध्यास्ते वैकुण्ठं हरिः' इत्यत्र 'वैकुण्ठम्' इत्यस्य कर्मसंज्ञा केन सूत्रेण भवति–

BHU RET–2008, UGC 73 D–2015

(A) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (B) अकथितं च

(C) अधिशीङ्स्थासां कर्म (D) उपान्वध्याङ्वसः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

129. हीने द्योत्ये का विभक्तिः – AWES TGT–2010

(A) पञ्चमी (B) तृतीया

(C) द्वितीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–33*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.85) - ईश्वरचन्द्र, पेज–140

130. 'कर्मकारक' विधायक सूत्र है– H TET–2014

(A) स्पृहेरीप्सितः (B) कर्तरि प्रथमा

(C) कर्मणि द्वितीया (D) उपान्वध्याङ्वसः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–30*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.48) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

131. 'अधिशीङ्स्थासां' कर्म सूत्र से कर्मसञ्ज्ञा होती है–

H TET–2014

(A) करण की (B) सम्प्रदान की

(C) अपादान की (D) आधार की

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

132. 'क्रोशं कुटिला नदी' इत्यस्मिन् द्वितीया भवति–

G GIC–2015

(A) 'कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे' इति सूत्रेण

(B) 'साधकतमं करणम्' इति सूत्रेण

(C) 'कर्तृकरणयोस्तृतीया' इति सूत्रेण

(D) 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' इति सूत्रेण

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–38*

128. (C) 129. (C) 130. (D) 131. (D) 132. (A)
138. (B)

तृतीया-विभक्ति

133. 'हेतौ' इस सूत्र का उदाहरण है– UGC 25 D–1997

(A) धूमात् वह्निमान् (B) अध्ययनेन वसति
(C) धनेन किम् (D) बाणेन हतः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–44*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.23) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

134. 'इत्थम्भूतलक्षणे'–इस सूत्र का उदाहरण है–
UGC 25 J–1998, BHU MET–2008

(A) मुखेन त्रिलोचनः (B) जटाभिः तापसः
(C) पादेन गच्छति (D) प्रकृत्या शोभनः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

135. 'हेतु तृतीया' का उदाहरण है– UGC 25 D–1998

(A) प्रकृत्या चारु (B) अध्ययनेन वसति
(C) दुःखेन याति (D) मासेन व्याकरणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–44*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.23) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

136. 'येनाङ्गविकारः' इस सूत्र का उदाहरण है–
UGC 25 J–1999

(A) जटाभिस्तापसः (B) वपुषा चतुर्भुजः
(C) दण्डेन ताडितः (D) बाणेन हतः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

137. 'येनाङ्गविकारः' सम्बन्धित है–
UGC 25 J–2001, 2003, UP TET–2014

(A) तृतीया से (B) चतुर्थी से
(C) पञ्चमी से (D) षष्ठी से

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

138. 'नाना' के योग में विभक्ति है– UGC 25 D–2001

(A) प्रथमा (B) तृतीया
(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–69*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205

133. (B) 134. (B) 135. (B) 136. (B) 137. (A)

139. 'साधकतमं करणम्' सूत्र किस विभक्ति का है– **UGC 25 J–2003**

(A) प्रथमा (B) तृतीया
(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

140. 'हेत्वर्थे' का विभक्तिः? **UGC 25 J–2012**

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज-44*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.23) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

141. (i) 'जटाभिः तापसः'– अत्र तृतीया केन सूत्रेण?
(ii) 'जटाभिस्तापसः' में तृतीया विभक्ति का हेतु है– UP TGT–1999, UP PGT–2003, 2004
(iii) 'जटाभिः तापसः' में तृतीया विभक्ति विधायक सूत्र– UP GDC–2012, UGC 25 D–2003, 2008
(iv) 'जटाभिः तापसः' सम्बन्धित है– UP TET–2013

(A) अपवर्गे तृतीया (B) दिवः कर्म च
(C) हेतौ (D) इत्थम्भूतलक्षणे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज-43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

142. (i) 'अक्ष्णा काणः' में तृतीया विभक्ति हुई है–
(ii) 'अक्ष्णा काणः' केन सूत्रेण तृतीया विभक्तिः?
UGC 25 J–2005, 2007, BHU MET–2009
UP TGT–2005, CCSUM-Ph.D–2016

(A) कर्तृकरणयोः तृतीया (B) येनाङ्गविकारः
(C) दिवः कर्म च (D) जनिकर्तुः प्रकृतिः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

143. साधकतमं– **UGC 25 D–2006, J–2009**

(A) कर्म (B) कर्ता
(C) अधिकरणम् (D) करणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

139. (B) 140. (B) 141. (D) 142. (B) 143. (D)

144. क्रियासिद्धौ प्रकृष्टोपकारकं कारकं...............

UGC 25 D–2008

(A) करणम् (B) अपादानम्

(C) तादर्थ्यम् (D) उपकारकम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

145. 'सह साकं सार्धम्' इति योगे किं कारकं भवति–

UGC 25 D–2009

(A) कर्ता (B) कर्म

(C) करणम् (D) सम्प्रदानम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–42/43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

146. (i) 'सहयुक्तेऽप्रधाने' इति सूत्रमस्ति–

(ii) 'सहयुक्तेऽप्रधाने' विभक्तिः भवति–

UGC 25 D–2011, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) प्रथमाविभक्तेः (B) तृतीयाविभक्तेः

(C) पञ्चमीविभक्तेः (D) षष्ठीविभक्तेः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

147. अपवर्गे करणयोस्तृतीया भवति? UGC 25 S–2013

(A) कर्तृकर्मणोः (B) हेतुकरणयोः

(C) कालाध्वनोः (D) संज्ञासर्वनाम्नोः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

148. 'नदीमन्ववसिता सेना' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे कर्मप्रवचनीयसंज्ञा भवति?

UGC 25 J–2014

(A) प्रथमार्थे (B) पञ्चम्यर्थे

(C) तृतीयार्थे (D) सप्तम्यर्थे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–33*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–139

144. (A) 145. (C) 146. (B) 147. (C) 148. (C)

149. 'चर्मणि द्वीपिनं हन्ति'.............अत्र चर्मशब्दे आदौ कतमा विभक्तिः प्राप्ता भवति? UGC 25 J–2014

(A) हेतौ तृतीया (B) अपादाने पञ्चमी
(C) कर्मणि द्वितीया (D) सम्प्रदाने चतुर्थी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–94*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.23) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

150. 'सह' के योग में कौन-सी विभक्ति होती है? DL–2015, UP PGT–2000, BHU MET–2010

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) षष्ठी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

151. 'सह' इति योगेन कतमं वाक्यं समीचीनम्– C-TET–2015

(A) श्रीकण्ठः तस्मात् सह गृहम् अगच्छत्
(B) श्रीकण्ठः तस्मिन् सह गृहम् अगच्छत्
(C) श्रीकण्ठः तेन सह गृहम् अगच्छत्
(D) श्रीकण्ठः तस्मै सह गृहम् अच्छत्

स्रोत–*(i) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2) - गोविन्दाचार्य, पेज–246*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

152. (i) 'अक्ष्णा काणः' इसमें 'अक्ष्णा' शब्द के साथ तृतीया विभक्ति इस सूत्र से प्रयुक्त है?
(ii) 'अक्ष्णा काणः' बनाने वाला सूत्र क्या है– BHU MET–2011, 2012, UP TET–2016

(A) इत्थम्भूतलक्षणे (B) हेतौ
(C) येनाङ्गविकारः (D) साधकतमं करणम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

153. 'येनाङ्गविकारः' एवं 'इत्थम्भूतलक्षणे' सूत्रों से विभक्ति होती है– UP PGT–2005

(A) द्वितीया (B) द्वितीया एवं तृतीया
(C) तृतीया (D) तृतीया एवं पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

149. (A) **150.** (B) **151.** (C) **152.** (C) **153.** (C)

154. 'नक्षत्रवाची' शब्द कालविशेष को प्रकट करता है, तो विभक्ति होती है– UP PGT–2005

(A) चतुर्थी-पञ्चमी (B) प्रथमा-द्वितीया

(C) द्वितीया-तृतीया (D) तृतीया-सप्तमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–100*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209

155. शरीर के किसी अङ्ग के विकार में कौन-सी विभक्ति होती है? UP TGT–1999, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) द्वितीया (B) चतुर्थी

(C) तृतीया (D) षष्ठी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

156. 'येनाङ्गविकारः' सूत्र है– UP TGT–2003, 2004

(A) करणकारक का (B) कर्मकारक का

(C) सम्प्रदानकारक का (D) अपादानकारक का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

157. (i) 'इत्थम्भूतलक्षणे' सूत्रेण भवति–

(ii) 'इत्थम्भूतलक्षणे' सूत्रप्रयोगे विभक्तिः

(iii) इत्थम्भूतलक्षणे' से सम्बन्धित विभक्ति है– UP TGT–2001, CCSUM-Ph.D–2016

(A) द्वितीया विभक्ति (B) तृतीया विभक्ति

(C) चतुर्थी विभक्ति (D) पञ्चमी विभक्ति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

158. तृतीया विभक्ति तब होती है जब– UP TGT–2003

(A) काल अर्थ के साथ अपवर्ग द्योतित होने पर

(B) हीन अर्थ द्योतित होने पर

(C) अनादर अर्थ द्योतित होने पर

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

154. (D) 155. (C) 156. (A) 157. (B) 158. (A)

159. 'पादेन खञ्जः' में तृतीया विभक्ति है?
UP TGT–2001, UP TET–2014

(A) येनाङ्गविकारः से (B) सहयुक्तेऽप्रधाने से
(C) साधकतमं करणम् से (D) कर्तृकरणयोस्तृतीया से

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

160. 'वपुषा चतुर्भुजः' वाक्य में 'वपुषा' में किस सूत्र पर आधारित तृतीया है? UP TGT–2004

(A) इत्थम्भूतलक्षणे (B) हेतौ
(C) येनाङ्गविकारः (D) अपवर्गे तृतीया

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

161. 'शिखया परिव्राजकः' यहाँ किस कारक में तृतीया विभक्ति है– UP TGT–2004

(A) कर्मणि (B) कर्तरि
(C) संज्ञायाम् (D) करणे

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–249*

162. 'इत्थम्भूतलक्षणे' सूत्र है? UP TGT–2005

(A) करणकारक का (B) सम्प्रदानकारक का
(C) अपादानकारक का (D) अधिकरणकारक का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

163. सः प्रकृत्या चारु अस्ति– वाक्य किस सूत्र का उदाहरण है? H-TET–2015

(A) प्रकृत्यादिभ्यः उपसंख्यानम् (B) अपवर्गे तृतीया
(C) इत्थम्भूतलक्षणे (D) साधकतमं करणम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–41*

164. 'सहयुक्तेऽप्रधाने' सूत्र है? UP TGT–2009

(A) कर्मकारक का (B) करणकारक का
(C) सम्प्रदानकारक का (D) अपादानकारक का

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

159. (A) 160. (C) 161. (D) 162. (A) 163. (A)
169. (A)

165. 'रामेण बाणेन हतो बाली' इत्यत्र ''साधकतमं करणम्'' इति सूत्रस्य गतार्थता कस्मिन् पदे विद्यते?

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) रामेण (B) बाणेन

(C) हतः (D) बाली

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–41*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

166. 'रामेण बाणेन हतः बाली' वाक्य में 'बाली' कौन कारक है– **UP TGT–2010**

(A) कर्ता (B) कर्म

(C) प्रातिपदिक (D) करण

स्रोत–*(i) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–242*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127

167. 'रामः रावणं बाणेन हन्ति' में रेखाङ्कित अंश में विभक्ति है?

UK TET–2011

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–41*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

168. 'रामेण बाणेन हतो बाली'– अत्र तृतीयाविधायकं सूत्रमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, UPTET–2013

(A) साधकतमं करणम् (B) दिवः कर्म च

(C) अपवर्गे तृतीया (D) हेतौ

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

169. 'गुरोः सह आगतः शिष्यः' अत्र रेखाङ्किते शुद्धप्रयोगः स्यात्– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) गुरुणा (B) गुरुम्

(C) गुरौ (D) गुरवे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

164. (B) 165. (B) 166. (B) 167. (B) 168. (A)

170. 'सः........... खञ्जः' रिक्तस्थान में होगा–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) पादेन　　　　　　　(B) पादस्य

(C) पादात्　　　　　　　(D) पादम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

171. रिक्तस्थान में उचित विभक्ति युक्त पद को संकेतित कीजिए–

.... सह गृहं गच्छति।　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) पितुः　　　　　　　(B) पित्रा

(C) पित्रेण　　　　　　　(D) पितरम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

172. 'नदीनदादिभिः' इत्यत्र का विभक्तिः? REET–2016

(A) चतुर्थी बहुवचनम्　　(B) तृतीया बहुवचनम्

(C) षष्ठी बहुवचनम्　　　(D) पञ्चमी बहुवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–26*

173. '........ विना नास्ति सुखानुभूतिः' रिक्तस्थान में होगा–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) दुःखेन　　　　　　　(B) दुःखाय

(C) दुःखस्य　　　　　　　(D) दुःखे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–69*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205

174. 'देवदत्तः................. खल्वाटः अस्ति' रिक्तस्थान की पूर्ति करें–　　　　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) शिरसि　　　　　　　(B) शिरसा

(C) शिरसे　　　　　　　(D) शिरसः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

170. (A)　171. (B)　172. (B)　173. (A)　174. (B)

ı75. 'साधकतमं करणम्' इत्यत्र 'तमप्' ग्रहणेन किं जायते?

BHU AET–2011

(A) कारकप्रकरणे 'साधकतममिति' सूत्रात् अन्यत्र गौणमुख्यन्याये न प्रवर्तते

(B) अर्थवद्ग्रहणे नानार्थकस्य ग्रहणम्

(C) निर्दिश्यमानस्य आदेशा भवन्ति

(D) क्वचिदेकदेशोऽपि प्रवर्तते

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

ı76. गुणवाचकास्त्रीलिङ्गे का विभक्तिः व्यवस्था?

UGC 25 J–2015

(A) तृतीया - पञ्चम्यौ (B) द्वितीया - तृतीया - पञ्चम्यः

(C) षष्ठी - सप्तम्यौ (D) द्वितीया - चतुर्थ्यौ

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–69*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–202

ı77. 'जटाभिः तापसः' में तृतीया का कारण क्या है–

BHU MET–2010

(A) अङ्गविकार (B) करण

(C) हेतु (D) उपलक्षण

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

ı78. 'अलं श्रमेण' इस वाक्य में कौन-सी विभक्ति किस कारक से है? **UP TGT–2010**

(A) श्रम हेतु है, इसलिये हेतौ से तृतीया है।

(B) श्रम कारण है, अतः ''कर्तृकरणयोस्तृतीया'' से तृतीया है।

(C) करण कारक है, अतः तृतीया है

(D) उक्त वाक्य अशुद्ध है।

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2) - गोविन्दाचार्य, पेज–251*

175. (A) 176. (A) 177. (D) 178. (B)

179. 'येनाङ्गविकारः' सूत्रात् सिद्ध्यति– DL–2015

(A) अक्ष्णा काणः (B) अक्षिकाणम्

(C) काणस्याक्षिः (D) काणयाक्षिः

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

180. करणकारक का बोध कराने की विभक्ति है– BHU MET–2010

(A) पञ्चमी (B) तृतीया

(C) सप्तमी (D) चतुर्थी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–41*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200

181. निम्नलिखित में से किस सूत्र से तृतीया विभक्ति होती है? BHU MET–2010

(A) अभितः-परितः-समया-निकषा-हा-प्रतियोगेऽपि

(B) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

(C) जनिकर्तुः प्रकृतिः

(D) इत्थम्भूतलक्षणे

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–43*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201

182. फलप्राप्तिबोधक काल और मार्ग का अत्यन्त संयोग होने पर विभक्ति होती है। UGC 73 J–2013

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

183. 'अपवर्गे तृतीया' इत्यस्योदाहरणमस्ति– BHU AET–2011

(A) पुण्येन दृष्टो हरिः

(B) शशिना सह याति कौमुदी

(C) द्वादशभिर्वर्षैर्व्याकरणं श्रूयते

(D) धनेन कुलम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

179. (A) 180. (B) 181. (D) 182. (B) 183. (C)
189. (A)

184. 'मासेन भगवद्गीता अधीता।' अत्र रेखाङ्कित पदे तृतीया विभक्तेः कारकं सूत्रमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) अपवर्गे तृतीया (B) कर्तृकरणयोस्तृतीया
(C) इत्थम्भूतलक्षणे (D) आख्यातोपयोगे

स्रोत–*(i) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–245*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

185. 'अपवर्ग' इत्येतम् अर्थम् अभिव्यनक्ति– UK SLET–2015

(A) मासम् अधीते (B) मासेन अधीते
(C) मासाद् अधीते (D) मासे अधीते

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

186. 'क्रोशेन अनुवाकोऽधीतः' इत्यत्र तृतीयाविभक्तिः कं द्योतयति? HE–2015

(A) साफल्यम् (B) हेतुम्
(C) लक्षणम् (D) अत्यन्तसंयोगम्

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–42*
(ii) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

187. पाणिनि के अनुसार करण क्या है? BHU MET–2012

(A) साधकतमम् (B) अधिकरणम्
(C) कर्तुरीप्सिततमम् (D) ध्रुवमपाये

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–40*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

188. उद्यानं .... शोभते AWES TGT–2013

(A) पुष्पया (B) पुष्पैः
(C) पुष्पाभिः (D) पुष्पात्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

189. 'कृ + ण्वुल्' प्रत्यय के संयोग से शब्द बनता है? UP TGT–2013

(A) कारकः (B) कर्त्ता
(C) कृण्वुल् (D) कृतिः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–9*

184. (A) 185. (B) 186. (A) 187. (A) 188. (B)

190. जिस कारण या प्रयोजन से कोई कार्य किया जाता है, उसमें विभक्ति होती है? UP TGT–2013

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.23) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201*

191. 'क्रोशेन अनुवाकोऽधीतः' में तृतीया विभक्ति का प्रयोग किया गया है। UP PGT–2013, H TET–2015

(A) 'सहयुक्तेऽप्रधाने' सूत्र से

(B) 'इत्थम्भूतलक्षणे' सूत्र से

(C) 'प्रकृत्यादिभ्य उपसंख्यानम्' सूत्र से

(D) 'अपवर्गे तृतीया' सूत्र से

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196*

192. 'अह्ना अनुवाकोऽधीतः'–इस वाक्य में 'अह्ना' पद में विभक्ति किस सूत्र से उपपन्न होती है? UGC 73 D–2015

(A) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (B) कर्तृकरणयोस्तृतीया

(C) अपवर्गे तृतीया (D) हेतौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196*

193. 'सः अक्ष्णा काणः प्रतीयते' अस्मिन् वाक्ये 'अक्ष्णा' पदे का विभक्तिः अस्ति? UK TET–2011

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–201*

194. निम्नाङ्कितेषु वाक्येषु 'सहयुक्तेऽप्रधाने' इति सूत्रस्य प्रयोगः कस्मिन् वाक्ये भवति? UK TET–2011

(A) पुत्रस्य सार्धम् आगतः पिता

(B) पुत्रे सार्धम् आगतः पिता

(C) पुत्रेण सार्धम् आगतः पिता

(D) पुत्रं सार्धम् आगतः पिता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

190. (A) **191.** (D) **192.** (C) **193.** (A) **194.** (C)

195. 'सख्या सदृशः' इत्यत्र तृतीया केन सूत्रेण विधीयते–

JNU M.Phil/Ph. D–2014

(A) अपवर्गे तृतीया

(B) कर्तृकरणयोस्तृतीया

(C) तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन

(D) तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्यां तृतीयान्यतरस्याम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.72) - ईश्वरचन्द्र, पेज–219*

चतुर्थी विभक्ति

196. 'नमः' के योग में प्रयुक्त विभक्ति है–

UGC 25 J–1995, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) षष्ठी (D) चतुर्थी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

197. 'गणेशाय नमः' में प्रयुक्त विभक्ति है–

UP PGT (H)–2010

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) चतुर्थी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

198. 'अलम्' के योग में विभक्ति होती है–

UGC 25 D–1996, J–1999

(A) पञ्चमी (B) चतुर्थी

(C) सप्तमी (D) द्वितीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

199. 'तस्मै कुप्यति' में चतुर्थी विभक्ति किस सूत्र से है–

UGC 25 J–2000

(A) स्पृहेरीप्सितः

(B) क्रुध्-द्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः

(C) धारेरुत्तमर्णः

(D) येनाङ्गविकारः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

195. (D) 196. (D) 197. (C) 198. (B) 199. (B)

200. (i) 'हनुमते नमः' में विभक्ति है–

(ii) 'हनुमते नमः' में 'हनुमते' में कौन-सी विभक्ति है–

UP TGT–2009, UGC 25 J–2003

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

201. 'सम्प्रदाने' का विभक्तिः?

UP PGT–2005, UP TET–2013

UGC 25 D–2005, 2006, BHU Sh.ET–2013

(A) चतुर्थी (B) द्वितीया

(C) षष्ठी (D) प्रथमा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.13) - ईश्वरचन्द्र, पेज–197*

202. 'पुष्पेभ्यः स्पृहयति' अत्र केन सूत्रेण विभक्तिः –

UGC 25 D–2005, 2009, J–2010

(A) अपादाने पञ्चमी (B) चतुर्थी सम्प्रदाने

(C) कर्तृकर्मणोः कृति (D) स्पृहेरीप्सितः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

203. क्रियया यमभिप्रैति स......... UGC 25 D–2005

(A) कर्म (B) सम्प्रदानम्

(C) अपादानम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–47*

204. (i) 'कर्मणा यमभिप्रैति' वह–

(ii) कर्मणा यमभिप्रैति स....... इत्यत्र किं कारकम्?

UGC 73 D–2013, J–2012, DL–2015

UGC 25 J–2007, D–2012

(A) करणम् (B) कर्म

(C) सम्प्रदानम् (D) अपादानम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–122*

205. 'हरये रोचते भक्तिः' अत्र सम्प्रदानसंज्ञा केन सूत्रेण?

UGC 25 J–2006

(A) स्पृहेरीप्सितः (B) चतुर्थी सम्प्रदाने

(C) कर्मणा यमभिप्रैति (D) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

200. (A) **201.** (A) **202.** (D) **203.** (B) **204.** (C)
210. (C) **211.** (C)

206. 'क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः–तत्र का विभक्तिः?
UGC 25 D–2007

(A) चतुर्थी (B) तृतीया
(C) द्वितीया (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

207. 'क्रुध्' धातु के योग में जिस पर क्रोध किया जाय उसमें विभक्ति होती है–
UP TGT–2004, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) चतुर्थी (B) द्वितीया
(C) तृतीया (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

208. 'तीर्थयात्रायै' इत्यस्य का विभक्तिः? REET–2016

(A) षष्ठी (B) पञ्चमी
(C) चतुर्थी (D) तृतीया

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मनन्द त्रिपाठी, पेज–22*

209. 'स्वाहा'-शब्दयोगे का विभक्तिः? UGC-25 D–2010

(A) पञ्चमी (B) चतुर्थी
(C) सप्तमी (D) तृतीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

210. 'पशुना रुद्रं यजते' इत्यत्र 'पशुना' पदे या तृतीया सा कस्मिन् कारकेऽस्ति– UGC 25 J–2011

(A) करणकारके (B) सम्प्रदानकारके
(C) कर्मकारके (D) कर्तृकारके

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–47*

211. (i) 'वषट्' के योग में विभक्ति लगती है–
(ii) 'वषट्' योगे का विभक्तिर्भवति?
UGC 25 J–2014, BHU MET–2015

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

205. (D) 206. (A) 207. (A) 208. (C) 209. (B)

212. (i) 'बालकाय मोदकाः रोचन्ते' में रेखाङ्कित पद में कौन-सी विभक्ति है–

(ii) 'बालकाय मोदकं रोचते' वाक्य में 'बालकाय' है–

UP PGT–2002, UP TGT–2003

(A) द्वितीया विभक्ति (B) तृतीया विभक्ति

(C) चतुर्थी विभक्ति (D) पञ्चमी विभक्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

213. 'बालकाय मोदकाः रोचन्ते' में बालक की सम्प्रदान संज्ञा किस सूत्र से है– UP TGT–2010

(A) धारेरुत्तमर्णः (B) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

(C) तुमर्थाच्च भाववचनात् (D) स्पृहेरीप्सितः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

214. 'बालकेभ्यः मिष्ठान्नं रोचते'– रेखाङ्कित पद में कौन-सी विभक्ति है– UP PGT–2003, 2004

(A) पञ्चमी (B) चतुर्थी

(C) सप्तमी (D) तृतीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

215. 'स्पृहेरीप्सितः' सूत्र है– UP TGT–2004, BHU MET–2012

(A) कर्मकारक का (B) करणकारक का

(C) अपादानकारक का (D) सम्प्रदानकारक का

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

216. 'पुष्पेभ्यः स्पृहयति' में कौन-सा कारक है?

UP PGT–2002

(A) कर्मकारक (B) करणकारक

(C) सम्प्रदानकारक (D) अपादानकारक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

217. (i) 'स्पृह्'–धातुप्रयोगे यस्य 'स्पृहा' भवति तत्र विभक्तिर्भवति–

(ii) 'स्पृहा' के योग में विभक्ति होती है–

UP GDC–2012, UP TGT–2004, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) चतुर्थी (B) तृतीया

(C) द्वितीया (D) सप्तमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

212. (C) 213. (B) 214. (B) 215. (D) 216. (C)
222. (B)

218. 'परमात्मने नमः' यहाँ 'नमः' के योग में जो विभक्ति है–

UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) कारक विभक्ति (B) उपपद विभक्ति

(C) (A) तथा (B) दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

219. (i) नमः, स्वस्ति, स्वाहा, स्वधा, अलम् और वषट् शब्दों के योग में कौन-सी विभक्ति होती है–

(ii) 'नमः' के योग में विभक्ति होती है–

UP TGT–1999, UP PGT (H)–2009
BHU MET–2012, UP TET–2013
RPSC ग्रेड-(III)–2013

(A) द्वितीया विभक्ति (B) तृतीया विभक्ति

(C) चतुर्थी विभक्ति (D) पञ्चमी विभक्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

220. (i) 'स्वस्ति' के योग में कौन-सी विभक्ति होती है–

(ii) 'स्वस्ति' योगे विभक्तिर्भवति– UP TGT–1999, UP GDC–2014, AWES TGT–2010

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

221. 'प्रजाभ्यः स्वस्ति' में चतुर्थी विभक्ति का सूत्र है–

UP TGT–2001

(A) हितयोगे च (B) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

(C) चतुर्थी सम्प्रदाने (D) नमः-स्वस्ति-स्वाहा----

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

222. 'स्वधा' के योग में किस विभक्ति का प्रयोग होता है–

UP TET–2014

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

217. (A) 218. (B) 219. (C) 220. (A) 221. (D)

223. 'स्वाहा' – इत्यनेन कः शब्दः समीचीनः –

BHU Sh.ET–2013

(A) अग्नौ (B) अग्नाय

(C) अग्नेः (D) अग्नये

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

224. 'तस्मै श्रीगुरवे नमः' वाक्य में 'श्रीगुरवे' है–

UP TGT–2005

(A) द्वितीया विभक्ति में (B) पञ्चमी विभक्ति में

(C) षष्ठी विभक्ति में (D) चतुर्थी विभक्ति में

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

225. 'गुरवे नमः' वाक्ये चतुर्थी प्रयोगस्य सूत्रमस्ति–

DL–2015

(A) नमः-स्वस्तियोगेऽपि

(B) नमस्पुरसोर्गत्योः

(C) नमः-स्वस्ति-स्वाहा-स्वधाऽलंवषड्योगाच्च

(D) क्रियार्थोपपदस्य च कर्मणि स्थानिनः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

226. नृपः .... अलम्। AWES TGT–2013

(A) नृपं (B) नृपेण

(C) नृपाय (D) नृपस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

227. (i) 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' यह सूत्र किस विभक्ति का विधायक है–

(ii) ''रुच्यर्थानां प्रीयमाणः'' इत्यादि सूत्रं कस्याः विभक्तेः विधायकम्?

UP GIC–2009, UP TET–2013, 2014

BHU MET–2014, G GIC–2015

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

223. (D) 224. (D) 225. (C) 226. (C) 227. (C)
233. (D)

228. 'रुच्' धातोर्योगे विभक्तिः भवति–

RPSC ग्रेड-II TGT–2014

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) सप्तमी (D) चतुर्थी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

229. 'मह्यम् अपूपाः रोचन्ते' रेखाङ्कित पद में विभक्ति है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) षष्ठी (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

230. ''........ रोचते भक्तिः'' रिक्तस्थान में होगा–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) हरये (B) हरिणा

(C) हरे (D) हरौ

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–47*

231. चतुर्थी विभक्ति तब आती है, जब– UP TGT–2004

(A) अनादर अर्थ द्योतित हो

(B) अतसुच् प्रत्ययान्त शब्दों के योग में

(C) कर्म-प्रवचनीय में

(D) अपवर्ग द्योतित होने पर

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.17) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

232. 'धारेरुत्तमर्णः' सूत्र किस कारक के साथ सम्बन्धित है?

UP TGT–2004

(A) अपादानकारक से (B) अधिकरणकारक से

(C) सम्प्रदानकारक से (D) करणकारक से

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.35) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

233. 'मुक्तये हरिं भजति' से 'मुक्तये' में चतुर्थी हुई–

UP TGT–2005

(A) 'चतुर्थी सम्प्रदाने' द्वारा

(B) 'स्पृहेरीप्सितः' सूत्र से

(C) 'क्लृपि सम्पद्यमाने च' (वा०) से

(D) 'तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या' (वा०) से

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–52*

228. (D) 229. (C) 230. (A) 231. (A) 232. (C)

234. 'राजा ब्राह्मणाय गां ददाति' वाक्य में रेखाङ्कित शब्द की संज्ञा है? **UP TGT–2010**

(A) कर्म (B) करण
(C) अपादान (D) सम्प्रदान

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–122*

235. 'रामः देवदत्ताय शतं धारयति ग्रामे' अस्मिन् वाक्ये रेखाङ्कित पदे विभक्तिः भवेत्–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) पञ्चमी (B) षष्ठी
(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.35) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

236. 'ग्रामे वृक्षस्य अधः स्थितः रामः देवदत्ताय शतं धारयति' उपर्युक्तवाक्ये उत्तमर्णः अस्ति–
RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) रामः (B) वृक्षः
(C) ग्रामः (D) देवदत्तः

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (1.4.35) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*
(ii) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–257

237. .... संयच्छते कामुकः– उचित पद का चयन करें–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) दास्या (B) दास्यै
(C) दास्याः (D) दासीम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–45*

238. रिक्तस्थान की पूर्ति करें– **RPSC ग्रेड-III–2013**
गुरुः .... क्रुध्यति–

(A) शिष्यम् (B) शिष्ये
(C) शिष्यः (D) शिष्याय

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

239. रिक्तस्थान में उचित पद होगा– **RPSC ग्रेड-III–2013**
श्यामसुन्दरः .... ईर्ष्यति–

(A) मया (B) मम
(C) मह्यम् (D) मत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

234. (D) 235. (D) 236. (D) 237. (A) 238. (D)
244. (A)

240. ''दुष्टः............ द्रुह्यति'' इस वाक्य में उचित पद से रिक्तस्थान की पूर्ति करें– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) सज्जने (B) सज्जनाय

(C) सज्जनात् (D) सज्जनेन

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

241. 'क्रुध्, द्रुह्, ईर्ष्य' धातुओं तथा इनके समान अर्थ वाली धातुओं के योग में जिस पर क्रोध किया जाता है, उसकी क्या संज्ञा होती है? UP TGT–2013

(A) करण (B) सम्प्रदान

(C) अपादान (D) अधिकरण

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

242. 'तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या' नियम का उदाहरण है– H TET–2014

(A) मुक्तये हरिं भजति (B) पत्ये शेते

(C) रजकाय वस्त्रं ददाति (D) रजकस्य वस्त्रं ददाति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–52*

243. 'नमस्कुर्मो नृसिंहाय' इत्यत्र चतुर्थी-विभक्तिः केन सूत्रेण विधीयते? JNU M.Phil/Ph. D–2014, 2015

(A) नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च

(B) क्रियार्थोपपदस्य च कर्मणि स्थानिनः

(C) तुमर्थाच्च भाववचनात्

(D) मन्यकर्मण्यनादरे विभाषाप्राणिषु

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–54*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–198

244. तुमर्थाच्च भाववचनात्– इस सूत्र का उदाहरण है?

(A) यागाय याति (B) भक्तिः ज्ञानाय कल्पते

(C) फलेभ्यः स्पृहयति (D) विप्राय गां प्रतिशृणोति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.15) - ईश्वरचन्द्र, पेज–198*

239. (C) 240. (B) 241. (B) 242. (A) 243. (B)

पञ्चमी विभक्ति

245. (i) अपादाने का विभक्तिः?

(ii) अपादान कारक में विभक्ति होती है–

RPSC ग्रेड-III–2013, UP PGT–2013
UK TET–2011, UGC 25 J–2005

(A) प्रथमा　　(B) पञ्चमी
(C) सप्तमी　　(D) तृतीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.28) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

246. 'आरात्' योग में विभक्ति होती है– UGC 25 J–1998

(A) तृतीया　　(B) द्वितीया
(C) चतुर्थी　　(D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

247. 'पञ्चमी विभक्ते' इस सूत्र का उदाहरण है–

UGC 25 J–2000

(A) शतात् बद्धः
(B) चोरात् रक्षति
(C) जाड्याद् बद्धः
(D) माथुराः पाटलिपुत्रकेभ्यः आढ्यतराः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–208*

248. 'अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति' अत्र का विभक्तिः?

UGC 25 J–2009

(A) द्वितीया　　(B) पञ्चमी
(C) सप्तमी　　(D) तृतीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.28) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

249. 'भी'-धातुप्रयोगे 'भयहेतौ' का विभक्तिः–

RPSC ग्रेड-III–2013, UGC 25 J–2010

(A) तृतीया　　(B) षष्ठी
(C) पञ्चमी　　(D) सप्तमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

245. (B) **246.** (D) **247.** (D) **248.** (B) **249.** (C)
255. (C)

250. 'आख्यातोपयोगे' इत्यनेन किं विधीयते?
UGC 25 D–2010
(A) अपादानसंज्ञा (B) सम्प्रदानसंज्ञा
(C) अधिकरणसंज्ञा (D) कर्मसंज्ञा
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

251. 'ध्रुवमपाये..............' इत्यत्र किं कारकम्?
UGC 25 J–2012
(A) करणम् (B) अपादानम्
(C) सम्प्रदानम् (D) कर्म
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

252. 'चौराद् बिभेति' इत्यत्र अपादानं केन सूत्रेण विधीयते?
UGC 25 J–2012
(A) पराजेरसोढः (B)भीत्रार्थानां भयहेतुः
(C) वारणार्थानामीप्सितः (D) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

253. ''आख्यातोपयोगे'' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्?
UGC 25 J–2012
(A) मातुर्निलीयते कृष्णः (B) नटस्य गाथां शृणोति
(C) उपाध्यायादधीते (D) हिमवतो गङ्गा प्रभवति
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

254. (i) 'हिमवतः गङ्गा प्रभवति' 'हिमवतः' इत्यत्र अपादानसंज्ञा केन क्रियते?
(ii) 'हिमवतो गङ्गा प्रभवति' इत्यत्र किं सूत्रं प्रवर्तते?
UGC 25 S–2013, JNU MET–2015
(A) पराजेरसोढः (B) धारेरुत्तमर्णः
(C) जनिकर्तुः प्रकृतिः (D) भुवः प्रभवः
स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.31) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

255. 'आसने उपविश्य प्रेक्षते' वाक्य का दूसरा वाक्य रूप है– **UP PGT–2000**
(A) आसनं उपविश्य प्रेक्षते (B) आसनं प्रेक्षते
(C) आसनात् प्रेक्षते (D) आसने प्रेक्षते
स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–63*

250. (A)	251. (B)	252. (B)	253. (C)	254. (D)

256. (i) 'भीत्रार्थानां भयहेतुः' में कारक है–

(ii) 'भीत्रार्थानां भयहेतुः' सूत्र से सम्बद्ध है–

UP PGT–2000, BHU MET–2009, 2012

UP TET–2013, UP TGT–2005, 2009

(A) करणकारक (B) अपादानकारक

(C) सम्प्रदानकारक (D) कर्मकारक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

257. 'मातुर्निलीयते कृष्णः' रेखाङ्कित पद में कौन-सी विभक्ति है– UP PGT–2003

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.28) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

258. कर्मप्रवचनीय अप, आङ् के योग में कौन-सी विभक्ति होती है– UP PGT–2009

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.10) - ईश्वरचन्द्र, पेज–197*

259. 'चौरात् बिभेति' में पञ्चमी विभक्ति किस सूत्र से है?

UP TGT–2001, UP TET–2014

(A) अपादाने पञ्चमी (B) भीत्रार्थानां भयहेतुः

(C) आख्यातोपयोगे (D) जनिकर्तुः प्रकृतिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

260. 'ऋते' के योग में विभक्ति होती है? UP TGT–2004

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

261. 'आरात्, ऋते व पूर्व' शब्दों के योग में कौन-सी विभक्ति होगी? H TET–2015

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

256. (B) **257.** (C) **258.** (C) **259.** (B) **260.** (D)
266. (C) **267.** (D)

262. 'वृक्षात् पत्रं पतति' में रेखाङ्कित पद में कारक है–
U.K. TET–2011, UK TET–2011

(A) कर्मकारक (B) करणकारक
(C) सम्प्रदानकारक (D) अपादानकारक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

263. 'वारणार्थानामीप्सितः' सूत्रानुसारेण 'यवानां गां वारयति क्षेत्रे' इत्यत्र शुद्धप्रयोगः स्यात्–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) यवान् (B) यवैः
(C) यवेभ्यः (D) यवेषु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

264. 'यवेभ्यः गां वारयति'–वाक्य किस कारकसूत्र का उदाहरण है– H TET–2015

(A) अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति
(B) भीत्रार्थानां भयहेतुः
(C) जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम्
(D) वारणार्थानामीप्सितः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.27) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

265. 'ध्रुवमपायेऽपादानम्' उपर्युक्तसूत्रे 'अपाये' पदस्य अर्थः अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) हानिः (B) आपत्तिः
(C) आघातः (D) विश्लेषः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

266. 'ऋते............न मुक्तिः' रिक्तस्थान में उचित पद होगा–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) ज्ञानम् (B) ज्ञानस्य
(C) ज्ञानात् (D) ज्ञानाय

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

267. बालिका .... बिभेति। रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए–
UP TET–2014

(A) चौरेण (B) चौरम्
(C) चौरस्य (D) चौरात्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

261. (C)	262. (D)	263. (C)	264. (D)	265. (D)

268. 'बालकः........बिभेति' रिक्तस्थान में होगा–

RPSC ग्रेड-III–2013, UP TET–2014

(A) व्याघ्रात् (B) व्याघ्रम्

(C) व्याघ्रस्य (D) व्याघ्रे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

269. 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' सूत्र किस विभक्ति का है?

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) चतुर्थी विभक्ति (B) प्रथमा विभक्ति

(C) पञ्चमी विभक्ति (D) तृतीया विभक्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.30) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

270. '.......... को न बिभेति' – इस वाक्य में रिक्तस्थान की पूर्ति करें– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) असज्जनात् (B) असज्जनस्य

(C) असज्जने (D) असज्जनाय

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

271. 'ब्राह्मणः प्रजाः प्रजायन्ते' इत्यत्र अपादानं कस्मिन् पदे वर्तते– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) ब्रह्मणः (B) प्रजाः

(C) प्रजायन्ते (D) अजायन्त

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–62*

272. 'राजपुरुषः राजमार्गे धावतः अश्वात् अपतत्'–अत्र धावतः विशेषणम् अस्ति– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) राजपुरुषस्य (B) अश्वात्

(C) पुरुषस्य (D) राजमार्गस्य

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–59*

273. 'विना' इत्यनेन योगे विभक्तयः भवन्ति–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) द्वितीया तृतीया चतुर्थी

(B) द्वितीया चतुर्थी पञ्चमी

(C) द्वितीया तृतीया पञ्चमी

(D) तृतीया चतुर्थी पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205*

268. (A) 269. (C) 270. (A) 271. (A) 272. (B)
278. (B)

274. पाणिनि के अनुसार 'अपादान' का क्या लक्षण है?

BHU MET–2008

(A) साधकतमम् (B) कर्मणा यमभिप्रैति

(C) अधिकरणम् (D) ध्रुवमपाये

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

275. 'ग्रामात् बहिः' इत्यत्र पञ्चम्यां को हेतुः?

BHU AET–2011

(A) 'अप-परि-बहिरञ्चवः पञ्चम्या' इति समासविधानम्

(B) 'आङ्मर्यादावचने'

(C) 'विभाषा गुणेऽस्त्रियामिति' सूत्रे विभाषेति योगविभागः

(D) 'कार्त्तिक्याः प्रभृति' इति भाष्यप्रयोगः।

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–65*

276. 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' इत्यस्य उदाहरणम् अस्ति–

BHU AET–2011

(A) हिमवतो गङ्गा प्रभवति

(B) मातुर्निलीयते कृष्णः

(C) गोमयाद् वृश्चिको जायते

(D) अध्ययनात् पराजयते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.30) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

277. 'अग्निमान् धूमात्' इसमें पञ्चमी विधायक सूत्र है–

UGC 73 J–2006, 2010

(A) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम् (B) हेतौ

(C) ध्रुवमपायेऽपादानम् (D) पञ्चमी विभक्ते

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (2.3.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–202*

(ii) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–69

278. 'भुवः प्रभवः' जिस विभक्ति का विधान करता है, वह है–

BHU MET–2014

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) चतुर्थी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.31) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

273. (C) 274. (D) 275. (A) 276. (C) 277. (A)

279. (i) अपादान विधायक सूत्र है–

(iii) अपादानसंज्ञा विदधाति? UGC 73 D–2012

(A) अकथितं च (B) दिवस्तदर्थश्च

(C) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः (D) आख्यातोपयोगे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

280. (i) 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' सूत्रानुसारेण वाक्यरचना अस्ति–

(ii) ''जनिकर्तुः प्रकृतिः'' का प्रवृत्तिनिमित्तक उदाहरण है–

(iii) 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' का उदाहरण है–

UGC 73 J–2013, D–2014, BHU MET–2015

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) हिमवतो प्रभवति (B) ब्रह्मणः प्रजाः प्रजायन्ते

(C) गवां गोषु वा प्रसूतः (D) राज्ञां मतः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–62*

281. 'ग्रामात् आगच्छति' इत्यत्र ग्राम' पदे किं कारकम्?

DSSSB PGT–2014

(A) सम्प्रदानम् (B) करणम्

(C) अपादानम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

282. 'चोराद् भयम् = चोरभयम्' इत्यत्र पञ्चमीविभक्तिः केन सूत्रेण? UGC 25 D–2014

(A) पराजेरसोढः (B) भीत्रार्थानां भयहेतुः

(C) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः (D) हेतौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

283. 'आ जन्मनः आ मरणात्' इति वाक्यांशे 'जन्मनः' पदे विभक्तिरस्ति– UP GDC–2014

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) षष्ठी (D) चतुर्थी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.10) - ईश्वरचन्द्र, पेज–197*

284. .... गङ्गा प्रभवति। AWES TGT–2013

(A) हिमालयस्य (B) हिमालयः

(C) हिमालयम् (D) हिमालयात्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–63*

279. (D) 280. (B) 281. (C) 282. (B) 283. (B)
289. (B) 290. (C)

285. नियमपूर्वक विद्या स्वीकार करने पर वक्ता में किस विभक्ति का प्रयोग होता है?
UP TGT–2013, UGC 73 D–2015

(A) तृतीया (B) चतुर्थी
(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

286. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध है? **UP PGT (H)–2000**

(A) मातरं निलीयते कृष्णः (B) मातरि निलीयते कृष्णः
(C) मातुर्निलीयते कृष्णः (D) मात्रा निलीयते कृष्णः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–61*

287. 'अश्वात् रामः अपतत्' इस वाक्य में आये 'अश्वात्' पद में कौन-सी विभक्ति है? **UP TET–2013**

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी
(C) तृतीया (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.28) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

288. 'आकुमाराद् यशः पाणिनेः' इत्यत्र पञ्चमी-विधायकं सूत्रं (शास्त्रं) प्रवर्तते– **BHU AET–2011**

(A) पञ्चमी विभक्तेः (B) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्
(C) अकर्तर्यृणे पञ्चमी (D) पञ्चम्यपाङ्परिभिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.10) - ईश्वरचन्द्र, पेज–197*

289. 'बिभेति' इति पदेन कस्य सम्बन्धः?
BHU Sh.ET–2011

(A) रामाय (B) रामात्
(C) रामेण (D) रामेषु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

290. 'पराजेरसोढः' का उदाहरण होगा– **BHU MET–2015**

(A) हिमालयाद् गङ्गा प्रभवति
(B) सिंहाद् बिभेति
(C) अध्ययनात् पराजयते
(D) गुरोरधीते विद्याम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

284. (D) 285. (C) 286. (C) 287. (B) 288. (D)

291. अपादानकारक मूलतः प्रयुक्त होता है?

UP TGT–2003

(A) संयोग अर्थ में (B) वियोग अर्थ में

(C) पराजित करने के अर्थ में (D) दया करने के अर्थ में

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

षष्ठी विभक्ति

292. षष्ठी सम्बन्धित कारक है– UGC 25 J–2002

(A) सम्बन्ध मात्र की विवक्षा (B) अपादान

(C) अधिकरण (D) करण

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

293. (i) कारक की श्रेणी में नहीं आता है–

(ii) कारकं नास्ति– UGC 25 D–2002, J–2004

RPSC ग्रेड-III–2013, MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) कर्ता (B) करण

(C) सम्बन्ध (D) अधिकरण

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–10*

294. 'कर्मादीनामपि सम्बन्धमात्रविवक्षायां का विभक्तिर्भवति?

UGC 25 D–2004, HE–2015

(A) प्रथमा (B) पञ्चमी

(C) चतुर्थी (D) षष्ठी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–72*

295. 'सर्पिषः ज्ञानम्' अत्र षष्ठी केन सूत्रेण?

UGC 25 D–2008

(A) ज्ञोऽविदर्थस्य करणे (B) षष्ठी शेषे

(C) अधीगर्थदयेशां कर्मणि (D) कर्तृकर्मणोः कृति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–76*

296. 'कर्तृकर्मणोः कृति' इति सूत्रेण किं विधीयते?

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, UGC 25 D–2010

UP GDC–2012

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी

(C) सप्तमी (D) षष्ठी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.65) - ईश्वरचन्द्र, पेज–215*

291. (B) 292. (A) 293. (C) 294. (D) 295. (A)
301. (C) 302. (D)

297. जब कोई क्रिया कृदन्त रूप से प्रकट की जाती है, तो उस क्रिया के कर्ता अथवा कर्म में कौन-सी विभक्ति का प्रयोग होता है? UP TGT–2013

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–82*

298. 'कर्तृकर्मणोः कृति' सूत्र है– UP PGT–2003

(A) सम्प्रदान का (B) करण का
(C) सम्बन्ध का (D) कर्म का

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.65) - ईश्वरचन्द्र, पेज–215*

299. 'कृष्णस्य कृतिः' में 'कृष्ण' पद में षष्ठी विभक्ति किस सूत्र से हुई? UP PGT–2002

(A) षष्ठी शेषे (B) षष्ठी हेतुप्रयोगे
(C) कर्तृकर्मणोः कृति (D) उभयप्राप्तौ कर्मणि

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–82*

300. 'मातुः स्मरति' रेखाङ्कित पद में कौन-सी विभक्ति है? UP PGT–2002

(A) पञ्चमी विभक्ति (B) चतुर्थी विभक्ति
(C) तृतीया विभक्ति (D) षष्ठी विभक्ति

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (2.3.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*
(ii) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–73

301. 'मातुः स्मरणम्' इत्यस्मिन् प्रयोगे षष्ठी-विभक्तेः कारक सूत्रमस्ति– UP GDC–2012

(A) षष्ठी हेतुप्रयोगे (B) षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन
(C) अधीगर्थदयेशां कर्मणि (D) कर्तृकर्मणोः कृति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–76*

302. 'कृते' के साथ विभक्ति प्रयोग होती है– UP TGT–1999

(A) तृतीया (B) चतुर्थी
(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–82*

296. (D)	**297.** (C)	**298.** (C)	**299.** (C)	**300.** (D)

303. 'कर्तृकर्मणोः कृति' सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) ग्रामं गतः (B) वृक्षात् पतितः

(C) विप्राय दानम् (D) कालस्य गतिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.65) - ईश्वरचन्द्र, पेज–215*

304. 'रुदतः पितुः विदेशं गतः' अत्र प्रवृत्तं सूत्रमस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) यस्य च भावेन भावलक्षणम्

(B) षष्ठी चानादरे

(C) षष्ठी शेषे

(D) षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–97*

305. 'ब्रह्मणः जिज्ञासा' इसमें 'ब्रह्मणः' में षष्ठी है–

UGC 73 J–2006

(A) कर्तरि षष्ठी (B) षष्ठी शेषे

(C) अनादरे षष्ठी (D) कर्मणि षष्ठी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–72*

306. निम्नलिखित में से किस उदाहरण में षष्ठी विभक्ति है?

UP GDC–2008

(A) अक्ष्णा काणः (B) विप्राय गां ददाति

(C) मातुः स्मरति (D) हरये रोचते भक्तिः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–73*

307. 'कर्तृकर्मणोः कृति' सूत्र का उदाहरण कौन है?

BHU MET–2011, 2012

(A) रामेण हतः (B) मया सेव्यो हरिः

(C) वृक्षस्य पत्राणि (D) घटस्य कर्ता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.65) - ईश्वरचन्द्र, पेज–215*

308. 'दुग्धस्य पानम्' में षष्ठी विभक्ति किस अर्थ में है–

UGC 73 D–1994

(A) कर्मणि (B) कर्त्तरि

(C) सम्बन्धे (D) पाने योगे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.65) - ईश्वरचन्द्र, पेज–215*

303. (D) 304. (B) 305. (A) 306. (C) 307. (D)
313. (C)

309. जो बात अन्य विभक्तियों से न कहने की इच्छा हो, उसमें किस विभक्ति का प्रयोग होता है?

UP TGT–2013

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (2.3.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–221

310. 'अर्जुनस्य वचनं द्वयम्' वाक्य में 'अर्जुनस्य' में है?

UP PGT (H)–2002

(A) करण (B) सम्प्रदान

(C) सम्बन्ध (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

311. 'अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन्' इत्यत्र षष्ठीविधायकं शास्त्रमस्ति– **BHU AET–2011**

(A) षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन

(B) षष्ठी हेतुप्रयोगे

(C) निमित्तपर्यायप्रयोगे सर्वासां प्रायदर्शनम् (वा०)

(D) षष्ठी शेषे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.26) - ईश्वरचन्द्र, पेज–202*

312. शुद्धं वाक्यमस्ति– **UP GIC–2015**

(A) रजकाय वस्त्रं ददाति (B) रजकं वस्त्रं ददाति

(C) रजके वस्त्रं ददाति (D) रजकस्य वस्त्रं ददाति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–122*

313. 'इदं मम शयितम्'–यहाँ षष्ठी विधायक सूत्र है–

UGC 25 D–1998

(A) क्तस्य च वर्तमाने (B) कृत्यानां कर्त्तरि वा

(C) अधिकरणवाचिनश्च (D) कर्तृकर्मणोः कृति

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–85*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.68) - ईश्वरचन्द्र, पेज–217

308. (A)	309. (D)	310. (C)	311. (B)	312. (D)

314. 'छात्राणां रामः श्रेष्ठः' इसका वैकल्पिक है–
UGC 25 D–1998

(A) छात्रेभ्यः रामः श्रेष्ठः (B) छात्रेषु रामः श्रेष्ठः
(C) छात्रैः रामः श्रेष्ठः (D) छात्रान् रामः श्रेष्ठः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–208*

315. कारकप्रयोगदृष्ट्या कस्य वाक्यस्य साधुत्वम्–
BHU Sh.ET–2013

(A) ऋते ज्ञानस्य न मुक्तिः (B) रामस्य सह श्यामो गतः
(C) मातुः स्मरति (D) अश्वेन पतति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–73*

सप्तमी विभक्ति

316. पाणिनि के अनुसार 'अधिकरण' का क्या लक्षण है–
BHU MET–2010

(A) साधकतमम् (B) ध्रुवमपाये
(C) आधारः (D) कर्तुरीप्सिततमम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

317. 'अधिशीङ्स्थासां कर्म' सूत्र द्वारा कस्य 'कर्मसंज्ञा' भवति– **RPSC ग्रेड-III (TGT)–2014**

(A) धातोः (B) आधारस्य
(C) ईप्सिततमस्य (D) उपसर्गस्य

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29*

318. 'अभिव्यापक आधार'–इसका उदाहरण है–
UGC 73 J–2011, UGC 25 J–1998, 1999

(A) कटे आस्ते (B) केशेषु गृहीतः
(C) तिलेषु तैलम् (D) गुरौ भक्तिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–215*

319. 'तिलेषु तैलम्' में आधार है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) औपश्लेषिक (B) वैषयिक
(C) अभिव्यापक (D) कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–215*

314. (B) 315. (C) 316. (C) 317. (B) 318. (C)
324. (C) 325. (A)

320. 'आधारः' कतिविधः? **UGC 25 D–2010**

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः
(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–215*

321. (i) 'वैषयिक आधार' का उदाहरण है–
(ii) वैषयिकाधिकरणस्य उदाहरणम्– UGC 25 J–2007
UGC 73 J–2009, UP GDC–2008

(A) तिलेषु तैलम् (B) मोक्षे इच्छास्ति
(C) गङ्गायां गावः (D) वने व्याघ्रः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

322. 'नृणां नृषु वा ब्राह्मणः श्रेष्ठः' में सूत्र प्रयुक्त हुआ है–
UGC 25 J–2004

(A) यस्य च भावेन भावलक्षणम् (B) यतश्च निर्धारणम्
(C) सहयुक्तेऽप्रधाने (D) षष्ठी चानादरे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–208*

323. (i) 'यतश्च निर्धारणम्' अनेन सूत्रेण विधीयते–
(ii) 'यतश्च निर्धारणम्' किन विभक्तियों का विधायक है? UGC 25 J–2007, UP GIC–2009

(A) द्वितीया तृतीया का (B) तृतीया चतुर्थी का
(C) प्रथमा द्वितीया का (D) षष्ठी सप्तमी का

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–208*

324. 'जीवेषु मानवाः श्रेष्ठाः' वाक्य में रेखाङ्कित पद में विभक्ति विधायक सूत्र है? UP TET–2016

(A) आधारोऽधिकरणम् (B) सप्तम्यधिकरणे च
(C) यतश्च निर्धारणम् (D) साध्वसाधुप्रयोगे च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–208*

325. 'चर्मणि द्वीपिनं हन्ति' इत्युदाहरणं कस्य भवति?
UGC 25 J–2012

(A) निमित्तात् कर्मयोगे (वा०) (B) साध्वसाधुप्रयोगे च (वा०)
(C) षष्ठी चानादरे (D) यतश्च निर्धारणम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94*

319. (C) 320. (A) 321. (B) 322. (B) 323. (D)

326. 'सर्वस्मिन् शरीरे आत्मा अस्ति' इस वाक्य में 'अधिकरण' है– UP PGT–2004

(A) आत्मा (B) शरीर
(C) अस्ति (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

327. 'चर्मणि द्वीपिनं हन्ति' यहां 'चर्मणि' में सप्तमी का प्रयोग हुआ है? UP TGT–2005

(A) सप्तम्यधिकरणे च' से (B) निमित्तात्कर्मयोगे से
(C) यस्य च भावेन भावलक्षणम् (D) यतश्च निर्धारणम् से

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94*

328. 'यस्य च भावेन भावलक्षणम्' सूत्र है– UP PGT–2003, UP TGT–2005

(A) कर्मकारक (B) करणकारक
(C) अपादानकारक (D) अधिकरणकारक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–206*

329. (i) 'कटे आस्ते' यह कैसा आधार है–
(ii) 'कटे आस्ते' इत्युदाहरणे 'कटे' इत्यत्र आधारः अस्ति– UP PGT–2005, UP GDC–2012

(A) वैषयिक (B) अभिव्यापक
(C) औपश्लेषिक (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126

330. 'व्याघ्रः चर्मणि द्वीपिनं हन्ति' वाक्य में 'चर्मणि' है? UP TGT–2004

(A) तृतीया विभक्ति में (B) द्वितीया विभक्ति में
(C) सप्तमी विभक्ति में (D) पञ्चमी विभक्ति में

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94*

331. 'रुदति पुत्रे माता जगाम' के रेखाङ्कित शब्द में कौन-सी विभक्ति है– UP TGT–2004

(A) चतुर्थी (B) षष्ठी
(C) सप्तमी (D) पञ्चमी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–207*

326. (B) **327.** (B) **328.** (D) **329.** (C) **330.** (C)
336. (A) **337.** (A) **338.** (C)

332. 'सूर्ये अस्तं गते गोपाः गृहम् अगच्छन्' में विभक्ति है–
UP TGT–2009

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी
(C) सप्तमी (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–220*

333. 'कवीनां कविषु वा कालिदासः श्रेष्ठः' में प्रयुक्त विभक्ति है? **UP TGT–2009**

(A) चतुर्थी (B) सप्तमी
(C) पञ्चमी (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–216*

334. '........ कालिदासः श्रेष्ठः।' रिक्तस्थान में होगा–
RPSC ग्रेड-III–2013, AWES TGT–2010, 2013

(A) कविभ्यः (B) कविषु
(C) कवयः (D) कविभिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–216*

335. भावलक्षणविषये का विभक्तिः? **UGC 25 D–2014**

(A) सप्तमी (B) षष्ठी
(C) पञ्चमी (D) चतुर्थी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–95*

336. 'साधुः कृष्णो मात्रे असाधुर्मातुलाय' रेखाङ्कितयोः उचितपदप्रयोगः स्यात्– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) मातरि, मातुले (B) मात्रा, मातुलेन
(C) मातुः, मातुलात् (D) मातरम्, मातुलम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94*

337. अधिकरण कारक में विभक्ति होती है–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) सप्तमी (B) तृतीया
(C) षष्ठी (D) द्वितीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–206*

338. ''यस्य च .... भावलक्षणम्''– इत्यत्र रिक्तस्थानं पूरयतु– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) कर्मणा (B) करणेन
(C) भावेन (D) उपकरणेन

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–206*

331. (C)	332. (C)	333. (B)	334. (B)	335. (A)

339. 'सीता स्थाल्यां तण्डुलोदनं पचति' इत्यत्र केन सूत्रेण सिद्ध्यति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) सप्तम्यधिकरणे च (B) यतश्च निर्धारणम्

(C) भुवः प्रभवः (D) षष्ठी शेषे

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

340. 'स्थाल्यां पचति' अत्र स्थाली अस्ति–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) अपादानम् (B) कर्म

(C) करणम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

341. कर्मद्वारा औपश्लेषिकाधारस्योदाहरणमस्ति–

BHU AET–2011

(A) कटे आस्ते (B) तिलेषु तैलम्

(C) स्थाल्यां पचति (D) मोक्षे इच्छा अस्ति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

342. 'दिशि' इत्यस्मिन् पदे का विभक्तिः? किम् वचनं च?

REET–2016

(A) षष्ठी - एकवचनम् (B) द्वितीया - एकवचनम्

(C) सप्तमी - द्विवचनम् (D) सप्तमी - एकवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–84*

343. 'इको यणचि' सूत्रे 'अचि' इत्यत्र कीदृशे आधारे सप्तमी– BHU AET–2011

(A) वैषयिकाधारे (B) अभिव्यापकाधारे

(C) गौणाभिव्यापके (D) औपश्लेषिकाधारे

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–1) - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–75*

344. 'गवां गोषु वा कृष्णा बहुक्षीरा' इत्यत्र षष्ठी, सप्तमी विधायकं सूत्रमस्ति– BHU AET–2011

(A) षष्ठी चानादरे (B) दूरान्तिकार्थैः षष्ठ्यन्यतरस्याम्

(C) यतश्च निर्धारणम् (D) षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–98*

339. (A) **340.** (D) **341.** (C) **342.** (D) **343.** (D)
349. (B) **350.** (C)

345. 'व्रजम् अवरुणद्धि गाम्' इत्यत्र अकथितं कारकम्?

UK SLET–2015

(A) करणकारकम् (B) अधिकरणकारकम्

(C) अपादानकारकम् (D) सम्प्रदानकारकम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–21*

346. निर्धारणविषये कीदृशी विभक्तिव्यवस्था?

UGC 25 D–2014

(A) तृतीया-पञ्चम्यौ (B) चतुर्थी-पञ्चम्यौ

(C) पञ्चमी-षष्ठ्यौ (D) षष्ठी-सप्तम्यौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–208*

347. निम्नलिखित में शुद्ध शब्द क्या नहीं है?

UP TGT–2013

(A) मञ्चे (B) अधिमञ्चम्

(C) मञ्चे अधि (D) मञ्चस्य उपरि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.45, 1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

348. निमित्त शब्द का अर्थ रखने वाले शब्दों का प्रयोग होने पर सर्वनाम शब्द में किस विभक्ति का प्रयोग होता है? **UP TGT–2013**

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) द्वितीया से सप्तमी तक सभी (D) चतुर्थी

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–74*

349. आधार कितने प्रकार का होता है, जिसमें सप्तमी विभक्ति का प्रयोग होता है? **UP TGT–2013**

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 5

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

350. क्रिया का आधार सूचित करने वाला कारक है?

DL (H)–2013

(A) अपादानकारक (B) सम्प्रदानकारक

(C) अधिकरणकारक (D) सम्बन्धकारक

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–92*

344. (C) 345. (B) 346. (D) 347. (C) 348. (C)

351. √विश्वस्-योगे **AWES TGT–2010**

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण एवं लेखन-रामगोपाल शर्मा, पेज–299*

352. 'सर्वस्मिन्नात्माऽस्ति' इस उदाहरण में कौन-सा आधार है– **H TET–2014**

(A) आधारोधारः (B) अभिव्यापकः

(C) वैषयिकः (D) औपश्लेषिकः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

353. 'मोक्षे इच्छाऽस्ति' में मोक्ष की अधिकरणसंज्ञा करने वाला सूत्र है– **H TET–2014**

(A) आधारोऽधिकरणम् (B) सप्तम्यधिकरणे च

(C) यस्य च भावेन भावलक्षणम् (D) षष्ठी चानादरे

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93*

354. 'यस्य च भावेन भावलक्षणम्' इति सूत्रे सप्तमी कस्मात् सूत्रात् अनुवर्तते? **JNU M. Phil/Ph. D–2014**

(A) सप्तम्यधिकरणे च

(B) सप्तमी शौण्डैः

(C) सप्तमी पञ्चम्यौ कारकमध्ये

(D) यस्मादधिकं यस्य चेश्वरवचनं तत्र सप्तमी

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–347*

355. उप कर्मप्रवचनीययोगे सप्तमी कस्मिन्नर्थेद्योत्येऽस्ति? **UGC 25 D–2015**

(A) हीने (B) अधिके

(C) वीप्सायाम् (D) स्वस्वामिभावे

स्रोत–*(i) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–361*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196

356. अधिककर्मप्रवचनीययोगे सप्तमी कस्मिन् अर्थे द्योत्येऽस्ति? **UGC 25 D–2015**

(A) हीने (B) अधिके

(C) वीप्सायाम् (D) स्वस्वामिभावे

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–360*

357. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत?

(अ) ग्रामादायाति **(i) आख्यातोपयोगे**

(ब) पुष्पेभ्यः स्पृहयति **(ii) ध्रुवमपायेऽपादानम्**

351. (D) 352. (B) 353. (A) 354. (A) 355. (B)

(स) पुत्रेण सहागतः **(iii) स्पृहेरीप्सितः**

(द) उपाध्यायादधीते **(iv) सहयुक्तेऽप्रधाने**

UGC 25 J–2008

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–278, 258, 246, 285

358. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –

(अ) उपधा **(1) सम्प्रदानम्**

(ब) रुच्यर्थानां धातूनां प्रयोगे **(2) अलोऽन्त्यात्पूर्व**

(स) अक्ष्णा काणः **(3) कर्मकारकम्**

(द) अधिशीङ्योगे **(4) येनाङ्गविकारः**

UGC 25 J–2011

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	4	2
(B)	3	1	2	3
(C)	2	4	1	3
(D)	2	1	4	3

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2)-गोविन्दाचार्य, पेज–255, 247, 214*

359. अभिहितः– **AWES TGT–2013**

(A) प्रताडितः (B) उक्तः

(C) दृष्टः (D) अधिक्षिप्तः

स्रोत–*भैमी व्याख्या (खण्ड–3) - भीमसेन शास्त्री, पेज–305*

360. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) दूरान्तिकार्थैः **(1) डारौरसः**

(ब) वयसि **(2) षष्ठ्यन्यतरस्याम्**

(स) लुटः प्रथमस्य **(3) लिटि**

(द) कृञ्चानुप्रयुज्यते **(4) प्रथमे** **UGC 25 D–2012**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	4	1	3
(C)	2	3	4	1
(D)	4	3	2	1

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.34, 4.1.20, 2.4.85, 3.1.40) - ईश्वरचन्द्र*

356. (D) 357. (B) 358. (D) 359. (B) 360. (B)

361. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये– UP PGT–2009

सूची-I	सूची-II
(अ) पादेन खञ्जः	(i) द्वितीया
(ब) गुरवे नमः	(ii) पञ्चमी
(स) चौरात् बिभेति	(iii) चतुर्थी
(द) बलिं याचते वसुधाम्	(iv) तृतीया

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.20, 2.3.16, 1.4.25, 1.4.51) - ईश्वरचन्द्र*

362. उचितम् अर्थं चिनुत– AWES TGT–2013

अन्तिकम्–

(A) समीपम् (B) सत्काराय
(C) प्रसन्नं कर्तुम् (D) सेवायाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–224*

363. अधस्तनयुग्मानां तालिकां चिनुत UGC 25 D–2014

(अ) रात्राह्नाहाः पुंसि	**(1) उच्चैः, नीचैः, कृष्णः श्रीः, ज्ञानम्**
(ब) अक्ष्णोर्दर्शनात्	**(2) अह्ना क्रोशेन वा अनुवाकोऽधीतः**
(स) नियतोपस्थितिकः प्रातिपदिकार्थः	**(3) अहोरात्रः**
(द) अपवर्गे तृतीया	**(4) गवाक्षः**

361. (B) 362. (A) 363. (B) 364. (D) 365. (A)

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	4	3
(D)	1	4	3	2

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.4.29, 5.4.76, 2.3.46, 2.3.6) - ईश्वरचन्द्र*

364. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है–
UP TGT–1999

(a) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः (b) कवीनां कालिदासः श्रेष्ठः
(c) विकल्प A, B दोनों (d) कविभिः कालिदासः श्रेष्ठः

(A) केवल A (B) केवल B
(C) केवल D (D) केवल C

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–216*

365. 'अपूर्वः कोऽपि कोशोऽयं विद्यते तव भारति'– यहाँ पर 'भारति' पद है–
H TET–2014

(A) सम्बोधनम् (B) अपादानम्
(C) अधिकरणम् (D) सम्प्रदानम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.47) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

366. 'उपाध्यायादधीते' अत्र पञ्चमी विभक्तिः?
CCSUM-Ph.D–2016

(A) जनिकर्तुः (B) आख्यातोपयोगे
(C) भुवः प्रभवः (D) पराजेरसोढः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–62*

367. 'केशेषु चमरीं हन्ति' अत्र सप्तमी भवति–
CCSUM-Ph.D–2016

(A) सप्तम्यधिकरणे च (B) आधारोऽधिकरणम्
(C) निमित्तात्कर्मयोगे (D) षष्ठी चानादरे

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94*

366. (B) **367.** (C)

5. प्रत्यय

1. प्रत्यय का ज्ञान कराने के लिए सर्वप्रथम– **UP TGT–1999**

(A) प्रत्यय की परिभाषा बतायेंगे

(B) प्रत्यययुक्त शब्दों में से कुछ शब्द बतायेंगे

(C) कुछ प्रत्यययुक्त शब्दों के अर्थ को बतायेंगे

(D) प्रत्यययुक्त शब्दों के साथ कुछ वाक्यों को प्रस्तुत करेंगे

2. कृदन्त की संज्ञा होती है– **UP TGT–2010**

(A) प्रत्यय (B) धातु

(C) संयोग (D) प्रातिपदिक

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.2.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–70*

3. तृतीया विभक्ति के बहुवचन में प्रत्यय होता है– **BHU MET–2010**

(A) जस् (B) भिस्

(C) औ (D) शस्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–67*

4. 'शुक्रियम्' में प्रयुक्त प्रत्यय है– **BHU MET–2014**

(A) खन् (B) घञ्

(C) घन् (D) इयङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (4.2.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–472*

5. कति सुबादिप्रत्ययाः सन्ति– **BHU Sh. ET–2013**

(A) पञ्चदश (15) (B) एकविंशतिः (21)

(C) चतुर्विंशतिः (24) (D) अष्टादश (18)

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1017*

(ii) अष्टाध्यायी (4.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–421

6. 'आनन्दमयः' इस पद में मयट् प्रत्यय है– **UGC 73 J–2014**

(A) विरूपार्थे (B) प्राचुर्यार्थे

(C) विशेषणार्थे (D) स्वार्थे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5)-भीमसेन शास्त्री, पेज–391*

1. (D) **2.** (D) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (B)
11. (B) **12.** (D)

-प्रकरण

7. असङ्गतं प्रकृति–प्रत्यययुग्मम् अस्ति– UK SLET–2015

(A) हृ + ण्यत्　(B) वृञ् + ण्यत्

(C) लूञ् + ण्यत्　(D) शास् + क्यप्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.109) - ईश्वरचन्द्र, पेज–294*

8. सर्वनामस्थानसंज्ञकाः प्रत्ययाः कति– HE–2015

(A) सप्त　(B) चत्वारः

(C) नव　(D) पञ्च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

9. तिङ्प्रत्ययाः कियन्तः– JNU MET–2014

(A) नव (9)　(B) षोडश (16)

(C) अष्टादश (18)　(D) विंशतिः (20)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.4.78) - ईश्वरचन्द्र, पेज–409*

10. सर्वनामस्थानसंज्ञकः प्रत्ययः– UGC 25 J–2006

(A) अण्　(B) जस्

(C) अच्　(D) सुप्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25*

11. 'सनाद्यन्ता धातवः' इत्यत्र सनादयः प्रत्ययाः कति– BHU AET–2011

(A) दश　(B) द्वादश

(C) नव　(D) अष्टौ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–264*

12. 'पाकः' में प्रत्यय है– UGC 25 D–1996

(A) क　(B) ण्वुल्

(C) क्त　(D) घञ्

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–357*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–840

6. (B)	7. (B)	8. (D)	9. (C)	10. (B)

13. कृ + क्तवतु = भवति UGC 25 D–2011

(A) कुर्वाणः (B) कर्तवान्

(C) कृतवान् (D) कृत्वा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–807, 808*

14. धातोः विधीयमानः तव्यत्-प्रत्ययः कस्मिन् अर्थे भवति? UGC 25 J–2013

(A) कर्तरि (B) भावे

(C) भावे कर्मणि च (D) कर्मणि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–774*

15. 'स्नात्यनेन स्नानीयं चूर्णम्।' इत्यत्र 'स्ना' धातोः विधीयमानः अनीयर्-प्रत्ययः कस्मिन् अर्थे वर्तते? UGC-25 D–2013

(A) कर्तरि (B) कर्मणि

(C) भावे (D) करणे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–14*

16. 'पच्' धातु में क्त प्रत्यय लगाकर रूप बनेगा। UP PGT–2000

(A) पचितः (B) पक्तः

(C) पक्वः (D) पचतः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–812*

17. (i) 'कुम्भकारः' पदे कृत्प्रत्ययोऽस्ति? UP PGT–2002
(ii) 'कुम्भकारः' में प्रत्यय है– BHU MET–2014, DL–2015

(A) शतृ (B) शानच्

(C) अण् (D) घञ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–788*

18. 'पठनीय' शब्द में कौन सा प्रत्यय है– UP PGT–2003

(A) तव्यत् (B) तव्य

(C) अनीयर् (D) यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–775*

19. 'देय' में कौन-सा प्रत्यय है– UP PGT–2003

(A) शतृ (B) शानच्

(C) तव्य (D) यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–777*

13. (C) 14. (C) 15. (D) 16. (C) 17. (C)
23. (B) 24. (A) 25. (D)

20. (i) 'अर्य' शब्द 'ऋ' में किस प्रत्यय के संयोग से बनता है–

(i) 'ऋ' में किस प्रत्यय के संयोग से 'अर्य' शब्द बनता है– UP PGT–2004, 2010

(A) शतृ (B) यत्

(C) अच् (D) क्त

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.103) - ईश्वरचन्द्र, पेज–293*

21. 'नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः' सूत्र किन प्रत्ययों का विधान करता है– UP PGT–2004

(A) ल्यु (B) णिनि

(C) अच् (D) उपर्युक्त तीनों

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.134) - गोविन्दाचार्य, पेज–785*

22. 'कुर्वाणः' में प्रत्यय है– UP PGT–2004

(A) शतृ (B) शानच्

(C) आन् (D) अण्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–136*

23. 'एधनीयम्' में कौन-सा प्रत्यय है– UP PGT–2005, 2013

(A) तव्यत् (B) अनीयर्

(C) यत् (D) ण्यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774*

24. श्यन्, शः तथा श्नुः प्राप्त होते हैं, क्रमशः– UP PGT–2005

(A) दिवादि, तुदादि एवं स्वादि में

(B) तुदादि, जुहोत्यादि एवं दिवादि में

(C) अदादि, चुरादि एवं स्वादि में

(C) स्वादि, दिवादि एवं तुदादि में

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.69, 77, 73)-ईश्वरचन्द्र, पेज–282, 83, 84*

25. 'क्षिप्तः' में कौन-सा प्रत्यय है– UP PGT–2009

(A) क्तवतु (B) शतृ

(C) तुमुन् (D) क्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–814*

18. (C) 19. (D) 20. (B) 21. (D) 22. (B)

26. 'दर्शनम्' में कौन सा प्रत्यय है– UP PGT–2009

(A) ल्युट् (B) अनीयर्
(C) घञ् (D) ण्वुल्

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.3.115) - ईश्वरचन्द्र, पेज–378*
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–238

27. 'पठितवत्' में प्रत्यय है– UP PGT–2000

(A) क्तवतु (B) वतुप्
(C) क्त (D) मतुप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–808*

28. √दा + यत् का शुद्ध रूप होगा– UP PGT–2000, 2013

(A) दायः (B) दीयम
(C) देयम् (D) दायम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–778*

29. 'जनमेजयः' इत्यत्र प्रत्ययो वर्तते– UP GDC–2012

(A) खश् (B) खच्
(C) क (D) ट

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–793*

30. 'कार्यम्' इति पदे प्रत्ययो वर्तते UP GDC–2012

(A) यत् (B) ण्यत्
(C) क्यप् (D) ल्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–780*

31. 'धार्यम्' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है? H-TET–2015

(A) ण्यत् (B) क्यप्
(C) यत् (D) ष्यञ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–80*

32. कार्यम् में कौन-सा प्रत्यय नहीं हो सकता है? BHU MET–2012

(A) यत् (B) ण्यत्
(C) क्यप् (D) क्विप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–780*

26. (A)	**27. (A)**	**28. (C)**	**29. (A)**	**30. (B)**
36. (A)	**37. (B)**	**38. (A)**	**39. (A)**	

33. इनमें से कौन-सा 'कृत्य' प्रत्यय नहीं है– UP GIC–2009
(A) तव्य (B) तव्यत्
(C) क्यप् (D) क्यच्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.95) - गोविन्दाचार्य, पेज–773

34. कौन-सा रूप 'शतृ' प्रत्यय की दृष्टि से अशुद्ध है– UP GIC–2009
(A) कुर्वन् (B) कुर्वती
(C) कुर्वन्ति (D) कुर्वत्
स्रोत–अष्टाध्यायी (3.2.124) - ईश्वरचन्द्र, पेज–336

35. कौन-सा प्रत्यय कर्मवाच्य एवं भाववाच्य में नहीं लगता? UP GIC–2009
(A) खल् (B) कृत्य
(C) क्त (D) क्तवतु
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–807

36. 'रागः' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययोऽस्ति– UP GIC–2009, 2015
(A) घञ् (B) क
(C) अच् (D) अप्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (6.4.27)-गोविन्दाचार्य, पेज–840-841

37. 'यशस्करः' में प्रत्यय है– UP GIC–2009
(A) क (B) ट
(C) क्त (D) खश्
स्रोत–अष्टाध्यायी (3.2.20) - ईश्वरचन्द्र, पेज–310

38. 'क्त और क्तवतु' किस नाम से प्रसिद्ध है? UP TGT–2004
(A) निष्ठा (B) सत्
(C) घ (D) पद
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.102) - गोविन्दाचार्य, पेज–807

39. (i) 'विचिन्त्य' इत्यत्र धातोः कः प्रत्ययः?
(ii) 'विचिन्त्य' में कौन-सा प्रत्यय है–
UP TGT–2009, RPSC ग्रेड I (PGT)–2014
(A) ल्यप् (B) क्विप्
(C) कनिन् (D) यत्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–845

31. (A)	32. (D)	33. (D)	34. (C)	35. (D)

40. 'वनेचरः' में कौन-सा प्रत्यय लगा है– UP TGT–2010

(A) घञ्　(B) ष्यञ्
(C) ट　(D) मनिन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.16) - गोविन्दाचार्य, पेज–790*

41. 'ट' प्रत्ययान्तः शब्दः वर्तते– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) वनेचरः　(B) शिरोरुहः
(C) सरोरुहः　(D) मूलविभुजः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.16) - गोविन्दाचार्य, पेज–790*

42. 'इच्छन्' में कौन-सा प्रत्यय है? UP TGT–2010

(A) खच्　(B) तृच्
(C) यत्　(D) शतृ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–132*

43. 'गतिः' में कौन-सा प्रत्यय है? BHU MET–2010

(A) क्तिन्　(B) णिनि
(C) तिप्　(D) ङीप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.3.94) - गोविन्दाचार्य, पेज–846*

44. 'पठनम्' में पठ् धातु से प्रत्यय है– BHU MET–2010

(A) इमनिच्　(B) ल्यप्
(C) ल्युट्　(D) वु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.3.115) - गोविन्दाचार्य, पेज–853*

45. 'शानच्' प्रत्ययान्तः शब्दः कः? BHU Sh.ET–2011

(A) महिमानः　(B) यवमानः
(C) वर्धमानः　(D) प्रथिमानः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–138*

46. ताच्छील्ये णिनिप्रत्ययस्योदाहरणं नास्ति– BHU AET–2011

(A) उष्णभोजी　(B) प्रियवादी
(C) उष्णभोज आतुरः　(D) मितभाषी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.78) - ईश्वरचन्द्र, पेज–324*

40. (C) 41. (A) 42. (D) 43. (A) 44. (C)
50. (D) 51. (B) 52. (A) 53. (D)

47. 'क्त' प्रत्ययान्तस्योदाहरणम् अस्ति– **BHU AET–2011**

(A) स्नातं मया (B) विश्वं कृतवान्

(C) फलं खादितवान् (D) ग्रामं गतवान्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.102) - गोविन्दाचार्य, पेज–807*

48. 'पत्' धातोः 'ष्ट्रन्' प्रत्यये रूपं जायते– **BHU AET–2011**

(A) पत्रम् (B) पात्रम्

(C) पत्त्रम् (D) पक्त्रम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7.2.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–869*

49. 'पच्' धातोः कर्मणि निष्ठातकारे रूपमस्ति– **BHU AET–2011, CVVET–2015**

(A) पक्ववान् (B) पक्तः

(C) पक्नः (D) पक्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–95*

50. 'तुल्यास्यप्रयत्नम्' इत्यत्र 'आस्य' पदे कः प्रत्ययः? **BHU AET–2012**

(A) यत् (B) अण्

(C) अत्र (D) ण्यत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.124) - ईश्वरचन्द्र, पेज–298*

51. 'प्रत्याहार' इत्यत्र कः प्रत्ययः– **BHU AET–2012**

(A) अण् (B) घञ्

(C) घ (D) खल्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–357*

52. 'गत्वा' पद में प्रत्यय है– **BHU MET–2008**

(A) क्त्वा (B) ल्यप्

(C) तुमुन् (D) क्त

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

53. 'स्तुत्यः' पद में कौन-सा प्रत्यय है? **H-TET–2015**

(A) ल्यप् (B) ण्यत्

(C) यत् (D) क्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–779*

45. (C) **46.** (C) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (D)

54. 'यत्' प्रत्ययः भवति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) अजन्ताद् धातोः
(B) पवर्गान्ताद् अदुपधात् धातोः
(C) आकारान्ताद् धातोः
(D) उपर्युक्त-सर्वप्रकारेभ्यः धातुभ्यः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.97-98) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291*

55. 'शिष्यः' इत्यस्मिन् पदे प्रत्यय अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) यत् (B) ण्यत्
(C) क्यप् (D) अच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–779*

56. 'मार्ग्यः' इत्यस्मिन् प्रकृतिप्रत्ययौ स्तः– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) मार्ग + यत् (B) मृज् + ण्यत्
(C) मार्ग + क्यप् (D) मृज् + क्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–781*

57. 'पावकः' इत्यत्र प्रकृति-प्रत्ययौ विद्यते– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) पौ + अकः (B) पा + ठक्
(C) पुञ् + ण्वुल् (D) पौ + ढक्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.133) - गोविन्दाचार्य, पेज–784*

58. 'प्रियंवदः' इत्यत्र प्रत्ययः अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, UGC 73-D–2014, H-TET–2015**

(A) ड (B) ट
(C) खश् (D) खच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.38) - गोविन्दाचार्य, पेज–794*

59. 'आहारः' इत्यस्मिन् पदे प्रकृति-प्रत्ययौ स्तः– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) आ + हृ + अण् (B) आ + हृ + घञ्
(C) आ + हृ + ड (D) आ + हृ + ष्ट्रन्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–357*

54. (D) 55. (C) 56. (B) 57. (C) 58. (D)
64. (D) 65. (B) 66. (B)

ं0. 'उत्कण्ठितः' पदे प्रत्ययः अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) क्त (B) तल्

(C) त्व (D) इतच्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.102) - ईश्वरचन्द्र, पेज–329*

ं1. **'शतृ' प्रत्ययान्तः रूपमस्ति– RPSC ग्रेड-I (TGT)–2010**

(A) ताड्यमानः (B) ताडयति

(C) ताडयित्वा (D) ताडयत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.124) - ईश्वरचन्द्र, पेज–336*

ं2. **'नयनम्' रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) नी + क्तिन् प्रत्यय का (B) नै + ल्युट् प्रत्यय का

(C) नी + ल्युट् प्रत्यय का (D) नी + ण्यत् प्रत्यय का

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–210-211*

ं3. **'क्तिन्' प्रत्यय का उदाहरण है– RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) पानम् (B) स्थानीयम्

(C) भक्तिः (D) नेता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–372*

ं4. **'एधितव्यम्' पद में प्रत्यय है– RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) ल्यप् (B) क्यप्

(C) क्तवतु (D) तव्यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774*

ं5. **'इत्यः' पद में प्रत्यय है– RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) ल्यप् (B) क्यप्

(C) यत् (D) ण्यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.109) - गोविन्दाचार्य, पेज–779*

ं6. **'क्तवतु' प्रत्ययान्त पद है– RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) कृतः (B) कृतवान्

(C) कृतिः (D) कार्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.26) - गोविन्दाचार्य, पेज–808*

59. (B)	60. (A)	61. (D)	62. (C)	63. (C)

67. 'छिन्नः' पद में प्रत्यय है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) ण्यत् (B) तृच्

(C) खश् (D) क्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–808*

68. कृ + ण्वुल् = ... रिक्तस्थान में होगा।

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) कर्ता (B) कारकः

(C) कृतिः (D) करणम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.133) - गोविन्दाचार्य, पेज–783*

69. 'सेवमानम्' में कौन-सा प्रत्यय है?

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) शतृ (B) शानच्

(C) मतुप् (D) तव्यत्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–136-138

70. (i) 'गच्छन्' पद में प्रत्यय है–

(ii) 'गच्छन्' इत्यत्र प्रत्ययं निर्दिशतु?

RPSC ग्रेड-III–2013, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) तृच् (B) शानच्

(C) शतृ (D) क्तवतु

(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–133

(ii) अष्टाध्यायी (3.2.124) - ईश्वरचन्द्र, पेज–336

71. 'निर्मितवान्' इत्यत्र कः प्रत्ययः? REET–2016

(A) शतृ (B) शानच्

(C) क्तवतु (D) ण्वुल्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–106

72. 'चि' धातु से 'तव्यत्' प्रत्यय करने पर रूप बनेगा–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) चयनीयम् (B) चेतव्यः

(C) चेतनीयम् (D) चेत्यम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–775*

67. (D)	68. (B)	69. (B)	70. (C)	71. (C)
77. (C)	78. (B)	79. (B)		

73. 'ण्यत्' प्रत्ययान्त शब्द है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) पेयः (B) कार्यः

(C) शप्यः (D) लभ्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.124) - गोविन्दाचार्य, पेज–780*

74. 'कृतिः' शब्देस्मिन् कः प्रत्यय–

UP PGT (H)–2010, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) ल्युट् (B) कर्ता

(C) क्तिन् (D) तृच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.94) - गोविन्दाचार्य, पेज–846*

75. 'क्षम् + क्तिन्' योगे शब्दः निर्मीयते–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) क्षन्तिः (B) शान्तिः

(C) क्षान्तिः (D) क्षाम्तिः

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–215

76. 'ल्युट्' प्रत्यय का उदाहरण है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) पठनीयम् (B) कर्ता

(C) दानम् (D) गतिः

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.3.115) - ईश्वरचन्द्र, पेज–378*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–238

77. 'तव्यत्तव्यानीयरः' सूत्र का सम्बन्ध है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) यत् (B) क्यप्

(C) तव्यत् (D) क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774*

78. 'क्तवतु' प्रत्ययान्त शब्द है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) कान्तिमन्तः (B) पठितवन्तः

(C) बुद्धिमन्तः (D) श्रीमन्तः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.102) - ईश्वरचन्द्र, पेज–329*

79. 'श्रुत्वा' पद में कौन-सा प्रत्यय है?

CTET–2012, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) तुमुन् (B) क्त्वा

(C) ल्यप् (D) क्तिन्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–284

72. (B) 73. (B) 74. (C) 75. (C) 76. (C)

80. 'क्त्वा' प्रत्ययान्तशब्दः कः? **C-TET–2015**

(A) चलामि (B) श्रुत्वा

(C) स्वयम् (D) कर्तुम्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3) - भीमसेन शास्त्री, पेज–284

81. 'तोत्तुम्' में प्रत्यय है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) तुम् (B) तुमुन्

(C) तुमन् (D) क्तिन्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–223*

82. 'दत्तवान्' में प्रत्यय है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) शानच् (B) कानच्

(C) क्तवतु (D) क्त

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.102) - ईश्वरचन्द्र, पेज–329*

83. 'गम् + तव्यत्' का कृदन्त प्रयोग है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) गमितव्यम् (B) गन्तव्यम्

(C) गातव्यम् (D) गतव्यम्

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.1.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774

84. 'सृज् + अनीयर्' का कृदन्त प्रयोग होगा–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) सर्जनीयम् (B) सृजनीयम्

(C) सर्जणीयम् (D) सृजणीयम्

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.1.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774

85. 'प्रच्छ् + क्त्वा' इन प्रकृति प्रत्ययों से प्रयोग बनेगा–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) प्रच्छित्वा (B) प्रष्ट्वा

(C) पृष्ट्वा (D) पृच्छवा

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–278

80. (B) 81. (B) 82. (C) 83. (B) 84. (A)
90. (A) 91. (B)

86. 'भुक्तवान्' पद में प्रत्यय है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) क्त (B) क्तवतु

(C) तमप् (D) तुमुन्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.102) - ईश्वरचन्द्र, पेज–329*

87. 'प्र' उपसर्गपूर्वकस्य 'हृ' धातोः घञ् प्रत्ययस्य योगे अर्थः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) भोजनम् (B) भ्रमणम्

(C) नाशः (D) प्रहारः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.18) - ईश्वरचन्द्र, पेज–357*

88. 'अनु' उपसर्गपूर्वकस्य 'कृ' धातोः निष्पन्नस्य 'अनुकरोति' शब्दस्य अर्थः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) पूर्वं करोति (B) न करोति

(C) अग्रे करोति (D) अनुवर्तनं करोति

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.3.79) - गोविन्दाचार्य, पेज–744*

89. 'सम्' उपसर्गपूर्वकस्य 'आप्' धातोः 'क्तिन्' प्रत्ययस्य योगे अर्थः– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) सम्यक् अस्ति (B) समानाप्तिः

(C) समाप्तिः पूर्तिः वा (D) सम्प्राप्तिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–372*

90. (i) छिद् धातोः 'क्त' प्रत्ययान्तं रूपं किं भवति–
(ii) 'छिद् + क्त' प्रत्यये सति पदं स्यात्–
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) छिन्नः (B) छिद्नः

(C) छिद्क्तः (D) छित्तः

(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–104
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दचार्य, पेज–809

91. 'कृतवान्' इति पदे कृ धातोः प्रत्ययः स्यात्– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) वतुप् (B) क्तवतु

(C) क्त (D) शानच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–808*

85. (C)	86. (B)	87. (D)	88. (D)	89. (D)

92. अधोलिखितेषु कस्मिन् पदे 'क्त' प्रत्ययस्य प्रयोगः न कृतः– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) भुग्नः (B) शुष्कः
(C) पक्वः (D) अभूत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.102) - ईश्वरचन्द्र, पेज–329*

93. 'लभ्यम्' इति पदे प्रकृति-प्रत्ययौ स्तः– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) लभ् + यत् (B) लभ् + ण्यत्
(C) लभ् + क्यप् (D) लभ् + ल्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.98) - गोविन्दाचार्य, पेज–778*

94. 'शतृ' प्रत्ययान्ते शब्दे प्रत्ययस्य अवशिष्यते– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अन् (B) अत्
(C) आन (D) मान

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

95. 'दृश्' धातोः 'तुमुन्' प्रत्यययोगेन शब्दः निष्पद्यते– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) दृष्टम् (B) दर्शयितुम्
(C) दशितुम् (D) द्रष्टुम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–223*

96. 'पा' धातु में तुमुन् प्रत्यय जोड़ने से क्या रूप बनेगा? H-TET–2015

(A) पिलितुम् (B) पित्वतुम्
(C) पातुम् (D) पायितुम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–223*

97. 'दा' धातु में 'क्त्वा' प्रत्यय का योग करने पर होता है– UP TET–2014

(A) दात्वा (B) दयित्वा
(C) दत्त्वा (D) दायित्वा

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–276

92. (D) 93. (A) 94. (B) 95. (D) 96. (C)
102. (C) 103. (C)

98. 'शतृ' प्रत्यययुक्त पद है– **UP TET–2014**

(A) कथितः (B) कर्तुम्

(C) पठन् (D) पठित्वा

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3) - भीमसेन शास्त्री, पेज–134

99. 'आकर्णयन्' शब्द में कौन सा प्रत्यय प्रयुक्त है? **UP TET–2016**

(A) क्त (B) क्तवतु

(C) शतृ (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–132*

100. 'दृष्ट्वा' पदस्य प्रकृति–प्रत्ययौ स्तः– **MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011**

(A) विश् + क्त्वा (B) दृश् + क्त्वा

(C) क्रीड् + तुमुन् (D) पठ् + ल्यप्

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-3) पेज–276

101. 'गतवान्' पदे प्रत्ययः अस्ति– **UK TET–2011**

(A) क्त (B) क्तवतु

(C) शानच् (D) तव्यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–102*

102. 'अवगम्य' में प्रत्यय है– **MP वर्ग-2 (TGT)–2014, UK TET–2011**

(A) क्त (B) क्त्वा

(C) ल्यप् (D) तल्

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–265*

(ii) अष्टाध्यायी (7.1.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–845

103. 'चरन्' अस्मिन् पदे प्रत्ययोऽस्ति– **MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011**

(A) तुमुन् (B) तृच्

(C) शतृ (D) ण्मुल्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–133*

97. (C) 98. (C) 99. (C) 100. (B) 101. (B)

104. 'आसीनः' अस्मिन् पदे प्रत्ययोऽस्ति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) नुम् (B) अण्

(C) क्त (D) शानच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–136*

105. 'दर्शनीयः' इति पदे प्रकृति-प्रत्ययौ स्तः–

MP TET–2011

(A) दर्श + अनीयर् (B) दृश् + अनीयर्

(C) दर्शन + ईय (D) दर्श + नीयर्

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–9-10*

(ii) अष्टाध्यायी (3.1.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291

106. 'अनीयर्' प्रत्ययोऽस्ति– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) कृत्प्रत्ययः (B) तद्धितप्रत्ययः

(C) स्त्रीप्रत्ययः (D) अप्रत्ययः

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.1.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–07

107. 'सिक्तवान्' पदे प्रकृतिः प्रत्ययश्च स्तः–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) सिच् + मतुप् (B) सिच् + वतुप्

(C) सिक् + तवतु (D) सिच् + क्तवतु

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–113*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815

108. 'चुर्' धातोः ''तुमुन्'' प्रत्यये सति रूपं भवति–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) चुरयितुम् (B) चोरितुम्

(C) चुरितुम् (D) चोरयितुम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–187*

109. 'प्रणम्य' में प्रत्यय है– UP TET–2014

(A) त्यप् (B) ल्यप्

(C) यत् (D) क्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–277*

104. (D) 105. (B) 106. (A) 107. (D) 108. (D)
114. (A) 115. (B) 116. (D)

110. 'विहाय' पद में उपसर्ग प्रकृति एवं प्रत्यय है–
UP TET–2014
(A) वि + हृ + शतृ (B) वि + हा + ल्यप्
(C) वि + हा + क्तिन् (D) वि + हा + क्त्वा
स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–209*

111. 'जेतुं शक्यम्' इति विग्रहे रूपं भवति–
UGC 73 D–2006
(A) जेयम् (B) जय्यम्
(C) जयनीयम् (D) जेतव्यम्
स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.78) - ईश्वरचन्द्र, पेज–685*

112. 'क्षेतुं शक्यं' यह अर्थ बोधक पद है–
UGC 73 D–2011
(A) क्षय्यम् (B) क्षीयम्
(C) क्षेयम् (D) क्षतम्
स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.78) - ईश्वरचन्द्र, पेज–685*

113. 'इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः' इस सूत्र का उदाहरण है–
UGC 73 J–2013
(A) कारकः (B) कृशः
(C) गृहम् (D) गायकः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.135) - गोविन्दाचार्य, पेज–787*

114. निम्नलिखित शब्दों में कृदन्त है– UP GDC–2008
(A) कुम्भकारः (B) वैनतेयः
(C) पौरवः (D) वैदिकः
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.1) - गोविन्दाचार्य, पेज–788*

115. 'हसनम्' में किस प्रत्यय का योग है? UP GDC–2008
(A) शतृ (B) ल्युट्
(C) शानच् (D) ण्वुल्
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–15*

116. 'शयनम्' पदे प्रकृतिप्रत्ययौ स्तः–
RPSC ग्रेड I (PGT)–2014
(A) शै + अच् (B) शि + णिनि
(C) शी + इन् (D) शी + ल्युट्
स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–240*

109. (B) 110. (B) 111. (B) 112. (A) 113. (B)

117. 'हितम्' में किस प्रत्यय का योग है– UP GDC–2008

(A) क्त (B) ण्वुल्

(C) ल्युट् (D) क

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–813*

118. 'नैषध्य' में प्रत्यय है– BHU MET–2014

(A) ल्यप् (B) ण्यत्

(C) ण्य (D) क्यप्

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–53*

(ii) अष्टाध्यायी (4.1.170) - ईश्वरचन्द्र, पेज–466

119. 'ग्रामं गतः' में 'क्त' प्रत्यय किस अर्थ में है? UGC 73 D–1996

(A) सम्बन्ध अर्थ में (B) कर्म अर्थ में

(C) कर्त्ता अर्थ में (D) क्रिया अर्थ में

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–62*

120. किं रूपं तद्धितस्य नास्ति? BHU Sh.ET–2013

(A) मामकीनः (B) प्रियः

(C) मासिकम् (D) पारलौकिकम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.135) - गोविन्दाचार्य, पेज–787*

121. एषु कः कृत्प्रत्ययान्तः शब्दः– BHU Sh.ET–2013

(A) वैनतेयः (B) दाशरथिः

(C) मदीयः (D) दुष्करः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.3.126) - गोविन्दाचार्य, पेज–856*

122. कारक में..................प्रत्यय है– UGC 73 J–2012

(A) कः (B) ण्वुल्

(C) अण् (D) वरम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.133) - गोविन्दाचार्य, पेज–782*

123. 'दत्तः' में कौन-सा प्रत्यय है? UP TET–2013

(A) क्त (B) क्त्वा

(C) अनीयर् (D) यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (7.4.46) - गोविन्दाचार्य, पेज–814*

117. (A)	**118. (C)**	**119. (C)**	**120. (B)**	**121. (D)**
127. (A)	**128. (C)**	**129. (A)**	**130. (A)**	

124. 'भोक्तुम्' में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय है– **UPTET–2013**

(A) भुज् + तुमुन् (B) भुक् + तुमुन्
(C) भोज् + तुमुन् (D) भुज् + क्त्वा

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–189*
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.3.167) - गोविन्दाचार्य, पेज–838

125. 'पठितः' में धातु-प्रत्यय है– **UPTET–2013**

(A) पठ् + क्त्वा (B) पठ् + क्त
(C) पठ् + घञ् (D) पठ् + ल्युट्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

126. 'भूतः' इति पदे प्रत्ययः अस्ति– **C-TET–2012**

(A) क्त (B) ल्यप्
(C) क्तवतु (D) क्त्वा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

127. 'निर्गत्य' इति पदे प्रत्ययः अस्ति– **C-TET–2012**

(A) ल्यप् (B) क्त
(C) तुमुन् (D) क्त्वा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–266*

128. 'मन्यमानः' इति पदे प्रत्ययः अस्ति? **C-TET–2012**

(A) शतृ (B) अनीयर्
(C) शानच् (D) क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–137*

129. 'कर्तव्यम्' इति पदे कः प्रत्ययः? **C-TET–2012**

(A) तव्यत् (B) क्तवतु
(C) तव्य (D) अनीयर्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–4*

130. अत्र 'क्त' प्रत्ययः कस्मिन् पदे प्रयुक्तः? **C-TET–2012**

(A) स्वीकृतः (B) अधीत्य
(C) महत्त्वम् (D) पठनीयम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

122. (B) 123. (A) 124. (A) 125. (B) 126. (A)

131. 'उपविष्टः' इति– C-TET–2012

(A) कर्मणि कृदन्तः (B) कर्तरि कृदन्तः

(C) वर्तमान-कृदन्तः (D) विध्यर्थक-कृदन्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–111*

132. कस्मिन् पदे 'अनीयर्'-प्रत्ययः प्रयुक्तः? C-TET–2013

(A) इत्यादीनि (B) उल्लेखनीयानि

(C) अन्यानि (D) वैज्ञानिकी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774*

133. 'ल्यप्' प्रत्ययः कस्मिन् पदे प्रयुक्तः? C-TET–2013

(A) बाल्यात् (B) विज्ञाय

(C) स्यात् (D) इयम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7.1.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–845*

134. 'विहस्य' इति पदे प्रत्ययः अस्ति– C-TET–2011

(A) ल्यप् (B) य

(C) क्त्वा (D) क्यप्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7.1.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–845*

135. 'विस्मृत्य' पदे प्रत्ययः अस्ति? C-TET–2011

(A) तल् (B) क्यप्

(C) ल्यप् (D) क्त्वा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7.1.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–845*

136. 'क्तवतु' प्रत्ययः कस्मिन् पदे अस्ति? C-TET–2011

(A) अभवत् (B) अन्विष्टवान्

(C) गतः (D) श्रुतः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

137. 'परिवृता' पदे प्रत्ययः अस्ति– C-TET–2011

(A) तल् (B) क्त्वा

(C) क्त (D) क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

138. 'स्थितः' पदे कः प्रत्ययः? C-TET–2011

(A) तसिल् (B) यत्

(C) क्त (D) क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

131. (A)	132. (B)	133. (B)	134. (A)	135. (C)
141. (D)	142. (D)	143. (A)	144. (C)	145. (D)

139. 'अभिषिक्तः' इति पदमस्ति? **UK TET–2011**

(A) तिङन्तपदम् (B) तद्धितपदम्

(C) कृदन्तपदम् (D) अव्ययपदम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

140. 'उषित्वा' इति रूपं कस्य धातोः कस्य प्रत्ययस्य च संयोगेन भवति? **UK TET–2011**

(A) वस् + क्त्वा (B) विश् + क्त्वा

(C) ऊर्ज + त्व (D) वप् + त्व

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–282*

141. 'धृत्वा' इत्यत्र कः प्रत्ययः प्रयुक्तः? **REET–2016**

(A) क्त (B) शानच्

(C) क्तवतु (D) क्त्वा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–839*

142. 'जि' धातोः 'तुमुन्' प्रत्ययस्य संयोगेन किं रूपं भवति? **UK TET–2011**

(A) जयितुम् (B) जन्तुम्

(C) जीतुम् (D) जेतुम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–839*

143. 'पातव्यम्'– **AWES TGT–2011**

(A) पा + तव्यत् (B) पा + अनीयर्

(C) पा + इन् (D) पिब् + तव्यत्

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.1.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–29

144. त्यक्त्वा– **AWES TGT–2011**

(A) त्यक् + तव्यत् (B) त्यज् + अनीयर्

(C) त्यज् + क्त्वा (D) त्यज् + इन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–275*

145. 'दृश् + अनीयर् **AWES TGT–2011**

(A) दृशनीयम् (B) दृष्टनीयम्

(C) दार्शनीयम् (D) दर्शनीयम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.96) - ईश्वरचन्द्र, पेज–291*

136. (B) 137. (C) 138. (C) 139. (C) 140. (A)

146. कः तद्धितप्रत्ययः न– **AWES TGT–2011**

(A) मतुप् (B) तल्

(C) क्तिन् (D) त्व

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.3.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–372*

(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–846

147. कृदन्त प्रत्यय किन शब्दों के साथ जुड़ते हैं– **UP PCS–2012**

(A) संज्ञा (B) धातु

(C) सर्वनाम (D) अव्यय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–806*

148. 'क्तक्तवतू' इत्यत्र का विभक्तिः? **HE–2015**

(A) प्रथमैकवचनम् (B) प्रथमाद्विवचनम्

(C) द्वितीयाद्विवचनम् (D) षष्ठीद्विवचनम्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–84

149. निष्ठासंज्ञक प्रत्यय कौन से है? **H-TET–2015**

(A) शतृ-शानच् (B) क्त्वा-ल्यप्

(C) क्त-क्तवतु (D) तव्यत्-तव्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–807*

150. 'पाचकः' इति पदे धातु + प्रत्ययः योगोऽस्ति– **DL–2015**

(A) पच् + ण्वुल् (B) पच् + अण्

(C) पच् + वुञ् (D) पच् + अक्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–840*

151. शुद्धं प्रकृति-प्रत्ययं चिनुत– **AWES TGT–2013**

'चलन्' =

(A) चल् + शानच् (B) चल् + शतृ

(C) चल् + क्त (D) चल् + क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–133*

152. 'पठितवान्' = **AWES TGT–2013**

(A) पठ् + शतृ (B) पठ् + क्त

(C) पठ् + शानच् (D) पठ् + क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–107*

146. (C)	**147. (B)**	**148. (B)**	**149. (C)**	**150. (A)**
156. (C)	**157. (A)**	**158. (C)**	**159. (A)**	**160. (B)**

153. 'नतवान्' = AWES TGT–2013

(A) नत् + वान् (B) नम् + क्तवतु

(C) नम् + वान् (D) नम् + क्तवन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

154. 'कृतः' = AWES TGT–2013

(A) कृ + क्त (B) कृ + त

(C) कृ + तः (D) कृ + क्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–814*

155. 'श्रुतम्' = AWES TGT–2013

(A) श्रु + क्तवतु (B) श्रु + शानच्

(C) श्रु + क्त (D) श्रु + शतृ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

156. 'धर्मः'...................। AWES TGT–2013

(A) आचरणीयानि (B) आचरणीया

(C) आचरणीयः (D) आचरन्

(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–09
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.96) - गोविन्दाचार्य, पेज–774

157. 'धनदः' में कौन-सा प्रत्यय है– BHU MET–2012

(A) क (B) ट

(C) अक (D) अन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.3) - गोविन्दाचार्य, पेज–789*

158. 'हसितम्' में कौन-सा प्रत्यय है? BHU MET–2012

(A) घञ् (B) अच्

(C) क्त (D) घ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–808*

159. 'पुरा शक्रमुपस्थाय' में 'उपस्थाय' पद का क्या अर्थ है? BHU MET–2012

(A) पूजां कृत्वा (B) आगम्य

(C) उपविश्य (D) आज्ञापयत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–88*

160. इष् + तुमुन् = ? AWES TGT–2010

(A) इष्टुम् (B) एष्टुम्

(C) अष्टिम् (D) अष्टुम्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–185

151. (B) 152. (D) 153. (B) 154. (A) 155. (C)

161. सम् + अस् + ल्यप् = **AWES TGT–2010**

(A) समसल्यप् (B) समस्य

(C) समसय (D) सम्भूय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–270*

162. अद् + तुमुन् = ? **G GIC–2015**

(A) अर्टितुम् (B) अट्तुम्

(C) अटितुम् (D) एट्तुम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–185*

163. वृक्षे फलानि .... कपयः प्रसन्नाः भवन्ति।
AWES TGT–2010

(A) खादितम् (B) खादन्तः

(C) खादितवान् (D) खादन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–133*

164. प्रकृति-प्रत्यय-विभागं कुरुत –
'उपविष्टः' – **AWES TGT–2010**

(A) उप + विश् + क्त (B) उप + विष्ट + ल्यप्

(C) उप + विष्ट + क्त्वा (D) उप + विश् + क्तवतु

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–202*

165. आवां गुरोः पाठं ....। **AWES TGT–2010**

(A) पठिताम् (B) पठितम्

(C) पठितवन्तौ (D) पठितवान्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–808*

166. ते सर्वे मांसभक्षणम्.................।
AWES TGT–2013, 2010

(A) परित्यक्तवान् (B) परित्यक्तवन्तः

(C) परित्यक्तम् (D) परित्यक्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

167. 'पृष्टवान्' शब्द में प्रकृति तथा प्रत्यय है?
UP PGT–2013

(A) प्रच्छ् + क्तवतु (B) पृष्ट् + वान्

(C) पृच्छ् + क्त (D) पृच्छ् + मतुप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

161. (D) 162. (C) 163. (B) 164. (A) 165. (C)
171. (A) 172. (D) 173. (A) 174. (D)

168. 'कृ' धातु से स्त्रीलिङ्ग में शतृ प्रत्यय लगाने पर रूप बनेगा? **UP PGT–2013**

(A) कुर्वनी (B) कुर्वन्ती

(C) कुर्वती (D) कुर्वन्ता

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–132*

169. 'कर्तृ' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है? **UP TET–2016**

(A) तव्य (B) तृच्

(C) तव्यत् (D) अनीयर्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–36*

170. 'कर्ता' इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति – **G GIC–2013**

(A) कृ + तृच् (B) कृ + णिच्

(C) कृ + अण् (D) कृ + ण्वुल्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–37*

171. 'शुष् + क्त' प्रत्यय के योग से शब्द बनेगा? **UP PGT–2013**

(A) शुष्कः (B) शुष्यः

(C) शुष्तः (D) शुष्वः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–95*

172. √वह् धातु से 'तुमुन्' प्रत्यय लगने पर रूप होगा? **UP PGT–2013**

(A) वहितुम् (B) वहेतुम्

(C) वोढितुम् (D) वोढुम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–191*

173. 'वीक्षमाणः' इत्यत्र कः प्रत्ययोऽस्ति? **C-TET–2014**

(A) शानच् (B) शतृ

(C) क्त (D) मतुप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–136*

174. 'विहाय' इत्यत्र कः प्रत्ययः? **C-TET–2014**

(A) ण्यत् (B) क्यप्

(C) यत् (D) ल्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–285*

166. (B) **167.** (A) **168.** (C) **169.** (B) **170.** (A)

175. 'तव्यत्' और 'अनीयर्' प्रत्यय का प्रयोग होता है– UP PGT (H)–2004

(A) करने के अर्थ में (B) चाहिए के अर्थ में
(C) चुका है के अर्थ में (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–474*

176. 'तुमुन्' प्रत्यय का प्रयोग निम्नलिखित में से किस अर्थ में होता है? UP PGT (H)–2005

(A) चाहिए (B) योग्य
(C) के लिए (D) करके

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–205*

177. 'जो पूजा के योग्य हो' उसे कहा जायेगा– UP PGT (H)–2005

(A) पूज्यनीय (B) पूज्य
(C) पुज्यनीय (D) पुजनीय

स्रोत–*तिङ्कृत्कोषः (द्वितीय-आर्धधातुकखण्ड) - पुष्पादीक्षित, पेज–126*

178. 'अधीत' शब्द की व्युत्पत्ति का ठीक विकल्प चुनिये– UP TGT–2010

(A) अधि + इट् + यत् (B) अधि + इट् + क्त
(C) अधि + इङ् + क्त (D) अधि + इङ् + क्तवतु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–101*

179. 'जनार्दनः' इत्यस्मिन् प्रत्ययः अस्ति– UP GIC–2015

(A) ल्युट् (B) ल्यु
(C) ण्वुल् (D) अन

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.1.134) - गोविन्दाचार्य, पेज–786*

180. 'प्रेत्य'– AWES TGT–2012

(A) प्रे + क्त्वा + ल्यप् (B) प्र + इ + क्त्वा + ल्यप्
(C) प्रा + कल्वा + ईयस् (D) प्र + ए + ल्यप्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

181. तिष्ठत् AWES TGT–2012

(A) तिष्ठ + शतृ (B) स्था + शानच्
(C) स्था + शतृ (D) तिष्ठ + शानच्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

175. (B)	176. (C)	177. (B)	178. (C)	179. (B)
185. (B)	186. (D)	187. (A)	188. (B)	189. (B)

182. तीर्त्वा– **AWES TGT–2012**

(A) तॄ + क्त्वा (B) त + ई + क्त्वा

(C) तॄ + ई + क्त्वा (D) त्वृ + क्त

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208*

183. धावतः **AWES TGT–2012**

(A) धाव् + क्त (B) धाव् + क्त्वा

(C) धाव् + शतृ (D) धाव् + ईयस्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203*

184. जवीयः– **AWES TGT–2012**

(A) जव + तसिल् (B) जव + ईयस्

(C) जव + ल्यप् (D) जव + इन्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.3.57) - ईश्वरचन्द्र, पेज–616*

185. आत्मनेपदीयधातुभिः सह प्रत्ययः –AWES TGT–2010

(A) शतृ (B) शानच्

(C) ल्यप् (D) तिङ्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–485*

186. कः प्रत्ययः कृत्प्रत्ययो न– **AWES TGT–2010**

(A) क्तवतु (B) शानच्

(C) शतृ (D) अण्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–284*

187. शानच् प्रत्ययस्य प्रयोगः भवति–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) वर्तमानकालार्थे (B) भूतकालार्थे

(C) भविष्यद्कालार्थे (D) अनद्यतनभूतकालार्थे

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–485*

188. योक्तुम् = **AWES TGT–2010**

(A) √यज् + त्यप् (B) √युज् + तुमुन्

(C) √यज् + क्यप् (D) √युज् + क्तिन्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206*

189. आ + √रुह् + ल्यप्– **AWES TGT–2010**

(A) आरूहः (B) आरुह्य

(C) आरूह्यः (D) आरूह्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–281*

180. (B) 181. (C) 182. (A) 183. (C) 184. (B)

190. तद् + √दृश् + क्विन्–　　　　　　　　　AWES TGT–2010

(A) तदृशः　　　　　　(B) तादृक्

(C) तादृक्षः　　　　　　(D) तादृशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–141*

191. प्रनष्टवान्–　　　　　　　　　AWES TGT–2010

(A) प्र + नष्ट + क्त्वा　　(B) प्र + नश् + ल्यप्

(C) प्र + नश् + क्तवतु　　(D) प्र + नष्ट + क्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–106*

192. सामर्थ्ये योगे .... प्रत्ययस्य प्रयोगः भवति–
AWES TGT–2010

(A) अच्　　　　　　(B) तुमुन्

(C) ल्युट्　　　　　　(D) शतृ

193. आलभ्य–　　　　　　　　　AWES TGT–2009

(A) आ + √लभ् + ण्यत्　(B) आ + √लभ्+ क्यच्

(C) आ + √लभ् + यत्　(D) आ + √ लभ्+ ल्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–281*

194. पवमानः–　　　　　　　　　AWES TGT–2009

(A) √पू + शानम्　　　(B) √पू + कानच्

(C) √पू + मानच्　　　(D) √पू + शानन्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.128) - ईश्वरचन्द्र, पेज–327*

195. पाकः–　　　　　　　　　AWES TGT–2009

(A) √पच् + घञ्　　　(B) √पच् + अञ्

(C) √पच् + कञ्　　　(D) √पच् + इञ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–840*

196. भिक्षाचरः–　　　　　　　　　AWES TGT–2010

(A) भिक्षा+ √ चर् + क　(B) भिक्षा + √चर् + अ

(C) भिक्षा + √चर् + अण् (D) भिक्षा + √चर् + ट

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.2.17) - गोविन्दाचार्य, पेज–791*

197. विद्वांसस्तु राजसिंहासनरहिताः सन्तोऽपि जनैः...... इत्यादि में रेखाङ्कित पद में कौन-सा प्रत्यय है?　H TET–2014

(A) झि　　　　　　(B) झ

(C) शतृ　　　　　　(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–821*

190. (B)　**191.** (C)　**192.** (B)　**193.** (D)　**194.** (D)
200. (A)　**201.** (B)　**202.** (D)　**203.** (C)

198. 'शुद्धः' पद में कौन-सा प्रत्यय है? H TET–2014

(A) जस् (B) क

(C) क्त (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–815*

199. 'प्रतिकूलोपहितम्' में कौन-सा प्रत्यय है? H TET–2014

(A) क्तवतु (B) तमप्

(C) क्त (D) शतृ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या भाग-3), पेज–106*

200. 'शिष्यः' शब्द की उपयुक्त निष्पत्ति है– H TET–2014

(A) शास् + क्यप् (B) शास् + ण्यत्

(C) शिष् + यत् (D) शिष् + यक्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–779*

201. इण् (जाना) धातु से तव्यत् प्रत्यय करने पर रूप बनेगा– H TET–2014

(A) ऐतव्यः (B) एतव्यः

(C) एषितव्यः (D) इतव्यः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–223*

202. भाववाच्य में धातु से कृत्यसञ्ज्ञक प्रत्यय करने पर धातु का रूप होगा– H TET–2014

(A) नपुंसकलिङ्ग बहुवचन में

(B) कर्ता के अनुसार लिङ्ग तथा वचन

(C) कर्म के अनुसार लिङ्ग तथा वचन

(D) नपुंसकलिङ्ग एकवचन में

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–774*

203. ''प्रभूतं धनम् अर्जितवान्'' वाक्य में रेखाङ्कित पद में प्रत्यय है– H TET–2014

(A) शानच् (B) मतुँप्

(C) क्तवतु (D) कानच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–101*

195. (A) 196. (D) 197. (C) 198. (C) 199. (C)

204. 'अविवेकिता अपि अनर्थाय' में रेखाङ्कित पद में कौन-सा प्रत्यय है– H TET–2014

(A) यत्　　(B) क्यप्
(C) ल्यप्　　(D) ङे

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–67*

205. 'पक्वम्' इस कृदन्त पद में प्रत्यय है– H TET–2014

(A) क्वनिप्　　(B) अच्
(C) घ　　(D) क्त

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (8.2.52) - गोविन्दाचार्य, पेज–812*

206. सम्पत् पद में कौन-सा प्रत्यय है? H TET–2014

(A) शतृ　　(B) मतुँप्
(C) वतुँप्　　(D) क्विप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–847*

207. 'वैयाकरणः' पद की निष्पत्ति बताइये– H TET–2014

(A) व्याकरण् + अच्
(B) व्याकरण + अण्
(C) व्याकरण + अञ्
(D) वि + आ + कृ + ल्युट्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–88

208. 'पचेलिमाः' शब्द निष्पन्न हुआ है? H TET–2014

(A) पच् + एलिम　　(B) पचेलिम + आ
(C) पच् + केलिमर्　　(D) पचे + लिमर्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–776*

209. चितिः = ? AWES TGT–2008

(A) √चि + क्तिन्　　(B) √चि + तिप्
(C) √चि + तिङ्　　(D) √ चि + त्यप्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214*

210. यजमानः = ? AWES TGT–2008

(A) √यज् + कानच्　　(B) √यज् + शानन्
(C) √यज् + शानच्　　(D) √यज् + सग्यमान्

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204*
(ii) अष्टाध्यायी (3.2.128) - ईश्वरचन्द्र, पेज–337

204. (D)　**205.** (D)　**206.** (D)　**207.** (B)　**208.** (C)
214. (B)　**215.** (A)　**216.** (D)

211. 'शप्' प्रत्यय किस अर्थ में विहित है–

UGC 73 J–2015

(A) कर्मार्थे (B) कर्त्रर्थे

(C) हेत्वर्थे (D) भावार्थे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.68) - ईश्वरचन्द्र, पेज–282*

212. 'प्रक्षालनम्' पद में प्रत्यय है? H-TET–2015

(A) ल्युट् (B) ल्यु

(C) अनम् (D) कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.115) - ईश्वरचन्द्र, पेज–378*

213. 'लब्धः' पद में कौन-सा प्रत्यय है? H-TET–2015

(A) धः प्रत्यय (B) अच् प्रत्यय

(C) क्त प्रत्यय (D) शतृ प्रत्यय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–110*

214. 'केशकः' इत्यत्र कन् प्रत्ययः केन सूत्रेण विधीयते?

UGC 25 J–2012

(A) विमुक्तादिभ्योऽण् (B) स्वाङ्गेभ्यः प्रसिते

(C) कुल्माषादञ् (D) पूर्वादिनिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–592*

215. द्वेस्तीयः [पा0सू0 5.2.54] इत्येनन कः प्रत्ययः विधीयते कश्च तस्य अर्थः? UGC 25 J–2013

(A) तीय-प्रत्ययः पूरणे अर्थे।

(B) तीय-प्रत्ययः संख्यायाम् अर्थे।

(C) स्तीय-प्रत्ययः पूरणे अर्थे।

(D) द्वेस्तीय-प्रत्ययः मत्वर्थे।

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–283*

216. 'गणपति + अण्' का रूप होगा– UP PGT–2000

(A) गणपत्यण् (B) गणपतिम्

(C) गाणपत्यम् (D) गाणपतम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–07*

209. (A) 210. (B) 211. (B) 212. (A) 213. (C)

217. (i) 'भागिनेयः' अस्मिन् पदे प्रत्ययोऽस्ति?
(ii) 'भगिनी' में किस प्रत्यय के योग से 'भागिनेयः' पद बनता है– UP PGT–2010, UK TET–2011
MP वर्ग-I (PGT)–2011

(A) अण् (B) यत्
(C) ढक् (D) क्त

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका – बाबूराम सक्सेना, पेज–274*

218. (i) 'गाङ्गः' में प्रत्यय है–
(ii) 'गाङ्गः' इति पदे प्रत्ययोऽस्ति
UP GIC–2009, G GIC–2015

(A) अण् (B) अप्
(C) अच् (D) अञ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–38*

219. 'मासिकम्' पदे प्रत्ययः अस्ति– UP GIC–2009, 2015

(A) ठक् (B) ठञ्
(C) ठप् (D) ट्यु

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–132*

220. 'तदीयः' में प्रत्यय है– UP GIC–2009

(A) छ (B) त्यप्
(C) ईय (D) क्यप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–122*

221. 'शिक्षकः' में प्रत्यय है– UP GIC–2009

(A) ठक् (B) ण्वुल्
(C) अण् (D) वुन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–90*

222. नाम के बाद जो प्रत्यय जुड़ते हैं, उन्हें क्या कहते हैं। UP TGT–2004

(A) तद्धित (B) तिङन्त
(C) कृदन्त (D) णिजन्त

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–271*

217. (C) 218. (A) 219. (B) 220. (A) 221. (D)
227. (D) 228. (A)

223. ''वैक्रमः'' में कौन-सा प्रत्यय है– UP TGT–2010

(A) अण् (B) यत्

(C) ईयसुन् (D) मतुप्

स्रोत–*शिवराजविजयम् - रमाशङ्कर मिश्र, पेज–46*

224. 'लघिमा' की व्युत्पत्ति हेतु ठीक विकल्प चुनिए– UP TGT–2010

(A) लघु + इमनिच् (B) लघु + मनिन्

(C) लघु + मतुप् (D) लघु + वतुप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–251*

225. 'गर्ग का पुत्र' किमस्य एकपदे रूपम्? BHU Sh.ET–2011

(A) गर्गः (B) गर्गा

(C) गार्ग्यः (D) गर्गिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–22*

226. 'व्यासस्यापत्यं' भवति? BHU AET–2011

(A) वैयासः (B) वैयासिः

(C) वैयासकिः (D) वैयासेयः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (4.1.97) - ईश्वरचन्द्र, पेज–451*

227. 'वैनतेयः' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011 UK TET–2011, MP वर्ग-2 (TGT)–2011

(A) ठक् (B) ष्यञ्

(C) यञ् (D) ढक्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–43*

228. 'माधुर्यम्' पदस्य विग्रह अस्ति? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) मधुर + ष्यञ् (B) मधुर + मयट्

(C) मधुर + यञ् (D) मधुर + यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–254*

222. (A) 223. (A) 224. (A) 225. (C) 226. (C)

229. 'जनार्दनः' शब्द की उचित व्युत्पत्ति है?

H-TET–2015

(A) जन + अर्द् + णिच् + ल्यु

(B) जन + अर्द् + णिच् + ल्युट्

(C) जनु + अर्द् + ल्यु + अ

(D) जन + अर्द + ल्यु + णिच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–786*

230. 'वायव्यम्' अस्मिन् पदे प्रत्ययोऽस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2010

(A) स्त्रीप्रत्ययः (B) पूर्व-कृदन्तप्रत्ययः

(C) तद्धितप्रत्ययः (D) उत्तरकृदन्तप्रत्ययः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–75*

231. कृत्य-प्रत्यय में सम्मिलित नहीं है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) तव्यत् (B) यत्

(C) अनीयर् (D) मतुप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–300*

232. 'मत्त्वा' शब्द में प्रकृति-प्रत्यय है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) मत् + क्त्वा (B) मति + क्त्वा

(C) कत् + क्त्वा (D) मन् + क्त्वा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-3), पेज–279*

233. 'बान्धवाः' पद में कौन सा प्रत्यय है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) शतृ (B) शानच्

(C) अण् (D) तल्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–394*

234. निम्नाङ्कित में तद्धितप्रत्ययान्त अव्यय है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) गन्तुम् (B) कृत्वा

(C) जीवसे (D) अधुना

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.3.17) - ईश्वरचन्द्र, पेज–609*

229. (A) 230. (C) 231. (D) 232. (D) 233. (C)
239. (C) 240. (C)

235. 'तल्' प्रत्ययान्तं पदमस्ति– RPSC ग्रेड-III–2014

(A) गन्ता (B) बन्धुता

(C) पठिता (D) हसिता

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–279*

236. 'श्रीमत्' शब्दे प्रकृतिप्रत्ययौ स्तः–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) श्री + शतृ (B) श्री + मतुप्

(C) श्री + मयट् (D) श्री + शानच्

स्रोत– *रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–104*

237. 'सुरभीकरोति' अत्र प्रत्ययोऽस्ति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011

(A) णिच् (B) ङीप्

(C) च्वि (D) ङीष्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.4.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–637*

238. 'श्रीमान्' पदे कः प्रत्ययः अस्ति?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) मतुप् (B) तल्

(C) ठक् (D) ढक्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–104*

239. 'ममता' में प्रत्यय है–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) अण् (B) ढक्

(C) तल् (D) मतुप्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.1.118) - ईश्वरचन्द्र, पेज–575*

240. 'गुरुता-महत्ता-लघुता' इत्यादि शब्द किस मूल प्रत्यय से निष्पन्न हैं? H-TET–2015

(A) ता (B) आ

(C) तल् (D) ठक्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.1.118) - ईश्वरचन्द्र, पेज–575*

234. (D) 235. (B) 236. (B) 237. (C) 238. (A)

241. 'लघुता' अस्मिन् पदे प्रत्ययोऽस्ति–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) तुट्　　(B) तिप्

(C) तल्　　(D) अण्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–112*

242. 'औपगवः' यह.........प्रत्ययान्त है– UGC 73 D–2012

(A) तद्धित　　(B) कृत्

(C) सुप्　　(D) तिप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–121*

243. 'भवदीयः' में प्रत्यय-निर्देश कीजिये–

UP GDC–2008

(A) छ　　(B) च्वि

(C) अण्　　(D) ल्यप्

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–123*

(ii) अष्टाध्यायी (4.2.113) - ईश्वरचन्द्र, पेज–492

244. 'ग्रामीणः' बनता है– BHU MET–2014

(A) ग्राम + खञ्　　(B) ग्राम + फ

(C) ग्राम + घञ्　　(D) ग्राम + ख

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–113*

245. 'तद्धित' इत्यत्र कः प्रत्ययः? BHU Sh. ET–2013

(A) ङीष्　　(B) ङीप्

(C) ई　　(D) इन्-प्रत्ययः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–313*

246. राष्ट्रियशब्दस्य अधोनिर्दिष्टेषु अर्थेषु को न भवति?

DSSSB PGT–2014

(A) राष्ट्राय द्रुह्यति　　(B) राष्ट्रे भवः

(C) राष्ट्रादागतः　　(D) राष्ट्रस्यायम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–111*

247. 'राष्ट्रीयः' इति पदे प्रत्ययोऽस्ति– G GIC–2015

(A) छ　　(B) इञ्

(C) इण्　　(D) घ

स्रोत–*अष्टाध्यायी (4.2.92) - ईश्वरचन्द्र, पेज–487*

241. (C)	**242. (A)**	**243. (A)**	**244. (A)**	**245. (D)**
251. (C)	**252. (B)**	**253. (C)**	**254. (C)**	**255. (B)**

248. 'पवित्रतमा' इत्यत्र कः प्रत्ययः? **REET–2016**

(A) तरप् (B) तसिल्

(C) तमप् (D) तव्यत्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.3.55) - ईश्वरचन्द्र, पेज–616*

249. गुणवन्तः– **AWES TGT–2011**

(A) गुण + तत् (B) गुण + मतुप्

(C) गुण + इन् (D) गुण + तन्तः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–303*

250. योगी– **AWES TGT–2011**

(A) योग + इन् (B) योग + ई

(C) योग + तल् (D) योग + इ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1117*

251. दिन + ठञ्– **AWES TGT–2011**

(A) दिनिक (B) दैनिकम्

(C) दैनिकः (D) दैनिकी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–132*

252. विनतायाः पुत्रः– **AWES TGT–2010**

(A) विनतायाः (B) वैनतेयः

(C) विनतार्ये (D) वैनताय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–43*

253. वृष्णे अपत्यं पुमान्– **AWES TGT–2010**

(A) वार्ष्येणः (B) वृष्णमः

(C) वार्ष्णेयः (D) वृष्णोष्वः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (4.1.114) - ईश्वरचन्द्र, पेज–455*

254. 'द्रोणस्य अपत्यं पुमान्' इत्यर्थे तद्धितान्तः शब्दः कः– **DSSSB TGT–2014**

(A) द्रोणिः (B) द्रोणः

(C) द्रौणिः (D) द्रोणायनः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–108*

255. 'कुन्ती' शब्द से 'कौन्तेय' पद बनता है; अधोलिखित सूत्र से– **UP PGT–2013**

(A) 'तस्यापत्यम्' सूत्र से (B) 'स्त्रीभ्यो ढक्' सूत्र से

(C) 'अत् इञ्' सूत्र से (D) 'लुक् स्त्रियाम्' सूत्र से

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–43*

246. (A)	247. (D)	248. (C)	249. (B)	250. (A)

256. 'कौन्तेय' पद में कौन-सा प्रत्यय विद्यमान है?
UP TET–2016

(A) इञ् (B) अय्

(C) ढक् (D) ण्यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–43*

257. 'क्षमावान्' इत्यत्र कः प्रत्ययः? C-TET–2014

(A) तुमुन् (B) क्त

(C) मतुप् (D) क्तवतु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.2.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–595*

258. कः तद्धितप्रत्ययः न– AWES TGT–2011

(A) मतुप् (B) क्तिन्

(C) तल् (D) त्व

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–372*

259. जमदग्नेः पुत्रम्– AWES TGT–2010

(A) जमदग्न्यम् (B) जामदग्न्यः

(C) जामदग्निः (D) जामदग्निम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–23*

260. 'द्वितीयः' पद में कौन-सा तद्धित प्रत्यय है?
H TET–2014

(A) ईयसुन् (B) छ

(C) क्यच् (D) तीय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–283*

261. वैश्वामित्रः = ? AWES TGT–2009

(A) विश्वामित्र + इञ् (B) विश्वामित्र + अण्

(C) विश्वामित्र + अञ् (D) विश्वामित्र + एय्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–40*

262. कः प्रत्ययः कृत्प्रत्ययः न? AWES TGT–2008, 2010

(A) शतृ (B) क्तवतु

(C) शानच् (D) अण्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–37*

256. (C) 257. (C) 258. (B) 259. (B) 260. (D)
266. (D) 267. (D) 268. (B)

263. कः तद्धितप्रत्ययः? **AWES TGT–2009**

(A) क्यप्   (B) ल्यप्

(C) ण्यत्   (D) ष्यञ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (5.1.113) - ईश्वरचन्द्र, पेज–576*

264. प्रास्थिकः = ? **AWES TGT–2009**

(A) प्रस्थ + घञ्   (B) प्रस्थ + कञ्

(C) प्रस्थ + ठञ्   (D) प्रस्थ + ष्यञ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–225*

265. अधोलिखितेषु किं शुद्धं वर्तते? **G GIC–2015**

(A) आस्तिकः = अस्ति + ठक्

(B) आस्तिकः = असि + ठक्

(C) आस्तिकः = अस्ति + यत्

(D) आस्तिकः = असि + ठञ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (4.4.60) - ईश्वरचन्द्र, पेज–541*

266. 'दन्तुरः' इत्यत्र कः प्रत्ययः? **UGC 25 D–2015**

(A) र   (B) अच्

(C) इरच्   (D) उरच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5), पेज–311*

267. ''प्राङ्मुखी'' इत्यत्र ङीप् केन सूत्रेण विधीयते?
UGC 25 D–2012

(A) नखमुखात्संज्ञायाम्   (B) जातेरस्त्रीविषयादयोपधात्

(C) क्रीतात्करणपूर्वात्   (D) दिक्पूर्वपदान्ङीप्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (4.1.60) - ईश्वरचन्द्र, पेज–441*

268. 'गोपस्य स्त्री गोपी' इत्यत्र स्त्रियां केन सूत्रेण कः प्रत्ययो भवति? **UGC 25 J–2013**

(A) ऋन्नेभ्यो ङीप्। इति ङीप्

(B) पुंयोगादाख्यायाम्। इति ङीष्

(C) उगितश्च। इति ङीप्

(D) पत्युर्नो यज्ञसंयोगे। इति ङीप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–42*

261. (B)   262. (D)   263. (D)   264. (C)   265. (A)

269. ''सीमा'' इत्यत्र 'ङीप्' निषेधकसूत्रं किम्– UGC 25 S–2013

(A) मनः (B) अनो बहुव्रीहेः
(C) टाबृचि (D) न यासयोः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–90-91*

270. पच् + शप् + अ + शतृ > अत् = पचत्' इत्यत्र स्त्रियां केन सूत्रेण कः प्रत्ययः भवति? UGC 25 D–2013

(A) 'उगितश्च' इति ङीप्।
(B) 'वयसि प्रथमे' इति ङीप्
(C) 'अजाद्यतष्टाप्' इति टाप्।
(D) 'ऋन्नेभ्यो ङीप्' इति ङीप्।

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–08*

271. 'लावणिकः' का स्त्रीलिङ्ग क्या होगा– UP PGT–2000

(A) लावणिकी (B) लावणिका
(C) लावणिक् (D) लावणिजा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–16*

272. 'टाप्' प्रत्यय होता है– UP TGT–2002, UP PGT–2004

(A) अकारान्त प्रातिपदिक से
(B) ईकारान्त प्रातिपदिक से
(C) उकारान्त प्रातिपदिक से
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–04*

273. ङीप् प्रत्यय होता है– UP PGT–2002

(A) अकारान्त प्रातिपदिक से
(B) ईकारान्त प्रातिपदिक से
(C) उकारान्त प्रातिपदिक से
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–08*

274. 'एडका' शब्द किस प्रत्यय के योग से बना है– UP PGT–2005

(A) टाप् (B) चाप्
(C) डाप् (D) आप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–6*

269. (A) 270. (A) 271. (A) 272. (A) 273. (C)
279. (C) 280. (A) 281. (B)

275. 'टाप्' प्रत्यय के योग में कौन-सा लिङ्ग होता है–
BHU MET–2010

(A) पुँल्लिङ्ग (B) स्त्रीलिङ्ग
(C) नपुंसकलिङ्ग (D) अनियतलिङ्ग

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–4*

276. 'अजा' में कौन-सा प्रत्यय है–
BHU MET–2008, 2014

(A) टाप् (B) चाप्
(C) ङीप् (D) उपर्युक्त में कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–4*

277. अज + टाप् ....। रिक्तस्थान में उचित शब्द होगा–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) अज (B) अजी
(C) अजा (D) अजरा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–5*

278. 'चटका' इस पद में कौन-सा प्रत्यय है–
UGC 73 D–2005

(A) कन् (B) टाप्
(C) ता (D) ङीप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–6*

279. 'चटका' इत्यत्र स्त्री प्रत्यय-विधायकं सूत्रमस्ति–
G-GIC–2015

(A) यञश्च (B) स्त्रियाम्
(C) अजाद्यतष्टाप् (D) उगितश्च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–6*

280. 'रमा' इति पदे कः प्रत्ययः? **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) टाप् (B) डाप्
(C) चाप् (D) आप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–4*

281. अज + ... = अजा **AWES TGT–2010**

(A) इन् (B) टाप्
(C) ङीप् (D) मतुप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-6), पेज–5*

274. (A) 275. (B) 276. (A) 277. (C) 278. (B)

282. 'चटक + टाप्' इत्यस्मिन् रूपं निर्मीयते– UP GIC–2015

(A) चटकी (B) चटका

(C) चट्टा (D) चटकाय

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–6*

283. संज्ञार्थप्रयुक्ते 'मामकी' इति पदे ''ङीप्'' इत्यस्य– UGC 25 J–2015

(A) नित्यविधिः (B) निषेधः

(C) वैकल्पिक-प्रवृत्तिः (D) अशुद्ध-प्रयोगः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–92*

नोट– इसका उत्तर 'C' भी माना जा सकता है किन्तु संज्ञा और छन्दस् के विषय में उत्तर 'A' होगा।

284. लावणिकी शब्द 'लावणिक' में किस प्रत्यय के संयोग से बनता है– UP PGT–2002

(A) टाप् (B) ङीप्

(C) ङीष् (D) ङीन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–16*

285. 'कर्त्री' में कौन-सा प्रत्यय है– UP PGT–2003

(A) टाप् (B) ङीप्

(C) ङीष् (D) ङीन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–7*

286. (i) 'नर्तक' में किस प्रत्यय के संयोग से 'नर्तकी' शब्द बनता है UP PGT–2002, 2004, 2009

(ii) नर्तकी में प्रयुक्त प्रत्यय है? BHU MET–2014

(A) टाप् (B) ङीप्

(C) ङीष् (D) ङीन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–24*

287. 'गौरी' में कौन-सा प्रत्यय है– UP PGT–2005, BHU MET–2008, 2015, 2011

(A) ङीप् (B) ङीष्

(C) टाप् (D) ङीन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6)-भीमसेन शास्त्री, पेज–26*

282. (B) 283. (A) 284. (B) 285. (B) 286. (C)
292. (B) 293. (D) 294. (B)

288. 'गौरी, अतिकेशी, चन्द्रमुखी' इत्यादि पद किस प्रत्यय के उदाहरण है? **H-TET–2015**

(A) ङीष् (B) ङीप्

(C) ङीन् (D) ढक्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–26, 60, 61

289. 'सूर्या' में कौन-सा प्रत्यय है– **UP PGT–2005**

(A) टाप् (B) चाप्

(C) ङीप् (D) ण्यत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–49*

290. 'वयसि प्रथमे' सूत्र से विहित प्रत्यय है– **UP PGT–2005**

(A) ङीष् (B) टाप्

(C) ङीप् (D) ङीन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–28*

291. 'दाक्षी' में स्त्री-प्रत्यय है– **UP PGT–2005**

(A) ङीष् (B) ङीन्

(C) टाप् (D) ऊङ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–76*

292. 'शर्वाणी' इति पदे प्रत्ययो वर्तते– **G GIC–2015**

(A) ङीप् (B) ङीष्

(C) ङीन् (D) णिनि

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1165*

(ii) अष्टाध्यायी (4.1.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–435

293. 'इन्द्राणी' इत्यत्र कः आगमः? **G GIC–2015**

(A) नुट् (B) नुक्

(C) नुम् (D) आनुक्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1166*

294. ''गार्ग्यायणी'' इति पदे प्रत्ययो वर्तते– **UP GDC–2012, UP GIC–2015**

(A) ङीप् (B) ङीष्

(C) ङीन् (D) णिनि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–24*

287. (B) 288. (A) 289. (B) 290. (C) 291. (A)

295. 'श्वशुर' शब्दस्य स्त्रीत्वविवक्षायां निष्पद्यते–

BHU AET–2011

(A) श्वशुरी (B) श्वशुर्या

(C) श्वशुराणी (D) श्वश्रूः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–80*

296. (i) 'नारी' इत्यस्मिन् पदे कः स्त्रीप्रत्ययः अस्ति–

(ii) 'नारी' पद में कौन-सा प्रत्यय है?

RPSC ग्रेड-III–2013, JNU M.Phil/Ph.D–2015

(A) ङीप् (B) ङीष्

(C) ङीन् (D) ऊङ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–85-86*

297. 'पार्वती' पदे स्त्रीप्रत्ययः अस्ति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) टाप् (B) ङीप्

(C) ङीष् (D) अज्ञात

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–114*

298. (i) आचार्यस्य स्त्री– MP वर्ग-I (PGT)–2014

(ii) आचार्यस्य पत्नी AWES TGT–2010

(A) आचार्यानी (B) आचार्या

(C) आचार्याणी (D) आचार्यी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–55*

299. ''मानुषी'' अत्र प्रकृतिः प्रत्ययश्च स्तः–

MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) मनुष्य + ङीष् (B) मनुष् + ङीष्

(C) मनुष + ङीप् (D) मनुष्य + ङीन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–74*

300. 'पारदृश्वन्' इसका स्त्रीलिङ्ग में रूप होता है–

UGC 73–2006

(A) पारदृश्वनी (B) पारदृश्वरी

(C) पारद्रष्ट्री (D) पारदृश्वना

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–88*

295. (D) 296. (C) 297. (B) 298. (A) 299. (A)

305. (A) 306. (D)

301. 'नर्तकी' इस शब्द में स्त्रीप्रत्यय किस सूत्र से हुआ है–

UGC 73 D– 2008

(A) जातित्वात् (B) वयोवाचित्वात्

(C) षित्वात् (D) ङित्वात्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–24*

302. 'तटी' इस शब्द में ङीष् प्रत्यय किससे है–

UGC 73 D–2008

(A) जातिवाचकत्वात् (B) पुंयोगात्

(C) वर्णवाचित्वात् (D) अप्राणिवाचित्वात्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–70*

303. 'गोपस्य स्त्री गोपी' में ङीष् विधायक सूत्र है–

UGC 73 J–2011

(A) क्रीतात्करणपूर्वात् (B) पुंयोगादाख्यायाम्

(C) बहुव्रीहेश्चान्तोदात्तात् (D) बह्वादिभ्यश्च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–42*

304. 'दामहायनान्ताच्च' इस सूत्र से होता है–

UGC 73 D–2011

(A) ङीप् प्रत्ययः (B) आनङ् आदेश

(C) ङीष् प्रत्ययः (D) लोपः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–91*

305. 'षिद्गौरादिभ्यश्च' इस सूत्र का उदाहरण है–

UGC 73 J–2014

(A) नर्तकी (B) कामुकी

(C) मुक्तकेशी (D) सुरापानी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–24-25*

306. (i) 'त्रिलोकी' पद में कौन-सा प्रत्यय है–

(ii) 'त्रिलोकी' पदे स्त्रीप्रत्ययः अस्ति

RPSC ग्रेड-III–2013, G GIC–2015

(A) ङीन् (B) टाप्

(C) ङीष् (D) ङीप्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–30*

300. (B) 301. (C) 302. (A) 303. (B) 304. (A)

307. शिक्षक-शब्दः स्त्रीत्वे विवक्षिते 'शिक्षिका' भवति तर्हि नर्तकशब्दः कीदृशो भवति?

DSSSB PGT–2014

(A) नर्तिका (B) नर्तनकारिणी

(C) नर्तकी (D) नर्तका

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–26*

308. मत्वर्थप्रत्ययः नास्ति– UK SLET–2015

(A) लच् (B) विनि

(C) ऊङ् (D) उरच्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–77*

309. 'युवतिः' इत्यत्र युवन् शब्दात् .... प्रत्ययः भवति–

UGC 73 D–2014

(A) तिप् (B) क्तिन्

(C) ति (D) ङीष्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–86*

310. किं पदं ङीष् प्रत्ययान्तम्– HE –2015

(A) नदी (B) गार्गी

(C) नर्तकी (D) त्रिलोकी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–25*

311. 'युवतिः' में प्रत्यय बताइए– BHU MET–2012

(A) ति (B) क्तिन्

(C) ङीप् (D) इनि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–86*

312. 'श्वश्रूः' में हैं– BHU MET–2015

(A) ऊङ् प्रत्यय (B) 'ऊ' प्रत्यय

(C) उवङ् प्रत्यय (D) अव्यय शब्द है

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–80*

313. 'आचार्यानी' पदे प्रत्ययः अस्ति– UP GIC–2015

(A) ङीप् (B) ङीन्

(C) क्तिन् (D) ङीष्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–55*

307. (C) **308.** (C) **309.** (C) **310.** (C) **311.** (A)
317. (A) **318.** (A) **319.** (A) **320.** (B)

314. ''सपत्नी'' में प्रत्यय है– **BHU MET–2015**

(A) ङीप्　(B) ङीष्
(C) ङीन्　(D) कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–95*

315. नर्तकी = ? **AWES TGT–2009**

(A) नर्तक + ङीप्　(B) नर्तक + ङीष्
(C) नर्तक + ङीन्　(D) नर्तक + णिनि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–25*

316. 'कुमारी' पद में 'ङीप्' विधायक सूत्र है– **UGC 73 J–2015**

(A) द्विगोः　(B) वयसि प्रथमे
(C) दामहायनान्ताच्च　(D) काण्डान्तात् क्षेत्रे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–28*

317. 'सुमुखा शाला' – इत्यत्र स्वाङ्गलक्षणङीष् कथं न– **UGC 25 D–2015**

(A) अप्राणिस्थत्वात्　(B) अमूर्तत्वात्
(C) विकारजत्वात्　(D) द्रवत्वात्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–63*

318. 'कुमारी' शब्दे कः स्त्रीप्रत्ययः अस्ति? **JNU MET–2015**

(A) ङीप्　(B) ङीष्
(C) ङीन्　(D) ऊङ्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–28*

319. 'शूर्पणखा' पदं केन सूत्रेण सिध्यति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2010**

(A) पूर्वपदात्संज्ञायामगः　(B) वोतो गुणवचनात्
(C) वयसि प्रथमे　(D) इतो मनुष्यजातेः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–68*

320. 'इषुगमियमां छः' इति सूत्रेण भवति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2010**

(A) उत्वम्　(B) छत्वादेशः
(C) एत्वम्　(D) क्त्वाप्रत्ययः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–476*

312. (A)　313. (D)　314. (A)　315. (B)　316. (B)

321. (i) अधोनिर्दिष्टेषु कस्य अन्तिमवर्णः स्त्रीप्रत्ययः नास्ति– UGC 73 J–2008

(ii) नीचे दिये गये शब्दों में से किसमें स्त्रीप्रत्यय नहीं है–

(A) धनी (B) कुमारी

(C) नदी (D) नारी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (5.2.115) - गोविन्दाचार्य, पेज–1116*

322. कौन-सा प्रत्यय केवल वेदों में प्रयुक्त है– BHU MET–2009

(A) अध्यै (B) तुमुन्

(C) क्त्वा (D) क्त

स्रोत–*वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–परिशिष्ट-15*

323. अधोलिखित शब्दों तथा उनके प्रत्ययों के साथ सुमेलित कीजिए– UP PGT–2013

(अ) शिक्षकः **1. शानच्**

(ब) अजा **2. वुन्**

(स) बुद्धिमान् **3. टाप्**

(द) याचमानः **4. मतुप्**

	अ	ब	स	द
(A)	1	4	3	2
(B)	2	1	4	3
(C)	4	2	3	1
(D)	2	3	4	1

स्रोत–*(अ) (i) अष्टाध्यायी 4.2.60) - ईश्वरचन्द्र, पेज–481*
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-5) - भीमसेन शास्त्री, पेज–90
(ब) अष्टाध्यायी (4.1.4) - ईश्वरचन्द्र, पेज–422
(स) (i) अष्टाध्यायी (5.2.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–595
(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–104
(द) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

324. 'ज्ञायन्ते' पद में कौन-सा प्रत्यय है? H TET–2014

(A) झ (B) झि

(C) ते (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.4.78) - गोविन्दाचार्य, पेज–380*

325. 'आरुरुक्षुः' पद में उ प्रत्यय का विधान करने वाला सूत्र है– H TET–2014

(A) उदितो वा (B) ण्वुल्तृचौ

(C) कुगतिप्रादयः (D) सनाशंसभिक्ष उः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–824*

321. (A) **322.** (A) **323.** (D) **324.** (A) **325.** (D)
331. (A)

326. 'अश्नुते' पद में तिङ्प्रत्यय है– **H TET–2014**

(A) त (B) झ
(C) तिप् (D) झि

स्रोत–*बृहद्धातुकुसुमाकर - हरेकान्त मिश्र, पेज–497*

327. दिवादिगण की धातुओं से कौन-सा प्रत्यय किया जाता है– **H TET–2014**

(A) श्नु (B) श्यन्
(C) श्ना (D) श

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–586*

328. 'अब्राह्मी ब्राह्मी भवति इति ब्राह्मीकृत्य' किस प्रत्यय का उदाहरण है? **H TET–2014**

(A) अकँच् का (B) च्विँ का
(C) अण् का (D) ङीन् का

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1148*

329. 'लभ्यन्ते' पद में धातु से विशेष प्रत्यय किया गया है? **H TET–2014**

(A) शप् (B) यक्
(C) श्यन् (D) क्यच्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–441*

330. 'दिक्पूर्वपदादसंज्ञायां ञः' इत्यनेन किं विधीयते? **UGC 25 D–2015**

(A) टच्-प्रत्ययः (B) ञ-प्रत्ययः
(C) पुंवद्भावः (D) एकवद्भावः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य शर्मा, पेज–927*

331. अधोऽङ्कितयुगमेभ्यः समीचीना तालिका चेतव्या– **UGC 25 D–2015**

(A) कृत्यानां कर्तरि वा **(i) दण्डिकः**
(B) उगितश्च **(ii) मम मया वा सेव्यो हरिः**
(C) ईच खनः **(iii) भवती**
(D) अत इनिठनौ **(iv) खेयम्**

	A	B	C	D
(A)	ii	iii	iv	i
(B)	ii	iv	iii	i
(C)	i	iii	iv	ii
(D)	ii	i	iii	iv

स्रोत–*(अ) (i) अष्टाध्यायी (2.3.71) - ईश्वरचन्द्र, पेज–219*
(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–229
(ब) लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, भाग-6), पेज–8-9
(द) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1116

326. (A) 327. (B) 328. (B) 329. (B) 330. (B)

6. वाच्य

1. **कर्मवाच्य और भाववाच्य में कर्ता में कौन-सी विभक्ति होती है– UP GIC–2009**
   (A) प्रथमा (B) द्वितीया
   (C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

2. **'प्रधाने नी-हृ-कृष्वहाम्' इति नियमेन कर्मणि प्रयोगो भवति– BHU AET–2011**
   (A) ग्रामम् अजां वहति (B) ग्रामम् अजाम् उह्यते
   (C) ग्रामम् अजा उह्यते (D) ग्रामः अजा उह्यते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–188-189*

3. **गौणे कर्मणि दुह्यादेरिति नियमेन शुद्धमस्ति– BHU AET–2011**
   (A) सुधा क्षीरनिधिं मथ्यते (B) सुधां क्षीरनिधिर्मथ्यते
   (C) सुधां क्षीरनिधि मथ्यते (D) सुधायै क्षीरनिधिं मथ्यते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–188-189*

4. **कर्म के उक्त होने पर कर्ता में कौन विभक्ति होगी– UP TGT–2013**
   (A) प्रथमा (B) द्वितीया
   (C) सम्बोधन (D) तृतीया

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–194*

5. **'शोभा वेदपाठं करोति' इत्यस्य वाच्यपरिवर्तनमेवं भवति– G GIC–2015**
   (A) शोभा वेदपाठं क्रियते
   (B) शोभया वेदपाठः क्रियते
   (C) शोभया वेदपाठं करोति
   (D) शोभया वेदपाठ कृणुते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54-55*

1. (C) 2. (C) 3. (A) 4. (D) 5. (B)

-प्रकरण

6. **'अहं तव गृहं विचेष्यामि' का कर्मवाच्य में रूपान्तरण होगा–** **UP PGT–2004, 2010**
(A) मया तव गृहं विचेष्ये (B) मया तव गृहं विचेतास्मि
(C) मया तव गृहं विचेताहे (D) मया तव गृहं विचेष्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

7. **'भवन्तः कुत्र भविष्यन्ति' का भाववाच्य में रूपान्तरण होगा–** **UP PGT–2004, 2010**
(A) भवद्भिः कुत्र भवितारः (B) भवद्भिः कुत्र भविष्ये
(C) भवद्भिः कुत्र भविष्यते (D) भवता कुत्र भविता

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

8. **'माता पुत्रं प्रीणाति' का कर्मवाच्य होगा–** **UP PGT–2010**
(A) मात्रा पुत्रं प्रीव्यते (B) मात्रा पुत्रः प्रीयते
(C) मात्रा पुत्रः प्रीणायते (D) मात्रा पुत्रः प्रीणीयते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–55*

9. **'छात्राः चतुरः श्लोकान् पठितवन्तः' इति वाक्यस्य कर्मवाच्ये प्रयोगः अस्ति–** **BHU RET–2012**
(A) छात्रैः चतुरः श्लोकाः पठिताः
(B) छात्रैः चत्वारः श्लोकाः पठिताः
(C) छात्राः चत्वारः श्लोकाः पठिताः
(D) छात्रैः चत्वारः श्लोकान् पठिताः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–62-63*

10. **कर्तृवाच्य में कर्म कौन-सी विभक्ति में आता है–** **UP TGT–2004**
(A) प्रथमा (B) द्वितीया
(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

6. (D)	**7.** (C)	**8.** (B)	**9.** (B)	**10.** (B)

11. 'रामः पुस्तकानि पठति' में वाच्यपरिवर्तन करने पर वाक्य होगा– UP TGT–2004

(A) रामेण पुस्तकं पठ्यन्ते

(B) रामेण पुस्तकं पठ्यते

(C) रामेण पुस्तकानि पठ्यन्ते

(D) रामेण पुस्तकानि पठ्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

12. 'गुरुः छात्रेण सह विद्यालयं गच्छति' का कर्मवाच्य होगा– UP TGT–2005

(A) गुरुणा सह छात्र विद्यालयं गच्छति

(B) गुरु छात्रेण सह विद्यालयं गच्छति

(C) गुरुणा छात्रेण सह विद्यालयं गम्यते

(D) गुरुणा छात्रेण सह विद्यालयः गम्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

13. 'सः ग्रामे निवसति' में क्रियापद को लङ्लकार में परिवर्तित करने पर वाक्य बनेगा– UP TGT–2005

(A) सः ग्रामे अनिवसत्   (B) सः ग्रामे अनिवसति

(C) सः ग्रामे न्यवसत्   (D) सः ग्रामे न्यवसति

14. 'रामः अश्वं ग्रामं नयति' इसका कर्मवाच्य होगा– UP TGT–2005

(A) रामः अश्वं नीयते

(B) रामेण अश्वः ग्रामं नयते

(C) रामेण ग्रामः अश्वं नयते

(D) रामेण अश्वः ग्रामं नीयते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–188-189*

15. 'भवान् वपति' का भाववाच्य होगा– UP TGT–2010

(A) त्वया वायते   (B) त्वया वयते

(C) भवता वप्यते   (D) भवता उप्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

11. (C)   12. (D)   13. (C)   14. (D)   15. (D)
21. (B)

16. कर्तृवाच्ये क्रिया भवति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) कर्तानुसारिणी (B) कर्मानुसारिणी

(C) विशेषानुसारिणी (D) कारकानुसारिणी

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

17. ''भवान् नित्यं वेदं पठेत्''– इत्यस्य कर्मवाच्यमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) भवता नित्यं वेदं पठनीयम्

(B) भवता नित्यं वेदः पठनीयः

(C) भवता नित्यं वेदं पठनीयः

(D) भवता नित्यं वेदः पठनीयम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78-79*

18. 'रामः पुस्तकं पठति' कर्मवाच्य क्या होगा? UP TGT–2009

(A) रामेण पुस्तकं पठेत् (B) रामेण पुस्तकं पठितानि

(C) रामेण पुस्तके पठ्यते (D) रामेण पुस्तकं पठ्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

19. 'त्वं चन्द्रं पश्य' इसका कर्मवाच्य में रूप होगा– UP TGT–2004

(A) तेन चन्द्रः दृष्टः (B) त्वयि चन्द्रं पश्यति

(C) त्वया चन्द्रः पश्यामि (D) त्वया चन्द्रः दृश्यताम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54-55*

20. 'छात्रः उपविशति' है– UP TET–2013

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

21. 'वयं पाठयितुं विद्यालयं गच्छामः' इत्यस्य कर्मवाच्यं किम् अस्ति? UK TET–2011

(A) वयं पाठयितुं विद्यालयं गम्यते

(B) अस्माभिः पाठयितुं विद्यालयः गम्यते

(C) वयं पाठयितुं विद्यालयः गम्यते

(D) अस्माभिः पाठयितुं विद्यालयं गम्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

16. (A)	17. (B)	18. (D)	19. (D)	20. (A)

22. 'राधा पत्रं लेखिष्यति' इत्यस्य वाच्यपरिवर्तने लेख्यं भवति–
DL–2015

(A) पत्रे राधा लिखिष्यति (B) राधया पत्रं लेखिष्यते

(C) पत्रेण राधया लिखिष्यते (D) राधायाः पत्रं लिखिष्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

23. वाच्य-परिवर्तनं कुरुत– 'मया पाठः पठ्यते'
AWES TGT–2010

(A) मां पाठं पाठयामि (B) अहं पाठं पठामि

(C) मम पाठं पठामि (D) अहं पाठं पठिष्येमे

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

24. 'पुष्पा स्वलेखन्या पत्रं लिखति' वाक्य का वाच्य परिवर्तन होगा– **UP PGT–2013**

(A) पुष्पा स्वलेखनीं पत्रं लिखति

(B) पुष्पया स्वलेखन्या पत्रं लिख्यते

(C) पुष्पया स्वलेखन्या पत्रेण लिख्यते

(D) पत्रेण पुष्पा स्वलेखन्या लिख्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

25. 'अहं त्वां पश्यामि' इति कर्मणिप्रयोगः स्यात्?
BHU RET–2012

(A) अहं त्वं दृश्यसे (B) मया त्वं दृश्यसे

(C) अहं त्वां दृश्यसे (D) मया त्वं दृश्ये

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

26. कर्मवाच्य सम्भव है– **UP PGT–2005**

(A) सकर्मक-अकर्मक में (B) केवल सकर्मक में

(C) केवल अकर्मक में (D) उपर्युक्त सभी में

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

27. बालाभ्यां पाठः – **CVVET–2015**

(A) पठ्यते (B) पठ्येते

(C) पठतः (D) पठति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54-55*

22. (B) 23. (B) 24. (B) 25. (B) 26. (B)
32. (A) 33. (B)

28. **कर्मवाच्य के कर्ता में कौन-सी विभक्ति होती है–** **UP PGT–2010**

(A) प्रथमा (B) द्वितीया
(C) तृतीया (D) इनमें से सभी

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

29. **जिस क्रिया का वाच्य कर्म है, उसे कहते हैं–** **UP TGT–2004**

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य (D) तीनों वाच्य

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

30. **कर्मवाच्ये कर्म भवति–**
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011, UP TGT–2013

(A) तृतीयाविभक्तौ (B) द्वितीयाविभक्तौ
(C) प्रथमाविभक्तौ (D) सप्तमीविभक्तौ

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

31. **किस वाच्य में क्रिया कर्म के अनुसार चलती है–** **UP TET–2013**

(A) कर्तृवाच्य (B) भाववाच्य
(C) कर्मवाच्य (D) तीनों में

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

32. **'रामेण बाणेन हतो बाली' इस वाक्य का कर्तृवाच्य रूप है–** **UP PGT–2000**

(A) रामः बाणेन बालीं हतवान् (B) रामेण बाणेन बालीं हतः
(C) रामः बाणेन बाली हतवान् (D) रामेण बाणेन बालि हतवान्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–195*

33. **'बालकेन ग्रन्थः दृश्यते' प्रयोग है–** **UP PGT–2002**

(A) कर्तृवाच्य का
(B) कर्मवाच्य का
(C) भाववाच्य का
(D) उपर्युक्त में से किसी का भी नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

27. (A)	28. (C)	29. (B)	30. (C)	31. (C)

34. 'तेन पाठः पठ्यते' प्रयोग है– UP PGT–2004

(A) कर्तृवाच्य का (B) कर्मवाच्य का

(C) भाववाच्य का (D) उपर्युक्त में से किसी का भी नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

35. 'सः गच्छति' वाक्यस्यास्य वाच्यपरिवर्तनं कुरुत– REET–2016

(A) सः गम्यते (B) सा गच्छति

(C) तेन गम्यते (D) मया गम्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

36. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है– UP PGT–2005

(A) मया चन्द्रः पश्यति (B) मया चन्द्रः पश्यते

(C) मया चन्द्रः दृश्यते (D) मया चन्द्रः पश्यामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

37. ''नारीभिः आभूषणानि धार्यन्ते'' में वाच्यपरिवर्तन होगा– UP TGT–2004

(A) नारी भूषणानि धारयति

(B) नारी आभूषणानि धारयन्ति

(C) नार्याः आभूषणानि धारयन्ति

(D) नार्यः आभूषणानि धारयन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

38. 'रामः गच्छति' का कर्मवाच्य होगा– UP TGT–2010

(A) रामः गम्यते (B) रामेण गच्छति

(C) रामेण गम्यते (D) रामः गमयति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54*

39. अधोलिखितवाक्यस्य वाच्यपरिवर्तनं कुरुत–
'अहं ग्रामं गच्छामि।' REET–2016

(A) मया ग्रामं गम्यते (B) मया ग्रामः गम्यते

(C) मया ग्रामे गम्यते (D) मया ग्रामं गच्छामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

40. 'या आनन्दानुभूतिः विधीयते' इति वाक्ये किं वाच्यम्– C-TET–2011

(A) भाववाच्यम् (B) कर्तृवाच्यम्

(C) कर्मवाच्यम् (D) नैतेषु किमपि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54*

34. (B) 35. (C) 36. (C) 37. (D) 38. (C)
44. (D) 45. (B)

41. **'मयापि स्वविक्रमः दर्शितः'– अस्य वाक्यस्य कर्तृवाच्ये वाक्यं भविष्यति–** **UK TET–2011**

(A) मयापि स्वविक्रमं ददर्श

(B) अहमपि स्वविक्रमम् अपश्यम्

(C) अहमपि स्वविक्रमम् अद्राक्षम्

(D) अहमपि स्वविक्रमम् अदर्शयम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

42. **'ते देवान् यजन्ति' वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप है?** **H-TET–2014**

(A) तै देवान् यज्यते

(B) तैर्देवा इज्यन्ते

(C) तैः देवाः यज्यन्ते

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54-55*

43. **निम्नलिखित में कौन-सा कर्मवाच्य है–** **UP PGT (H)–2000**

(A) सः गृहं गतवान् (B) तेन गृहं गतम्

(C) सः गृहः अगच्छत् (D) तेन गृहं गतानि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

44. **भाववाच्य के लिये निम्नलिखित में क्या सही नहीं है–** **UP TGT–2015**

(A) भाववाच्य तभी जब क्रिया अकर्मक हो

(B) कर्ता तृतीयान्त होता है

(C) क्रिया केवल प्रथमपुरुष एकवचन में प्रयुक्त होती है

(D) भाववाच्य में क्रिया कर्ता के वचन के अनुसार होती है।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

45. **भाववाच्यात्मक-क्रियापदस्य उदाहरणमस्ति–** **C-TET–2011**

(A) नृत्यं करोति (B) हस्यते

(C) भोजनं खादति (D) लेखं लिखति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

39. (B)	**40.** (C)	**41.** (D)	**42.** (B)	**43.** (B)

46. 'बालकैः हस्यते' वाक्य में वाच्यपरिवर्तन होगा– **UP TET–2016**

(A) बालकाः हसन्ति (B) बालिका हसति
(C) बालकः हसति (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

47. 'छात्रेण उपविश्यते' में प्रयोग है– **UP PGT–2002**

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य (D) उपर्युक्त में से किसी का भी नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

48. 'तया भूयते' का कर्तृवाच्य प्रयोग है– UP PGT–2005

(A) सा भवति (B) सः भवति
(C) सः भविष्यति (D) तेन भविष्यति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

49. 'तेन सुप्यते' किस वाच्य का वाक्य है– **UP TGT–2010**

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य (D) इनमें से तीनों

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53*

46. (A) **47.** (C) **48.** (A) **49.** (C) **50.** (D)

50. 'रामः गच्छति' का भाववाच्य होगा–

UP TET–2013

(A) रामः गम्यते (B) रामेण गच्छति

(C) रामः गमयति (D) रामेण गम्यते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

51. अधोलिखितवाक्येषु भाववाच्यस्य वाक्यं किम् अस्ति–

UK TET–2011

(A) अध्यापकैः अध्यापनाय विद्यालयः गम्यते

(B) छात्रेण भ्रमणाय नवदिल्ली गम्यते

(C) सर्वैः ध्यातव्यम्

(D) बालकाः ध्यानं कुर्वन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78-79*

52. ''दुग्धं प्रकृत्या मधुरम्'' इत्यस्य कः प्रकृतानुवादः–

BHU Sh.ET–2008

(A) दुग्ध अच्छा है। (B) दुग्ध स्वभाव से मधुर है।

(C) दुग्ध मधुर है। (D) दुग्ध मधुर होता है।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–195*

51. (C) **52.** (B)

7. शब्दरू

1. **'राम' शब्द का षष्ठी बहुवचन का रूप है?** **UP TGT–2004**

(A) रामस्य (B) रामयोः
(C) रामाणाम् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–01*

2. **'राम'-शब्दस्य रूपेषु 'रामाभ्याम्' इति रूपस्य आवृत्तिः कति वारं भवति?** **MP वर्ग-I PGT–2012**

(A) द्विवारम् (B) त्रिवारम्
(C) चतुर्वारम् (D) पञ्चवारम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–01*

3. **'राम' शब्द तृतीया द्विवचन का रूप है?** **UP TGT (H)–2005**

(A) रामाभ्याम् (B) रामान्
(C) रामैः (D) रामेभ्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–01*

4. **'राम' शब्द षष्ठी एकवचन है?** **UP TGT (H)–2009**

(A) रामौ (B) रामस्य
(C) रामे (B) रामेषु

स्रोत–*(i) रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–01*
(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–123

5. **'बालक' शब्द का द्वितीया बहुवचन का रूप है?** **UP TGT–2003**

(A) बालकम् (B) बालकाः
(C) बालकौ (D) बालकान्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–70*

6. **'बालक' शब्द का षष्ठी बहुवचन का रूप होगा?** **UP TGT–2005**

(A) बालकान् (B) बालकानाम्
(C) बालकेन (D) बालकेभ्यः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–70*

1. (C) **2.** (B) **3.** (A) **4.** (B) **5.** (D)
11. (C) **12.** (C)

य-प्रकरण

7. 'बालक' शब्द का चतुर्थी एकवचन का रूप है?
UP TGT–2009
(A) बालकेभ्यः (B) बालकाय
(C) बालकाभ्याम् (D) बालकात्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–70*

8. बालक-शब्दस्य षष्ठीविभक्तेः द्विवचनस्य रूपं लिखत– **BHU BEd–2013**
(A) बालकयोः (B) बालकाः
(C) बालकस्य (D) बालकेन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–70*

9. 'अस्मिन् उद्याने .... बालकाः क्रीडन्ति।' रिक्तस्थान में उचित शब्द होगा– **RPSC ग्रेड-III–2013**
(A) तिस्रः (B) त्रीणि
(C) त्रयः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136*

10. 'कृष्ण' का षष्ठी द्विवचन में रूप बनेगा?
C-TET–2011, UP PGT–2010
(A) कृष्णस्य (B) कृष्णौ
(C) कृष्णानाम् (D) कृष्णयोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका (रामवत्) - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–01*

11. 'देव'–शब्दस्य चतुर्थीविभक्तेः एकवचनं लिखत–
BHU BEd–2014
(A) देवम् (B) देवेन
(C) देवाय (D) देवस्य

स्रोत–*रूपचन्द्रिका (रामवत्) - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–01*

12. अकारान्त पुँल्लिङ्ग 'प्रथम' शब्द का तृतीयाविभक्ति बहुवचन में क्या रूप होता है? **UP TGT–2013**
(A) प्रथमे (B) प्रथमेन
(C) प्रथमैः (D) प्रथमौ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका (रामवत्) - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–05*

6. (B)	7. (B)	8. (A)	9. (C)	10. (D)

13. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द सदा बहुवचन में प्रयोग होता है– UP PCS–2013

(A) शिशु (B) भक्ति
(C) पुस्तक (D) प्राण

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

14. अधोलिखितेषु 'हरि'–शब्दस्य पञ्चमीविभक्तेः रूपं नास्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) हरेः (B) हरिभ्याम्
(C) हरिभ्यः (D) हरये

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–09*

15. 'हरि' शब्द तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होगा– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) हरेण (B) हरिणा
(C) हरीणा (D) हारेण

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–09*

16. 'द्यो' शब्दस्य द्वितीयान्तम्– CVVET–2015

(A) द्यावम् (B) द्याम्
(C) दिवम् (D) द्योम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–30*

17. 'मुनि' शब्द का षष्ठी विभक्ति एकवचन का रूप है– UP PGT(H)–2009

(A) मुनये (B) मुनेः
(C) मुनौ (D) मुन्यौः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–09*

18. 'सखि' शब्द का द्वितीया एकवचन में रूप होगा– UP TGT–1999

(A) सखिम् (B) सखीन्
(C) सखी (D) सखायम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–09*

13. (D) 14. (D) 15. (B) 16. (B) 17. (B)
23. (A) 24. (C)

19. 'सखि' शब्द का प्रथमा बहुवचन का रूप है–

UP TGT–2001

(A) सखा (B) सखायौ
(C) सखायः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–09*

20. 'सखि' शब्दस्य प्रथमा-विभक्तौ एकवचने रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) सखिः (B) सखी
(C) सखा (D) सखि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–09*

21. 'मुनि' शब्द पुँल्लिङ्ग द्वितीया बहुवचन का रूप है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) मुनिम् (B) मुनयः
(C) मुनीन् (D) मुनेः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–8-9*

22. 'कवि' शब्द का पञ्चमी एकवचन का रूप है–

UP TGT–2003

(A) कवेः (B) कविभ्याम्
(C) कविभ्यः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–73*

23. तृतीया विभक्ति में 'कवि' शब्द का सही रूप होगा–

UP TGT–2004 निरस्त

(A) कविना (B) कवये
(C) कवयः (D) कवौ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–73*

24. 'कवि' शब्द के चतुर्थी एकवचन में होता है?

UP PGT–2010

(A) कवयः (B) कविना
(C) कवये (D) कवौ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–73*

18. (D)	19. (C)	20. (C)	21. (C)	22. (A)

25. सखि-शब्दस्य तृतीयैकवचने रूपम्– CVVET–2015

(A) सख्या (B) सखिना

(C) सखेन (D) सखायेन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–74*

26. कवि-शब्दस्य सप्तमी-एकवचने रूपं भवति–

MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) कवे (B) कवये

(C) कव्याम् (D) कवौ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–73*

27. 'पति' शब्द का चतुर्थी विभक्ति में रूप होगा?

UP TGT–2004

(A) पत्या (B) पत्ये

(C) पत्युः (D) पत्योः

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–73*

(ii) रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–10

28. 'पति' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप होगा?

UP TGT–2005

(A) पतीन् (B) पत्ये

(C) पत्युः (D) पत्यौ

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–74*

(ii) रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–10

29. (i) 'पत्यौ' पदमस्ति–

(ii) 'पत्यौ' में कौन-सी विभक्ति है?

UP TGT–2009, RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) प्रथमा विभक्ति (B) द्वितीया विभक्ति

(C) तृतीया विभक्ति (D) सप्तमी विभक्ति

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–74-75*

(ii) रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–10

30. 'भूपति' शब्द का षष्ठी एकवचन का रूप है?

UP TGT–2001

(A) भूपत्याः (B) भूपत्युः

(C) भूपतेः (D) भूपतयः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–74*

25. (A) **26.** (D) **27.** (B) **28.** (D) **29.** (D)
35. (B) **36.** (D) **37.** (A)

31. **निम्नलिखित में कौन शब्द शुद्ध है? UP TGT–2013**

(A) भुपत्युः (B) भूपतेः

(C) भूपत्यै (D) भूपत्या

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–74*

32. **'द्वि' शब्द के रूप किन वचनों में हो सकते हैं? UP TGT–2004**

(A) द्विवचन में (B) एकवचन में

(C) बहुवचन में (D) उपर्युक्त तीनों वचनों में

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–162*

33. **'द्वि' शब्द के रूप किस लिङ्ग में होंगे? UP TGT–2004**

(A) पुँल्लिङ्ग में (B) स्त्रीलिङ्ग में

(C) नपुंसकलिङ्ग में (D) उपर्युक्त तीनों लिङ्गों में

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–162*

34. **श्रीपति-शब्दस्य षष्ठीविभक्तौ रूपम्– CVVET–2015**

(A) श्रीपतेः (B) श्रीपत्युः

(C) श्रीपतयः (D) श्रीपत्याः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–74*

35. **सप्तमी विभक्ति में 'गुरु' का सही रूप होगा? UP TGT–2005**

(A) गुरवे (B) गुरौ

(C) गुरुणा (D) गुरोः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–124*

36. **'गुरु' शब्दस्य चतुर्थी-विभक्तेः एकवचनस्य रूपं भवति– BHU B.Ed–2012**

(A) गुरुणा (B) गुरुम्

(C) गुरोः (D) गुरवे

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–124*

37. **'गुरु' शब्दस्य द्वितीयाद्विवचने रूपं भवति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014**

(A) गुरू (B) गुरुभ्याम्

(C) गुर्वोः (D) गुरुभ्यः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–124*

30. (C) **31.** (B) **32.** (A) **33.** (D) **34.** (A)

38. 'साधु' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप है?
UP TGT–2004

(A) साधौ (B) साधुषु
(C) साधुना (D) साधुभिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–76*

39. पञ्चमी विभक्ति में 'भानु' का सही रूप होगा?
UP TGT–2003

(A) भानवे (B) भानोभ्याम्
(C) भानुना (D) भानोः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

40. 'भानुना' में विभक्ति है– UP TET–2013

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–76*

41. 'शम्भु' शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन का क्या रूप होता है? UP TGT–2013

(A) शम्भवाय (B) शम्भवायै
(C) शम्भवे (D) शम्भव्या

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–15*

42. 'वायु' शब्दस्य चतुर्थी-एकवचने किं रूपम्?
BHU Sh.ET–2013

(A) वायुने (B) वायवे
(C) वायवाय (D) वायोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–15*

43. 'रै' इस ऐकारान्त पुँल्लिङ्ग शब्द का प्रथमा विभक्ति एकवचन का रूप है– H-TET–2014

(A) राः (B) रैः
(C) रायः (D) राया

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–21*

44. 'युवन्' शब्द का षष्ठी विभक्ति एकवचन का रूप है– UP TGT–2004

(A) यूनः (B) यूनि
(C) यूनोः (D) यूनाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

38. (A) 39. (D) 40. (B) 41. (C) 42. (B)
48. (D) 49. (A)

45. 'युवन्' शब्द का प्रथमा बहुवचन में क्या रूप होता है?
UP TGT–2013

(A) युवानः (B) युवानम्

(C) युवा (D) यूनः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

46. 'राजन्' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप होगा?
UP TGT–2010

(A) राजि (B) राज्ञि

(C) राज्ञि एवं राजनि (D) राजनि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–102*

47. **(i) 'राजन्'-शब्दस्य तृतीयायाः एकवचने किं रूपं भवति?**
(ii) 'राजन्' इत्यस्य तृतीयैकवचने रूपं भवति–
UK TET–2011, DL–2015

(A) राजेन (B) राजः

(C) राज्ञे (D) राज्ञा

स्रोत–*(i) रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–47*
(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–102

48. **'राजन्' इत्येतत् शब्दरूपमधिकृत्य सत्यकथनं न अस्ति–**
UK SLET–2015

(A) अस्मिन् शब्दे 'ज्' इत्यस्यानन्तरं वर्तमानः 'अ' इत्ययं ध्वनिः उपधासञ्ज्ञः अस्ति।

(B) अस्मिन् शब्दे 'राज्' इत्यस्मादनन्तरं 'अन्' इत्ययमंशः 'टि' संज्ञकः अस्ति।

(C) 'राजन्' इत्येतच्छब्दरूपं प्रातिपदिकसञ्ज्ञम् अस्ति।

(D) 'राजन्' इत्येतच्छब्दरूपं पदसञ्ज्ञम् अस्ति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–102*

49. **............... नामानि वदत। AWES TGT–2013**

(A) राज्ञः (B) राज्ञौ

(C) राज्ञे (D) राजस्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–102*

43. (A)	**44.** (A)	**45.** (A)	**46.** (C)	**47.** (D)

50. शब्दरूपेषु 'आत्मनः' पदमस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) प्रथमा-एकवचनस्य (B) पञ्चमी-एकवचनस्य

(C) प्रथमाबहुवचनस्य (D) षष्ठीद्विवचनस्य

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–49*

51. 'आत्मन्' शब्दस्य षष्ठी-विभक्तौ द्विवचने रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) आत्मनोः (B) आत्मस्योः

(C) आत्मयोः (D) आत्मायोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–49*

52. आत्मन्-शब्दस्य षष्ठी-बहुवचने रूपं भवति–

MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) आत्मानाम् (B) आत्मनाम्

(C) आत्माम् (D) आत्माणाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–49*

53. 'करिन्' प्रातिपदिकस्य सप्तम्येकवचनं रूपमस्ति–

UP GIC–2015

(A) करिणौ (B) करीणाम्

(C) करिणि (D) करिणोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–48*

54. 'गुणिने' किस विभक्ति का रूप है? UP TGT–2004

(A) तृतीया (B) द्वितीया

(C) पञ्चमी (D) चतुर्थी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–106*

55. 'विद्वस्' शब्द का सप्तमी बहुवचन का रूप है?

UP TGT–2004

(A) विद्वत्सु (B) विदुषाम्

(C) विदुषोः (D) विदुषि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–71*

50. (B) 51. (A) 52. (B) 53. (C) 54. (D)
60. (C) 61. (A)

56. 'विद्वस्' शब्द षष्ठी बहुवचन का रूप है–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) विदुसाम् (B) विद्वत्सु
(C) विदुषाम् (D) विदुषः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–71*

57. 'विद्वस्' शब्द की तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप है? **H-TET–2014**

(A) विदुषः (B) विद्वद्भिः
(C) विदुषे (D) विदुषा

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–115*

58. 'विद्वस्' शब्दस्य पुँल्लिङ्गे षष्ठी-विभक्तौ रूपाणि–
GGIC–2015

(A) विदुषस्य विदुषोः विदुषाम्
(B) विदुषः विदुषोः विदुषाम्
(C) विदुषः विदुषयोः विदुषाणाम्
(D) विदुषस्य विदुषयोः विदुषाणाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–115*

59. मम गृहे..................आगच्छन्ति। **AWES TGT–2013**

(A) विद्वान् (B) विदुषः
(C) विद्वांसः (D) विद्वद्भिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–115*

60. 'भूभृत्'-शब्दस्य द्वितीया-बहुवचनमस्ति–
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) भूभृताः (B) भूभृतान्
(C) भूभृतः (D) भूभृते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–96*

61. 'भूभृत्' शब्दस्य षष्ठीविभक्तिबहुवचनस्य रूपं किम्?
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) भूभृताम् (B) भूभृतानाम्
(C) भूभृणाम् (D) भूभृत्सु

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–96*

55. (A) 56. (C) 57. (D) 58. (B) 59. (C)

62. 'भूभृत्'–शब्दस्य प्रथमा-विभक्तौ बहुवचने रूपं अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) भूभृताः (B) भूभृदाः

(C) भूभृतः (D) भूभृद्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–96*

63. 'वणिज्'-शब्दस्य सप्तमीविभक्तौ-बहुवचने रूपम् अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) वणिजसु (B) वणिक्षु

(C) वणिस्सु (D) वणिजषु

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–94*

64. 'सुधियम्' किस विभक्ति का रूप है? **UP TGT–2003, 2004**

(A) द्वितीया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–75*

65. 'महीभुजे' में कौन-सी विभक्ति है? UP TGT–2009

(A) प्रथमा (B) चतुर्थी

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–91*

66. 'जलमुच्' शब्द का प्रथमा विभक्ति एकवचन का रूप होगा? **UP TGT–2004**

(A) जलमुचि (B) जलमुक्/जलमुग्

(C) जलमुचौ (D) जलमुचः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–91*

67. 'विश्वपा' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप है– **UP TGT–2001**

(A) विश्वपायाम् (B) विश्वपि

(C) विश्वपोः (D) विश्वासु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–8*

68. पुँल्लिङ्गे 'विश्वपा' शब्दस्य षष्ठीबहुवचने रूपं भवति– **BHU AET–2011**

(A) विश्वपाम् (B) विश्वपानाम्

(C) विश्वपेषाम् (D) विश्वपः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–8*

62. (C) **63.** (B) **64.** (A) **65.** (B) **66.** (B)
72. (C) **73.** (A) **74.** (C)

69. 'विश्वपा'–शब्दस्य द्वितीयाबहुवचने रूपमस्ति–

DL–2015

(A) विश्वपान् (B) विश्वपः
(C) विश्वपीन् (D) विश्वपाः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–7*

70. 'अन्विष्यता' इति पदे विभक्तिः अस्ति?

C-TET–2011

(A) चतुर्थी (B) तृतीया
(C) प्रथमा (D) द्वितीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–356*

71. निम्नलिखित वर्गों में केवल पुँल्लिङ्ग शब्द किस वर्ग में हैं?

UP TGT–1999

(A) सखा, हरिः, दाराः
(B) महिमा, सविता, अञ्जलिः
(C) मधुरम्, फलम्, जलम्
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–8*

72. 'सुधी' शब्द के द्वितीया बहुवचन का रूप है–

UP TET–2014

(A) सुधीनि (B) सुधीः
(C) सुधियः (D) सुधीनाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–75*

73. 'सुखी' शब्द का तृतीया एकवचन में क्या रूप होता है?

UP TGT–2013

(A) सुख्या (B) सुखिना
(C) सुख्यः (D) सुख्युः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–14*

74. 'गो' शब्द का षष्ठी बहुवचन का रूप होगा?

UP TGT–2001

(A) गोनाम् (B) गोवाम्
(C) गवाम् (D) गवानाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–80*

67. (B)	68. (A)	69. (B)	70. (B)	71. (A)

75. 'गावः' पदस्य वचनमस्ति– DL–2015

(A) एकवचनम् (B) द्विवचनम्

(C) बहुवचनम् (D) निर्वचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–20*

76. 'स्वयम्भुवि' किस विभक्ति का रूप है? UP TGT–2003

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

77. 'प्रध्यम्' किस विभक्ति का रूप है? UP TGT–2005

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–12*

78. (i) 'पितृ'–शब्दस्य सप्तमी-एकवचने रूपम् अस्ति

(ii) 'पितृ' शब्द का सप्तमी एकवचन में रूप क्या होगा?

UP TGT–2009, MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) पितरि (B) पितुः

(C) पित्रे (D) पित्रा

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–78*

79. 'पितुः' पितृ शब्द का कौन-सा रूप है? UP TGT–2010

(A) षष्ठी एकवचन (B) द्वितीया बहुवचन

(C) प्रथमा बहुवचन (D) सप्तमी एकवचन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–78*

80. 'पितृ'–शब्दस्य द्वितीया-बहुवचनं चिनुत–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2011, 2014

(A) पितरान् (B) पितरीन्

(C) पितॄन् (D) पितराः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

81. 'पितॄन्' रूप है? UK TET–2011

(A) प्रथमा बहुवचन का (B) द्वितीया बहुवचन का

(C) तृतीया द्विवचन का (D) पञ्चमी बहुवचन का

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

75. (C)	**76.** (D)	**77.** (A)	**78.** (A)	**79.** (A)
85. (B)	**86.** (D)	**87.** (A)	**88.** (B)	

82. 'पितृ' शब्दस्य प्रथमा-विभक्तौ एकवचने रूपम् अस्ति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) पिता (B) पितॄन्
(C) पितरान् (D) पित्रा

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

83. 'पितृ' शब्द के प्रथमा बहुवचन का रूप है?
UP TGT (H)–2001

(A) पितृः (B) पितराः
(C) पितरः (D) पितारः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

84. 'स्रष्टा' इत्यत्र कीदृशं पदम्? BHU Sh.ET–2013

(A) आकारान्त (B) उकारान्त
(C) ऋकारान्त (D) अकारान्त

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

85. 'नृ' शब्द के प्रथमा विभक्ति एकवचन का रूप है?
UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) नरः (B) ना
(C) नः (D) नृः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–19*

86. 'पथिन्' शब्द का प्रथमाविभक्ति बहुवचन का रूप है–
H-TET–2014

(A) पन्थाः (B) पन्थानम्
(C) पन्थानाः (D) पन्थानः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–52*

87. 'महिमन्' इस शब्द का पुँल्लिङ्ग प्रथमा विभक्ति एकवचन का रूप है– H-TET–2014

(A) महिमा (B) महिम्नः
(C) महिमानः (D) महिम्ना

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

88. 'महत्' शब्द के सम्बोधन में एकवचन का रूप है–
H-TET–2014

(A) हे महान् (B) हे महन्
(C) हे महत् (D) हे महान्तः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–63*

80. (C) **81.** (B) **82.** (A) **83.** (C) **84.** (C)

89. (i) 'आत्मन्'-शब्दस्य द्वितीयाविभक्तेः बहुवचनस्य रूपं किम्?

(ii) आत्मन्-शब्दरूपस्य द्वितीया विभक्त्यन्तं पदं बहुवचने .... भवति–

AWES TGT–2010, RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) आत्मानः (B) आत्मनः
(C) आत्माः (D) आत्मनाः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–49*

90. 'विद्वस्' शब्दस्य चतुर्थी-एकवचनस्य रूपं वर्तते–

BHU B.Ed–2015

(A) विदुषा (B) विदुषे
(C) विदुषः (D) विदुषि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–71*

91. एषु मूलतो हलन्तः शब्दः कः? BHU Sh.ET–2013

(A) महिमा (B) सविता
(C) ज्ञानानि (D) वारिणी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

92. 'बालिका'-प्रातिपदिकस्य द्वितीयायाः द्विवचनरूपमस्ति–

DL–2015

(A) बालिकायाः (B) बालिकाः
(C) बालिके (D) बालिकौ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–85*

93. 'गरीयस्' शब्दस्य षष्ठी-विभक्तौ-एकवचने रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) गरीयसः (B) गरीयसे
(C) गरीयसा (D) गरियस्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–116*

94. 'रमा' शब्दस्य सप्तमीविभक्तिबहुवचनस्य रूपम् अस्ति–

UP TGT (H)–2009, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) रमासु (B) रमसु
(C) रमेषु (D) रमाषु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

89. (B) 90. (B) 91. (A) 92. (C) 93. (A)
99. (B) 100. (A)

95. 'रामः रावणं बाणेन हन्ति' में रेखांकित अंश में विभक्ति है– **UK TET–2011**

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–*(i) वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–242*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका (2.3.18)-बाबूराम सक्सेना, पेज–194

96. 'रमायाः' में विभक्ति वचन है– **UP TET–2016**

(A) द्वितीया विभक्ति द्विवचन

(B) तृतीया विभक्ति एकवचन

(C) चतुर्थी विभक्ति एकवचन

(D) षष्ठी विभक्ति एकवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

97. 'रमा' शब्दस्य पञ्चमीविभक्तेरेकवचने रूपं भवति– **G-GIC–2015**

(A) रमात् (B) रमायाम्

(C) रमयाः (D) रमायाः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

98. निम्नलिखित में से स्त्रीलिङ्ग तृतीया विभक्ति का रूप कौन-सा है? **UP TGT–1999**

(A) नद्यः (B) रमया

(C) धेनोः (D) स्त्रियै

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

99. 'लता' शब्द स्त्रीलिङ्ग चतुर्थी एकवचन का रूप क्या है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) लतया (B) लतायै

(C) लतायाः (D) लताया

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–85*

100. 'लता' शब्द का द्वितीया बहुवचन का रूप है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) लताः (B) लताम्

(C) लतान् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*आधुनिक संस्कृत व्याकरण और रचना-श्यामनन्दन शास्त्री, पेज–43*

94. (A)	95. (B)	96. (D)	97. (D)	98. (B)

101. 'लता'-शब्दस्य रूपेषु 'लते' इति रूपस्य आवृत्तिः कति वारं भवति– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) त्रिवारम् (B) चतुर्वारम्

(C) पञ्चवारम् (D) षड्वारम्

स्रोत–*आधुनिक संस्कृत व्याकरण और रचना-श्यामनन्दन शास्त्री, पेज–43*

102. 'लता'-शब्दस्य सप्तमीबहुवचने रूपम् अस्ति? UK TET–2011

(A) लतायाः (B) लतयोः

(C) लतासु (D) लतायै

स्रोत–*आधुनिक संस्कृत व्याकरण और रचना-श्यामनन्दन शास्त्री, पेज–43*

103. पञ्चमी विभक्ति एकवचन में 'लता' शब्द का रूप है? UP TET–2013

(A) लताभिः (B) लतायाम्

(C) लतानाम् (D) लतायाः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

104. (i) 'मालायाम्' किस विभक्ति का रूप है?

(ii) 'मालायाम्' में विभक्ति है?

UP TGT–2004, UP TET–2014

(A) द्वितीया (B) पञ्चमी

(C) सप्तमी (D) षष्ठी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

105. 'नदी' शब्द का द्वितीया बहुवचन का रूप है? UP TGT–2001, UP TET–2013

(A) नदीः (B) नद्यः

(C) नदीन् (D) नद्या

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–26*

106. (i) 'नदीः' किस विभक्ति का रूप है?

(ii) 'नदीः' इति रूपम् अस्ति?

UP TET–2004, MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) द्वितीया-बहुवचन (B) प्रथमा-एकवचन

(C) प्रथमा-बहुवचन (D) द्वितीया-एकवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–26*

101. (B) 102. (C) 103. (D) 104. (C) 105. (A)
111. (B) 112. (B)

107. 'नद्यां जलम् अस्ति' में रेखाङ्कित अंश में विभक्ति है–
MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी
(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–86*

108. 'नदी' इति शब्दस्य तृतीयाविभक्तौ एकवचनं किम्?
DSSSB TGT–2014

(A) नद्यौ (B) नद्याः
(C) नद्या (D) नदीनाम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–86*

109. 'नदी' शब्द से सप्तमी विभक्ति एकवचन में रूप बनेगा–
UP TET–2016

(A) नदीम् (B) नद्याः
(C) नद्याम् (D) नदीषु

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–86*

110. (i) मतिशब्दस्य चतुर्थी-विभक्तौ एकवचने रूपं भवति–
(ii) 'मति' शब्द का चतुर्थी एकवचन का रूप है?
UP TGT–2010, UP GIC–2015

(A) मत्यै (B) मतये
(C) मत्यै, मतये (D) मत्यै, मतये दोनों नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–25*

111. 'मति' शब्द के षष्ठी एकवचन का रूप है?
UP TGT (H)–2005

(A) मत्या (B) मत्याः
(C) मतयः (D) मतये

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–25*

112. 'मति' शब्दस्य तृतीया एकवचने रूपं भवति?
G-GIC–2015

(A) मतिना (B) मत्या
(C) मतेन (D) मतिभिः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–25*

106. (A) 107. (D) 108. (C) 109. (C) 110. (C)

113. 'मत्याम्' शब्द रूप है? UP PGT (H)–2005

(A) मति शब्द के द्वितीया एकवचन का

(B) मति शब्द के द्वितीया बहुवचन का

(C) मति शब्द के षष्ठी बहुवचन का

(D) मति शब्द के सप्तमी एकवचन का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–25*

114. ''शशिनः सह याति कौमुदी।''

अत्र रेखाङ्कितस्य शुद्धपदं भविष्यति–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) शशिनौ (B) शशिने

(C) शशिना (D) शशिनम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

115. 'श्री' शब्द के द्वितीया बहुवचन का रूप होगा?

UP TGT–2010

(A) श्रियः (B) श्रीन्

(C) श्रीः (D) श्रियम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–87*

116. निम्न में कौन शब्द शुद्ध है? UP TGT–2013

(A) कुमार्यः (B) कुमार्या

(C) कुमार्योः (D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–27*

117. 'सुश्री' शब्द के पञ्चमी विभक्ति के एकवचन का क्या रूप होता है? UP TGT–2013

(A) सुश्रीः (B) सुश्रियः

(C) सुश्रिये (D) सुश्रियौ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–14*

118. 'स्त्री'-शब्दस्य चतुर्थी-विभक्तौ एकवचने रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) स्त्रियाय (B) स्त्रियै

(C) स्त्र्याय (D) स्त्रिये

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–27*

113. (D) 114. (C) 115. (A) 116. (D) 117. (B)

123. (D) 124. (C) 125. (B)

119. 'द्वि' शब्द का स्त्रीलिङ्ग में द्वितीया विभक्ति का द्विवचन का रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) द्वौ (B) द्वे

(C) द्वयी (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–11

120. 'धेनवः' किस विभक्ति का रूप है? UP TGT–2004

(A) प्रथमा में (B) तृतीया में

(C) चतुर्थी में (D) षष्ठी में

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–28

121. 'धेनु'-शब्दस्य तृतीया-एकवचनमस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) धेनुना (B) धेन्वा

(C) धेन्वै (D) धेनुभिः

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–28

122. 'माता' रूप का मूल प्रातिपदिक शब्द–

UP TGT–1999

(A) आकारान्त (B) उकारान्त

(C) इकारान्त (D) ऋकारान्त

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–89

123. स्त्रीलिङ्ग 'मातृ' शब्द का द्वितीया विभक्ति बहुवचन का रूप है? UP TET–2013

(A) मातुः (B) मातृन्

(C) मातरः (D) मातॄः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–89

124. 'मातृ' शब्दस्य तृतीयाविभक्तौ एकवचने रूपं भवति–

G-GIC–2015

(A) मातृणा (B) मात्रया

(C) मात्रा (D) मात्रेण

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–89

125. निम्नलिखित में से शुद्ध रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) तिसृणा (B) तिसृभिः

(C) तिस्रणा (D) तिसृभ्याम्

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136

118. (B)	119. (B)	120. (A)	121. (B)	122. (D)

126. 'स्वसृ' शब्द के चतुर्थी विभक्ति में दिये गये रूपों में गलत कौन सा है? UP PGT (H)–2013

(A) स्वस्रे (B) स्वसुः

(C) स्वसृभ्याम् (D) स्वसृभ्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–30*

127. 'स्वसृ'–शब्दस्य पञ्चमीविभक्तौ बहुवचने रूपम् अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) स्वसरिभ्यः (B) स्वसाभ्यः

(C) स्वसारभ्यः (D) स्वसृभ्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–30*

128. 'स्वसृ' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप होगा– H-TET–2015

(A) स्वसरे (B) स्वसरि

(C) स्वसरेषु (D) स्वसरौ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–30*

129. 'अप्' (जल) शब्द के रूप कितने वचनों में चलते हैं? UP TGT–1999

(A) केवल एकवचन (B) केवल द्विवचन

(C) केवल बहुवचन (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–80*

130. 'अप्'-प्रातिपदिकं पदरूपेण नित्यं प्रयुक्तं भवति– DL–2015

(A) द्विवचने (B) अव्ययत्वेन

(C) बहुवचने (D) एकवचने

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–80*

131. 'तत्' शब्द स्त्रीलिङ्ग प्रथमा बहुवचन का रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) ते (B) ताः

(C) तानि (D) ताभिः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–82*

126. (B) 127. (D) 128. (B) 129. (C) 130. (C)
136. (B) 137. (D) 138. (B)

132. 'दिक्षु' पदस्य मूलशब्दः अस्ति– UK TET–2011

(A) इक्षु (B) दिहक्षु

(C) दिश् (D) दिशा

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–83*

133. 'फलानाम्' किस विभक्ति का रूप है?

UP TGT–2003

(A) द्वितीया (B) तृतीया

(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–81*

134. द्वितीया-विभक्तिः कस्मिन् पदे अस्ति?

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) प्रतिष्ठायाम् (B) प्रतिष्ठाभ्याम्

(C) प्रतिष्ठायाः (D) प्रतिष्ठाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

135. 'जगति' शब्दरूपं स्यात्– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) पञ्चमी-एकवचनस्य (B) सप्तमी-एकवचनस्य

(C) चतुर्थी-एकवचनस्य (D) षष्ठी-बहुवचनस्य

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–99*

136. जगत्-शब्दस्य द्वितीया बहुवचने रूपमस्ति?

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014, DSSSB TGT–2014

(A) जगतः (B) जगन्ति

(C) जगन्ती (D) जगतान्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–99*

137. 'जगत्' शब्द का प्रथमा बहुवचन में रूप है।

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) जगत् (B) जगती

(C) जगतः (D) जगन्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–99*

138. कस्मिन् पदे सप्तमी-विभक्तिः अस्ति? C-TET–2013

(A) ते (B) जगति

(C) विद्यन्ते (D) अश्नुते

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–99*

131. (B) 132. (C) 133. (D) 134. (D) 135. (B)

139. 'जगत्' शब्द के चतुर्थी एकवचन का रूप है?
UP TGT (H)–2005

(A) जगते (B) जगतः

(C) जगतोः (D) जगद्भ्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–99*

140. एषु को मूलतः अजन्तशब्दः? BHU Sh.ET–2008

(A) मनस् (B) वचस्

(C) निर्जर (D) उच्चैस्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–06*

141. 'मनस्' शब्द का द्वितीया बहुवचन में रूप है–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) मनः (B) मनान्

(C) मनाः (D) मनांसि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–132*

142. 'मनस्'-शब्दस्य पञ्चम्येकवचने रूपं भवति–
RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) मनसि (B) मनसा

(C) मनसः (D) मनः

बृहद् अनुवाद चन्द्रिका/चक्रधर नौटियाल-'हंस' शास्त्री, पेज–68

143. 'द्वारदेशम्' विभक्तिं लिखत– AWES TGT–2010

(A) चतुर्थी (B) सप्तमी

(C) तृतीया (D) द्वितीया

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–71*

144. 'दिवम्' शब्द किस विभक्ति का रूप है?
UP TGT–2004

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–78*

145. निम्नलिखित में चतुर्थी विभक्ति एकवचन का कौन-सा रूप है? UP TGT–1999

(A) भानौ (B) राज्ञः

(C) दध्ने (D) हरेः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–82*

139. (A) **140.** (C) **141.** (D) **142.** (C) **143.** (D)
149. (C) **150.** (A) **151.** (D)

146. षष्ठी-विभक्ति में 'दधि' का सही रूप होगा?

UP TGT–2003

(A) दध्नोः (B) दध्नाभ्याम्

(C) दधि (D) दधीनि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–82*

147. द्वितीया-विभक्ति में 'दधि' का रूप होगा?

UP TGT–2004

(A) दध्नोः (B) दध्ना

(C) दध्नः (D) दधीनि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–82*

148. वारि-शब्दस्य पञ्चमी-एकवचने रूपमस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) वारिणात् (B) वार्यात्

(C) वारिणः (D) वारिणोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–35*

149. वारि-शब्दस्य सप्तमी-एकवचने रूपं भवति–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012, UP TET–2013

(A) वारिणी (B) वारीणि

(C) वारिणि (D) वारिणे

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–35*

150. 'अक्षिषु' किस विभक्ति का रूप है?

UP TGT–2005

(A) सप्तमी (B) द्वितीया

(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–82*

151. 'मधु'-शब्दस्य षष्ठी-विभक्तौ द्विवचने रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) मध्वोः (B) मधवोः

(C) मध्वौ (D) मधुनोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–36*

144. (B) **145.** (C) **146.** (A) **147.** (D) **148.** (C)

152. 'मधुनी' किस विभक्ति का रूप है? UP TGT–2004

(A) द्वितीया (B) चतुर्थी

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–36*

153. उकारान्तप्रकृतिः कस्य? BHU Sh.ET–2013

(A) मधोः (B) प्रापुः

(C) धातुः (D) स्वसुः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–36-37*

154. 'तत्' शब्द का स्त्रीलिङ्ग षष्ठीबहुवचन का रूप है? UP TGT–2001

(A) तेषाम् (B) तस्याम्

(C) तासाम् (D) ताषाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–82*

155. 'तद्' शब्द का पुँल्लिङ्ग द्वितीया बहुवचन का रूप बनता है? UP TGT–2001

(A) तौ (B) तम्

(C) तान् (D) तेषाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–58*

156. 'तत्' सर्वनाम शब्द का षष्ठी विभक्ति का रूप है? UP TGT–2004

(A) तेन (B) तस्य

(C) तस्मिन् (D) तस्मै

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–58*

157. 'तस्मै' में विभक्ति है– UP TET–2013

(A) प्रथमा (B) द्वितीया

(C) तृतीया (D) चतुर्थी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–58*

158. अहं .... नद्यां स्नानं करोमि। AWES TGT–2010, 2013

(A) ताम् (B) तस्याम्

(C) तस्याः (D) ताभ्याम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–82*

152. (A) 153. (A) 154. (C) 155. (C) 156. (B)
162. (B) 163. (B) 164. (D)

159. निम्नलिखित वर्गों में चतुर्थी विभक्ति के रूप किस वर्ग में है? **UP TGT–1999**

(A) कः, कौ (B) तम्, तौ

(C) तस्याः, ताभ्याम् (D) तस्यै, ताभ्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–82*

160. सर्वनाम शब्द 'तद्' पुँल्लिङ्ग प्रथमा विभक्ति बहुवचन का रूप होगा– **UP TGT–1999**

(A) तानि (B) ताः

(C) ते (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–58*

161. तत् के चतुर्थी विभक्ति एकवचन स्त्रीलिङ्ग का रूप है– **H-TET–2014**

(A) ताभ्यः (B) तस्मै

(C) तस्यै (D) तस्याम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–82*

162. 'एतद्' शब्द पुँल्लिङ्ग प्रथमा एकवचन का रूप है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) एतम् (B) एषः

(C) एषा (D) एते

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–58*

163. 'सर्व' शब्द का स्त्रीलिङ्ग सप्तमी एकवचन का रूप है?

UP TGT–2001

(A) सर्वस्मिन् (B) सर्वस्याम्

(C) सर्वयोः (D) सर्वेषु

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–133*

164. 'सर्वाणां प्रियो हरिः।' रेखाङ्कित शुद्धपदमस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) सर्वानाम् (B) सर्वेभ्यः

(C) सर्वस्मिन् (D) सर्वेषाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–02*

157. (D) **158.** (B) **159.** (D) **160.** (C) **161.** (C)

165. 'सर्व' के पञ्चमी एकवचन में रूप बनेगा?
UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) सर्वस्मात्　　(B) सर्वात्
(C) सर्वस्य　　(D) सर्वाः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–02*

166. सर्वस्य रूप है?　　UP PGT (H)–2004

(A) चतुर्थी का　　(B) पञ्चमी का
(C) षष्ठी का　　(D) सप्तमी का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–02*

167. 'सर्वस्मै' में विभक्ति है–　　BHU MET–2015

(A) तृतीया　　(B) चतुर्थी
(C) सप्तमी　　(D) अव्यय है

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–02*

168. 'सर्वस्यै' में लिङ्ग है–　　BHU MET–2015

(A) पुँल्लिङ्ग　　(B) स्त्रीलिङ्ग
(C) नपुंसकलिङ्ग　　(D) स्त्रीलिङ्ग एवं पुँल्लिङ्ग

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–145*

169. 'किम्' शब्द पुँल्लिङ्ग तृतीया विभक्ति बहुवचन में रूप होगा–　　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) कैः　　(B) केनैः
(C) केभिः　　(D) केभ्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–46*

170. पुँल्लिङ्ग 'सर्व' शब्द का प्रथमा विभक्ति बहुवचन में क्या रूप होता है?　　UP TGT–2013

(A) सर्वाः　　(B) सर्वे
(C) सर्वौ　　(D) सर्व

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–02*

171. पुँल्लिङ्ग 'सर्व' शब्दस्य तृतीया एकवचने रूपमस्ति–
RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) सर्वैः　　(B) सर्वना
(C) सर्वेण　　(D) सर्वणा

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–02*

165. (A)　166. (C)　167. (B)　168. (B)　169. (A)
175. (B)　176. (B)　177. (C)

172. 'युष्मद्' सर्वनाम शब्द पञ्चमी विभक्ति बहुवचन का रूप होगा– **UP TGT–1999**

(A) युष्मत्
(B) युष्मभ्यम्
(C) युष्माभिः
(D) युष्मात्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59

173. 'युष्मद्' शब्द का षष्ठी एकवचन का रूप है?
UP TGT–2001, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) तव
(B) त्वत्
(C) युष्मत्
(D) युष्माकम्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59

174. **(i) 'त्वत्' किस सर्वनाम का रूप है? UP TGT–2004**
(ii) 'त्वत्' किस शब्द का रूप है? UP TET–2014

(A) तत्
(B) इदम्
(C) अस्मद्
(D) युष्मद्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59

175. 'युष्मद्' शब्द का सप्तमी बहुवचन का रूप होता है?
UP TGT–2005

(A) त्वयि
(B) युष्मासु
(C) युष्माकम्
(D) त्वत्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59

176. **'युष्मद्' शब्दस्य षष्ठी-विभक्तौ बहुवचने रूपम् अस्ति– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011**

(A) युवयोः
(B) युष्माकम्
(C) युषाम्
(D) यूवाम्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59

177. द्वितीयैकवचने 'युष्मद्'–शब्दस्यादेशो भवति–
BHU AET–2011

(A) वाम्
(B) नौ
(C) त्वाम्
(D) नः

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59

170. (B) 171. (C) 172. (A) 173. (A) 174. (D)

178. 'युष्मद्' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप है–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) तव (B) तस्याम्
(C) युष्मदि (D) त्वयि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

179. 'युष्मद्' शब्द के सप्तमी विभक्ति में दिये गये रूपों में गलत कौन-सा है? UP PGT (H)–2013

(A) तव (B) त्वयि
(C) युवयोः (D) युष्मासु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

180. 'युष्माकं गृहं कुत्र अस्ति' इस वाक्य में सर्वनाम है–
UP TET–2013

(A) युष्माकम् (B) गृहम्
(C) कुत्र (D) अस्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

181. 'युष्मद्' शब्द का चतुर्थी बहुवचन रूप है?
UP TGT–2010

(A) तुभ्यः (B) वः
(C) युष्मेभ्यः (D) युष्मेभ्यम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

182. 'अस्मद्' शब्द का चतुर्थी बहुवचन में रूप होगा?
UP TGT–2001, 2004

(A) मह्यम् (B) आवाभ्याम्
(C) अस्मत् (D) अस्मभ्यम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

183. 'मह्यम्' किस सर्वनाम का रूप है? UP TGT–2004

(A) अस्मद् का (B) युष्मद् का
(C) एतद् का (D) अदस् का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

184. 'अस्मद्' शब्द का द्वितीया बहुवचन का विकल्प रूप होगा? UP TGT–2004

(A) मा (B) नौ
(C) नः (D) माम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

178. (D) 179. (A) 180. (A) 181. (B) 182. (D)
188. (A) 189. (B) 190. (D)

185. (i) 'अस्मद्' शब्दस्य सप्तम्येकवचने किं रूपं भवति?
(ii) 'अस्मद्' शब्द सप्तमी एकवचन का रूप है?

UP TGT–2009, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2015

(A) मया (B) मम
(C) मयि (D) माम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–60*

186. 'अस्मद्' शब्द का स्त्रीलिङ्ग में क्या रूप होगा?

UP TGT–2010

(A) अहम् (B) त्वम्
(C) मया (D) इनमें कोई लिङ्ग नहीं होता

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

187. कौन-सा शब्द तीनों लिङ्गों में समान है?

BHU Sh.ET–2008

(A) लता (B) विद्वस्
(C) अजा (D) अस्मद्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

188. 'मया' इत्यस्य विभक्तिं वचनं च लिखत–

BHU B.Ed–2014

(A) तृतीया-एकवचनम् (B) चतुर्थी-एकवचनम्
(C) द्वितीया-बहुवचनम् (D) षष्ठी-द्विवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

189. 'अस्मद्'-शब्दस्य प्रथमाविभक्तौ द्विवचने रूपम् अस्ति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) वयम् (B) आवाम्
(C) मया (D) अस्मभ्यम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

190. 'शसो नः' सूत्रेण जातः– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) अस्माकम् (B) एते
(C) अहम् (D) अस्मान्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (7/1/29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–843*

183. (A) 184. (C) 185. (C) 186. (D) 187. (D)

191. 'अस्मद्'-शब्दस्य रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) मत्   (B) आसन्दः
(C) आस्ताम्   (D) अपि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

192. अस्मद्-शब्दस्य रूपेषु 'नः' इति रूपस्य आवृत्तिः कति वारं भवन्ति? MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) द्विवारम्   (B) चतुर्वारम्
(C) पञ्चवारम्   (D) त्रिवारम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

193. 'मया' पद किस शब्द का तृतीया एकवचन का रूप है–

UP TET–2014

(A) युष्मद्   (B) अस्मद्
(C) इदम्   (D) अदस्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

194. अस्मद् सर्वनाम का षष्ठी-विभक्ति बहुवचन का रूप है? UP TET–2013

(A) मम   (B) अस्मभ्यम्
(C) अस्माकम्   (D) अस्मत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–60*

195. 'मयि' इति पदे विभक्तिः अस्ति? C-TET–2012

(A) तृतीया   (B) सप्तमी
(C) पञ्चमी   (D) सम्बोधन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–60*

196. 'नः' पदस्य प्रातिपदिकरूपमस्ति– DL–2015

(A) अस्मद्   (B) अदस्
(C) तद्   (D) युष्मद्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

197. 'अस्मद्' शब्द का पञ्चमी एकवचन में क्या रूप होता है? UP TGT–2013

(A) माम्   (B) मत्
(C) मम   (D) अस्मत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–60*

191. (A) 192. (D) 193. (B) 194. (C) 195. (B)
201. (C) 202. (A)

198. 'अस्मद्' शब्द के तृतीया विभक्ति के रूप हैं?

UP TGT (H)–2009

(A) अहम्, आवाम्, वयम्

(B) मया, आवाभ्याम्, अस्माभिः

(C) मत्, आवाभ्याम्, अस्मत्

(D) मम, आवयोः, अस्माकम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

199. 'अस्मभ्यम्' शब्दरूप है? **UP PGT (H)–2005**

(A) अस्मद् शब्द के चतुर्थी बहुवचन का

(B) अस्मद् शब्द के तृतीया एकवचन का

(C) अस्मद् शब्द के षष्ठी एकवचन का

(D) अस्मद् शब्द के षष्ठी बहुवचन का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

200. 'अस्मद्' शब्द के पञ्चमी विभक्ति में दिये हुये रूपों में गलत कौन-सा है? **UP PGT (H)–2013**

(A) मत् (B) आवाभ्याम्

(C) अस्मत् (D) अस्मभ्यम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–60*

201. 'रोचते मे एष मयूरः' में रेखाङ्कित पद की प्रकृति, विभक्ति तथा वचन बताइये– **H-TET–2014**

(A) युष्मद् + चतुर्थी + एकवचन

(B) अस्मद् + षष्ठी + द्विवचन

(C) अस्मद् + चतुर्थी + एकवचन

(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–59*

202. अदस् (वह) शब्द के स्त्रीलिङ्ग पञ्चमी विभक्ति बहुवचन में रूप होगा? **UP PGT (H)–2005**

(A) अमूभ्यः (B) अमूष्याः

(C) अमूः (D) अमुया

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–87*

196. (A) 197. (B) 198. (B) 199. (A) 200. (D)

203. 'अदस्' शब्द का स्त्रीलिङ्ग प्रथमा एकवचन का रूप है?
UP TGT–2009

(A) असौ (B) अदः
(C) अमू (D) अमूः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–86*

204. 'अदस्' शब्द का नपुंसकलिङ्ग द्वितीया बहुवचन का रूप होगा? UP TGT–2004

(A) अमू (B) अमूनि
(C) अमून् (D) अमू

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–102*

205. ''असौ, अमू, अमी'' में किस प्रातिपदिक के रूप हैं?
UP TGT–1999

(A) इदम् शब्द पुँल्लिङ्ग के
(B) अदस् शब्द पुँल्लिङ्ग के
(C) इदम् शब्द स्त्रीलिङ्ग के
(D) इदम् शब्द नपुंसकलिङ्ग के

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–73*

206. (i) स्त्रीलिङ्गे 'इदम्' शब्दस्य षष्ठी-बहुवचनं किम्?
(ii) सर्वनाम शब्द 'इदम्' स्त्रीलिङ्ग षष्ठीविभक्ति बहुवचन का रूप होगा?
UP TGT–1999, RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) एषामो (B) एतेषाम्
(C) एतासाम् (D) आसाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–81*

207. 'स इमं स्त्रीमपश्यत्।' रेखाङ्कितेे शुद्धपदं भविष्यति–
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, C-TET–2012

(A) इमाम् (B) अमुम्
(C) एतम् (D) एताम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–81*

203. (A) 204. (B) 205. (B) 206. (D) 207. (A)
213. (A)

208. पुँल्लिङ्गे 'इदम्'-शब्दस्य तृतीया-बहुवचनमस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) आभिः (B) एभिः

(C) अनयाभिः (D) अनेनाभिः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–46*

209. 'इयम्' किस लिङ्ग का रूप है?

UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) पुँल्लिङ्ग (B) स्त्रीलिङ्ग

(C) नपुंसकलिङ्ग (D) स्त्रीलिङ्ग व पुँल्लिङ्ग दोनों

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–81*

210. .... वस्त्राणि मलिनानि सन्ति।

AWES TGT–2013

(A) इमानि (B) इदम्

(C) इमे (D) इमौ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–90*

211. 'अदस्' शब्दस्य षष्ठीबहुवचनरूपं पुंलिङ्गे –

CVVET–2015

(A) अदसाम् (B) अमूनाम्

(C) अमूषाम् (D) अमीषाम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–73*

212. `.............................. बालकः रोदिति'

रिक्तस्थान में उचित शब्द है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) इयम् (B) इदम्

(C) अयम् (D) एतत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–46*

213. 'एषाम्' इति पदस्य विभक्तिः अस्ति– C-TET–2012

(A) षष्ठी (B) तृतीया

(C) प्रथमा (D) सप्तमी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–46*

208. (B) 209. (B) 210. (A) 211. (D) 212. (C)

214. 'भवत्या' इत्यस्य विभक्तिवचने लिखत–

BHU B.Ed–2012

(A) चतुर्थी-बहुवचन (B) पञ्चमी-एकवचन
(C) तृतीया-एकवचन (D) सप्तमी-एकवचन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–86*

215. 'भवती' शब्दस्य रूपम् अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) भवानी (B) भवन्तः
(C) भवत्सु (D) भवती

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–86*

216. 'भवत्' शब्द पुँल्लिङ्ग सप्तमी एकवचन का रूप है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) भवत्सु (B) भवतौ
(C) भवति (D) भवताम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–97*

217. 'भवता' इति कस्याः विभक्तेः कस्य वचनस्य च रूपम् अस्ति? UK TET–2011

(A) तृतीया-एकवचनम् (B) द्वितीया-बहुवचनम्
(C) षष्ठी-एकवचनम् (D) सप्तमी-एकवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–63*

218. निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्दरूप है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) पञ्चानाम् (B) पञ्चसु
(C) पञ्च (D) पञ्चाभ्याम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–44-45*

219. 'चतुर्' शब्द का पुँल्लिङ्ग में द्वितीया के बहुवचन का रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) चत्वारि (B) चतस्रः
(c) चत्वारः (D) चतुरः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–45*

214. (C) 215. (D) 216. (C) 217. (A) 218. (D)
224. (B) 225. (C)

220. 'लृ'-शब्दस्य षष्ठ्येकवचने किं रूपम्?

BHU AET–2011

(A) उर् (B) लुः
(C) लः (D) उल्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–77*

221. 'ईश्वरः .... प्रभुरस्ति।' रिक्तस्थान में उचित शब्द होगा– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) जगतः (B) जगते
(C) जगतम् (D) कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–99*

222. 'सम्बोधन' में विभक्ति होती है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) द्वितीया (B) सप्तमी
(C) प्रथमा (D) तृतीया

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.47) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

223. निम्नलिखित में से 'युष्मद्' शब्द के लिये क्या सही कथन है? **UP TGT–2013**

(A) मध्यम पुरुषवाची है।
(B) सम्बोधन शब्द के ठीक बाद प्रयोग वर्जित है।
(C) तीनों लिङ्गों में एक समान रूप होते हैं।
(D) उपर्युक्त सभी सही है।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–122-23*

224. सही जोड़ी कौन है? **UP PGT (H)–2000**

(A) रमायाम्-प्रथमा बहुवचन (B) गौर्याः-पञ्चमी एकवचन
(C) वारिणि-द्वितीया द्विवचन (D) गावः-षष्ठी एकवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–26-27*

225. अत्र कस्मिन् पदे द्वितीया-विभक्तिः प्रयुक्ता?

C-TET–2013

(A) परम् (B) नित्यम्
(C) कृतज्ञताम् (D) शाश्वतम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

219. (D) 220. (B) 221. (A) 222. (C) 223. (D)

226. 'स्थितायाम्' पदे विभक्तिः अस्ति– C-TET–2011

(A) चतुर्थी (B) द्वितीया

(C) षष्ठी (D) सप्तमी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–22*

227. 'महिम्नः' इति कस्याः विभक्तेः रूपम्–

BHU Sh.ET–2014

(A) प्रथमायाः (B) तृतीयायाः

(C) पञ्चम्याः (D) सप्तम्याः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

226. (D) 227. (C) 228. (C)

228. 'चक्रिंस्त्रायस्व' इत्यस्मिन् वाक्ये प्रयुक्तं 'चक्रिन्' इति पदमस्ति– UP GDC–2012

(A) प्रातिपदिकम्

(B) प्रथमैकवचनान्तम्

(C) सम्बोधने प्रयुक्तप्रथमैकवचनान्तम्

(D) द्वितीयैकवचनान्तम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–111

8. धातुरू

1. 'भू' धातु लट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा–　　UP TGT–2001

(A) भवामि　　(B) भवथ

(C) भवन्ति　　(D) भवति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

2. 'दुह्' धातु परस्मैपद लट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप होगा–　　UP TGT–1999

(A) दोग्धि　　(B) दोहति

(C) दुहति　　(D) दुहोति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–263*

3. नीचे लिखे धातुरूपों में आत्मनेपद के रूप किस वर्ग में हैं?　　UP TGT–1999

(A) लभै, लभावहै, लभामहै

(B) पास्यामि, पास्यावः, पास्यामः

(C) ब्रूयात्, ब्रूयाताम्, ब्रूयुः

(D) गच्छेत्, गच्छेताम्, गच्छेयुः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–204*

4. 'दा' धातु के मध्यमपुरुष के रूप किस वर्ग में हैं?　　UP TGT–1999

(A) ददाति, दत्तः, ददति

(B) ददासि, दत्थः, दत्थ

(C) ददामि, दद्वः, दद्मः

(D) दद्यात्, दद्याताम्, दद्युः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–299*

5. 'लभ्' धातु लट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप होगा–　　UP TGT–1999

(A) लभते　　(B) लभेते

(C) लभेत　　(D) लभति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–203*

1. (D)　**2. (A)**　**3. (A)**　**4. (B)**　**5. (A)**
11. (B)

ा-प्रकरण

6. **'भू' धातु लट्लकार उत्तमपुरुष एकवचन में रूप होगा– UP TGT–2004**

(A) भवामि (B) भवावः

(C) भवामः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

7. **'अस्' धातु का लट्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन में रूप होगा– UP TGT–2004**

(A) अस्ति (B) स्तः

(C) सन्ति (D) स्मः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247*

8. **'हन्ति' रूप कहाँ बनता है? UP TGT–2005, 2009**

(A) प्रथमपुरुष बहुवचन में (B) मध्यमपुरुष एकवचन में

(C) प्रथमपुरुष एकवचन में (D) उत्तमपुरुष एकवचन में

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–296*

9. **'ददति' रूप बनता है– UP TGT–2005**

(A) प्रथमपुरुष एकवचन में (B) प्रथमपुरुष द्विवचन में

(C) प्रथमपुरुष बहुवचन में (D) उत्तमपुरुष बहुवचन में

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–299*

10. **'पा' धातु परस्मैपदी का लट्लकार प्रथमपुरुष द्विवचन का रूप है– UP TGT–2009**

(A) पिबसि (B) पिबतः

(C) पिबति (D) पिबामि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–174*

11. **'भी' धातु परस्मैपद लट्लकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप है– UP TGT–2009**

(A) बिभेमि (B) बिभेषि

(C) बिभेतु (D) बिभीत

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–310*

6. (A) 7. (D) 8. (C) 9. (C) 10. (B)

12. 'दुधुक्षसि' में कौन-सी धातु है? UP TGT–2010

(A) दुधु (B) दुह्

(C) धुक्ष् (D) दुक्ष्

स्रोत–*बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–330*

13. 'हन्' धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषबहुवचनरूपमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014, DL–2015 RPSC ग्रेड I (PGT) 2014

(A) हनन्ति (B) हनन्ते

(C) घ्नन्ति (D) हन्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–296*

14. 'मिल्' सङ्गमे धातु का लट्लकार अन्यपुरुष एकवचन का रूप है– UP PGT–2000

(A) मिलति (B) मिलते

(C) दोनों नहीं (D) दोनों ही

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–430*

15. 'रुधिर्' आवरणे का लट्लकार अन्यपुरुष एकवचन का रूप है– UP PGT–2000

(A) रुणद्धि (B) रुन्धे

(C) दोनों नहीं (D) दोनों ही

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–466, 467*

16. 'गम्' धातु लट्लकार मध्यमपुरुष द्विवचन में रूप होता है– UP PGT–2002

(A) गच्छतः (B) गच्छामि

(C) गच्छत (D) गच्छथः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

17. 'गच्छति' पद है– H-TET–2015

(A) गम् + लट् + प्रथम पुरुष एकवचन

(B) गम् + शतृ + सप्तमी एकवचन + पुँल्लिङ्ग

(C) गम् + शतृ + सप्तमी एकवचन + नपुंसकलिङ्ग

(D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–149*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–98

12. (B) **13.** (C) **14.** (A) **15.** (D) **16.** (D)
22. (C) **23.** (B)

18. 'असि' में लकार है– **UP PGT–2005**

(A) लट् (B) लिट्

(C) लङ् (D) लुङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247*

19. **'अस्' धातु का लृट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप है–** **UP PGT–2005**

(A) भविष्यति (B) असि

(C) अस्मि (D) सन्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–248*

20. **'दुह्' धातु के लट्लकार मध्यमपुरुष बहुवचन का रूप है–** **UP PGT–2010**

(A) दुहध (B) दुहधः

(C) दोहध (D) दुग्ध

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–263*

21. **'पठामः' पठ् धातु का रूप है–** **UP TET–2014**

(A) लट्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन

(B) लोट्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन

(C) लङ्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन

(D) विधिलिङ्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन।

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–172*

22. **'अस्ति' इति क्रियापदस्य लकार लिखत–** **BHU B.Ed–2013**

(A) लोट् (B) लङ्

(C) लट् (D) लिङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247*

23. **'अस्ति' इति पदं लङ्लकारे परिवर्तयत–** **REET–2016**

(A) अत्ति (B) आसीत्

(C) स्तः (D) सन्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247-48*

17. (D) 18. (A) 19. (A) 20. (D) 21. (A)

24. 'तिष्ठामि' इति क्रियापदस्य लकारं लिखत–

BHU B.Ed–2011

(A) लट् (B) लृट्

(C) लङ् (D) लोट्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–234*

25. अधोलिखितेषु किं न अजन्तं रूपम्?

BHU Sh.ET–2011

(A) मासः (B) त्रीणि

(C) पठतः (D) वारिणी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–172*

26. 'सन्ति' पदे धातुः अस्ति–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) भू (B) अस्

(C) जनि (D) जागृ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247*

27. 'विद्' धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषस्य द्विवचनमस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) विदतः (B) वित्तः

(C) विद्याताम् (D) विद्धः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–287*

28. 'रुद्' धातु का लट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) रुदति (B) रोदति

(C) रुदिति (D) रोदिति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–279*

29. 'वदतु' इति क्रियापदस्य लकारपुरुषवचनं लिखत–

BHU B.Ed–2012

(A) लट्प्रथमपुरुषएकवचनम्

(B) लोट्प्रथमपुरुषएकवचनम्

(C) लृट्प्रथमपुरुषएकवचनम्

(D) लङ्उत्तमपुरुषएकवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–205*

24. (A) **25.** (C) **26.** (B) **27.** (B) **28.** (D)
34. (B) **35.** (A) **36.** (B)

30. 'हन्' धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषैकवचनस्य रूपं किम्?
RPSC ग्रेड-II (TGT)–2013

(A) हनति (B) हन्ति
(C) घ्नन्ति (D) हति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–296*

31. 'भवन्ति' में कौन-सा लकार है? **UP TET–2013**

(A) लङ्लकार (B) लट्लकार
(C) लृट्लकार (D) लिङ्लकार

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

32. 'हसथ' इति रूपमस्ति– **UP TET–2013**

(A) लट्लकारस्य (B) विधिलिङ्लकारस्य
(C) लृट्लकारस्य (D) लोट्लकारस्य

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–242*

33. (i) परस्मैपदी देने के अर्थ में 'दा' धातु से प्रथम पुरुष बहुवचन में रूप बनेगा?
(ii) 'दा' धातोः लट्लकारस्य प्रथमपुरुषबहुवचने रूपमस्ति– **UP TET–2013, 2016**

(A) ददाति (B) ददन्ति
(C) ददति (D) दन्ते

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–299*

34. 'ब्रवीमि' इति– **C-TET–2012**

(A) मध्यमपुरुषबहुवचनम् (B) उत्तमपुरुषैकवचनम्
(C) प्रथमपुरुषैकवचनम् (D) उत्तमपुरुषबहुवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–271*

35. शिक्षणशब्दे मूलधातुः वर्तते– **REET–2016**

(A) शिक्ष् (B) शिस्
(C) शास् (D) शिक्षा

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–3), पेज–240

36. अधिपूर्वात् इङ् अध्ययने इति धातोः सनि किं रूपम्?
DSSSB PGT–2014

(A) अधिजिगमिष्यति (B) अधिजिगांसते
(C) अधिजिगांसति (D) अधिजिगमिषः

स्रोत–*बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–354*

29. (B) **30.** (B) **31.** (B) **32.** (A) **33.** (C)

37. 'गृह्णामि' इति लौकिकसंस्कृतस्य वैदिक्यां भवितुमर्हति– UP GDC–2014

(A) गृहामि (B) गृभ्णामि

(C) गृहागामि (D) गृहीमि

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, भू. 43*

38. 'हन् हिंसागत्योः' इति धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे एकवचने किं रूपम्? DSSSB TGT–2014

(A) घ्नन्ति (B) हन्ति

(C) हनति (D) हति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–296*

39. 'ऊपर जाता है' के लिये संस्कृत में क्रिया प्रयुक्त होती है– UP TET–2014

(A) निर्गच्छति (B) प्रतिगच्छति

(C) उद्गच्छति (D) अवगच्छति

स्रोत–*सम्भाषण शब्दकोष - सर्वज्ञभूषण, पेज–90*

40. 'क्री' धातु से लट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप बनता है– UP PGT–2013

(A) क्रेष्यति (B) क्रीणाति

(C) क्रेषोष्ट (D) क्रीडति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–531*

41. पठ् धातु के वर्तमानकाल में मध्यमपुरुष के एकवचन का रूप है– UP TGT (H)–2009

(A) पठति (B) पठसि

(C) पठन्ति (D) पठामि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–172*

42. 'वेत्सि' आख्यात पद में कौन-सा लकार है? UP PGT (H)–2000

(A) लट् (B) लोट्

(C) लुट् (D) लङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–287*

37. (B) **38.** (B) **39.** (C) **40.** (B) **41.** (B)
47. (C) **48.** (A)

43. 'दुह्' धातु के लट्लकार के मध्यमपुरुष एकवचन का रूप है? UP PGT (H)–2000

(A) धोक्षि (B) दोहि

(C) दुग्धसि (D) दुहसि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–263*

44. 'बिभ्यति' में वचन है– BHU MET–2015

(A) एकवचन (B) द्विवचन

(C) बहुवचन (D) अव्यय

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–310*

45. निमीलयति– ASES TGT–2008

(A) अविकसितं करोति (B) उन्मीलनं न करोति

(C) अस्तं करोति (D) मलिनं करोति

स्रोत– *(i) बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–135*

(ii) शुकनासोपदेश - तारिणीश झा, पेज–16

46. 'आता है' के लिये संस्कृत क्रिया प्रयोग होगी– UP TET–2013

(A) प्रतिगच्छति (B) निर्गच्छति

(C) आगच्छति (D) अवगच्छति

स्रोत–*सम्भाषण शब्दकोषः - सर्वज्ञभूषण, पेज–88*

47. 'अस्' धातोः लट्लकारे उत्तमपुरुषस्य एकवचनस्य रूपं भवति– BHU B.Ed–2015

(A) अस्ति (B) सन्ति

(C) अस्मि (D) असि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247*

48. 'भू' धातु लिट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप बनता है– UP TGT–2003

(A) बभूव (B) बभूवतुः

(C) बभूवुः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

42. (A) **43.** (A) **44.** (C) **45.** (B) **46.** (C)

49. 'गम्' धातु लिट्लकार मध्यमपुरुष बहुवचन में रूप बनता है– UP TGT–2003

(A) जगाम　　　(B) जग्मुः

(C) जग्म　　　(D) जग्मतुः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

50. 'उवाच' किस लकार का रूप है? UP TGT–2009

(A) लट्　　　(B) लिट्

(C) लङ्　　　(D) लिङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–271*

51. 'आदिदेश' में पुरुष, वचन है– UP TGT–2010

(A) प्रथमपुरुष एकवचन

(B) मध्यमपुरुष बहुवचन

(C) उत्तमपुरुष द्विवचन

(D) मध्यमपुरुष एकवचन

स्रोत–*बृहद्धातुकुसुमाकर - हरेकान्त मिश्र, पेज–509*

52. 'गम् धातु' लिट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में हो जाता है– UP PGT–2002, 2004

(A) अगच्छत्　　　(B) जग्मुः

(C) जगाम　　　(D) अगमत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

53. 'गम् धातु' लिट्लकार प्रथमपुरुष द्विवचन का रूप है– UP PGT–2003

(A) जगाम　　　(B) जग्मतुः

(C) जग्मथुः　　　(D) जग्म

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

54. परोक्षार्थे को लकारः? BHU Sh. ET–2013

(A) लट्　　　(B) लिट्

(C) लङ्　　　(D) लिङ्

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–391*

(ii) अष्टाध्यायी–3.2.115

49. (C)　**50.** (B)　**51.** (A)　**52.** (C)　**53.** (B)
59. (C)　**60.** (B)

55. 'बभूव' पद किस लकार में विद्यमान है?

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) लट्लकार (B) लोट्लकार

(C) लिट्लकार (D) लुङ्लकार

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

56. भू धातोः लिट्लकारे प्रथमपुरुषबहुवचने रूपमस्ति–

DL–2015

(A) अभूवन् (B) भविष्यति

(C) बभूवुः (D) भवितारः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

57. '√अद्' धातु से लिट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप बनता है– **UP PGT–2013**

(A) अत्त (B) आदत्

(C) जघास (D) अन्ता

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–246*

58. 'बभूव' रूप बनता है– **UP PGT–2013**

(A) 'भू' धातु लोट्लकार प्र० पु० एकवचन

(B) 'भू' धातु लिट्लकार प्र० पु० एकवचन

(C) 'भू' धातु लङ्लकार म०पु० द्विवचन

(D) 'भू' धातु लुङ्लकार प्र० पु० एकवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

59. 'बभूव' रूप किस लकार का है? **UP PGT (H)–2005**

(A) लङ् (B) लुङ्

(C) लिट् (D) लिङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

60. 'जघान' में लकार है– **BHU MET–2015**

(A) लट् (B) लिट्

(C) लङ् (D) लृट्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–296*

54. (B) **55.** (C) **56.** (C) **57.** (C) **58.** (B)

61. 'कृ' धातु लुट्लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है– **H-TET–2015**

(A) अकार्षुः (B) कर्तारः

(C) चक्रुः (D) कुर्युः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

62. कस्य लकारस्य प्रथमपुरुषे ''डा रौ रसः'' इति आदेशाः भवन्ति? **BHU Sh.ET–2011**

(A) लङ् (B) लिट्

(C) लृट् (D) लुट्

स्रोत– *लघुसिद्धान्तकौमुदी (2.4.85) - गोविन्दाचार्य, पेज–396*

63. संस्कृत में भविष्यकाल के लिये किस लकार का प्रयोग किया जाता है? **UP TGT–1999**

(A) लट्लकार (B) लोट्लकार

(C) लृट्लकार (D) लङ्लकार

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–296*

64. लृट्लकार किस काल का बोधक है? **UP TGT–2001**

(A) भूतकाल (B) आज्ञार्थक

(C) भविष्यकाल (D) वर्तमानकाल

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–296*

65. आसन्न भविष्य के लिये प्रयुक्त होता है– **UP TGT–2003**

(A) लिट्लकार (B) लुट्लकार

(C) लृट्लकार (D) लङ्लकार

स्रोत– *(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.3.13)-गोविन्दाचार्य, पेज–399*

66. 'दृश्' धातु का लृट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप होगा? **UP TGT–2004, RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) अपश्यत् (B) द्रक्ष्यति

(C) द्रक्ष्यन्ति (D) पश्यतु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–154*

61. (B) **62.** (D) **63.** (C) **64.** (C) **65.** (C)
71. (D) **72.** (C)

67. 'द्रक्ष्यति' किस धातु का लृट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप है? **UP TGT–2004**

(A) द्रक्ष् (B) दृश्य

(C) दृश् (D) पश्य

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–154*

68. 'पा' धातु लृट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा– **UP TGT–2005**

(A) पास्यसि (B) पिबस्यति

(C) पास्यति (D) पास्यामि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–174*

69. 'गम्' धातु लृट्लकार उत्तमपुरुष में एकवचन का रूप है? **UP TGT–2009**

(A) गमिष्यामि (B) गच्छताम्

(C) अगच्छत् (D) अगच्छन्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

70. 'त्यज्' धातोः लृट्लकारे मध्यमपुरुषस्य द्विवचनमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) त्यजिष्यथः (B) त्यक्ष्यथः

(C) त्यजिष्येथे (D) त्यक्ष्यथ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–146*

71. 'नृत्' धातोः लृट्लकारे उत्तमपुरुषस्य एकवचनमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) नृत्स्यामि (B) नृत्स्ये

(C) नृत्स्यामिः (D) नर्तिष्यामि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–342*

72. 'प्रच्छ्' धातोः लृट्लकारस्य उत्तमपुरुषे बहुवचनमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) प्रच्छिष्यामः (B) प्रच्छयिष्यामः

(C) प्रक्ष्यामः (D) प्रक्षिष्यामः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–422*

66. (B)	**67.** (C)	**68.** (C)	**69.** (A)	**70.** (B)

73. 'वृत्' धातोः लृट्लकारस्य उत्तमपुरुषस्य बहुवचने रूपं स्यात्– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) वर्त्स्र्यत्ति (B) वर्तामहे

(C) वर्तावहे (D) वर्त्स्यामः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–214*

74. 'द्रक्ष्यसि' क्रिया का लकार है– **UP PGT–2003**

(A) लुट् (B) लृट्

(C) लुङ् (D) लट्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–154*

75. 'कुप्' धातोः लृट्लकारे उत्तमपुरुषस्य बहुवचनमस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) कुप्स्यामः (B) कुप्स्याम

(C) कुप्स्यामहे (D) कोपिष्यामः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–324*

76. 'चुर्' धातोः लृट्लकारे मध्यमपुरुषस्य बहुवचनमस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) चोरिष्यथ (B) चुरिष्यथ

(C) चौरिष्यथ (D) चोरयिष्यथ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–584*

77. 'भुज्' धातोः लृट्लकारे प्रथमपुरुषैकवचनरूपमस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011**

(A) भोजिष्यति (B) भुनक्ति

(C) भोक्ष्यते (D) भक्षिष्यति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–497*

78. 'पा' धातु लृट्लकार उत्तमपुरुष द्विवचन में रूप होगा– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) पास्याम (B) पास्यावः

(C) पिबिस्यावः (D) पिबस्यावः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–174*

73. (D) 74. (B) 75. (D) 76. (D) 77. (C)
83. (B) 84. (B)

79. 'लिख्' धातोः लृट्लकारे प्रथमपुरुषस्य एकवचने रूपं भवति– MP वर्ग-1 (PGT)–2013

(A) लिखिष्यति (B) लेखिष्यति

(C) लिखिष्यत्ति (D) लिखिस्यति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–442*

80. लिख् धातोः लृट्लकारस्य अन्यपुरुष-बहुवचने रूपमस्ति– RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) लिखिष्यन्ति (B) लिखिस्यन्ति

(C) लिखिश्यन्ति (D) लेखिष्यन्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–442*

81. पच् धातोः लृट्लकारे मध्यमपुरुषस्य एकवचने रूपं भवति– MP वर्ग-1 (PGT)–2013

(A) पक्ष्यति (B) पचिस्यसि

(C) पक्ष्यसि (D) पचिष्यति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–169*

82. 'करिष्यामि' इति पदे लकारः– C-TET–2012

(A) लट् (B) लिट्

(C) लृट् (D) लोट्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

83. 'अनु' उपसर्गपूर्वकं 'गम् धातोः' लृट्लकारस्य प्रथमपुरुषस्य एकवचने किं रूपं भवति? UK TET–2011

(A) अन्वगच्छत् (B) अनुगमिष्यति

(C) अनुगमिष्यत्ति (D) अन्वगच्छन्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

84. 'दास्यन्ति' इति कस्य लकारस्य कस्य पुरुषस्य कस्य वचनस्य च रूपम् अस्ति? UK TET–2011

(A) लट्लकारः मध्यमपुरुषः एकवचनम्

(B) लृट्लकारः प्रथमपुरुषः बहुवचनम्

(C) लोट्लकारः प्रथमपुरुषः एकवचनम्

(D) विधिलिङ्लकारः मध्यमपुरुषः द्विवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–300*

78. (B) **79.** (B) **80.** (D) **81.** (C) **82.** (C)

85. 'भू' धातु का 'भवत' रूप– UP TGT–1999

(A) विधिलिङ्लकार म0पु0 बहुवचन का है।

(B) लोट्लकार म0पु0 बहुवचन का है।

(C) लङ्लकार म0पु0 बहुवचन का है।

(D) लोट्लकार प्र0पु0 एकवचन का है।

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

86. 'चुर्' धातु का 'चोरयतम्' रूप– UP TGT–1999

(A) लट्लकार म0पु0 द्विवचन का है।

(B) लोट्लकार म0पु0 द्विवचन का है।

(C) विधिलिङ्लकार म0पु0 द्विवचन का है।

(D) लङ्लकार म0पु0 द्विवचन का है।

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–584*

87. 'भू' धातु का लोट्लकार मध्यमपुरुष एकवचन में रूप होगा– UP TGT–2003

(A) भव (B) भवतम्

(C) भवत (D) भवन्तु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

88. 'अस्' धातु का लोट्लकार मध्यमपुरुष एकवचन में रूप होगा– UP TGT–2004, RPSC ग्रेड-III–2013

(A) अस्तु (B) स्ताम्

(C) सन्तु (D) एधि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–248*

89. 'भी' धातु लोट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा– UP TGT–2010

(A) भयतु (B) विभीतु

(C) बभयतु (D) बिभेतु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–311*

90. 'ब्रू' धातु के लोट्लकार अन्यपुरुष एकवचन का रूप है– UP TGT–2010

(A) वदतु (B) ब्रवतु

(C) ब्रवीतु (D) ब्रूहि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–271*

85. (B) 86. (B) 87. (A) 88. (D) 89. (D)

95. (B) 96. (C) 97. (B)

91. 'निन्दन्तु' इत्यत्र कः लकारः? **REET–2016**

(A) लट्लकारः (B) लृट्लकारः
(C) लोट्लकारः (D) लङ्लकारः

स्रोत–बृहद्अनुवादचन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल, पेज–396

92. 'इष्' धातोः लोट्लकारस्य अन्यपुरुषे एकवचनमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) इष्यन्तु (B) ऐष्यन्तु
(C) इच्छतु (D) ऐच्छन्तु

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–389

93. 'चुर्' धातोः लोट्लकारस्य उत्तमपुरुषबहुवचने रूपं स्यात्– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) चोरयामः (B) चोरयिष्यामहे
(C) चोरयामहे (D) चोरयाम

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–584

94. 'भू' धातु लोट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में हो जाता है– **UP PGT–2002**

(A) भविता (B) भवतु
(C) भवतः (D) भव

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103

95. 'भू' धातु लोट्लकार उत्तमपुरुष एकवचन में हो जाता है– **UP PGT–2004**

(A) भवामि (B) भवानि
(C) भविष्यामि (D) भवन्तु

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103

96. 'पठ्' धातु लोट्लकार प्रथमपुरुष द्विवचन का रूप है– **UP PGT–2004**

(A) पठ (B) पठामि
(C) पठताम् (D) पठतु

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–172

97. 'भवानि' में लकार है– **UP PGT–2009**

(A) लट् (B) लोट्
(C) लङ् (D) विधिलिङ्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103

90. (C) **91.** (C) **92.** (C) **93.** (D) **94.** (B)

98. 'गम्' धातु का लोट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में क्या रूप होता है? UP TET–2014

(A) गच्छतु (B) गच्छेत्

(C) गमिष्यति (D) अगच्छत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

99. 'दृश्' धातु लोट्लकार मध्यमपुरुष द्विवचन का रूप है– UP TET–2014

(A) पश्यतम् (B) पश्यताम्

(C) पश्याव (D) अपश्यन्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–154*

100. 'पा' धातु का लोट्लकार मध्यमपुरुष द्विवचन में रूप होता है– UP TET–2014

(A) पिबतु (B) पिबतम्

(C) पिबताम् (D) पिबत

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–174*

101. 'गच्छतु' इत्यत्र कः लकारः? BHU B.Ed–2014

(A) लोट् (B) लट्

(C) लङ् (D) लृट्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

102. 'समाविशतु' पदस्य विच्छेदं कुरु– REET–2016

(A) सम् + आ + विश् + लोट्

(B) समा + विश् + लोट्

(C) समा + विशतु

(D) सम् + आ + विश + लट्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–451*

103. एतेषु क्रियावाचकं धातुरूपं किम्? BHU Sh.ET–2013

(A) गच्छन्ती (B) पाठकः

(C) भवानि (D) स्रष्टा

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

98. (A) 99. (A) 100. (B) 101. (A) 102. (A)
108. (B) 109. (C) 110. (A)

104. आदेशार्थे को लकारः? BHU Sh.ET–2011

(A) लोट् (B) लिट्

(C) लङ् (D) लृङ्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

105. 'दा' धातोः लोट्लकारे मध्यमपुरुषस्य बहुवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) दत्त (B) दत्तः

(C) ददन्तु (D) ददतु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–300*

106. 'हन्' धातु का रूप लोट्लकार मध्यमपुरुष एकवचन में होगा– UP TGT–2004, 2005

(A) हंसि (B) जहि

(C) हतः (D) हन्तु

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–297*

107. 'कृ' धातोः लोट्लकारे उत्तमपुरुषस्य एकवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) करवाणि (B) कृवानि

(C) कृवाणि (D) करवानि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

108. 'एधन्ताम्' इत्यत्र कः लकारः? UK SLET–2012

(A) लट्लकारः (B) लोट्लकारः

(C) लङ्लकारः (D) लिङ्लकारः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–109*

109. लोट्लकारस्य रूपमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) जायेते (B) जनिष्यते

(C) जायेताम् (D) जाये

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–326*

110. 'क्रीडताम्' रूप का सम्बन्ध है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) लोट्लकार (B) लट्लकार

(C) लङ्लकार (D) लृट्लकार

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–121*

103. (C) 104. (A) 105. (A) 106. (B) 107. (A)

111. 'कृ' धातोः लोट्लकारस्य अन्यपुरुष-एकवचनरूपमस्ति विकल्परूपेण– RPSC ग्रेड I PGT–2014

(A) कुरुतात् (B) कुरु
(C) कुरुतम् (D) कुरुत

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

112. 'भू' धातु लोट्लकार म0पु0 बहुवचन में रूप होगा– RPSC ग्रेड-III–2013, UP TGT–2013

(A) भवतम् (B) भवत
(C) भवन्तु (D) भवेत

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

113. 'अस्' धातु का लोट्लकार में शुद्ध रूप होगा– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) असाम (B) आसामः
(C) आसावः (D) अस्मः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–248*

114. 'कृ' धातु (आत्मनेपदी) लोट्लकार उत्तमपुरुष एकवचन का रूप है– RPSC ग्रेड-III– 2013

(A) करवै (B) कुर्वे
(C) कुर्वीय (D) करवाणि

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–516*

115. 'वदतु' इति क्रियापदस्य लकारपुरुषवचनं लिखत– BHU B.Ed–2012

(A) लट्-प्रथम-एकवचनम् (B) लोट्-प्रथम-एकवचनम्
(C) लृट्-प्रथम-एकवचनम् (D) लङ्-उत्तम-एकवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–205*

116. 'भवतात्' इति रूपमस्ति– MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) लङ्लकारस्य (B) लुङ्लकारस्य
(C) लोट्लकारस्य (D) लुट्लकारस्य

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103*

111. (A) 112. (B) 113. (A) 114. (A) 115. (B)
121. (A) 122. (C)

117. 'पठताम्' रूप किस लकार, पुरुष एवं वचन का है? **UP TET–2013**

(A) लोट्लकार, प्रथमपुरुष, द्विवचन

(B) लोट्लकार, मध्यमपुरुष, बहुवचन

(C) लोट्लकार, उत्तमपुरुष, द्विवचन

(D) लट्लकार, प्रथमपुरुष, द्विवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–172*

118. 'गच्छ' इति क्रियापदे लकारः अस्ति– **C-TET–2012**

(A) लोट् (B) लृट्

(C) लट् (D) विधिलिङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

119. 'शक्' धातोः लोट्लकारे मध्यमपुरुषैकवचनस्य रूपं किम्? **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) शक्नोतु (B) शक्नुत

(C) शक्नुहि (D) शक्नवानि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–173*

120. 'जहि' इति क्रियापदस्य लकारः अस्ति–**C-TET–2012**

(A) लृट्लकारः (B) लङ्लकारः

(C) लिट्लकारः (D) लोट्लकारः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–297*

121. 'श्रूयताम्' इति रूपम् अस्ति– **UK TET–2011**

(A) लोट्लकारस्य (B) लिङ्लकारस्य

(C) लट्लकारस्य (D) लुट्लकारस्य

स्रोत–*धातुरत्नाकर (पञ्चम भाग), पेज–315*

122. 'दिव्' धातु का लोट्लकार प्रथमपुरुष के द्विवचन में क्या रूप होता है? **UP TGT–2013**

(A) दीव्यतम् (B) दीव्यतात्

(C) दीव्यताम् (D) दीव्यत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–322*

116. (C) 117. (A) 118. (A) 119. (C) 120. (D)

123. '√हु' धातु से लोट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप बनता है– **UP PGT–2013**

(A) हेर्धि (B) जुहाव
(C) हूयात् (D) जुहोतु

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–298

124. 'पा' धातु का लोट्लकार में प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप होगा– **UP PGT (H)–2003**

(A) पिबत (B) पिबन्तु
(C) पिबन्ति (D) पिबेयुः

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–174

125. उत्तमपुरुषस्य कः प्रयोगः? **BHU Sh.ET–2013**

(A) भवानि (B) भवतात्
(C) जहाति (D) एधाञ्चक्रे

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–103

126. भवान् विद्यालयं– **CVVET–2015**

(A) गच्छ (B) गच्छतु
(C) गच्छन्तु (D) गच्छतः

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131

127. 'हन्' (मारना) धातु के लङ्लकार के प्रथमपुरुष एकवचन में क्या रूप होगा? **UP TGT–1999**

(A) अहन् (B) अहताम्
(C) अहनन् (D) अहः

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–297

128. 'गम्' धातु का लङ्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन में रूप बनता है– **UP TGT–2004**

(A) अगच्छम् (B) अगच्छाव
(C) अगच्छाम (D) अगच्छः

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131

129. 'हन्' धातु लङ्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन में रूप होगा– **UP TGT–2004**

(A) अहनम् (B) अह्नन्
(C) अहन्म (D) जहि

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–297

123. (D) 124. (B) 125. (A) 126. (B) 127. (A)
133. (A) 134. (C) 135. (C)

130. 'जन्' धातु लङ्लकार प्रथमपुरुष बहुवचन में होगा– UP TGT–2004

(A) अजागुरुः (B) अजायत

(C) अजायेताम् (D) अजायन्त

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–326*

131. 'आसीत्' क्रिया का लकार है– UP PGT–2002, 2004

(A) लुङ् (B) लङ्

(C) लिट् (D) लृङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–248*

132. 'भू' धातु परस्मैपद का लङ्लकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप है– UP TGT–2009

(A) अभवन् (B) भवतु

(C) अभवः (D) भवताम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

133. 'अभवत्' रूप है? UP PGT–2000

(A) लङ् प्र0 पु0 एकवचन (B) लङ् म0 पु0 बहुवचन

(C) लुङ् प्र0 पु0 एकवचन (D) लुङ् म0 पु0 बहुवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

134. (i) पठ् धातोः लङ्लकारे प्रथमपुरुषबहुवचनस्य रूपमिदं सिद्ध्यति

(ii) 'पठ्' धातु लङ्लकार प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप है–UP PGT–2003, RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) पठेयुः (B) पठन्ति

(C) अपठन् (D) अपठत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–173*

135. 'लभ्' धातोः लङ्लकारस्य प्रथमपुरुषस्य एकवचने रूपं भवति– MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A)अलभताम् (B) अलभम्

(C) अलभत (D) अलभावहै

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–204*

128. (C) 129. (C) 130. (D) 131. (B) 132. (C)

136. 'अलभत' में कौन सा लकार है?

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) लट् (B) लोट्
(C) लङ् (D) विधिलिङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–204*

137. 'इष्' धातोः लङ्लकारे मध्यमपुरुषस्य एकवचनमस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) अइच्छत् (B) अइषत्
(C) अइच्छ (D) ऐच्छः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–389*

138. 'तन्' धातोः लङ्लकारे उत्तमपुरुषस्य एकवचनमस्ति–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) अतनम् (B) अतनोमि
(C) अतनवम् (D) अतनोः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–511*

139. 'लिख्' धातु लङ्लकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) अलिखत् (B) अलिखः
(C) अलिखतम् (D) अलिखन्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–176*

140. लङ्लकार में गम् धातु का शुद्ध रूप है–

RPSC ग्रेड-III–2013

(A) अगच्छः (B) अगच्छेत्
(C) अगमः (D) अगमिष्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–131*

141. 'हस्' धातोः लङ्लकारस्य उत्तमपुरुषबहुवचने रूपमस्ति–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) अहसम् (B) अहसाव
(C) अहसाम (D) अहसः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–243*

136. (C) **137.** (D) **138.** (C) **139.** (B) **140.** (A)
146. (C) **147.** (D)

142. 'स्था' धातु लङ्लकार मध्यमपुरुष द्विवचन का रूप है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) अतिष्ठताम् (B) अतिष्ठः

(C) अतिष्ठतम् (D) अस्थातम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–234*

143. 'अयजन्त' प्रयोग में धातु, लकार, पुरुष तथा वचन है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) 'यज्' धातु, लृट्लकार, प्रथमपुरुष, बहुवचन

(B) 'यज्' धातु, लट्लकार, उत्तमपुरुष, बहुवचन

(C) 'यज्' धातु, लङ्लकार, प्रथमपुरुष, बहुवचन

(D) 'यज्' धातु, लोट्लकार, प्रथमपुरुष, बहुवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–194*

144. 'कृ' धातु (परस्मैपदी) लङ्लकार मध्यमपुरुष द्विवचन का रूप है– **RPSC ग्रेड-III–2013**

(A) अकुर्वाथाम् (B) अकरोः

(C) अकरोतम् (D) अकुरुतम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

145. 'पठ्' धातोः लङ्लकारे मध्यमपुरुषस्य एकवचने रूपं भवति– **MP वर्ग-1 (PGT)–2013, UP TGT–2013**

(A) अपठत् (B) अपठतम्

(C) अपठम् (D) अपठः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–173*

146. 'अस्' धातु लङ्लकार मध्यमपुरुष द्विवचन का रूप है– **UP TET–2013**

(A) आस्ताम् (B) स्याताम्

(C) आस्तम् (D) आस्व

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–248*

147. 'अभवन्' में लकार है– **UP TET–2013**

(A) लट् (B) लोट्

(C) विधिलिङ् (D) लङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

141. (C) **142.** (C) **143.** (C) **144.** (D) **145.** (D)

148. 'भू' धातु लङ्लकार म० पु० बहुवचन का रूप है– UP TET–2013

(A) अभवत् (B) अभवत

(C) अभवः (D) अभवम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

149. 'अभवत्' पदे लकारोऽस्ति– UP GDC–2014

(A) विधिलिङ् (B) लुङ्

(C) लोट् (D) लङ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

150. 'अकरोः' रूप है– UP TGT H–2005

(A) 'कृ' धातु, लोट्लकार, प्र० पु०, एकवचन

(B) 'कृ' धातु, लङ्लकार, म० पु०, एकवचन

(C) 'कृ' धातु, लट्लकार, प्र० पु०, बहुवचन

(D) 'कृ' धातु, लृट्लकार, उ० पु०, द्विवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

151. 'नी', धातु के लङ्लकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप होगा– UP PGT (H)–2005

(A) अनयम् (B) अनयन्

(C) अनयत् (D) अनयः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–167*

152. 'स्था' धातु का लङ्लकार मध्यमपुरुष बहुवचन का रूप होगा– UP PGT (H)–2009

(A) तिष्ठत् (B) अतिष्ठति

(C) अतिष्ठन् (D) अतिष्ठत

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–234*

153. 'स्पृश्' धातु के लङ्लकार के मध्यमपुरुष में दिये गये रूपों में गलत कौन है? UP PGT (H)–2013

(A) अस्पृशः (B) अस्पृशताम्

(C) अस्पृशतम् (D) अस्पृशत

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–464*

148. (B) **149.** (D) **150.** (B) **151.** (D) **152.** (D)
158. (D) **159.** (B)

154. 'स्पृश्' धातु के लृट्लकार के मध्यमपुरुष के दिये गये रूपों में गलत कौन है? UP PGT (H)–2013

(A) स्पर्क्ष्यसि (B) स्पर्क्ष्याव

(C) स्पर्क्ष्यथः (D) स्पर्क्ष्यथ

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–464*

155. 'रुच्' धातोः लङ्लकारस्य मध्यमपुरुष–एकवचनरूपमस्ति– RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) अरोचथाः (B) अरुचः

(C) अरोचः (D) अरूचः

स्रोत– *(i) रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–202*

(ii) धातुरूपकौमुदी - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–106

156. पठ् के लङ्लकार उत्तमपुरुष बहुवचन का रूप निम्नलिखित में से कौन-सा होगा? UP PGT (H)–2005

(A) अपठाम (B) अपठाव

(C) अपठम् (D) अपठन्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–173*

157. निम्नलिखित वर्गों में विधिलिङ्लकार के रूप किस वर्ग में है? UP TGT–1999

(A) भवतु, भवता (B) लभताम, सेवताम्

(C) रुन्धः, रुणद्धि (D) भवेत्, लभेय

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104, 204*

158. 'गच्छेत' किस लकार का रूप है? UP TGT–2001

(A) लट्लकार का (B) लोट्लकार का

(C) लङ्लकार का (D) विधिलिङ्लकार का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–132*

159. 'पठ्' धातु के विधिलिङ् में प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप होता है– UP TGT–2009

(A) पठानि (B) पठेयुः

(C) अपठाव (D) पठन्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–173*

153. (B) 154. (B) 155. (A) 156. (A) 157. (D)

160. 'लभ्' धातु आत्मनेपद के विधिलिङ् मध्यमपुरुष बहुवचन का रूप है– UP TGT–2010

(A) लभेध्वम् (B) लभध्वम्

(C) लभेत (D) लभेः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–204*

161. 'जन्' धातु आत्मनेपद के विधिलिङ्लकार उत्तमपुरुष एकवचन का रूप है? UP TGT–2010

(A) जायेयम् (B) जायेत

(C) जाये (D) जायेय

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–327*

162. 'दा'–धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषस्य बहुवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) दद्यात (B) ददेत्

(C) ददेध्वम् (D) दद्यात्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–300*

163. 'पठेत्' रूप है– UP PGT–2000

(A) लट् प्रथमपुरुष एकवचन

(B) लट् म0 पु0 बहुवचन

(C) विधिलिङ् प्र0 पु0 एकवचन

(D) विधिलिङ् म0 पु0 बहुवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–173*

164. 'पठ्' धातु विधिलिङ् प्रथमपुरुष द्विवचन में हो जाता है– UP PGT–2002

(A) पठ (B) पठताम्

(C) पठेताम् (D) पठेत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–173*

165. 'सेव्' धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषस्य एकवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) सेवेथाः (B) सेवसे

(C) सेवेयाथाम् (D) सेवेताम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–233*

160. (A) 161. (D) 162. (A) 163. (C) 164. (C)
170. (C) 171. (A)

166. 'शक्' धातोः विधिलिङ्लकारे प्रथमपुरुषस्य द्विवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) शक्नुतः (B) शक्येताम्

(C) शक्नुयाताम् (D) शक्नुताम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–381*

167. 'भुज्' धातोः विधिलिङ्लकारे प्रथमपुरुषस्य बहुवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) भुजेयुः (B) भुञ्ज्युः

(C) भुक्ष्यः (D) भुज्यः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–496*

168. 'ज्ञा' धातोः विधिलिङ्लकारे प्रथमपुरुषस्य द्विवचनमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) जानीयाताम् (B) ज्ञायताम्

(C) जिज्ञायेताम् (D) ज्ञायाताम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–545*

169. 'लिखेयुः' रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) विधिलिङ्लकार का (B) लट्लकार का

(C) लोट्लकार का (D) लङ्लकार का

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–176*

170. 'दद्युः' निम्नलिखित में से रूप है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) लृट्लकार का (B) लङ्लकार का

(C) विधिलिङ्लकार का (D) लट्लकार का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–300*

171. भूः धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुष-एकवचनस्य रूपं किम्? RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) भवेः (B) भव

(C) भूया (D) भवेयुः

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

165. (A) 166. (C) 167. (B) 168. (A) 169. (A)

172. 'सहेध्वम्' रूप के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन हैं–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) 'सह' धातु, लट्लकार, मध्यमपुरुष, बहुवचन
(B) 'सह्' धातु, लङ्लकार, मध्यमपुरुष, बहुवचन
(C) 'सह्' धातु, लोट्लकार, मध्यमपुरुष, बहुवचन
(D) 'सह्' धातु, विधिलिङ्लकार, मध्यमपुरुष, बहुवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–232*

173. 'जि' धातु विधिलिङ् प्रथमपुरुष एकवचन का प्रयोग है–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) जीयात् (B) जीयेत्
(C) जायात् (D) जयेत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–142*

174. 'सः अत्र तिष्ठेत्' रेखाङ्कित शब्द में मूलधातु तथा लकार है– UP TET–2013

(A) स्था, लङ्लकार (B) स्था, विधिलिङ्लकार
(C) तिष्ठ, लट्लकार (D) तिष्ठ, लोट्लकार

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–234*

175. अत्र विधिलिङ्लकारस्य उदाहरणमस्ति– C-TET–2013

(A) ज्ञापयति (B) वाञ्छति
(C) प्रकटयति (D) आचरेत्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–192*

176. 'स्था' धातोः विधिलिङ्लकारस्य मध्यमपुरुषस्य एकवचने किं रूपं भवति? UK TET–2011

(A) तिष्ठतु (B) तिष्ठानि
(C) तिष्ठेः (D) तिष्ठेयम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–234*

177. 'भवेयुः' क्रियापदे वर्तते– DL–2015

(A) लट्प्रथमपुरुषे एकवचनम्
(B) विधिलिङ्मध्यमपुरुषे द्विवचनम्
(C) विधिलिङ्प्रथमपुरुषे बहुवचनम्
(D) विधिलिङ्-उत्तमपुरुषे बहुवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

172. (D) 173. (D) 174. (B) 175. (D) 176. (C)
182. (A) 183. (C) 184. (B)

178. आत्मानं सततं.................दारैरपि धनैरपि।

AWES TGT–2010

(A) सेवेत् (B) रक्षेत्

(C) त्यजेत् (D) गच्छेत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–200*

179. अलसः कर्त्तव्यम्................. **AWES TGT–2010**

(A) उपेक्षते (B) अपेक्षते

(C) प्रेक्षते (D) ईक्षते

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोष - सर्वज्ञभूषण, पेज–90*

180. 'ब्रू' धातु का विधिलिङ् मध्यमपुरुष द्विवचन का क्या रूप होता है? **UP TGT–2013**

(A) ब्रूयात् (B) ब्रूयात

(C) ब्रूयाव (D) ब्रूयातम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–272*

181. 'गम्' धातु का लुङ्लकार प्रथमपुरुष बहुवचन में रूप बनता है– **UP TGT–2005**

(A) जगाम (B) अगमन्

(C) गम्यात् (D) अगमाम

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–132*

182. 'भू' धातु का लुङ्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप होता है– **UP TGT–2003, 2005**

(A) अभूत् (B) अभूवन्

(C) अभूत (D) बभूव

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–104*

183. ''उदतूतुलत्'' में कौन-सा लकार है? **UP TGT–2010**

(A) लङ् (B) लिङ्

(C) लुङ् (D) लृङ्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–438*

184. 'अदातम्' रूप है– **UP PGT–2000**

(A) लुङ् उ0 पु0 एकवचन (B) लुङ् म0 पु0 द्विवचन

(C) लङ् उ0 पु0 एकवचन (D) लङ् प्र0 पु0 बहुवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–300*

177. (C) 178. (B) 179. (A) 180. (D) 181. (B)

185. 'अद्' धातु का लुङ्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप है– UP PGT–2005

(A) अघसः (B) अघसत्
(C) आदत् (D) अत्स्यति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–247*

186. 'ऐधिषत' इतीदं तिङन्तपदम् अस्ति– UK SLET–2015

(A) विधिलिङ् - प्रथमपुरुष - एकवचनान्तम्
(B) लुङ् - प्रथमपुरुष - बहुवचनान्तम्
(C) लुङ् - प्रथमपुरुष - एकवचनान्तम्
(D) लङ् - प्रथमपुरुष - एकवचनान्तम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–110*

187. संस्कृत में 'धातुरूप' कहते हैं– UP TGT–2001, UP TET–2013

(A) संज्ञापद को (B) कर्मपद को
(C) क्रियापद को (D) विशेषणपद को

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–301*

188. 'विघाताय' में कौन-सी धातु है? UP TGT–2009

(A) धा (B) तन्
(C) हन् (D) गम्

स्रोत–*किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दूबे, पेज–49*

189. 'सन्तः' में कौन-सी धातु है? UP TGT–2010

(A) सद् (B) अस्
(C) सु (D) तन्

स्रोत– *(i) नीतिशतकम् - बलवान सिंह यादव, पेज–104*
(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

190. 'उह्यते' में कौन-सी धातु है? UP TGT–2009

(A) ऊह् (B) या
(C) वह् (D) हा

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–198*

191. 'चोरयति' में धातु है– UP PGT–2010

(A) चोर (B) चुर्
(C) चोरय् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–584*

185. (B)	**186. (B)**	**187. (C)**	**188. (C)**	**189. (B)**
195. (A)	**196. (D)**	**197. (D)**	**198. (D)**	**199. (C)**

192. 'ददामि' किस धातु का रूप है? UP PGT–2010

(A) वद्　　(B) धा

(C) दा　　(D) दध

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–299*

193. एतेषु रुधादिगणीयः को धातुः? BHU Sh. ET–2013

(A) करोति　　(B) हिनस्ति

(C) बिभेति　　(D) गच्छति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–509*

194. एतेषु किं धातुरूपं बहुवचनम्? BHU Sh. ET–2013

(A) अधीयते　　(B) अकामयत्

(C) जुहुधि　　(D) देयात्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–250*

195. किम् आत्मनेपदम्? BHU Sh.ET–2013

(A) तङानौ　　(B) स्वरितेत्

(C) सर्वम्　　(D) अदादि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.100)*

196. यङ्लुङन्तस्य किम् उदाहरणम्? BHU Sh. ET–2013

(A) बुभूषति　　(B) बोभवीति

(C) पिपठिष्यति　　(D) जरीगृह्यते

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–611*

197. वधादेशः कुत्र? BHU Sh.ET–2011

(A) भू　　(B) खाद्

(C) पठ्　　(D) हन्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–529*

198. 'चिकीर्षुः' किस धातु से बना है? UP TGT–2009

(A) चि　　(B) कृष्

(C) सु　　(D) कृ

स्रोत–*संस्कृत व्याकरणप्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–461*

199. 'सेवामहे' में वचन है–

MP वर्ग-2 (TGT)–2011, UK TET–2011

(A) एकवचन　　(B) द्विवचन

(C) बहुवचन　　(D) अवचन

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–232*

190. (C)　191. (B)　192. (C)　193. (B)　194. (A)

200. धातुरूपमस्ति–　　　　RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) वद्　　　　(B) गम्

(C) कथय　　　　(D) पृच्छ्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–587*

201. 'क्रीत्वा' अस्मिन् पदे धातुः वर्तते–

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) कृ　　　　(B) क्रीड्

(C) क्री　　　　(D) कृत्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

202. 'अरोत्स्ये' धातुरूपं कस्मिन् गणे अस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) भ्वादिगणे　　　　(B) रुधादिगणे

(C) तनादिगणे　　　　(D) जुहोत्यादिगणे

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–469*

203. 'एहि' यह रूप है–　　　　UGC 73 D–1994

(A) इण् धातु का　　　　(B) इक् धातु का

(C) एत धातु का　　　　(D) आ + इण् धातु का

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–252*

204. 'हन्ति' पद में वचन है–　　　　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) एकवचन　　　　(B) द्विवचन

(C) बहुवचन　　　　(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–296*

205. 'करिष्यामः' में धातु है–　　　　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) क्रि　　　　(B) डुकृञ्

(C) क्रय्　　　　(D) क्री

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–514*

206. 'सेवते' में धातु है–　　　　RPSC ग्रेड-III–2013

(A) सेव्　　　　(B) सैव्

(C) सिव्　　　　(D) साव्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–232*

200. (C)　201. (C)　202. (B)　203. (D)　204. (A)
210. (B)　211. (C)　212. (A)　213. (C)　214. (C)

207. 'बिभीयात्' रूप में धातु है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) भू (B) ब्रू

(C) भी (D) भय्

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–311

208. 'जग्ध्वा' में धातु है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) गध् (B) अद्

(C) जग् (D) जग्द

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207

209. 'ज्ञात्वा' में कौन-सी धातु है? UP TET–2013

(A) ज्ञा (B) ज्ञात्

(C) ज्ञ (D) ज्ञान

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208

210. 'तिष्ठति' में धातु है– UP TET–2013

(A) गच्छ (B) स्था

(C) तिष्ठ् (D) तिष्ठति

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–234

211. 'भवितुम्' में धातु है– UP TET–2013

(A) भवि (B) भवित्

(C) भू (D) भव्

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206

212. 'खादितः' में धातु है– UP TET–2013

(A) खाद् (B) खादि

(C) खा (D) खादित्

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–201

213. 'त्यजन्ति' इति पदे धातुः अस्ति– C-TET–2011

(A) तर्ज् (B) त्यज

(C) त्यज् (D) त्यक्त

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–146

214. 'ददामि' किस धातु का रूप है? UK TET–2011

(A) दद् (B) धा

(C) दा (D) दध

स्रोत–रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–299

205. (B) 206. (A) 207. (C) 208. (B) 209. (A)

215. 'नयेयुः' पदस्य मूलधातुः कः? AWES TGT–2013

(A) नम् (B) नञ्

(C) नय् (D) नी

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–167*

216. 'हृ' धातोः रूपं न भवति– AWES TGT–2013

(A) हरामी (B) हरामि

(C) हराणि (D) अहरत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–239*

217. 'रोचै' पदस्य बहुवचनं– AWES TGT–2013

(A) रोचावहै (B) रोचामहे

(C) रोचावहे (D) रोचामहै

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–202*

218. 'चुर्' धातु के सम्बन्ध में क्या सही कथन है? UP TGT–2013

(A) 'चुर्' धातु में णिच् प्रत्यय नहीं लगता।

(B) 'चुर्' धातु से स्वार्थ में णिच् होता है।

(C) 'चुर्' धातु में णिच् प्रत्यय लगाना ऐच्छिक है।

(D) 'चुर्' धातु केवल आत्मनेपदी धातु है।

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–686*

219. 'प्रणश्यति' क्रियापदे कः धातुः? AWES TGT–2011

(A) प्रणश् (B) नश्

(C) नाशय (D) विनश्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194*

220. इनमें से कौन-सी धातु सकर्मक नहीं है? UP TGT–2001

(A) पठ् (B) हन्

(C) लिख् (D) नृत्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–378-379*

221. धातुएँ कितने प्रकार की होती हैं? UP TGT–2003

(A) दो प्रकार से (B) तीन प्रकार से

(C) चार प्रकार से (D) पाँच प्रकार से

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–301*

215. (D) 216. (A) 217. (D) 218. (B) 219. (B)

225. (C) 226. (C) 227. (B) 228. (A)

222. पौनः पुन्येन स्मरणं करोति– AWES TGT–2009

(A) सास्मर्यते (B) संस्मर्यते

(C) सस्मर्यते (D) स्मारयति

स्रोत–*(i) बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–268*

(ii) अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, पेज–969

223. अप्सरा इव आचरति– AWES TGT–2009

(A) अप्सरायति (B) अप्सरायते

(C) अप्सरति (D) अप्सरते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–466*

224. 'पाठयति' भवति– AWES TGT–2009

(A) इच्छार्थक क्रिया (B) पौनः पुन्यार्थक क्रिया

(C) अनुकरणात्मक क्रिया (D) प्रेरणार्थक क्रिया

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–457*

(ii) बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–104

225. पौनः पुन्येन नर्तनं करोति– AWES TGT–2008

(A) नर्तयति (B) नृनर्तयति

(C) नरीनृत्यते (D) न कोऽपि शुद्धः

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–462*

(ii) अष्टाध्यायी (3.1.22)

226. रोदितुम् इच्छति– AWES TGT–2008

(A) रूरुदिषति (B) रुरूदिषति

(C) रोरुदिषति (D) रोरूदिषते

स्रोत– *बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–370*

227. उभयपदी धातुः कः– CVVET–2015

(A) पठ् (B) पच्

(C) पत् (D) लभ्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194*

228. भू धातुः– CVVET–2015

(A) अकर्मकः (B) सकर्मकः

(C) द्विकर्मकः (D) एककर्मकः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–311-312*

220. (D) 221. (B) 222. (A) 223. (B) 224. (D)

229. गच्छतीत्यस्य णिजन्तं किम्–　　CVVET–2015

(A) गच्छयति　　(B) गमयति

(C) गामयति　　(D) गमिष्यति

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–223*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–458

230. जिगमिषति–　　AWES TGT–2008

(A) ज्ञातुमिच्छति　　(B) गन्तुमिच्छति

(C) जयमिच्छति　　(D) हन्तुमिच्छति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–461*

231. शब्दं करोति–　　AWES TGT–2008

(A) शब्दस्यते　　(B) शब्दायते

(C) शब्दयति　　(D) शब्दायति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–466*

232. गङ्गाम् आत्मनः इच्छति–　　AWES TGT–2008

(A) गङ्गीयति　　(B) गङ्गीयते

(C) गङ्गायते　　(D) गङ्गायति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–464*

229. (B)　230. (B)　231. (B)　232. (A)　233. (C)

233. कविमात्मानमिच्छति– **AWES TGT–2009**

(A) कवियति (B) कवयति

(C) कवीयति (D) कवीयते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–465*

234. ग्रहीतुमिच्छति– **AWES TGT–2009**

(A) जिग्रहति (B) जिगीषति

(C) जिगमिषति (D) जिघृक्षति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–461*

235. अधोलिखितेषु शुद्धं युग्मं चिनुत–

MP वर्ग-1 (PGT)–2012

(A) गच्छेयम् - एकवचनम् (B) गच्छेम - एकवचनम्

(C) गच्छतात् - द्विवचनम् (D) अगच्छम् - बहुवचनम्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–132*

236. 'सम्बोधयति' पद का सम्बन्ध है? H-TET–2014

(A) यङन्त प्रक्रिया से (B) सन्नन्त प्रक्रिया से

(C) ण्यन्त प्रक्रिया से (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–457*

234. (D) **235. (A)** **236. (C)**

9. अशुद्धि परिमा

1. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य कौन-सा है?
UP TGT–1999

(A) ग्रामस्य बहिः विद्यालयोऽस्ति।
(B) ग्रामं बहिः विद्यालयोऽस्ति।
(C) ग्रामात् बहिः विद्यालयोऽस्ति।
(D) ग्रामं बहिः विद्यालयोऽस्ति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–213*

2. निम्नलिखित में शुद्धवाक्य के क्रमाङ्क का निर्देश कीजिए?
UP TGT–1999

(A) कृष्णस्य उभयतः गोपालाः सन्ति
(B) कृष्णम् उभयतः गोपालाः सन्ति।
(C) कृष्णेन उभयतः गोपालाः सन्ति।
(D) कृष्णात् उभयतः गोपालाः सन्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–185*

3. 'कृष्ण के दोनों ओर ग्वाले हैं' की संस्कृत है–
UP TET–2016

(A) कृष्णस्य उभयतः गोपा सन्ति
(B) कृष्णम् उभयतः गोपाः सन्ति
(C) कृष्णाय उभयतः गोपा सन्ति
(D) कृष्णः उभयतः गोपाः सन्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–185*

4. निम्नलिखित में शुद्ध विभक्ति का प्रयोग किस वाक्य में है?
UP TGT–1999

(A) मयि मोदकं रोचते।　(B) मां मोदकं रोचते।
(C) मया मोदकं रोचते।　(D) मह्यं मोदकं रोचते।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–201*

5. निम्नलिखित में शुद्ध है?　**UP TGT–1999**

(A) मात्रे स्मरति।　(B) मातरि स्मरति।
(C) मात्रा स्मरति।　(D) मातुः स्मरति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–224*

1. (C)	**2.** (B)	**3.** (B)	**4.** (D)	**5.** (D)

र्जन एवं अनुवाद

6. **संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध रूप है?**
UP TGT 1999, 2013, UGC 25 D–2011, UP PGT (H)–2002, UP TET–2013
(A) उपरोक्त (B) उपरुक्त
(C) अपरोक्त (D) उपर्युक्त

स्रोत–*संस्कृतगङ्गा संस्कृतव्याकरणम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–186*

7. **निम्नलिखित में कौन-सा शुद्ध है? UP TGT–1999**
(A) महानता (B) महान्ता
(C) महत्ता (D) महनता

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–113*

8. **एक ही शब्द की वर्तनी चार तरह से लिखी गयी है, सही का चयन कीजिए? UP PGT (H)–2013**
(A) उपर्लिखित (B) उपरिलिखित
(C) ऊपरलिखित (D) ऊपर्लिखित

9. **निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य कौन-सा है?**
UP TGT–1999
(A) गुरुः शिष्याय क्रुध्यति (B) गुरुः शिष्यं क्रुध्यति
(C) गुरुः शिष्ये क्रुध्यति (D) गुरुः शिष्यस्य क्रुध्यति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–201*

10. **'रमेश मेरा मित्र है'–इसका संस्कृत में शुद्ध अनुवाद कौन-सा है? UP TGT–1999**
(A) रमेशः मम मित्रम् अस्ति
(B) रमेशः मया मित्रम् अस्ति
(C) रमेशः मम् मित्रम् अस्ति
(D) रमेशः मह्यं मित्रम् अस्ति

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–122*
(ii) शुद्धिकौमुदी - जनार्दन हेगडे, पेज–17

6. (D)	7. (C)	8. (B)	9. (A)	10. (A)

11. अधोलिखित में कौन-सा वाक्य अशुद्ध है? **UP TGT–1999**

(A) अचिराय देवदत्तो गमिष्यति। (B) अचिरे देवदत्तो गमिष्यति।

(C) अचिरात् देवदत्तो गमिष्यति। (D) अचिरेण देवदत्तो गमिष्यति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–521*

12. 'गङ्गा हिमालय से निकलती है' का संस्कृत अनुवाद है– **UP TGT–1999**

(A) गङ्गा हिमालयेन निःसरति

(B) गङ्गा हिमालयात् निःसरति

(C) गङ्गा हिमालयस्य निःसरति

(D) गङ्गा हिमालयात् निसरत्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–210*

13. अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए? UP TET–2016

(A) रामं विना जीवितुं नोत्सहे

(B) रामेण विना जीवितुं नोत्सहे

(C) रामात् विना जीवितुं नोत्सहे

(D) रामस्य विना जीवितुं नोत्सहे

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–197*

14. 'वाराणसी भारत का प्रमुख धार्मिक नगर है'–इसका अनुवाद है? **UP TGT–1999**

(A) वाराणसी भारतस्य प्रमुखं धार्मिकनगरम् अस्ति

(B) वाराणसी भारतस्य प्रमुखः धार्मिकनगरः अस्ति

(C) वाराणसी भारते प्रमुखनगरं सन्ति

(D) वाराणसी भारतस्य प्रमुखं धार्मिकनगरं सन्ति

15. 'यहाँ भगवान् विश्वनाथ का प्रसिद्ध मन्दिर है' का अनुवाद है– **UP TGT–1999**

(A) इदं भगवतो शंकरस्य प्रसिद्धमन्दिराणि अस्ति।

(B) तत्र भगवतः शंकरस्य प्रसिद्धः मन्दिरे अस्ति।

(C) तत्र भगवतः शिवस्य प्रसिद्धं देवालयं सन्ति।

(D) अत्र भगवतः विश्वनाथस्य प्रसिद्धमन्दिरम् अस्ति।

11. (B) **12.** (B) **13.** (D) **14.** (A) **15.** (D)

16. ''कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है'' अस्य वाक्यस्य संस्कृते अनुवादं कुरुत– REET–2016

(A) कवेः कालिदासः श्रेष्ठः (B) कवि कालिदासः श्रेष्ठः

(C) कवये कालिदासः श्रेष्ठः (D) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–*

17. 'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना मदनमोहन मालवीय ने की थी'–का अनुवाद है? UP TGT–1999

(A) काशीहिन्दूविश्वविद्यालयानां स्थापना मदनमोहनमालवीयः करोति

(B) काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य स्थापनां मदनमोहनमालवीयः अकरोत्।

(C) काशीहिन्दूविश्वविद्यालये स्थापनां मदनमोहनमालवीयः अकोरात्।

(D) काशीहिन्दूविश्वविद्यालयः स्थापना मदनमोहनमालवीयः अकरोत।

18. 'बौद्धों का तो यह अत्यन्त पवित्र तीर्थ है'–का संस्कृत में अनुवाद है– UP TGT–1999

(A) बौद्धस्य इदमत्यन्तं पवित्रं तीर्थम् अस्ति।

(B) बौद्धानाम् अयम् अत्यन्तं पवित्रतीर्थम् अस्ति

(C) बौद्धानां तु इदम् अत्यन्तं तीर्थं स्तः

(D) बौद्धानां तु इदम् अत्यन्तं पवित्रं तीर्थम् अस्ति

19. 'वह गाय से दूध दुहता है' का सही अनुवाद होगा? UP TGT–1999

(A) सः गवा पयः दोग्धि (B) सः गां पयः दुहति

(C) सः गोभिः पयः दोग्धि (D) सः गां पयः दोग्धि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–181*

20. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद बनाने के लिए पहले– UP TGT–1999

(A) धातु एवं शब्दरूपों का ज्ञान करायेंगे

(B) लकारों का ज्ञान करायेंगे

(C) लकारों से कुछ हिन्दी वाक्यों का संस्कृत अनुवाद पूछेंगे

(D) किसी एक लकार के एकपुरुष और एकवचन के वाक्य संस्कृत में श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

16. (D)	17. (B)	18. (D)	19. (D)	20. (D)

21. 'माता च पिता च' के निम्नलिखित तीन रूपों में कौन-सा अशुद्ध है? UP TGT–1999

(1) पितरौ (2) मातृपितरौ (3) मातापितरौ

(A) पहला (B) दूसरा

(C) तीसरा (D) तीनों

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–973*

22. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है? UP TGT–1999

(A) एक विंशतयः छात्रा कक्षायाम्

(B) एकविंशतिः छात्राः कक्षायाम्

(C) एकविंशताः छात्राः कक्षायाम्

(D) एकविंशततमी छात्राः कक्षायाम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

23. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए? UP TGT–1999

(A) त्रिः बालाः गच्छन्ति (B) त्रयः बालः गच्छन्ति

(C) त्रीणि बालाः गच्छन्ति (D) तिस्रः बालाः गच्छन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–41*

24. निम्न में से शुद्ध वाक्य चुनिए– UP TET–2016

(A) सः पुस्तकं पठसि (B) सा विद्यालयं गच्छतः

(C) तौ विद्यालयं गच्छतः (D) तं पुस्तकं पठथः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–03*

25. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए– UP TGT–1999

(A) चतुरः विप्रान् आमन्त्र्य भोजय

(B) चत्वारि विप्रान् आमन्त्र्य भोजय

(C) चतस्रः विप्रान् आमन्त्र्य भोजय

(D) चतुराणि विप्रान् आमन्त्र्य भोजय

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–43*

26. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है? UP TGT–1999

(A) तत्र पञ्च जनाः निवसन्ति

(B) तत्र पञ्चाः जनाः निवसन्ति

(C) तत्र पञ्चा जनैः निवसति

(D) तत्र पञ्चसु जनाः निवसति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45*

21. (B) 22. (B) 23. (D) 24. (C) 25. (A)
31. (A)

27. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

UP TGT–1999

(A) अष्टानि फलानि आनय

(B) अष्टौ फलानि आनय

(C) अष्टाः फलानि आनय

(D) अष्टे फलानि आनय

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–44, 136*

28. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य कौन-सा है?

UP TGT–1999

(A) ये सुकृतिभिः असूयन्ति ते पापात्मनः।

(B) ये सुकृतिभ्यः असूयन्ति ते पापात्मानः।

(C) ये सुकृतिषु असूयन्ति ते पापात्मानः।

(D) ये सुकृतिनाम् असूयन्ति ते पापात्मनः।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

29. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य कौन-सा है?

UP TGT–1999

(A) शिशुः क्रीडनकं रोचते।

(B) शिशुं क्रीडनकं रोचते।

(C) शिशवे क्रीडनकं रोचते।

(D) शिशोः क्रीडनकं रोचते।

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–201*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123

30. 'तुम कुसुमपुर जाओ' का संस्कृत अनुवाद है?

UP TGT–2003

(A) त्वां कुसुमपुरं गच्छ (B) त्वं कुसुमपुरं गच्छ

(C) त्वं कुसुमपुरं गच्छेत् (D) त्वां गच्छेत् कुसुमपुरम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127*

31. 'किं करवाणि ते' का अर्थ है? UP TGT–2003

(A) मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ

(B) तुम मेरे लिए क्या कर सकते हो

(C) तुम्हें क्या करना है।

(D) मैं तुमसे क्या करवाता हूँ।

26. (A)	27. (B)	28. (B)	29. (C)	30. (B)

32. वाक्यमिदं संशोधयत– बालाः दुग्धं पिबामि।

REET–2016

(A) बालाः दुग्धं पिबाति (B) बालः दुग्धानि पिबन्ति

(C) बालाः दुग्धं पिबन्ति (D) बालाः दुग्धाः पिबन्ति

33. 'एतदासनमास्यताम्' का अर्थ है? UP TGT–2003

(A) तुम आसन ग्रहण कर।

(B) यह आसन ग्रहण करें।

(C) इस आसन पर वह आ गया।

(D) इस आसन पर मैं आता हूँ।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

34. 'मातृ + औदार्यम्' का शुद्ध रूप है? UP TGT–2003

(A) मात्रोदार्यम् (B) मात्रौदार्यम्

(C) मातृदार्यम् (D) मातृऔदार्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.1.85) - ईश्वरचन्द्र, पेज–687*

35. 'भद्रं भूयाद् भवतः' का अर्थ है– UP TGT–2004

(A) आपका भला हो। (B) हे मान्यवर! आप कैसे हैं।

(C) भद्र कैसे हैं? (D) आप भले तो हैं।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–145*

36. 'एका क्रिया द्व्यर्थकरी प्रसिद्धा' का अर्थ है?

UP TGT–2004

(A) एक बार काम करना काफी है।

(B) एक काम ही प्रसिद्ध है।

(C) दो प्रयोजन प्रसिद्ध हैं।

(D) एक पन्थ दो काज।

37. 'डण्डा सबको ठीक करता है' सही संस्कृत रूप है?

UP TGT–2004

(A) दण्डः न शास्ति सर्वः प्रजाः

(B) दण्डः शास्ति सर्वाः प्रजाः

(C) दण्डः शास्ति सर्वः प्रजाः

(D) दण्डः शास्ति प्रजा सर्वा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194*

32. (C) **33.** (B) **34.** (B) **35.** (A) **36.** (D)
42. (C) **43.** (C)

38. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है?
UP TGT–2004

(A) विपदि ददातु मे धनान् भवान्
(B) विपदि ददातु मम धनानि भवान्
(C) विपदि ददातु मे धनं भवान्
(D) ददतु धने विपदि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (14.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194*

39. 'मैं यश नहीं चाहता' इसका संस्कृत अनुवाद होगा?
UP TGT–2004

(A) अहं यशं न इच्छति (B) अहं यशं न इच्छामि
(C) न अहं यशं लिप्सामि (D) अहं यशः न इच्छामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

40. 'अत्रभवतां भवताम् आगमनेन धन्याः वयम्' इस वाक्य का हिन्दी अनुवाद होगा? **UP TGT–2005**

(A) यहाँ आपके आगमन से वे धन्य हुए।
(B) यहाँ आपके आगमन से मैं धन्य हुआ।
(C) यहाँ आप लोगों के आगमन से हम धनवान् हुए
(D) पूजनीय आप लोगों के आगमन से हम लोग धन्य हुए

41. 'तुम कानपुर जाओ' का सही संस्कृत अनुवाद है?
UP TGT–2005

(A) गच्छ त्वं कर्णपुरम् (B) कर्णपुरं त्वं गच्छेत्
(C) कर्णपुरं त्वां गच्छ (D) त्वं कर्णपुरं गच्छेय

42. इनमें शुद्ध वाक्य है? **UP TGT–2009**

(A) युवां पुस्तकं पठथ (B) यूयं पुस्तकं पठथम्
(C) यूयं पुस्तकं पठथ (D) आवां पुस्तकं पठथ

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–05*

43. इनमें शुद्ध वाक्य है? **UP TGT–2009**

(A) बालिका जलात् मुखं प्रक्षालयति
(B) बालिका जले मुखं प्रक्षालयति
(C) बालिका जलेन मुखं प्रक्षालयति
(D) बालिका जलानि मुखं प्रक्षालयति

अष्टाध्यायी (सूत्र 1.4.49, 1.4.42)-ईश्वरचन्द्र, पेज–125, 127

37. (B) 38. (C) 39. (D) 40. (D) 41. (A)

44. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है? UP TGT–2010

(A) श्रान्ताः जनाः शीघ्रं शयन्ते

(B) श्रान्ताः जनाः शीघ्रं शेरते

(C) श्रान्ताः जनाः शीघ्रं शयन्ति

(D) श्रान्ताः जनाः शीघ्रं स्वपिति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–165*

45. शुद्ध वाक्य छाँटिए– UP TGT–2010

(A) सः कौचित् साधूं पश्यति

(B) सः कञ्चित् साधुं पश्यति

(C) सः कञ्चित् साधून् पश्यति

(D) सः कश्चन साधू पश्यसि

46. कारकदृष्ट्या कौन-सा वाक्य शुद्ध है? UP TGT–2010

(A) बालकः अध्यापकेन पुस्तकं पठति

(B) बालकः अध्यापकात् पुस्तकं पठति

(C) बालकः अध्यापकात् पुस्तकानि पठन्ति।

(D) बालकः अध्यापकेन पुस्तकानि पठति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–209*

47. शुद्ध शब्द चुनिए– UP TGT–2010

(A) अम्बरीसः (B) अम्बरीशः

(C) अम्बरिशः (D) अम्बरीषः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1183*

48. अशुद्ध वाक्य चुनिए– UP TGT–2010

(A) बालाः चित्रम् अवलोकते (B) चिन्तकः आलोचते

(C) तरुणः वस्त्रं धरति (D) सा स्वयं लेपयति

49. शुद्ध शब्द चुनिए– UP TGT–2010

(A) सहोदरा (B) सहोदरी

(C) दोनों शुद्ध हैं। (D) दोनों अशुद्ध हैं।

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–6), पेज–111*

50. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है?

UP PCS–2015, UP TGT (H)–2010

(A) कुमुदनी (B) कुमुदिनी

(C) कुमूदनी (D) कूमुदिनी

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-कोश - वामनशिवराम आप्टे, पेज–285*

44. (B) **45.** (B) **46.** (B) **47.** (D) **48.** (A)

54. (A) **55.** (A) **56.** (C)

51. **निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध है–** **UP PGT–2000**

(A) त्वया सह अहं चित्रं द्रक्षिष्यामि

(B) तव सह अहं चित्रं द्रक्षष्यामि

(C) त्वया सह अहं चित्रं द्रक्ष्यामि

(D) त्वया सः अहं चित्रं द्रक्ष्यामि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

52. **शुद्ध वाक्य है–** **UP PGT–2000**

(A) नमस्कृत्वा हरिं गच्छति (B) नमस्कृत्य हरये गच्छति

(C) नमस्कृत्य हरिं गच्छति (D) नमस्कृत्वा हरये गच्छति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–2) - गोविन्दाचार्य, पेज–271*

53. **अधोलिखित वाक्यों में एक वाक्य शुद्ध है–** **UP PGT–2000**

(A) रामाः दीनाय धनं ददन्ति

(B) रामा दीनान् धनं ददन्ति

(C) रामाः दीनं धनं ददति

(D) रामाः दीनाय धनं ददति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–122*

54. **'रामो गच्छति ग्रामम्' प्रयोग है–** **UP PGT–2004**

(A) कर्तृवाच्य का (B) कर्मवाच्य का

(C) भाववाच्य का (D) उपर्युक्त में से किसी का भी नहीं

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–275*

55. **निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है–** **UP PGT–2004, 2009**

(A) अध्ययनात् पराजयते (B) अध्ययनं पराजयते

(C) अध्ययनः पराजयते (D) अध्ययनस्य पराजयते

स्रोत–*संस्कृत-व्याकरण-प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–208*

56. **निम्नाङ्कित वाक्यों में कौन-सा वाक्य शुद्ध है–** **UP PGT–2004, 2009**

(A) अध्ययनं हेतु काश्यां तिष्ठति

(B) अध्ययनं हेतो काश्यां तिष्ठति

(C) अध्ययनस्य हेतोः काश्यां तिष्ठति

(D) अध्ययनस्य हेतु काश्यां तिष्ठति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–222*

49. (A) 50. (B) 51. (C) 52. (C) 53. (D)

57. शुद्ध वाक्य है– **UP PGT–2004**

(A) आवां पठावः (B) अहं पठावः

(C) वयं पठावः (D) यूयं पठावः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

58. 'सीता..... गृहम् आगतवती'। इस वाक्य का पूरक पद होगा– **UP PGT–2005**

(A) रेलयानम् (B) बसयानेन

(C) शकटयानया (D) साइकिलयानम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125*

59. 'मैं जाना चाहता हूँ' का संस्कृत रूपान्तर है– **UP PGT–2005**

(A) अहं आजिगमिषामि (B) अहं जिगमिषामि

(C) अहम् गमिष्यामि (D) अहं गन्तुं नेच्छामि

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–708*

60. 'क्या जल्दी है? रेलगाड़ी के चलने में देर है। घबराइए नहीं।' इस वाक्य का सही संस्कृत रूपान्तर है– **UP PGT–2005**

(A) का त्वरा रेलयानं न चलति। व्याकुली मा भूः।

(B) का त्वरा? चिरेण प्रयास्यति रेलयानम्। मा स्म व्याकुली भूः

(C) का शीघ्रता। रेलयानम् अद्य न चलिष्यति। मा स्म व्याकुलताम्

(D) शीघ्रता का। अचिरं प्रयास्यति रेलयानम्। मा स्म व्याकुली

61. 'रसोइया चावलों से भात पकाता है'–का संस्कृत रूपान्तर है– **UP PGT–2009**

(A) पाचकः तण्डुलान् ओदनं पचति

(B) पाचकः तण्डुलेन ओदनं पचसि

(C) पाचकः तण्डुलात् ओदनानि पचति

(D) पाचकः तण्डुलेन ओदनं पचतः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–181*

62. 'सोलहवाँ बालक पढ़ता है'– का संस्कृत में अनुवाद होगा– **UP PGT–2010**

(A) षोडशतमः बालकः पठति (B) षोडशः बालकः पठति

(C) षड्दशतमः बालकः पठन्ति (D) षोडश बालकाः पठति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46, 47*

57. (A) **58. (B)** **59. (B)** **60. (B)** **61. (A)**
67. (B)

63. **निम्नाङ्कित वाक्यों में शुद्ध वाक्य कौन-सा है–**

UP PGT–2010

(A) कृष्णा अश्वः धावति (B) कृष्णः अश्वं धावति

(C) कृष्णम् अश्वं धावति (D) कृष्णः अश्वः धावति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–209*

64. **निम्नलिखित वाक्यों में कौन शुद्ध है–**

UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) सूर्ये अस्ते गते गोपागृहम् अगच्छन्

(B) सूर्ये अस्तं गते गोपाः गृहम् अगच्छन्

(C) सूर्यस्य अस्ते गते गोपाः गृहम् अगच्छन्

(D) सूर्यस्य अस्तं गते गोपाः गृहम् अगच्छन्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–220*

65. **शुद्ध वाक्य चुनिए– UP PGT–2010, UK TET–2011**

(A) शिष्याय व्याकरणं बोधयति

(B) शिष्याय वेदं पाठयति

(C) शिष्यं व्याकरणं बोधयति

(D) शिष्यं वेदाय पाठयति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.52) - ईश्वरचन्द्र, पेज–129*

66. **शुद्ध वाक्य चुनिए– UP PGT–2010, UK TET–2011**

(A) श्यामा गीतं शृण्वती नृत्यति

(B) श्यामा गीतं श्रृण्वती नृत्यति

(C) श्यामा गीतं श्रृण्वन्ती नृत्यति

(D) श्यामा गीतं श्रुवन्ती नर्तते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–85*

67. **शुद्धं वाक्यं लिखत– BHU B.Ed–2011**

(A) बालकं पुस्तकं रोचते।

(B) बालकाय पुस्तकं रोचते।

(C) बालकस्य पुस्तकं रोचते।

(D) बालकः पुस्तकं रोचते।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

62. (B)	**63.** (D)	**64.** (B)	**65.** (C)	**66.** (A)

68. ''बालक को लड्डू अच्छा लगता है।''
अस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवाद अस्ति–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) बालकं मोदकं रोचते (B) बालकाय मोदकं रोचते
(C) बालकस्य मोदकं रोचते (D) बालकः मोदकं रुच्यते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

69. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है–

UP TET–2014

(A) शिष्यः आसनम् अधितिष्ठति।
(B) शिष्यः आसने अधितिष्ठति।
(C) शिष्यः आसनेन अधितिष्ठति।
(D) शिष्यः आसनात् अधितिष्ठति।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

70. 'पुत्र के साथ पिता आया।' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादो वर्तते– **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) पुत्रात् सह पिता आगच्छत्
(B) पुत्रे सह पिता आगच्छत्
(C) पुत्रेण सह पिता आगच्छत्
(D) आगच्छत् पुत्राय सह पिता

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–196*

71. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। **UP TET–2014**

(A) विप्रं गां ददाति (B) विप्रस्य गां ददाति
(C) विप्राय गां ददाति (D) विप्रे गां ददाति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–46*

72. 'अभिक्रुध्यति' इत्यत्र कस्य साधुत्वम्–

BHU Sh.ET–2011

(A) तम् (B) तयोः
(C) तेभ्यः (D) तेन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–202*

73. शुद्ध वाक्य चुनिए। **UP TET–2014**

(A) सः किं पठतः (B) तौ किं कुर्वन्ति
(C) बालिका कुत्र गच्छसि (D) ताः विद्यालयं गच्छन्ति

68. (B) 69. (A) 70. (C) 71. (C) 72. (A)
78. (C) 79. (D)

74. सत्यकथनं वर्तते– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2010, 2011

(A) पाणिनेः ग्रन्थस्याभिधानं 'महाभाष्यम्'

(B) भवभूतिः अर्वाचीनकविः अस्ति

(C) कालिदासः आदिकविः मन्यते सर्वैः

(D) वेदाः ऋषिभिः रचिताः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–62*

75. अशुद्धं वाक्यमस्ति RPSC ग्रेड-II –2010

(A) यथा बीजं तथा फलम् (B) अपूर्वोऽयमात्मविश्वासः

(C) ज्ञानं भारः क्रियां विना (D) आत्मानं न प्रशंसति महापुरुषाः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–02*

76. 'वह पाप से घृणा करता है' का संस्कृत अनुवाद होगा– RPSC ग्रेड-III –2013

(A) सः पापात् जुगुप्सते (B) सः पापेन जुगुप्सते

(C) सः पापस्य जुगुप्सते (D) सः पापैः जुगुप्सते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–208*

77. अशुद्ध वाक्य है– RPSC ग्रेड-III –2013

(A) अत्र त्रयः जनाः नृत्यन्ति

(B) तत्र बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति

(C) तत्र एते स्त्रियः हसन्ति

(D) वृक्षे चत्वारि फलानि सन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–133*

78. 'रामः ग्रामं गच्छति' वाक्य का बहुवचन में रूप होगा– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2013

(A) रामः ग्रामं गच्छन्ति (B) रामाः ग्रामं गच्छति

(C) रामाः ग्रामं गच्छन्ति (D) रामः ग्रामन् गच्छति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–03*

79. अशुद्ध वाक्य है– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2013

(A) रामेण बाणेन बाली हतः

(B) मोहनः कलमेन लिखति

(C) नदीं परितः वृक्षाः सन्ति

(D) सः ग्रामेण अजां नयति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–41*

73. (D)	74. (D)	75. (D)	76. (A)	77. (C)

80. ''रोती हुई बालिका माता का स्मरण करती है।'' इत्यस्य व्याकरणसम्मतः संस्कृतानुवादः अस्ति–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) रुदन् बालिका मातरं स्मरणं करोति

(B) रुदती बालिका मात्रे स्मरति

(C) रुदन्ती बालिका मातरं स्मरति

(D) रुदती बालिका मातुः स्मरति

(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–73

(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68

81. एतेषु विशेषणविशेष्यदृष्ट्या कस्य साधुत्वम्?

BHU Sh.ET–2013

(A) अयम् अञ्जलिः (B) अयं मित्रम्

(C) मधुरः पयः (D) अधिको वयः

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-कोशः - वामन शिवराम आप्टे, पेज–14*

82. किमशुद्धं वाक्यम्? BHU Sh.ET–2013

(A) विप्राय गां ददाति (B) मां रोचते फलम्

(C) मोक्षे इच्छास्ति (D) प्रजाभ्यः स्वस्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

83. 'विद्वानों को प्रणाम करता हूँ'– इत्यर्थे किं वाक्यं साधु– BHU Sh.ET–2013

(A) विद्वानान् नमामि (B) विदुषो नमामि

(C) विदुषान् नमामि (D) विद्वानेभ्यो नमामि

स्रोत–*(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–55*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–205

84. 'आपकी महिमा का वर्णन कर रहा हूँ'– इत्यस्य कः शुद्धोऽनुवादः? BHU Sh.ET–2013

(A) भवतां महिमायाः निरूपणं करोमि

(B) भवतां महिमां निरूपणं करोमि

(C) भवतां महिमस्य निरूपणं करोमि

(D) भवतां महिमानं निरूपयामि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

80. (D) 81. (A) 82. (B) 83. (B) 84. (D)
90. (C)

85. ''तेज तेज में शान्त होता है।'' – इत्यस्य शुद्धं संस्कृतानुवादं चिनुत– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014**

(A) तेजः तेजसि शाम्यति (B) तेजः तेजे शाम्यति

(C) तेजः तेजे शात्यति (D) तेजः तेजस्मिन् शान्त्यति

स्रोत–*उत्तररामचरितम् (5.7) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–348*

86. किं वाक्यं साधु? **BHU Sh.ET–2013**

(A) मया धनं दत्तवान् (B) अहं धनं दत्तम्

(C) अहं धनाय दत्तवान् (D) मया धनं दत्तम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64, 65*

87. 'कहाँ से गिर रहा है'– इत्यस्मिन्नर्थे किं वाक्यं साधु– **BHU Sh.ET–2013**

(A) कश्चित् पतति (B) कदाचित् पतति

(C) कुतः पतति (D) क्वचित् पतति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

88. 'विश्वस्मिन् विश्वे' इत्यस्य कोऽर्थः? **BHU Sh.ET–2013**

(A) प्रत्येक विश्व में (B) समस्त विश्व में

(C) विश्व के विश्व में (D) विश्व के अन्तर्गत विश्व में।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

89. 'चत्वारः कन्याः चत्वारः फलानि खादन्ति' इत्यस्य शुद्धवाक्यं भविष्यति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) चतस्रः कन्याः चत्वारः फलानि खादन्ति

(B) चतस्रः कन्याः चत्वारि फलानि खादन्ति

(C) चत्वारि कन्याः चत्वारि फलानि खादन्ति

(D) चत्वारः कन्याः चतस्रः फलानि खादन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–43*

90. 'राम मोहन से भोजन पकवाता है?' इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादः विद्यते– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) रामः मोहनः भोजनं पचति

(B) रामः मोहनं भोजनं पाचयति

(C) रामः मोहनेन भोजनं पाचयति

(D) रामः मोहनस्य भोजनं पक्ष्यति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–25*

85. (A) **86. (D)** **87. (C)** **88. (B)** **89. (B)**

91. 'मेरे घर के चारों ओर पर्वत हैं' इत्यस्य वाक्यस्य शुद्धानुवादः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) मम गृहस्य परितः पर्वताः सन्ति

(B) मम गृहात् परितः पर्वताः सन्ति

(C) मम गृहे पर्वतानि सन्ति

(D) मम गृहं परितः पर्वताः सन्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–186*

92. 'नमो भगवन्तं वासुदेवम्।' इत्यस्य वाक्यस्य शुद्धरूपम् अस्ति? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) नमो भगवति वासुदेवे (B) नमो भगवतां वासुदेवानाम्

(C) नमो भगवतैः वासुदेवैः (D) नमो भगवते वासुदेवाय

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

93. 'अध्ययन से हार मान रहा है'' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादः वर्तते? RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) अध्ययनेन पराजयते (B) अध्ययनात् पराजयते

(C) अध्ययने पराजयते (D) पराजयते अध्ययनम्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–60*

94. ''परमात्मा की इस महिमा को देखो'' संस्कृतभाषायां वाक्यस्य शुद्धानुवादः भविष्यति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) परमात्मस्य इमां महिमां पश्य

(B) परमात्मायाः इमां महिम्नः पश्य

(C) परमात्मनः इमं महिमानं पश्य

(D) परमात्मस्य इमं महिमनं पश्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

95. ''मानव पुण्य का फल चाहते हैं।'' अस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) मानवाः पुण्यं फलम् इच्छन्ति

(B) मानवाः पुण्यस्य फलम् इच्छन्ति

(C) मानवाः पुण्यफलम् ऐच्छन्ति

(D) मानवाः फलं पुण्यं इच्छन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–28, 29*

91. (D) 92. (D) 93. (B) 94. (C) 95. (B)
101. (A)

96. 'राम से धन स्वीकार करो' – इत्यस्य संस्कृतानुवादः अस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) रामेण धनं स्वीकरोतु (B) रामेण धनः स्वीकरोतु
(C) रामं धनेन स्वीकरोतु (D) रामात् धनं स्वीकरोतु

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119*

97. 'अहं विद्यालयं गच्छामि' इत्यस्य अनुवादं कुरुत– **BHU B.Ed–2012**

(A) वह विद्यालय जाता है। (B) वे विद्यालय जाते हैं।
(C) तुम विद्यालय जाते हो। (D) मैं विद्यालय जाता हूँ।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

98. ''नदी के दोनों ओर खेत हैं।'' इत्यस्य संस्कृतानुवादः अस्ति– **RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014**

(A) नद्याः द्विपर्यन्तं क्षेत्रमस्ति
(B) नदीम् अभितः क्षेत्राणि सन्ति
(C) नद्याः अभितः क्षेत्राणि सन्ति
(D) नद्याः अभितः क्षेत्रमस्ति

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10*
(ii) सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31

99. शुद्धं वाक्यं चिनुत– **BHU B.ed–2012**

(A) त्वं पुस्तकं पठति (B) अहं पुस्तकं पठ्यते
(C) अहं पुस्तकं पठामि (D) वयं पुस्तकं पठसि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

100. इनमें से शुद्ध रूप है– **UGC 25 D–1997**

(A) व्याकरणाय अधीती (B) व्याकरणेन अधीती
(C) व्याकरणे अधीती (D) व्याकरणस्य अधीती

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–216*

101. शुद्धं वाक्यं लिखत– **BHU B.Ed–2013**

(A) रामः बालकेन सह आगच्छति
(B) रामः बालकं सह आगच्छति
(C) रामः बालकाय सह आगच्छति
(D) रामः बालकस्य सह आगच्छति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

96. (D) 97. (D) 98. (B) 99. (C) 100. (C)

102. 'मह्यम् अध्ययनं रोचते' इति वाक्यस्य अनुवादं कुरुत–

BHU B.Ed–2013

(A) मुझे अध्ययन अच्छा लगता है

(B) अध्ययन में मेरी कोई रुचि नहीं है

(C) अध्ययन व्यर्थ है।

(D) अध्ययन की मुझे कोई आवश्यकता नहीं है।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

103. 'सः कुत्र गमिष्यति? इत्यस्य अनुवादं कुरुत–

BHU B.Ed–2014

(B) वह कहाँ जाता है? (B) वह कहाँ गया?

(C) वह कहाँ जाना चाहता है? (D) वह कहाँ जायेगा?

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–15*

104. 'पिता को नमस्कार' अस्य संस्कृतानुवादः भविष्यति–

MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) पित्रे नमः (B) पितुः नमः

(C) पितरम् नमः (D) पितरि नमः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–199*

105. शुद्धं वाक्यं चिनुत– MP वर्ग-I (PGT)–2012

(A) भूपतिः सिंहासने अध्यास्ते

(B) भूपतिः सिंहासनस्याध्यास्ते

(C) भूपतिः सिंहासनमध्यास्ते

(D) भूपतिः सिंहासनायाध्यास्ते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–183*

106. ''सबके सो जाने पर वह पढ़ता है''–अनुवादं करोतु–

MP वर्ग-I PGT–2012

(A) सर्वस्य शयानेषु सः पठति

(B) सर्वेषां शयानेषु सः पठति

(C) सर्वैः शयानेषु सः पठति

(D) सर्वेषु शयानेषु सः पठति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–220*

102. (A) 103. (D) 104. (A) 105. (C) 106. (D)
112. (D)

107. कौन-सा वाक्य शुद्ध है–
UP GIC–2009, UP GDC–2012

(A) रजकाय वस्त्रं ददाति (B) रजकं वस्त्रं ददाति
(C) रजके वस्त्रं ददाति (D) रजकस्य वस्त्रं ददाति

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–46*

108. 'पुत्र के साथ पिता आया' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादो वर्तते– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) पुत्रात् सह पिता आगच्छत्
(B) पुत्रे सह पिता आगच्छत्
(C) पुत्रेण सह पिता आगच्छत्
(D) आगच्छत् पुत्राय सह पिता

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

109. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है– UP GDC–2008

(A) देवदत्तः पादस्य खञ्जः (B) देवदत्तः पादात् खञ्जः
(C) देवदत्तः पादेन खञ्जः (D) देवदत्त पादे खञ्जः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–197*

110. 'प्रियं वदति' इस अर्थ में शुद्ध प्रयोग है–
UP GDC–2008

(A) प्रियंवदः (B) प्रियवाक्
(C) प्रियवद् (D) प्रियवचः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–314*

111. 'रावणस्य दश आननानि आसन्' इत्यस्य वाक्यस्य एकवचने रूपमस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) रावणस्य दशाननं रूपमस्ति
(B) रावणस्य दशाननम् आसीत्
(C) रावणस्य आननदश आसीत्
(D) रावणस्य आननानां दशकम् आसीत्

112. 'इस बालिका को पढ़ना अच्छा लगता है'– अस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवाद अस्ति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) इमां बालिकां पठनं रोचते
(B) अस्याः बालिकायाः पठनं रोचते
(C) एतां बालिकां पठनं रोचते
(D) अस्यै बालिकायै पठनं रोचते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

107. (D) **108. (C)** **109. (C)** **110. (A)** **111. (D)**

113. 'उसने दस दिन में आरोग्य प्राप्त किया'–उपर्युक्त वाक्यस्य संस्कृतानुवाद अस्ति?

RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) सः दशभिर्दिनैरारोग्यं लब्धवान्

(B) सः दशसु दिनेषु आरोग्यं प्राप्तवान्

(C) सः दशदिनात् आरोग्य प्राप्तवतः

(D) सः दशदिने आरोग्यं प्राप्नोति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.06) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196*

114. ''लतायाः पूर्वलूनायाः प्रसूनस्यागमः कुतः'' रेखाङ्किते शुद्धरूपं भवेत्– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2011

(A) लतां पूर्वलूनां (B) लतायै पूर्वलूनायै

(C) लताभ्यः पूर्वलूनाभ्यः (D) लतायाः पूर्वलूनायां

115. 'वृक्ष से पत्ते गिरते हैं' के लिए संस्कृत में चार वाक्य दिये गये हैं, सही वाक्य का चयन कीजिए–

UP PGT (H)–2013

(A) वृक्षस्य पत्राणि पतति (B) वृक्षेण पत्राणि पतति

(C) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति (D) वृक्षे पत्राणि पतति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–207*

116. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अशुद्ध है?

UP TET–2013, UP TGT (H)–2004

(A) पूज्य (B) पूजनीय

(C) पूज्यनीय (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*नालन्दा सामान्य हिन्दी - पृथ्वीनाथ पाण्डेय, पेज–413*

117. गलत वर्तनी वाला शब्द चुनिये? UP TET–2013

(A) पुंलिङ्गः (B) स्त्रीलिङ्गः

(C) नपुंसकलिङ्गः (D) उभयलिंगः

स्रोत–*शुद्धिकौमुदी - जनार्दन हेगडे, पेज–519*

118. कौन सा वाक्य शुद्ध है– UP TET –2013

(A) मम न रोचते मोदकम् (B) मां न रोचते मोदकम्

(C) मह्यं न रोचते मोदकम् (D) मत् न रोचते मोदकम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1-4-33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

113. (A) 114. (D) 115. (C) 116. (C) 117. (D)
123. (D) 124. (C)

119. निम्नाङ्कितेषु वाक्येषु शुद्धरूपं किम् अस्ति? **UK TET–2011**

(A) विद्यालयस्य परितः वृक्षाः सन्ति

(B) विद्यालयात् परितः वृक्षाः सन्ति

(C) विद्यालये परितः वृक्षाः सन्ति

(D) विद्यालयं परितः वृक्षाः सन्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–186*

120. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिये? **UP PCS–2013**

(A) अन्त्याक्षरी (B) पूज्यनीय

(C) तदोपरान्त (D) कवियित्री

स्रोत–*नालन्दा सामान्य हिन्दी - पृथ्वीनाथ पाण्डेय, पेज–400*

121. एतेषु इदं शुद्धरूपं भवति? **UGC 73 D–2014**

(A) सीता रामस्य सह वनं गतवती

(B) सीता रामेण सह वनं गतवती

(C) सीता रामात् सह वनं गतवती

(D) सीता रामं सह वनं गतवती

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

122. शुद्धं वाक्यं लिखत? **BHU B.Ed–2014**

(A) सः गृहं गच्छामि (B) सः पुस्तकं पठति

(C) त्वं किं करोति (D) अहं विद्यालयं गच्छति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–03*

123. 'वह दौड़ता तो है' संस्कृतेऽनूद्यताम् **DL–2015**

(A) सः धावन्नस्ति (B) सः धावकोऽस्ति

(C) धावता गच्छति सः (D) सः धावति तु

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोष (संस्कृतगङ्गा) - सर्वज्ञभूषणः, पेज–82*

124. 'काला घोड़ा झटपट भागा' संस्कृते भवति– **DL–2015**

(A) श्यामोऽश्वः शीघ्रत्वेनाऽधावत

(B) धावन्नस्ति श्यामोश्वः

(C) श्यामोऽश्वः झटित्यधावत्

(D) अधावदेवश्यामोऽश्वः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–522*

118. (C) 119. (D) 120. (A) 121. (B) 122. (B)

125. 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ' हिन्द्यामनूद्यते– DL–2015

(A) वाणी और अर्थ साथ रहते हैं।

(B) वाणी-अर्थ एक साथ हैं।

(C) वाणी-अर्थ एक ही हैं।

(D) वाणी और अर्थ के समान जुड़े हुये हैं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–891*

126. 'स जनास इन्द्रः' वाक्यस्य हिन्दी-भावान्तरणमस्ति– DL–2015

(A) वह जनवादी इन्द्र हैं। (B) जानते हो वह इन्द्र हैं?

(C) हे मानवों! वह इन्द्र हैं। (D) जन-जन में व्याप्त इन्द्र हैं।

स्रोत–*ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री/कृष्णकुमार, पेज–177*

127. 'स आगत्य अहं गमिष्यामि।' उपर्युक्त वाक्यस्य शुद्धवाक्यं स्यात् RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) तस्य आगतस्य अहं गमिष्यामि

(B) तस्य आगते अहं गमिष्यामि

(C) तस्मिन्नागते अहं गमिष्यामि

(D) तेन आगते अहं गमिष्यामि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–206*

128. 'सुबह पाँच बजे सूर्य उदित हुआ' – इत्यस्य वाक्यस्य शुद्ध अनुवादः अस्ति? BHU RET–2012

(A) प्राते पञ्चवादने सविता उदितः

(B) प्रातः पञ्चवादने सविता उदिता

(C) प्रातः पञ्चवादने सविता उदितः

(D) प्रातर्पञ्चवादने सविता उदिता

स्रोत–*बृहद्अनुवादचन्द्रिका - चक्रधर नौटिहाल, पेज–37*

129. ''कृष्ण राम से अधिक चतुर है।'' अस्य वाक्यस्य उचितः संस्कृतानुवाद अस्ति– RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) कृष्णः रामेण अधिकः चतुरः अस्ति।

(B) कृष्णः रामात् पटुतरः अस्ति।

(C) कृष्णः रामेण पटुः अस्ति।

(D) कृष्ण रामेण पटुतरः अस्ति।

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1133*

(ii) अष्टाध्यायी (5-3-57) - ईश्वरचन्द्र, पेज–616-617

125. (D) 126. (C) 127. (C) 128. (C) 129. (B)
135. (C)

130. अधोलिखितेषु शुद्धं वाक्यमस्ति? BHU RET–2012

(A) प्रयागम् अभितः नद्यौ वहतः

(B) प्रयागस्य अभितः नद्यो वहतः

(C) प्रयागेण अभितः नद्यौ वहतः

(D) प्रयागात् अभितः नद्यौ वहतः

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारक-प्रकरणम्)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31*

131. अधोनिर्दिष्टेषु वाक्येषु शुद्धं वाक्यमस्ति? BHU RET–2012

(A) महामनामालवीयः विश्वविद्यालयस्य स्थापना कृता

(B) महामनामालवीयेन विश्वविद्यालयस्य स्थापना कृता।

(C) महामनसा मालवीयमहोदयेन विश्वविद्यालयस्य स्थापना कृताः।

(D) महामनसैः मालवीयैः विश्वविद्यालयस्य स्थापना कृतैः।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

132. ''ताः क्रीडन्ति'' का हिन्दी में क्या अर्थ है? BHU RET–2012

(A) वह खेलता है। (B) वे दोनों खेलते हैं।

(C) वह खेलती है। (D) वे सब खेलती हैं।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–02*

133. निम्नोक्त-वाक्येषु शुद्धम् एकमस्ति– DL–2015

(A) शतरूप्यकाणि धारयामि

(B) शतं रूप्यकाणि धारयामि

(C) शतानि रूप्यकाणि धारयामि

(D) शतरूप्यकं धारयामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–48*

134. समुचितं क्रियापदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–
आवां गुरोः पाठं................। AWES TGT–2013

(A) पठितम् (B) पठितवन्तौ

(C) पठितवान् (D) पठितम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

135. अधोलिखितेषु किं वाक्यं शुद्धम्? JNU MET–2014

(A) सः प्रातः अजामः (B) पाण्डवाः राज्यं चकार

(C) गुरवः ज्ञानम् अददुः (D) त्वं तदा शेध्वे

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–300*

130. (A)	**131.** (B)	**132.** (D)	**133.** (B)	**134.** (B)

136. शुद्धं वाक्यं चिनुत **AWES TGT–2010**

(A) गोपालः जलेन मुखं प्रक्षालयति

(B) गोपालः जलमुखं प्रक्षालयति

(C) गोपालः जलतः मुखं प्रक्षालयति

(D) गोपालः जले मुखं प्रक्षालयति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–195*

137. अधोलिखितेषु शुद्धं रूपं चिनुत–

RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) इयं मम पाठ्यपुस्तकमस्ति

(B) इदं मम पाठ्यपुस्तकमस्ति

(C) अयं मम पाठ्यपुस्तकमस्ति

(D) इमं मम पाठ्यपुस्तकमस्ति

138. निम्नलिखित में कौन शब्द शुद्ध है? UP TGT–2013

(A) अक्षतः (B) दाराः

(C) लाजः (D) वर्षा

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

139. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

UP TGT–2013

(A) शतस्त्रिय पठन्ति (B) शताः स्त्रीणां कियन्मूल्यम्

(C) विंशतिः फलानि सन्ति (D) त्रिंशताः बालिका पठन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

140. निम्न लौकिकप्रयोगों में कौन अशुद्ध है?

UP TGT–2013

(A) सत्यमेव जयते (B) धर्मः जयति सदा

(C) न्यायो जयति सर्वत्र (D) सत्यं जयति सर्वत्र

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3-1-19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–86*

141. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध क्या है? UP TGT–2013

(A) रामेण भार्या त्यज्यते (B) रामेण भार्यां त्यजति

(C) रामः भार्या त्यजति (D) रामेण भार्या त्याजायति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

136. (A) 137. (B) 138. (B) 139. (C) 140. (A)
146. (D) 147. (C) 148. (A)

142. निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाक्य शुद्ध है? UP TGT–2013

(A) रामः पठति (B) रामेण पठ्यते
(C) रामः पाठयति (D) सभी शुद्ध हैं

143. 'गच्छन्तं बालकं पश्य' इत्यस्य वाक्यस्य स्त्रीलिङ्गे शुद्धं रूपं किम्? RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) गच्छन्तीं बालिकां पश्य
(B) गच्छती बालिकां पश्य
(C) गच्छति बालिका पश्य
(D) गच्छतिं बालिकां पश्य

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

144. अशुद्ध वाक्य बताइये? UP TGT–2013

(A) कति बालिकाः? (A) कति जनाः पठन्ति?
(C) कतयः मुनयः जपन्ति? (D) कति फलानि सन्ति?

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

145. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य क्या है? UP TGT–2013

(A) हरिः वैकुण्ठम् उपवसति (B) हरिः वैकुण्ठम् अनुवसति
(C) हरिः वैकुण्ठे वसति (D) उपर्युक्त सभी शुद्ध हैं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–184*

146. शुद्ध वाक्य बताइये? UP TGT–2013

(A) वर्षायां न गन्तव्यः (B) वर्षायां न गन्तव्यम्
(C) वर्षायां न गमनीयम् (D) वर्षासु न गन्तव्यम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

147. अशुद्ध वाक्य बतलाइये? UP PGT–2013

(A) रमेशः पठितवान् (B) राधा अहं च पठावः
(C) रामश्च अहं च त्वं च पठसि (D) मीना नृत्यञ्चकार

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–102*

148. कौन-सा शब्द संस्कृत में अशुद्ध है? UP PGT–2013

(A) मयंकः (B) कलङ्कः
(C) भुजङ्गः (D) शशाङ्कः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1099*

141. (A) 142. (D) 143. (A) 144. (C) 145. (D)

149. कौन सा वाक्य अशुद्ध है? UP PGT–2013

(A) राधा कृष्णेन सह वनं जगाम।

(B) सुधा रामायणं पठितवती

(C) पिता पुत्रं प्रश्नं पृच्छति

(D) शोभा मोहनेन जलं याचयामास

150. 'आभा पुष्पं जिघ्रति' का हिन्दी अनुवाद होगा? UP PGT–2013

(A) आभा फूल खाती है।

(B) आभा फूल से नफरत करती है।

(C) आभा पुष्प पसन्द करती है।

(D) आभा फूल सूँघती है।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–7*

151. इनमें से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन है? UP TGT (H)–2001, 2003

(A) आर्शीवाद (B) असीर्वाद

(C) आशीर्वाद (D) असीरवाद

स्रोत–*नालन्दा सामान्य हिन्दी - पृथ्वीनाथ पाण्डेय, पेज–409*

152. (i) किं रूपं शुद्धम्?

(ii) इनमें से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है?

UP TGT (H)–2005, AWES TGT–2009, 2012

(A) उज्जवल (B) उज्ज्वल

(C) उज्वल (D) उजवल

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–216*

153. 'आलौकिक' का शुद्ध शब्द है? UP TGT (H)–2009

(A) अलौकक (B) अलोकिक

(C) अलौकिक (D) आलोकुक

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–890*

154. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिये? UP TGT (H)–2009

(A) कवियित्री (B) कवित्री

(C) कवियत्री (D) कवयित्री

स्रोत–*नालन्दा सामान्य हिन्दी - पृथ्वीनाथ पाण्डेय, पेज–401*

149. (D) 150. (D) 151. (C) 152. (B) 153. (C)
159. (B)

155. 'मार्ग के दोनों तरफ वृक्ष हैं'–का अनुवाद संस्कृत में है?

UP TGT (H)–2009

(A) मार्गम् उभयतः वृक्षाः सन्ति

(B) मार्गस्य उभयतः वृक्षाः सन्ति

(C) मार्गे उभयतः वृक्षाः सन्ति

(D) मार्गे वृक्षाः सन्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–185*

156. 'राम दशरथ के पुत्र थे' का संस्कृत मूल है?

UP TGT (H)–2010

(A) रामः दशरथस्य पुत्रः आसीत्।

(B) रामः दशरथस्य पुत्र अस्मि।

(C) दशरथः रामस्य जनकः आसीत्।

(D) रामस्य दशरथः जनक आसन्।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.50) ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

157. 'ज्ञानिभिः सार्धं कदापि न द्रुह्यते'–का अनुवाद है?

UP TGT (H)–2010

(A) ज्ञानी के साथ बैर अच्छा नहीं होता है।

(B) ज्ञानियों के साथ बैर नहीं करना चाहिए।

(C) ज्ञानी के साथ कभी भी बैर नहीं करना चाहिए।

(D) ज्ञानीजनों के साथ बैर अनुचित है।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–200*

158. शुद्धं वाक्यं वर्तते? RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) रामः दुष्टं क्रुध्यति (B) रामः दुष्टाय क्रुध्यति

(C) रामः दुष्टौ क्रुध्यति (D) रामः दुष्टात् क्रुध्यति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

159. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द है?

UP PGT (H)–2002

(A) जीजीविषा (B) जिजीविषा

(C) जीजिविषा (D) जिजिविषा

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोष (संस्कृतगङ्गा) - सर्वज्ञभूषणः, पेज–170*

154. (D) 155. (A) 156. (A) 157. (C) 158. (B)

160. 'गाँव के चारों ओर जल है' कौन-सा संस्कृत अनुवाद सही है? UP PGT (H)–2005

(A) ग्रामं परितः जलम् अस्ति

(B) ग्रामस्य परितः जलम् अस्ति

(C) ग्रामस्य चहुँदिशासु जलम् अस्ति

(D) ग्रामस्य सर्वतः जलम् अस्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–186*

161. 'अन्धौ मधुरं गायतः' अस्य आक्षरिकानुवादः– BHU Sh.ET–2008

(A) अन्धा सुमधुर गान करता है।

(B) दो अन्धे मधुरगान करते हैं।

(C) सब अन्धे गायक हैं।

(D) अन्धा गान करता था।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09*

162. 'पापात् जुगुप्सते' इत्यस्य कोऽनुवादः? BHU Sh.ET–2008

(A) पाप से डरता है। (B) पाप करने को चाहता है

(C) पाप से घृणा करता है (D) पाप से मुक्त है।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–208*

163. 'धर्मनिरपेक्षता भारत का मन्त्र है'–इत्यस्य कोऽनुवादः– BHU Sh.ET–2011

(A) धर्मरक्षा भारतम्

(B) धर्मनिरपेक्षता भारतस्य मन्त्रः

(C) धर्मनिरपेक्षता निमित्तं भारतम्

(D) धर्मनिरपेक्षता भारतगौरवम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–29*

164. 'हिमालय से बहती हुई गङ्गा पवित्र है'–इत्यस्य कोऽनुवादः ग्राह्यः– BHU Sh.ET–2011

(A) हिमालयेभ्यः प्रवाहिता गङ्गा पवित्रा

(B) हिमालयस्य प्रवहन्तो गङ्गा पवित्रा

(C) हिमालयात् प्रवहन्ती गङ्गा पवित्रा

(D) हिमालयतः प्रवाहितः गङ्गा पवित्रा

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.31)- ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

160. (A) 161. (B) 162. (C) 163. (B) 164. (C)
170. (D)

165. 'अहं पुस्तकं पठामि'–इत्यस्य अनुवादं कुरुत।
BHU B.Ed–2015

(A) हम सब पुस्तक पढ़ते हैं। (B) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।
(C) हम दोनों पुस्तक पढ़ते हैं। (D) वह पुस्तक पढ़ता है।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–7*

166. 'गुरु को नमस्कार है'– का संस्कृत अनुवाद है–
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) गुरवे नमः (B) गुरोः नमः
(C) गुरौ नमः (D) गुरुः नमः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–204*

167. वह अध्यापक से संस्कृत पढ़ता है?
RPSC ग्रेड-III–2013

(A) सः अध्यापके संस्कृतं पठति
(B) सः अध्यापकात् संस्कृतं पठति
(C) सः अध्यापकस्य संस्कृतं पठति
(D) सः अध्यापकः संस्कृतं पठति

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–209*
(ii) अष्टाध्यायी (1.1.29)- ईश्वरचन्द्र, पेज–121

168. शुद्ध-वाक्यम् अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अहं प्रासादात् पतामि (B) अहं प्रासादस्य पतामि
(C) अहं प्रासादेन पतामि (D) अहं प्रासादाय पतामि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–207*

169. शुद्धं वाक्यं लिखत– BHU B.Ed–2015

(A) सः गृहं गम्यते (B) त्वं पुस्तकं पठसि
(C) ते वनं गच्छति (D) अहं जलं पिबामः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–05*

170. 'गङ्गा हिमालय से निकलती है' के लिए संस्कृत में चार वाक्य दिये गये है, सही वाक्य का चयन कीजिए–
UP PGT (H)–2013

(A) गङ्गा हिमालयोः प्रभवति (B) गङ्गा हिमालयं प्रभवति
(C) गङ्गा हिमालयेण प्रभवति (D) गङ्गा हिमालयात् प्रभवति

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–210*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.31) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121

165. (B) 166. (A) 167. (B) 168. (A) 169. (B)

171. 'त्वया वचांसि श्रोतव्यम्।' रेखाङ्कित शुद्धपदं स्यात्–
RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) श्रोतव्यानि (B) श्रोतव्यौ

(C) श्रोतव्ये (D) श्रोतव्यः

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–78-225*

(ii) अष्टाध्यायी (3.4.70) - ईश्वरचन्द्र, पेज–407

172. किं रूपं शुद्धम्? AWES TGT–2012

(A) आछिनति (B) आचछिनत्ति

(C) अचछिञनति (D) आछिनत्ति

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–478*

173. किं रूपं शुद्धम्? AWES TGT–2012

(A) मणिराकाशः (B) मणिआकाशः

(C) मणयाकाशः (D) मण्याराकाशः

स्रोत–*शिवराजविजय - रमाशङ्कर मिश्र, पेज–03*

174. किं रूपं शुद्धम्? AWES TGT–2012

(A) सत्व्यावहरतव्यम् (B) सद्व्यहर्तव्यम्

(C) सदव्यावहारतव्यम् (D) सद्व्यवहर्तव्यम्

175. किं रूपं शुद्धम्? AWES TGT–2008, 2012

(A) परामर्शेन (B) परामर्शेण

(C) परामृर्शेन (D) परामर्शेण्

176. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2010

(A) अहम् एकं कन्यां पश्यामि

(B) अहम् एकां कन्यां पश्यामि

(C) अहम् एका कन्यां पश्यामि

(D) अहम् एकः कन्यां पश्यामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–37*

177. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2010

(A) उपमा कालिदासः भारविर्थगौरवम्

(B) उपमा कालिदासस्य भारवेरर्थगौरवम्

(C) उपमा कालिदासेन भारवेर्थगौरवम्

(D) उपमा कालिदासाय भारवेर्थगौरवम्

स्रोत–*किरातार्जुनीयम् - रामसेवक दुबे, पेज–25*

171. (A) 172. (D) 173. (A) 174. (D) 175. (B)
181. (D) 182. (A)

178. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2010

(A) दशरथस्य चत्वारि पुत्रः आसन्

(B) दशरथस्य चतस्रः पुत्राः आसन्।

(C) दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन्

(D) दशरथस्य चत्वाराः पुत्राः आसन्।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–43*

179. 'स्नानस्य पूर्वं न भुञ्जीत् न धावेत् भोजनस्य परम्' रेखाङ्कितयोः शुद्धपदे भविष्यतः– RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) स्नानेन, भोजनेन (B) स्नाने, भोजने

(C) स्नानात्, भोजनात् (D) स्नानाय, भोजनाय

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (2.3.29) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24

180. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2010

(A) बलरामः परशुरामः रामचन्द्रः इति त्रयः रामाः

(B) बलरामः परशुरामः रामचन्द्रः इति तिक् रामाः।

(C) बलरामः परशुरामः रामचन्द्रः इति त्रीणि रामः।

(D) बलरामः परशुरामः रामचन्द्रः इति त्रिभिः रामाः।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–41*

181. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2010

(A) मम च रोचते ते वाक्यम्

(B) मया न रोचते ते वाक्यम्

(C) मां न रोचते ते वाक्यम्

(D) मह्यं न रोचते ते वाक्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

182. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2010

(A) साधून् पश्यामि

(B) अहं साधूः पश्यामि

(C) अहं साधूनां पश्यामि

(D) अहं साधौ पश्यामि।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–07*

176. (B) 177. (B) 178. (C) 179. (C) 180. (A)

183. 'महद्राजा अद्यैव गतः।' इत्यस्य शुद्धवाक्यं स्यात्–
RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) महद्राजन् अद्यैव गतः (B) महाराजः अद्यैव गतः
(C) महाराजा अद्यैव गतः (D) महद्राज्ञा अद्यैव गताः

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (6.3.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–760*
(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–62

184. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय–　　　　AWES TGT–2010

(A) वनस्य सर्वे पशवः अगच्छन्
(B) वनस्य सर्वाणि पशवाः अगच्छन्
(C) वनस्य सर्वाः पशवः अगच्छन्
(D) वनस्य सर्वपशवः अगच्छन्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.50) - ईश्वरचन्द्र, पेज–210*

185. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय–　　　　AWES TGT–2010

(A) दुग्धेन नवीनतम् उत्पद्यते (B) दुग्धस्य नवीनतम् उत्पद्यते
(C) दुग्धे नवनीतम् उत्पद्यते (D) दुग्धात् नवनीतम् उत्पद्यते

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.28) - ईश्वरचन्द्र, पेज–203*

186. किं रूपं शुद्धम्?　　　　AWES TGT–2009

(A) पतन्जलिः　　　(B) पतंजलिः
(C) पतञ्जली　　　(D) पतञ्जलिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–1), पेज–73*

187. किं रूपं शुद्धम्?　　　　AWES TGT–2009

(A) क्रन्दिष्यति　　　(B) क्रन्दिष्यते
(C) कृन्दिष्यति　　　(D) कर्न्दिष्यति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–191*

188. किं रूपं शुद्धम्–　　　　AWES TGT–2009

(A) कुमकुमम्　　　(B) कुकमम्
(C) कुङ्कुमम्　　　(D) कुम्कुमम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.57) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1099*

189. किं रूपं शुद्धम्–　　　　AWES TGT–2009

(A) पारलौकिकं सुखम्　　(B) परलौकिकं सुखम्
(C) प्रलौकिकं सुखम्　　(D) परालौकिकं सुखम्

183. (B)　184. (A)　185. (D)　186. (D)　187. (A)
193. (D)　194. (B)　195. (A)

190. किं रूपं शुद्धम्– AWES TGT–2009

(A) वल्मीकीयं रामायणम् (B) वाल्मीकियं रामायणम्

(C) वाल्मिकीयं रामायणम् (D) वाल्मीकीयं रामायणम्

191. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2009

(A) अहं विद्यां पठितम् (B) मया विद्या पठिता

(C) मया विद्यां पठिता (D) अहं विद्या पठितम्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–63*

192. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2009

(A) साधवः दीनं प्रति दयां कुर्वन्ति

(B) साधवः दीनेभ्यः प्रति दयाकुर्वन्ति

(C) साधवः दीनं प्रति दयां कुर्वति

(D) साधवः दीनानां प्रति दया कुर्वन्ति।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–186*

193. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2009

(A) समुद्रात् सुधां मन्थति (B) सुधां समुद्रात् मथ्नाति

(C) समुद्रात् सुधां मथ्नाति (D) सुधां समुद्रं मथ्नाति

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–182*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.51) - ईश्वरचन्द्र, पेज–128

194. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2009

(A) द्वारपालः स्वनियोगे अधितिष्ठति

(B) द्वारपालः स्वनियोगमधितिष्ठति

(C) द्वारपालः स्वनियोगमधितिष्ठते

(D) द्वारपालः स्वनियोगः अधितिष्ठति।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–126*

195. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2009

(A) हंसः वियति उड्डीयते

(B) हंसः वियते उड्डीयते

(C) हंसः वियत उड्डीयते

(D) हंसः वियतम् उड्डीयते

188. (C) 189. (A) 190. (D) 191. (B) 192. (A)

196. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2009**

(A) उत्कोचं तं देहि तेन तव कार्यं सेत्स्यति

(B) उत्कोचः तस्मै तेहि तेन तव कार्यं सेत्स्यति।

(C) उत्कोच तस्मै देहि तेन तव कार्यं सेत्स्यति

(D) उत्कोचं तस्मै दास्यति तेन तव कार्यं सेत्स्यति।

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–122*

197. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2009**

(A) हस्तलिपिः स्पष्टा शुद्धा च कुरु

(B) हस्तलिपिं स्पष्टं शुद्धं च कुरु

(C) हस्तलिपिं स्पष्टां शुद्धां च कुरु

(D) हस्तलिपिः स्पष्टां शुद्धां च कुरु।

198. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2009**

(A) न हि सत्येन विरमत्ति बुधाः

(B) न हि सत्यात् विरमन्ति बुधाः

(C) न हि सत्यस्य विरमति बुधाः

(D) न हि सत्ये विरमति बुधाः।

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–207*

199. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2009**

(A) भगवन्! चन्द्रशेखर! मया पाहि

(B) भगवन्! चन्द्रशेखरः! मां पाहि

(C) भगवान्! चन्द्रशेखरः! मह्यं पाहि

(D) भगवन्! चन्द्रशेखर! मां पाहि।

स्रोत–*धातुरूपकौमुदी - राजेश्वर शास्त्री/मुसलगाँवकर, पेज–235*

200. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2009**

(A) अहं स्वाभ्युदयाय लक्ष्मीनारायणौ वन्दे

(B) अहं स्वाभ्युदयाय लक्ष्मीनारायणं वन्दे

(C) अहं स्वाभ्युदयाय लक्ष्मीनारायणेभ्यः वन्दे

(D) अहं स्वाभ्युदयाय लक्ष्मीनारायणोः वन्दे।

201. किं रूपं शुद्धम्? **AWES TGT–2008**

(A) किंकरः (B) किङ्करः

(C) किन्करः (D) किन्कर:

स्रोत–*अष्टाध्यायी (8.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1099*

196. (D) 197. (C) 198. (B) 199. (D) 200. (A)
206. (D) 207. (C) 208. (A)

202. किं रूपं शुद्धम्? AWES TGT–2008

(A) राज्ञां पूजितः (B) राजपूजितः

(C) राजपूजितम् (D) राजपूजिता

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–228*

(ii) अष्टाध्यायी (2.3.67) - ईश्वरचन्द्र, पेज–216

203. किं रूपं शुद्धम्– AWES TGT–2008

(A) सोदरी (B) सहोदरी

(C) सहोदरि (D) सहोदरा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–6), पेज–111*

204. किं रूपं शुद्धम्– AWES TGT–2008

(A) आर्षिः भणितिः (B) आर्षा भणितिः

(C) आर्षी भणितिः (D) आर्षम्भणितिः

205. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2008

(A) किमिति वृथा प्रकुप्यसि गुरौ

(B) किमिति वृथा प्रकुप्यसि गुरवे

(C) किमिति वृथा प्रकुप्यसि गुरुषु

(D) किमिति वृथा प्रकुप्यसि गुरूणाम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124*

206. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2008

(A) नास्ति मे मरणस्य भयम् (B) नास्ति मे मरणस्य भयः

(C) मे मरणाद्भयः नास्ति (D) मरणाद्भयं मे नास्ति

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–120*

207. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2008

(A) सूर्यस्य तेजेन भूमण्डलं तप्तम्

(B) सूर्यस्य तेजत्वेन भूमण्डलं तप्तम्

(C) सूर्यस्य तेजसा भूमण्डलं तप्तम्

(D) सूर्यस्य तेजेन भूमण्डलः तप्तः।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

208. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2008

(A) कदापि मृषा मा वदेत् (B) कदापि मृषां मा वदेत्

(C) कदापि मृषाः मा वदेत् (D) कदापि मृषः मा वदेत्

201. (B)	202. (A)	203. (D)	204. (C)	205. (B)

209. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2008**

(A) मम न रोचते ते वाक्यम्

(B) मे न रोचते ते वाक्यम्

(C) माम् न रोचते ते वाक्यम्

(D) मया न रोचते ते वाक्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज–123*

210. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2008**

(A) कृष्णस्य सर्वतः गोपाः (B) कृष्णं सर्वतः गोपाः

(C) कृष्णस्य सर्वतः गोपान् (D) कृष्णं सर्वतः गोपान्

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–30*

211. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2008**

(A) द्वादशसु दिनेषु नीरोगः जातः।

(B) द्वादशादिनेषु नीरोगः जातः।

(C) द्वादशभिः दिनैः नीरोगः जातः।

(D) द्वादशान् दिनान् नीरोगः जातः।

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (2.3.6) - ईश्वरचन्द्र, पेज–196*

(ii) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–196

212. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2008**

(A) आर्तत्राणं वः शस्त्रम्

(B) आर्तत्राणेन वः शस्त्रम्

(C) आर्तत्राणानां वः शस्त्रम्

(D) आर्तत्राणाय वः शस्त्रम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–203*

213. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– **AWES TGT–2008**

(A) पुत्र लोकव्यवहारेषु अनभिज्ञोऽसि

(B) पुत्रः लोकव्यवहारम् अनभिज्ञोऽसि

(C) पुत्र लोकव्यवहारेऽनभिज्ञोऽसि

(D) पुत्र लोकव्यहाराणाम् अनभिज्ञोऽसि

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–217*

(ii) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–34

209. (B) 210. (B) 211. (C) 212. (D) 213. (A)

214. शुद्धं वाक्यं प्रदर्शय– AWES TGT–2008

(A) केन हेतुना अत्र वससि?

(B) कस्य हेतुना अत्र वससि?

(C) क हेतुना अत्र वससि?

(D) कस्य हेतुः अत्र वससि?

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–222*

215. शुद्धं रूपं प्रदर्शय– AWES TGT–2012

(A) हिमालयेन गङ्गा निगच्छति

(C) हिमालयः गङ्गया निर्गच्छति

(C) हिमालयात् गङ्गा निर्गच्छति

(D) हिमालये गङ्गा निर्गच्छति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–210*

216. शुद्ध वर्तनी की दृष्टि से 'अनयोः आश्रितः' का सही विकल्प क्या है? BHU B.Ed–2015

(A) अनयोनाश्रितः

(B) अन्योआश्रितः

(C) अन्योन्याश्रितः

(D) अन्यनाश्रितः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.31) - ईश्वरचन्द्र, पेज–121*

217. अहं त्वं च विद्यालयं– CVVET–2015

(A) गच्छामि (B) गच्छसि

(C) गच्छथः (D) गच्छावः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–102*

218. रामः ग्रन्थौ– CVVET–2015

(A) पठति (B) पठतः

(C) पठ्यते (D) पठ्येते

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–02*

214. (A) 215. (C) 216. (C) 217. (D) 218. (A)

10. उपसर्ग

1. उपसर्ग क्या है? **UP PGT–2004**
   (A) प्रत्यय (B) शब्द
   (C) कृदन्त (D) अव्यय

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–518*

2. उपसर्ग धातु के साथ कहाँ आता है? **UP TGT–2004, UP TET–2014**
   (A) पहले (B) पीछे
   (C) आगे-पीछे (D) लग नहीं सकता

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–518*

3. आदि में जुड़ने वाले तथा अर्थपरिवर्तन करने वाले शब्दांश को कहते हैं? **UP TET–2016**
   (A) परसर्ग (B) प्रत्यय
   (C) विसर्ग (D) उपसर्ग

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–518*

4. यदि 'उपसर्ग' क्रिया से युक्त हो तो उसे कहेंगे? **UP TGT–2004**
   (A) संज्ञा (B) परिभाषा
   (C) गति (D) अधिकार

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–193*

5. उपसर्गप्रयोगेण धात्वर्थस्य भवति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**
   (A) परिवर्तनम् (B) टिप्पणीकरणम्
   (C) नाशः (D) अधःकरणम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–518*

6. उपसर्गयुक्तपदमस्ति– **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010**
   (A) करोति (B) निरस्यति
   (C) हसति (D) अस्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–519-520*

1. (D) **2. (A)** **3. (D)** **4. (C)** **5. (A)**
11. (A) **12. (B)** **13. (C)**

और अव्यय

7. उपसर्गरहितपदमस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010
(A) अन्वेषणात्　(B) आलोचनम्
(C) निपातेन　(D) पतितः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–3)-भीमसेन शास्त्री, पेज–107

8. 'आनयति' पद में उपसर्ग है? RPSC ग्रेड-III–2013
(A) आङ्　(B) आन्
(C) आम्　(D) अनु

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519

9. 'निर्मक्षिकम्' पद में उपसर्ग है? RPSC ग्रेड-III–2013
(A) निर्म　(B) निर्
(C) निश्　(D) निरम्

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519

10. 'अनुगृहीत' पद में उपसर्ग है? RPSC ग्रेड-III–2013
(A) अ　(B) अनु
(C) आङ्　(D) अन्

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519

11. 'अध्यास्ते' पद में उपसर्ग है? RPSC ग्रेड-III–2013
(A) अधि　(B) अध्
(C) अध्य्　(D) अध्याः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519

12. उपसर्ग में सम्मिलित नहीं है?
RPSC ग्रेड-III (PGT)–2013
(A) अभि　(B) भव
(C) परि　(D) अनु

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–58

13. 'स्वागतम्' शब्द में उपसर्ग है?
RPSC ग्रेड-III (PGT)–2013
(A) स्व　(B) अ
(C) सु　(D) अप्

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519

6. (B)	7. (D)	8. (A)	9. (B)	10. (B)

14. 'प्राचार्य' शब्द में 'प्र' उपसर्ग का अर्थ है–
RPSC ग्रेड-III (PGT)–2013
(A) प्रगत (B) अपकर्ष
(C) प्रस्थित (D) पूर्व

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–252*

15. 'पर्याय' पद में उपसर्ग है? RPSC ग्रेड-I (PGT)–2013
(A) परि (B) परी
(C) परा (D) प्र

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519*

16. 'संस्कारः' पद में उपसर्ग है?
UP PGT (H)–2005, RPSC ग्रेड-III–2013
(A) सस् (B) संस्
(C) संश् (D) सम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–520*

17. 'संस्कृतम्' शब्द में निम्नाङ्कित में से कौन-सा उपसर्ग है? UP TET–2016
(A) समु (B) सम्
(C) स (D) सम

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–520*

18. प्रादि की उपसर्गसंज्ञा होती है? RPSC ग्रेड-III – 2013
(A) कारक का योग होने पर (B) क्रिया योग होने पर
(C) प्रातिपदिक होने पर (D) पद योग होने पर

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–58*

19. 'अन्वर्थक' शब्द में उपसर्ग है– RPSC ग्रेड-III –2013
(A) अन् (B) अनि
(C) अनु (D) अनू

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519*

20. यह एक उपसर्ग है– BHU MET–2010
(A) रामः (B) गम्
(C) पठ् (D) निर्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–58*

14. (A)	**15.** (A)	**16.** (D)	**17.** (B)	**18.** (B)
24. (D)	**25.** (B)	**26.** (C)	**27.** (A)	

21. 'अधीत्य' इति पदे कः उपसर्गः? **C-TET–2012**

(A) य (B) ई

(C) अधि (D) ल्यप्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–207*

22. **उपसर्गसंज्ञा किसकी होती है? BHU MET–2008**

(A) प्रादि की (B) सुप् की

(C) तिङ् की (D) हल् की

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–58*

23. **निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द उपसर्गयुक्त नहीं है– UP TET–2014**

(A) विहार (B) विटप

(C) विदेश (D) वियोग

स्रोत–*संस्कृत हिन्दी कोश - वामन शिवराम आप्टे, पेज–932*

24. **'निर्गता' इत्यत्र कः उपसर्गः? REET–2016**

(A) निः (B) निस्

(C) नि (D) निर्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–520*

25. **(i) कति उपसर्गाः सन्ति– BHUAET–2012**

(ii) उपसर्गाः कियन्तः? JNU MET–2014

(iii) उपसर्गों की संख्या कितनी है? UGC 73 D–2014

BHU MET–2008, UP TET–2014, 2016

(A) विंशतिः (20) (B) द्वाविंशतिः (22)

(C) एकादश (21) (D) दश (10)

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–58*

26. **उपमार्थकनिपातः कतिविधः? HE–2015**

(A) द्वितीयः (B) त्रिविधः

(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–*हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज–34*

27. **कस्य नैरुक्ताचार्यस्य मते उपसर्गाः वाचकः न, अपितु द्योतकाः भवन्ति? HE–2015**

(A) शाकटायनस्य (B) औदुम्बरायणस्य

(C) शाकपूणेः (D) दुर्गाचार्यस्य

स्रोत–*निरुक्त (प्रथम अध्याय) - छज्जूराम शास्त्री, पेज–11*

19. (C) 20. (D) 21. (C) 22. (A) 23. (B)

28. संस्कृते उपसर्गत्वेन न गण्यते– DL–2015

(A) परा (B) सम्

(C) निस् (D) यत्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519*

29. प्रपठ्यते पदे 'प्र' इत्युपसर्गयोगाद्विशेषः ज्ञायते– DL–2015

(A) प्रकर्षः (B) प्रकाशः

(C) प्रमाणम् (D) प्रमेयम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–520*

30. किस शब्द में 'आ' उपसर्ग नही है? UP TGT (H)–2015

(A) आजन्म (B) आगमन

(C) आकर्षक (D) आदरणीया

31. 'उपसर्ग' से सम्बन्धित सूत्र है– UP PGT (H)–2005

(A) प्रादयः (B) परश्च

(C) गतिश्च (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.58) - ईश्वरचन्द्र, पेज–132*

32. 'सम्' उपसर्ग से निष्पन्न शब्द कौन-सा है? UP PGT (H)–2009

(A) संस्कार (B) सामना

(C) समझौता (D) स्वयं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–520*

33. उच्चारण शब्द में उपसर्ग है– UP PGT (H)–2010

(A) उ (B) उच्

(C) उत् (D) उच्च

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–519*

34. स्वरादिनिपातम् किम्? RPSC ग्रेड-II (TGT)–2010

(A) सन्धिः (B) धातुः

(C) अव्ययम् (D) कारकम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–23*

35. 'उच्चैः' का स्वरूप क्या है? UP TGT–2004

(A) अव्यय (B) प्रत्यय

(C) उपसर्ग (D) सर्वनाम

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–517

28. (D)	**29.** (A)	**30.** (D)	**31.** (A)	**32.** (A)
38. (A)	**39.** (D)	**40.** (A)	**41.** (A)	

36. 'चिरम्' अव्ययस्य अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) दीर्घकालम् (B) अल्पकालम्

(C) निश्चितकालपर्यन्तम् (D) शीघ्रम्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1) - भीमसेन शास्त्री, पेज–519

37. **ननु एवं कथमुच्यते इत्यत्र 'ननु' अव्ययस्य अर्थः अस्ति–**

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अनुनयः (B) शङ्का

(C) वार्ता (D) नियमः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–556*

38. 'न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्' अत्र 'खलु' अव्ययेन सूच्यते– **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) अनुनयः (B) जिज्ञासा

(C) निश्चयः (D) नियमः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–543*

39. 'इदानीं रमेशः प्रातः उच्चैः पठति' इत्यस्मिन् वाक्ये कति अव्ययानि सन्ति? **RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014**

(A) 5 (B) 4

(C) 2 (D) 3

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्याखण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–517, 516, 569

40. ''सः शनैः चरति'' इत्यत्र अव्ययस्य अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) मन्दगत्या (B) लघुगत्या

(C) दीर्घगत्या (D) तीव्रगत्या

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–517*

41. 'सः शनैः शनैः चरति।' इत्यत्र 'शनैः' अव्ययस्य उचितमर्थं स्यात्? **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) मन्दगत्या (B) तीव्रगत्या

(C) मन्दस्वरेण (D) मन्दरीत्या

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–517*

33. (C) **34.** (C) **35.** (A) **36.** (A) **37.** (B)

42. ''विद्वांसं किल आश्रयेयुः'' इत्यत्र 'किल' अव्ययस्य अर्थः अस्ति–　　RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) विद्याप्रकर्षः　　(B) वार्ता

(C) अनुनयः　　(D) सामान्यरूपेण निश्चयार्थे

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–544*

43. 'धिक्' इति अव्ययस्य अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) भर्त्सनम्　　(B) शङ्का

(C) निषेधः　　(D) अल्पम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–530*

44. 'नमः' इति अव्ययस्य योगे विभक्तिः प्रयुज्यते–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) द्वितीया　　(B) चतुर्थी

(C) सप्तमी　　(D) प्रथमा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–529*

45. भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः? अस्मिन् वाक्ये 'पुनः' अव्ययस्य अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) निषेधः　　(B) जिज्ञासा

(C) वाक्यालङ्कारः　　(D) पुनरावृत्तिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–516*

46. 'अलं मल्लो मल्लाय' में अव्यय है–

RPSC ग्रेड-III –2013

(A) मल्लाय　　(B) अलम्

(C) मल्लो　　(D) अलंमल्लो

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–526*

47. निम्नाङ्कित में 'अव्यय' है–　　RPSC ग्रेड-III –2013

(A) तरप्　　(B) तमप्

(C) अधुना　　(D) अनीयर्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–569*

42. (D)	**43. (A)**	**44. (B)**	**45. (D)**	**46. (B)**
52. (D)	**53. (A)**	**54. (D)**		

48. किञ्चात्र मध्यार्थकम् अव्ययपदम्? **BHU Sh.ET–2008**

(A) यथा (B) अन्तरा

(C) प्रति (D) विना

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–523*

49. 'क्षिप्रम्' क्या है– **BHU MET–2010**

(A) अव्यय (B) द्वितीयान्तपुँल्लिङ्ग शब्द

(C) द्वितीयान्तस्त्रीलिङ्ग (D) द्वितीयान्तनपुंसकलिङ्ग

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी - वामनशिवराम आप्टे, पेज–318*

50. 'न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धाः' में कितने अव्ययपद हैं– **BHU MET–2010**

(A) 3 (B) 4

(C) 1 (D) 2

51. 'अव्यय' शब्द है– **UP TET–2013**

(A) सर्वदा (B) नदी

(C) अहम् (D) सः

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–569

52. 'आरात्' इति एतत्– **C-TET–2012**

(A) नामपदम् (B) क्रियापदम्

(C) उपसर्गः (D) अव्ययम्

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–518

53. 'अत्र तत्र' इत्यर्थे किम् अव्ययपदं प्रयुक्तम् अस्ति– **C-TET–2012**

(A) इतस्ततः (B) किल

(C) मा (D) कदाचित्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–522*

54. 'अधुना' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम्? **C-TET–2012**

(A) एव (B) यत्

(C) इति (D) सम्प्रति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–4*

47. (C) 48. (B) 49. (A) 50. (A) 51. (A)

55. 'धिक्' अव्ययस्य प्रयोगे विभक्तिः प्रयुज्यते– RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) तृतीया (B) चतुर्थी

(C) द्वितीया (D) प्रथमा

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12*

56. 'मशकः कर्णस्य पार्श्वे शब्दं करोति' वाक्य में अव्यय है– UP TET–2014

(A) शब्दम् (B) पार्श्वे

(C) कर्णस्य (D) मशकः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–26*

57. 'अद्य अहं पाठं न पठिष्यामि' वाक्य में अव्ययपद है– UP TET–2014

(A) अद्य (B) अहं

(C) पाठं (D) पठिष्यामि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–522*

58. ''गच्छतु भवान् .... दर्शनाय।''
इत्यस्मिन् वाक्ये रिक्तस्थाने उचितमव्ययं भविष्यति– RPSC ग्रेड-I (PGT)–2014

(A) किल (B) विना

(C) पुनर् (D) पुरा

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–62*

59. 'राष्ट्रपतिः .... अत्रागन्ता' वाक्य में रिक्तस्थान में प्रयुक्त होने वाला पद है– RPSC ग्रेड-III–2013

(A) श्वः (B) ह्यः

(C) विना (D) प्रति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–60*

60. निम्नलिखित में से कौन सा पद 'अव्यय' है? UP TET–2014

(A) अत्र (B) मया

(C) पाठं (D) पठामि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–522*

55. (C) 56. (B) 57. (A) 58. (C) 59. (A)
65. (A) 66. (D) 67. (C)

61. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अव्यय है?**
UP TET–2013

(A) राम (B) लता
(C) यथा (D) गुरु

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–570

62. **'आशु' शब्द का अर्थ है–** **AWES TGT–2013**

(A) तत्पश्चात् (B) ततः
(C) स्वयम् (D) शीघ्रम्

स्रोत–*संस्कृत हिन्दी-कोश - वामन शिवराम आप्टे, पेज–164*

63. **'आशु' इत्यस्य पर्यायवाची किम् अस्ति–**
UK TET–2011

(A) सुलभः (B) त्वरितम्
(C) ध्रुवम् (D) नूनम्

स्रोत–*संस्कृत हिन्दी-कोश - वामन शिवराम आप्टे, पेज–164*

64. **'शशिना सह याति कौमुदी'-यहाँ अव्ययपद क्या है?**
BHU MET–2012

(A) शशिना (B) सह
(C) याति (D) कौमुदी

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–552

65. **'स्वाहा' किस तरह का पद है–** **BHU MET–2012**

(A) अव्यय (B) प्रथमा (स्त्रीलिङ्ग)
(C) तृतीया (पुँल्लिङ्ग) (D) सर्वनाम

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–20*

66. **.......... अपि महिलाः समादृताः आसन्–**
AWES TGT–2010, 2011

(A) च (B) परम्
(C) अधुना (D) पुरा

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–528

67. **......... धनस्य महती अवश्यकता अस्ति–**
AWES TGT–2010, 2011

(A) उच्चैः (B) पुरा
(C) अधुना (D) इतः

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–569

60. (A)	**61.** (C)	**62.** (D)	**63.** (B)	**64.** (B)

68. अव्यय शब्दों में किस विभक्ति के प्रत्ययों का लोप होता है? UP TGT–2013

(A) प्रथमा का (B) द्वितीया का
(C) तृतीया का (D) सभी का

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.4.82) - ईश्वरचन्द्र, पेज–247*

69. 'अथ' इति अव्ययस्य अर्थः किम् अस्ति? UK TET–2011

(A) अनन्तरम् (B) मध्यमः
(C) अन्तिमः (D) अद्य

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–530

70. 'तरूणाम् .... बालाः क्रीडन्ति।' रिक्तस्थाने उचितमव्ययं चेतव्यम्। RPSC ग्रेड I PGT–2014

(A) अधः (B) विना
(C) श्वः (D) उच्चैः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12*

71. 'साम्प्रतम्' इति पदस्य पर्यायो भवति– C-TET–2015

(A) अधुना (B) तदा
(C) श्वः (D) अद्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूलाल सक्सेना, पेज–524*

72. ''लघ्वी .... वृद्धिमती च पश्चात्।'' – रिक्तस्थाने उचितमव्ययं चेतव्यम्? RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) पुरा (B) ह्यः
(C) मिथ्या (D) अधः

स्रोत–*नीतिशतकम् (श्लोक-49)-राजेश्वर प्रसाद मिश्र, पेज–104*

नगरे नगरे ग्रामे ग्रामे ि
सदने सदने जनजनवदने

68. (D) 69. (A) 70. (A) 71. (A) 72. (A)

73. ''जलं .... जीवनं नास्ति'' उचितमव्ययं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः कर्तव्या। **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) पुनः (B) विना

(C) सह (D) मिथः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12*

74. **निम्न में कौन कथन सत्य नहीं है–UP TGT (H)–2015**

(A) संस्कृत में तीन वचन होते हैं।

(B) हिन्दी में दो वचन होते हैं।

(C) हिन्दी में दो लिंग होते हैं।

(D) संस्कृत में हिन्दी की तरह दो लिंग होते हैं।

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–122*

75. **प्रश्ननिर्माणं कुरुत– AWES TGT–2010**

अश्वाः .... प्राणत्राणाय इतस्ततः अधावन्–

(A) किम् (B) किमर्थम्

(C) कान् (D) केन

76. ''न च प्रयोजनमन्तरा चाणक्यः स्वप्नेऽपि चेष्टते।'' उपर्युक्त वाक्ये 'अन्तरा' अव्ययस्य अर्थ अस्ति– **RPSC ग्रेड I (PGT)–2014**

(A) मध्ये (B) विना

(C) सह (D) मिथः

स्रोत–*(i) रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12*

(ii) मुद्राराक्षस (अङ्क-3) - पुष्पा गुप्ता, पेज–162

वेलसतु संस्कृतवाणी।

जयतु चिरं कल्याणी॥

73. (B) 74. (D) 75. (B) 76. (B)

11. संस्कृ

1. 'अष्टाविंशतिः' शब्द का क्या अर्थ है?
UP TGT–1999, UP TET–2014
(A) अठारह (18) (B) अड़तीस (38)
(C) अट्ठाईस (28) (D) अड़तालीस (48)

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151*

2. '55' संख्या का वाचक संस्कृत शब्द कौन-सा है?
UP TGT–1999, UP TET–2014
(A) पञ्चपञ्चाशत् (B) पञ्चापञ्चशत
(C) पञ्चपञ्च (D) पञ्चशताम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–154*

3. संस्कृत शब्द 'चत्वारिंशत्' किस संख्या का वाचक है?
UP TGT–1999
(A) 400 (B) 104
(C) 40 (D) 44

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–152*

4. संख्यावाची शब्द 'षण्णवतिः' किस अंक का वाचक है? **UP TGT–1999**
(A) 69 (B) 96
(C) 79 (D) 66

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–158*

5. '49' का शब्दात्मक रूप होगा? **UP TGT–2001**
(A) नवचत्वारिंशत् (B) नवपञ्चाशत्
(C) एकोनचत्वारिंशत् (D) एकोनत्रिंशत्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–153*

6. '99' का संस्कृत शब्द होगा?
UP TGT–2001, 2003, 2009
(A) नवतिः (B) नवनवतिः
(C) षण्णवतिः (D) एकोननवतिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–158*

1. (C) **2. (A)** **3. (C)** **4. (B)** **5. (A)**
11. (A) **12. (A)**

त-संख्या

7. `33' को संस्कृत में कैसे लिखेंगे? **UP TGT–2001**

(A) त्रयोत्रिंशत् (B) त्रयशती
(C) त्रयस्त्रिंशत् (D) त्रयोस्त्रिशती

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–152*

8. **'द्वि' इस संख्यावाची शब्द का पुँल्लिङ्ग रूप होगा?** **H-TET–2015**

(A) द्वे (B) द्वौ
(C) द्वि (D) दो

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–135*

9. **'एकोनसप्ततिः' कौन-सी संख्या है?** **UP TGT–2004, DL–2015**

(A) 79 (B) 71
(C) 70 (D) 69

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–155*

10. **`89' का संस्कृत रूप होगा?** **UP TGT–2004**

(A) नवतिः (B) नवनवतिः
(C) एकोननवतिः (D) षडशीतिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–157*

11. **(i) 10,000 भवति –** **UP TGT–2004, 2009**
(ii) संस्कृत में 'दशहजार' होगा? AWES TGT–2009

(A) अयुतम् (B) सहस्रम्
(C) लक्षम् (D) नियुतम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–159*

12. **`32' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा?** **UP TGT–2004**

(A) द्वात्रिंशत् (B) द्वाविंशतिः
(C) द्विचत्वारिंशत् (D) द्विपञ्चाशत्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151*

6. (B) 7. (C) 8. (B) 9. (D) 10. (C)

13. `25' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा?

UP TGT–2004

(A) पञ्चविंशतिः (B) पञ्चपञ्चाशत्

(C) पञ्चदश (D) एकोनपञ्चाशत्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151*

14. (i) `96' का संस्कृत रूप होगा? UP TGT–2005

(ii) द्वयङ्का 96 संख्या संस्कृते लिख्यते– DL–2015

(A) षट्सप्ततिः (B) षडशीतिः

(C) षण्णवतिः (D) षट्षष्टिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–158*

15. `91' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा? UP TGT–2005

(A) एकनवतिः (B) नवनवतिः

(C) एकोननवतिः (D) एकाशीतिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–158*

16. 'तेरह' के लिए संस्कृत में शब्द है? UP TGT–2009

(A) त्रयदशम् (B) त्रिदश

(C) त्रयोदश (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–150*

17. 'चतुरशीतिः' किसे कहते हैं? UP TGT–2010

(A) 84 (B) 48

(C) 44 (D) 480

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–157*

18. 'षट्सप्ततिः' का अर्थ है–

UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) 76 (B) 67

(C) 660 (D) 607

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–156*

19. 'पचास' को संस्कृत में कहा जाता है?

UP PGT–2010

(A) पञ्चदश (B) पञ्चाशत्

(C) पञ्चशतम् (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–153*

13. (A)	**14. (C)**	**15. (A)**	**16. (C)**	**17. (A)**
23. (B)	**24. (C)**	**25. (C)**		

20. 'एकोनविंशतिः' शब्द का अर्थ है– **UP TET–2014**

(A) इक्कीस (21) (B) उन्नीस (19)
(C) इक्यावन (51) (D) इक्यानवे (91)

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–150

21. 'सप्तविंशतिः' शब्द का अर्थ है– **UP TET–2013**

(A) सत्रह (17) (B) सत्ताइस (27)
(C) सैंतीस (37) (D) सैंतालिस (47)

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151

22. संस्कृतभाषायां '27' संख्या वर्तते। **AWES TGT–2012**

(A) सप्तविंशतिः (B) सप्तविंशः
(C) सप्तविंशतितमम् (D) सप्तविंशतितमी

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151

23. 'पञ्चविंशतिः' शब्द का हिन्दी अर्थ होता है? **UP TET–2013**

(A) पन्द्रह (15) (B) पच्चीस (25)
(C) पैंतीस (35) (D) पचास (50)

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151

24. संख्यावाचक '21' अङ्कस्य कृते पदं लिख्यते– **DL–2015**

(A) विंशोत्तरैकम् (B) विंश्याः उत्तरम्
(C) एकविंशतिः (D) उत्तरविंशतिः

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151

25. उचितं संख्यापदं चित्वा वाक्यानि पूरयत–
.... बालिकयोः भ्रातरः कुत्र सन्ति? **AWES TGT–2013**

(A) द्वौ (B) द्वे
(C) द्वयोः (D) द्वाभ्याम्

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–135

18. (A)	19. (B)	20. (B)	21. (B)	22. (A)

26. गुरुकुले छात्राः .... वेदान् पठन्ति।

AWES TGT–2013

(A) चत्वारि (B) चत्वारः

(C) चतुरः (D) चतुरान्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136*

27. .... (500) छात्राः पठन्ति। AWES TGT–2013

(A) पञ्चाशत् (B) पञ्चशतम्

(C) पञ्चविंशतिः (D) पञ्चपञ्चाशत्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–159*

28. वृक्षे (5) .... पक्षिणः कूजन्ति। AWES TGT–2013

(A) पञ्चभिः (B) पञ्चसु

(C) पञ्चभ्यः (D) पञ्च

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136*

29. .... (94) पुस्तकानि सन्ति।

AWES TGT–2010, 2013

(A) चतुर्णवतिः (B) चतुर्नवतिः

(C) चतुर्णवातिः (D) चतुरणवतिः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–140*

30. वित्तस्य .... (3) गतयः भवन्ति। AWES TGT–2013

(A) त्रयः (B) त्रीणि

(C) तिस्रः (D) त्रयाणि

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–162*

31. कः शब्दः 29 इति संख्यायाः वाचकः न–

AWES TGT–2010

(A) ऊनत्रिंशी (B) ऊनत्रिंशत्

(C) एकोनत्रिंशत् (D) नवविंशतिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–151*

32. अयुतम् = AWES TGT–2010

(A) 10000 (B) 1000000

(C) 1000 (D) 100000

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–159*

26. (C)	**27. (B)**	**28. (D)**	**29. (B)**	**30. (C)**
36. (C)	**37. (B)**	**38. (D)**	**39. (B)**	

33. 'अष्टन्' शब्द का प्रथमा विभक्ति का क्या रूप होता है?
UP TGT–2013

(A) अष्टः (B) अष्टन्
(C) अष्टौ (D) अष्टाः

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136

34. 'आठ' को पुँल्लिङ्ग में क्या कहेंगे? **UP TGT–2010**

(A) अष्टम् (B) अष्टौ
(C) अष्टाः (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136

35. किम् 'चतुर्णवतिः' – **AWES TGT–2010**

(A) 49 (B) 84
(C) 48 (D) 94

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–140

36. (i) 'नियुतम्' भवति **AWES TGT–2008, 2010**
(ii) किम् 'नियुतम्'

(A) 1,00,000 (B) 10,000
(C) 10,00,000 (D) 1,000

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–140

37. 'त्रयस्त्रिंशत्' भवति– **AWES TGT–2010**

(A) 63 (B) 33
(C) 113 (D) 313

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–139

38. संस्कृतभाषायां 88 संख्या वर्तते– **AWES TGT–2010**

(A) अशीतिः (B) अष्टाषष्टिः
(C) षट्षष्टिः (D) अष्टाशीतिः

स्रोत–रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–140

39. 'अष्टाशीतिः' पद का अर्थ .... संख्या है?
UP TET–2016

(A) 78 (B) 88
(C) 87 (D) 18

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–157

31. (A)	32. (A)	33. (C)	34. (B)	35. (D)

40. सप्तत्रिंशदधिकषट्शताधिक-नवसहस्राधिकनवायुतं भवति– **AWES TGT–2010**

(A) 73,699 (B) 99,637
(C) 37, 969 (D) 96, 937

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–161*

41. 'नवतितमः भवति– **AWES TGT–2009**

(A) 900 (B) 9000
(C) 09 (D) 90

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–157*

42. 'द्व्यधिकपञ्चशतम्' किस संख्या का वाचक है? **UP TET–2016**

(A) 52 (B) 25
(C) 50 (D) 502

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–159*

43. 'सार्धशतचतुष्टयम्' भवति– **AWES TGT–2009**

(A) 54 (B) 450
(C) 540 (D) 4500

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी*

44. `66' भवति– **AWES TGT–2009**

(A) षट्षष्टिः (B) षष्टिषट्
(C) षषष्टिः (D) षड्षष्टिः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–139*

नगरे नगरे ग्रामे ग्रामे
सदने सदने जनजनवदने

40. (B) 41. (D) 42. (D) 43. (B) 44. (A)
50. (C)

45. पञ्चदशोनद्विसहस्त्रतमे– **AWES TGT–2008**
(A) 1,985 (B) 5891
(C) 1958 (D) 1589

46. `62' भवति– **AWES TGT–2008**
(A) षष्टिद्वौ (B) द्वाषष्टिः
(C) द्वाष्ट्यौ (D) षड्द्वौ

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–139*

47. प्रातः 5 : 30 – **AWES TGT – 2011**
(A) सपादपञ्चवादने (B) सार्धपञ्चवादने
(C) पादोनपञ्चवादने (C) सार्धषड्वादने

स्रोत–*वाक्यविस्तारः (प्रथमा दीक्षा)-वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, पेज–18-19*

48. रात्रौ 9 : 15 **AWES TGT–2010, 2011**
(A) सपादनववादने (B) पादोननववादने
(C) पादोनदशवादने (D) सार्धनववादने

स्रोत–*वाक्यविस्तारः (प्रथमा दीक्षा)-वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, पेज–18*

49. रात्रौ 7 : 45 – **AWES TGT – 2011**
(A) त्रिपाद-सप्तवादने (B) पादोन-अष्टवादने
(C) त्रयः पादा सप्त च वादने (D) सार्ध सप्त-वादने

स्रोत–*वाक्यविस्तारः (प्रथमा दीक्षा)-वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, पेज–18-19*

50. प्रातः 8 : 00– **AWES TGT – 2011**
(A) अष्टावादने (B) अष्टाः वादने
(C) अष्टवादने (D) अष्टिवादने

स्रोत–*वाक्यविस्तारः (प्रथमा दीक्षा)-वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, पेज–18-19*

वेलसतु संस्कृतवाणी।
जयतु चिरं कल्याणी।।

45. (A) 46. (B) 47. (B) 48. (A) 49. (B)

12. रिक्तस

1. अवकरम् .... मा क्षिपत। AWES TGT–2011

(A) उच्चैः (B) अपि

(C) इतस्ततः (D) च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–1), पेज–567*

2. .... अपि महिलाः समादृताः आसन्– AWES TGT–2011

(A) उच्चैः (B) च

(C) अधुना (D) पुरा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–1), पेज–528*

3. सहसा स शिशुः .... अक्रन्दत्। AWES TGT–2011

(A) परम् (B) च

(C) उच्चैः (D) पुरा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–1), पेज–517*

4. .... धनस्य महती आवश्यकता अस्ति– AWES TGT–2011

(A) ह्यः (B) पुरा

(C) उच्चैः (D) इदानीम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–1), पेज–569*

5. .... सः चित्रं रचयति– AWES TGT–2011

(A) पुरा (B) श्वः

(C) अधुना (D) च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–1), पेज–569*

6. किं तव माता विदेशं ....? AWES TGT–2011

(A) गम्यते (B) गच्छति

(C) गतः (D) आगच्छति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–313*

1. (C) **2.** (D) **3.** (C) **4.** (D) **5.** (C)
11. (C) **12.** (A)

थानपूर्तिः

7. अद्य मेधाविनः छात्राः गुरुणा ..... AWES TGT–2011
(A) सम्मानयन्ति (B) सम्मान्यन्ते
(C) सम्मानयते (D) सम्मानयति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–321*

8. अवश्यमेव................ मया सह आगच्छ।
AWES TGT–2011
(A) सः (B) त्वम्
(C) सा (D) ते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–123*

9. अध्यापिकाः गीतं..........। AWES TGT–2011
(A) शृणोति (B) श्रुयते
(C) शृण्वन्ति (D) श्रुयन्ते

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–332*

10. परिश्रमेण एव जनाः सफलतां..............
AWES TGT–2011
(A) प्राप्नोत (B) प्राप्यते
(C) प्राप्नोति (D) प्राप्नुवन्ति

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–393*

11. मर्यादापुरुषोत्तमरामस्य जन्मोऽभूत्। तस्य .... कौशल्या आसीत्– AWES TGT–2008, 2010
(A) पालयित्री (B) पोषयित्री
(C) जननी (D) अम्बा

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-कोष - वामन शिवराम आप्टे, पेज–395*

12. .... मित्रं त्यजेत्। AWES TGT–2009
(A) मायाविनम् (B) मायावी
(C) मायावि (D) मायावीः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (2.3.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–194*

6. (B)	7. (B)	8. (B)	9. (C)	10. (D)

13. .... यशो दुराचारस्य– AWES TGT–2009

(A) प्रश्नयति (B) प्रणश्यति

(C) प्रनश्यते (D) प्रणश्यते

14. .... ब्रह्मणे नमः– AWES TGT–2009

(A) वाङ्मनसातीताय (B) वाङ्मनोतीताय

(C) वाङ्मनोरतीताय (D) वाङ्मनसतीताय

स्रोत–*सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–55*

15. .... दुर्जनः विद्ययालङ्कृतोऽपि सन्–

AWES TGT–2009

(A) विहर्तव्यो (B) अपहर्तव्यो

(C) परिहर्तव्यो (D) परहर्तव्यो

स्रोत–*नीतिशतकम् (दुर्जन-पद्धति) - तारिणीश झा, पेज–70*

16. मतिरेव बलाद्.............। AWES TGT–2009

(A) गरीयसी (B) गरीया

(C) गरीयसि (D) गरीयः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–116*

17. जलबिन्दु..............क्रमशः पूर्यते घटः–

AWES TGT–2009

(A) निपतितेन (B) निपातितेन

(C) निपतनेन (D) निपातेन

स्रोत–*हितोपदेश (सुहृद्भेद) - रामेश्वर भट्ट, पेज–87*

18. हनुमान् द्रोणपर्वतात् सञ्जीवनीम् ....

AWES TGT–2009

(A) अहरत् (B) आहरत्

(C) अपहरत् (D) आहरेत्

स्रोत–*रूपचन्द्रिका - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज–240*

19. सङ्कटापन्नो विभीषणो............ अभवत्–

AWES TGT–2009

(A) रामश्रितो (B) रामश्रितम्

(C) रामाश्रिता (D) रामाश्रिताः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–242*

13. (B)	**14. (A)**	**15. (C)**	**16. (A)**	**17. (D)**
23. (C)	**24. (B)**	**25. (A)**	**26. (B)**	

20. एकदा एकः ग्रामीणः नगरे आगतः। अतिपिपासितो सन् सः जलस्य .... इतस्ततः अभ्रमत्।

AWES TGT–2008

(A) सेवनार्थम् (B) ग्रहीतार्थम्

(C) पानीर्थम् (D) लाभार्थम्

21. मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं.............।

AWES TGT–2008

(A) विभाति (B) तनोति

(C) आभाति (D) चिनोति

स्रोत–*अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20) श्लोक-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46*

22. इन्द्र अचिन्तयत् यत् दिलीपः शतं यज्ञान् विधाय पदवीं मे..........। **AWES TGT–2008**

(A) प्राप्स्यति (B) अवाप्स्यसि

(C) जनिष्यति (D) ग्रहीष्यति

स्रोत–*बृहद्धातुकुसुमाकर - हरेकान्त मिश्र, पेज–493*

23. शशिना सह याति कौमुदी सह मेघेन तडित्.............।

AWES TGT–2008

(A) गच्छति (B) आयाति

(C) प्रलीयते (D) प्रयाति

स्रोत–*कुमारसम्भवम् (4/33) - वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, पेज–96*

24. सम्पत्तौ न हस्येत् विपत्तौ च न प्राज्ञः ....

AWES TGT–2008

(A) चिन्तयेत् (B) विषीदेत्

(C) प्रलपेत् (D) क्रन्देत

25. 'भवान् घटान्..... भर दो' के लिए संस्कृत पद होगा?

UP TGT–2004

(A) पूरयतु (B) पूरयन्तु

(C) पूरय (D) पूरयत

26. वयं प्रातः एव सर्वं कार्यं.........। **AWES TGT–2013**

(A) कृतम् (B) कृतवन्तः

(C) कृतवान् (D) कृताः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

18. (A)	19. (A)	20. (A)	21. (B)	22. (A)

27. ते सर्वे मांसभक्षणं...........। AWES TGT–2010, 2013

(A) परित्यक्तम् (B) परित्यक्तवान्

(C) परित्यक्तवन्तः (D) परित्यक्तः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–66*

28. उद्याने .... बालिकाः प्रसीदन्ति।

AWES TGT–2010, 2013

(A) क्रीडन्ति (B) क्रीडन

(C) क्रीडन्त्यः (D) क्रीडत्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या भाग-3), पेज–132*

29. वृक्षे फलानि .... कपयः प्रसन्नाः भवन्ति।

AWES TGT–2013

(A) खादन्तः (B) खादन्

(C) खादितम् (D) खादितवान्

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–69*

30. अहं श्वः विद्यालयं............। AWES TGT–2013

(A) अगच्छन् (B) अगच्छावः

(C) गच्छामि (D) गमिष्यामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–60*

31. वयं ह्यः विज्ञानं..........। AWES TGT–2013

(A) अपठाम (B) अपठाव

(C) अपठः (D) पठिष्यामि

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–60*

32. यदि वृष्टिः........... तर्हि एव बीजानि वपतु

AWES TGT–2013

(A) भवेत (B) भवन्ति

(C) भवति (D) भवेः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–60*

33. रेखाङ्कितं पदम् अधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं करणीयम् – जनाः लोभिनः वर्तन्ते– REET–2016

(A) के (B) किम्

(C) कस्मिन् (D) कः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–133*

27. (C)	**28. (C)**	**29. (A)**	**30. (D)**	**31. (A)**
37. (C)	**38. (C)**	**39. (B)**	**40. (C)**	**41. (B)**

34. आपः...........। AWES TGT–2010

(A) विशालः (B) निर्मलाः

(C) नैकः (D) चञ्चलम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–108*

35. **पतञ्जलिः वाग्शुद्ध्यर्थं............ अरचयत्।**

UK TET–2011

(A) आयुर्वेदम् (B) धनुर्वेदम्

(C) ऋग्वेदम् (D) व्याकरणम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् (पस्पशाह्निकं)-मधुसूदनमिश्र, पेज–14-15*

36. **चलाचले च संसारे....... एको हि निश्चलः–**

AWES TGT–2013

(A) धनम् (B) धर्मः

(C) विद्या (D) कर्म

37. **मूर्खाः........... विना शास्त्राणां भारं वहन्ति।**

AWES TGT–2010, 2013

(A) शब्दज्ञानम् (B) मेधाम्

(C) अर्थज्ञानम् (D) धनम्

38. **गुरुः........... मार्जनं करोति।** **AWES TGT–2013**

(A) शिष्यान् (B) शिष्येभ्यः

(C) शिष्याणाम् (D) शिष्येषु

39. **पयः..........भवति।** **AWES TGT–2013**

(A) मधुराः (B) मधुरम्

(C) मधुरः (D) मधुर

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–118*

40. **रिक्तस्थानं पूरयित्वा सूक्तिं संयोजयत–**

संघे-शक्तिः कलौ........... **REET–2016**

(A) धर्मे (B) कार्ये

(C) युगे (D) वर्षे

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–239*

41. **......... धावति।** **AWES TGT–2013**

(A) चिताः (B) चित्तम्

(C) चित्ता (D) चित्तानि

32. (C) 33. (A) 34. (B) 35. (D) 36. (B)

42. पितरौ पुत्रं...........।　　　　AWES TGT–2013

(A) पालयथ　　　(B) पालयन्ति

(C) पालयतः　　　(D) पालयति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–38*

43. कति .... गच्छन्ति?　　　　AWES TGT–2013

(A) लोके　　　(B) लोकम्

(C) लोकाः　　　(D) लोकान्

44. .... आकाशे गर्जति।　　　　AWES TGT–2013

(A) मेघाः　　　(B) मेघः

(C) मेघानि　　　(D) मेघस्य

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–2*

45. असारोऽयं संसारः.........भज।　　AWES TGT–2010

(A) भगवते　　　(B) भगवन्ते

(C) भगवानम्　　　(D) भगवन्तम्

स्रोत–*कारकप्रकरण (2.3.2) - राममुनि पाण्डेय, पेज–17*

42. (C)　**43. (C)**　**44. (B)**　**45. (D)**　**46. (A)**

46. ते .... अहर्निशं धनं रक्षन्ति –

AWES TGT–2010

(A) वराकाः (B) वराकान्

(C) वराकैः (D) वराकाणि

47. दमयन्ती .... नलस्यन्दनं ददर्श।

AWES TGT–2010

(A) प्रसादेन (B) प्रसादस्य

(C) प्रासादात् (D) प्रसादम्

स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–63

48. काव्यशास्त्रविनोदेन कालो .... धीमताम्–

AWES TGT–2012

(A) अनुगच्छति

(B) अवगच्छति

(C) गच्छति

(D) प्रत्यागच्छति

47. (C) **48.** (C)

13. संस्कृत

स्ववर्गेषु भिन्नः शब्दः कः

1. (A) निशीथः　(B) शर्वरी
(C) विभावरी　(D) पराह्नः

AWES TGT–2009

स्रोत–*अमरकोषः (1.4.4.) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–35*

2. (A) दन्ती　(B) लोमशा
(C) मार्जारी　(D) महिषी

AWES TGT–2009

3. (A) पिटिका　(B) विसूचिका
(C) पाटच्चरः　(D) पक्षाघातः

AWES TGT–2009

स्रोत–*अमरकोषः (2.10.25)-हरगोविन्द शास्त्री, पेज–358*

4. (A) कुसीदिकः　(B) कूपकः
(C) आपणिकः　(D) अभिकर्ता

AWES TGT–2009

स्रोत–*(i) अमरकोषः (1.10.10) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–91*
(ii) संस्कृत-हिन्दी-कोष-वामनशिवराम आप्टे, पेज–290, 292, 141

5. (A) इन्द्रनीलः　(B) मरकतम्
(C) पारदः　(D) मुरजः

AWES TGT–2009

स्रोत–*अमरकोषः (1.7.5) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–69*

6. (A) व्रीहिः　(B) यवः
(C) संयावः　(D) चणकः

AWES TGT–2009

स्रोत–*अमरकोषः (2.9.18) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–312, 313*

7. (A) युतम्　(B) अयुतम्
(C) नियुतम्　(D) प्रयुतम्

AWES TGT–2009

स्रोत– *रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–48*

1. (D)	**2. (A)**	**3. (C)**	**4. (B)**	**5. (D)**
11. (C)	**12. (B)**	**13. (A)**	**14. (D)**	

ा-शब्दार्थः

8. (A) किसलयम् (B) अरण्यम्
(C) मूलम् (D) वृन्तम्

AWES TGT–2009

स्रोत–*अमरकोषः (2.4.1) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–124*

9. (A) कह्लारः (B) क्षौरिकः
(C) कारुकः (D) पादरञ्जकः

AWES TGT–2009

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-कोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–261*

10. (A) कुमुद्वती (B) इन्दीवरम्
(C) नीलोत्पलम् (D) उत्पलम्

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.10.38) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–101*

11. (A) रोहितः (B) लोहितः
(C) शोणः (D) रक्तः

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.5.15) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–53*

12. (A) अर्कः (B) पिङ्गलः
(C) मार्तण्डः (D) मिहिरः

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.3.31) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–33*

13. (A) मानसम् (B) शेमुषी
(C) धिषणा (D) प्रज्ञा

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.5.2) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–48*

14. (A) अध्याहारः (B) तर्कः
(C) ऊहः (D) विचिकित्सा

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.5.3) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–49*

6. (C) **7. (A)** **8. (B)** **9. (A)** **10. (A)**

15. (A) ग्राम्यम् (B) निष्ठुरम्
(C) परुषम् (D) कर्कशम्

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.6.19) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–64*

16. (A) उटजः (B) नगरी
(C) पर्णशाला (D) कुटी

AWES TGT–2009

स्रोत–*अमरकोषः (2.2.6) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–114*

17. (A) पीडा (B) बाधा
(C) निर्ऋतिः (D) व्यथा

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.9.2) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–87*

18. (A) त्रिपथगा (B) वापी
(C) जह्नुतनया (D) सुरनिम्नगा

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.10.31) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–98*

19. (A) प्राह्णः (B) क्षपा
(C) त्रियामा (D) शर्वरी

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.4.4) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–35*

20. (A) अपवर्गः (B) कैवल्यः
(C) निर्वाणः (D) अभ्युपगमः

AWES TGT–2008

स्रोत–*अमरकोषः (1.5.6) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–50*

21. कः शब्दः स्ववर्गे असम्बद्धः
(A) नलिनी (B) स्थलपद्मम्
(C) सैन्धवम् (D) गन्धपुष्पम्

AWES TGT–2010

स्रोत–*अमरकोषः (2.8.44) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–280*

22. (A) कुलपतिः (B) आचार्यः
(C) लिपिकः (D) मातुलः

AWES TGT–2010

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–791*

15. (A)	**16. (B)**	**17. (C)**	**18. (B)**	**19. (A)**
25. (C)	**26. (C)**	**27. (C)**	**28. (B)**	**29. (B)**

23. कः शब्दः स्ववर्गे भिन्नः – AWES TGT–2013

(A) त्रुटिः (B) कालः

(C) कलनः (D) योजनम्

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामन शिवराम आप्टे, पेज–442*

24. शुद्धम् अर्थं चिनुत

निग्रहम्– AWES TGT–2011

(A) ग्रहणम् (B) गृहात् निर्गमनम्

(C) वशीकरणम् (D) ग्रहेण रहितम्

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–442*

25. वाङ्मय– AWES TGT–2011

(A) विशेष अङ्मयम् (B) अङ्गैः युक्तम्

(C) साहित्यम् (D) वाण्याः

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–912*

26. पुंसः– AWES TGT–2011

(A) पौषस्य (B) नामविशेषम्

(C) पुरुषस्य (D) पवित्रस्य

स्रोत–*अमरकोषः (2.6.1) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–187*

27. वदनाम्बुजे– AWES TGT–2011

(A) वदति मुखे (B) वदन्

(C) मुखकमले (D) शरीरे

28. 'भक्तः शिवम् उपासते' अत्र 'उपासते' पदस्य अर्थः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) दूरे तिष्ठति (B) पूजां करोति

(C) निकटं गच्छति (D) अनुगच्छति

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोषः - सर्वज्ञभूषणः, पेज–90*

29. 'आ' उपसर्गपूर्वकस्य दिश् धातोः निष्पन्नस्य 'आदिशति' पदस्य अर्थः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) उपदेशं ददाति (B) आज्ञां ददाति

(C) सन्देशं ददाति (D) अनुज्ञां ददाति

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोषः - सर्वज्ञभूषणः, पेज–88*

20. (D)	21. (C)	22. (D)	23. (A)	24. (A)

30. घञ् प्रत्ययान्तस्य 'रागः' शब्दस्य अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) रञ्जनद्रव्यम् (B) रञ्जनीय वस्त्रम्

(C) रञ्जितम् (D) आसक्तिः

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–851*

31. 'अति + चरति' इत्यस्य अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अत्यधिकं चरति (B) न चरति

(C) विरुद्धं चरति (D) सम्यक् चरति

32. 'सा मयि न प्रत्येति' अस्मिन् वाक्ये 'प्रत्येति' शब्दस्य अभिप्रायः अस्ति– RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) निकटागमनम् (B) दूरगमनम्

(C) विरुद्धगमनम् (D) विश्वासः

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोषः - सर्वज्ञभूषणः, पेज–109*

33. ''सर्वथा निरक्षरः अस्ति सः'' अत्र निर् उपसर्गपूर्वकस्य 'निरक्षरः' पदस्य व्याकरणसम्मतः अर्थः अस्ति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)–2014

(A) अज्ञः (B) मूर्खः

(C) अक्षरज्ञानरहितः (D) अशिक्षितः

34. 'रज्जुः' शब्द का हिन्दी में अर्थ है–

UP TGT (H)–2009

(A) मछली (B) मेढ़क

(C) रस्सी (D) घोड़ा

स्रोत–*अमरकोषः (2.10.27) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–359*

35. 'गली' के लिए संस्कृत शब्द है– BHU MET–2015

(A) पट्टनम् (B) पूः

(C) रथ्या (D) वेशः

स्रोत–*अमरकोषः (2.2.3) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–113*

36. 'अक्षौहिणी' शब्दस्य कोऽर्थः? BHU AET–2012

(A) शकारः (B) सम्बन्धः

(B) देवनाक्षः (D) परिमाण विशेष विशिष्ट सेना

स्रोत–*(i) संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष-वामन शिवराम आप्टे, पेज–5*

(ii) अमरकोषः (2.8.81) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–292

30. (D)	**31. (A)**	**32. (D)**	**33. (C)**	**34. (C)**
40. (B)	**41. (A)**	**42. (A)**	**43. (A)**	**44. (A)**

37. 'गङ्गौघः' का अर्थ है– BHU MET–2015

(A) गङ्गा प्रवाह (B) जल प्रवाह

(C) धारा प्रवाह (D) गङ्गा जल

लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-एक), पेज–58

38. परायणम्– AWES TGT–2013

(A) धर्मः (B) चरित्रम्

(C) शरणम् (D) कर्तव्यम्

***स्रोत**–संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–575*

39. परिचर्याम्– AWES TGT–2013

(A) सेवाम् (B) कार्यम्

(C) आज्ञापालनम् (D) प्रसन्नम्

***स्रोत**–अमरकोषः (2.7.35) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–252*

40. निम्नलिखित शब्दों में कौन 'सरिता' का पर्याय नहीं है– UP PSC–2013

(A) तटिनी (B) त्रिपथगा

(C) निम्ना (D) तरङ्गिणी

***स्रोत**–अमरकोषः (1.10.29) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–98*

41. 'सुभाषितम्' पद का अर्थ है? H-TET–2015

(A) मधुरवचन (B) कटुवचन

(C) दुर्वचन (D) निर्वचन

***स्रोत**–संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–1112*

42. श्रीर्भवति– AWES TGT–2012

(A) लक्ष्मी (B) दुर्गा

(C) ऐश्वर्या (D) शोभा

***स्रोत**–अमरकोषः (1.1.27) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–12*

43. 'सततं' पदस्य पर्यायः अस्ति– C-TET–2015

(A) निरन्तरम् (B) श्वः

(C) प्रथमतया (D) अधुना

***स्रोत**–संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–1062*

44. 'सनातनः' भवति– AWES TGT–2012

(A) शाश्वतः (B) कालस्योपरि

(C) परम्परा (D) क्रमिकः

***स्रोत**–अमरकोषः (3.1.72) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–391*

35. (C) 36. (D) 37. (A) 38. (C) 39. (A)

45. विहारं करोति– AWES TGT–2012

(A) व्याहरति (B) विहरति

(C) व्यवहरति (D) व्यवहरते

46. पर्यायं लिखत 'कीर्तिः'– AWES TGT–2011

(A) महिमा (B) यशः

(C) अपकीर्तिः (D) श्रुतिः

स्रोत–*अमरकोषः (1.6.11) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–61*

47. 'मधुरता' पदस्य पर्यायः – AWES TGT–2011

(A) गेयता (B) लयबद्धता

(C) माधुर्यम् (D) लालित्यम्

स्रोत–*संस्कृत-हिन्दी-शब्दकोष - वामनशिवराम आप्टे, पेज–769*

48. निम्नाङ्कित में 'अरविन्दम्' शब्द का पर्याय है– UP TET–2016

(A) नीरम् (B) गगनम्

(C) वायुः (D) कमलम्

स्रोत–*अमरकोषः - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–89*

49. 'समुद्र' शब्द का पर्यायवाची है– UP TET–2014

(A) निशिचरः (B) दिनकरः

(C) रत्नाकरः (D) सुधाकरः

स्रोत–*अमरकोषः (1.10.2) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–88*

50. 'जलनिधिः' पद का पर्याय शब्द है? UP TET–2016

(A) मेघः (B) चन्द्रः

(C) समुद्रः (D) मत्स्यः

स्रोत–*अमरकोषः (1.10.2) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–88*

51. 'शफरी' पद का पर्यायवाची है– UP TET–2014

(A) शत्रु (B) मीन

(C) समुद्र (D) शम्भु

स्रोत–*अमरकोषः (1.10.18) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–94*

45. (B)	**46. (B)**	**47. (C)**	**48. (D)**	**49. (C)**
55. (C)	**56. (A)**	**57. (D)**	**58. (C)**	

52. 'चातक' शब्द का पर्यायवाची है– UP TET–2014

(A) सरः (B) सारङ्गः

(C) केतुः (D) पयः

स्रोत–*अमरकोषः (2.5.17) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–178*

53. 'पुत्री' का पर्यायवाची है– UP TET–2014

(A) तनयः (B) तनुजः

(C) तनया (D) सुतः

स्रोत–*अमरकोषः (2.6.27) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–195*

54. 'द्रुमम्' का पर्यायवाची शब्द है – AWES TGT–2010

(A) शाखाम् (B) अन्नम्

(C) वृक्षम् (D) तृणम्

स्रोत–*अमरकोषः (2.4.5) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–125*

55. अन्यस्वम् पर्यायवाची– AWES TGT–2010

(A) अन्यपुरुषम् (B) अन्यसुखम्

(C) अन्यस्य धनम् (D) अन्यस्य अन्नम्

56. सूक्तिः शब्दस्य पर्यायः– AWES TGT–2010

(A) सुभाषितः (B) सुवदनः

(C) सुबोधः (D) लोकोक्तिः

स्रोत–*संस्कृत हिन्दी शब्दकोश-वामनशिवराम आप्टे, पेज–1112*

57. इनमें से किस शब्द के पर्यायवाची गलत हैं–
UP TGT (H)–2009

(A) **कमल** -जलज, पंकज, सरोज

(B) **पुष्प** - कुसुम, फूल, सुमन

(C) **सरस्वती** - गिरा, भारती, वाणी

(D) **सूर्य** - दिवस, याम, वासर

स्रोत–*अमरकोषः (1.4.2) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–35*

58. निम्नलिखित में से कौन-सा 'रात्रि' का पर्यायवाची नहीं है? UP PSC–2015

(A) रजनी (B) विभावरी

(C) समीर (D) निशि

स्रोत–*अमरकोषः (1.4.4) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–36*

50. (C) 51. (B) 52. (B) 53. (C) 54. (C)

59. 'मृषा' किस शब्द का पर्याय है– Chh. PSC–2012

(A) मिथ्या (B) मृत्यु
(C) मित्र (D) मुक्ति

स्रोत–*अमरकोषः (3.4.15) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–519*

60. 'समग्रम्' इति पदस्य पर्यायः अस्ति? C-TET–2015

(A) सम्पूर्णम् (B) अल्पम्
(C) अर्धम् (D) अर्धार्धम्

स्रोत–*अमरकोषः (3.1.65) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–389*

61. 'वृक्षः' इति पदस्य अर्थः भवति– C-TET–2015

(A) शाखा (B) पत्रम्
(C) नदी (D) तरुः

स्रोत–*अमरकोषः (2.4.5) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–125*

62. विलोमपदानि लिखत

तमसा– AWES TGT–2012

(A) प्रकाशेन (B) अतमसा
(C) अवलोकम् (D) कोऽपि न अस्ति

63. उभयम्– AWES TGT–2012

(A) एकम् (B) अनन्तम्
(C) अनेकम् (D) कोऽपि न अस्ति

64. निःशेषम्– AWES TGT–2012

(A) शेषम् (B) अवशेषम्
(C) अनुशेषम् (D) अशेषम्

65. उदाराम्– AWES TGT–2012

(A) अवदाराम् (B) अनुदाराम्
(C) अनदाराम् (D) कोऽपि न अस्ति

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोषः - सर्वज्ञभूषणः, पेज–114*

66. समस्तम्– AWES TGT–2012

(A) अवशिष्टम् (B) असमस्तम्
(C) असमस्त् (D) अविशिष्टम्

59. (A)	**60. (A)**	**61. (D)**	**62. (A)**	**63. (A)**
69. (C)	**70. (D)**	**71. (D)**	**72. (C)**	**73. (C)**

67. 'अधीरता' पदस्य विलोमपदं किम्–

AWES TGT–2011

(A) धैर्यम् (B) शान्तिः

(C) सन्तोषः (D) अचञ्चलम्

68. विलोमपदं लिखत

शत्रुता– **AWES TGT–2011**

(A) अशत्रुता (B) सुहृद्

(C) सौहृदम् (D) मित्रता

स्रोत–*सम्भाषण-शब्दकोषः - सर्वज्ञभूषणः, पेज–121*

69. उद्यमेन– **AWES TGT–2011**

(A) सावधानेन (B) विवेकेन

(C) आलस्येन (D) प्रयत्नेन

70. हिंसा – **AWES TGT–2011**

(A) अनाचरम् (B) अत्याचाराः

(C) अहिंसाया (D) अहिंसा

स्रोत–*नालन्दा सामान्य हिन्दी - पृथ्वीनाथ पाण्डेय, पेज–132*

71. 'सुकरम्' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है–

UP TET–2014

(A) निष्कर्ष (B) सुकर्म

(C) कुकर्म (D) दुष्करम्

72. 'रात्रि' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है–

UP TET–2014

(A) निशा (B) रात

(C) अहन् (D) शर्वरी

73. 'तमः' का विलोम शब्द है– **UP TET–2014**

(A) अधर्मः (B) निषेधः

(C) प्रकाशः (D) सुलभः

74. 'अधीत्य' इत्यस्य विलोमम्– **AWES TGT–2010**

(A) अवधीत्य (B) अवाधीत्य

(C) अनाधीत्य (D) अनधीत्य

64. (A)	65. (B)	66. (B)	67. (A)	68. (D)
74. (D)				

75. 'विमूढधीः' विलोमशब्दम्– AWES TGT–2010, 2013

(A) मन्दधीः (B) निधिः

(C) सुधीः (D) उदधिः

76. कातरः– AWES TGT–2013

(A) अकरुणः (B) अधीरः

(C) अकारुणिकः (D) अकातरः

77. वाक्पटुः– AWES TGT–2013

(A) सुवक्ता (B) वाग्भीतः

(C) वाचालः (D) सुदाता

78. भद्राणि– AWES TGT–2013

(A) कल्याणानि (B) सुखानि

(C) दुःखानि (D) जीवनानि

75. (C) **76.** (D) **77.** (B) **78.** (C) **79.** (B)

79. 'एके' इत्यस्य विरोधिपदं भवति– DL–2015

(A) बहुधा (B) अनेके

(C) असंख्याः (D) बहुत्वम्

80. 'सम्मानः' इति पदस्य विपरीतार्थकः नास्ति? C-TET–2015

(A) अपमानः (B) तिरस्कारः

(C) आदरः (D) अनादरः

81. 'कीर्तिम्' इति पदस्य विपरीतार्थकः नास्ति? C-TET–2015

(A) अकीर्तिः (B) यशः

(C) अपकीर्तिः (D) लोकापवादः

स्रोत–अमरकोषः (1.6.11) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–61

82. 'बहुज्ञ' का विपरीतार्थक शब्द है? UP TET–2016

(A) अभिज्ञ (B) अल्पज्ञ

(C) सर्वज्ञ (D) ब्रह्मज्ञ

80. (C) 81. (B) 82. (B)

14. व्याकरण वे

1. संस्कृत में कितने वचन होते हैं? BHU RET– 2012

(A) तीन (B) सात

(C) पाँच (D) आठ

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

2. संस्कृत में लिङ्ग होते हैं– UGC 25 J– 2004

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 1

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–02*

3. धातुओं की गण संख्या कितनी है–BHU MET– 2008

(A) दस (B) नव

(C) आठ (D) बारह

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

4. कौन सा कथन गलत है? UP PGT– 2010

(A) संस्कृत में वचनों की संख्या है– तीन

(B) संस्कृत में पुरुषों की संख्या है– तीन

(C) संस्कृत में लिङ्गों की संख्या है– तीन

(D) संस्कृत में कारकों की संख्या है– तीन

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

5. संस्कृत में प्रत्येक लकार में पुरुष होते हैं–
UP TET– 2014, UP TGT 2004

(A) दो (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

6. वक्ता जिन सर्वनामों का प्रयोग अपने लिए करता है, वे कहलाते हैं– UP TET– 2014

(A) प्रथमपुरुष (B) मध्यमपुरुष

(C) उत्तमपुरुष (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–386*

(ii) अष्टाध्यायी (1.4.106) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

1. (A)	**2. (B)**	**3. (A)**	**4. (D)**	**5. (B)**
11. (B)	**12. (B)**			

ह विविध प्रश्न

7. कति विभक्तयः? **BHU AET–2012**
(A) सप्त (B) अष्टौ
(C) चतस्रः (D) तिस्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–175*

8. **संस्कृत व्याकरण में 'कति' शब्द किस वचन में प्रयोग किया जाता है?** **UP TET–2016**
(A) एकवचन (B) द्विवचन
(C) बहुवचन (D) उपर्युक्त सभी में

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

9. **(i) कति लकाराः सन्ति?** **BHU Sh.ET– 2011**
(ii) संस्कृत में कितने लकार हैं? **UP TGT–2004, 2010, BHU MET–2010**
(A) अष्टादश (B) दश
(C) पञ्चदश (D) विंशतिः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

10. **अधोलिखितेषु प्रथमपुरुषप्रयोगः कुत्र भवेत्?** **BHU Sh.ET– 2011**
(A) अहम् (B) त्वम्
(C) वृक्षः (D) वयम्

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–387*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.107) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

11. **अस्मदि उपपदे धातोः कः पुरुषः?** **BHU Sh.ET.– 2011**
(A) प्रथमपुरुषः (B) उत्तमपुरुषः
(C) मध्यमपुरुषः (D) सर्वे

स्रोत–*(i) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–386*
(ii) अष्टाध्यायी (1.4.106) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

12. **ब्रह्मा व्याकरणशास्त्रं कस्मै प्रोवाच?** **BHU MET– 2012**
(A) इन्द्राय (B) बृहस्पतये
(C) भारद्वाजाय (D) ब्राह्मणेभ्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–भू. XIX*

6. (C) **7. (A)** **8. (C)** **9. (B)** **10. (C)**

13. व्याकरणस्य पर्यायोऽस्ति– BHU MET–2012

(A) अर्थानुशासनम् (B) शब्दानुशासनम्

(C) वाक्यानुशासनम् (D) लिङ्गानुशासनम्

स्रोत–*व्याकरण-महाभाष्य (पश्पशाह्निक)-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–05*

14. व्याकरणमित्यत्र कस्मिन्नर्थे ल्युट्प्रत्ययः?

BHU AET–2012

(A) कर्त्तरि (B) भावे

(C) कर्मणि (D) करणे

व्याकरण-महाभाष्य (पश्पशाह्निक)-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–122

15. 'महिमा' शब्द में लिङ्ग क्या है? BHU MET–2010

(A) पुँल्लिङ्ग (B) नपुंसकलिङ्ग

(C) स्त्रीलिङ्ग (D) अनियतलिङ्ग

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–103*

16. 'निधिः' शब्द किस लिङ्ग का है? UP TGT–2009

(A) पुँल्लिङ्ग (B) स्त्रीलिङ्ग

(C) नपुंसकलिङ्ग (D) उभयलिङ्ग

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–509*

17. 'दारा' शब्द किस लिङ्ग का है? UP TET–2014

(A) स्त्रीलिङ्ग (B) पुँल्लिङ्ग

(C) नपुंसकलिङ्ग (D) उपर्युक्त कोई नहीं

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–510*

18. निम्नलिखित में पुंलिङ्ग शब्द कौन-सा नहीं है–

UP TGT–2010

(A) निधिः (B) विधिः

(C) प्रविधिः (D) सरणी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–510*

19. पयः पदस्य लिङ्गमस्ति– DL–2015

(A) पुँल्लिङ्गम् (B) स्त्रीलिङ्गम्

(C) विविधलिङ्गम् (D) नपुंसकलिङ्गम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–118*

13. (B)	14. (D)	15. (A)	16. (A)	17. (B)
23. (C)	24. (C)	25. (C)	26. (A)	

20. 'देवता' शब्दः कस्मिन् लिङ्गे अस्ति– **DL–2015**

(A) पुँल्लिङ्गे (B) स्त्रीलिङ्गे
(C) नपुंसकलिङ्गे (D) उभयलिङ्गे

स्रोत–*पाणिनीयलिङ्गानुशासनम् - ईश्वरचन्द्र, पेज–11*

21. 'विधिः' शब्द किस लिङ्ग में प्रयुक्त होता है? **H-TET–2015**

(A) पुँल्लिङ्ग में (B) स्त्रीलिङ्ग में
(C) नपुंसकलिङ्ग में (D) उक्त तीनों में

स्रोत–*पाणिनीय-लिङ्गानुशासनम् - ईश्वरचन्द्र, पेज–23*

22. 'धीराः' इति पदं कस्मिन् लिङ्गे प्रयुक्तमस्ति? **REET–2016**

(A) पुँल्लिङ्गे (B) स्त्रीलिङ्गे
(C) नपुंसकलिङ्गे (D) सर्वलिङ्गे

स्रोत–*नीतिशतकम् (श्लोक-71) - राजेश्वर मिश्र, पेज–137*

23. कवि का स्त्रीलिङ्ग होगा? **UP PGT (H)– 2002**

(A) कवियत्री (B) कवियित्री
(C) कवयित्री (D) कवियत्रि

स्रोत–*राजपाल हिन्दी शब्दकोश - हरदेव बाहरी, पेज–154*

24. स्त्रीलिङ्गे कः शब्दः प्रयुज्येत – **UP TGT (H)– 2002**

(A) महिमा (B) समाधिः
(C) विपत्तिः (D) अञ्जलिः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.94) - ईश्वरचन्द्र, पेज–372*

25. निम्नलिखितेषु किं पदं नपुंसकलिङ्गे अस्ति? **C- TET– 2012**

(A) गुणः (B) मृगः
(C) तपः (D) विद्या

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–118*

26. व्याकरणशास्त्रस्य प्रथमः प्रवक्ता कः? **BHU AET– 2012**

(A) ब्रह्मा (B) इन्द्रः
(C) बृहस्पतिः (D) पाणिनिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, भू. पेज–XIX*

18. (D)	19. (D)	20. (B)	21. (A)	22. (A)

27. कः पतञ्जलिः? BHU AET– 2012

(A) सूत्रकारः　　(B) वार्तिककारः

(C) भाष्यकारः　　(D) प्रक्रियाकारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–03*

28. 'मुनित्रयम्' इति नाम्ना प्रसिद्धाः–

RPSC ग्रेड -II (TGT)– 2010

(A) पाणिनिपतञ्जलियाज्ञवल्क्याः

(B) अत्रिपाणिनिनारदाः

(C) पतञ्जलिवररुचिकण्वाः

(D) पाणिनिपतञ्जलिवररुचयः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी भाग-1-गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–02*

29. पाणिने अर्वाचीनः आचार्यः कः– BHU AET– 2012

(A) स्फोटायनः　　(B) पतञ्जलिः

(C) शाकटायनः　　(D) सेनकः

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथ त्रिपाठी, पेज–31

30. नागेशस्य पितुः नाम किम्? BHU MET– 2012

(A) कौण्डभट्टः　　(B) रङ्गोजिभट्टः

(C) कुमारिलभट्टः　　(D) शिवभट्टः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, भू–XXII*

31. लोपागमवर्णविकारज्ञः कः? BHU AET– 2012

(A) वैयाकरणः　　(B) नैयायिकः

(C) मीमांसकः　　(D) साहित्यिकः

स्रोत–*व्याकरण-महाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–22*

32. कः पाणिनेः पूर्ववर्ती वैयाकरणः BHU AET– 2012

(A) आपिशलिः　　(B) वोपदेवः

(C) वासुदेवदीक्षितः　　(D) चन्द्रगोमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–प्राक्कथन*

33. पतञ्जलिना विद्याध्ययनाय कुत्र उषितम्–

BHU AET– 2012

(A) मथुरायाम्　　(B) साकेते

(C) पाटलिपुत्रे　　(D) विदिशायाम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज भू. XXI*

27. (C)	**28. (D)**	**29. (B)**	**30. (D)**	**31. (A)**
37. (B)	**38. (A)**	**39. (B)**	**40. (D)**	

34. वार्तिककार के रूप में व्याकरण में किसे जाना जाता है?
UP PGT (H)– 2004

(A) पतञ्जलि (B) भट्टोजिदीक्षित
(C) कात्यायन (D) जयादित्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज भू. XXI*

35. व्याकरण के मुनियों की संख्या है–
UGC 73 J– 2005

(A) सप्त (B) पञ्च
(C) त्रयः (D) एका

स्रोत–*अष्टाध्यायी (सूत्रपाठ) - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–01*

36. वार्तिककार हैं– **RPSC ग्रेड-I (PGT)– 2011, DSSSB PGT– 2014, UGC 73 S–2013**

(A) पाणिनिः (B) कात्यायनः
(C) पतञ्जलिः (D) भर्तृहरिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–भू. (XXI)*

37. कात्यायनस्य काः सन्ति? **REET–2016**

(A) सूत्राणि (B) वार्तिकानि
(C) मन्त्राणि (D) परिभाषासूत्राणि

संस्कृत व्याकरण का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक - रामनाथ त्रिपाठी, पेज–116-117

38. पाणिनिः – **BHU AET– 2010**

(A) वैयाकरणः (B) दार्शनिकः
(C) कविः (D) तपस्वी

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–02*

39. 'पाणिनि' कौन थे? **MP PSC– 1993**

(A) इतिहासकार (B) व्याकरणविद्वान्
(C) चिकित्सक (D) जैनविद्वान्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–02*

40. 'मुनित्रय' में जिनकी गणना नहीं होती वे हैं–
BHU MET– 2015

(A) पाणिनि (B) कात्यायन
(C) पतञ्जलि (D) कैय्यट

स्रोत–*अष्टाध्यायी (सूत्रपाठ) - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–01*

32. (A) **33.** (C) **34.** (C) **35.** (C) **36.** (B)

41. पतञ्जलेः अपरं नाम किम्– BHU AET– 2012

(A) गोनर्दीयः (B) वररुचिः

(C) दाक्षिपुत्रः (D) शालातुरीयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज भू.–(XXI)*

42. पतञ्जलिवाणीशुद्ध्यर्थम् अरचयत् UK TET– 2011

(A) आयुर्वेदम् (B) धनुर्वेदम्

(C) ऋग्वेदम् (D) व्याकरणम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् (पस्पशाह्निकं)-मधुसूदन मिश्र, पेज–14-15*

43. व्याकरण के त्रिमुनियों में कौन नहीं आता है? UP TET– 2013

(A) शाकटायन (B) महर्षिपतञ्जलि

(C) पाणिनि (D) कात्यायन

स्रोत–*अष्टाध्यायी (सूत्रपाठ) - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–01*

44. व्याकरणशास्त्रे प्रथमं प्रकृतिप्रत्ययविभागरूपसंस्कारः केन कृतः? BHU AET– 2012

(A) इन्द्रेण (B) बृहस्पतिना

(C) ब्रह्मणा (D) पाणिनिना

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथ त्रिपाठी, पेज–27-28

45. त्रिमुनिव्याकरणे त्रयः मुनयः सन्ति? AWES TGT– 2008

(A) पाणिनि, वररुचि, कात्यायन

(B) पाणिनि, कण्व, पतञ्जलि

(C) पाणिनि, शाकल्य, पतञ्जलि

(D) पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (सूत्रपाठ) - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–01*

46. ''सिंहो व्याकरणस्य कर्तुमहरत्प्राणान् प्रियान् पाणिनेः'' इत्यादि पद्यमिदं कुत्रास्ति? BHU AET– 2011

(A) कथासरित्सागरे (B) श्लोकवार्तिके

(C) पाणिनीयशिक्षायाम् (D) तन्त्रवार्तिके

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथ त्रिपाठी, पेज–77, 78

47. 'पतञ्जलेः' जन्मस्थानं कुत्र– BHU AET– 2012

(A) उत्कले (B) पाटलिपुत्रे

(C) गोनर्दप्रदेशे (D) विदिशायाम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, भू. पेज–5*

41. (A)	**42.** (D)	**43.** (A)	**44.** (D)	**45.** (D)
51. (D)	**52.** (A)	**53.** (B)	**54.** (D)	

48. महाभाष्य के लेखक 'पतञ्जलि' समसामयिक थे?

UP PCS– 2011

(A) चन्द्रगुप्तमौर्य के (B) अशोक के

(C) पुष्यमित्रशुंग के (D) चन्द्रगुप्तप्रथम के

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, भू. पेज–4*

49. पाणिनेः अपरं नाम किम्– **BHU AET– 2012**

(A) दाक्षिपुत्रः (B) गोणिकापुत्रः

(C) गोनर्दीयः (D) वररुचिः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–2*

50. सतीदेवी कस्य माता– **BHU AET– 2014**

(A) हरिदीक्षितस्य (B) भट्टोजिदीक्षितस्य

(C) कौण्डभट्टस्य (D) नागेशस्य

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज भू.–XXII*

51. कौण्डभट्टस्य पितुः नाम किम्– **BHU AET– 2012**

(A) भर्तृहरिः (B) हरिदीक्षितः

(C) भट्टोजिदीक्षितः (D) रङ्गोजिभट्टः

स्रोत–*वैयाकरण-भूषणसार (खण्ड–1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–13*

52. कति सार्वधातुकलकाराः सन्ति? **BHU Sh.ET– 2008**

(A) चत्वारः (B) त्रयः

(C) सप्त (D) षट्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.67) - ईश्वरचन्द्र, पेज–280*

53. कति आर्धधातुकमूलकाः लकाराः?

BHU Sh. ET– 2008

(A) पञ्च (B) षट्

(C) सप्त (D) दश

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.1.67) - ईश्वरचन्द्र, पेज–280*

54. 'लट्लकार' किस काल का बोधक है–

UP TGT– 2009

(A) भविष्यकाल का (B) विधि, आज्ञा, आशीष अर्थ का

(C) भूतकाल का (D) वर्तमानकाल का

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.123) - ईश्वरचन्द्र, पेज–335*

46. (A)	**47.** (C)	**48.** (C)	**49.** (A)	**50.** (D)

55. भूतार्थे 'स्म' इति प्रयुज्यते? UGC 73 J-2012

(A) लटि (B) लृटि

(C) लोटि (D) लङि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.118) - ईश्वरचन्द्र, पेज–334*

56. वर्तमानकालः AWES TGT– 2008

(A) प्रारब्धः कालः (B) कालः न समाप्तः

(C) प्रारब्धोऽपसमापृश्च (D) भूतभविष्यतोः प्रतिद्वन्द्वी

स्रोत–*वैयाकरण-सिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–4)-गोविन्दाचार्य, पेज–9*

57. लट्लकारस्य प्रयोगः भवति– AWES TGT– 2012

(A) वर्तमाने (B) प्रारब्धकाले

(C) अपरिसमाप्तकाले (D) प्रारब्धोपरिसमाप्तकाले

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.123) - ईश्वरचन्द्र, पेज–335*

58. परोक्ष के अर्थ में लकार है– UGC 73 J 2008

(A) लट् (B) लङ्

(C) लिट् (D) लिङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.115) - ईश्वरचन्द्र, पेज–333*

59. परोक्षभूते कस्य लकारस्य प्रयोगः क्रियते?

AWES TGT– 2009

(A) लिट् (B) लङ्

(C) लुट् (D) लेट्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.115) - ईश्वरचन्द्र, पेज–333*

60. परोक्षे विहितः लकारः– CVVET–2015

(A) लट् (B) लेट्

(C) लिट् (D) लुट्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.115) - ईश्वरचन्द्र, पेज–333*

61. (i) 'अनद्यतनभविष्यति' को लकारः

(ii) 'अनद्यतनभविष्यति' को लकारो विधीयते?

(iii) 'अनद्यतन भविष्य' के लिए प्रयुक्त होता है–

UP TGT– 2005, BHU Sh. ET– 2008

(A) लट् (B) लिट्

(C) लुट् (D) लङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.15) - ईश्वरचन्द्र, पेज–356*

55. (A) 56. (D) 57. (A) 58. (C) 59. (A)

65. (D) 66. (A) 67. (D)

62. संस्कृत में भविष्यकाल के लिए प्रयोग किया जाता है–
UP TET–2014

(A) लट्लकार (B) लोट्लकार
(C) लृट्लकार (D) लङ्लकार

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–296

63. 'सामान्य भविष्य' के लिए प्रयुक्त होता है?
UP TGT–2004

(A) लङ्लकार (B) लोट्लकार
(C) लृट्लकार (D) लट्लकार

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–296

64. 'लृट्लकारः' कस्य कालस्य बोधकः अस्ति?
UP PGT (H)– 2004, UGC 25 D – 2011

(A) वर्तमानकालस्य (B) भूतकालस्य
(C) भविष्यत्कालस्य (D) एतेषु न कोऽपि

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–296

65. 'भविष्यत्' अर्थ में कौन लकार प्रयुक्त होता है?
BHU MET–2012

(A) लट् (B) विधिलिङ्
(C) लोट् (D) लृट्

स्रोत–संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–296

66. लौकिक संस्कृत में प्रयुक्त नहीं होने वाला लकार कौन-सा है?
BHU MET–2008

(A) लेट् (B) लट्
(C) लोट् (D) विधिलिङ्

स्रोत–(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–294
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–376-377

67. केवल वेद में प्रयुक्त होने वाला लकार कौन सा है?
UP PGT– 2004, 2005, BHU MET– 2010

(A) लट् (B) लिट्
(C) लृट् (D) लेट्

स्रोत–(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–294
(ii) बृहद् अनुवाद चन्द्रिका-चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, पेज–217

60. (C) **61.** (C) **62.** (C) **63.** (C) **64.** (C)

68. 'भवतात्' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे को लकारः?

BHU Sh.ET– 2008

(A) आशीर्वादे लिट्　　(B) आशीर्वादे लङ्
(C) आशीर्वादे लुङ्　　(D) आशीर्वादे लोट्

स्रोत–*धातुरूपकौमुदी - राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–02*

69. लोट्लकार का प्रयोग किस अर्थ में होता है?

UP PGT (H)– 2005

(A) भूतकाल के लिए　　(B) वर्तमानकाल के लिए
(C) आज्ञा व आशीर्वाद के लिए (D) चाहिये के अर्थ में

स्रोत–*संस्कृत-व्याकरण-प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–312*

70. 'लोटो लङ्वत्' इति सूत्रेण अधोलिखितविकल्पमात्रेषु किमभिप्रेतम्?　　**UGC 25 D–2015**

(A) अडागमः　　(B) आडागमः
(C) ह्यादेशः　　(D) सलोपः

स्रोत–*(i) अष्टाध्यायी (3.4.85)-ईश्वरचन्द्र, पेज–412*
(ii) लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–401

71. 'आनय' पद में कौन-सा लकार है?　H-TET–2015

(A) लोट्लकार　　(B) लङ्लकार
(C) विधिलिङ्　　(D) लृट्लकार

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–158*

72. सूची I का मिलान सूची II से कीजिए और दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

UP TGT (H)– 2001

सूची I	**सूची II**
(अ) लट्लकार	(i) भविष्यत्काल
(ब) लोट्लकार	(ii) वर्तमानकाल
(स) लङ्लकार	(iii) आज्ञार्थक
(द) लृट्लकार	(iv) भूतकाल

	अ	ब	स	द
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–294, 296, 297, 305

68. (D)　69. (C)　70. (D)　71. (A)　72. (D)
78. (A)　79. (C)

73. 'अपालयत्' इत्यत्र लकारः अस्ति– REET–2016

(A) लोट्लकार (B) लट्लकार

(C) लुङ्लकार (D) लङ्लकार

स्रोत–*बृहद्धातुकुसुमाकरः - हरेकान्त मिश्र, पेज–626*

74. 'अनद्यतने विहितः लकारः? CVVET–2015

(A) लोट् (B) लृट्

(C) लुङ् (D) लङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.2.111) - ईश्वरचन्द्र, पेज–332*

75. 'विधिनिमन्त्रणाऽऽमन्त्रणाधीष्टसम्प्रश्नप्रार्थनेषु' इस सूत्र से कौन-सा लकार विहित है? BHU MET–2012

(A) लट् (B) लोट्

(C) लङ् (D) लिङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.161) - ईश्वरचन्द्र, पेज–388*

76. 'छात्राः पठेयुः' इत्यत्र क्रियायाः लकारः अस्ति– REET–2016

(A) लट्लकारः (B) लोट्लकारः

(C) विधिलिङ्लकारः (D) लृट्लकारः

स्रोत–*धातुरूपकौमुदी - राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–111*

77. हेतुहेतुमद्भावे को लकारः? BHU Sh. ET– 2008

(A) लृट् (B) लिङ्

(C) लोट् (D) लुङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.156) - ईश्वरचन्द्र, पेज–387*

78. विध्यादिषु अर्थेषु कस्य लकारस्य प्रयोगः क्रियते– AWES TGT– 2009

(A) विधिलिङ् (B) आशीर्लिङ्

(C) लुट् (D) लुङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (3.3.161) - ईश्वरचन्द्र, पेज–388*

79. सम्भावना के लिए क्या लकार प्रयोग होता है? BHU MET– 2010

(A) लङ् (B) लट्

(C) लिङ् (D) लोट्

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–297*
(ii) बृहद् अनुवाद चन्द्रिका-चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, पेज–227

73. (D)	74. (D)	75. (D)	76. (C)	77. (B)

80. 'अश्रौषम्' में कौन सा लकार है? UP TGT– 2010

(A) लुङ्लकार (B) लोट्लकार

(C) लिट्लकार (D) लङ्लकार

स्रोत–*संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–333*

81. 'सत्यमेव जयते' इस वाक्य में आत्मनेपद हुआ है? UGC 73 D– 2008

(A) 'विपराभ्यां जेः' इति सूत्रेण

(B) आर्षत्वात्

(C) जि धातोः उभयपदित्वात्

(D) जि धातोः आत्मनेपदित्वात्

स्रोत–*लूसेंट सामान्य ज्ञान, पेज–9*

82. 'धर्ममुच्चरते' इत्यत्र क्रियापदे आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम्? UGC 25 D 2014

(A) उदश्चरः सकर्मकात् (B) अकर्मकाच्च

(C) पूर्ववत्सनः (D) समस्तृतीयायुक्तात्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.53) - ईश्वरचन्द्र, पेज–95*

83. 'अनुकरोति' इत्यत्र परस्मैपदविधायकं सूत्रं किम्? UGC 25 D - 2014

(A) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिपः (B) अनुपराभ्यां कृञः

(C) परेर्मृषः (D) व्याङ्परिभ्यो रमः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.79) - ईश्वरचन्द्र, पेज–103*

84. 'सर्पिषो जानीते' इत्यत्र क्रियापदे आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम्? UGC 25 J–2015

(A) तङानावात्मनेपदम् (B) कर्तरि कर्मव्यतिहारे

(C) अनुदात्तङित आत्मनेपदम् (D) अकर्मकाच्च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–93*

85. 'उपरमति' इत्यत्र परस्मैपदविधायकं सूत्रं किम्? UGC 25 J–2015

(A) व्याङ्परिभ्यो रमः (B) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिपः

(C) अनुपराभ्यां कृञः (D) उपाच्च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.84) - ईश्वरचन्द्र, पेज–103*

80. (A) 81. (B) 82. (A) 83. (B) 84. (D)
90. (B) 91. (A)

86. 'भोजनकाले उपतिष्ठते' इत्यत्रात्मनेपदविधायकसूत्रं किम्?
UGC 25 S–2013

(A) अकर्मकाच्च (B) उपान्मन्त्रकरणे

(C) समवप्रविभ्यः स्थः (D) उदोऽनूर्ध्वकरणे

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.26) - ईश्वरचन्द्र, पेज–89*

87. आत्मनेपदस्य विधानं करोति– **UK SLET–2015**

(A) आत्मनेपदेष्वनतः

(B) कास्प्रत्यायादाममन्त्रे लिटि

(C) आम्प्रत्ययवत्कृञोऽनुप्रयोगस्य

(D) कृञ्चानुप्रयुज्यते लिटि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.63) - ईश्वरचन्द्र, पेज–98*

88. 'शत्रुमधिकुरुते' इत्यत्र क्रियापदे आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम्? **UGC 25 D–2015**

(A) वेः शब्दकर्मणः (B) अकर्मकाच्च

(C) अधेः प्रहसने (D) उपपराभ्याम्

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–5)-गोविन्दाचार्य, पेज–397*

89. 'अध्यापयति वेदम्' इत्यत्र क्रियापदे परस्मैपदविधायकं सूत्रं किम् **UGC 25 D–2015**

(A) विभाषाऽकर्मकात् (B) निगरणचलनार्थेभ्यश्च

(C) परेर्मृषः (D) बुधयुधनशजनेङ्प्रुद्रुस्रुभ्यो णेः

स्रोत–*वैयाकरण-सिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–5)-गोविन्दाचार्य, पेज–445*

90. महाभाष्ये कति आह्निकानि सन्ति? **BHU AET–2012**

(A) 80 (B) 84

(C) 82 (D) 83

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–1*

91. महाभाष्यस्य द्वितीयाह्निकस्य नाम किम्?
BHU AET–2012

(A) प्रत्याहाराह्निकम् (B) समर्थाह्निकम्

(C) पस्पशाह्निकम् (D) कारकाह्निकम्

संस्कृत वाड्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड–15)- बलदेव उपाध्याय, पेज–118

85. (D)	86. (A)	87. (C)	88. (C)	89. (D)

92. पाणिनीयव्याकरणे केषां शब्दानामनुशासनं भवति?
BHU AET– 2012

(A) लौकिकानामेव (B) वैदिकानामेव
(C) उभयेषाम् (D) न केषाञ्चित्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–9*

93. किं तावत् व्याकरणम्? BHU AET– 2012

(A) लक्ष्यमेव (B) लक्ष्यलक्षणे
(C) लक्षणमेव (D) अर्थः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–126*

94. 'पस्पशा' शब्द किससे सम्बद्ध है? BHU MET– 2008

(A) शाङ्करभाष्य (B) पातञ्जलमहाभाष्य
(C) वाक्यपदीय (D) परिभाषेन्दुशेखर

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–भू. 8*

95. महाभाष्यानुसारं सिद्धान्ततः व्याकरणशब्दस्य कोऽर्थः?
UGC 25 J– 2013

(A) सूत्रम् (B) लक्ष्यम्
(C) शब्दः (D) लक्ष्य-लक्षणे

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–126*

96. 'स्थूला चासौ पृषती च स्थूलपृषती' – इति विग्रहे कीदृशी स्वरव्यवस्था प्रवर्तते? UGC 25 D– 2013

(A) पूर्वपदप्रकृतिस्वरत्वम्
(B) उत्तरपदप्रकृतिस्वरत्वम्
(C) समासान्तानुदात्वम्
(D) समासान्तोदात्तत्वम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम्-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–27-28*

97. 'अथ गौरित्यत्र' कः शब्दः? UGC 25 D 2013

(A) सास्ना-लाङ्गूल-ककुद-खुर-विषाण्यर्थरूपं स शब्दः।
(B) इङ्गितं चेष्टितं निमिषितं स शब्दः
(C) भिनेष्वभिन्नं छिन्नेष्वछिन्नं सामान्यभूतं स शब्दः
(D) येनोच्चारितेन सास्ना-लाङ्गूल-ककुद-खुर विषाणिनां सम्प्रत्ययो भवति सः शब्दः।

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–17*

92. (C) 93. (B) 94. (B) 95. (D) 96. (D)
102. (B) 103. (C)

98. ''येनोच्चारितेन सास्नालाङ्गूलककुदखुरविषाणिनां सम्प्रत्ययो भवति स शब्दः'' इत्यत्र उच्चारितेन इत्यस्य कः अर्थः अस्ति? **JNU M.Phil/Ph.D–2014**

(A) श्रुतेन (B) लिखितेन
(C) उच्चारितप्रकाशितेन (D) निर्दिष्टेषु कश्चिदपि नास्ति

स्रोत–*व्याकरण-महाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–17*

99. महाभाष्यरीत्या 'चत्वारि शृङ्गा' इत्यत्र किं चत्वारि पदेन गृह्यते? **UGC 25 S–2013**

(A) चत्वारो वेदाः (B) चत्वारः विद्याभ्यासकालाः
(C) चत्वारः ऋत्विजः (D) नामाख्यातोपसर्गनिपाताश्च

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–46*

100. महाभाष्ये 'कूपखानकवत्' इत्युदाहरणं कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तम्? **UGC 25 J–2014**

(A) शब्दस्य ज्ञाने धर्मः (B) गौरित्यत्र कः शब्दः
(C) किमर्थं वर्णानामुपदेशः (D) सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–117*

101. व्याकरण के अध्ययन का प्रयोजन है– **UGC 73 J–2012, 2013**

(A) यशः प्राप्ति (B) व्यवहारज्ञानम्
(C) अर्थप्राप्ति (D) वेदानां रक्षा

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–22*

102. 'अथ शब्दानुशासनम्' यहाँ 'अथ' शब्द प्रयुक्त होता है– **UGC 73 D–2012**

(A) आरम्भार्थे (B) अधिकारार्थे
(C) मङ्गलार्थे (D) प्रश्नार्थे

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–5*

103. शब्द अर्थ सम्बन्ध को नित्य मानते हैं– **UGC 73 J–2013**

(A) महाकवयः (B) वेदान्तिनः
(C) वैयाकरणाः (D) नैयायिकाः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–91*

97. (D) 98. (C) 99. (D) 100. (A) 101. (D)

104. 'रक्षोहागमलघ्वसन्देहाः प्रयोजनम्' – यहाँ 'ऊह' का अर्थ है– UGC 73 S– 2013

(A) तर्कः (B) निश्चयः

(C) सन्देहः (D) वादः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–23*

105. न सर्वैर्लिङ्गैर्न च सर्वाभिर्विभक्तिभिर्वेदमन्त्रानिगदिताः। ते चावश्यं यज्ञगतेन पुरुषेण यथायथं विपरिणमयितव्याः इतीयं भाष्यपङ्क्तिः वर्णयति – UK SLET– 2015

(A) रक्षानामकं व्याकरणप्रयोजनम्

(B) असन्देहनामकं व्याकरणप्रयोजनम्

(C) लघुनामकं व्याकरणप्रयोजनम्

(D) ऊहनामकं व्याकरणप्रयोजनम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–23*

106. 'भद्रैषां लक्ष्मीर्निहिताधिवाचि' इति पंक्तिः कस्मिन् प्रसङ्गे महाभाष्ये उद्धृता? UGC 25 D–2015

(A) शब्दपरिभाषाप्रसङ्गे (B) व्याकरणाध्ययनप्रयोजनप्रसङ्गे

(C) शब्दार्थसम्बन्धप्रसङ्गे (D) व्याकरणलक्षणप्रसङ्गे

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–56*

107. ''भवे च तद्धितः प्रोक्तादयश्च तद्धिताः'' इति वाक्यद्वयेन निराकर्तुम् इष्यते– UK SLET– 2015

(A) सूत्राणां व्याकरणत्वम्

(B) शब्दानां व्याकरणत्वम्

(C) लक्ष्यलक्षणानां व्याकरणत्वम्

(D) व्याकरणस्य मोक्षसाधनत्वम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–124*

108. ''अथ गौरित्यत्र'' कः शब्दः इत्यनेन किं प्रतिपाद्यते? UGC 25 D– 2014

(A) ध्वनिः (B) स्फोटः

(C) मात्रा (D) स्वरः

स्रोत–*व्याकरण महाभाष्यम्-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–17-18*

104. (B) 105. (D) 106. (B) 107. (B) 108. (A)
114. (C) 115. (C)

109. 'प्रतीतपदार्थको लोके ध्वनिरिति शब्दः' इति कथनं लभ्यते– UP GDC – 2014

(A) महाभाष्ये (B) लघुसिद्धान्तकौमुद्याम्
(C) सिद्धान्तकौमुद्याम् (D) वाक्यपदीये

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–19*

110. 'पश्पशा' इत्युच्यन्ते UP GDC– 2014

(A) पाशाः (B) पशुः
(C) वर्णाः (D) भाषा

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–35*

111. चत्वारि शृङ्गास्त्रयोऽस्य पादाः द्वे शीर्षे सप्तहस्तासोऽस्य' इत्युदाहरणे रेखाङ्कितांशस्य आशयोऽस्ति– UP GDC– 2014

(A) सप्तविभक्तयः (B) सप्तलोकाः
(C) सप्तकराः (D) सप्तपादाः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–47*

112. 'चत्वारि शृङ्गाः त्रयोऽस्य पादा' इति मन्त्रे चत्वारिपदस्य निरुक्तसम्मतः अर्थोऽस्ति? JNU M.Phil/Ph. D–2014

(A) धर्मार्थकाममोक्षाः (B) नामाख्यातोपसर्गनिपाताः
(C) ऋग्यजुःसामाथर्ववेदाः (D) होतृद्गात्रध्वर्युब्रह्माणः

स्रोत–*निरुक्तम् - छज्जूराम शास्त्री, पेज–587*

113. महाभाष्य का विषय क्या था? MP PSC– 1994, 2003

(A) व्याकरण (B) ज्योतिष
(C) संगीत (D) बौद्धधर्म

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–भू. 5*

114. व्याकरणस्य गौणप्रयोजनानि सन्ति– UK SLET– 2012

(A) 12 (B) 14
(C) 13 (D) 10

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–29*

115. व्याकरणस्य सर्वोत्तमपद्धतिः का– UK SLET– 2012

(A) अर्थोपदेशः (B) वर्णोपदेशः
(C) शब्दोपदेशः (D) ध्वन्युपदेशः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम्-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–67, 68*

109. (A) 110. (C) 111. (A) 112. (C) 113. (A)

116. पतञ्जलिमतानुसारं वेदस्य षट्स्वङ्गेषु कस्य प्राधान्यम्
JNU MET–2015

(A) निरुक्तस्य (B) छन्दसः
(C) शिक्षायाः (D) व्याकरणस्य

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्कर लाल त्रिपाठी, पेज–25*

117. (i) पतञ्जल्यनुसारं व्याकरणस्य मुख्यानि प्रयोजनानि कति सन्ति– UP GDC– 2012, BHU AET– 2010, 2012
(ii) व्याकरणाध्ययनस्य कति प्रमुखप्रयोजनानि?
(iii) पतञ्जलेरनुसारं व्याकरणाध्ययनस्य मुख्य-प्रयोजनानि सन्ति? HE–2015, JNU MET–2015
(iv) शब्दानुशासनस्य कति मुख्यानि प्रयोजनानि?

(A) चत्वारि (B) षड्
(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्कर लाल त्रिपाठी, पेज–21*

118. वैयाकरणैः शब्दार्थयोः सम्बन्धः स्वीकृतः–
UP GDC– 2012

(A) संयोगसम्बन्धः (B) समवायसम्बन्धः
(C) नित्यसम्बन्धः (D) अनित्यसम्बन्धः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–91*

119. 'स वाग्वज्रो यजमानं हिनस्ति' इत्यनेन महाभाष्ये किमभिप्रेतम्? UGC 25 J – 2015

(A) शब्दशुद्धिः (B) चित्तशुद्धिः
(C) कायशुद्धिः (D) व्यवहारशुद्धिः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–32*

120. पाणिनीयशिक्षायां वर्णानां संख्या वर्तते? REET–2016

(A) 63 या 64 (B) 32 या 33
(C) 26 या 27 (D) 40 या 50

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-3)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–70

121. एकः शब्दः सम्यग्ज्ञातः स्वर्गे लोके कः भवति–
UGC 73 J– 2015

(A) राजा (B) यशस्वी
(C) कामधुक् (D) पण्डितः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–भू. 20*

116. (D) 117. (C) 118. (C) 119. (A) 120. (A)
126. (C) 127. (A) 128. (C)

122. ''ग्रामे-ग्रामे काठकं कालापकं च'' इति कुत्र प्राप्यते? **BHU AET– 2010**

(A) महाभाष्ये (B) वार्तिके
(C) गीतायाम् (D) मल्लिनाथभाष्ये

स्रोत–*वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–134*

123. 'एको निमित्तं शब्दानामपरोऽर्थे प्रयुज्यते' इति पंक्तिः कुत्र उपलभ्यते? **UGC 25 D–2015**

(A) महाभाष्ये (B) वाक्यपदीये
(C) पाणिनीयशिक्षायाम् (D) अष्टाध्याय्याम्

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (का. 43) - शिवशंकर अवस्थी, पेज–208*

124. पाणिनिना अष्टाध्याय्यां वैयाकरणानामुल्लेखः कृतः– **BHU AET– 2011**

(A) अष्टानाम् (B) सप्तानाम्
(C) दशानाम् (D) षण्णाम्

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथ त्रिपाठी, पेज–55-71

125. अष्टाध्याय्याः प्रथमं सूत्रं किम्? **BHU AET– 2012**

(A) वृद्धिरादैच् (B) अदेङ्गुणः
(C) आद् गुणः (D) इको गुणवृद्धी

स्रोत–*अष्टाध्यायी (सूत्रपाठ) - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–02*

126. एषु को स्मर्यतेऽष्टाध्याय्याम्? **BHU AET– 2012**

(A) पतञ्जलिः (B) चन्द्रगोमी
(C) गार्ग्यः (D) वोपदेवः

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथ त्रिपाठी, पेज–59

127. पाणिनिना अष्टाध्याय्यां कति आचार्याः स्मृताः? **BHU AET– 2012**

(A) दश (B) चतुर्दश
(C) चत्वारः (D) पञ्चदश

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास-युधिष्ठिर मीमांसक/रामनाथ त्रिपाठी, पेज–55-71

128. भट्टोजिमतेन अष्टाध्याय्यां कति सूत्राणि सन्ति? **DSSSB PGT–2014**

(A) 3970 (B) 3980
(C) 3974 (D) 3984

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–भू. 9*

121. (C) 122. (A) 123. (B) 124. (C) 125. (A)

129. अष्टाध्याय्याम् अन्तिमं सूत्रं किम्? DSSSB PGT– 2014

(A) अइउण् (B) पूर्वत्रासिद्धम्

(C) इति शब्दानुशासनम् (D) अ अ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–भू. XX*

130. पाणिनि ने किस ग्रन्थ के द्वारा भाषा को एकरूपता देने का प्रयास किया? UGC (H) J– 2008

(A) महाभाष्य (B) अष्टाध्यायी

(C) योगवाशिष्ठ (D) बृहस्पतिनीतिसार

स्रोत–*संस्कृत शास्त्रों का इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–434*

131. अष्टाध्याय्याः प्रत्येकम् अध्याये कति पादाः सन्ति– JNU MET–2015

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) त्रयः (D) षट्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (भाग–1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–भू. 7*

132. पाणिनीयशिक्षायां कति श्लोकाः सन्ति– UGC 25 D–2015

(A) चतुःषष्टिः (B) त्रिषष्टिः

(C) षष्टिः (D) सप्ततिः

स्रोत–*पाणिनीयशिक्षा-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–41*

133. 'शास्त्रानुपूर्वं तद्विद्यात् यथोक्तं लोकवेदयोः' इति पंक्तिः कुत्र उपलभ्यते? UGC 25 D–2015

(A) पाणिनिशिक्षायाम् (B) अष्टाध्याय्याम्

(C) वाक्यपदीये (D) महाभाष्ये

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक–1)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–02

134. अकर्मक तथा सकर्मक का सम्बन्ध है– UP TET– 2013

(A) संज्ञा से (B) सर्वनाम से

(C) क्रिया से (D) विशेषण से

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52-53*

135. सकर्मकत्वं किम्? BHU AET– 2011

(A) फलाश्रयत्वम्

(B) फलव्यधिकरणव्यापारवाचकत्वम्

(C) व्यापाराश्रयत्वम्

(D) फलसमानाधिकरणव्यापारवाचकत्वम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–378*

129. (D) 130. (B) 131. (A) 132. (C) 133. (A)

139. (C) 140. (C) 141. (A)

136. 'रामः खादति' वाक्येऽस्मिन् 'खादति' क्रियापदम् अस्ति? AWES TGT–2013

(A) सकर्मकः (B) द्विकर्मकः
(C) सकर्मकाकर्मकौ (D) अकर्मकः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–4)-गोविन्दाचार्य, पेज–07*

137. 'बालिका पठति' वाक्येऽस्मिन् 'पठति' क्रिया कीदृशी– AWES TGT–2010

(A) सकर्मकाकर्मकौ (B) अकर्मकः
(C) द्विकर्मकः (D) सकर्मकः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–4)-गोविन्दाचार्य, पेज–07*

138. क्रिया अकर्मक होती है जब– UP TGT–2013
(गलत विकल्प चुनिए)

(A) जब धातु का अर्थ बदल जाए
(B) जब धातु के अर्थ में कर्मसमाविष्ट हो
(C) जब धातु का कर्म अत्यन्त प्रसिद्ध हो
(D) जब कर्म शब्दों से लिखा न हो

स्रोत–*संस्कृत-व्याकरण-प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–184*

139. 'जुहोति' क्रियया सह किं पदं युक्तम्? BHU Sh.ET–2011

(A) वृक्षेण (B) अपवर्गेण
(C) हविषा (D) वायुना

स्रोत–*संस्कृत-व्याकरण-प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–118*

140. 'वारीणि' इत्यनेन सह का क्रिया योग्या? BHU Sh. ET–2011

(A) स्तः (B) अस्ति
(C) सन्ति (D) नास्ति

स्रोत–*संस्कृत-व्याकरण-प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–81*

141. 'प्रयाति' इति पदेन कस्य प्रयोगः? BHU Sh.ET–2011

(A) ग्रामम् (B) ग्रामेण
(C) हे ग्राम! (D) ग्रामाः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.49) - ईश्वरचन्द्र, पेज–127*

134. (C) 135. (B) 136. (A) 137. (D) 138. (D)

142. 'दाराः' इति पदेन सह किं पदमुपयुक्तम्

BHU Sh.ET– 2011

(A) गच्छति　　　　(B) धावति

(C) पठामि　　　　(D) तिष्ठन्ति

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40*

143. उत्तपते, वितपते, इत्यनयोः क्रियापदयोः कोऽर्थः?

UGC 25 J 2013

(A) विलापयतीत्यर्थः　　　　(B) संतापयतीत्यर्थः

(C) दीप्यते-इत्यर्थः　　　　(D) उष्णं-करोतीत्यर्थः

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–5)-गोविन्दाचार्य, पेज–382*

144. प्रत्यय का अर्थ व्यापार अधिकरण फलवाचकत्व है–

UGC 73 J– 2014

(A) सकर्मकत्वम्　　　　(B) अकर्मकत्वम्

(C) अव्ययत्वम्　　　　(D) व्यापारत्वम्

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–4)-गोविन्दाचार्य, पेज–08*

145. कर्म की दृष्टि से क्रिया के भेद हैं– UP PCS– 2013

(A) तीन　　　　(B) दो

(C) चार　　　　(D) पाँच

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड–5)-गोविन्दाचार्य, पेज–456*

146. 'क्रिया' से कौन उक्त होते हैं–　　UP TGT– 2013

(A) कर्ता　　　　(B) कर्म

(C) भाव　　　　(D) उपर्युक्त सभी

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52*

147. ''उरण् रपरः'' इति किम्?　　BHU Sh. ET– 2008

(A) विधिसूत्रम्　　　　(B) अतिदेशसूत्रम्

(C) संज्ञासूत्रम्　　　　(D) अधिकारसूत्रम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–47*

148. किमत्र परिभाषासूत्रम्?　　BHU Sh.ET– 2008

(A) हलन्त्यम्　　　　(B) इको यणचि

(C) स्थानेऽन्तरतमः　　　　(D) मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–30*

142. (D)　143. (C)　144. (A)　145. (B)　146. (D)
152. (A)　153. (C)

149. 'गुणः' आदेशं केन सूत्रेण भवति–

RPSC ग्रेड-II (TGT)– 2010

(A) जुसि च (B) श्लौ
(C) अदभ्यस्तात् (D) वृत्तो वा

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–567*

150. 'काल्याः दासः इति कालिदासः' इस व्युत्पत्ति में कालिदास के नाम में 'काली' शब्द के अन्तिम दीर्घ ईकार को ह्रस्व इकार किस सूत्र से हुआ–

UP TET– 2014

(A) ङिति ह्रस्वश्च (B) ई च गुणः
(C) ङ्यापोः संज्ञाछन्दसोर्बहुलम् (D) ङिच्च

स्रोत–*अष्टाध्यायी (6.3.62) - ईश्वरचन्द्र, पेज–763*

151. 'तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य' सूत्रे कस्याः सप्तम्याः ग्रहणं भवति? BHU AET– 2012

(A) वैषयिकसप्तम्याः (B) अभिव्यापकसप्तम्याः
(C) सतिसप्तम्याः (D) औपश्लेषिकसप्तम्याः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.1.65) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48*

152. अवङ्स्फोटायनस्येति सूत्रे स्फोटायनग्रहणं किमर्थम्?

BHU AET– 2012

(A) पूजार्थम् (B) स्पष्टार्थम्
(C) लाघवार्थम् (D) उत्तरार्थम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–1), पेज–79*

153. समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J– 2012

(A) प्राचां ष्फ **1. क्रियातिपत्तौ**
(B) लिङ्निमित्ते लृङ् **2. तृतीयान्यतरस्याम्**
(C) प्रेष्यब्रुवोर्हविषो **3. तद्धितः**
(D) तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्याम् **4. देवतासम्प्रदाने**

	A	B	C	D
(A)	2	3	1	4
(B)	3	2	4	1
(C)	3	1	4	2
(D)	4	2	3	1

स्रोत–*अष्टाध्यायी (क) 4.1.17 (ख) 3.3.139*
(ग) 2.3.61 (घ) 2.3.72 पेज–426, 384, 214, 219

147. (A) 148. (C) 149. (A) 150. (C) 151. (C)

154. 'इजादेश्च गुरुमतोऽनुच्छः' इति सूत्रेण किं विधीयते?
UGC 25 J– 2012, D–2015

(A) आम् (B) इट्
(C) वृद्धिः (D) गुणः

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (3.1.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–267*

155. अधस्तनयुग्मेभ्यः समीचीना तालिका चेतव्या–
UGC 25 J– 2015

(अ) कृञः प्रतियत्ने (i) योजनं योजने वा
(ब) अभाषितपुंतकाच्च (ii) गङ्का, गङ्किका
(स) कालात् सप्तमी च वक्तया (iii) कुम्भकारः
(द) तत्रोपपदं सप्तमीस्थम् (iv) एधोदकस्योपस्करणम्

	अ	ब	स	द
(A)	4	2	1	3
(B)	3	2	1	4
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	3	4

स्रोत–*अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, पेज–211, 935, 122, 289*

156. अनुदात्तेत उपदेशे यो ङित् तदन्ताच्च धातोः लस्य स्थाने किं स्यात्– **UGC 25 D– 2012**

(A) परस्मैपदम् (B) आत्मनेपदम्
(C) प्रातिपदिकम् (D) आर्धधातुकम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.3.12) (भाग–1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–83*

157. समीचीनां तालिकां विचिनुत– UGC 25 J – 2012

(अ) हलोऽनन्तराः (1) केवलसमासः
(ब) विशेषसंज्ञाविनिर्मुक्तः (2) संयोगः
(स) प्रायेणान्यपदार्थप्रधानः (3) इत्थम्भूतलक्षणे
(द) जटाभिस्तापसः (4) बहुव्रीहिः

	अ	ब	स	द
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	1	2

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–145, 147, 27*

154. (A) 155. (A) 156. (B) 157. (C) 158. (B)

158. 'कृत्यल्युटो बहुलम्' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्–
UGC 25 D– 2012

(A) प्रयाणीयम् (B) स्नानीयं चूर्णम्
(C) प्रभव्यम् (D) प्रयाभ्यम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–777

159. 'भू+शप्>अ+अन्ति' इति स्थिते द्वयोः अकारयोः केन सूत्रेण किं भवति– UGC 25 J– 2013

(A) अतो गुणे इत्यनेन पूर्वरूपत्वम्
(B) अतो गुणे इत्यनेन पररूपत्वम्
(C) अतो गुणे इत्यनेन गुणादेशत्वम्
(D) आद् गुणः इत्यनेन गुणादेशत्वम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–389

160. 'भू लिट्>ल्>तिप्>णल्> अ = भू + अ'– इति स्थिते किं कार्यं भवति– UGC 25 D– 2013

(A) इको यणचि - इति यणादेशः
(B) लिटि धातोरनभ्यासस्य - इति द्वित्वम्
(C) भुवो वुग्लुङ्लिटोः - इति वुगागमः
(D) सार्वधातुकार्धधातुकयोः - इति गुणः

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–4)-गोविन्दाचार्य, पेज–33

161. समीचीनां तालिकां चिनुत– UGC 25 J– 2014

(अ) अलोऽन्त्यात्पूर्वः **(1) अध्ययनात् पराजयते**
(ब) माणवकं पन्थानं पृच्छति **(2) नीलोत्पलम्**
(स) पराजेरसोढः **(3) अकथितं च**
(द) विशेषणं विशेष्येण बहुलम् **(4) उपधा**

	अ	ब	स	द
(A)	3	2	4	1
(B)	2	1	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	1	4	2	3

(i) संस्कृत-व्याकरण-प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–182, 208, 248
(ii) अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48

159. (B) 160. (C) 161. (C)

162. 'फले प्रधानं व्यापारस्तिङर्थस्तु विशेषणम्' – यह उक्ति कहाँ पर उद्धृत है? UGC 73 D–2015

(A) वैयाकरणमहाभाष्ये (B) शब्देन्दुशेखरे
(C) सिद्धान्तकौमुद्याम् (D) भूषणसारे

स्रोत–*वैयाकरणभूषणसार (श्लोक-2)-भीमसेन शास्त्री, पेज–14*

163. 'भवन्ति' में अन्तादेशविधिः किस सूत्र से होता है। UGC 73 J– 2015

(A) झोऽन्तः (B) लिट् च
(C) इतश्च (D) झेर्जुस्

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग–4)-गोविन्दाचार्य, पेज–22*

164. 'न माङ् योगे' इति सूत्रस्य कः आशयः BHU Sh. ET– 2008

(A) लकाराभावः (B) अडागमनिषेधः
(C) धातुसंज्ञानिषेधः (D) अतीतार्थनिषेधः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–416*

165. 'भिक्षुः प्रभुमुपतिष्ठते' इत्यत्रात्मनेपदविधायकं किम्– UGC 25 J– 2014

(A) अकर्मकाच्च (B) वा लिप्सायामिति वक्तव्यम्
(C) उपान्मन्त्रकरणे (D) समवप्रविभ्यः स्थः

स्रोत–*अष्टाध्यायी (भाग–1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–88*

166. 'वीरपत्नी' इति कस्य सूत्रस्योदाहरणं वर्तते– UGC 25 J–2014

(A) पत्युर्नो यज्ञसंयोगे (B) नित्यं सपत्न्यादिषु
(C) अन्तर्वत्पति वतोर्नुक् (D) विभाषा सपूर्वस्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (4.1.35) - ईश्वरचन्द्र, पेज–431*

167. 'मो राजि समः क्वौ'– इस सूत्र का उदाहरण है– UGC 73 J– 2013

(A) यशांसि (B) सम्राट्
(C) हरिं वन्दे (D) संस्कर्ता

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–100*

162. (D) 163. (A) 164. (B) 165. (B) 166. (B)
172. (A) 173. (B) 174. (B)

168. ञिति णिति च तद्धिते परे आदिवृद्धिविधायकं सूत्रमस्ति– UGC 73 S– 2013

(A) वृद्धिरादैच् (B) वृद्धिरेचि
(C) किति च (D) तद्धितेष्वचामादेः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–927*

169. 'आदेः परस्य' इस सूत्र का अपवादक होता है– UGC 73 D– 2013

(A) अलोऽन्त्यस्य (B) स्वरितेनाधिकारः
(C) अनेकाल्-शित्-सर्वस्य (D) ङिच्च

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–93*

170. 'अचोञ्णिति' सूत्र से वृद्धि होती है– UGC 73 D– 2013

(A) सखायौ (B) उपैति
(C) प्रौढः (D) रामौ

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–178*

171. 'हे बहुश्रेयसि' इसमें ह्रस्व होता है– UGC 73 D – 2013

(A) अम्बार्थनद्योर्ह्रस्वः (B) आण्नद्याः
(C) आटश्च (D) यू स्त्र्याख्यौ नदी

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–187*

172. 'क्रोष्टुः' इसमें उकार आदेश होता है– UGC 73 J– 2014

(A) ऋत उत् (B) विसर्जनीयस्य सः
(C) ससजुषो रुः (D) प्रादयः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–200*

173. भसञ्ज्ञायाः विधानं करोति– UK SLET– 2015

(A) झयः (B) तसौ मत्वर्थे
(C) वयसि पूरणान् (D) वर्णाद् ब्रह्मचारिणि

स्रोत–*अष्टाध्यायी (1.4.19) - ईश्वरचन्द्र, पेज–117*

174. 'न क्रोडादिबह्वचः' इत्येतत् सूत्रं वर्तते– UK SLET– 2015

(A) 'पुंयोगादाख्यायाम्' इत्यस्यापवादः
(B) 'स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्' इत्यस्यापवादः
(C) 'यञश्च' इत्यस्यापवादः
(D) 'अनो बहुव्रीहेः' इत्यस्यापवादः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1170*

167. (B)	168. (D)	169. (A)	170. (A)	171. (A)

175. 'आनि लोट्' इत्यनेन किं विधीयते–

UGC 25 D– 2014

(A) णत्वम् (B) षत्वम्

(C) कुत्वम् (D) मत्वम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–404*

176. 'अनादिनिधनं ब्रह्म शब्दत्वं'– यह कथन किसका है?

UGC 73 D–2015

(A) नागेश (B) भट्टोजिदीक्षित

(C) भर्तृहरि (D) नारायणभट्ट

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (श्लोक–1) - शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–01*

177. अधोङ्कितानां युग्मानां शुद्धां तालिकां चिनुत–

(अ) टिड्ढाणञ्द्वयसज्दघ्नञ्मात्रच्तयपठक्ठञ्कञ्क्वरपः **(1) ईद्यति**

(ब) लोमादिपामादि-पिच्छादिभ्यः शनेलचः **(2) ऐधिषत**

UGC 25 D– 2014

(स) आत्मनेपदेष्वनतः **(3) यादृशी**

(द) ग्लेयम् **(4) पिच्छलः**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	1	3
(B)	1	3	1	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	2	1

अष्टाध्यायी (अ) 4.1.15. (ब) 5.2.100 (स) 7.1.5. (द) 6.4.65

178. 'बहुलं छन्दसि' वेदस्य स्वच्छन्दताक्षेत्रं कथ्यते–

DL– 2015

(A) उच्चारणविधिषु (B) शिक्षणविधिषु

(C) दीक्षातन्त्रे (D) व्याकरण-नियमक्षेत्रे

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (2.4.39) - ईश्वरचन्द्र, पेज–231*

179. 'सेर्ह्यपिच्च' सूत्र से किसका विधान किया गया है–

BHU MET– 2012

(A) सि (B) हि

(C) पित् (D) च

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (3.4.87)-ईश्वरचन्द्र, पेज–412-413*

175. (A) 176. (C) 177. (D) 178. (D) 179. (B)
185. (C)

180. 'असिद्धं बहिरङ्गमन्तरङ्गे' इति किमस्ति?

JNU MET–2015

(A) परिभाषा (B) सूत्रम्
(C) वार्त्तिकम् (D) भाष्यम्

स्रोत–*परिभाषेन्दुशेखर - विश्वनाथ मिश्र, पेज–180*

181. 'यङ्' प्रत्यय विधायक सूत्र है– **BHU MET– 2012**

(A) गुणो यङ्लुकोः
(B) यङोऽचि च
(C) दीर्घोऽकितः
(D) धातोरेकाचो हलादेः क्रियासमभिहारे यङ्

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (3.1.22) - ईश्वरचन्द्र, पेज–259*

182. व्याकरण क्यों पढ़े? **UGC 73 D–2015**

(A) वेदानां रक्षार्थम् (B) शास्त्राणां रक्षार्थम्
(C) मन्वन्तराणां रक्षार्थम् (D) देवानां रक्षार्थम्

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–22*

183. ''उच्चैरुदात्तः, नीचैरनुदात्तः, समाहारः स्वरितः'' सूत्राणां सूत्रकारः कः– **UGC 25 D– 2014**

(A) पतञ्जलिः (B) पाणिनिः
(C) सायणः (D) यास्कः

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (1.2.29, 1.2.30)-ईश्वरचन्द्र, पेज–66*

184. 'ग्लानः' इत्यत्र तकारस्य नकारविधायकं शास्त्रमस्ति–

BHU AET–2011

(A) रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः
(B) संयोगादेरातो धातोर्यण्वतः
(C) ओदितश्च
(D) ल्वादिभ्यः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–809*

185. 'पूर्वत्रासिद्धम्' इति कीदृशं सूत्रम् **BHU AET 2011**

(A) परिभाषासूत्रम् (B) अतिदेशसूत्रम्
(C) अधिकारसूत्रम् (D) संज्ञासूत्रम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–49*

180. (A)	181. (D)	182. (A)	183. (B)	184. (B)

186. अधोङ्कितानां युग्मानां समीचीना तालिका चेतव्या–
UGC 25 J 2015

(अ) झयः　　　　　　**(1) भृत्यः**
(ब) मनोरौ वा　　　　**(2) शताद् बद्धः**
(स) भृञोऽसंज्ञायाम्　　**(3) विद्युत्वान्**
(द) अकर्तृर्यृणे पञ्चमी　　**(4) मनु**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	4	3	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	3	2	4
(D)	3	4	2	1

अष्टाध्यायी (अ) 8.2.10 (ब) 4.1.38 (स) 3.1.112 (द) 2.3.24

187. 'अन्तादिवच्च' सूत्र का उदाहरण है– H-TET– 2014

(A) शिवायोन्नमः　　　(B) शिवेहि
(C) पतञ्जलिः　　　(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–64*

188. 'जनान् वारयित्वा अपृच्छत' में रेखाङ्कित पद का विधान करने वाला सूत्र है– H-TET– 2014

(A) समानकर्तृकयोः पूर्वकाले
(B) क्त्वा-तोसुन्कसुनः
(C) अलं खल्वोः प्रतिषेधयोः प्राचां क्त्वा
(D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (3.4.21) - ईश्वरचन्द्र, पेज–397*

189. 'तन्मात्रम्' किस सूत्र का उदाहरण है– H-TET– 2014

(A) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा　　(B) झलां जशोऽन्ते
(C) झरो झरि सवर्णे　　(D) मोऽनुस्वारः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–90-91*

190. 'तद्धितेष्वचामादेः' इति सूत्रेण किं विधीयते–
UGC 73 J– 2015

(A) दीर्घः　　　(B) गुणः
(C) ह्रस्वः　　　(D) वृद्धिः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–927*

186. (B) 187. (B) 188. (A) 189. (A) 190. (D)
196. (D) 197. (A)

191. 'अनचि च' इति सूत्रे नञः अर्थः अस्ति– **JNU M.Phil/Ph.D–2014**

(A) पर्युदासः (B) प्रसज्यप्रतिषेधः
(C) अल्पत्वम् (D) अप्राशस्त्यम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (8.4.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1095*

192. ''इदमाद्यं पदस्थानं सिद्धिसोपानपर्वणाम्'' इत्यत्र इदमिति पदस्यार्थो भवति– **UGC 73 D–2014**

(A) साहित्यम् (B) व्याकरणम्
(C) दर्शनम् (D) निरुक्तम्

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (श्लोक 16)-शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–125*

193. 'वज्रं पतति मस्तके' इति पद्यांशः कुत्रोक्तः– **UGC 25 J–2015**

(A) महाभाष्ये (B) अष्टाध्याय्याम्
(C) वाक्यपदीये (D) पाणिनीयशिक्षायाम्

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक 53)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायनः, पेज–70

194. 'अर्थरूपं तथा शब्दे स्वरूपं च प्रकाशते' यह है– **UGC 73 J–2014**

(A) वाक्यपदीये (B) लघुमञ्जूषायाम्
(C) काशिकायाम् (D) महाभाष्ये

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (49) - शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–223*

195. 'फलमात्र धात्वर्थ है, व्यापार प्रत्ययार्थ है' यह मत है– **UGC 73 J–2014**

(A) नागेशभट्टस्य (B) मण्डनमिश्रस्य
(C) भट्टोजिदीक्षितस्य (D) बालभट्टस्य

स्रोत–*वैयाकरणभूषणसार - भीमसेन शास्त्री, पेज–36*

196. वैयाकरणमते धात्वर्थोऽस्ति– **BHU MET–2011**

(A) फलम् (B) भावना
(C) कर्त्ता (D) फलव्यापारौ

स्रोत–*वैयाकरणभूषणसार (खण्ड–1) - भीमसेन शास्त्री, पेज–28*

197. नागेशमते 'अइउण्' इत्यत्र कथं न संहिताकार्यम्– **BHU MET–2012**

(A) अविवक्षया (B) उपजीव्यविरोधात्
(C) सौत्रत्वात् (D) निपातनात्

स्रोत–*लघुशब्देन्दुशेखर - विश्वनाथ मिश्र, पेज–06*

191. (B) **192.** (B) **193.** (D) **194.** (A) **195.** (B)

198. नागेशमतेन उपदेशशब्दः कीदृशः– BHU MET–2012

(A) भावघञन्तः		(B) करणल्युडन्तः

(C) करणघञन्तः		(D) कर्मघञन्तः

स्रोत–*लघुशब्देन्दुशेखर - विश्वनाथ मिश्र, पेज–56*

199. नृत्तावसाने शिवः कति वारं ढक्कां ननाद– BHU AET–2012

(A) द्वादशवारम्		(B) नववारम्

(C) दशवारम्		(D) चतुर्दशवारम्

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–13*

200. सन्ध्यक्षराणि कानि– BHU AET–2012

(A) ए ओ ऐ औ		(B) अ इ उ

(C) ऋ लृ		(D) य व र ल

स्रोत–*ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् – वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–43*

201. 'अनुविद्धमिव ज्ञानं सर्वं शब्देन भासते' जिसमें है, वह है– BHU–MET–2014

(A) महाभाष्य		(B) वाक्यपदीय

(C) काशिकावृत्ति		(D) रूपचन्द्रिका

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड का. 114)-शिवङ्कर अवस्थी, पेज–368*

202. 'तुन्नवत्' इति किमुच्यते– UGC 25 J–2014

(A) सक्तुः		(B) परिपवनम्

(C) टङ्कारध्वनिः		(D) तन्तुशाटिका

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्कर लाल त्रिपाठी, पेज–54*

203. विकल्प कहाँ स्वीकृत होता है– UGC 73 D–2008

(A) अतुल्यबले		(B) तुल्यबले

(C) अप्राप्ते		(D) असंगते

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (1.4.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–108*

204. 'टित्' का आगम कहाँ होता है– UGC 73 D–2011

(A) अन्त्यावयवः		(B) आद्यवयवः

(C) अन्त्यादचः परम्		(D) अन्त्यादचः पूर्वम्

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (1.1.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–27*

198. (C) 199. (D) 200. (A) 201. (B) 202. (B)
208. (A) 209. (A) 210. (D) 211. (C)

205. 'अनेकव्यक्तिभिः व्यङ्ग्यं स्फोटः' भवति– **UGC 73 D– 2013**

(A) वर्णः (B) जातिः
(C) पदम् (D) वाक्यम्

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (का.-92)-शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–309*

206. ''प्रणवस्य स्फोटत्वं स्फुटमेवोक्तम्''– यह उक्ति किस ग्रन्थ में उद्धृत है– **UGC 73– D – 2013**

(A) महाभाष्ये (B) सिद्धान्तकौमुद्याम्
(C) वाक्यपदीये (D) परमलघुमञ्जूषायाम्

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (ब्रह्म काण्ड) का.–9*

207. पाणिनीयशिक्षा में ध्वनियाँ कितने सर्गों में विभक्त हैं– **UP PGT– 2003**

(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-9-10)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–79

208. 'पचति' इस आख्यात अर्थ के लिए कर्त्ता में अन्वय है– **UGC 73 D– 2013**

(A) समवायेन (B) आश्रयता-सम्बन्धेन
(C) विषयता-सम्बन्धेन (D) संयोगेन

स्रोत–*वैयाकरणभूषणसार - भीमसेन शास्त्री, पेज–21*

209. वाक्यपदीयकारेण स्फोटग्रहणाय कीदृशो ध्वनिर्निर्दिष्टः– **UGC 25 D– 2014**

(A) नित्यः (B) अनित्यः
(C) प्राकृतः (D) वैकृतः

स्रोत–*वाक्यपदीयम् - शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–12, 145*

210. व्याकरणपाठसामग्र्यां न गण्यते– **DL– 2015**

(A) सन्धिः (B) समासः
(C) उपसर्गाः (D) रससिद्धिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–45, 234, 518*

211. भाष्यविधेरपरं नाम भवति– **DL– 2015**

(A) व्यासविधिः (B) पाठ्यपुस्तकविधिः
(C) व्याख्याविधिः (D) पारम्परिकीविधिः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम्-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–भू. 4-6*

203. (B) 204. (B) 205. (B) 206. (C) 207. (B)

212. 'सर्वप्रातिपदिकेभ्यः क्विब्वा वक्तव्यः'– यह क्या है–
BHU MET–2012

(A) सूत्र (B) वार्तिक

(C) वृत्ति (D) भाष्य

स्रोत–*अष्टाध्यायी (भाग–1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–256*

213. हिन्दी का पाणिनि किसको कहा जाता है–
UP PGT (H) – 2004

(A) कामताप्रसाद गुरू (B) रामचन्द्र वर्मा

(C) भोलानाथ तिवारी (D) किशोरीदास वाजपेयी

स्रोत–*हिन्दी भाषा एवं साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास-गोविन्द पाण्डेय, पेज–36*

214. अभिनवगुप्तः कस्य शिष्यः आसीत्–BHU AET– 2011

(A) पुण्यराजस्य (B) हेलाराजस्य

(C) चन्द्राचार्यस्य (D) हरिस्वामिनः

स्रोत–*संस्कृत-वाङ्मय का बृहद् इतिहास-बलदेव उपाध्याय, पेज–112*

215. वैयाकरणमते तिङर्थः– BHU AET– 2011

(A) कृतिः (B) कर्म

(C) भावना (D) कर्तृ-कर्म-संख्या-कालाः

स्रोत–*लघुसिद्धान्त कौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–377, 379*

216. 'चत्वारि शृङ्गाः' इति मन्त्रे व्याकरणशास्त्रीत्या सप्त के–
BHU AET 2012

(A) लोकः (B) ऋषयः

(C) विभक्तयः (D) पदार्थाः

स्रोत–*व्याकरणमहाभाष्यम्-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–45-46*

217. 'अल्पाक्षर' जिसका लक्षण है, वह है–BHU MET– 2015

(A) सूत्र (B) व्याख्या

(C) वृत्ति (D) फक्किका

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, – भू. XX*

218. ध्वनिस्फोटयोर्मध्ये कः सम्बन्धः– UGC 25 J– 2015

(A) कार्यकारणभावः (B) शक्तिशक्तिमद्भावः

(C) गुणगुणिभावः (D) क्रियाक्रियावद्भावः

स्रोत–*वाक्यपदीयम् – शिवशङ्कर अवस्थी–भू. 5, 142*

212. (B)	**213. (A)**	**214. (B)**	**215. (D)**	**216. (C)**
222. (B)	**223. (D)**	**224. (B)**	**225. (B)**	**226. (B)**

219. स्वीकृतं भर्तृहरिमते वाचः– UGC 25 J– 2015

(A) चातुर्विध्यम् (B) त्रैविध्यम्

(C) द्वैविध्यम् (D) ऐकविध्यम्

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (श्लोक-133) - शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–422*

220. तृतीये सवने कीदृशः स्वरः प्रयोज्यः –UGC 25 J– 2015

(A) गम्भीरः (B) मध्यमः

(C) तारः (D) कम्पः

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-8)- शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–11

221. शब्दतत्त्वं केन रूपेण विवर्तते– UGC 73 J– 2015

(A) शब्दभावेन (B) अर्थभावेन

(C) ब्रह्मरूपेण (D) ध्वनिरूपेण

स्रोत–*वाक्यपदीयम् - शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–29*

222. रङ्गवर्णे कति मात्राः निर्दिष्टाः– UGC 25 D – 2014

(A) एकमात्रा (B) द्वे मात्रे

(C) तिस्रो मात्राः (D) बह्वयो मात्राः

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-28)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायनः, पेज–115

223. अतीतस्य कति भेदाः– BHU Sh.ET– 2008

(A) चत्वारः (B) द्वौ

(C) पञ्च (D) त्रयः

स्रोत–*रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01*

224. कति विध्यादयोऽर्थाः– BHU Sh. ET– 2011

(A) पञ्च (B) षट्

(C) चत्वारः (D) सप्त

स्रोत– *लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड–2), पेज–64, 65*

225. मध्यमपुरुषे को आदेशः– BHU Sh.ET– 2013

(A) वस् (B) थस्

(C) झि (D) तस्

स्रोत–*अष्टाध्यायी भाग–1 (3.4.78) - ईश्वरचन्द्र, पेज–409*

226. कश्चात्र विशेषसंज्ञायुक्तशब्दः– BHU Sh.ET– 2008

(A) बालकः (B) युष्मद्

(C) देवः (D) कविः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.27) - गोविन्दाचार्य, पेज–152*

217. (A) 218. (A) 219. (B) 220. (C) 221. (B)

227. एषु को व्याकरणस्य आशयः–

BHU Sh.ET– 2008

(A) लक्ष्यम्

(B) लक्षणम्

(C) उभयम्

(D) नोभयम्

***स्रोत**–व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज–126*

227. (C) **228.** (A)

228. अधस्तनयुग्मेभ्यः समीचीना तालिका चेतव्या–

(अ) कर्तृकर्मणोः कृति	**(i) युक्तयोगः**
(ब) निष्ठा	**(ii) शतस्य शतं वा प्रतिदीव्यति**
(स) विभाषोपसर्गे	**(iii) वीरपुरुषको ग्रामः**
(द) अनेकमन्यपदार्थे	**(iv) जगतः कर्ता कृष्णः**

कूट : **UGC 25 D–2015**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

स्रोत–*अष्टाध्यायी (अ) 2.3.65 (ब) 1.1.25 (स) 2.3.59 (द) 2.2.24*

15. व्याकरण के

1. **(i) अष्टाध्यायी के रचनाकार हैं UP TGT 2004, 2010**
(ii) अष्टाध्यायी किसकी कृति है– UP PCS 2006 MP PSC 1995, RPCS 2008 Jh PCS 2010, UGC 25 D 2013, BHU MET 2011,BHU AET 2011
(A) पाणिनि (B) पतञ्जलि
(C) वररुचि (D) माहेश्वर

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–95*

2. **पाणिनिना कः ग्रन्थः रचितः?**
DSSSB-TGT 2014, BHU B.Ed. 2014
(A) महाभाष्य (B) वाक्यपदीय
(C) प्रौढमनोरमा (D) अष्टाध्यायी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–95*

3. **महान् व्याकरणाचार्य पाणिनि ने संस्कृत की वर्णमाला को बाँटा है– UP TET–2013**
(A) 10 खण्डों में (B) 12 खण्डों में
(C) 14 खण्डों में (D) 16 खण्डों में

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–38*

4. **पाणिनिना महेश्वरात् कति सूत्राणि अधिगतानि–**
JNU MET–2015
(A) पञ्चदश (B) चतुर्दश
(C) त्रयोदश (D) द्वादश

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–26*

5. **'अष्टाध्यायी' ग्रन्थ सम्बन्धित है?**
UP TET 2014, BHU AET 2010
(A) व्याकरण से (B) अलङ्कार से
(C) नाट्यशास्त्र से (D) काव्यशास्त्र से

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–26*

1. (A) 2. (D) 3. (C) 4. (B) 5. (A)

ग्रन्थ-ग्रन्थकार

6. **पाणिनेः व्याकरणस्य अभिधानम्–**

AWES TGT 2010, 2011

(A) अष्टाध्यायी (B) महाभाष्य
(C) सिद्धान्तकौमुदी (D) लघुसिद्धान्तकौमुदी

स्रोत–*(i) संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबूराम सक्सेना, पेज–25-26*
(ii) संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–95

7. **अष्टाध्यायी की रचना आठ अध्यायों में किसने की थी–**

MP PSC 2005

(A) पतञ्जलि (B) पाणिनि
(C) कौटिल्य (D) कालिदास

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका - बाबूराम सक्सेना, पेज–26*

8. **महाभाष्यकारः कः अस्ति:** **REET–2016**

(A) पाणिनिः (B) पतञ्जलिः
(C) कात्यायनः (D) भट्टोजिदीक्षितः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–127*

9. **(i) 'महाभाष्य' किसने लिखा–** **BHU AET 2010**
(ii) महाभाष्य के रचयिता कौन हैं? BHU MET 2008, 2011, UGC 73 D 1992, 1996, MP PCS 1998

(A) पतञ्जलि (B) कात्यायन
(C) पाणिनि (D) वरदराज

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–127*

10. **महाभाष्य-उद्योतव्याख्यानस्य कर्ता कः?**

BHU AET 2012

(A) कैयटः (B) भर्तृहरिः
(C) नागेशः (D) चारुदेवशास्त्री

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–160*

6. (A) 7. (B) 8. (B) 9. (A) 10. (C)

11. महाभाष्यस्य प्रथम-व्याख्याग्रन्थः कः?

BHU AET 2012

(A) प्रदीपः (B) उद्योतः

(C) प्रदीपोद्योतः (D) महाभाष्यदीपिका

(i) व्याकरण महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्)-जयशंकर लाल त्रिपाठी– भू. 06

(ii) संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–139

12. महाभाष्यम्– BHU AET 2010

(A) व्याकरणम् (B) सांख्यम्

(C) योगः (D) वेदान्तः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–136*

13. पतञ्जलि का सम्बन्ध किस रचना से है –

MP PCS 1993

(A) चरकसंहिता (B) दिव्यावदान

(C) अष्टाध्यायी (D) महाभाष्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–127*

14. 'काशिकावृत्ति' के रचयिता हैं? BHU MET 2014

(A) पाणिनि (B) वामनजयादित्य

(C) पतञ्जलि (D) माहेश्वर

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–169*

15. काशिकावृत्तिः केन विरचिता? BHU AET 2012

(A) जयादित्यवामनाभ्याम् (B) भर्तृहरिणा

(C) कैयटेन (D) नारायणभट्टेन

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–169*

16. 'पदमञ्जरी' कस्य ग्रन्थस्य टीका? BHU AET 2012

(A) काशिकावृत्तेः (B) महाभाष्यस्य

(C) भाषावृत्तेः (D) वाक्यपदीयस्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–172*

11. (D) **12.** (A) **13.** (D) **14.** (B) **15.** (A)
21. (D)

17. काशिकोपरि पदमञ्जरीकार आसीत् BHU AET 2011
(A) हरदत्तमिश्रः (B) शिवभट्टः
(C) रङ्गनाथयज्वा (D) रामदेवमिश्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–171*

18. 'काशिका टीका' किस ग्रन्थ पर प्राप्त होती है? BHU MET 2012
(A) वाक्यपदीय (B) अष्टाध्यायी
(C) महाभाष्य (D) सिद्धान्तकौमुदी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–171*

19. 'काशिका' है? UP PGT H 2000
(A) पाणिनि कृत 'अष्टाध्यायी' की टीका
(B) पतञ्जलि कृत 'महाभाष्य' की टीका
(C) पतञ्जलि कृत 'योगसूत्र' की टीका
(D) भर्तृहरि कृत 'वाक्यपदीय' की टीका

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–171,172*

20. (i) 'सिद्धान्तकौमुदी' के प्रणेता UP TGT 1993
(ii) 'सिद्धान्तकौमुदी' के रचनाकार कौन हैं?
BHU AET–2010, 2012, 2013, H-TET 2014
(A) पाणिनि (B) पतञ्जलि
(C) भट्टोजिदीक्षित (D) वरदराज

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

21. भट्टोजिदीक्षितः कस्य ग्रन्थस्य रचयिता? BHU AET 2012
(A) काशिकावृत्तेः (B) महाभाष्यस्य
(C) भाषावृत्तेः (D) प्रौढमनोरमायाः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

16. (A) 17. (A) 18. (B) 19. (A) 20. (C)

22. एषु कः प्रक्रियाग्रन्थः? BHU AET 2012

(A) लघुमञ्जूषा (B) सिद्धान्तकौमुदी
(C) संग्रहः (D) प्रदीपः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

23. सिद्धान्तकौमुद्याः 'बालमनोरमा'–व्याख्यायाः प्रवक्ता कः? BHU AET 2012

(A) सायणाचार्यः (B) अनुभूतिस्वरूपाचार्यः
(C) शाकटायनः (D) वासुदेवदीक्षितः वाजपेयी

स्रोत–*वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-एक) गोपालदत्त पाण्डेय भू. पेज–16*
संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–203

24. 'शब्दकौस्तुभस्य' रचयिता कः? BHU AET 2011, 2012

(A) नागेशभट्टः (B) हरिदीक्षितः
(C) भट्टोजिदीक्षितः (D) कौण्डभट्टः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

25. सिद्धान्तकौमुदीग्रन्थस्य प्रथमा टीका का? BHU AET 2012

(A) लघुशब्देन्दुशेखरः (B) बालमनोरमा
(C) प्रौढमनोरमा (D) लक्ष्मी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

26. सिद्धान्तकौमुद्यास्तत्त्वबोधिनीटीकायाः प्रणेता आसीत्? BHU AET 2011

(A) ज्ञानेन्द्रसरस्वती (B) वासुदेवदीक्षितः
(C) शिवरामत्रिपाठी (D) नृसिंहः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

27. अष्टाध्याय्याः 'शब्दकौस्तुभ'–वृत्तेः प्रणेताऽस्ति? BHU AET 2011

(A) अप्पयदीक्षितः (B) विश्वेश्वरपाण्डेयः
(C) भट्टोजिदीक्षितः (D) कौण्डभट्टः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

22. (B) 23. (D) 24. (C) 25. (C) 26. (A)
32. (C) 33. (B)

28. भट्टोजिदीक्षितः– **BHU AET 2010**
(A) वेदभाष्यकर्ता (B) सिद्धान्तकौमुदीप्रणेता
(C) श्रौतसूत्रप्रणेता (D) गृह्यसूत्रप्रणेता

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

29. **'तत्त्वबोधिनी' किस ग्रन्थ पर टीका है?** **BHU MET 2008**
(A) सिद्धान्तकौमुदी (B) काशिका
(C) अष्टाध्यायी (D) लघुसिद्धान्तकौमुदी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–201*

30. **(i) 'लघुसिद्धान्तकौमुदी' केन कृता– BHU MET 2008**
(ii) 'लघुसिद्धान्तकौमुदी' के रचयिता कौन हैं? 2009, 2011, BHU B.Ed 2011, BHU AET 2010, UP TET 2014, UP GIC 2015, H-TET–2015
(A) वरदराजाचार्य (B) नागेशभट्ट
(C) कौण्डभट्ट (D) भट्टोजिदीक्षित

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य – भू. 23*

31. **लघुमञ्जूषाग्रन्थस्य रचयिता कः? BHU AET 2012**
(A) नागेशः (B) विश्वनाथः
(C) रङ्गनाथः (D) वैद्यनाथः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–160*

32. **लघुशब्देन्दुशेखरकार आसीत्–** **BHU AET 2011**
(A) हरिदीक्षितः (B) भट्टोजिदीक्षितः
(C) नागेशभट्टः (D) कौण्डभट्टः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–160*

33. **'वैयाकरणसिद्धान्तमञ्जूषा' इति ग्रन्थस्य प्रणेता आसीत्–** **BHU AET 2011**
(A) वैद्यनाथपायगुण्डे (B) नागेशभट्टः
(C) भट्टोजिदीक्षितः (D) बालभट्टः

स्रोत–*लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य – भू. 22*

27. (C)	**28.** (B)	**29.** (A)	**30.** (A)	**31.** (A)

34. वाक्यपदीयग्रन्थस्य रचयिता/लेखकः कः?
BHU AET 2012, UGC 73 D–2015

(A) भर्तृहरिः (B) हरिदीक्षितः
(C) भट्टोजिदीक्षितः (D) कौण्डभट्टः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–139*

35. 'व्याकरणचन्द्रोदय' के रचयिता हैं– BHU MET 2014

(A) पट्टाभिरामशास्त्री (B) कमलनाथत्रिपाठी
(C) डॉ. सत्यव्रतशास्त्री (D) पं. चारुदत्तत्रिपाठी

36. 'मुग्धबोध' व्याकरण के रचयिता का नाम है–
UGC 73J 2013

(A) हेमचन्द्रः (B) कात्यायनः
(C) वोपदेवः (D) भर्तृहरिः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–240*

37. शब्दार्थसम्बन्धानां नित्यत्वं भर्तृहरिमते कुत्राम्नातम् अस्ति? JNU M.Phil/Ph. D–2014

(A) पाणिनिसूत्रेषु
(B) कात्यायनवार्तिकेषु
(C) संग्रहग्रन्थे महाभाष्ये च
(D) एतेषु (A), (B), (C) इत्यत्र निर्दिष्टेषु सर्वेष्वेव

स्रोत–*वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड का.-23)-शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–132*

38. 'संग्रहग्रन्थः' केन विरचितः? BHU AET 2011, 2012

(A) पाणिनिना (B) पतञ्जलिना
(C) भर्तृहरिणा (D) व्याडिना

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–353*

39. कः पाणिनेः पूर्ववर्ती वैयाकरणः? BHU AET 2012

(A) आपिशलिः (B) बोपदेवः
(C) वासुदेवदीक्षितः (D) चन्द्रगोमी

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–53*

34. (A) 35. (D) 36. (C) 37. (D) 38. (D)
44. (D) 45. (C)

40. रूपावतारस्य रचयिता कः? BHU AET 2011-2012

(A) रामचन्द्राचार्यः (B) धर्मकीर्तिः
(C) विमलसरस्वती (D) नागेशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–196*

41. प्रथमप्रक्रियाकारः कः? BHU AET 2012

(A) रामचन्द्राचार्यः (B) धर्मकीर्तिः
(C) विमलसरस्वती (D) नागेशः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–196*

42. चन्द्रगोमी कस्य व्याकरणस्य रचयिता? BHU AET 2012

(A) कातन्त्रस्य (B) कलापस्य
(C) चान्द्रस्य (D) सारस्वतस्य

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–216*

43. हरिदीक्षितः कस्य ग्रन्थस्य कर्त्ता? BHU AET 2012

(A) प्रौढमनोरमायाः (B) शब्दरत्नस्य
(C) प्रदीपस्य (D) वाक्यपदीयस्य

स्रोत–*संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (पञ्चदश खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, पेज भू.–13*

44. सरस्वतीकण्ठाभरणस्य प्रणेता कः? BHU AET 2012

(A) शिवस्वामी (B) चन्द्रगोमी
(C) बोपदेवः (D) भोजदेवः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–330*

45. गणरत्नमहोदधेः कर्त्ताऽऽसीत्? BHU AET 2011

(A) कैयटः (B) भर्तृहरिः
(C) वर्धमानसूरिः (D) हेलाराजः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–232*

39. (A) 40. (B) 41. (B) 42. (C) 43. (B)

46. सुमेलित कीजिए– UGC 25 J 2002

(अ) पाणिनि 1. महाभाष्य

(ब) पतञ्जलि 2. अष्टाध्यायी

(स) सायणाचार्य 3. न्यायकोश

(द) भीमाचार्य 4. ऋग्वेदभाष्य

	अ	ब	स	द
(A)	2	1	4	3
(B)	4	1	3	2
(C)	1	1	2	4
(D)	2	3	1	4

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–95, 127*

47. प्रौढमनोरमायाः कुचमर्दनकार आसीत्–BHU AET 2011

(A) पण्डितराजजगन्नाथः (B) नारायणभट्टः

(C) चक्रपाणिदत्तः (D) कृष्णमिश्रः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–178*

48. कातन्त्रपरिशिष्टकार आसीत्– BHU AET 2011

(A) शर्ववर्मा (B) विजयानन्दः

(C) श्रीपतिदत्तः (D) कात्यायनः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–211*

49. हेमचन्द्रसूरिविरचितो व्याकरणग्रन्थो वर्तते–

BHU AET - 2011

(A) संक्षिप्तसारः

(B) सिद्धहैमशब्दानुशासनम्

(C) मुग्धबोधव्याकरणम्

(D) सारस्वतव्याकरणम्

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–232*

46. (A) 47. (A) 48. (C) 49. (B) 50. (A)

50. सुमेलित कीजिए **BHU AET 2011**

(A) पाणिनिः **1. कामसूत्र**

(B) वात्स्यायनः **2. राजतरङ्गिणी**

(C) चाणक्यः **3. अष्टाध्यायी**

(D) कल्हणः **4. अर्थशास्त्र**

(A)	A-3	B-1	C-4	D-2
(B)	A-4	B-1	C-2	D-3
(C)	A-2	B-3	C-1	D-4
(D)	A-1	B-2	C-3	D-4

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–04, 260

51. वैयाकरणग्रन्थसंग्रहस्य प्रणेता कः? BHU AET 2011

(A) यास्कः (B) व्याडिः

(C) शाकटायनः (D) गालवः

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–106*

52. 'जेम्स आर वैलेन्टाईन' ने जिस ग्रन्थ का अंग्रेजी में अनुवाद किया है, वह है– **BHU MET 2015**

(A) लघुसिद्धान्तकौमुदी (B) पाणिनीयधातुवृत्ति

(C) धातुरूपनन्दिनी (D) ''सुधा'' टीका गूगल सर्च

53. निम्नलिखित में से कौनसा-युग्म संगत है–

MP PSC 2009

(A) पुष्यमित्र शुंग – पतञ्जलि

(B) कनिष्क – थेरनागसेन

(C) मिनाण्डर – अश्वघोष

(D) चन्द्रगुप्त प्रथम – हरिषेण

स्रोत–*संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक/ रामनाथ त्रिपाठी, पेज–132–133*

54. 'वैयाकरणभूषणम्' कस्य रचना– **BHU AET 2011**

(A) भट्टोजिदीक्षितस्य (B) वनमालीमिश्रस्य

(C) कौण्डभट्टस्य (D) हरिदीक्षितस्य

स्रोत–*वैयाकरणभूषणसार - भीमसेनशास्त्री, पेज भू.–12*

51. (B) **52. (A)** **53. (A)** **54. (C)**

55. कौण्डभट्टस्य पितुः नाम किम्–

BHU AET 2012

(A) भर्तृहरिः (B) हरिदीक्षितः

(C) भट्टोजिदीक्षितः (D) रङ्गोजिभट्टः

स्रोत–*वैयाकरणभूषणसार (खण्ड-1)-भीमसेन शास्त्री, पेज–13*

56. परस्परं सम्यक् मेलनीयाः– JNU MET–2015

आचार्याः	ग्रन्थाः
(क) वामनजयादित्यः	a. व्याकरणमहाभाष्यम्
(ख) वरदराजाचार्यः	b. सिद्धान्तकौमुदी
(ग) पतञ्जलिः	c. मध्यसिद्धान्तकौमुदी
(घ) भट्टोजिदीक्षितः	d. काशिकावृत्तिः

	क	ख	ग	घ
(A)	d	c	a	b
(B)	a	c	b	d
(C)	b	a	c	d
(D)	a	b	c	d

संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ-संस्कृतव्याकरणम्-सर्वज्ञभूषणः, पेज–176

55. (D) 56. (A) 57. (A) 58. (A)

57. सुमेलित कीजिये– UGC 06 D–2011

लेखक	ग्रन्थ
(क) कौटिल्य	1. स्मृति
(ख) भद्रबाहु	2. महाभाष्य
(ग) कात्यायन	3. कल्पसूत्र
(घ) पतञ्जलि	4. अर्थशास्त्र

	क	ख	ग	घ
(A)	4	3	1	2
(B)	3	2	1	4
(C)	1	2	3	4
(D)	4	2	1	3

58. सूची-I से सूची-II सुमेलित कीजिये–

(क) महाभाष्य	1. कालिदास
(ख) कुमारसम्भव	2. पाणिनि
(ग) अष्टाध्यायी	3. चाणक्य
(घ) अर्थशास्त्र	4. पतञ्जलि

UP TGT (S.S.)–2010

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	1	2	3	4
(C)	1	2	4	3
(D)	2	1	4	3

स्रोत–संस्कृतगङ्गा संस्कृत-साहित्यम्-सर्वज्ञभूषणः, पेज–279-291

16. भाष

1. **'वैदिकभाषा' किस भाषा के सबसे निकट है–**
UGC 25 J–1994, 2001, D– 2001
(A) हिटाइट (B) भारोपीय
(C) अवेस्ता (D) पर्सियन
स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–416*

2. **भाषा की परिभाषा में अन्तर्भूत नहीं है–**
UGC 25 D – 2003
(A) व्यक्त वाणी
(B) यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की व्यवस्था
(C) विभाषा
(D) सांकेतिक
स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–29-30*

3. **भारतीय भाषाओं की जननी है–** **UP TET 2014**
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) द्रविड (D) पंजाबी
स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–415*

4. **भाषायाः कौशलानि सन्ति– RPSC ग्रेड II (TGT) 2010**
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) दश (D) चतुर्दश
स्रोत–*संस्कृतशिक्षणम् - उदयशंकर झा, पेज–30*

5. **भाषा.......विनिमयस्य साधनम् – UGC 25 D– 2004**
(A) विचारस्य (B) आचारस्य
(C) वित्तस्य (D) वस्तुनः
स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30*

6. **बाह्यप्रयत्नस्तु–** **UGC 25 J– 2007**
(A) पञ्चधा (B) दशधा
(C) एकादशधा (D) त्रयोदशधा
स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–166*

1. (C) **2. (C)** **3. (B)** **4. (B)** **5. (A)**
11. (C)

ाविज्ञान

7. **''विचार जब ध्वन्यात्मक होकर होठों पर प्रकट होती है, तो वह भाषा कहलाती है।'' यह किसका विचार है–**
UP PGT – 2009
(A) डॉ. मङ्गलदेवशास्त्री का (B) डॉ. भोलाशङ्करव्यास का
(C) पतञ्जलि का (D) प्लेटो का

स्रोत–*भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–02*

8. **भाषा के सम्बन्ध में असत्य कथन कौन सा है–**
UP TGT (H) 2010
(A) भाषा सामाजिक सम्पत्ति है।
(B) भाषा परिवर्तनशील है।
(C) भाषा अनुकरण सादृश्य है।
(D) भाषा पैतृक सम्पत्ति है।

स्रोत–*भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–57*

9. **भाषा का वैशिष्ट्य कौन नहीं है– BHU MET– 2012**
(A) सम्प्रेषण का साधन (B) सर्वव्यापक होना
(C) अविच्छिन्न प्रवाह होना (D) परिवर्तनहीनता

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54, 55, 58*

10. **भाषा की कौन सी प्रकृति सत्य नहीं है–**
UP PGT– 2013
(A) भाषा प्रतीकों की एक व्यवस्था है।
(B) जिन प्रतीकों से भाषा का निर्माण होता है उन्हें वाक् प्रतीक कहते हैं।
(C) प्रत्येक समुदाय में भाषा एक होती है।
(D) भाषा सम्बन्धी प्रतीक यादृच्छिक होते हैं।

स्रोत–*भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–05*

11. **भाषाविज्ञान के अन्तर्गत अध्ययन का क्षेत्र नहीं है–** **UP PGT– 2013**
(A) अर्थपरिवर्तन (B) ध्वनिपरिवर्तन
(C) काव्यध्वनिनिरूपण (D) पदविज्ञान

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–86*

6. (C) 7. (D) 8. (D) 9. (D) 10. (C)

12. तुलनात्मक-भाषाशास्त्रस्य अध्ययनस्य आरम्भकाले कयोः भाषयोः मध्ये ध्वनिसाम्यं प्रत्यक्षीकृतम्?
UGC 25 J– 2013

(A) संस्कृत-हिन्दी-मध्ये (B) संस्कृत-लैटिन-मध्ये
(C) संस्कृत-फारसी-मध्ये (D) संस्कृत-फ्रांसीसी-मध्ये

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–04*

13. (i) भारोपीय भाषाओं के मुख्य विभाग हैं–
(ii) ध्वनि के आधार पर भारोपीय भाषा के मुख्य विभाग हैं– UGC 25 J–1994, 2001, D–2001
(iii) भारोपीय भाषा के प्रकार हैं–

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384*

14. भारोपीय भाषा में संस्कृत 'च वर्ग' की उत्पत्ति बताने वाला– UGC 25 J– 1994

(A) ग्रिम (GRIMM) (B) कालित्स (COLITZ)
(C) वर्नर (VERNER) (D) ग्रासमान (GRASSMAN)

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–248*

15. भारतीय आर्यभाषा की कितनी अवस्थाएँ हैं–
UGC 25 D– 2001, 2009

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–425*

16. 'संस्कृत' भाषा आती है – UGC 25 J – 2002

(A) द्रविड (B) यूरोपीय
(C) भारोपीय (D) अमेरिकी

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384-385*

17. (i) कौन-सी भारोपीय परिवार की भाषा नही है?
(ii) भारोपीयपरिवारस्य भाषा नास्ति–
BHU MET– 2009, 2013, UGC 25 D 2004

(A) संस्कृतभाषा (B) आंग्लभाषा
(C) तमिलभाषा (D) प्राकृतभाषा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–396*

12. (B) **13.** (A) **14.** (B) **15.** (B) **16.** (C)
22. (A) **23.** (C) **24.** (B)

18. आंग्लभाषा भारोपीयपरिवारस्य कया भाषया सम्बद्धा अस्ति– UGC 25 D – 2011

(A) इटालिकभाषया (B) केल्टिकभाषया

(C) ग्रीकभाषया (D) जर्मानिकभाषया

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–391-392*

19. भारोपीयभाषापरिवारे शतमवर्गस्य कति प्रमुखभेदाः? UGC 25 J– 2012

(A) चत्वारः (B) सप्त

(C) नव (D) एकादश

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

20. भारोपीयभाषापरिवारे भारत-ईरानीवर्गः कस्मिन् वर्गे? UGC 25 J – 2012

(A) केन्टुमवर्गे (B) शतमवर्गे

(C) चीनीपरिवारे (D) आर्मीनीपरिवारे

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

21. भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है–UGC (H) J– 2014

(A) केल्टिक (B) इटालिक

(C) जर्मानिक (D) सियोयन

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384*

22. का भारोपीया भाषा अस्ति– UGC 25 D 2014

(A) ग्रीक (B) कन्नड

(C) तेलगू (D) मलयालम

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384, 390*

23. निम्नलिखित में से कौन भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है– UGC (H) J– 2011

(A) मराठी (B) गुजराती

(C) मलयालम (D) हिन्दी

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–396*

24. कवर्गस्य त्रयः प्रकाराः आसन्– UK SLET– 2015

(A) प्राकृतस्य पैशाचीनामकप्रभेदे। (B) मूलभारोपीयध्वनिषु

(C) पहलवीयभाषायाम् (D) नैतेषु कुत्रापि।

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–381*

17. (C)	**18. (D)**	**19. (A)**	**20. (B)**	**21. (D)**

25. संस्कृतस्य भाषा-परिवारः कथ्यते– UP GDC 2014

(A) भारतीयः (B) भारोपीयः

(C) आर्य-द्रविडः (D) आर्यवर्तीयः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–371*

26. भारोपीयभाषा कस्मिन् भाषाखण्डे समाहिताः? HE – 2015

(A) अफ्रीकाखण्डे (B) यूरेशियाखण्डे

(C) प्रशान्तमहासागरीयखण्डे (D) अमेरिकाखण्डे

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–371*

27. 'भारोपीय' प्रथमं केन उक्तम् – JNU MET 2014

(A) थॉमस रॉबर्ट (B) थाँमस यंग

(C) विलियम जोन्स (D) मैक्समूलर

स्रोत–*विकीपीडिया - इण्टरनेट*

28. भाषा की उत्पत्ति का मूल कारण है? UGC 25 D– 2003

(A) अर्थ (B) शब्द

(C) पद (D) ध्वनि

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65*

29. (i) भाषाविज्ञाने यो-हे-हो- सिद्धान्तः कस्मिन् प्रसङ्गे प्रवृत्तः? UP PGT– 2000, UP GDC–2014

(ii) 'यो-हे-हो सिद्धान्त' का सम्बन्ध है?

(A) भाषोत्पत्ति से (B) ध्वनिपरिवर्तन से

(C) भाषावर्गीकरण से (D) अर्थविस्तार से

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–72*

30. 'मे पोल-सिद्धान्त' में 'पोल' क्या है? UP PGT–2000

(A) एक खम्भा (B) एक गृह

(C) एक त्योहार (D) एक वृक्ष

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–459

31. 'यो-हे-हो वाद' किस प्रसङ्ग में आया है–UP GDC–2008

(A) ध्वनि-परिवर्तन के कारण (B) ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ

(C) भाषा का उद्भव (D) अर्थ-परिवर्तन के कारण

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–72*

25. (B) **26.** (B) **27.** (B) **28.** (D) **29.** (A)
35. (C) **36.** (C) **37.** (A)

32. भाषा की 'दैवी उत्पत्ति' के सिद्धान्त का समर्थन किसने किया है? UP PGT 2004

(A) सुसमिल्श (B) रूसो

(C) अरस्तू (D) हेर्डेर

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–67*

33. भाषा के 'धातु-सिद्धान्त' के प्रतिपादक हैं– UP PGT–2005

(A) रूसो (B) मैक्समूलर

(C) हारडर (D) अरस्तू

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

34. भाषा की उत्पत्ति विषयक 'समन्वय सिद्धान्त' के प्रवर्तक भाषाशास्त्री हैं– UP PGT–2009

(A) प्लेटो (B) हेनरीस्वीट

(C) जी. रेवेज (D) न्वारे

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–74*

35. भाषा की उत्पत्ति विषयक 'रणन सिद्धान्त' के मूल प्रवर्तक स्वीकार किये जाते हैं। UP PGT 2010, UK TET–2011

(A) रूसो (B) सुसमिल्श

(C) प्लेटो (D) न्वारे

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68*

36. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति हुयी है– UGC (H) J–2011

(A) वैदिक संस्कृत से (B) लौकिक संस्कृत से

(C) शौरसेनी अपभ्रंश से (D) प्राकृत से

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–436*

37. दिगम्बर जैन आगमों की मुख्य भाषा है– UGC 25 J–1994

(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री

(C) संस्कृत (D) वैदिकभाषा

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–118*

30. (A) 31. (C) 32. (A) 33. (B) 34. (B)

38. 'मराठी' निम्नलिखित में से किस भाषापरिवार के अन्तर्गत है– UGC 25 J 1995

(A) पालि (B) चीनी

(C) जर्मन (D) आधुनिकभारतीयभाषा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–443-444*

39. 'अवेस्ता' का भाषापरिवार है– UGC 25 D– 1996

(A) द्रविड (B) सामी

(C) भारतीय आर्यभाषा (D) जर्मन

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–415*

40. इनमें मध्य आर्य भारतीय भाषा है–UGC 25 D 1997

(A) VEDIC SANSKRIT (वैदिक संस्कृत)

(B) MARATHI (मराठी)

(C) MAGADHI (मागधी)

(D) ORIYA (उड़िया)

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–435*

41. 'शतम्' वर्ग की भाषा है– UGC 25 D– 1997

(A) तोखारी (B) आर्मीनी

(C) जर्मानिक (D) केल्टिक

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

42. चीनी भाषा इस प्रकार में आती है– UGC 25 D– 1997

(A) ISOLATING अयोगात्मक

(B) INCORPORATING प्रश्लिष्ट योगात्मक

(C) AGGLUTINATIVE अश्लिष्ट अयोगात्मक

(D) INFLECTIONAL श्लिष्ट योगात्मक

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357*

43. 'संस्कृतम्' किस परिवार की मुख्य भाषा है? H-TET–2015

(A) भारत यूरोपीय परिवार (B) काकेसी परिवार

(C) चीनी परिवार (D) द्राविड परिवार

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384-385*

38. (D) 39. (C) 40. (C) 41. (B) 42. (A)
48. (B) 49. (B)

44. यह विभक्तिप्रधान भाषा है– UGC 25 J– 1998

(A) संस्कृत (B) तुर्की

(C) द्रविड (D) चीनी

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363*

45. यह संश्लिष्ट भाषा है– UGC 25 D– 1998

(A) DRAVEDIAN (द्रविड)

(B) CHINESE (चीनी)

(C) GREENLANDISH (ग्रीन लैण्डिस)

(D) INDO-EUROPEAN (भारोपीय)

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363*

46. 'पूर्वेभिः' इस पद का प्रयोग इसी भाषा में होता है– UGC 25 J 1999, 2000

(A) CLASSICAL SANSKRIT (शास्त्रीय संस्कृत)

(B) VEDIC SANSKRIT (वैदिक संस्कृत)

(C) PALI (पालि)

(D) PRAKRIT (प्राकृत)

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–427*

47. 'संस्कृतभाषा' अस्ति – UP GIC 2009, UP, GDC 2012 CCSUM-Ph.D–2016

(A) AGGLUTINATIVE (अश्लिष्ट अयोगात्मक)

(B) INFLECTIONAL (श्लिष्ट योगात्मक)

(C) ISOLATING (अयोगात्मक)

(D) INCORPORATING (प्रश्लिष्ट योगात्मक)

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363*

48. संस्कृतभाषा है– UGC 25 D–1999

(A) प्रत्ययप्रधान (B) विभक्तिप्रधान

(C) अयोगात्मक (D) समासप्रधान

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363*

49. एकाक्षरी भाषा है– UGC 25 D– 1999

(A) तुर्की (B) चीनी

(C) जर्मन (D) अवेस्ता

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–399*

43. (A) 44. (A) 45. (D) 46. (B) 47. (B)

50. द्रविड भाषा है– UGC 25 J– 2000

(A) AGGLUTINATIVE (अश्लिष्ट योगात्मक)

(B) INFLECTIONAL (श्लिष्ट योगात्मक)

(C) INCORPORATING (प्रश्लिष्ट योगात्मक)

(D) ISOLATING (अयोगात्मक)

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–360-362*

51. 'शतम्' परिवार की भाषा है– UGC 25 J– 2000

(A) केल्टिक (B) इटैलिक

(C) अवेस्ता (D) हिटाइट

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384*

52. आकृतिमूलक वर्गीकरण को इस नाम से भी जाना जाता है– UGC 25 D– 2003

(A) ध्वनिवर्गीकरण (B) रूपात्मक

(C) अभिधार्थक (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–63*

53. 'बहड्डकहा' (बृहत्कथा) इति कथाग्रन्थस्य भाषा श्रूयते – UP GDC–2012

(A) अपभ्रंशः (B) शौरसेनी

(C) मागधी (D) पैशाची

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–438*

54. (i) अयोगात्मकभाषायाः उत्तमोदाहरणमस्ति–

(ii) अयोगात्मकवर्गस्य प्रतिनिधिभाषाऽस्ति–

UP GDC– 2012, RPSC ग्रेड I PGT–2014

(A) सूडानी (B) तोखारी

(C) चीनी (D) स्यामी

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357*

55. (i) 'अपभ्रंश' अस्ति UP GIC– 2009, UP GDC– 2008

(ii) 'अपभ्रंश' है – JNU MET– 2014

(A) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा (B) नवीन भारतीय आर्यभाषा

(C) द्रविड परिवार भाषा (D) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–431*

50. (A) 51. (C) 52. (B) 53. (D) 54. (C)
60. (A)

56. भाषावर्गीकरणस्य आधारः स्वीकृतः–

UGC 25 D– 2004

(A) कालः (B) धर्मः

(C) प्रकृतिः (D) आकृतिः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–356

57. तुमर्थक प्रत्यय अधिक उपलब्ध होते हैं–

UP GIC– 2009

(A) पालि में (B) प्राकृत में

(C) वैदिकसंस्कृत में (D) लौकिकसंस्कृत में

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–427

58. (i) भारतीयार्यभाषासु प्राचीनतमा भाषा का अस्ति–

(ii) प्राचीनतमा भारतीयार्यभाषाऽस्ति–

UGC 25 D– 2004, G GIC–2015

(A) पालिभाषा (B) प्राकृतभाषा

(C) वैदिकसंस्कृतभाषा (D) लौकिकसंस्कृतभाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–425

59. संयोगात्मक भाषा– **UGC 25 J 2005, D– 2008**

(A) आंग्लम् (B) संस्कृतम्

(C) चीनी (D) हिन्दी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–365

60. समीचीनां तालिकां चिनुत– **UGC 25 J– 2006**

(क) लोपः **1. ISO LATING (अयोगात्मक)**

(ख) चीनी **2. संघर्षी**

(ग) हकारः **3. GENEALOGICAL CLASSIFICATION**

(घ) पारिवारिकवर्गीकरण् **4. ध्वनिपरिवर्तनहेतुः**

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	4	1	2	3
(B)	1	4	3	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–235-357-148-371

55. (D)	56. (D)	57. (C)	58. (C)	59. (B)

61. अधोनिर्दिष्टेषु वियोगात्मकभाषा....। UGC 25 J– 2008

(A) संस्कृतम् (B) ग्रीक

(C) लैटिन (D) हिन्दी

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–365*

62. भारतीय-आर्यभाषायाः अवस्थाः सन्ति–

UGC 25 D– 2009

(A) चतस्रः (B) पञ्च

(C) तिस्रः (D) षट्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–425*

63. अयोगात्मकभाषासु न भवन्ति– UGC 25 J – 2011

(A) उपसर्गाः (B) क्रियाः

(C) कारकाणि (D) लिङ्गानि

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–359*

64. भाषापरिवर्तनस्य कति बाह्यकारणानि?

UGC 25 J– 2012

(A) चत्वारि (B) षट्

(C) अष्टौ (D) दश

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–96-102*

65. (i) आर्यभाषापरिवारे गणिता भाषा नास्ति –

(ii) आर्यभाषापरिवारस्य भाषा न मन्यते –

UGC 25 D– 2013, UP GDC– 2014

(A) प्राकृतम् (B) पालि

(C) संस्कृतम् (D) तमिल

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–425-431*

66. (i) विश्वस्य भाषायाः कति परिवाराः सन्ति?

(ii) पारिवारिकवर्गीकरणस्य कति प्रमुखभेदाः –

UGC 25 J– 2012, UK SLET– 2012

(A) चतुर्दश (B) षोडश

(C) अष्टादश (D) विंशतिः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–371*

61. (D) 62. (C) 63. (A) 64. (C) 65. (D)
71. (B) 72. (A)

67. 'शतम्' वर्गस्य कति शाखाः सन्ति? UGC 25 D–2013

(A) तिस्रः (B) चतस्रः

(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

68. 'शौरसेनी' इसके अन्तर्गत है– UP GDC–2008

(A) पालि (B) प्राकृत

(C) अपभ्रंश (D) पैशाची

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–435-436*

69. पालिभाषा प्राचीनकाले केन नाम्ना प्रसिद्धा आसीत्? JNU MET–2015

(A) शौरसेनी (B) अर्द्धमागधी

(C) मागधी (D) पैशाची

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–437*

70. भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण विषयक कौन-सा विकल्प सही है? UP PGT–2005

(A) योगात्मक, वियोगात्मक, संयोगात्मक, एकल

(B) अयोगात्मक, अश्लिष्ट, श्लिष्ट, प्रश्लिष्ट

(C) श्लिष्ट, अश्लिष्ट, प्रश्लिष्ट, विश्लिष्ट

(D) चीनी, भारोपीय, द्रविड, लैटिन

स्रोत–*(i) भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357*

(ii) भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–95

71. तुखारी (तोखारी) शाखा का पता कब लगा? UP PGT–2005

(A) इक्कीसवीं शताब्दी में (B) बीसवीं शताब्दी में

(C) अठारहवीं शताब्दी में (D) उपर्युक्त में से किसी में भी नहीं।

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–395*

72. 'अवेस्ता' भाषा है? UP PGT–2005

(A) ईरानी (B) भारतीय

(C) ग्रीक (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–416*

66. (C) 67. (B) 68. (B) 69. (C) 70. (B)

73. भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का आधार है– UGC (H) J– 2012

(A) रूपरचना (B) ध्वनि

(C) इतिहास (D) अर्थ

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–356*

74. निम्नलिखित में से कौन द्रविड परिवार की भाषा है? UGC (H) J– 2010

(A) उड़िया (B) बंगला

(C) असमिया (D) कन्नड़

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–396*

75. 'शतम्'-वर्गस्य भाषा नास्ति– UK SLET– 2015

(A) संस्कृतभाषा (B) अवेस्ताभाषा

(C) हिन्दीभाषा (D) लैटिनभाषा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

76. 'अपभ्रंश' शब्द का प्रयोग मध्यकालीन संस्कृत ग्रन्थों में होता है– IAS– 1996

(A) राजपूतों में से जातिच्युत लोगों को इंगित करने के लिये।

(B) वैदिक कर्मकाण्डों के त्याग को इंगित करने के लिये।

(C) कुछ आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरम्भिक रूपों को इंगित करने के लिये।

(D) संस्कृतोत्तर छन्दों को इंगित करने के लिये।

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–440*

77. भाषाणां पारिवारिकं वर्गीकरणमेव मन्यते– UP GDC– 2014

(A) सामाजिकं वर्गीकरणम् (B) ऐतिहासिकं वर्गीकरणम्

(C) भौगोलिकं वर्गीकरणम् (D) मानवीयं वर्गीकरणम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–356*

78. भाषायाः आकृतिमूलकं वर्गीकरणं न कथ्यते– G GIC–2015

(A) रूपात्मकम् (B) पदात्मकम्

(C) ध्वन्यात्मकम् (D) रचनात्मकम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–356*

73. (C) 74. (D) 75. (D) 76. (C) 77. (B)

83. (A) 84. (D) 85. (C)

79. युगाश्रित-निर्धारणे पालि-भाषाऽस्ति– UP GDC– 2014

(A) प्राचीना (B) अर्वाचीना

(C) मध्ययुगीना (D) आधुनिकी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–431

80. सम्बन्धतत्त्वाश्रयं वर्गीकरणं किम्? HE – 2015

(A) आकृतिमूलकम् (B) परिवारमूलकम्

(C) देशमूलकम् (D) प्रभावमूलकम्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–372

81. संस्कृतस्य सहभाषे आस्ताम्– UP GDC– 2014

(A) उर्दू-हरयाणव्यौ (B) सिन्धी-पब्तून्यौ

(C) पालि-प्राकृते (D) डोंगरी-पैशाच्यौ

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–431-432

82. (i) अवेस्ता की सदृशतम क्या है?

(ii) 'अवेस्ता' की सदृशतम भाषा कौन है?

BHU MET– 2011, 2012

(A) वैदिकसंस्कृतम् (B) जर्मन भाषा

(C) अंग्रेजी भाषा (D) लौकिकसंस्कृतम्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–416

83. श्लिष्ट योगात्मकता किस भाषा का वैशिष्ट्य है?

BHU MET– 2012

(A) संस्कृत (B) चीनी

(C) फ्रेंच (D) अंग्रेजी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357

84. अधोलिखितेषु भारतीयभाषापरिवारः किं नास्ति?

JNU MET– 2014

(A) आर्य (B) द्रविड

(C) ऑस्ट्रो-एशियाई (D) दक्षिण-एशियाई

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–387, 396, 409

85. सन्थाली..........अस्ति। JNU MET– 2014

(A) आर्य-भाषा (B) द्रविड-भाषा

(C) ऑस्ट्रो-एशियाई (D) तिब्बती-बर्मी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–409

78. (C) 79. (C) 80. (B) 81. (C) 82. (A)

86. मणिपुरी.......भाषा अस्ति। JNU MET–2014

(A) आर्य (B) द्रविड

(C) ऑस्ट्रो-एशियाई (D) तिब्बती-बर्मी

स्रोत–*Wikipedia (विकीपीडिया) इण्टरनेट*

87. बोडो.........भाषा अस्ति। JNU MET–2014

(A) आर्य (B) द्रविड

(C) ऑस्ट्रो-एशियाई (D) तिब्बती-बर्मी

स्रोत–*Wikipedia (विकीपीडिया) इण्टरनेट*

88. 'संस्कृत' किस तरह की भाषा है? BHU MET–2011

(A) श्लिष्टयोगात्मक (B) प्रश्लिष्टयोगात्मक

(C) मध्ययोगात्मक (D) अयोगात्मक

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363*

89. संसार में भाषायें प्रचलित हैं– UGC 25 J– 2013

(A) लगभग 3,000 (B) लगभग 6,000

(C) लगभग 2,500 (D) लगभग 4,000

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–355*

90. संस्कृत से सीधा सम्बन्ध किस भाषा का है–
UGC (H) J– 2012

(A) प्राकृत (B) अपभ्रंश

(C) आधुनिक भारतीय भाषायें (D) हिन्दी

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–432*

91. अधोलिखितेषु का भाषा 'केन्टुम्'–वर्गे नहि आयाति?
UP GIC– 2015

(A) ग्रीक (B) फ्रेंच

(C) रूसी (D) लैटिन

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

92. अवेस्ता भारोपीयपरिवारस्य कया शाखया सम्बद्धास्ति?
UP GIC–2015

(A) भारत-ईरानीशाखया (B) ग्रीकशाखया

(C) हित्तीशाखया (D) तोखारीशाखया

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–415-416*

86. (D)	**87. (D)**	**88. (A)**	**89. (A)**	**90. (A)**
96. (A)	**97. (D)**	**98. (D)**		

93. मध्यकालिकी आर्यभाषा नास्ति– UP GIC– 2015

(A) अपभ्रंश (B) प्राकृतम्

(C) पालिः (D) बांग्ला

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–431*

94. लिखित-भाषास्वरूपेषु प्राचीनतममस्ति

UP GIC – 2015

(A) वैदिकसंस्कृतम् (B) पालिः

(C) अपभ्रंश (D) लौकिकसंस्कृतम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–416*

95. आकृतिमूलकवर्गीकरणेन असम्बद्धम् –

UGC 25 J– 2015

(A) प्रकृतिः (B) प्रत्ययः

(C) उपसर्गः (D) व्यापारः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–358-359*

96. पारिवारिकवर्गीकरणेन असम्बद्धम् –

UGC 25 J– 2015

(A) फलसाम्यम् (B) ध्वनिसाम्यम्

(C) पदसाम्यम् (D) अर्थसाम्यम्

स्रोत–*(i) भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–373*

(ii) भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–65

97. किं तत्त्वं वियोगात्मक-भाषायाः प्रकृतिलक्षणम्?

UGC 25 J– 2015

(A) संख्या (B) अर्थः

(C) सन्धिः (D) प्रकृति-प्रत्यय-पार्थक्यम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–358*

98. का भाषा 'केन्टुम'–वर्गेण असम्बद्धम्–

UGC 25 J– 2015

(A) ग्रीक-भाषा (B) इताली

(C) लैटिन-भाषा (D) संस्कृत-भाषा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385*

91. (C)	92. (A)	93. (D)	94. (A)	95. (D)

99. को भाषापरिवारः बृहत्तमा– UK SLET– 2012

(A) भारोपीयभाषापरिवारः (B) सूडानीपरिवारः

(C) अमरीकीपरिवारः (D) चीनीपरिवारः

***स्रोत**–भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–74*

100. मराठीभाषायाः भाषापरिवारः कः– UK SLET– 2012

(A) भारोपीयः (B) काकेशी

(C) द्राविडः (D) बास्कः

(i) भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–396-397-401

(ii) भाषाविज्ञान - कर्णसिंह, पेज–69

101. अयोगात्मकभाषा का– UK SLET– 2012

(A) संस्कृत (B) तिब्बती

(C) हिन्दी (D) हिब्रू

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357*

102. दो क्रमिक व्यञ्जन महाप्राण ध्वनियों में से एक के महाप्राणत्वह्रास का प्रस्ताव जिसने किया, वह है– UGC 25 J– 1995

(A) ग्रिम (B) वर्नर

(C) बूचट (D) ग्रासमान

भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–245, 246, 241

103. 'स्वराघात के कारण ध्वनि परिवर्तन होता है।' इस नियम के प्रवर्तक हैं – UGC 25 D– 1997, UP PGT– 2004

(A) VERNER (वर्नर)

(B) GRIMM (ग्रिम)

(C) GRASSMAN (ग्रासमान)

(D) FORTUNATON (फोर्तुनातोव)

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241*

104. 'तालव्यीकरण' का नियम किसमें लागू होता है– UGC 25 J– 1998

(A) चकार में (B) बभूव में

(C) तस्थौ में (D) पपात में

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–248*

99. (A) 100. (A) 101. (B) 102. (D) 103. (A)
109. (A) 110. (C)

105. किसमें ग्रासमान का नियम लागू होता है–

UGC 25 D– 1998

(A) बभूव में (B) चकार में

(C) जगाम में (D) तस्थौ में

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246*

106. 'बभूव' इस पद में यह नियम लागू होता है–

UGC 25 J– 1999

(A) ग्रासमान नियम (B) वर्नर नियम

(C) ग्रिम नियम (D) फोर्तुनातोव नियम

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246*

107. 'वर्नर' नियम के अनुसार 'क' का परिवर्तित रूप है–

UGC 25 D– 1999, 2002

(A) ख् (B) ग्

(C) घ् (D) ङ्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246*

108. ग्रिम नियम के अन्तर्गत 'भ' का परिवर्तित रूप है–

UGC 25 D– 1999

(A) प् (B) फ्

(C) ब् (D) म्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–242*

109. 'बभार' इस पद में यह नियम लागू होता है।

UGC 25 J– 2000

(A) ग्रासमाननियम (B) वर्नरनियम

(C) ग्रिमनियम (D) कालित्सनियम

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246*

110. काँलिजनियमस्य उपयोगो भवति अस्मिन्–

UGC 25 J– 2007

(A) ददौ (B) दधौ

(C) चकार (D) करोति

स्रोत–*(i) भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–247*

(ii) भाषाविज्ञान - कर्णसिंह, पेज–175

104. (A) 105. (A) 106. (A) 107. (B) 108. (C)

111. (i) कः नियमः ग्, द्, ब् इति व्यञ्जनानि क्रमानुसारेण क्, त्, प् इति व्यञ्जने परिवर्तते?

(ii) किस नियम से ग्, द्, ब् हो जाते हैं क्, त्, प्?

(iii) केन नियमेन ग् द् ब् वर्णाः क् त् प् वर्णरूपेण परिणमन्ति?

UP GIC– 2009, UP GIC– 2015, G GIC–2015

(A) वर्नरनियम (B) ग्रिमनियम

(C) ग्रासमाननियम (D) तालव्यनियम

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–242*

112. निम्नाङ्कितेषु ध्वनिनियमस्य प्रवर्तको न वर्तते– UGC 25 J– 2013

(A) ग्रिम (Grimm) (B) ग्रासमान (Grassman)

(C) वेबर (Weber) (D) वर्नर (Verner)

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241*

113. 'वर्गस्य प्रथमवर्णस्य परिवर्तनं केवलम् असंयुक्तध्वनिषु एव भवति, न तु संयुक्तध्वनिषु।' इति अपवादनियमः केन प्रदत्तः? UGC 25 J– 2013

(A) ग्रिममहोदयेन (B) ग्रासमानमहोदयेन

(C) वर्नरमहोदयेन (D) आचार्येण भोलाशङ्करेण

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–245*

114. ध्वनिनियमेषु क्रमेण प्रथमः को गण्यते? UGC 25 S– 2013

(A) वर्नरनियमः (B) ग्रिमनियमः

(C) कालित्सनियमः (D) ग्रासमाननियमः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241*

115. ध्वनिनियमेषु द्वितीयः को गण्यते? UGC 25 J– 2014

(A) ग्रासमाननियमः (B) वर्नरनियमः

(C) ग्रिमनियमः (D) कालित्ज्नियमः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241*

116. क्या ध्वनि परिवर्तन के लिये वर्नर ने ग्रिम नियम में सुधार किया है? UP PGT– 2000

(A) हाँ (B) नहीं

(C) दोनों का कोई सम्बन्ध नहीं है (D) कुछ भी नहीं

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246*

111. (B) 112. (C) 113. (A) 114. (B) 115. (A)
121. (A) 122. (A) 123. (B)

117. ग्रिम, ग्रासमैन एवं वर्नर सम्बन्धित हैं? UP PGT– 2005
(A) भौतिक नियमों से (B) जैविक नियमों से
(C) व्याकरण के नियमों से (D) ध्वनि नियमों से
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

118. ग्रिमनियम के अनुसार निम्न जर्मन 'THREE' का उच्च जर्मन में परिवर्तित रूप है – UP PGT– 2010
(A) DREE (B) THREI
(C) THRI (D) DREI
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–245

119. ध्वनिनियमस्य कर्ता अस्ति– UK SLET– 2015
(A) ग्रासमानः (B) वैङ्कटरमणः
(C) विन्टरनित्जः (D) कीथः
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

120. 'ग्रासमान-नियमः' केन सम्बद्धः अस्ति?
UGC 25 D– 2014
(A) अर्थतत्त्वेन (B) ध्वनितत्त्वेन
(C) वाक्यतत्त्वेन (D) साहित्येन
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

121. प्रथमवर्णपरिवर्तनं कस्मिन् ध्वनिनियमे समाहितम्?
HE – 2015
(A) ग्रिमनियमे (B) ग्रासमाननियमे
(C) वर्नरनियमे (D) तालव्यनियमे
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

122. प्रसिद्धध्वनिनियमेषु अर्वाचीनतमः कः?
UGC 25 J– 2015
(A) वर्नरनियमः (B) ग्रासमाननियमः
(C) ग्रिमनियमः (D) विण्टरनिट्जनियमः
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

123. संस्कृतभाषायाः 'शतम्' इति पदं गाथिकभाषायां 'हुन्द' भवति, इति कस्य मतम्? UGC 25 J– 2015
(A) ग्रिममहोदयस्य (B) वर्नरमहोदयस्य
(C) ग्रासमानमहोदयस्य (D) थॉम्पसनमहोदयस्य
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–247

116. (A) 117. (D) 118. (D) 119. (A) 120. (B)

124. ग्रिमनियमस्य सम्बन्धः कति स्पर्शध्वनिभिः अस्तिः –

UGC 25 D– 2011

(A) 9   (B) 6

(C) 3   (D) 12

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–243-244*

125. क्या ग्रिम-नियम का त्रिभुज निम्नवत् है?

UP PGT – 2000

क् ख् ग्

य् र् ल्   प् फ् ब्

(A) बिल्कुल सही   (B) बिल्कुल गलत

(C) कुछ हद तक सही है   (D) कह नहीं सकते

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–242*

126. 'इ' ऐसा स्वर है, जो है– UCG 25 J– 1995 D– 2001

(A) केन्द्रीय   (B) विवृत

(C) पश्च   (D) अग्र

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150*

127. \`d' का अघोष रूप निम्नलिखित में से कौन-सा है–

UGC 25 J– 1995

(A) ट्   (B) ठ्

(C) त्   (D) थ्

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–158*

128. 'स' का घोष रूप है–   UGC 25 D– 1996

(A) ज्   (B) ब्

(C) द्   (D) ग्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

129. यह सन्ध्यक्षर पालि भाषा में नहीं है–

UGC 25 J– 1998

(A) ए   (B) ओ

(C) ऐ   (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–434*

124. (A)   125. (B)   126. (D)   127. (C)   128. (A)

134. (C)   135. (A)   136. (D)

130. यह पश्चस्वर है– **UGC 25 J– 1998**

(A) ए (B) इ

(C) आ (D) अ

(i) भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150, 227

(ii) भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–155

131. संस्कृत का 'ऐ' पालि भाषा में हो जाता है–

UGC 25 D– 1998

(A) अ (B) ए

(C) औ (D) उ

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–434*

132. यह अग्र स्वर है– **UGC 25 D 1998**

(A) उ (B) य

(C) इ (D) ओ

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150, 227*

133. 'अ' किस प्रकार का स्वर है? **H-TET–2015**

(A) पश्च स्वर (B) अर्धविवृत स्वर

(C) केन्द्रीय स्वर (D) अनुनासिक स्वर

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150, 159*

134. पालि में संस्कृत की यह ध्वनि नहीं मिलती–

UP GIC– 2009

(A) आ (B) ए

(C) ऐ (D) ओ

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–434*

135. निर्दिष्टेषु स्पर्शः कः? **UGC 25 J– 2005**

(A) म् (B) ह्

(C) अ (D) ल्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–148*

136. तालव्येषु अन्तर्भवति– **UGC 25 J– 2005**

(A) अ (B) क्

(C) ष् (D) श्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–165*

129. (C) 130. (C) 131. (B) 132. (C) 133. (C)

137. अधोनिर्दिष्टेषु कण्ठ्यवर्णः– **UGC 25 J– 2008**

(A) ग् (B) ट्

(C) ज् (D) इ

भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–148, 164

138. एतेषु संवृतस्वरः कः? **UGC 25 J– 2008**

(A) ए (B) ऊ

(C) आ (D) न

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–152*

139. अधोनिर्दिष्टेषु तालव्यवर्णः– **UGC 25 D– 2008**

(A) ज (B) ख

(C) ड (D) म

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–165*

140. कः सन्ध्यक्षरः? **UGC 25 J– 2010**

(A) अ (B) औ

(C) लृ (D) ई

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–160*

141. (i) कः अर्धस्वर इति निर्दिश्यताम् –

(ii) भाषाविज्ञानदृष्ट्या अर्धस्वरः कः?

UGC 25 J– 2010, D–2015

(A) अ (B) ई

(C) ह् (D) य्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–147*

142. ह्रस्वस्वरभक्तेः उच्चारणकालो भवति–

UGC 25 J– 2012

(A) त्रिमात्राकालः (B) द्विमात्राकालः

(C) अर्धोनमात्राकालः (D) अर्धमात्राकालः

स्रोत–*ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् (1/35) - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–69*

143. (i) भाषाविज्ञानदृशा अर्धस्वरो भवति–

(ii) संस्कृतभाषाध्वनिसन्दर्भेऽधोलिखितेषु 'अर्धस्वरः' कः? **UGC 25 J– 2013, D–2015**

(A) उ (B) अं

(C) व् (D) ए

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–147*

137. (A) 138. (B) 139. (A) 140. (B) 141. (D)
147. (B) 148. (C) 149. (C) 150. (D)

144. भाषाविज्ञानदृशा अर्धस्वरो भवति–UGC 25 D– 2013

(A) अ (B) य्

(C) इ (D) अः

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–147*

145. 'ई' से सङ्केतित स्वर है? UP PGT– 2009

(A) वर्तुल (B) केन्द्रीय

(C) पश्च (D) अग्र

भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150, 152

146. निम्नलिखित में 'अघोष अल्पप्राण' ध्वनि कौन सी है? UP TGT (H)– 2010

(A) झ (B) थ्

(C) ज (D) क, त

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

147. 'अघोष-दन्त्य-संघर्षी' व्यञ्जनम् अस्ति – AWES TGT– 2012

(A) ग् (B) स्

(C) न् (D) फ्

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

148. इनमें से कौन-सा युग्म अघोष ध्वनि है? UGC (H) D–2015

(A) ग, घ (B) थ्, द

(C) प, फ (D) द, ध

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

149. अघोषध्वनिः अस्ति – UGC 25 D– 2014

(A) ज् (B) ध्

(C) त् (D) अ

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

150. प्राकृते प्रायः वर्गाणां द्वितीय-चतुर्थवर्णानां तथा शल् वर्णानां स्थाने परिवर्तितो भवति– UP GDC– 2014

(A) विसर्जनीयः (B) उपध्मानीयः

(C) जिह्वामूलीयः (D) हकारः

***स्रोत**–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–436*

142. (C) 143. (C) 144. (B) 145. (D) 146. (D)

151. भाषाविज्ञान के अनुसार व्यञ्जनों के मूल चार प्रकारों में कौन सा प्रकार नहीं आता है– UP PGT– 2013

(A) स्पर्शी (B) संघर्षी
(C) निःश्वासी (D) कम्पनयुक्त

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168, 169*

152. भाषाविज्ञान में अग्रस्वरों के उच्चारण में जिह्वा की चार कोटियों में कौन नहीं है– UP PGT– 2013

(A) उच्च (B) उच्चमध्य
(C) निम्नमध्य (D) निम्नोच्च

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–154*

153. भाषाविज्ञान के अनुसार स्वर के उच्चारण से सम्बद्ध चार प्रकारों में कौन सा प्रकार नहीं है– UP PGT– 2013

(A) पार्श्विक (B) नासिक्यरञ्जन
(C) प्रतिवेष्टन (D) तनन

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168-169*

154. जिह्वाभाग-विशेषोच्चारणदृष्ट्या मध्यस्वरोऽस्ति– UGC 25 J– 2015

(A) अकारः (B) इकारः
(C) उकारः (D) एकारः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

155. (i) 'च' इति वर्णः कीदृशोऽस्ति?
(ii) 'च' वर्ण कैसा है? UGC 73 J – 2015

(A) घोष-अल्पप्राणः (B) घोष-महाप्राणः
(C) अघोष-अल्पप्राणः (D) अघोष-महाप्राणः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225*

156. 'अर्थसंकोच' का उदाहरण है– UGC 25 D– 2003

(A) कुशल (B) असुर
(C) वारिज (D) गवेषणा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–338*

151. (C) 152. (D) 153. (A) 154. (A) 155. (C)
161. (A) 162. (D)

157. (i) अर्थपरिवर्तनस्य दिशः सन्ति– UGC 25 J– 2004
(ii) 'ब्रील महोदय' के अनुसार अर्थविकास की दिशाएँ होती हैं– D–2003, RPSC ग्रेड I (PGT)–2014

(A) 3 (B) 5
(C) 6 (D) 4

स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–239

158. (i) 'अर्थसंकोचस्य' उदाहरणमस्ति UP GIC– 2009, 2015
(ii) 'अर्थ-संकोच' का उदाहरण है– UP GDC– 2008

(A) प्रवीण (B) तैल
(C) असुर (D) सरसिज

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–338

159. व्यंग्य-प्रयोग इनमें से किसका कारण है? UP GIC – 2009

(A) ध्वनि-नियम (B) ध्वनि-परिवर्तन
(C) अर्थ-परिवर्तन (D) शब्द-परिवर्तन

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–341

160. क्या अर्थपरिवर्तन का कारण ध्वनि परिवर्तन है? UP PGT– 2000

(A) हाँ (B) नहीं
(C) कुछ-कुछ (D) दोनों के अधिष्ठान भिन्न हैं।

स्रोत–भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–268

161. 'प्रवीण' उदाहरण है? UP PGT– 2004

(A) अर्थविस्तार का (B) अर्थसंकोच का
(C) अर्थादेश का (D) अर्थोत्कर्ष का

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–337

162. किमेकम् अर्थविस्तारस्योदाहरणं नास्ति? HE – 2015

(A) गवेषणा (B) कुशलः
(C) परश्वः (D) महापात्रः

स्रोत–भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–264

156. (C)	157. (A)	158. (D)	159. (C)	160. (C)

163. अर्थविस्तारस्योदाहरणं वर्तते – G GIC–2015

(A) भार्या (B) तैलम्

(C) मौनम् (D) श्राद्धम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–337*

164. 'देवानां प्रियः' अर्थपरिवर्तनं लभते– UP GIC – 2015

(A) 'धार्मिक' इत्यर्थे (B) धर्मगुरुरित्यर्थे

(C) 'मूर्ख' इत्यर्थे (D) सभ्यस्यार्थे

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–341*

165. 'कुशलः' इत्युदाहरणमस्ति – G GIC–2015

(A) अर्थसङ्कोचस्य (B) अर्थादेशस्य

(C) अर्थविस्तारस्य (D) अर्थोत्कर्षस्य

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–336*

166. अर्थपरिवर्तनकारणेष्वन्यतमम्– UGC 25 J– 2015

(A) सादृश्यम् (B) आगमः

(C) लोपः (D) स्वरभक्तिः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–350*

167. 'देवानां प्रियः' इति वाक्यम् उदाहरणं भवति – G GIC–2015

(A) अर्थापत्तेः (B) अर्थविस्तारस्य

(C) अर्थापकर्षस्य (D) अर्थविपर्ययस्य

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–340-341*

168. अर्थविस्तारोदाहरणेष्वन्यतमो नास्ति– UGC 25 D–2015

(A) तैलम् (B) मुग्धः

(C) गौः (D) सभ्यः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–337-340*

169. अर्थसङ्कोचोदाहरणेष्वन्यतमो नास्ति– UGC 25 D–2015

(A) जलदः (B) सभ्यः

(C) मनुष्यः (D) पङ्कजम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–340*

163. (B) 164. (C) 165. (C) 166. (A) 167. (C)
173. (C) 174. (D) 175. (C)

170. 'पण्डित जी > पण्डीजी' इसमें ध्वनिपरिवर्तन का कारण है– UGC 25 J– 2004

(A) प्रयत्नलाघव (B) बलाघात

(C) सन्धि (D) अनुनासिकता

स्रोत–*भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–346*

171. ध्वनिसिद्धान्तस्य मूलाधारः सिद्धान्तः वर्तते– UP GDC– 2012, G GIC–2015

(A) शब्दब्रह्मत्वम् (B) शब्दनित्यत्वम्

(C) स्फोटवादः (D) अभिधावृत्तिः

स्रोत–*वाक्यपदीयम् - शिवशङ्कर अवस्थी/भूमिका, पेज–18*

172. धर्म का 'धम्म' होना किसका उदाहरण है– UP GIC– 2009, UP GDC– 2008

(A) तालव्य नियम (B) सादृश्य

(C) समीकरण (D) विषमीकरण

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–233*

173. धर्म शब्द का रूपान्तर 'धम्म' सम्बन्धित है? UP TGT (SS)–2005

(A) संस्कृतभाषा से (B) प्राकृतभाषा से

(C) पालिभाषा से (D) अपभ्रंशभाषा से

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–114*

174. (i) प्रयत्नलाघव कारण है –

(ii) प्रयत्नलाघवः कारणमस्ति–

(iii) 'प्रयत्नलाघवम्' इति कस्याभ्यन्तरकारणमस्ति? UP GIC– 2009, G GIC–2015, UP GDC–2012

(A) ध्वनि-नियम (B) अर्थ-परिवर्तन

(C) भाषा का ह्रास (D) ध्वनि-परिवर्तन

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227*

175. ध्वनयः समुपोहन्ते तैर्न भिद्यते। सही उत्तर है– UGC 73 J– 2012

(A) शब्दात्मा (B) अर्थात्मा

(C) स्फोटात्मा (D) काव्यात्मा

वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड श्लोक-76)-शिवशङ्कर अवस्थी, पेज–282

168. (C) 169. (B) 170. (A) 171. (C) 172. (C)

176. ध्वनिपरिवर्तनस्य अन्तःकारणम् नास्ति –
UGC 25 D–2000

(A) प्रयत्नलाघवम् (B) क्षिप्रभाषणम्
(C) ध्वनिनां परिवेशम् (D) बलाघातम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227-228*

177. छात्राणाम् उच्चारणदोषं दूरीकरणाय भाषाशिक्षकः भाषाविज्ञानस्य कस्मिन् विज्ञाने पारङ्गतः भूयात्–
UK TET–2011

(A) रूपविज्ञाने (B) ध्वनिविज्ञाने
(C) वाक्यविज्ञाने (D) अर्थविज्ञाने

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–107*

178. 'ध्वनि परिवर्तन तो जिह्वानर्तन है।' इसके बारे में आप क्या समझते हैं? UP PGT–2000

(A) यह उक्ति सही है।
(B) यह उक्ति सही नहीं है।
(C) यह उक्ति सर्वथा असम्बद्ध उक्ति है।
(D) यह उक्ति एकाङ्गी है।

179. ध्वनिपरिवर्तन का आभ्यन्तर कारण है?
UP PGT–2000

(A) अनुकरण की अपूर्णता (B) अन्य भाषाओं का प्रभाव
(C) सादृश्य (D) कालप्रभाव

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–228*

180. ध्वनिपरिवर्तन का सबसे प्रमुख कारण है?
UP PGT–2004, 2005

(A) बलाघात (B) अज्ञान
(C) प्रयत्न-लाघव (D) सादृश्य

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227*

181. 'ध्वनि-परिवर्तन' का आन्तरिक कारण है?
UP PGT–2009

(A) प्रयत्नलाघव (B) बोलने की शीघ्रता
(C) ध्वनियों का प्रवेश (D) बलाघात

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229*

176. (C) 177. (B) 178. (D) 179. (A) 180. (C)
186. (C) 187. (D)

182. 'धर्म का धम्म' रूप में परिवर्तन उदाहरण है?
UP PGT–2009

(A) पुरोगामी समीकरण का
(B) पश्चगामी समीकरण का
(C) पुरोगामी विषमीकरण का
(D) पश्चगामी विषमीकरण का

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–233*

183. 'समाक्षर लोप' की अवधारणा प्रस्तुत की।
UP PGT–2010, UK TET–2011

(A) सर विलियमजोन्स ने (B) ब्लूमफील्ड ने
(C) मैक्समूलर ने (D) वर्नर ने

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–235*

184. भाषाविज्ञान की दृष्टि में 'प्रयत्नलाघव' का अर्थ है?
DL (H)–2015

(A) शीघ्र बोलना
(B) कम समय में अधिक बोलना
(C) बोलने की मितव्ययिता
(D) उच्चारण की सुविधा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227*

185. 'वाराणसी' का 'बनारस' रूप में विकास उदाहरण है?
DL (H)–2015

(A) वर्ण-विपर्यय का (B) व्यञ्जनागम का
(C) व्यञ्जन लोप का (D) स्वर-व्यञ्जनागम का

स्रोत–*भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–236*

186. वर्णलोपस्य उदाहरणम् अस्ति– UGC 25 D–2014

(A) आस्थत् (B) ज्योतिः
(C) गतम् (D) द्वारः

स्रोत–*निरुक्तम् -आचार्य विश्वेश्वर, पेज–135*

187. ध्वनिपरिवर्तनस्य कारणं नास्ति– UK SLET–2015

(A) प्रयत्नलाघवं मुखसुखं वा (B) क्षिप्रभाषणम्
(C) भावातिरेकः (D) समीकरणं विषमीकरणं वा

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–221-230*

181. (A) 182. (B) 183. (B) 184. (D) 185. (A)

188. ध्वनिपरिवर्तन का कारण कौन नहीं है?

BHU MET–2011

(A) समीकरण (B) लोप
(C) आनुवांशिकता (D) आगम

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–228*

189. भाषायां ध्वनि-परिवर्तनस्य कारणं नास्ति–

UP GDC–2014

(A) शुद्धोच्चारणम् (B) स्वराघातः
(C) वर्णविपर्ययः (D) प्रयत्नलाघवम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227-235*

190. सूर्यः पदस्य 'सुज्जो' इति परिवर्तने कारणमस्ति–

UP GDC–2014

(A) आगमः (B) लोपः
(C) स्थानपरिवर्तनम् (D) सरलीकरणम्

स्रोत–*प्राकृत दीपिका - सुदर्शन लाल जैन, पेज–19*

191. बलाघातेन 'त्रि' स्थाने भवति– DL–2015

(A) त्रिकः (B) त्रियतम्
(C) श्री (D) त्रिगुणम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–170*

192. ध्वनि-परिवर्तन के मुख्य कारण कितने हैं?

BHU MET–2009

(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227*

193. आभ्यन्तर परिवर्तन के द्वारा एक दूसरे से सम्बद्ध ध्वनियों तथा रूपियों के मध्य के प्रत्यावर्तन के अध्ययन को कहते हैं – UP PGT–2013

(A) रूपध्वनिम-विज्ञान (B) ध्वनि-विज्ञान
(C) शब्दरूप ध्वनिम-विज्ञान (D) रूपप्रक्रियात्मक-ध्वनि-विज्ञान

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–286*

194. ध्वनिवैज्ञानिकैः कारणत्वेन किं स्वीक्रियते?

UGC 25 D–2015

(A) मृदुतालु (B) वर्त्सः
(C) ऊर्ध्वौष्ठिः (D) नासिकाविवरः

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–136*

188. (C) 189. (A) 190. (C) 191. (C) 192. (A)
198. (A) 199. (D) 200. (C) 201. (A)

195. 'उष्ट्र' का 'ऊँट' ध्वनि परिवर्तन निम्नलिखित में से कौन-सा प्रकार है? UP PGT–2005

(A) विपर्यय (B) लोप
(C) अनुनासिकता (D) आगम

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–235*

196. कस्मात् कारणात् 'स्थल' इति शब्दस्य 'थल' इति उच्चारणं क्रियते ? G GIC–2015

(A) आगमस्य (B) स्वरभक्तेः
(C) आदिलोपस्य (D) भावातिरेकस्य

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–235*

197. 'पुढवी' इति प्राकृत-शब्दस्य संस्कृतमूलमस्ति– UP GDC–2014

(A) पार्थिवी (B) पृथ्वी
(C) प्रथवी (D) पृथिव्याम्

स्रोत–*प्राकृत दीपिका - सुदर्शन लाल जैन, पेज–5*

198. 'सम्मासम्बुद्धि' इति पालिप्रयोगस्य पूर्वरूपमस्ति– UP GDC–2014

(A) सम्यक् सम्बुद्धिः (B) सम्यक्तरा बुद्धिः
(C) सम्यक् सिद्धिः (D) सम्यक् सम्बोधनम्

स्रोत–*भारतीय दर्शन - सतीश चन्द्र चट्टोपाध्याय, पेज–147*

199. भारतीयार्यभाषायाः वर्गाणां प्रथमवर्णः पारसीकभाषायां तृतीयवर्णो भवति, कथम्? UP GDC–2014

(A) पितृ > पितर् (B) भ्रातृ > भ्रातर्
(C) मातृ > मातर् (D) मातृ > मादर

200. भाषा के परिवर्तन में आभ्यन्तर कारण कौन है? BHU MET–2012

(A) सांस्कृतिक प्रभाव (B) साहित्यिक प्रभाव
(C) प्रयत्नलाघव (D) वैज्ञानिक प्रभाव

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–91*

201. निम्नलिखित में से कौन सा उपकरण दृश्य-श्रव्य है? UP TET–2014

(A) टेलीविजन (B) फ्लैश कार्ड
(C) लिंग्वाफोन (D) चित्र

193. (A) 194. (A) 195. (B) 196. (C) 197. (B)

202. ऊष्मा भेदाः सन्ति– **UGC 73 D– 2013**

(A) दश (B) सप्त
(C) त्रयः (D) द्वौ

203. 'वृक्ष' किस प्रकार का शब्द है? **UP PGT– 2004**

(A) यौगिक (B) योगाभास
(C) योगरूढ़ (D) अव्यक्त योग

स्रोत–*चन्द्रालोक 1/10 - सुबोधचन्द्र पन्त, पेज–7*

204. 'वे शब्द जिनके सार्थक खण्ड न हो सके' उन्हें कहते हैं– **DL (H)– 2015**

(A) रूढ़ (मूल) (B) योगरूढ़
(C) यौगिक (D) प्रयुक्त

स्रोत–*चन्द्रालोक 1/10 - सुबोधचन्द्र पन्त, पेज–7-8*

205. वाक्य-विचार के अन्तर्गत क्या अध्ययन किया जाता है? **UP PGT (H)– 2013**

(A) शब्दकोश का (B) वर्णों का
(C) A और B दोनों का (D) वाक्यों का

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–295*

206. प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्य 'यवनप्रिय' शब्द द्योतक है– **IAS 1995**

(A) एक प्रकार की उत्कृष्ट भारतीय मलमल का
(B) हाथी दाँत का
(C) नृत्य के लिये यवन राज्यसभा में भेजी जाने वाली नर्तकियों का
(D) कालीमिर्च का

207. अधोलिखितेषु संगणकीय-भाषाविज्ञानस्य उपविषयः किं नास्ति? **JNU MET– 2014**

(A) E-learning
(B) Natural Language Analysis
(C) Machine Translation
(D) Pos Tagging

202. (C) 203. (C) 204. (A) 205. (D) 206. (D)
212. (C) 213. (D)

208. रुद्रदाम्नः गिरनारशिलालेखे सुदर्शनतडागस्य कः पुनर्निर्माता– UGC 25 J– 2012

(A) पुष्पगुप्तः (B) तुषारस्फः

(C) चक्रपालितः (D) सुविशाषः

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख-परमेश्वरी लाल गुप्त (भाग-1), पेज–203

209. पिउदस्सि 'राजा' इति उल्लेखो मिलति– UP GDC– 2014

(A) समुद्रगुप्तप्रशस्तिलेखे (B) रुद्रदाम्नः शिलालेखे

(C) स्कन्दगुप्तस्यलेखे (D) अशोकस्याभिलेखेषु

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख-परमेश्वरी लाल गुप्त (भाग-1), पेज–9

210. कवि कालिदास के नाम का उल्लेख किसमें हुआ है? J PSC–2006

(A) इलाहाबाद स्तम्भलेख में

(B) एहोल के उत्कीर्णलेख में

(C) अलपादु दानलेख में

(D) हनुमकोंडा उत्कीर्णलेख में

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–183

211. एषु कस्य देशस्य नाम हरिषेणस्य एलाहाबादशिलालेखे नास्ति– UGC 25 J– 2015

(A) समतटः (B) डवाकः

(C) कामरूपः (D) चीनः

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख-परमेश्वरी लाल गुप्त (भाग-2), पेज–11

212. हरिषेणविरचिते इलाहाबादशिलालेखे 'कविराज' इत्युपाधिः भवति– UGC 25 D–2015

(A) चन्द्रगुप्तस्य (B) अशोकस्य

(C) समुद्रगुप्तस्य (D) स्कन्दगुप्तस्य

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख-परमेश्वरी लाल गुप्त (भाग-2), पेज–11

213. एहोल-शिलालेखः कस्य वर्तते– UGC 25 S– 2013

(A) द्वितीयचन्द्रगुप्तस्य (B) द्वितीयधरसेनस्य

(C) द्वितीयजीवितगुप्तस्य (D) द्वितीयपुलकेशिनः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–182-183

207. (B) 208. (D) 209. (D) 210. (B) 211. (D)

214. (i) आधुनिक देवनागरी लिपि का प्राचीन रूप है–
(ii) देवनागरी लिपि की उत्पत्ति किससे हुई?
UGC (H) J – 2010, UP PCS – 1999

(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) पैशाची (D) कैथी

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–494-95*

215. अशोकस्य अभिलेखस्य लिपिः अस्ति–
UK SLET– 2012

(A) शारदा (B) ब्राह्मी एवं खरोष्ठी
(C) देवनागरी (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–491*

216. ग्रन्थलिपि अस्मिन् प्रान्ते प्रचुरप्रचारं गता–
CVVET–2015

(A) मद्रासे (B) कर्णाटके
(C) महाराष्ट्रे (D) ओढ्रदेशे

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–495*

217. पाण्डुलिपेः नामान्तरम् – CVVET–2015

(A) मातृका (B) मूलप्रतिः
(C) शुद्धप्रतिः (D) तालपत्रम्

स्रोत–स्रोत–*haratdiscovery.org - इण्टरनेट*

218. लिप्यन्तरणज्ञानस्य मुख्यं प्रयोजनम्– CVVET–2015

(A) भाषाविकासः (B) पाठभेदज्ञानम्
(C) परिशोधनम् (D) ग्रन्थसम्पादनम्

219. ग्रन्थसम्पादने पाठभेदाः कुत्र दर्शनीयाः –
CVVET–2015

(A) प्रतिपृष्ठमधोभागे (B) ग्रन्थस्य भूमिकायाम्
(C) परिशिष्टे (D) विषयानुक्रमण्याः अनन्तरम्

220. भारोपीय भाषा का प्राचीनतम अभिलेखीय प्रमाण मिलता है– UGC 06 J–2015

(A) बैक्ट्रिया से (B) इराक से
(C) ईरान से (D) सीरिया से

स्रोत–*भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–117*

214. (B) 215. (B) 216. (A) 217. (A) 218. (D)
224. (D) 225. (A) 226. (B) 227. (A)

221. किसने एक तरफ संस्कृत मुद्रा लेख के साथ चाँदी के सिक्के निर्गत किये– **UP PCS– 2000**

(A) मोहम्मद बिनकासिम (B) महमूदगजनी
(C) शेरशाह (D) अकबर

222. किस राजा ने सर्वप्रथम संस्कृत में एक विस्तृत अभिलेख जारी किया था? **UGC 06 J–2011**

(A) अशोक (B) रुद्रदामन
(C) खारवेल (D) गोंडोफर्निस

स्रोत–*पापुलर गाइड/U.G. NET (संस्कृत)-आर. गुप्ता/प्रीति सिंह, पेज–488*

223. आकृतिमूलक वर्गीकरणं भवति–**CCSUM Ph.D–2016**

(A) शब्दरूपस्य (B) अर्थस्य
(C) उभयोः (D) न कोऽपि

स्रोत–*भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–55*

224. भारोपीयपरिवारे नास्ति– **CCSUM Ph.D–2016**

(A) संस्कृतम् (B) स्पेनी
(C) अंग्रेजी (D) तेलगु

स्रोत–*भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–117*

225. शाक-साग इति परिवर्तनस्य कारणम्– **CCSUM Ph.D–2016**

(A) घोषीकरणम् (B) अघोषीकरणम्
(C) महाप्राणीकरणम् (D) अल्पप्राणीकरणम्

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–236*

226. ध्वनीनामुच्चारणे मुख्यतमम् उपकरणमस्ति– **CCSUM-Ph.D–2016**

(A) दन्तः (B) जिह्वा
(C) ओष्ठः (D) नासिका

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–139*

227. वर्नरनियमस्य प्रतिष्ठाता कालवर्नर कस्य देशस्य निवासी– **CCSUM-Ph.D–2016**

(A) जर्मनी (B) फ्रांस
(C) ब्रिटेन (D) रूस

स्रोत–*भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246*

219. (A) 220. (C) 221. (B) 222. (B) 223. (A)

प्रतियोगितागङ्गा

1. **अथर्ववेद** (भाग-1-2) - आचार्य वेदान्ततीर्थ - मनोज पब्लिकेशन्स, दिल्ली –2015
2. **अमरकोष** - (श्रीअमर सिंह) - हरगोविन्दशास्त्री - चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी – 2005
3. **अर्थसंग्रह** - (लौगाक्षिभास्कर) - दयाशंकरशास्त्री - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2008
4. **अर्थसंग्रह** - (लौगाक्षिभास्कर) - राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – 2009
5. **अष्टाध्यायी** (भाग-1-2) - (महर्षि पाणिनि) - ईश्वरचन्द्र - चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली – 2015
6. **अष्टाध्यायी** (सूत्रपाठ) - (महर्षि पाणिनि) - गोपालदत्त पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी – 2013
7. **आधुनिक संस्कृत व्याकरण और रचना** - श्यामनन्दन शास्त्री - भारती भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
8. **ईशादि नौ उपनिषद्** - हरिकृष्णदास गोयन्दका - गीताप्रेस, गोरखपुर – सं० 2071
9. **ईशावास्योपनिषद्** - आद्याप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2014
10. **ईशावास्योपनिषद्** - दीपक कुमार - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, – 2015
11. **उत्तररामचरितम्** - कपिलदेव द्विवेदी - रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद – 2011
12. **उत्तररामचरितम्** - शिवबालक द्विवेदी - हंसा प्रकाशन, जयपुर – 2011
13. **उपनिषद् अंक** - गीताप्रेस, गोरखपुर, तेरहवाँ संस्करण
14. **उपनिषद्** (108) (ब्रह्मविद्याखण्ड) - श्रीराम शर्मा आचार्य - संस्कृत संस्थान, बरेली – 2010
15. **उपकार संस्कृत गाइड** - मिथिलेश पाण्डेय
16. **ऋक्सूक्तसंग्रह** - डॉ० हरिदत्तशर्मा/डॉ० कृष्णकुमार - साहित्य भण्डार, मेरठ
17. **ऋग्वेद** (भाग-1 से 4) आचार्य वेदान्ततीर्थ - मनोज पब्लिकेशन्स, दिल्ली – 2015

स्रोतग्रन्थ–सूची

18. **ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम्** (महर्षिशौनक) - डॉ० वीरेन्द्र कुमार वर्मा - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली – 2011
19. **ऋग्वेदभाष्यभूमिका** (आचार्य सायण) - डॉ० राम अवधपाण्डेय - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2014
20. **ऋग्वेदभाष्य-भूमिका** (आचार्य सायण) - रविन्द्रनाथ मिश्र, जगन्नाथ पाठक-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2013
21. **कठोपनिषद्** (ज्ञानखण्ड, 108 उपनिषद्) - श्रीराम शर्मा आचार्य - संस्कृति संस्थान, बरेली – 2010
22. **कठोपनिषद्** (शाङ्करभाष्य)-गीताप्रेस, गोरखपुर – सं० 2072
23. **किरातार्जुनीयम्** (भारवि) - रामसेवक दुबे - शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद – 2010 तृतीय संस्करण
24. **कुमारसम्भवम्** (कालिदास) - डॉ० राजू (राजेश्वर) शास्त्री मुसलगाँवकर-चौखम्बा संस्कृतभवन, वाराणसी–वि०सं० 2057
25. **कौटिलीय अर्थशास्त्रम्** (चाणक्य) - वाचस्पति गैरोला - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2013
26. **चन्द्रालोक** (जयदेव) - सुबोधचन्द्र पन्त - मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली – 2003
27. **छान्दोग्योपनिषद्** (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, गोरखपुर – सं० 2070
28. **जातक परिजात** - कपिलेश्वर शास्त्री
29. **ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षक** - डॉ० गिरिजाशङ्कर शास्त्री - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ – 2004
30. **तिङ्कृत्कोषः** - पुष्पादीक्षित - संस्कृत भारती, नव देहली– 2011
31. **तैत्तिरीयोपनिषद्** - चुन्नीलाल शुक्ल - साहित्यभण्डार, मेरठ – 2012
32. **तैत्तिरीयप्रातिशाख्य** - जमुना पाठक, सुशील पाठक - चौखम्बा संस्कृत आफिस, वाराणसी – 2013
33. **धातुरूपकौमुदी** - राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – 2009
34. **धार्मिक सूक्तियाँ** - प्रकाशचन्द्र गंगराडे - बी एण्ड एस-पब्लिशर्स, नई दिल्ली – 2006

35. **नीतिशतकम्** (भर्तृहरि) - बलवान सिंह यादव - चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी – सं0 2072
36. **निरुक्त** (यास्क) - छज्जूराम शास्त्री, देवशर्मा शास्त्री - मेहरचन्द लक्ष्मनदास पब्लिकेशन, नई दिल्ली – 2012
37. **निरुक्तम्** (यास्क) - उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि' - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2014
38. **निर्णयसिन्धु** (कमलाकरभट्ट) - ब्रजरत्न भट्टाचार्य - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2014
39. **परिभाषेन्दुशेखरः** (श्रीनागेशभट्ट) - विश्वनाथ मिश्र - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
40. **पाणिनीयलिङ्गानुशासनम्** - ईश्वरचन्द्र - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली – 2004
41. **पाणिनीय शिक्षा** (महर्षिपाणिनि) - डॉ0 दामोदर महतो - मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली – 2014
42. **पाणिनीयशिक्षा** (महर्षिपाणिनि) - शिवराज आचार्य - कौण्डिन्न्यायन - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2012
43. **पापुलर मास्टर गाइड** - आर0 गुप्ता, प्रीति सिंह
44. **बृहद् अनुवाद चन्द्रिका** - चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, सत्यानन्द वेद वागीश - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2013
45. **बृहद् अबकहडा चक्रम्** - एस0 के0 झा 'सुमन' - श्री ठाकुरप्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी – 2013
46. **बृहदबकहडाचक्रम्** - अवधबिहारी त्रिपाठी, कमलकान्त शुक्ल - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2015
47. **बृहदारण्यकोपनिषद्** - गीताप्रेस, गोरखपुर – सं0 2071
48. **बृहद्धातुकुसुमाकर** - हरेकान्तमिश्र - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली – 2011
49. **बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्** - सुरेशचन्द्र मिश्र - रंजन पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली – 2008
50. **भारतीयदर्शन** - चटर्जी एवं दत्त - पुस्तकभण्डार पब्लिशिंग हाउस, पटना – 2012
51. **भारतीय ज्योतिष का इतिहास** - गोरखप्रसाद - उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ – 2010
52. **भारतीय ज्योतिष** - नेमिचन्द्र शास्त्री - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली – 2010

53. **भारत की प्राचीन संस्कृतियाँ और सभ्यताएँ**
54. **भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार** - डॉ0 गिरिजाशंकर शास्त्री - चौखम्बा संस्कृत भवन वाराणसी – सं0 2072
55. **भारतीय संस्कृति** - दीपक कुमार - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014
56. **भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र** - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2012
57. **भाषाविज्ञान** - कर्ण सिंह - साहित्यभण्डार, मेरठ – 2006
58. **भाषाविज्ञान** - भोलानाथ तिवारी - किताब महल प्रकाशन, पेज – 2006
59. **मनुस्मृति** (महर्षिमनु) - शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन - चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी – 2014
60. **मानसागरी** - सीताराम झा, रूप नारायण झा - श्रीठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी – 2002
61. **मुहूर्तचिन्तामणि** (श्रीरामदेवयज्ञ) - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014
62. **मृच्छकटिकम्** (श्रीशूद्रक) - रमाशंकर त्रिपाठी - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2012
63. **यजुर्वेद** - वेदान्ततीर्थ - मनोज पब्लिकेशन्स दिल्ली – 2015
64. **यज्ञमीमांसा** - वेणीरामशर्मा गौड़ - चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी – 1999
65. **याज्ञवल्क्यशिक्षा** (महर्षियाज्ञवल्क्य) - नरेश झा - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2012
66. **याज्ञवल्क्यस्मृति** (महर्षियाज्ञवल्क्य) - उमेशचन्द्र पाण्डेय - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – सं0 2070
67. **रचनानुवादकौमुदी** - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2011
68. **रूपचन्द्रिका** - डॉ0 ब्रह्मानन्द त्रिपाठी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2012
69. **लघुजातकम्** - कमलाकान्त पाण्डेय, डॉ0 ब्रह्मानन्द त्रिपाठी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2015
70. **लघुपाराशरी** (उडुदायप्रदीप) - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव - ज्योतिषकर्मकाण्ड एवम् अध्यात्म शोध संस्थान – 2007
71. **लघुशब्देन्दुशेखर** (श्रीनागेशभट्ट) आचार्य विश्वनाथमिश्र - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली – 2012

72. **लघुशब्देन्दुशेखर** (श्रीनागेशभट्ट) वैकुण्ठनाथ शास्त्री चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी – 2014
73. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (वरदराजाचार्य) - गीताप्रेस, गोरखपुर
74. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (वरदराजाचार्य) गोविन्दाचार्य, आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2013
74. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (भैमी व्याख्या भाग-1-6) - भीमसेन शास्त्री - भैमी प्रकाशन दिल्ली – 2005
75. **वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्डम्** (भर्तृहरि) - शिवशङ्कर अवस्थी- चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी – 2013
76. **विकीपीडिया** - इण्टरनेट - Google Search.
77. **व्याकरणमहाभाष्यम्** (महर्षि पतञ्जलि) - जयशङ्करलाल त्रिपाठी - चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी – 2013
78. **वेदान्तसार** (सदानन्द) - आद्याप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2011
79. **वेदान्तसार** (सदानन्द) - सन्तनारायण श्रीवास्तव - सुदर्शन प्रकाशन, गाजियाबाद – 2005
80. **वेदचयनम्** - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2014
81. **वैदिक दर्शन** - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वभारती अनुसन्धान परिषद् ज्ञानपुर (भदोही) – 2006
82. **वैदिक माइथोलाजी** (ए0 ए0 मैकडॉनल) - रामकुमार राय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2015
83. **वैदिकशब्दमीमांसा** - गीताञ्जलि पाण्डेय - साहित्य संगम, इलाहाबाद – 2013
84. **वैदिक साहित्य एवं संस्कृति** - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2015
85. **वैदिक साहित्य और संस्कृति** - आचार्य बलदेव उपाध्याय - शारदा संस्थान, वाराणसी
86. **वैदिक साहित्य का इतिहास** - कर्णसिंह - साहित्य भण्डार, मेरठ – 2010
87. **वैदिक साहित्य का इतिहास** - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पं0 राजेश्वर (राजू) शास्त्री मुसलगाँवकर - चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – सं0 2072
88. **वैदिक साहित्य का इतिहास** - पारसनाथ द्विवेदी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014

89. **वैदिकसूक्तसंग्रह** - विजयशङ्कर पाण्डेय - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2014

90. **वैयाकरण भूषणसार** (खण्ड-1) (कौण्डभट्ट) - भीमसेन शास्त्री - भैमी प्रकाशन, दिल्ली – 2009

91. **वैयाकरण-सिद्धान्तकौमुदी** - गोपालदत्त पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2013

92. **वैयाकरण-सिद्धान्तकौमुदी** (भाग 1-6) - गोविन्दाचार्य - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2013

93. **शब्दरूपकौमुदी** - राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर - चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – 2014

94. **शिवराजविजयम्** (अम्बिकादत्तव्यास) - रमाशङ्कर मिश्र - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014

95. **शुकनाशोपदेशः** (बाणभट्ट) - तारिणीश झा - रामनारायण लाल अरुण कुमार, इलाहाबाद – 2010

96. **श्रौतयज्ञ परिचय** - वेणीराम शर्मा गौड़ - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 1999

97. **समासप्रकरण** (आचार्य सेतु) - ललितकुमार त्रिपाठी - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली – 2012

98. **सम्भाषण-शब्दकोषः** - सर्वज्ञभूषण/सुधीर तिवारी - संस्कृतगङ्गा प्रकाशन, प्रयाग – 2014

99. **सिद्धान्त-कौमुदी** (कारक प्रकरण) - आनन्द कुमार श्रीवास्तव, राममुनि पाण्डेय - विभा प्रकाशन, – 2012

100. **सर्वदर्शनसंग्रह** (माधवाचार्य) - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' - चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी – 2012

101. **सूर्यसिद्धान्त** - रामचन्द्र पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014

102. **संस्कृतगङ्गा-संस्कृत व्याकरणम्** - सर्वज्ञभूषण - संस्कृतगङ्गा प्रकाशन, प्रयाग – 2016

103. **संस्कृत गद्यालोक प्रकाश** - करुणा अग्रवाल - विभा प्रकाशन, इलाहाबाद – 2006

104. **संस्कृत-परम्परागतविषय** - शत्रुघ्न त्रिपाठी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी – 2014

105. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास** (द्वितीय-खण्ड) - बलदेव उपाध्याय, ओमप्रकाश पाण्डेय - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ – 2015

106. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास** (खण्ड-16) - बलदेव उपाध्याय/श्रीनिवासरथ/रामचन्द्र पाण्डेय - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ – 2012

107. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास** (पञ्चदश खण्ड) - बलदेव उपाध्याय - गोपालदत्त पाण्डेय - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ – 2001

108. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास** (प्रथम खण्ड) - बलदेव उपाध्याय/ब्रजबिहारी चौबे - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ – 2012

109. **संस्कृत व्याकरण और लेखन** - डॉ0 रामगोपाल शर्मा, डॉ0 नारायण मुखर्जी - हितैषी पब्लिशर्स (प्रा0) लि0, नई दिल्ली

110. **संस्कृत व्याकरण और रचना** (लूसेन्ट) - अरविन्द कुमार - लूसेन्ट पब्लिकेशन्स, पटना– 2011

111. **संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका** - बाबूराम सक्सेना - रामनारायण लाल प्रहलाददास, इलाहाबाद – 2016

112. **संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास** (युधिष्ठिर मीमांसक) रामनाथ त्रिपाठी - चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी – 2014
113. **संस्कृत-शिक्षणम्** - डॉ0 उदयशङ्कर झा - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2011
114. **संस्कृत शिक्षण विधि** - विजयनारायण चौबे
115. **संस्कृत शास्त्रों का इतिहास** - बलदेव उपाध्याय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 1994
116. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' - चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी – 2014
117. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास** - कपिलदेव द्विवेदी - रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद – 2013
118. **संस्कृत हिन्दी शब्दकोश** - वामन शिवराम आप्टे - चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी – 2012
119. **हिन्दी-निरुक्त** - कपिलदेव शास्त्री, चुन्नीलाल शुक्ल, श्रीकान्त शुक्ल - साहित्य भण्डार, मेरठ – 2009
120. **हिन्दी शब्द-अर्थ-प्रयोग** - हरदेव बाहरी
121. **हिन्दू-संस्कार** - राजबली पाण्डेय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2014